आधा लड़का • आधा भगवान • सभी हीरो

पर्सी जैक्सन और बिजली चोर

रिऑर्डन

महाकाव्य नायक पौराणिक रोमांच

पोरौटी

पर्सी जैक्सन और बिजली चोर

रिक रिओर्डान

तुफ़ानी

अंतर्वस्तु

1 • मैंने गलती से अपने गणित शिक्षक को भाप बना दिया 2 • तीन बूढ़ी औरतें मौत के मोज़े बुनती हैं
3 • ग्रोवर ने अप्रत्याशित रूप से अपनी पैंट खो दी 4 • मेरी माँ मुझे बुलफाइटिंग सिखाती है
5 • मैं घोड़े के साथ पिनोकल खेलता हूँ
6 • मैं बाथरूम का सर्वोच्च स्वामी बन जाता हूँ
7 • मेरा खाना जलकर राख हो गया
8 • हम एक झंडा पकड़ते हैं
9 • मुझे एक खोज सौंपी गई है
10 • मैंने एक बिल्कुल सही बस को बर्बाद कर दिया 11 • हम गार्डन ग्नोम एम्पोरियम का दौरा करते हैं 12 • हमें एक पूडल से सलाह मिलती है
13 • मैं अपनी मौत की ओर छलांग लगाता हूँ
14 • मैं एक कुख्यात भगोड़ा बन जाता हूँ
15 • भगवान हमें चीज़बर्गर खरीदकर देते हैं
16 • हम एक ज़ेबरा को वेगास ले जाते हैं
17 • हम वाटरबेड खरीदते हैं
18 • एनाबेथ ओबीडियंस स्कूल में जाती है
19 • हमें सच्चाई का पता चलता है, कुछ हद तक। 20 • मैं अपने बदतमीज़ रिश्तेदार से लड़ता हूँ 21 • मैं अपना बिल चुकाता हूँ
22 • भविष्यवाणी सच हुई

रिक रियोर्डन एक पुरस्कार विजेता रहस्य कथा लेखक हैं। पंद्रह वर्षों तक माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक के रूप में काम करने के बाद, रिक अब पूर्णकालिक लेखन करते हैं और अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ बोस्टन, मैसाचुसेट्स में रहते हैं। रेड हाउस चिल्ड्रन्स बुक अवार्ड विजेता 'पर्सी जैक्सन एंड द लाइटनिंग थीफ' इस श्रृंखला का पहला उपन्यास है जिसमें वीर युवा अर्धदेवता की कहानी है।

[illegible]

[illegible]:

[illegible]

[illegible], [illegible]:

[illegible]

[illegible]:

[illegible]

[illegible], [illegible]:

[illegible]

[illegible]:

[illegible]

www.rickriordanmythmaster.co.uk

पर्सी जैक्सन श्रृंखला की प्रशंसा:
'पौराणिक कथाओं और आधुनिकता का एक शानदार मिश्रण। रिक रिओर्डन पाठक को उन कहानियों की ओर ले जाते हैं जिन्हें हम पसंद करते हैं, और फिर उनमें जमी धूल झाड़ देते हैं।'
– इओइन कोल्फर, आर्टेमिस फाउल के लेखक
‘यह बफी और आर्टेमिस फाउल का मिश्रण है। बहुत बढ़िया!’
– संडे टाइम्स
‘यह तो किंवदंतियों का हिस्सा है’
- अभिभावक
‘शानदार, अनोखा और बेहद मजेदार!’
- उल्टी ओर
‘रियोर्डन दिलचस्प कहानी के साथ-साथ शब्दों के खेल, चुटकुले और सूक्ष्म हास्य का शानदार मिश्रण पेश करते हैं।’
– संडे टेलीग्राफ
‘यह निश्चित रूप से एक क्लासिक बन जाएगी’
– संडे एक्सप्रेस
‘पढ़ना शुरू करने के बाद छोड़ा नहीं जा सकता’
– आयरिश टाइम्स

[redacted], [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted]

1. मैंने गलती से अपने गणित शिक्षक को भाप बना दिया

देखो, मैं आधा इंसान और आधा इंसान नहीं बनना चाहता था।
अगर आप यह इसलिए पढ़ रहे हैं क्योंकि आपको लगता है कि आप भी उनमें से एक हो सकते हैं, तो मेरी सलाह है: इस किताब को अभी बंद कर दीजिए। अपने जन्म के बारे में आपके माता-पिता ने जो भी झूठ बोला है, उस पर विश्वास कीजिए और एक सामान्य जीवन जीने की कोशिश कीजिए।
आधा इंसान होना खतरनाक है। यह डरावना है। ज्यादातर मामलों में, यह आपको दर्दनाक और भयानक तरीकों से मौत के घाट उतार देता है।
अगर आप एक सामान्य बच्चे हैं और इसे काल्पनिक समझकर पढ़ रहे हैं, तो बहुत बढ़िया। पढ़ते रहिए। मुझे आप पर गर्व है कि आप यह मान सकते हैं कि इनमें से कुछ भी सच नहीं हुआ।
लेकिन अगर आपको इन पन्नों में खुद की झलक दिखाई दे – अगर आपके अंदर कुछ हलचल हो – तो तुरंत पढ़ना बंद कर दें। हो सकता है आप भी हममें से ही एक हों।
और एक बार जब आपको यह पता चल जाएगा, तो बस कुछ ही समय की बात है जब उन्हें भी इसका एहसास हो जाएगा, और वे आपके पीछे पड़ जाएंगे।
मैंने तुम्हें पहले ही चेतावनी दे दी थी, ऐसा मत कहना।
मेरा नाम पर्सी जैक्सन है।
मैं बारह साल का हूँ। कुछ महीने पहले तक, मैं न्यूयॉर्क के उत्तरी हिस्से में स्थित यान्सी अकादमी नामक एक निजी स्कूल में बोर्डिंग छात्र था, जो समस्याग्रस्त बच्चों के लिए बना है।
क्या मैं एक परेशान बच्चा हूँ?
हाँ। आप ऐसा कह सकते हैं।
मैं इसे साबित करने के लिए अपने छोटे से दुख भरे जीवन के किसी भी मोड़ से शुरुआत कर सकता था, लेकिन चीजें वास्तव में पिछले मई में खराब होना शुरू हुईं, जब हमारी छठी कक्षा के छात्र मैनहट्टन की फील्ड ट्रिप पर गए - अट्ठाईस सनकी बच्चे और दो शिक्षक एक पीली स्कूल बस में, प्राचीन ग्रीक और

रोमन कलाकृतियों को देखने के लिए मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट जा रहे थे।
मुझे पता है – यह यातना जैसा लगता है। यान्सी की अधिकांश फील्ड ट्रिप ऐसी ही होती थीं।
लेकिन हमारे लैटिन शिक्षक श्री ब्रूनर इस यात्रा का नेतृत्व कर रहे थे, इसलिए मुझे उम्मीद थी।
श्री ब्रूनर एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति थे जो मोटरयुक्त व्हीलचेयर पर बैठते थे। उनके बाल कम होते जा रहे थे, दाढ़ी बढ़ी हुई थी और उन्होंने एक पुरानी सी ट्वीड जैकेट पहनी हुई थी, जिससे हमेशा कॉफी की महक आती थी। आपको शायद न लगे कि वे बहुत ही मिलनसार होंगे, लेकिन वे कहानियां और चुटकुले सुनाते थे और हमें कक्षा में खेल खेलने देते थे। उनके पास रोमन कवच और हथियारों का एक शानदार संग्रह भी था, इसलिए वे एकमात्र ऐसे शिक्षक थे जिनकी कक्षा में मुझे नींद नहीं आती थी।
मुझे उम्मीद थी कि यात्रा ठीक रहेगी। कम से कम, मुझे उम्मीद थी कि इस बार मैं किसी मुसीबत में नहीं पड़ूंगा।
अरे, मैं कितना गलत था।
देखो, मेरे साथ फील्ड ट्रिप पर अक्सर बुरी-बुरी घटनाएं हो जाती हैं। जैसे पांचवीं कक्षा में, जब हम साराटोगा युद्धक्षेत्र गए थे, तब मेरे साथ एक तोप से हादसा हो गया था। मेरा निशाना स्कूल बस पर नहीं था, लेकिन फिर भी मुझे स्कूल से निकाल दिया गया। और उससे पहले, चौथी कक्षा में, जब हम मरीन वर्ल्ड शार्क पूल के पीछे के दृश्यों का दौरा कर रहे थे, तब मैंने गलती से कैटवॉक पर गलत लीवर दबा दिया और हमारी पूरी क्लास अनजाने में पानी में गिर गई। और उससे पहले वाली घटना... खैर, आप समझ ही गए होंगे।
इस यात्रा में मैंने अच्छा व्यवहार करने का दृढ़ निश्चय किया था।
शहर तक पूरे रास्ते, मैंने नैन्सी बोबोफिट, झाइयों वाली लाल बालों वाली चोरी की आदी लड़की को बर्दाश्त किया, जो मेरे सबसे अच्छे दोस्त, ग्रोवर के सिर के पिछले हिस्से पर मूंगफली के मक्खन और केचप सैंडविच के टुकड़े फेंक रही थी।
ग्रोवर एक आसान निशाना था। वह दुबला-पतला था। जब उसे गुस्सा आता तो वह रोने लगता था। लगता है उसे कई क्लास पीछे रहना पड़ा था, क्योंकि छठी कक्षा में वही इकलौता बच्चा था जिसके चेहरे पर मुहांसे थे और ठुड्डी पर हल्की दाढ़ी

उगनी शुरू हो गई थी। इन सबके अलावा, वह विकलांग भी था। उसके पास एक नोट था जिसमें लिखा था कि उसे जीवन भर शारीरिक शिक्षा से छूट मिली हुई है क्योंकि उसके पैरों में किसी तरह की मांसपेशियों की बीमारी थी। वह अजीब तरह से चलता था, मानो हर कदम पर उसे दर्द होता हो, लेकिन इस बात से धोखा मत खाना। जब कैंटीन में एन्चिलाडा डे होता था, तब उसे दौड़ते हुए देखना चाहिए था। खैर, नैन्सी बोबोफिट सैंडविच के टुकड़े फेंक रही थी जो उसके घुंघराले भूरे बालों में फंस रहे थे, और वह जानती थी कि मैं उसे कुछ नहीं कर सकता क्योंकि मैं पहले से ही परिवीक्षा पर था। प्रधानाध्यापक ने मुझे धमकी दी थी कि अगर इस यात्रा में कुछ भी बुरा, शर्मनाक या थोड़ा सा भी मनोरंजक हुआ तो मुझे स्कूल से निलंबित कर दिया जाएगा।
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, 'मैं उसे मार डालूंगा।'
ग्रोवर ने मुझे शांत करने की कोशिश की। 'कोई बात नहीं। मुझे पीनट बटर पसंद है।'
उसने नैन्सी के लंच का एक और टुकड़ा खाने से खुद को बचा लिया।
बस बहुत हो गया। मैं उठने लगा, लेकिन ग्रोवर ने मुझे वापस मेरी सीट पर खींच लिया।
उन्होंने मुझे याद दिलाया, 'तुम पहले से ही प्रोबेशन पर हो। तुम्हें पता है कि अगर कुछ हुआ तो किसे दोषी ठहराया जाएगा।'
अब पीछे मुड़कर देखता हूँ तो काश मैंने नैन्सी बोबोफिट को वहीं पर पीट दिया होता। स्कूल से निलंबन तो कुछ भी नहीं होता, उस मुसीबत के सामने जो मैं आगे चलकर खड़ी होने वाली थी।
श्री ब्रूनर ने संग्रहालय के दौरे का नेतृत्व किया।
वह अपनी व्हीलचेयर में आगे-आगे चल रहे थे और हमें विशाल, गूंजती हुई दीर्घाओं से होते हुए, संगमरमर की मूर्तियों और कांच के उन बक्सों के पास से ले जा रहे थे जिनमें वास्तव में पुराने काले और नारंगी रंग के मिट्टी के बर्तन भरे हुए थे।
यह जानकर मैं दंग रह गया कि ये चीजें दो हजार, तीन हजार साल तक सुरक्षित रहीं।
उन्होंने हमें चार मीटर ऊंचे एक पत्थर के स्तंभ के चारों ओर इकट्ठा किया, जिसके ऊपर एक विशाल स्फिंक्स की मूर्ति थी, और हमें बताने लगे कि यह हमारी उम्र की एक लड़की की कब्र का चिन्ह, एक पत्थर का स्तंभ था। उन्होंने हमें

स्तंभ के किनारों पर बनी नक्काशी के बारे में बताया। मैं उनकी बातें सुनने की कोशिश कर रही थी, क्योंकि यह कुछ हद तक दिलचस्प था, लेकिन मेरे आस-पास के सभी लोग बातें कर रहे थे, और हर बार जब मैं उन्हें चुप रहने के लिए कहती, तो दूसरी शिक्षिका, श्रीमती डॉड्स, मुझे घूरकर देखतीं।
श्रीमती डॉड्स जॉर्जिया की एक छोटी सी गणित शिक्षिका थीं, जो पचास साल की होने के बावजूद हमेशा काली चमड़े की जैकेट पहनती थीं। उनका रूप-रंग इतना आक्रामक था कि वे हार्ले बाइक से सीधे आपके लॉकर में जा घुसती थीं। वे यान्सी में साल के मध्य में आई थीं, जब हमारे पिछले गणित शिक्षक को मानसिक आघात लगा था।
पहले दिन से ही श्रीमती डॉड्स नैन्सी बोबोफिट को बहुत पसंद करती थीं और मुझे शैतान की औलाद समझती थीं। वह अपनी टेढ़ी उंगली मेरी तरफ करके बड़े प्यार से कहती थीं, 'अब देखो, बेटा', और मैं समझ जाती थी कि मुझे एक महीने के लिए स्कूल के बाद सजा मिलने वाली है।
एक बार, जब उन्होंने मुझे आधी रात तक पुरानी गणित की वर्कबुक से जवाब मिटाने के लिए मजबूर कर दिया था, तो मैंने ग्रोवर से कहा कि मुझे नहीं लगता कि श्रीमती डॉड्स इंसान हैं। उसने मुझे बहुत गंभीरता से देखा और कहा, 'तुम बिल्कुल सही हो।'
श्री ब्रूनर लगातार ग्रीक अंत्येष्टि कला के बारे में बात करते रहे।
अंत में, नैन्सी बोबोफिट ने शिलास्तंभ पर बने नग्न व्यक्ति के बारे में कुछ फुसफुसाया, और मैंने मुड़कर कहा, 'क्या तुम चुप रहोगी?'
यह मेरी मंशा से ज़्यादा ज़ोर से निकल गया।
पूरा समूह हंस पड़ा। श्री ब्रूनर ने अपनी कहानी रोक दी।
उन्होंने कहा, 'श्रीमान जैक्सन, क्या आप कुछ कहना चाहेंगे?'
मेरा चेहरा एकदम लाल हो गया था। मैंने कहा, 'नहीं, महोदय।'
श्री ब्रूनर ने शिलास्तंभ पर बनी एक तस्वीर की ओर इशारा करते हुए कहा, 'शायद आप हमें बताएँगे कि यह तस्वीर क्या दर्शाती है?'
मैंने उस नक्काशी को देखा और राहत की सांस ली, क्योंकि मैंने उसे पहचान लिया था। 'यह क्रोनोस है जो अपने बच्चों को खा रहा है, है ना?'
‘हां,’ श्री ब्रूनर ने कहा, जाहिर तौर पर वे संतुष्ट नहीं थे। ‘और उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि…’
‘अच्छा…’ मैंने याद करने की बहुत कोशिश की। ‘क्रोनोस राजा देवता था, और –’

‘भगवान?’ श्री ब्रूनर ने पूछा।
‘टाइटन,’ मैंने खुद को सुधारते हुए कहा। ‘और… उसे अपने बच्चों पर भरोसा नहीं था, जो देवता थे। तो, क्रोनोस ने उन्हें खा लिया, है ना? लेकिन उसकी पत्नी ने शिशु ज़्यूस को छिपा लिया और क्रोनोस को खाने के लिए एक पत्थर दे दिया। और बाद में, जब ज़्यूस बड़ा हुआ, तो उसने अपने पिता, क्रोनोस को चकमा देकर अपने भाई-बहनों को उगलवा दिया –’
मेरे पीछे खड़ी लड़कियों में से एक ने कहा, 'ईव!'
‘और इस तरह देवताओं और टाइटन्स के बीच एक बड़ा युद्ध हुआ,’ मैंने आगे कहा, ‘और देवताओं की जीत हुई।’
समूह में से कुछ लोग दबी हंसी हंसे।
मेरे पीछे, नैन्सी बोबोफिट ने एक दोस्त से बुदबुदाते हुए कहा, 'जैसे कि हम इसे असल जिंदगी में इस्तेमाल करने वाले हैं। जैसे कि यह हमारे नौकरी के आवेदनों पर लिखा होगा, "कृपया बताएं कि क्रोनोस ने अपने बच्चों को क्यों खाया"।'
‘और क्यों, मिस्टर जैक्सन,’ ब्रूनर ने कहा, ‘मिस बोबोफिट के उत्कृष्ट प्रश्न को दूसरे शब्दों में कहें तो, वास्तविक जीवन में यह मायने रखता है?’ 'पकड़े गए,' ग्रोवर ने बुदबुदाया।
'चुप रहो,' नैन्सी फुफकारते हुए बोली, उसका चेहरा उसके बालों से भी ज्यादा लाल हो गया था।
कम से कम नैन्सी भी मुसीबत में पड़ गई। मिस्टर ब्रूनर ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने उसे कभी कुछ गलत बोलते हुए पकड़ा था। उनकी सुनने की शक्ति बहुत तेज़ थी।
मैंने उनके सवाल पर सोचा और कंधे उचका दिए। 'मुझे नहीं पता, महोदय।'
‘मैं समझ गया।’ श्री ब्रूनर निराश दिखे। ‘अच्छा, श्री जैक्सन, आपको आधा श्रेय जाता है। ज़्यूस ने वास्तव में क्रोनोस को सरसों और शराब का मिश्रण खिलाया था, जिससे उसने अपने बाकी पाँच बच्चों को उगल दिया, जो अमर देवता होने के कारण टाइटन के पेट में बिना पचे ही पल रहे थे। देवताओं ने अपने पिता को हराया, उनकी ही दरांती से उनके टुकड़े-टुकड़े कर दिए और उनके अवशेषों को पाताल लोक के सबसे अंधेरे हिस्से, टार्टारस में बिखेर दिया। इसी सुखद खबर के साथ, अब दोपहर के भोजन का समय हो गया है। श्रीमती डॉड्स, क्या आप हमें बाहर ले चलेंगी?’

कक्षा में सब लोग खो गए, लड़कियां अपने पेट पकड़े हुए थीं, लड़के एक-दूसरे को धक्का दे रहे थे और बेवकूफों जैसी हरकतें कर रहे थे।
ग्रोवर और मैं उनके पीछे जाने ही वाले थे कि श्री ब्रूनर ने कहा, 'श्री जैक्सन।'
मुझे पता था कि ऐसा होने वाला है।
मैंने ग्रोवर को आगे बढ़ते रहने को कहा। फिर मैं मिस्टर ब्रूनर की ओर मुड़ा। 'सर?'
मिस्टर ब्रूनर की आंखों में एक ऐसी चमक थी जो आपको उनसे दूर नहीं जाने देती थी - उनकी गहरी भूरी आंखें ऐसी लगती थीं मानो वे हजार साल पुरानी हों और सब कुछ देख चुकी हों।
'आपको मेरे प्रश्न का उत्तर जानना होगा,' श्री ब्रूनर ने मुझसे कहा। ‘टाइटन के बारे में?’
‘वास्तविक जीवन के बारे में। और आपकी पढ़ाई उसमें कैसे लागू होती है।’ 'ओह।'
उन्होंने कहा, ‘मुझसे जो कुछ भी तुम सीखते हो, वह अत्यंत महत्वपूर्ण है। मैं तुमसे यही अपेक्षा करता हूँ कि तुम इसे उसी रूप में लो। पर्सी जैक्सन, मैं तुमसे केवल सर्वश्रेष्ठ ही स्वीकार करूँगा।’
मुझे गुस्सा आ रहा था, इस आदमी ने मुझे इतनी जोर से धक्का दिया।
मतलब, टूर्नामेंट के दिनों में तो ये सब कुछ मज़ेदार लगता था, जब वो रोमन कवच पहनकर 'वाह!' चिल्लाते और हमें चुनौती देते, तलवार की नोक से बोर्ड पर लिखे हर यूनानी और रोमन व्यक्ति का नाम, उनकी माँ का नाम और उनके पूजे जाने वाले देवता का नाम लिखने को कहते। लेकिन मिस्टर ब्रूनर मुझसे उम्मीद करते थे कि मैं भी बाकी सब की तरह ही अच्छा प्रदर्शन करूँ, जबकि मुझे डिस्लेक्सिया और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई होती है और मैंने अपनी पूरी ज़िंदगी में कभी C- से ऊपर ग्रेड नहीं पाया था। नहीं – वो मुझसे उतना अच्छा होने की उम्मीद नहीं करते थे; वो मुझसे बेहतर होने की उम्मीद करते थे। और मैं उन सभी नामों और तथ्यों को याद नहीं कर सकता था, उन्हें सही ढंग से लिखना तो दूर की बात है।
मैंने कुछ बुदबुदाते हुए कहा कि मुझे और अधिक प्रयास करना चाहिए, जबकि श्री ब्रूनर ने उस शिलास्तंभ को एक लंबी उदास निगाह से देखा, मानो वह उस लड़की के अंतिम संस्कार में शामिल हुए हों।

उन्होंने मुझे बाहर जाकर अपना दोपहर का भोजन करने को कहा।
कक्षा के सभी छात्र संग्रहालय की सीढ़ियों पर इकट्ठा हो गए, जहाँ से हम फिफ्थ एवेन्यू पर पैदल चलने वालों की आवाजाही देख सकते थे।
ऊपर आसमान में एक भयंकर तूफान मंडरा रहा था, शहर के ऊपर मैंने अब तक जितने काले बादल देखे थे, उससे कहीं ज़्यादा काले बादल थे। मुझे लगा शायद ये ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हो रहा है, क्योंकि क्रिसमस के बाद से पूरे न्यूयॉर्क राज्य में मौसम अजीबोगरीब हो गया था। भारी बर्फ़ीले तूफान आए थे, बाढ़ आई थी, बिजली गिरने से जंगल में आग लग गई थी। अगर ये कोई तूफान होता तो मुझे हैरानी नहीं होती।
किसी और ने इस पर ध्यान नहीं दिया। कुछ लोग कबूतरों पर लंचएबल्स क्रैकर्स फेंक रहे थे। नैन्सी बोबोफिट एक महिला के बैग से कुछ चुराने की कोशिश कर रही थी, और ज़ाहिर है, श्रीमती डॉड्स को कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। ग्रोवर और मैं बाकियों से दूर, फव्वारे के किनारे बैठ गए। हमने सोचा कि शायद ऐसा करने से सबको पता न चले कि हम उस स्कूल से हैं - उन हारे हुए सनकियों के स्कूल से जो कहीं और कामयाब नहीं हो सके।
‘नजरबंदी?’ ग्रोवर ने पूछा।
‘नहीं,’ मैंने कहा। ‘ब्रूनर से नहीं। काश वो कभी-कभी मुझे परेशान करना बंद कर दे। मतलब – मैं कोई जीनियस नहीं हूँ।’
ग्रोवर कुछ देर तक चुप रहा। फिर, जब मुझे लगा कि वह मुझे कुछ गहरी दार्शनिक टिप्पणी देकर मेरा मन बहलाने वाला है, तो उसने कहा, 'क्या मैं तुम्हारा सेब ले सकता हूँ?'
मुझे ज्यादा भूख नहीं थी, इसलिए मैंने उसे ही ले जाने दिया।
मैंने फिफ्थ एवेन्यू पर टैक्सी की कतार को जाते देखा और अपनी माँ के अपार्टमेंट के बारे में सोचा, जो हमारे बैठने की जगह से थोड़ी ही दूर ऊपर की ओर था। मैंने क्रिसमस के बाद से उन्हें नहीं देखा था। मेरा बहुत मन कर रहा था कि मैं टैक्सी में बैठकर घर चली जाऊँ। वह मुझे गले लगाएँगी और मुझे देखकर खुश होंगी, लेकिन साथ ही निराश भी होंगी। वह मुझे वापस यान्सी भेज देंगी, और याद दिलाएँगी कि मुझे और मेहनत करनी होगी, भले ही यह छह सालों में मेरा छठा स्कूल हो और शायद मुझे फिर से निकाल दिया जाए। मैं उनकी उस उदास नज़र को सहन नहीं कर पाऊँगी।

श्री ब्रूनर ने अपनी व्हीलचेयर को विकलांग रैंप के आधार पर खड़ा किया। वे अजवाइन खाते हुए एक पेपरबैक उपन्यास पढ़ रहे थे। उनकी कुर्सी के पीछे से एक लाल छतरी निकली हुई थी, जिससे वह एक मोटरयुक्त कैफे टेबल जैसी लग रही थी।
मैं अपना सैंडविच खोलने ही वाला था कि नैन्सी बोबोफिट अपने बदसूरत दोस्तों के साथ मेरे सामने आ गई - मुझे लगता है कि वह पर्यटकों से चोरी करते-करते थक गई थी - और उसने अपना आधा खाया हुआ लंच ग्रोवर की गोद में फेंक दिया।
‘ओह!’ उसने अपने टेढ़े-मेढ़े दांतों से मेरी तरफ देखकर मुस्कुराया। उसके चेहरे पर नारंगी रंग के धब्बे थे, मानो किसी ने उसके चेहरे पर लिक्विड चीटोस छिड़क दिया हो।
मैंने शांत रहने की कोशिश की। स्कूल काउंसलर ने मुझे लाखों बार कहा था, 'दस तक गिनो, अपने गुस्से पर काबू पाओ।' लेकिन मैं इतना गुस्से में था कि मेरा दिमाग सुन्न हो गया। कानों में जैसे कोई लहर गड़गड़ा रही हो।
मुझे याद नहीं कि मैंने उसे छुआ था, लेकिन अगली ही पल मैंने देखा कि नैन्सी फव्वारे में अपने नितंबों के बल बैठी चिल्ला रही थी, 'पर्सी ने मुझे धक्का दिया!'
श्रीमती डॉड्स हमारे बगल में प्रकट हुईं।
कुछ बच्चे फुसफुसा रहे थे: 'क्या तुमने देखा –'
'- जल -'
‘— मानो उसने उसे पकड़ लिया हो—’
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वे क्या कह रहे हैं। मुझे बस इतना पता था कि मैं फिर से मुसीबत में पड़ गया हूँ।
जैसे ही श्रीमती डॉड्स को यकीन हो गया कि बेचारी छोटी नैंसी ठीक है, और उन्होंने संग्रहालय के उपहार की दुकान से उसके लिए एक नई कमीज़ लाने का वादा किया, वगैरह-वगैरह, श्रीमती डॉड्स मेरी तरफ मुड़ गईं। उनकी आँखों में एक विजयी चमक थी, मानो मैंने कुछ ऐसा कर दिया हो जिसका वे पूरे सेमेस्टर से इंतज़ार कर रही थीं। 'अब, बेटा -'
‘मुझे पता है,’ मैंने बुदबुदाते हुए कहा। ‘एक महीने तक पाठ्यपुस्तकों के मिटने का काम।’
वह कहना सही नहीं था।

'मेरे साथ आओ,' श्रीमती डॉड्स ने कहा।
‘रुको!’ ग्रोवर चिल्लाया। ‘यह मैं था। मैंने उसे धक्का दिया था।’
मैं उसे स्तब्ध होकर देखता रहा। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि वह मुझे बचाने की कोशिश कर रहा है। मिसेज डॉड्स से ग्रोवर बहुत डरता था।
उसने उसे इतनी तीखी निगाहों से देखा कि उसकी मूंछों वाली ठुड्डी कांप उठी।
‘मुझे ऐसा नहीं लगता, मिस्टर अंडरवुड,’ उसने कहा।
'लेकिन -'
‘तुम यहीं रहोगे।’
ग्रोवर ने मेरी ओर हताशा भरी नजरों से देखा।
मैंने उससे कहा, 'कोई बात नहीं यार। कोशिश करने के लिए धन्यवाद।'
'बेटा,' श्रीमती डॉड्स ने मुझ पर चिल्लाते हुए कहा। 'अभी।'
नैन्सी बोबोफिट मुस्कुराई।
मैंने उसे अपनी वो तीखी नज़र से देखा जैसे कह रही हो कि मैं तुम्हें बाद में जान से मार दूंगी। फिर मैं श्रीमती डॉड्स की ओर मुड़ी, लेकिन वो वहाँ नहीं थीं। वो संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर, सीढ़ियों के बिल्कुल ऊपर खड़ी थीं और मुझे आने का इशारा कर रही थीं।
वह इतनी जल्दी वहां कैसे पहुंच गई?
मेरे साथ अक्सर ऐसे पल आते हैं, जब मेरा दिमाग सुस्त पड़ जाता है या कुछ और, और फिर अचानक मुझे लगता है कि मैंने कुछ खो दिया है, जैसे ब्रह्मांड से कोई पहेली का टुकड़ा गिर गया हो और मैं उसके पीछे खाली जगह को घूरता रह गया हूँ। स्कूल काउंसलर ने मुझे बताया कि यह एडीएचडी का ही एक हिस्सा है, मेरा दिमाग चीजों को गलत समझ लेता है।
मुझे इतना यकीन नहीं था।
मैं श्रीमती डॉड्स के पीछे गया।
सीढ़ियों पर आधे रास्ते में, मैंने ग्रोवर की ओर एक नज़र डाली। वह पीला पड़ गया था, मेरी और मिस्टर ब्रूनर के बीच अपनी नज़रें घुमा रहा था, मानो वह चाहता हो कि मिस्टर ब्रूनर को पता चले कि क्या हो रहा है, लेकिन मिस्टर ब्रूनर अपने उपन्यास में मग्न थे।
मैंने ऊपर देखा। श्रीमती डॉड्स फिर से गायब हो गई थीं। वह अब इमारत के अंदर, प्रवेश कक्ष के अंत में थीं।

ठीक है, मैंने सोचा। वो मुझे गिफ्ट शॉप से नैन्सी के लिए एक नई शर्ट खरीदने पर मजबूर कर देगी।
लेकिन जाहिर तौर पर यह योजना नहीं थी।
मैं उसके पीछे-पीछे संग्रहालय के अंदर तक गया। जब मैं आखिरकार उसके पास पहुँचा, तो हम वापस ग्रीक और रोमन अनुभाग में थे।
हमारे अलावा गैलरी खाली थी।
श्रीमती डॉड्स यूनानी देवताओं की एक विशाल संगमरमर की प्रतिमा के सामने बाहें मोड़े खड़ी थीं। वह अपने गले से एक अजीब सी आवाज निकाल रही थीं, जैसे गुर्रा रही हों।
शोर न भी होता तो भी मैं घबरा जाती। किसी शिक्षक के साथ अकेले रहना अजीब लगता है, खासकर श्रीमती डॉड्स के साथ। जिस तरह से वह भित्तिचित्र को देखती थीं, मानो उसे चूर-चूर कर देना चाहती हों...
‘तुम हमें परेशान कर रहे हो, प्यारे,’ उसने कहा।
मैंने सावधानी बरती। मैंने कहा, 'जी मैडम।'
उसने अपनी चमड़े की जैकेट की कलाई खींची। 'क्या तुम्हें सच में लगा था कि तुम बच जाओगे?'
उसकी आँखों में जो भाव था, वह पागलपन से भी कहीं अधिक था। वह शैतानी था। मैंने घबराते हुए सोचा, वह एक शिक्षिका है। ऐसा तो नहीं है कि वह मुझे नुकसान पहुंचाएगी।
मैंने कहा, 'मैं और अधिक प्रयास करूंगा, महोदया।'
बिजली की गड़गड़ाहट से इमारत हिल गई।
'हम मूर्ख नहीं हैं, पर्सी जैक्सन,' श्रीमती डॉड्स ने कहा। 'तुम्हें पकड़ने में बस समय की बात थी। कबूल कर लो, और तुम्हें कम पीड़ा सहनी पड़ेगी।' मुझे समझ नहीं आया कि वह क्या कह रही थी।
मेरे दिमाग में बस यही चल रहा था कि शिक्षकों को मेरे छात्रावास के कमरे में छिपाकर रखी गई अवैध मिठाइयों का जखीरा मिल गया होगा। या शायद उन्हें पता चल गया होगा कि मैंने टॉम सॉयर पर लिखा निबंध इंटरनेट से लिया था, जबकि मैंने किताब पढ़ी ही नहीं थी, और अब वे मेरे नंबर काट लेंगे। या इससे भी बुरा, वे मुझे किताब पढ़ने के लिए मजबूर कर देंगे।
‘तो?’ उसने पूछा।
‘मैडम, मुझे नहीं पता…’

‘तुम्हारा समय समाप्त हो गया है,’ उसने फुफकारा। फिर एक अजीबोगरीब घटना घटी। उसकी आँखें जलते हुए कोयलों की तरह चमकने लगीं। उसकी उंगलियाँ फैलकर नुकीले पंजों में बदल गईं। उसकी जैकेट पिघलकर बड़े-बड़े चमड़े के पंखों में बदल गई। वह इंसान नहीं थी। वह चमगादड़ जैसे पंखों और पंजों वाली एक मुरझाई हुई चुड़ैल थी, जिसके मुँह में पीले नुकीले दाँत भरे थे, और वह मुझे टुकड़े-टुकड़े करने वाली थी।
फिर चीजें और भी अजीब हो गईं।
श्री ब्रूनर, जो एक मिनट पहले संग्रहालय के सामने थे, अपने हाथ में कलम पकड़े हुए अपनी कुर्सी को गैलरी के द्वार में ले गए।
‘वाह, पर्सी!’ उसने चिल्लाकर कहा और कलम को हवा में उछाल दिया।
श्रीमती डॉड्स ने मुझ पर झपट्टा मारा।
चीखते हुए मैं चकमा खा गया और महसूस किया कि मेरे कान के पास किसी ने पंजे से वार किया हो। मैंने बॉलपॉइंट पेन को हवा में ही पकड़ लिया, लेकिन जब वह मेरे हाथ में लगा, तो वह पेन नहीं रहा। वह एक तलवार थी - श्री ब्रूनर की कांस्य तलवार, जिसे वे हमेशा टूर्नामेंट के दिन इस्तेमाल करते थे। श्रीमती डॉड्स ने अपनी आंखों में जानलेवा नजर लिए मेरी ओर घूमकर देखा। मेरे घुटने कांप रहे थे। मेरे हाथ इतनी बुरी तरह कांप रहे थे कि तलवार लगभग मेरे हाथ से छूट ही गई थी।
वह गुर्राते हुए बोली, 'मर जा, प्यारे!'
और वह सीधे मेरी ओर झपटी।
मेरे शरीर में घोर भय दौड़ गया। मैंने वही किया जो स्वाभाविक रूप से मेरे मन में आया: मैंने तलवार चला दी।
धातु की धार उसके कंधे पर लगी और उसके शरीर को ऐसे चीरते हुए निकल गई मानो वह पानी की बनी हो। हिस!
श्रीमती डॉड्स एक पावर फैन में रेत के महल की तरह थीं। वह पीले पाउडर में तब्दील होकर वहीं पर वाष्पीकृत हो गईं, पीछे केवल सल्फर की गंध, एक मरणासन्न चीख और हवा में व्याप्त बुराई की ठंडक छोड़ गईं, मानो वे दो चमकती लाल आँखें अभी भी मुझे देख रही हों।
मैं अकेला था।
मेरे हाथ में एक बॉलपॉइंट पेन था।
श्री ब्रूनर वहां नहीं थे। मेरे अलावा वहां कोई नहीं था।

मेरे हाथ अब भी कांप रहे थे। लगता है मेरे दोपहर के खाने में जादुई मशरूम या कुछ और मिलावट हो गई थी।
क्या मैंने यह सब कल्पना की थी?
मैं वापस बाहर चला गया।
बारिश शुरू हो गई थी।
ग्रोवर फव्वारे के किनारे बैठा था, उसके सिर पर संग्रहालय का नक्शा तंबू की तरह लिपटा हुआ था। नैन्सी बोबोफिट अभी भी वहीं खड़ी थी, फव्वारे में तैरने के बाद पूरी तरह भीगी हुई, अपने बदसूरत दोस्तों से बड़बड़ा रही थी। जब उसने मुझे देखा, तो उसने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि श्रीमती केर ने तुम्हारी खूब पिटाई की होगी।'
मैंने कहा, 'कौन?'
‘हमारे शिक्षक। ज़ाहिर है!’
मैंने पलकें झपकाईं। हमारे यहाँ मिसेज़ केर नाम की कोई शिक्षिका नहीं थी। मैंने नैन्सी से पूछा कि वह किस बारे में बात कर रही है।
उसने बस अपनी आंखें घुमाईं और मुंह फेर लिया।
मैंने ग्रोवर से पूछा कि श्रीमती डॉड्स कहाँ हैं।
उसने कहा, 'कौन?'
लेकिन वह पहले रुका, और उसने मेरी तरफ नहीं देखा, इसलिए मुझे लगा कि वह मेरे साथ मजाक कर रहा है।
मैंने उससे कहा, 'मजाक नहीं, यार। यह गंभीर मामला है।'
ऊपर आसमान में गरज की आवाज गूंजी।
मैंने श्री ब्रूनर को उनकी लाल छतरी के नीचे बैठे, अपनी किताब पढ़ते हुए देखा, मानो वे कभी हिले ही न हों।
मैं उसके पास गया।
वह थोड़ा विचलित होकर ऊपर देखने लगा। 'अरे, यह तो मेरी कलम है। श्रीमान जैक्सन, कृपया भविष्य में अपना खुद का लिखने का सामान लेकर आइएगा।' मैंने उसे सौंप दिया। मुझे तो यह भी एहसास नहीं हुआ कि वह अभी भी मेरे हाथ में है।
मैंने कहा, ‘सर, श्रीमती डॉड्स कहाँ हैं?’
उसने मुझे खाली निगाहों से देखा। 'कौन?'
‘दूसरी अनुरक्षक। श्रीमती डॉड्स। गणित की शिक्षिका।’

वह भौंहें चढ़ाकर आगे झुक गया, थोड़ा चिंतित दिख रहा था। 'पर्सी, इस यात्रा में मिसेज़ डॉड्स नहीं हैं। जहाँ तक मुझे पता है, यान्सी अकादमी में कभी कोई मिसेज़ डॉड्स नहीं रही हैं। क्या तुम ठीक हो?'

2 तीन बूढ़ी औरतें मौत के मोज़े बुनती हैं

मुझे कभी-कभार अजीबोगरीब अनुभव होने की आदत थी, लेकिन आमतौर पर वे जल्दी ही खत्म हो जाते थे। यह चौबीसों घंटे चलने वाला मतिभ्रम मेरे लिए असहनीय था। पूरे स्कूल वर्ष के दौरान, ऐसा लग रहा था मानो पूरा कैंपस मेरे साथ कोई शरारत कर रहा हो। छात्र ऐसे व्यवहार कर रहे थे मानो उन्हें पूरा यकीन हो कि श्रीमती केर - एक हंसमुख गोरी महिला, जिसे मैंने फील्ड ट्रिप के अंत में हमारी बस में चढ़ने से पहले कभी नहीं देखा था - क्रिसमस से ही हमारी गणित की शिक्षिका रही हैं।
मैं अक्सर किसी को फंसाने के लिए मिसेज डॉड्स का जिक्र कर देता था, लेकिन वे मुझे ऐसे घूरते थे जैसे मैं पागल हो गया हूँ।
बात यहाँ तक पहुँच गई कि मैंने लगभग उनकी बात पर विश्वास कर लिया था – श्रीमती डॉड्स का कभी अस्तित्व ही नहीं था।
लगभग।
लेकिन ग्रोवर मुझे बेवकूफ नहीं बना सका। जब मैंने उससे डॉड्स का नाम लिया, तो वह हिचकिचाता, फिर कहता कि वह नाम की कोई महिला है ही नहीं। लेकिन मुझे पता था कि वह झूठ बोल रहा है।
कुछ तो चल रहा था। संग्रहालय में कुछ घटित हुआ था।
दिन के दौरान मेरे पास इसके बारे में सोचने का ज्यादा समय नहीं होता था, लेकिन रात में, नुकीले पंजों और चमड़े जैसे पंखों वाली श्रीमती डॉड्स के दृश्य मुझे ठंडे पसीने में जगा देते थे।
मौसम का मिजाज लगातार बिगड़ता रहा, जिससे मेरा मूड और भी खराब हो गया। एक रात, आंधी-तूफान ने मेरे छात्रावास के कमरे की खिड़कियाँ तोड़ दीं। कुछ दिनों बाद, हडसन घाटी में अब तक का सबसे बड़ा बवंडर यान्सी अकादमी से मात्र पचास मील की दूरी पर आया। सामाजिक अध्ययन की कक्षा में हमने जिन समसामयिक घटनाओं का अध्ययन किया, उनमें से एक उस वर्ष अटलांटिक महासागर में अचानक आए तूफानों में बड़ी संख्या में छोटे विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना थी।

मुझे ज्यादातर समय चिड़चिड़ापन और गुस्सा महसूस होने लगा। मेरे ग्रेड D से गिरकर F हो गए। नैन्सी बोबोफिट और उसकी सहेलियों से मेरी लड़ाई-झगड़े बढ़ गए। लगभग हर क्लास में मुझे हॉलवे में भेज दिया जाता था।
आखिरकार, जब हमारे अंग्रेजी शिक्षक, मिस्टर निकोल ने मुझसे लाखों बार एक बार फिर पूछा कि मैं स्पेलिंग टेस्ट के लिए पढ़ाई करने में इतना आलसी क्यों हूँ, तो मुझे गुस्सा आ गया। मैंने उन्हें 'बूढ़ा शराबी' कह दिया। मुझे इसका मतलब भी नहीं पता था, लेकिन सुनने में अच्छा लगा।
अगले सप्ताह प्रधानाध्यापक ने मेरी माँ को एक पत्र भेजा, जिसमें यह आधिकारिक रूप से घोषित किया गया था: मुझे अगले वर्ष यान्सी अकादमी में वापस आमंत्रित नहीं किया जाएगा।
ठीक है, मैंने खुद से कहा। बिल्कुल ठीक है।
मुझे घर की याद आ रही थी।
मैं अपनी मां के साथ अपर ईस्ट साइड में अपने छोटे से अपार्टमेंट में रहना चाहती थी, भले ही मुझे पब्लिक स्कूल जाना पड़े और अपने अप्रिय सौतेले पिता और उनकी बेवकूफी भरी पोकर पार्टियों को बर्दाश्त करना पड़े।
फिर भी... यान्सी में मुझे कुछ चीज़ों की कमी खलेगी। मेरे छात्रावास की खिड़की से दिखने वाला जंगल का नज़ारा, दूर बहती हडसन नदी, चीड़ के पेड़ों की खुशबू। मुझे ग्रोवर की भी बहुत याद आएगी, जो मेरा अच्छा दोस्त था, भले ही वह थोड़ा अजीब था। मुझे चिंता हो रही थी कि अगले साल वह मेरे बिना कैसे गुज़ारा करेगा।
मुझे लैटिन की क्लास की भी बहुत याद आएगी - मिस्टर ब्रूनर के उन रोमांचक टूर्नामेंट के दिनों की और उनके इस विश्वास की कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूँ।
जैसे-जैसे परीक्षा का सप्ताह नजदीक आता गया, मैंने केवल लैटिन की ही पढ़ाई की। श्री ब्रूनर ने मुझे इस विषय के बारे में जो बताया था कि यह मेरे लिए जीवन-मरण का मामला है, वह मैं भूली नहीं थी। मुझे ठीक से पता नहीं क्यों, लेकिन मैंने उनकी बात पर विश्वास करना शुरू कर दिया था।
मेरे फाइनल एग्जाम से एक शाम पहले, मैं इतना परेशान हो गया कि मैंने कैम्ब्रिज गाइड टू ग्रीक माइथोलॉजी को अपने हॉस्टल के कमरे में फेंक दिया। शब्द पन्नों से निकलकर मेरे दिमाग में घूमने लगे थे, अक्षर ऐसे 80 डिग्री घूम रहे थे जैसे स्केटबोर्ड पर सवार हों। काइरॉन और चारोन, या

पॉलीडिक्टेस और पॉलीड्यूस के बीच का अंतर याद रखना मेरे लिए नामुमकिन था।
और उन लैटिन क्रियाओं को याद रखना? भूल ही जाओ।
मैं कमरे में इधर-उधर चक्कर लगा रहा था, ऐसा लग रहा था जैसे मेरी कमीज के अंदर चींटियां रेंग रही हों।
मुझे श्री ब्रूनर का गंभीर चेहरा और उनकी हज़ार साल पुरानी आँखें याद आ गईं। पर्सी जैक्सन, मैं तुमसे केवल सर्वश्रेष्ठ ही स्वीकार करूँगा। मैंने गहरी सांस ली। मैंने पौराणिक कथाओं की किताब उठाई।
मैंने पहले कभी किसी शिक्षक से मदद नहीं मांगी थी। शायद अगर मैं मिस्टर ब्रूनर से बात करूं, तो वे मुझे कुछ सुझाव दे सकें। कम से कम मैं उनकी परीक्षा में मिलने वाले अपने बड़े से 'फेल' ग्रेड के लिए माफी तो मांग सकता था। मैं यान्सी अकादमी से उनके इस विचार के साथ नहीं जाना चाहता था कि मैंने कोशिश ही नहीं की।
मैं नीचे शिक्षकों के दफ्तरों की ओर गया। उनमें से अधिकतर अंधेरे और खाली थे, लेकिन श्री ब्रूनर का दरवाजा थोड़ा खुला हुआ था, उनकी खिड़की से आती रोशनी गलियारे के फर्श पर फैल रही थी।
मैं दरवाजे के हैंडल से तीन कदम ही दूर था कि मुझे दफ्तर के अंदर से आवाजें सुनाई दीं। श्री ब्रूनर ने एक सवाल पूछा। एक आवाज, जो निश्चित रूप से ग्रोवर की थी, ने कहा, "...पर्सी के बारे में चिंतित हैं, सर।"
मैं जम गया।
मैं आमतौर पर दूसरों की बातें छुपकर नहीं सुनता, लेकिन अगर आप अपने सबसे अच्छे दोस्त को किसी बड़े व्यक्ति से आपके बारे में बात करते हुए सुनें, तो मैं आपको चुनौती देता हूं कि आप न सुनने की कोशिश करके दिखाएं।
मैं धीरे-धीरे और करीब गया।
‘…इस गर्मी में अकेले,’ ग्रोवर कह रहा था। ‘मेरा मतलब है, स्कूल में एक दयालु बच्चा! अब जब हमें पक्का पता चल गया है, और उन्हें भी पता चल गया है –’ श्री ब्रूनर ने कहा, 'उसे जल्दबाजी में आगे बढ़ाने से मामला और बिगड़ जाएगा। हमें लड़के को और परिपक्व होने की जरूरत है।'
लेकिन शायद उनके पास समय न हो। ग्रीष्म संक्रांति की समय सीमा –’
'ग्रोवर, उसके बिना ही इसका समाधान करना होगा। जब तक हो सके, उसे अपनी अज्ञानता का आनंद लेने दो।'
‘सर, उसने उसे देखा…’

श्री ब्रूनर ने जोर देकर कहा, 'यह उनकी कल्पना है। छात्रों और कर्मचारियों पर छाया हुआ कोहरा ही उन्हें इस बात का यकीन दिलाने के लिए काफी होगा।' ‘सर, मैं… मैं अपने कर्तव्यों में फिर से असफल नहीं हो सकता।’ ग्रोवर की आवाज भावनाओं से भर गई थी। ‘आप जानते हैं कि इसका क्या मतलब होगा।’ ‘ग्रोवर, तुम असफल नहीं हुए हो,’ श्री ब्रूनर ने विनम्रता से कहा। ‘मुझे उसे उसके असली रूप में देख लेना चाहिए था। अब बस अगले पतझड़ तक पर्सी को जीवित रखने की चिंता करते हैं –’
पौराणिक कथाओं की किताब मेरे हाथ से गिर गई और धड़ाम से फर्श पर जा गिरी। श्री ब्रूनर चुप हो गए।
मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था, मैंने किताब उठाई और हॉल से पीछे हट गई।
ब्रूनर के कार्यालय के दरवाजे के रोशन शीशे पर एक परछाई सरकी, मेरे व्हीलचेयर पर बैठे शिक्षक से कहीं अधिक लंबे किसी व्यक्ति की परछाई, जिसके हाथ में कुछ ऐसा था जो देखने में तीरंदाज के धनुष जैसा लग रहा था।
मैंने पास का दरवाजा खोला और अंदर घुस गया।
कुछ सेकंड बाद मुझे धीमी-धीमी खट-खट की आवाज़ सुनाई दी, जैसे लकड़ी के टुकड़े आपस में टकरा रहे हों, फिर मेरे दरवाजे के ठीक बाहर किसी जानवर के सूंघने जैसी आवाज़ आई। एक बड़ी काली आकृति शीशे के सामने रुकी, फिर आगे बढ़ गई।
पसीने की एक बूंद मेरी गर्दन से नीचे टपक गई।
गलियारे में कहीं, श्री ब्रूनर बोले। 'कुछ नहीं,' उन्होंने धीरे से कहा। 'शीतकालीन संक्रांति के बाद से मेरी नसें ठीक नहीं हैं।'
‘मेरा भी नहीं,’ ग्रोवर ने कहा। ‘लेकिन मुझे पक्का यकीन था…’
मिस्टर ब्रूनर ने उससे कहा, 'वापस छात्रावास जाओ। कल तुम्हारी लंबी परीक्षाएं हैं।'
मुझे याद मत दिलाओ।
मिस्टर ब्रूनर के ऑफिस की बत्तियाँ गुल हो गईं।
मैं अंधेरे में अनंत काल तक इंतजार करता रहा।
आखिरकार, मैं चुपके से गलियारे में निकल गया और वापस छात्रावास की ओर चल पड़ा।
ग्रोवर अपने बिस्तर पर लेटा हुआ था और लैटिन परीक्षा के नोट्स पढ़ रहा था, मानो वह पूरी रात वहीं रहा हो।

‘हे,’ उसने धुंधली आँखों से कहा। ‘क्या तुम इस परीक्षा के लिए तैयार होगे?’ मैंने जवाब नहीं दिया।
‘तुम बहुत खराब दिख रहे हो।’ उसने भौंहें चढ़ाते हुए पूछा। ‘क्या सब ठीक है?’
'बस थक गया।'
मैंने अपना चेहरा इस तरह घुमाया कि वह मेरे चेहरे के भावों को न पढ़ सके, और सोने की तैयारी करने लगी।
मुझे समझ नहीं आया कि मैंने नीचे क्या सुना। मैं यह मानना चाहती थी कि मैंने यह सब कल्पना की थी।
लेकिन एक बात स्पष्ट थी: ग्रोवर और मिस्टर ब्रूनर मेरे बारे में मेरी पीठ पीछे बातें कर रहे थे। उन्हें लगता था कि मैं किसी तरह के खतरे में हूँ। अगली दोपहर, जब मैं तीन घंटे की लैटिन परीक्षा से बाहर निकल रहा था, और मेरी आँखें उन सभी ग्रीक और रोमन नामों से धुंधली हो रही थीं जिन्हें मैंने गलत लिखा था, तभी श्री ब्रूनर ने मुझे वापस अंदर बुलाया।
एक पल के लिए मुझे चिंता हुई कि कहीं उसे पिछली रात मेरी छुपकर बातें सुनने के बारे में पता न चल गया हो, लेकिन समस्या यह नहीं लग रही थी।
‘पर्सी,’ उसने कहा। ‘यांसी छोड़ने से निराश मत हो। यह… यह तुम्हारे भले के लिए है।’
उनका लहजा तो सौम्य था, लेकिन उनके शब्दों ने मुझे शर्मिंदा कर दिया। हालांकि वे धीरे बोल रहे थे, लेकिन परीक्षा पूरी कर रहे बाकी बच्चे सुन सकते थे। नैन्सी बोबोफिट ने मेरी तरफ देखकर मुस्कुराया और अपने होठों से व्यंग्यपूर्ण ढंग से चुंबन के इशारे किए।
मैंने धीमी आवाज़ में कहा, 'ठीक है, महोदय।'
‘मेरा मतलब है…’ श्री ब्रूनर ने अपनी कुर्सी को आगे-पीछे घुमाया, मानो उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहें। ‘यह जगह आपके लिए सही नहीं है। यह तो होना ही था।’
मेरी आँखों में जलन हो रही थी।
मेरे सबसे पसंदीदा शिक्षक, पूरी कक्षा के सामने, मुझसे कह रहे थे कि मैं इसे संभाल नहीं पाऊँगी। पूरे साल मुझ पर भरोसा जताने के बाद, अब वे मुझसे कह रहे थे कि मुझे स्कूल से निकाल दिया जाएगा।
‘ठीक है,’ मैंने कांपते हुए कहा।

‘नहीं, नहीं,’ श्री ब्रूनर ने कहा। ‘अरे, धिक्कार है। मैं जो कहना चाह रहा हूँ… तुम सामान्य नहीं हो, पर्सी। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है –’ मैंने झट से कहा, 'धन्यवाद। मुझे याद दिलाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, महोदय।'
‘पर्सी –’
लेकिन मैं तो पहले ही जा चुका था।
सत्र के आखिरी दिन, मैंने अपने कपड़े सूटकेस में ठूंस दिए।
बाकी लोग हंसी-मजाक कर रहे थे और अपनी छुट्टियों की योजनाओं के बारे में बातें कर रहे थे। उनमें से एक स्विट्जरलैंड में हाइकिंग ट्रिप पर जा रहा था। दूसरा एक महीने के लिए कैरिबियन सागर में क्रूज पर घूमने जा रहा था। वे मेरी तरह ही किशोर अपराधी थे, लेकिन अमीर किशोर अपराधी थे। उनके पिता बड़े अधिकारी, राजदूत या मशहूर हस्तियां थे। मैं एक आम आदमी था, एक आम परिवार से।
उन्होंने मुझसे पूछा कि मैं इस गर्मी में क्या कर रहा हूँ और मैंने उन्हें बताया कि मैं वापस शहर जा रहा हूँ।
मैंने उन्हें यह नहीं बताया था कि मुझे गर्मियों में कुत्तों को घुमाने या पत्रिकाओं की सदस्यता बेचने का काम करना पड़ेगा, और अपने खाली समय में इस बात की चिंता करनी पड़ेगी कि शरद ऋतु में मैं किस स्कूल में जाऊंगी।
‘ओह,’ उनमें से एक लड़के ने कहा। ‘यह तो बहुत बढ़िया है।’
वे अपनी बातचीत में इस तरह लौट गए मानो मेरा कभी अस्तित्व ही न रहा हो। मुझे सिर्फ ग्रोवर को अलविदा कहने से डर लग रहा था, लेकिन जैसा कि हुआ, ऐसा करना पड़ा ही नहीं। उसने भी मेरी ही तरह ग्रेहाउंड बस में मैनहट्टन के लिए टिकट बुक करा लिया था, तो हम फिर से एक साथ शहर की ओर चल पड़े।
पूरी बस यात्रा के दौरान, ग्रोवर घबराकर बार-बार गलियारे में दूसरे यात्रियों को देखता रहा। मुझे याद आया कि यान्सी से निकलते समय वह हमेशा घबराया हुआ और बेचैन रहता था, मानो उसे किसी बुरी घटना के होने का डर हो। पहले तो मैं यही सोचती थी कि उसे चिढ़ाए जाने का डर रहता है। लेकिन ग्रेहाउंड बस में उसे चिढ़ाने वाला कोई था ही नहीं।
अंततः मैं इसे और सहन नहीं कर सका।
मैंने कहा, 'क्या आप दयालु लोगों की तलाश कर रहे हैं?'
ग्रोवर लगभग अपनी सीट से उछल पड़ा। 'क्या... तुम्हारा क्या मतलब है?'

मैंने परीक्षा से एक रात पहले उनकी और मिस्टर ब्रूनर की बातें छुपकर सुनने की बात कबूल कर ली।
ग्रोवर की आंख फड़क उठी। 'तुमने कितना सुना?'
‘ओह… ज्यादा कुछ नहीं। ग्रीष्म संक्रांति की अंतिम तिथि क्या है?’
वह दर्द से कराह उठा। 'देखो, पर्सी... मुझे बस तुम्हारी चिंता हो रही थी, समझे? मतलब, तुम्हें राक्षसी गणित शिक्षकों के बारे में मतिभ्रम हो रहा था...'
‘ग्रोवर –’
और मैं मिस्टर ब्रूनर से कह रहा था कि शायद आप बहुत ज्यादा तनाव में थे या कुछ और, क्योंकि मिसेज डॉड्स नाम की कोई शख्सियत थी ही नहीं, और...' ‘ग्रोवर, तुम बहुत ही बुरे झूठे हो।’
उसके कान गुलाबी हो गए।
उसने अपनी कमीज की जेब से एक मैला-कुचैला बिजनेस कार्ड निकाला। 'बस इसे ले लो, ठीक है? अगर तुम्हें इस गर्मी में मेरी जरूरत पड़े तो।'
कार्ड पर बड़े ही आकर्षक अक्षरों में लिखा हुआ था, जो मेरी डिस्लेक्सिया से पीड़ित आंखों के लिए बहुत कष्टदायक था, लेकिन आखिरकार मैंने कुछ इस तरह पढ़ा:
ग्रोवर अंडरवुड, कीपर
हाफ-ब्लड हिल
लॉन्ग आइलैंड, न्यूयॉर्क (800)009-0009
‘आधा क्या है –’
‘इसे ज़ोर से मत बोलो!’ वह चिल्लाया। ‘यह मेरा, उम… ग्रीष्मकालीन भाषण है।’ मेरा दिल बैठ गया। ग्रोवर का एक ग्रीष्मकालीन घर था। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि उसका परिवार यान्सी के बाकी परिवारों जितना ही अमीर हो सकता है।
‘ठीक है,’ मैंने उदास स्वर में कहा। ‘तो, अगर मैं आपके बंगले में घूमने आना चाहूँ तो।’
उसने सिर हिलाया। 'या... या अगर आपको मेरी ज़रूरत हो।'
मुझे तुम्हारी ज़रूरत क्यों होगी?
यह मेरे इरादे से कहीं अधिक कठोर निकल गया।

ग्रोवर का चेहरा शर्म से लाल हो गया। 'देखो, पर्सी, सच तो यह है कि मुझे तुम्हारी रक्षा करनी ही है।'
मैंने उसे घूर कर देखा।
पूरे साल भर मैं उसे गुंडों से बचाने के लिए लड़ती रही। मुझे इस चिंता में नींद नहीं आती थी कि अगले साल मेरे बिना उसकी पिटाई हो जाएगी। और यहाँ वो ऐसे बर्ताव कर रहा था जैसे उसने ही मेरी रक्षा की हो।
मैंने कहा, 'ग्रोवर, तुम मुझे किससे बचा रहे हो?'
हमारे पैरों के नीचे से एक भयानक घर्षण की आवाज़ आ रही थी। डैशबोर्ड से काला धुआँ निकल रहा था और पूरी बस सड़े हुए अंडों जैसी बदबू से भर गई थी। ड्राइवर ने गाली दी और धीरे-धीरे ग्रेहाउंड बस को हाईवे के किनारे रोक दिया।
इंजन वाले हिस्से में कुछ मिनट तक खड़खड़ाहट होने के बाद, ड्राइवर ने घोषणा की कि हम सभी को उतरना होगा। ग्रोवर और मैं भी बाकी लोगों के साथ बाहर निकल गए।
हम एक ग्रामीण सड़क पर थे – ऐसी जगह जिसे आप तब तक नोटिस नहीं करेंगे जब तक कि आपकी गाड़ी वहां खराब न हो जाए। राजमार्ग के हमारे किनारे पर केवल मेपल के पेड़ और गुजरती कारों का कूड़ा-कचरा था। दूसरी ओर, दोपहर की गर्मी से चमकती हुई चार लेन की डामर सड़क के पार, एक पुराने जमाने का फलों का स्टॉल था।
बिक्री के लिए रखी चीज़ें देखने में बहुत अच्छी लग रही थीं: गहरे लाल रंग की चेरी और सेबों से भरे डिब्बे, अखरोट और खुबानी, बर्फ से भरे एक टब में रखे साइडर के जग। वहाँ कोई ग्राहक नहीं था, बस तीन बूढ़ी औरतें मेपल के पेड़ की छाया में झूलती कुर्सियों पर बैठी थीं और मोज़ों का एक ऐसा जोड़ा बुन रही थीं जो मैंने पहले कभी नहीं देखा था।
मतलब, ये मोज़े स्वेटर जितने बड़े थे, लेकिन साफ़ तौर पर मोज़े ही थे। दाईं ओर वाली महिला ने उनमें से एक बुना। बाईं ओर वाली महिला ने दूसरा बुना। बीच में बैठी महिला के हाथ में चमकीले नीले रंग के ऊन से भरी एक बहुत बड़ी टोकरी थी।
तीनों महिलाएं उम्रदराज लग रही थीं, उनके पीले चेहरे फल के चमड़े की तरह झुर्रीदार थे, चांदी जैसे बाल सफेद बंदना में बंधे हुए थे, और उनकी हड्डियों वाली भुजाएं ब्लीच किए हुए सूती कपड़ों से बाहर निकली हुई थीं।

सबसे अजीब बात यह थी कि वे सीधे मेरी तरफ देख रहे थे।
मैंने ग्रोवर की ओर देखकर कुछ कहने की कोशिश की तो पाया कि उसके चेहरे का रंग उड़ गया था। उसकी नाक फड़क रही थी।
‘ग्रोवर?’ मैंने कहा। ‘अरे यार –’
‘मुझे बताओ कि वे तुम्हें नहीं देख रहे हैं। वे देख रहे हैं। है ना?’
'हाँ। अजीब है ना? तुम्हें लगता है कि वो मोज़े मुझे फिट आएंगे?'
'मजाक नहीं है, पर्सी। बिलकुल भी नहीं।'
बीच में बैठी बूढ़ी औरत ने एक बड़ी सी कैंची निकाली – सोने और चांदी की, लंबी धार वाली, बिल्कुल कैंची जैसी। मैंने ग्रोवर की सांस अटकते हुए सुनी। उन्होंने मुझसे कहा, 'हम बस में चढ़ रहे हैं। चलो।'
‘क्या?’ मैंने कहा। ‘अंदर का तापमान हजार डिग्री है।’
‘चलो!’ उसने दरवाजा खोला और अंदर चढ़ गया, लेकिन मैं वहीं रुका रहा।
सड़क के उस पार, बूढ़ी औरतें अब भी मुझे देख रही थीं। बीच वाली ने ऊन काटी, और कसम से, मुझे वो आवाज़ चारों लेन के ट्रैफिक के पार तक सुनाई दी। उसकी दोनों सहेलियों ने चमकीले नीले रंग के मोज़े समेट लिए, और मैं सोचने लगा कि आखिर ये किसके लिए होंगे – सैस्कवॉच के लिए या गॉडज़िला के लिए।
बस के पिछले हिस्से में, ड्राइवर ने इंजन के डिब्बे से धुंआ निकलता हुआ धातु का एक बड़ा टुकड़ा खींचकर बाहर निकाला। बस में ज़ोरदार कंपन हुआ और इंजन फिर से चालू हो गया।
यात्रियों ने खुशी से जयकार की।
“बिल्कुल सही!” ड्राइवर चिल्लाया। उसने अपनी टोपी से बस पर एक जोरदार थप्पड़ मारा। “सब लोग वापस बस में चढ़ जाओ!”
जैसे ही हमने चलना शुरू किया, मुझे बुखार सा महसूस होने लगा, जैसे मुझे फ्लू हो गया हो।
ग्रोवर की हालत भी कुछ खास अच्छी नहीं थी। वह कांप रहा था और उसके दांत बज रहे थे।
‘ग्रोवर?’
'हाँ?'
‘तुम मुझसे क्या छिपा रहे हो?’
उसने अपनी कमीज़ की आस्तीन से अपना माथा पोंछा। 'पर्सी, तुमने फल की दुकान पर क्या देखा?'

‘तुम्हारा मतलब उन बूढ़ी महिलाओं से है? उनमें ऐसी क्या बात है यार? वे तो… मिसेज डॉड्स जैसी तो नहीं हैं, है ना?’
उसके चेहरे के भावों को समझना मुश्किल था, लेकिन मुझे ऐसा लगा कि फल बेचने वाली औरतें मिसेज डॉड्स से कहीं ज्यादा बुरी थीं। उसने कहा, 'बस मुझे बताओ तुमने क्या देखा।'
'बीच वाली ने अपनी कैंची निकाली और उसने धागा काट दिया।'
उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और उंगलियों से एक इशारा किया जो शायद क्रॉस का निशान बनाने जैसा था, लेकिन ऐसा नहीं था। यह कुछ और था, कुछ ऐसा जो लगभग – पुराना था।
उसने कहा, 'तुमने उसे गर्भनाल काटते हुए देखा था।'
‘हां। तो?’ लेकिन जैसे ही मैंने यह कहा, मुझे पता था कि यह एक बड़ी बात है। ‘ऐसा नहीं हो सकता,’ ग्रोवर बुदबुदाया। वह अपना अंगूठा चबाने लगा। ‘मैं नहीं चाहता कि यह पिछली बार की तरह हो।’
‘पिछली बार क्या हुआ था?’
‘हमेशा छठी कक्षा में ही रहते हैं। वे छठी कक्षा से आगे कभी नहीं बढ़ पाते।’
‘ग्रोवर,’ मैंने कहा, क्योंकि वह मुझे सचमुच डराने लगा था। ‘तुम क्या बात कर रहे हो?’
‘मैं तुम्हें बस स्टेशन से घर तक छोड़ देता हूँ। मुझसे वादा करो।’
यह अनुरोध मुझे अजीब लगा, लेकिन मैंने उससे वादा किया कि वह ऐसा कर सकता है।
मैंने पूछा, 'क्या यह कोई अंधविश्वास है?'
कोई जवाब नहीं।
‘ग्रोवर – धागे को काटने की वो आवाज़। क्या इसका मतलब है कि किसी की मौत होने वाली है?’
उसने मेरी ओर उदास निगाहों से देखा, मानो वह पहले से ही उन फूलों का चयन कर रहा हो जो मुझे मेरे ताबूत पर सबसे ज्यादा पसंद आएंगे।

3. ग्रोवर ने अप्रत्याशित रूप से अपनी पैंट खो दी

सच बताने का समय आ गया है: बस टर्मिनल पहुंचते ही मैंने ग्रोवर को वहीं छोड़ दिया।
मुझे पता है, मुझे पता है। यह असभ्य था। लेकिन ग्रोवर मुझे डरा रहा था, मुझे ऐसे देख रहा था जैसे मैं मरा हुआ आदमी हूँ, बुदबुदा रहा था, 'ऐसा हमेशा क्यों होता है?' और, 'ऐसा हमेशा छठी कक्षा में ही क्यों होना चाहिए?'
जब भी ग्रोवर परेशान होता, उसे पेशाब करने में परेशानी होती थी, इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं हुआ जब बस से उतरते ही उसने मुझसे वादा करवाया कि मैं उसका इंतज़ार करूँगी, और फिर सीधे शौचालय की ओर भागा। इंतज़ार करने के बजाय, मैंने अपना सूटकेस उठाया, चुपके से बाहर निकली और शहर के ऊपरी हिस्से में जाने वाली पहली टैक्सी पकड़ ली।
मैंने ड्राइवर से कहा, 'ईस्ट वन हंड्रेड एंड फोर्थ एंड फर्स्ट एवेन्यू।' मेरी मां से मिलने से पहले, उनके बारे में कुछ शब्द।
उसका नाम सैली जैक्सन है और वह दुनिया की सबसे अच्छी इंसान है, जो मेरे इस सिद्धांत को साबित करता है कि सबसे अच्छे लोगों की किस्मत सबसे खराब होती है। उसके माता-पिता की पांच साल की उम्र में एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, और उसका पालन-पोषण उसके चाचा ने किया, जिन्हें उसकी कोई परवाह नहीं थी। वह उपन्यासकार बनना चाहती थी, इसलिए उसने हाई स्कूल के दौरान अच्छे रचनात्मक लेखन कार्यक्रम वाले कॉलेज में दाखिला लेने के लिए पर्याप्त पैसे बचाने के लिए खूब मेहनत की। फिर उसके चाचा को कैंसर हो गया, और उसे अपने अंतिम वर्ष में ही उनकी देखभाल करने के लिए स्कूल छोड़ना पड़ा। उनके निधन के बाद, वह न तो पैसे के साथ, न परिवार के साथ और न ही डिग्री के साथ अकेली रह गई।
उसे जो एकमात्र अच्छी किस्मत मिली, वह मेरे पिताजी से मिलना था।
मुझे उनकी कोई याद नहीं है, बस एक हल्की सी गर्माहट, शायद उनकी मुस्कान की एक धुंधली सी झलक। मेरी माँ उनके बारे में बात करना पसंद नहीं करतीं क्योंकि इससे उन्हें दुख होता है। उनके पास उनकी कोई तस्वीर भी नहीं है।

देखिए, उनकी शादी नहीं हुई थी। उसने मुझे बताया कि वह अमीर और प्रभावशाली व्यक्ति था, और उनका रिश्ता गुप्त था। फिर एक दिन, वह किसी महत्वपूर्ण यात्रा पर अटलांटिक महासागर पार करने के लिए रवाना हुआ, और वह कभी वापस नहीं आया।
मेरी माँ ने मुझे बताया, "समुद्र में खो गया। मरा नहीं हूँ। समुद्र में खो गया हूँ।"
उन्होंने छोटे-मोटे काम किए, हाई स्कूल की डिग्री हासिल करने के लिए रात की कक्षाएं लीं और मुझे अकेले पाला। उन्होंने कभी शिकायत नहीं की या गुस्सा नहीं किया। एक बार भी नहीं। लेकिन मुझे पता था कि मैं एक आसान बच्चा नहीं था।
आखिरकार, उसने गेब उग्लियानो से शादी कर ली, जो पहले तीस सेकंड तक तो बहुत अच्छा लगा, लेकिन फिर उसने अपना असली रंग दिखाया और एक नंबर का बदतमीज़ निकला। जब मैं छोटी थी, तो मैंने उसका नाम 'बदबूदार गेब' रख दिया था। माफ कीजिएगा, लेकिन यह सच है। उस आदमी से ऐसी बदबू आती थी जैसे जिम शॉर्ट्स में लिपटी हुई सड़ी हुई लहसुन वाली पिज्जा से आती हो।
हम दोनों ने मिलकर मेरी माँ की ज़िंदगी काफी मुश्किल बना दी थी। जिस तरह से स्मेली गेब उनके साथ बर्ताव करता था, जिस तरह से हम दोनों का आपस में मेलजोल था... खैर, जब मैं घर आया तो वो इसका एक अच्छा उदाहरण है।
मैं अपने छोटे से अपार्टमेंट में दाखिल हुआ, इस उम्मीद में कि मेरी माँ काम से घर आ गई होंगी। लेकिन देखा कि बदबूदार गेब अपने दोस्तों के साथ लिविंग रूम में पोकर खेल रहा था। टीवी ज़ोर-ज़ोर से बज रहा था। कालीन पर चिप्स और बीयर के डिब्बे बिखरे पड़े थे।
बिना ऊपर देखे, उसने सिगार पीते हुए कहा, 'तो, तुम घर आ गए।'
मेरी माँ कहाँ है?
‘काम कर रहा हूँ,’ उसने कहा। ‘क्या तुम्हारे पास कुछ पैसे हैं?’
बस इतना ही। कोई "वापस स्वागत है" नहीं कहा। "आपको देखकर अच्छा लगा। पिछले छह महीने कैसे गुज़रे?"
गेब का वजन बढ़ गया था। सस्ते कपड़ों में वो बिना दांत वाले वालरस जैसा दिख रहा था। उसके सिर पर मुश्किल से तीन बाल बचे थे, जिन्हें उसने अपने गंजे सिर पर कंघी से फैला रखा था, मानो इससे वो सुंदर दिखता हो।

वह क्वींस में इलेक्ट्रॉनिक्स मेगा-मार्ट का मैनेजर था, लेकिन ज़्यादातर समय घर पर ही रहता था। मुझे नहीं पता कि उसे बहुत पहले नौकरी से क्यों नहीं निकाला गया। वह बस सैलरी लेता रहता था, और उन पैसों को सिगार पर खर्च करता था, जिन्हें पीकर मुझे उल्टी आने लगती थी, और हाँ, बीयर पर भी। हमेशा बीयर ही पीता रहता था। जब भी मैं घर पर होती, वह मुझसे जुए के लिए पैसे मांगता था। वह इसे हमारा 'पुरुषों का राज़' कहता था। मतलब, अगर मैंने अपनी माँ को बताया, तो वह मेरी पिटाई कर देगा।
मैंने उससे कहा, 'मेरे पास नकदी नहीं है।'
उसने अपनी तैलीय भौंह ऊपर उठाई।
गेब किसी शिकारी कुत्ते की तरह पैसे को सूंघ सकता था, जो आश्चर्यजनक था, क्योंकि उसकी अपनी गंध से बाकी सब कुछ छिप जाना चाहिए था।
‘तुमने बस स्टेशन से टैक्सी ली थी,’ उसने कहा। ‘शायद बीस डॉलर दिए होंगे। छह-सात डॉलर बचे होंगे। कोई इस छत के नीचे रहने की उम्मीद करता है, उसे अपना खर्च खुद उठाना चाहिए। क्या मैं सही कह रहा हूँ, एडी?’
अपार्टमेंट बिल्डिंग के सुपरिंटेंडेंट एडी ने मुझ पर थोड़ी सहानुभूति भरी नजरों से देखा। 'अरे गेब,' उसने कहा। 'यह लड़का अभी-अभी तो आया है।' ‘क्या मैं सही हूँ?’ गेब ने दोहराया।
एडी ने अपने प्रेट्ज़ेल के कटोरे में घूरकर देखा। बाकी दोनों लड़कों ने एक साथ गैस छोड़ी।
‘ठीक है,’ मैंने कहा। मैंने अपनी जेब से डॉलरों का एक बंडल निकाला और उसे मेज पर फेंक दिया। ‘मुझे उम्मीद है कि तुम हार जाओगे।’
‘तेरा रिपोर्ट कार्ड आ गया, होशियार लड़के!’ उसने मेरे पीछे से चिल्लाकर कहा। ‘इतना घमंड मत करो!’
मैंने अपने कमरे का दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया, जो असल में मेरा कमरा नहीं था। स्कूल के दिनों में, वह गेब का 'अध्ययन कक्ष' हुआ करता था। वह वहाँ पुरानी कार पत्रिकाओं के अलावा कुछ नहीं पढ़ता था, लेकिन उसे मेरा सामान अलमारी में ठूंसना, अपने गंदे जूते मेरी खिड़की पर छोड़ना और पूरे कमरे को अपने घटिया इत्र, सिगार और बासी बीयर की गंध से भर देना बहुत पसंद था। मैंने अपना सूटकेस बिस्तर पर रख दिया। घर जैसा सुकून कहीं नहीं।
गेब की गंध श्रीमती डॉड्स के बारे में आने वाले बुरे सपनों या उस बूढ़ी फल बेचने वाली महिला की कैंची से धागे को काटने की आवाज से भी बदतर थी।

लेकिन जैसे ही मैंने ये सोचा, मेरे पैर कांपने लगे। मुझे ग्रोवर का घबराहट भरा चेहरा याद आ गया – उसने मुझसे वादा करवाया था कि मैं उसके बिना घर नहीं जाऊंगी। अचानक मेरे शरीर में सिहरन दौड़ गई। मुझे लगा जैसे कोई – कुछ – अभी मुझे ढूंढ रहा है, शायद सीढ़ियों पर चढ़ रहा है, अपने लंबे, भयानक पंजों को फैला रहा है।
तभी मुझे मेरी माँ की आवाज़ सुनाई दी। 'पर्सी?'
उसने बेडरूम का दरवाजा खोला और मेरे सारे डर दूर हो गए।
मेरी माँ के कमरे में आते ही मुझे अच्छा महसूस हो जाता है। उनकी आँखें चमक उठती हैं और रोशनी में उनका रंग बदल जाता है। उनकी मुस्कान रजाई की तरह गर्म है। उनके लंबे भूरे बालों में कुछ सफ़ेद बाल आ गए हैं, लेकिन मैं उन्हें कभी बूढ़ा नहीं समझती। जब वह मुझे देखती हैं, तो ऐसा लगता है जैसे वह मुझमें सारी अच्छाइयाँ देख रही हों, कोई बुराई नहीं। मैंने उन्हें कभी किसी पर चिल्लाते या किसी से कोई बुरी बात कहते नहीं सुना, यहाँ तक कि मुझसे या गेब से भी नहीं।
‘ओह, पर्सी!’ उसने मुझे कसकर गले लगा लिया। ‘मुझे विश्वास नहीं हो रहा। क्रिसमस के बाद से तुम कितने बड़े हो गए हो!’
उसकी लाल-सफेद-नीली "स्वीट ऑन अमेरिका" वर्दी से दुनिया की सबसे बेहतरीन चीज़ों की खुशबू आ रही थी: चॉकलेट, मुलेठी और वो सारी चीज़ें जो वो ग्रैंड सेंट्रल की मिठाई की दुकान पर बेचती थी। वो मेरे लिए 'मुफ्त नमूनों' से भरा एक बड़ा थैला लाई थी, जैसा कि वो हमेशा मेरे घर आने पर करती थी।
हम बिस्तर के किनारे साथ बैठे थे। मैं ब्लूबेरी सॉर स्ट्रिंग्स खा रहा था, तभी उसने मेरे बालों में हाथ फेरा और मुझसे वो सब कुछ जानने की ज़िद करने लगी जो मैंने अपनी चिट्ठियों में नहीं लिखा था। उसने मेरे स्कूल से निकाले जाने का ज़िक्र तक नहीं किया। उसे इस बात की कोई परवाह नहीं थी। लेकिन क्या मैं ठीक था? क्या उसका छोटा बेटा ठीक था?
मैंने उससे कहा कि वह मुझे घुटन महसूस करा रही है, और मुझे अकेला छोड़ दे, लेकिन मन ही मन, मैं उसे देखकर वास्तव में बहुत खुश थी।
दूसरे कमरे से गेब चिल्लाया, 'हे सैली - बीन्स डिप के बारे में क्या ख्याल है?'
मैंने दांत पीस लिए।

मेरी माँ दुनिया की सबसे अच्छी महिला हैं। उन्हें किसी करोड़पति से शादी करनी चाहिए थी, गेब जैसे किसी घटिया इंसान से नहीं।
उसके लिए, मैंने यान्सी अकादमी में अपने आखिरी दिनों के बारे में सकारात्मक दिखने की कोशिश की। मैंने उसे बताया कि निष्कासन से मैं ज़्यादा दुखी नहीं थी। इस बार मैं लगभग पूरा साल टिक पाई थी। मैंने कुछ नए दोस्त बनाए थे। लैटिन में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया था। और सच कहूँ तो, झगड़े उतने बुरे नहीं थे जितना प्रधानाध्यापक ने कहा था। मुझे यान्सी अकादमी पसंद थी। सच में। मैंने उस साल को इतना अच्छा बताया कि लगभग खुद को भी यकीन दिला दिया था। ग्रोवर और मिस्टर ब्रूनर के बारे में सोचते हुए मेरी आवाज़ भर्रा गई। यहाँ तक कि नैन्सी बोबोफिट भी अचानक उतनी बुरी नहीं लगने लगी।
जब तक कि संग्रहालय की वह यात्रा नहीं हुई...
‘क्या?’ मेरी माँ ने पूछा। उनकी निगाहें मेरे अंतरात्मा को झकझोर रही थीं, मानो मेरे राज़ जानने की कोशिश कर रही हों। ‘क्या किसी चीज़ ने तुम्हें डरा दिया?’
'मां नहीं।'
मुझे झूठ बोलने में बुरा लग रहा था। मैं उसे मिसेज डॉड्स और ऊन वाली तीन बूढ़ी महिलाओं के बारे में बताना चाहती थी, लेकिन मुझे लगा कि यह बेवकूफी भरा लगेगा।
उसने अपने होंठ सिकोड़ लिए। वह जानती थी कि मैं अपनी भावनाओं को दबा रहा हूँ, लेकिन उसने मुझे दबाव नहीं डाला।
उसने कहा, 'मेरे पास तुम्हारे लिए एक सरप्राइज है। हम बीच पर जा रहे हैं।' मेरी आंखें चौड़ी हो गईं। 'मोंटॉक?'
‘तीन रातें – एक ही केबिन में।’
'कब?'
वह मुस्कुराई। 'जैसे ही मैं कपड़े बदल लूँगी।'
मुझे विश्वास नहीं हो रहा था। पिछले दो गर्मियों में मैं और मेरी माँ मोंटॉक नहीं जा पाए थे, क्योंकि गेब ने कहा था कि हमारे पास पर्याप्त पैसे नहीं थे।
गेब दरवाजे पर प्रकट हुआ और गुर्राते हुए बोला, 'बीन डिप, सैली? क्या तुमने मुझे सुना नहीं?'

मेरा मन किया उसे घूंसा मार दूं, लेकिन मेरी नज़रें मेरी माँ की आँखों में पड़ीं और मैं समझ गई कि वो मुझे एक प्रस्ताव दे रही हैं: कुछ समय के लिए गेब के साथ अच्छा व्यवहार करो। बस तब तक जब तक वो मोंटॉक जाने के लिए तैयार न हो जाएं। फिर हम यहाँ से निकल जाएंगे।
‘मैं रास्ते में ही थी, हनी,’ उसने गेब से कहा। ‘हम बस यात्रा के बारे में ही बात कर रहे थे।’
गेब की आंखें छोटी हो गईं। 'यात्रा? तुम्हारा मतलब है कि तुम सच में उस बारे में गंभीर थे?'
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, 'मुझे पता था। वह हमें जाने नहीं देगा।' ‘बिल्कुल, वो खाएगा ही,’ मेरी माँ ने शांत भाव से कहा। ‘तुम्हारे सौतेले पिता को बस पैसों की चिंता है। बस इतना ही। इसके अलावा,’ उन्होंने आगे कहा, ‘गैब्रियल को सिर्फ़ बीन्स की चटनी से संतोष नहीं करना पड़ेगा। मैं उसके लिए पूरे सप्ताहांत के लिए सात परत वाली चटनी बना दूँगी। ग्वाकामोल। खट्टी क्रीम। सब कुछ।’
गेब थोड़ा नरम पड़ गया। 'तो ये पैसे तुम्हारी यात्रा के लिए... तुम्हारे कपड़ों के बजट से ही निकलेंगे, है ना?'
‘हां, बेटा,’ मेरी मां ने कहा।
और तुम मेरी कार को वहाँ जाने और वापस आने के अलावा कहीं और नहीं ले जाओगे। हम बहुत सावधानी बरतेंगे।
गेब ने अपनी ठुड्डी खुजलाई। 'शायद अगर तुम वो सात परत वाला डिप जल्दी से ले आओ... और शायद अगर वो लड़का मेरे पोकर गेम में दखल देने के लिए माफी मांग ले।'
मैंने सोचा, शायद अगर मैं तुम्हारी नाजुक जगह पर लात मारूँ, और तुम्हें एक हफ्ते तक सोप्रानो गाने पर मजबूर कर दूँ।
लेकिन मेरी मां की आंखों ने मुझे चेतावनी दी कि मैं उसे नाराज न करूं।
वो इस आदमी को क्यों बर्दाश्त कर रही थी? मुझे चीखने का मन कर रहा था। उसे इस बात की परवाह क्यों थी कि वो क्या सोचता है?
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, 'मुझे माफ कर दीजिए। मुझे सच में बहुत खेद है कि मैंने आपके बेहद महत्वपूर्ण पोकर गेम में बाधा डाली। कृपया अभी वापस गेम खेलना शुरू कर दीजिए।'

गेब की आंखें सिकुड़ गईं। उसका छोटा सा दिमाग शायद मेरे कथन में व्यंग्य ढूंढने की कोशिश कर रहा था।
‘हाँ, जो भी हो,’ उसने फैसला किया।
वह अपने खेल में वापस लौट गया।
‘धन्यवाद, पर्सी,’ मेरी माँ ने कहा। ‘मोंटॉक पहुँचने के बाद, हम उन सभी बातों के बारे में और बात करेंगे जो तुमने मुझे बताना भूल गए हो, ठीक है?’ एक पल के लिए, मुझे लगा कि मैंने उसकी आँखों में चिंता देखी - वही डर जो मैंने बस यात्रा के दौरान ग्रोवर में देखा था - मानो मेरी माँ को भी हवा में एक अजीब सी ठंडक महसूस हो रही हो।
लेकिन फिर उसके चेहरे पर मुस्कान लौट आई, और मुझे लगा कि मैं गलत था। उसने मेरे बालों को सहलाया और गेब के लिए सात परतों वाला डिप बनाने चली गई। एक घंटे बाद हम जाने के लिए तैयार थे।
गेब ने पोकर गेम से कुछ देर का विराम लिया और मुझे अपनी माँ के बैग कार तक ले जाते हुए देखा। वह पूरे सप्ताहांत माँ के हाथ का बना खाना और उससे भी ज़्यादा, अपनी 1978 की कैमारो कार खोने के बारे में लगातार शिकायत करता रहा।
जब मैं आखिरी बैग गाड़ी में रख रहा था, तब उसने मुझे चेतावनी देते हुए कहा, 'इस गाड़ी पर एक खरोंच भी नहीं आनी चाहिए, होशियार लड़के। एक छोटी सी खरोंच भी नहीं।'
जैसे कि गाड़ी तो मैं चला रहा होता। मैं बारह साल का था। लेकिन गेब को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। अगर एक सीगल भी उसकी गाड़ी के पेंट पर बीट कर देती, तो वो सारा दोष मुझ पर मढ़ देता।
उसे अपार्टमेंट बिल्डिंग की ओर लड़खड़ाते हुए वापस जाते देख, मुझे इतना गुस्सा आया कि मैंने कुछ ऐसा कर दिया जिसे मैं समझा नहीं सकती। जैसे ही गेब दरवाजे पर पहुँचा, मैंने वही हाथ का इशारा किया जो मैंने ग्रोवर को बस में करते देखा था, एक तरह का बुरी नज़र से बचाने वाला इशारा, अपने दिल पर पंजा रखा हुआ हाथ, फिर गेब की ओर धक्का दिया। जाली का दरवाजा इतनी ज़ोर से बंद हुआ कि गेब के नितंब पर ज़ोर से लगा और वह सीढ़ियों पर ऐसे उड़ गया जैसे उसे तोप से दागा गया हो। शायद यह सिर्फ हवा थी, या कब्ज़ों में कोई अजीब सी गड़बड़ी थी, लेकिन मैं यह जानने के लिए वहाँ ज़्यादा देर नहीं रुकी।
मैं कैमारो में बैठा और अपनी माँ से कहा कि गाड़ी तेज चलाओ।

हमारा किराए का केबिन लॉन्ग आइलैंड के दक्षिणी किनारे पर, बिल्कुल आखिरी छोर पर था। यह एक छोटा सा, हल्के रंग का डिब्बा जैसा था, जिसमें फीके पर्दे लगे थे और जो आधा रेत के टीलों में धंसा हुआ था। चादरों में हमेशा रेत रहती थी और अलमारियों में मकड़ियां दिखाई देती थीं, और ज्यादातर समय समुद्र का पानी इतना ठंडा होता था कि उसमें तैरना संभव नहीं था।
मुझे वह जगह बहुत पसंद आई।
हम वहां तब से जाते आ रहे थे जब मैं बच्ची थी। मेरी माँ तो उससे भी पहले से जाती आ रही थीं। उन्होंने कभी खुलकर नहीं बताया, लेकिन मैं जानती थी कि वह समुद्र तट उनके लिए खास क्यों था। वह वही जगह थी जहाँ उनकी मुलाकात मेरे पिताजी से हुई थी।
जैसे-जैसे हम मोंटॉक के करीब पहुंचते गए, वह और भी जवान लगने लगी, वर्षों की चिंता और मेहनत उसके चेहरे से गायब हो गई। उसकी आँखें समुद्र के रंग की हो गईं।
हम सूर्यास्त के समय वहाँ पहुँचे, केबिन की सभी खिड़कियाँ खोलीं और अपनी रोज़ाना की सफाई शुरू की। हम समुद्र तट पर टहले, सीगल को नीले रंग के कॉर्न चिप्स खिलाए और नीली जेली बीन्स, नीली नमकीन टॉफ़ी और मेरी माँ द्वारा काम से लाए गए अन्य सभी मुफ़्त सैंपल खाए।
मुझे लगता है कि मुझे नीले रंग के भोजन के बारे में समझाना चाहिए।
देखो, गेब ने एक बार मेरी माँ से कहा था कि ऐसा कुछ होता ही नहीं। उन दोनों के बीच झगड़ा हुआ था, जो उस समय मामूली सी बात लगी थी। लेकिन तब से, मेरी माँ नीले रंग की चीज़ें खाने में कोई कसर नहीं छोड़ती थीं। वह नीले रंग के जन्मदिन के केक बनाती थीं। वह ब्लूबेरी स्मूदी बनाती थीं। वह नीले रंग के कॉर्न टॉर्टिला चिप्स खरीदती थीं और दुकान से नीली कैंडी घर लाती थीं। यह सब – और साथ ही अपना मायके का नाम जैक्सन रखना, न कि खुद को मिसेज़ उग्लियानो कहना – इस बात का सबूत था कि वह गेब के बहकावे में पूरी तरह नहीं आई थीं। उनमें भी मेरी तरह विद्रोही स्वभाव था।
जब अंधेरा हो गया, तो हमने आग जलाई। हमने हॉट डॉग और मार्शमैलो भुने। माँ ने मुझे अपने बचपन की कहानियाँ सुनाईं, उन दिनों की जब उनके माता-पिता विमान दुर्घटना में नहीं मरे थे। उन्होंने मुझे उन किताबों के बारे में बताया जो वह एक दिन लिखना चाहती थीं, जब उनके पास मिठाई की दुकान छोड़ने के लिए पर्याप्त पैसे होंगे।

आखिरकार, मैंने हिम्मत जुटाकर उस बात के बारे में पूछ ही लिया जो मोंटॉक आने पर हमेशा मेरे मन में रहती थी - मेरे पिता। माँ की आँखें नम हो गईं।
मुझे लगा कि वो वही पुरानी बातें कहेंगी जो वो हमेशा कहती थीं, लेकिन मुझे उन्हें सुनने में कभी थकान नहीं होती थी।
‘वह दयालु थे, पर्सी,’ उसने कहा। ‘लंबे, सुंदर और शक्तिशाली। लेकिन कोमल भी। तुम्हें पता है, तुम्हारे बाल उन्हीं की तरह काले हैं और तुम्हारी आँखें भी उन्हीं की तरह हरी हैं।’
माँ ने अपनी मिठाई की थैली से एक नीली जेली बीन निकाली। 'काश वह तुम्हें देख पाता, पर्सी। उसे तुम पर बहुत गर्व होता।'
मुझे आश्चर्य हुआ कि वह ऐसा कैसे कह सकती है। मुझमें ऐसी क्या खास बात थी? एक डिस्लेक्सिया से पीड़ित, अतिसक्रिय लड़का जिसका रिपोर्ट कार्ड D+ ग्रेड का था, और जिसे छह साल में छठी बार स्कूल से निकाल दिया गया था। मैंने पूछा, 'मेरी उम्र कितनी थी?' 'मेरा मतलब है... जब वह मुझे छोड़कर गया था?'
वह आग की लपटों को देखती रही। 'पर्सी, वह सिर्फ एक गर्मी के मौसम के लिए मेरे साथ था। यहीं इस समुद्र तट पर। इसी झोपड़ी में।'
लेकिन... वह मुझे बचपन से जानता था।
नहीं, बेटा। उसे पता था कि मैं गर्भवती हूँ, लेकिन उसने तुम्हें कभी नहीं देखा। उसे तुम्हारे जन्म से पहले ही जाना पड़ा।
मैंने इस बात को इस तथ्य से मिलाने की कोशिश की कि मुझे अपने पिता के बारे में कुछ याद आ रहा था... एक गर्मजोशी भरी आभा। एक मुस्कान।
मुझे हमेशा से यही लगता था कि वो मुझे बचपन से जानते थे। मेरी माँ ने कभी खुलकर नहीं कहा था, लेकिन फिर भी मुझे लगता था कि ये सच ही होगा। अब ये सुनकर कि उन्होंने मुझे कभी देखा तक नहीं...
मुझे अपने पिता पर गुस्सा आ रहा था। शायद यह बेवकूफी थी, लेकिन मुझे उन पर इस बात का बहुत गुस्सा था कि वे उस समुद्री यात्रा पर चले गए, मेरी माँ से शादी करने की हिम्मत नहीं कर पाए। उन्होंने हमें छोड़ दिया था, और अब हम बदबूदार गेब के साथ फंस गए थे।
मैंने उससे पूछा, 'क्या तुम मुझे फिर से कहीं दूर भेजने वाली हो? किसी दूसरे बोर्डिंग स्कूल में?'
उसने आग से एक मार्शमैलो निकाला।

‘मुझे नहीं पता, प्यारे।’ उसकी आवाज भारी थी। ‘मुझे लगता है… मुझे लगता है कि हमें कुछ करना होगा।’
‘क्योंकि तुम मुझे अपने आसपास नहीं चाहते?’ ये शब्द मेरे मुंह से निकलते ही मुझे पछतावा हुआ।
मेरी माँ की आँखों में आँसू भर आए। उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और कसकर दबाया। 'ओह, पर्सी, नहीं। मुझे - मुझे ऐसा करना ही होगा, बेटा। तुम्हारे भले के लिए। मुझे तुम्हें यहाँ से भेजना ही होगा।'
उनके शब्दों ने मुझे श्री ब्रूनर की कही बात याद दिला दी - कि मेरे लिए यान्सी छोड़ देना ही सबसे अच्छा होगा।
मैंने कहा, 'क्योंकि मैं सामान्य नहीं हूं।'
‘पर्सी, तुम इसे ऐसे कह रहे हो जैसे यह कोई बुरी बात हो। लेकिन तुम्हें एहसास नहीं है कि तुम कितने महत्वपूर्ण हो। मैंने सोचा था कि यान्सी अकादमी काफी दूर होगी। मैंने सोचा था कि तुम आखिरकार सुरक्षित हो जाओगे।’ ‘किससे सुरक्षित?’
उसने मेरी आंखों में देखा, और यादों का सैलाब उमड़ आया - मेरे साथ घटी सभी अजीबोगरीब, डरावनी चीजें, जिनमें से कुछ को मैंने भूलने की कोशिश की थी। तीसरी कक्षा में पढ़ते समय, एक काले रंग का कोट पहने एक आदमी खेल के मैदान में मेरा पीछा कर रहा था। जब शिक्षकों ने पुलिस को बुलाने की धमकी दी, तो वह गुर्राते हुए चला गया, लेकिन जब मैंने उन्हें बताया कि उसकी चौड़ी टोपी के नीचे, उसके सिर के ठीक बीच में केवल एक ही आँख थी, तो किसी ने मेरी बात पर विश्वास नहीं किया।
उससे भी पहले की एक बहुत पुरानी याद। मैं प्री-स्कूल में था, और एक शिक्षिका ने गलती से मुझे एक ऐसे पालने में सुला दिया जिसमें एक सांप घुस गया था। जब मेरी माँ मुझे लेने आई तो वह चीख पड़ीं, क्योंकि उन्होंने मुझे एक ढीली, खुरदरी रस्सी से खेलते हुए पाया जिसे मैंने अपने नन्हे-मुन्ने हाथों से किसी तरह गला घोंटकर मार डाला था।
हर स्कूल में कुछ न कुछ डरावनी घटना घटित हुई थी, कुछ असुरक्षित घटना हुई थी, और मुझे मजबूरन स्कूल बदलना पड़ा।
मुझे पता था कि मुझे अपनी माँ को फल की दुकान पर बैठी बूढ़ी महिलाओं और कला संग्रहालय में श्रीमती डॉड्स के बारे में, और उस अजीब मतिभ्रम के बारे में बताना चाहिए जिसमें मैंने अपने गणित शिक्षक को तलवार से काटकर चूर-चूर कर

दिया था। लेकिन मैं उन्हें बता नहीं पाई। मुझे एक अजीब सी अनुभूति हो रही थी कि यह खबर मोंटॉक की हमारी यात्रा को रद्द कर देगी, और मैं ऐसा नहीं चाहती थी।
मेरी माँ ने कहा, ‘मैंने तुम्हें यथासंभव अपने करीब रखने की कोशिश की। उन्होंने मुझसे कहा कि यह एक गलती थी। लेकिन पर्सी, अब सिर्फ एक ही विकल्प बचा है – वह जगह जहाँ तुम्हारे पिता तुम्हें भेजना चाहते थे। और मैं बस... मैं ऐसा कर ही नहीं सकती।’
‘मेरे पिता चाहते थे कि मैं एक विशेष स्कूल में जाऊं?’
‘स्कूल नहीं,’ उसने धीरे से कहा। ‘एक समर कैंप।’
मेरा दिमाग चकरा रहा था। मेरे पापा, जो मुझे जन्म लेते देखने के लिए भी जीवित नहीं रहे, मेरी मम्मी से समर कैंप के बारे में क्यों बात करेंगे? और अगर यह इतना ज़रूरी था, तो उन्होंने पहले कभी इसका ज़िक्र क्यों नहीं किया?
मेरी आँखों में उदासी देखकर उसने कहा, 'मुझे माफ करना, पर्सी। लेकिन मैं इस बारे में बात नहीं कर सकती। मैं तुम्हें उस जगह नहीं भेज सकती। इसका मतलब हमेशा के लिए तुमसे विदा लेना हो सकता है।'
‘हमेशा के लिए? लेकिन अगर यह सिर्फ एक ग्रीष्मकालीन शिविर है…’
वह आग की ओर मुड़ी, और मैं उसके चेहरे के भाव से समझ गया कि अगर मैंने उससे और कोई सवाल पूछा तो वह रोने लगेगी।
उस रात मुझे एक बहुत ही स्पष्ट सपना आया।
समुद्र तट पर भीषण तूफान चल रहा था, और दो खूबसूरत जानवर, एक सफेद घोड़ा और एक सुनहरा बाज, लहरों के किनारे एक-दूसरे को जान से मारने की कोशिश कर रहे थे। बाज झपट्टा मारकर नीचे आया और अपने विशाल पंजों से घोड़े के थूथन पर वार किया। घोड़ा उछल पड़ा और बाज के पंखों पर लात मारी। जैसे ही वे लड़ रहे थे, ज़मीन कांप उठी, और धरती के नीचे कहीं से एक भयानक आवाज़ गूंजी, जो जानवरों को और ज़ोर से लड़ने के लिए उकसा रही थी।
मैं उनकी ओर दौड़ी, यह जानते हुए कि मुझे उन्हें आपस में लड़ने से रोकना है, लेकिन मेरी दौड़ बहुत धीमी थी। मुझे पता था कि बहुत देर हो चुकी होगी। मैंने चील को नीचे झपट्टा मारते देखा, उसकी चोंच घोड़े की चौड़ी आँखों की ओर थी, और मैं चीख पड़ी, नहीं!
मैं अचानक चौंककर जाग गया।

बाहर सचमुच भीषण तूफान था, ऐसा तूफान जो पेड़ों को चीर देता है और घरों को गिरा देता है। समुद्र तट पर न तो घोड़ा था और न ही चील, बस बिजली चमक रही थी जिससे दिन का उजाला सा लग रहा था, और पाँच मीटर ऊँची लहरें तोपों की तरह रेत के टीलों पर प्रहार कर रही थीं।
अगली बिजली की कड़क के साथ ही मेरी माँ जाग गई। वह आँखें चौड़ी करके बैठ गई और बोली, 'तूफान।'
मुझे पता था कि यह पागलपन था। लॉन्ग आइलैंड में गर्मियों की शुरुआत में कभी तूफान नहीं आते थे। लेकिन ऐसा लग रहा था मानो समुद्र यह बात भूल गया हो। हवा के तेज शोर के बीच, मुझे दूर से एक दहाड़ सुनाई दी, एक गुस्से भरी, दर्द भरी आवाज जिसने मेरे रोंगटे खड़े कर दिए।
फिर एक और तेज़ आवाज़ आई, जैसे रेत में हथौड़े से कुछ ठोका जा रहा हो। एक हताश आवाज़ – कोई चिल्ला रहा था, हमारी झोपड़ी के दरवाजे पर ज़ोर-ज़ोर से दस्तक दे रहा था।
मेरी मां नाइटगाउन पहने हुए बिस्तर से उछलकर उठीं और ताला खोल दिया। ग्रोवर मूसलाधार बारिश के बीच दरवाजे पर खड़ा था। लेकिन वह... वह बिल्कुल ग्रोवर नहीं था।
‘पूरी रात खोजते रहे,’ वह हांफते हुए बोला। ‘तुम क्या सोच रहे थे?’
मेरी मां ने मुझे खौफ भरी नजरों से देखा - ग्रोवर से नहीं, बल्कि इस बात से कि वह क्यों आया था।
‘पर्सी,’ उसने बारिश के शोर में अपनी आवाज सुनाने के लिए चिल्लाते हुए कहा। ‘स्कूल में क्या हुआ? तुमने मुझे क्या नहीं बताया?’
मैं स्तब्ध रह गया, ग्रोवर को देखता रहा। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या देख रहा हूँ।
‘ओ ज़ेउ काई अलोई थियोई!’ वह चिल्लाया। ‘यह मेरे ठीक पीछे है! क्या तुमने उसे नहीं बताया?’
मैं इतना हैरान था कि मुझे यह भी समझ नहीं आया कि उसने प्राचीन ग्रीक में गाली दी थी, और मैं उसे पूरी तरह समझ गया था। मैं इतना हैरान था कि यह सोचने का भी समय ही नहीं मिला कि ग्रोवर आधी रात को यहाँ अकेला कैसे आ गया। क्योंकि ग्रोवर ने पैंट नहीं पहनी थी – और जहाँ उसके पैर होने चाहिए थे… जहाँ उसके पैर होने चाहिए थे…

मेरी माँ ने मुझे कड़े शब्दों में देखा और ऐसे लहजे में बोली जो उन्होंने पहले कभी इस्तेमाल नहीं किया था: 'पर्सी। मुझे अभी बताओ!'
मैंने फल के स्टॉल पर बैठी बूढ़ी महिलाओं और मिसेज डॉड्स के बारे में कुछ हकलाते हुए कहा, और मेरी माँ मुझे घूरती रही, बिजली की चमक में उसका चेहरा एकदम पीला पड़ गया था।
उसने अपना पर्स उठाया, मेरी रेन जैकेट मेरी तरफ फेंकी और कहा, 'गाड़ी में बैठो। तुम दोनों। जाओ!'
ग्रोवर कैमारो की ओर भागा – लेकिन वह सचमुच दौड़ नहीं रहा था। वह धीरे-धीरे चल रहा था, अपने घने पिछले पैरों को हिला रहा था, और अचानक उसके पैरों में मांसपेशियों की बीमारी की कहानी मुझे समझ में आ गई। मुझे समझ आया कि वह इतनी तेज़ दौड़ कैसे सकता है और फिर भी चलते समय लंगड़ाता कैसे है। क्योंकि जहाँ उसके पैर होने चाहिए थे, वहाँ पैर नहीं थे। वहाँ खुर थे।

4. मेरी माँ मुझे बुलफाइटिंग सिखाती है

हम अंधेरी ग्रामीण सड़कों पर रात के अंधेरे में तेज़ी से आगे बढ़ रहे थे।
हवा कैमारो से टकरा रही थी। बारिश की बूँदें विंडशील्ड पर पड़ रही थीं। मुझे नहीं पता था कि मेरी माँ को कुछ दिख कैसे रहा था, लेकिन उन्होंने लगातार एक्सीलरेटर दबाए रखा था।
जब भी बिजली चमकती, मैं पीछे की सीट पर अपने बगल में बैठे ग्रोवर को देखता और सोचता कि कहीं मैं पागल तो नहीं हो गया, या उसने किसी तरह की ऊनी पैंट तो नहीं पहन रखी है। लेकिन नहीं, वह गंध मुझे बचपन में चिड़ियाघर की सैर से याद आ रही थी - ऊन जैसी लैनोलिन की गंध। किसी गीले बाड़े के जानवर की गंध। मैं बस इतना ही कह पाई, 'तो, आप और मेरी माँ... एक दूसरे को जानते हैं?' ग्रोवर की नज़रें पीछे देखने वाले शीशे पर गईं, हालाँकि हमारे पीछे कोई कार नहीं थी। 'बिल्कुल नहीं,' उसने कहा। 'मेरा मतलब है, हम कभी आमने-सामने नहीं मिले हैं। लेकिन उसे पता था कि मैं तुम्हें देख रहा था।'
'मुझे देख रहे हो?'
‘तुम्हारे ऊपर नजर रख रहा था। यह सुनिश्चित कर रहा था कि तुम ठीक हो। लेकिन मैं दोस्ती का दिखावा नहीं कर रहा था,’ उसने जल्दबाजी में कहा। ‘मैं तुम्हारा दोस्त हूँ।’
‘उम… तुम असल में हो क्या?’
'अभी इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।'
‘इससे कोई फर्क नहीं पड़ता? कमर के नीचे से तो मेरा सबसे अच्छा दोस्त एक गधा है –’
ग्रोवर ने कर्कश, भारी आवाज में 'ब्ला-हा-हा!' कहा।
मैंने उसे पहले भी ऐसी आवाज़ निकालते सुना था, लेकिन हमेशा यही सोचा था कि यह घबराहट भरी हंसी है। अब मुझे एहसास हुआ कि यह चिड़चिड़ी सी आवाज़ थी। ‘बकरी!’ वह चिल्लाया।
'क्या?'
'कमर के नीचे का हिस्सा बकरी जैसा है।'
आपने अभी कहा था कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

‘ब्ला-हा-हा! ऐसे अपमान के लिए तो सैटायर भी तुम्हें अपने खुरों से कुचल देंगे!’
अरे वाह! रुको! सैटायर। तुम्हारा मतलब... मिस्टर ब्रूनर की कहानियों से है? 'क्या फल की दुकान पर बैठी वो बूढ़ी औरतें एक मिथक थीं, पर्सी? क्या मिसेज डॉड्स एक मिथक थीं?'
‘तो आप मानते हैं कि मिसेज डॉड्स नाम की एक महिला थी!’
'बिल्कुल।'
'तो क्यों -'
ग्रोवर ने कहा, ‘जितना कम तुम जानते, उतने ही कम राक्षस तुम्हारी ओर आकर्षित होते,’ मानो यह बात बिलकुल स्पष्ट होनी चाहिए थी। ‘हमने इंसानों की आँखों पर धुंध डाल दी थी। हमें उम्मीद थी कि तुम सोचोगे कि दयालु व्यक्ति एक मतिभ्रम है। लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। तुम्हें धीरे-धीरे अपनी असलियत का एहसास होने लगा।’
‘कौन मैं – एक मिनट रुको, तुम्हारा क्या मतलब है?’
हमारे पीछे कहीं से एक अजीब सी गर्जना की आवाज फिर से सुनाई दी, पहले से भी ज्यादा करीब। जो भी हमारा पीछा कर रहा था, वह अभी भी हमारे पीछे लगा हुआ था।
मेरी माँ ने कहा, 'पर्सी, समझाने के लिए बहुत कुछ है और समय कम है। हमें तुम्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाना होगा।'
‘किससे सुरक्षा? मेरे पीछे कौन पड़ा है?’
‘अरे, कोई खास नहीं,’ ग्रोवर ने कहा, जाहिर तौर पर गधे वाली टिप्पणी से अभी भी नाराज़ था। ‘बस मृतकों का स्वामी और उसके कुछ सबसे खूंखार चेले।’ ‘ग्रोवर!’
'माफ़ कीजिए, श्रीमती जैक्सन। क्या आप कृपया थोड़ी तेज़ गाड़ी चला सकती हैं?'
मैंने जो हो रहा था उसे समझने की कोशिश की, लेकिन मैं समझ नहीं पाया। मुझे पता था कि यह सपना नहीं था। मेरी कल्पना शक्ति ही नहीं थी। मैं कभी ऐसी अजीबोगरीब चीज़ की कल्पना भी नहीं कर सकता था।
मेरी माँ ने अचानक बाईं ओर मोड़ लिया। हम एक संकरी सड़क पर मुड़ गए, अंधेरे में डूबे फार्महाउसों और पेड़ों से ढकी पहाड़ियों के पास से तेज़ी से

गुज़रते हुए, जहाँ सफेद बाड़ों पर "खुद स्ट्रॉबेरी तोड़ें" के संकेत लगे हुए थे।
मैंने पूछा, 'हम कहाँ जा रहे हैं?'
‘जिस समर कैंप के बारे में मैंने तुम्हें बताया था।’ मेरी माँ की आवाज़ दबी हुई थी; वह मेरी खातिर डरने से बचने की कोशिश कर रही थी। ‘वह जगह जहाँ तुम्हारे पिता तुम्हें भेजना चाहते थे।’
'वह जगह जहाँ तुम मुझे नहीं जाने देना चाहते थे।'
‘प्यारे, कृपया,’ मेरी माँ ने विनती की। ‘यह पहले से ही बहुत कठिन है। समझने की कोशिश करो। तुम खतरे में हो।’
क्योंकि कुछ बूढ़ी औरतें ऊन काटती हैं।
ग्रोवर ने कहा, 'वे बूढ़ी औरतें नहीं थीं। वे भाग्य की देवियाँ थीं। क्या तुम जानते हो इसका क्या मतलब है - कि वे तुम्हारे सामने प्रकट हुईं? वे ऐसा तभी करती हैं जब तुम मरने वाले होते हो... जब कोई मरने वाला होता है।'
‘वाह! आपने “आप” कहा।’
नहीं, मैंने ऐसा नहीं कहा। मैंने कहा था "कोई"।
‘आपका मतलब “आप” था। यानी मैं।’
मेरा मतलब आपसे था, जैसे "कोई"। आप नहीं, आप।
‘लड़के!’ मेरी माँ ने कहा।
उसने स्टीयरिंग व्हील को तेज़ी से दाईं ओर मोड़ा, और मुझे उस आकृति की एक झलक मिली जिससे बचने के लिए उसने गाड़ी को मोड़ा था - एक काली, फड़फड़ाती हुई आकृति जो अब तूफान में हमारे पीछे खो गई थी।
मैंने पूछा, ‘यह क्या था?’
मेरी माँ ने मेरे सवाल को अनसुना करते हुए कहा, 'हम लगभग पहुँच ही गए हैं। बस एक मील और। कृपया। कृपया। कृपया।'
मुझे नहीं पता था कि वह जगह कहाँ है, लेकिन मैंने खुद को कार में आगे की ओर झुकते हुए पाया, उम्मीद करते हुए, चाहता था कि हम जल्दी पहुँच जाएँ।
बाहर, बारिश और अंधेरे के सिवा कुछ नहीं था – बिल्कुल वैसा ही सुनसान इलाका जैसा लॉन्ग आइलैंड के सुदूर छोर पर देखने को मिलता है। मैंने मिसेज़ डॉड्स और उस पल के बारे में सोचा जब वो नुकीले दांतों और चमड़े जैसे पंखों वाले जीव में बदल गई थीं। देर से हुए सदमे से मेरे हाथ-पैर सुन्न पड़ गए। वो सच में इंसान नहीं थीं। उनका इरादा मुझे जान से मारने का था।

फिर मुझे मिस्टर ब्रूनर की याद आई… और उस तलवार की जो उन्होंने मुझ पर फेंकी थी। इससे पहले कि मैं ग्रोवर से इसके बारे में पूछ पाता, मेरे रोंगटे खड़े हो गए। एक तेज़ रोशनी चमकी, एक ज़ोरदार धमाका हुआ! और हमारी कार फट गई।
मुझे याद है कि मुझे भारहीनता का अहसास हो रहा था, जैसे मुझे एक ही समय में कुचला जा रहा हो, तला जा रहा हो और पानी से धोया जा रहा हो।
मैंने अपना माथा ड्राइवर की सीट के पीछे से हटाया और कहा, 'आह।'
‘पर्सी!’ मेरी माँ चिल्लाई।
मैं ठीक हूँ…।
मैंने सदमे से बाहर निकलने की कोशिश की। मैं मरा नहीं था। गाड़ी में सचमुच विस्फोट नहीं हुआ था। हम एक खाई में जा गिरे थे। ड्राइवर की तरफ के दरवाजे कीचड़ में फंस गए थे। छत अंडे के छिलके की तरह फट गई थी और अंदर बारिश हो रही थी।
बिजली। यही एकमात्र स्पष्टीकरण था। हम सड़क से एकदम अलग हो गए थे। मेरे बगल में पिछली सीट पर एक बड़ा सा बेजान पिंड पड़ा था। 'ग्रोवर!'
वह बेसुध पड़ा था, उसके मुंह के किनारे से खून टपक रहा था। मैंने उसकी रोएंदार कमर को हिलाया और सोचा, नहीं! भले ही तुम आधे खेत के जानवर हो, तुम मेरे सबसे अच्छे दोस्त हो और मैं तुम्हें मरते हुए नहीं देखना चाहता! फिर उसने कराहते हुए कहा, 'खाना,' और मुझे उम्मीद की किरण दिखाई दी। ‘पर्सी,’ मेरी माँ ने कहा, ‘हमें…’ उनकी आवाज़ लड़खड़ा गई।
मैंने पीछे मुड़कर देखा। बिजली की एक चमक में, कीचड़ से सनी पिछली खिड़की के शीशे से, मैंने सड़क के किनारे एक आकृति को हमारी ओर लड़खड़ाते हुए आते देखा। उसे देखकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। वह एक विशालकाय आदमी की काली परछाई थी, किसी फुटबॉल खिलाड़ी जैसी। ऐसा लग रहा था जैसे उसने अपने सिर पर कंबल ओढ़ा हो। उसका ऊपरी हिस्सा मोटा और रोएँदार था। उसके उठे हुए हाथों से ऐसा लग रहा था जैसे उसके सींग हों।
मैंने बड़ी मुश्किल से अपनी बात कही। ‘कौन है –’
‘पर्सी,’ मेरी माँ ने एकदम गंभीरता से कहा। ‘गाड़ी से बाहर निकलो।’
मेरी माँ ने ड्राइवर की तरफ के दरवाजे पर ज़ोर से धक्का दिया। वह कीचड़ में बुरी तरह फंस गया था। मैंने भी अपना दरवाजा खोलने की कोशिश की। वह भी फंसा

हुआ था। मैंने छत में बने छेद की तरफ बेबसी से देखा। शायद वह बाहर निकलने का रास्ता था, लेकिन उसके किनारे जल रहे थे और उनसे धुआँ निकल रहा था। मेरी माँ ने मुझसे कहा, 'यात्री वाली सीट से बाहर निकलो! पर्सी - तुम्हें भागना होगा। क्या तुम्हें वह बड़ा पेड़ दिख रहा है?'
'क्या?'
बिजली की एक और चमक हुई, और छत में बने धुएं वाले छेद से मैंने वह पेड़ देखा जिसका वह जिक्र कर रही थी: पास की पहाड़ी की चोटी पर एक विशाल, व्हाइट हाउस के क्रिसमस ट्री के आकार का चीड़ का पेड़।
मेरी माँ ने कहा, ‘वही ज़मीन की सीमा रेखा है। उस पहाड़ी को पार करो और घाटी में नीचे एक बड़ा सा फार्महाउस दिखाई देगा। दौड़ो और पीछे मुड़कर मत देखो। मदद के लिए चिल्लाओ। जब तक दरवाजे तक न पहुँच जाओ, रुकना मत।’
‘माँ, तुम भी आ रही हो।’
उसका चेहरा पीला पड़ गया था, उसकी आँखें उतनी ही उदास थीं जितनी कि समुद्र को देखते समय होती थीं।
‘नहीं!’ मैंने चिल्लाकर कहा। ‘तुम मेरे साथ आओगे। ग्रोवर को उठाने में मेरी मदद करो।’
‘खाना!’ ग्रोवर थोड़ी और ऊंची आवाज में कराह उठा।
सिर पर कंबल ओढ़े वह आदमी घुरघुराहट और फुफकार जैसी आवाज़ें निकालते हुए हमारी तरफ बढ़ता रहा। जैसे-जैसे वह करीब आता गया, मुझे एहसास हुआ कि वह अपने सिर पर कंबल नहीं ओढ़ सकता, क्योंकि उसके हाथ - बड़े-बड़े मांसल हाथ - उसके बगल में झूल रहे थे। कंबल था ही नहीं। मतलब, वह भारी-भरकम, रोएँदार चीज़ जो उसका सिर होने के लिए बहुत बड़ी थी... वही उसका सिर था। और वो नुकीले हिस्से जो सींगों जैसे दिख रहे थे...
मेरी माँ ने मुझसे कहा, 'वह हमें नहीं चाहता। वह तुम्हें चाहता है। इसके अलावा, मैं संपत्ति की सीमा रेखा पार नहीं कर सकती।'
'लेकिन…'
‘हमारे पास समय नहीं है, पर्सी। जाओ। कृपया।’
तब मुझे गुस्सा आया - मेरी माँ पर, ग्रोवर नाम की बकरी पर, और उस सींग वाले जीव पर जो धीरे-धीरे और जानबूझकर हमारी ओर एक बैल की तरह बढ़ रहा था।
मैं ग्रोवर के ऊपर से चढ़कर दरवाजे को धक्का देकर बारिश में बाहर निकल गई। 'हम साथ चल रहे हैं। चलो माँ।'

'बताया तो -'
‘माँ! मैं तुम्हें छोड़कर नहीं जा रहा। ग्रोवर के साथ मेरी मदद करो।’ मैंने उसके जवाब का इंतज़ार नहीं किया। मैं झटपट बाहर भागा और ग्रोवर को कार से खींचकर बाहर निकाला। वह आश्चर्यजनक रूप से हल्का था, लेकिन अगर मेरी माँ मेरी मदद के लिए न आती तो मैं उसे ज़्यादा दूर तक नहीं ले जा पाता।
हमने ग्रोवर की बाहों को अपने कंधों पर रखा और गीली, कमर तक ऊंची घास से होते हुए लड़खड़ाते हुए पहाड़ी की ओर चढ़ना शुरू कर दिया।
पीछे मुड़कर देखने पर मुझे उस राक्षस की पहली स्पष्ट झलक मिली। वह आराम से सात फीट लंबा था, उसके हाथ-पैर किसी 'मसल मैन' पत्रिका के कवर पर छपे चित्र जैसे थे - उभरी हुई बाइसेप्स और ट्राइसेप्स, और भी कई मांसपेशियां, नसों से भरी त्वचा के नीचे बेसबॉल की तरह ठूंसी हुई। उसने अंडरवियर के अलावा कुछ नहीं पहना था - मतलब, चमकीले सफेद रंग का 'फ्रूट ऑफ द लूम्स' अंडरवियर, जो उसके शरीर के ऊपरी हिस्से को छोड़कर हास्यास्पद होता। उसके नाभि के पास से मोटे भूरे बाल शुरू होते थे और कंधों तक पहुँचते-पहुँचते घने हो जाते थे। उसकी गर्दन मांसपेशियों और बालों का एक गुच्छा थी जो उसके विशाल सिर तक जाती थी, जिसका थूथन मेरी बांह जितना लंबा था, नाक से बहने वाले नथुने जिनमें एक चमकदार पीतल की अंगूठी थी, क्रूर काली आंखें और सींग - विशाल काले और सफेद सींग जिनकी नोकें आप बिजली के तीक्ष्ण यंत्र से भी नहीं पा सकते थे।
मैंने उस राक्षस को पहचान लिया था, ठीक है। वह श्री ब्रूनर द्वारा हमें सुनाई गई शुरुआती कहानियों में से एक में था। लेकिन वह असली नहीं हो सकता था।
मैंने पलकें झपकाकर अपनी आँखों से बारिश की बूंदों को हटाया। 'यह तो...' मेरी माँ ने कहा, 'पासिफे का बेटा। काश मुझे पता होता कि वे तुम्हें कितनी बुरी तरह मारना चाहते हैं।'
लेकिन वह एक छोटा सा...
‘उसका नाम मत लो,’ उसने चेतावनी दी। ‘नाम में ताकत होती है।’
चीड़ का पेड़ अभी भी बहुत दूर था - कम से कम सौ मीटर ऊपर की ओर।
मैंने एक बार फिर पीछे मुड़कर देखा।

वह विशालकाय आदमी हमारी कार के ऊपर झुका हुआ था, खिड़कियों में झाँक रहा था
- या यूँ कहें कि देख नहीं रहा था। बल्कि सूंघ रहा था, सहला रहा था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह ऐसा क्यों कर रहा था, क्योंकि हम उससे सिर्फ़ पंद्रह मीटर दूर थे।
‘खाना?’ ग्रोवर ने कराहते हुए कहा।
मैंने उससे कहा, 'चुप रहो। माँ, वह क्या कर रहा है? क्या वह हमें नहीं देख रहा?'
उन्होंने कहा, 'उसकी देखने और सुनने की क्षमता बहुत खराब है। वह गंध के सहारे चलता है। लेकिन वह जल्द ही पता लगा लेगा कि हम कहां हैं।'
मानो इशारा मिलते ही, बैल जैसे दिखने वाले उस आदमी ने गुस्से में दहाड़ मारी। उसने गेब की कैमारो को फटी हुई छत से उठाया, चेसिस चरमराते और कराहते हुए। उसने कार को अपने सिर के ऊपर उठाया और सड़क पर फेंक दिया। गीली डामर पर टकराते ही वह लगभग आधा मील तक चिंगारियों की बौछार करते हुए फिसलती रही और फिर रुक गई। पेट्रोल टैंक फट गया।
मुझे याद है गेब ने कहा था, "एक खरोंच भी नहीं आई।"
ओह।
‘पर्सी,’ मेरी माँ ने कहा। ‘जब वो हमें देखेगा, तो हमला कर देगा। आखिरी पल तक इंतज़ार करो, फिर एकदम बगल में कूद जाओ। एक बार हमला शुरू होने पर वो दिशा नहीं बदल सकता। समझे?’
‘तुम्हें यह सब कैसे पता है?’
‘मुझे लंबे समय से हमले का डर सता रहा था। मुझे इसकी उम्मीद करनी चाहिए थी। तुम्हें अपने पास रखकर मैंने स्वार्थ दिखाया।’
मुझे अपने पास रखना? लेकिन –’
क्रोध की एक और दहाड़ के साथ, बैल-आदमी पहाड़ी की ओर बढ़ने लगा।
उसने हमारी गंध पहचान ली थी।
चीड़ का पेड़ बस कुछ ही मीटर दूर था, लेकिन पहाड़ी और भी खड़ी और फिसलन भरी होती जा रही थी, और ग्रोवर का वजन बिल्कुल भी कम नहीं हो रहा था।
वह विशालकाय आदमी करीब आता जा रहा था। कुछ ही सेकंड में वह हम पर गिर पड़ता।
मेरी माँ ज़रूर थकी हुई होंगी, लेकिन उन्होंने ग्रोवर को अपने कंधों पर उठाया। 'जाओ, पर्सी! अलग हो जाओ! मैंने जो कहा है, उसे याद रखना।'

मैं अलग नहीं होना चाहता था, लेकिन मुझे लगा कि वह सही कह रही थी – यही हमारा एकमात्र मौका था। मैं बाईं ओर भागा, मुड़ा और देखा कि वह प्राणी मेरी ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। उसकी काली आँखें नफ़रत से चमक रही थीं। उससे सड़े हुए मांस जैसी दुर्गंध आ रही थी।
उसने अपना सिर नीचे किया और हमला कर दिया, उसके वे नुकीले सींग सीधे मेरी छाती की ओर लक्षित थे।
मेरे पेट में डर से चीख-चीख कर मेरा मन भागने को कर रहा था, पर ऐसा करना नामुमकिन था। मैं इस चीज़ से कभी बच नहीं सकता था। इसलिए मैं वहीं डटा रहा, और आखिरी क्षण में, मैं एक तरफ कूद गया।
बैल-आदमी एक मालगाड़ी की तरह तेज़ी से आगे बढ़ा, फिर हताशा में दहाड़ा और मुड़ा, लेकिन इस बार मेरी ओर नहीं, बल्कि मेरी माँ की ओर, जो ग्रोवर को घास में नीचे रख रही थी।
हम पहाड़ी की चोटी पर पहुँच चुके थे। दूसरी तरफ मुझे एक घाटी दिखाई दे रही थी, बिल्कुल वैसे ही जैसे मेरी माँ ने कहा था, और बारिश में एक फार्महाउस की पीली रोशनी चमक रही थी। लेकिन वह आधा मील दूर था। हम वहाँ कभी नहीं पहुँच पाएँगे।
बैल जैसे दिखने वाले उस आदमी ने गुर्राते हुए ज़मीन पर अपने पैर पटके। वह मेरी माँ को घूरता रहा, जो अब धीरे-धीरे ढलान से नीचे सड़क की ओर जा रही थी, और ग्रोवर से उस राक्षस को दूर ले जाने की कोशिश कर रही थी।
‘भागो, पर्सी!’ उसने मुझसे कहा। ‘मैं और आगे नहीं जा सकती। भागो!’
लेकिन मैं डर से जम कर वहीं खड़ा रह गया, जब वह राक्षस उस पर झपटा। उसने मेरी सलाह मानकर किनारे हटने की कोशिश की, लेकिन राक्षस को सबक मिल चुका था। जैसे ही वह भागने की कोशिश कर रही थी, उसका हाथ तेजी से बढ़ा और उसने उसकी गर्दन पकड़ ली। जैसे ही वह छटपटा रही थी, लात मार रही थी और हवा में घूंसे मार रही थी, उसने उसे ऊपर उठा लिया।
'माँ!'
उसने मेरी ओर देखा और जैसे-तैसे आखिरी शब्द बोल पाई: 'जाओ!'
फिर, एक भयानक दहाड़ के साथ, राक्षस ने मेरी माँ की गर्दन पर अपनी मुट्ठियाँ कस लीं, और वह मेरी आँखों के सामने ही प्रकाश में विलीन हो उठी, एक झिलमिलाती सुनहरी आकृति में, मानो कोई होलोग्राफिक प्रक्षेपण हो। एक चकाचौंध कर देने वाली रोशनी, और वह बस... गायब हो गई।

'नहीं!'
मेरे डर की जगह क्रोध ने ले ली। मेरे अंगों में नई ताकत का संचार हुआ - ठीक वैसी ही ऊर्जा का प्रवाह जैसा मुझे तब हुआ था जब श्रीमती डॉड्स के पंजे निकल आए थे।
बैल जैसे दिखने वाले उस राक्षस ने घास में असहाय पड़े ग्रोवर पर झपट्टा मारा। वह मेरे सबसे अच्छे दोस्त को सूंघते हुए झुक गया, मानो वह ग्रोवर को उठाकर उसे भी गला देने वाला हो।
मैं इसकी अनुमति नहीं दे सकता था।
मैंने अपनी लाल रेन जैकेट उतार दी।
‘अरे!’ मैंने जैकेट लहराते हुए चीख मारी और उस राक्षस के एक तरफ दौड़ पड़ी।
‘अरे, बेवकूफ! कीमा बनाया हुआ मांस!’
‘राआआआआ!’ राक्षस मेरी ओर मुड़ा और अपनी मांसल मुट्ठियाँ हिलाने लगा।
मुझे एक विचार आया – एक बेवकूफी भरा विचार, लेकिन बिल्कुल भी विचार न होने से बेहतर। मैंने अपनी पीठ उस बड़े चीड़ के पेड़ की ओर की और अपनी लाल जैकेट को उस सांड के सामने लहराया, यह सोचकर कि मैं आखिरी क्षण में रास्ते से हट जाऊँगा।
लेकिन ऐसा नहीं हुआ।
बैल जैसे दिखने वाले उस आदमी ने बहुत तेजी से मुझ पर हमला किया, और उसने मुझे पकड़ने के लिए अपनी बाहें फैला रखी थीं, चाहे मैं किसी भी तरह से बचने की कोशिश करूं।
समय धीमा हो गया।
मेरे पैर तन गए। मैं अगल-बगल नहीं कूद सकता था, इसलिए मैं सीधे ऊपर की ओर कूदा, उस जीव के सिर से लात मारकर उसे स्प्रिंगबोर्ड की तरह इस्तेमाल किया, हवा में घूमकर उसकी गर्दन पर जा गिरा।
मैंने ऐसा कैसे किया? मुझे यह सोचने का समय ही नहीं मिला। एक मिलीसेकंड बाद, राक्षस का सिर पेड़ से टकराया और उसके प्रभाव से मेरे दांत लगभग टूट ही गए थे।
बैल जैसे दिखने वाले उस आदमी ने लड़खड़ाते हुए मुझे झटकने की कोशिश की।
मैंने खुद को गिरने से बचाने के लिए उसके सींगों को कसकर पकड़ लिया। बिजली कड़क रही थी और बादल गरज रहे थे। बारिश की बूँदें मेरी आँखों में पड़ रही थीं। सड़े हुए मांस की बदबू से मेरी नाक जल रही थी।

वह राक्षस अपने शरीर को बुरी तरह हिला रहा था और किसी रोडियो बैल की तरह उछल-कूद कर रहा था। उसे पेड़ से टकराकर मुझे कुचल देना चाहिए था, लेकिन मुझे एहसास होने लगा था कि इस चीज़ की एक ही गति है: आगे बढ़ना।
इसी बीच, ग्रोवर घास में कराहने लगा। मैं उसे चुप रहने के लिए चिल्लाना चाहता था, लेकिन जिस तरह से मुझे इधर-उधर उछाला जा रहा था, अगर मैंने अपना मुंह खोला तो मेरी जीभ कट जाएगी।
‘खाना!’ ग्रोवर कराह उठा।
बैल जैसे दिखने वाले उस आदमी ने उसकी ओर मुड़कर ज़मीन पर फिर से पैर पटके और हमला करने के लिए तैयार हो गया। मैंने सोचा कि कैसे उसने मेरी माँ का गला घोंटकर उसे पलक झपकते ही गायब कर दिया था, और मेरे अंदर क्रोध का संचार तेज़ ईंधन की तरह होने लगा। मैंने दोनों हाथों से उसका एक सींग पकड़ा और पूरी ताकत से पीछे की ओर खींचा। वह राक्षस तनाव में आ गया, हैरानी से गुर्राया, और फिर – धड़ाम!
बैल जैसे दिखने वाले उस आदमी ने चीख मारी और मुझे हवा में उछाल दिया। मैं घास पर पीठ के बल गिरा। मेरा सिर एक चट्टान से टकराया। जब मैं उठा, तो मेरी नज़र धुंधली थी, लेकिन मेरे हाथों में एक सींग था, एक खुरदुरा, चाकू के आकार का हड्डी का बना हथियार।
राक्षस ने हमला कर दिया।
बिना सोचे समझे, मैं एक तरफ लुढ़क गया और घुटनों के बल बैठ गया। जैसे ही वह राक्षस मेरे पास से तेज़ी से गुजरा, मैंने अपना टूटा हुआ सींग सीधे उसकी बगल में, उसकी रोएँदार पसलियों के ठीक नीचे घुसा दिया।
बैल-आदमी दर्द से कराह उठा। वह छटपटाने लगा, अपनी छाती को नोचने लगा, फिर बिखरने लगा - मेरी माँ की तरह सुनहरी रोशनी की चमक में नहीं, बल्कि बिखरती रेत की तरह, हवा से उड़कर टुकड़ों में बिखरने लगा, ठीक उसी तरह जैसे श्रीमती डॉड्स बिखर गई थीं।
वह राक्षस चला गया था।
बारिश रुक गई थी। तूफान की गड़गड़ाहट अभी भी सुनाई दे रही थी, लेकिन दूर से। मेरे शरीर से पशुओं की गंध आ रही थी और मेरे घुटने कांप रहे थे। मेरा सिर फटने जैसा लग रहा था। मैं कमजोर, डरी हुई और दुख से थरथरा रही थी। मैंने अभी-अभी अपनी माँ को गायब होते देखा था। मैं लेटकर रोना चाहती थी, लेकिन ग्रोवर को मेरी मदद की ज़रूरत थी, इसलिए मैंने उसे किसी तरह उठाया और

लड़खड़ाते हुए घाटी में, फार्महाउस की रोशनी की ओर चल पड़ी। मैं रो रही थी, अपनी माँ को पुकार रही थी, लेकिन मैंने ग्रोवर को कसकर पकड़ रखा था - मैं उसे जाने नहीं देने वाली थी।
मुझे आखिरी बात जो याद है, वो ये है कि मैं एक लकड़ी के बरामदे पर गिर पड़ी थी, ऊपर छत पर एक पंखा घूम रहा था, पीले रंग की रोशनी के चारों ओर पतंगे उड़ रहे थे और मेरे सामने एक जाने-पहचाने दाढ़ी वाले आदमी और एक खूबसूरत लड़की के गंभीर चेहरे थे, जिसके सुनहरे बाल सिंड्रेला की तरह घुंघराले थे। दोनों ने मेरी तरफ देखा और लड़की ने कहा, 'ये वही है। ज़रूर वही होगा।'
‘चुप रहो, एनाबेथ,’ उस आदमी ने कहा। ‘वह अभी भी होश में है। उसे अंदर ले आओ।’

5. मैं घोड़े के साथ पिनोकल खेलता हूँ

मुझे अजीबोगरीब सपने आते थे जिनमें खेत के जानवर होते थे। उनमें से ज्यादातर मुझे मारना चाहते थे। बाकी को खाना चाहिए था।
मैं कई बार जाग चुका था, लेकिन जो कुछ मैंने सुना और देखा, वह समझ से परे था, इसलिए मैं फिर से बेहोश हो गया। मुझे याद है कि मैं एक मुलायम बिस्तर पर लेटा हुआ था, और चम्मच से मुझे कुछ खिलाया जा रहा था जिसका स्वाद बटर पॉपकॉर्न जैसा था, लेकिन वह पुडिंग थी। घुंघराले सुनहरे बालों वाली लड़की मेरे ऊपर झुकी हुई थी, और चम्मच से मेरी ठुड्डी से टपकती हुई पुडिंग को साफ करते हुए मुस्कुरा रही थी।
जब उसने मेरी आंखें खुली देखीं, तो उसने पूछा, 'ग्रीष्म संक्रांति पर क्या होगा?'
मैंने लड़खड़ाती आवाज़ में कहा, 'क्या?'
उसने चारों ओर देखा, मानो उसे डर हो कि कोई सुन न ले। 'क्या हो रहा है? क्या चोरी हुआ? हमारे पास तो बस कुछ ही हफ्ते बचे हैं!'
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, 'मुझे माफ करना, मैं नहीं...'
किसी ने दरवाजे पर दस्तक दी, और लड़की ने झटपट मेरे मुंह में हलवा भर दिया। अगली बार जब मैं जागा, तो वह लड़की जा चुकी थी।
एक हट्टा-कट्टा, सुनहरे बालों वाला लड़का, सर्फर की तरह, बेडरूम के कोने में खड़ा होकर मुझ पर नज़र रख रहा था। उसकी नीली आँखें थीं - कम से कम एक दर्जन - जो उसके गालों, माथे और हाथों के पिछले हिस्से पर थीं।

* * *

जब आखिरकार मुझे होश आया, तो मेरे आस-पास कुछ भी अजीब नहीं था, सिवाय इसके कि यह मेरे लिए पहले से कहीं ज़्यादा सुखद था। मैं एक विशाल बरामदे में रखी कुर्सी पर बैठा था, दूर हरे-भरे पहाड़ों को निहार रहा था। हवा में स्ट्रॉबेरी की खुशबू थी। मेरे पैरों पर एक कंबल था, गर्दन के पीछे एक तकिया। सब कुछ बढ़िया था, लेकिन मेरा मुंह ऐसा लग रहा था जैसे किसी बिच्छू ने उसमें घोंसला बनाया हो। मेरी जीभ सूखी और बेस्वाद थी और मेरे सारे दांत दुख रहे थे।

मेरे बगल वाली मेज पर एक लंबा गिलास पेय रखा था। वह बर्फ से भरे सेब के रस जैसा लग रहा था, जिसमें एक हरी स्ट्रॉ लगी थी और एक कागज का छाता एक मारस्किनो चेरी में फंसा हुआ था।
मेरा हाथ इतना कमजोर था कि जैसे ही मैंने गिलास को अपनी उंगलियों से पकड़ा, वह लगभग मेरे हाथ से गिर ही गया।
‘सावधान रहो,’ एक जानी-पहचानी आवाज ने कहा।
ग्रोवर बरामदे की रेलिंग से टिका हुआ था, ऐसा लग रहा था जैसे वह एक हफ्ते से सोया ही न हो। एक हाथ के नीचे उसने जूतों का डिब्बा दबा रखा था। उसने नीली जींस, कॉन्वर्स हाई-टॉप जूते और चमकीले नारंगी रंग की टी-शर्ट पहनी हुई थी जिस पर 'कैंप हाफ-ब्लड' लिखा था। बिलकुल साधारण ग्रोवर। वो बकरी चराने वाला लड़का नहीं।
तो शायद मुझे बुरा सपना आया था। शायद मेरी माँ ठीक थीं। हम अभी भी छुट्टियों पर थे, और किसी कारणवश हम इस बड़े से घर में रुक गए थे। और... ‘आपने मेरी जान बचाई,’ ग्रोवर ने कहा। ‘मैं… खैर, मैं इतना तो कर ही सकता था… मैं वापस पहाड़ी पर चला गया। मुझे लगा कि शायद आपको इसकी ज़रूरत हो।’ उन्होंने आदरपूर्वक जूते का डिब्बा मेरी गोद में रख दिया।
अंदर एक काले-सफेद रंग का बैल का सींग था, जिसका निचला हिस्सा टूटने से खुरदुरा हो गया था और ऊपरी सिरे पर सूखा खून लगा हुआ था। यह कोई बुरा सपना नहीं था।
‘मिनोटौर,’ उसने कहा।
‘उम, पर्सी, यह अच्छा विचार नहीं है –’
‘यूनानी पौराणिक कथाओं में तो इसे यही कहते हैं, है ना?’ मैंने पूछा। ‘मिनोटौर। आधा मनुष्य, आधा बैल।’
ग्रोवर असहज महसूस करते हुए हिलने लगा। 'तुम दो दिन से बेहोश थे। तुम्हें कितना याद है?'
‘मेरी माँ। क्या वो सचमुच…’
उसने नीचे की ओर देखा।
मैंने मैदान के उस पार नज़र डाली। वहाँ पेड़ों के झुरमुट थे, एक घुमावदार धारा बह रही थी, और नीले आकाश के नीचे दूर-दूर तक स्ट्रॉबेरी के खेत फैले हुए थे। घाटी चारों ओर से घुमावदार पहाड़ियों से घिरी हुई थी, और सबसे ऊँची

पहाड़ी, जो ठीक हमारे सामने थी, वह थी जिसके शिखर पर एक विशाल चीड़ का पेड़ था। धूप में वह भी बेहद खूबसूरत लग रहा था।
मेरी माँ चली गई। पूरी दुनिया काली और ठंडी हो जानी चाहिए। कुछ भी सुंदर नहीं दिखना चाहिए।
‘मुझे माफ कर दो,’ ग्रोवर ने सिसकते हुए कहा। ‘मैं नाकामयाब हूँ। मैं – मैं दुनिया का सबसे बुरा सैटिर हूँ।’
वह दर्द से कराह उठा और इतनी जोर से पैर पटका कि उसका पैर ही उखड़ गया।
मतलब, उसके कॉन्वर्स हाई-टॉप जूते उखड़ गए। अंदर का हिस्सा स्टायरोफोम से भरा हुआ था, बस एक खुर के आकार का छेद बचा था।
‘ओह, स्टिक्स!’ उसने बुदबुदाया।
साफ आसमान में गरज सुनाई दी।
जब वह अपने खुर को नकली पैर में वापस डालने के लिए संघर्ष कर रहा था, तो मैंने सोचा, चलो, अब बात पक्की हो गई।
ग्रोवर एक सैटायर था। मैं शर्त लगाने को तैयार था कि अगर मैं उसके घुंघराले भूरे बाल काट दूं, तो मुझे उसके सिर पर छोटे-छोटे सींग मिलेंगे। लेकिन मैं इतना दुखी था कि मुझे सैटायर या मिनोटॉर के अस्तित्व की परवाह ही नहीं थी। मेरे लिए बस इतना ही मायने रखता था कि मेरी माँ सचमुच शून्य में समा गई थी, पीले प्रकाश में विलीन हो गई थी।
मैं अकेला था। एक अनाथ। मुझे… बदबूदार गेब के साथ रहना पड़ेगा? नहीं। ऐसा कभी नहीं होगा। मैं पहले सड़कों पर रहूँगा। मैं सत्रह साल का होने का नाटक करूँगा और सेना में भर्ती हो जाऊँगा। मैं कुछ तो करूँगा।
ग्रोवर अभी भी सिसक रहा था। बेचारा बच्चा - बेचारा बकरा, सैटिर, जो भी कहो - ऐसा लग रहा था मानो उसे मार पड़ने की उम्मीद हो।
मैंने कहा, 'यह तुम्हारी गलती नहीं थी।'
'हां, ऐसा ही था। मुझे तुम्हारी रक्षा करनी थी।'
क्या मेरी मां ने आपको मेरी रक्षा करने के लिए कहा था?
नहीं। लेकिन यही मेरा काम है। मैं रखवाली करने वाला हूं। कम से कम... मैं था।
‘लेकिन क्यों…’ अचानक मुझे चक्कर आने लगा, मेरी दृष्टि धुंधली हो गई। ग्रोवर ने कहा, 'ज्यादा जोर मत लगाओ। लो।'

उसने मेरा गिलास पकड़ने में मेरी मदद की और स्ट्रॉ को मेरे होठों तक लगाया।
मुझे इसका स्वाद चखते ही घिन आ गई, क्योंकि मुझे सेब के रस की उम्मीद थी। पर यह बिल्कुल भी सेब का रस नहीं था। यह चॉकलेट-चिप कुकीज़ थीं। तरल कुकीज़। और कोई आम कुकीज़ नहीं – मेरी माँ की घर की बनी नीली चॉकलेट-चिप कुकीज़, मक्खन से लथपथ और गरमागरम, जिनके चिप्स अभी भी पिघल रहे थे। इसे पीते ही मेरा पूरा शरीर गर्म और खुशनुमा महसूस करने लगा, ऊर्जा से भर गया। मेरा दुख तो दूर नहीं हुआ, लेकिन मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी माँ ने मेरे गाल पर हाथ फेरा हो, मुझे वैसे ही कुकी खिलाई हो जैसे वह बचपन में खिलाया करती थीं, और कहा हो कि सब ठीक हो जाएगा।
मुझे पता भी नहीं चला और मैंने गिलास खाली कर दिया। मैंने गिलास में देखा, मुझे यकीन था कि मैंने अभी-अभी एक गर्म पेय पिया था, लेकिन बर्फ के टुकड़े पिघले तक नहीं थे।
‘क्या यह अच्छा था?’ ग्रोवर ने पूछा।
मेंने सिर हिलाया।
‘इसका स्वाद कैसा था?’ उसकी आवाज़ में इतनी उदासी थी कि मुझे अपराधबोध हुआ। मैंने कहा, 'माफ़ कीजिए। मुझे आपको चखने देना चाहिए था।'
उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। 'नहीं! मेरा मतलब वो नहीं था। मैं तो बस... सोच रहा था।'
मैंने कहा, ‘चॉकलेट चिप कुकीज़। मेरी माँ की बनाई हुई। घर की बनी हुई।’ उसने आह भरी। 'और तुम कैसा महसूस कर रहे हो?'
‘जैसे मैं नैन्सी बोबोफिट को सौ मीटर दूर फेंक सकता हूँ।’
‘यह अच्छा है,’ उसने कहा। ‘यह अच्छा है। मुझे नहीं लगता कि आपको उस चीज़ को और पीने का जोखिम उठाना चाहिए।’
'आपका क्या मतलब है?'
उन्होंने बड़ी सावधानी से मुझसे खाली गिलास लिया, मानो वह कोई विस्फोटक हो, और उसे वापस मेज पर रख दिया। 'चलो। चिरोन और मिस्टर डी इंतज़ार कर रहे हैं।'
बरामदा पूरे फार्महाउस के चारों ओर फैला हुआ था।
इतनी दूर चलने की कोशिश में मेरे पैर लड़खड़ा रहे थे। ग्रोवर ने मिनोटौर का सींग उठाने की पेशकश की, लेकिन मैंने उसे अपने पास ही रखा। मैंने उस

यादगार चीज़ को बड़ी मुश्किल से हासिल किया था। मैं उसे जाने नहीं देने वाली थी।
जैसे ही हम घर के दूसरे छोर पर पहुंचे, मैंने गहरी सांस ली।
हम लॉन्ग आइलैंड के उत्तरी किनारे पर ही रहे होंगे, क्योंकि घर के इस तरफ घाटी दूर तक लॉन्ग आइलैंड साउंड तक फैली हुई थी, जो लगभग एक मील की दूरी पर चमक रही थी। यहाँ से वहाँ तक, मैं जो कुछ देख रहा था, उसे समझ ही नहीं पा रहा था। चारों ओर प्राचीन यूनानी वास्तुकला जैसी इमारतें बिखरी हुई थीं – एक खुला मंडप, एक एम्फीथिएटर, एक गोलाकार अखाड़ा – बस फर्क इतना था कि वे सब एकदम नई लग रही थीं, उनके सफेद संगमरमर के खंभे धूप में चमक रहे थे। पास ही एक रेत के गड्ढे में, हाई स्कूल की उम्र के एक दर्जन बच्चे और सैटायर वॉलीबॉल खेल रहे थे। छोटी झील पर डोंगी तैर रही थीं। ग्रोवर जैसी चमकीली नारंगी टी-शर्ट पहने बच्चे जंगल में बनी झोपड़ियों के समूह के आसपास एक-दूसरे का पीछा कर रहे थे। कुछ तीरंदाजी रेंज में निशाने लगा रहे थे। कुछ लोग घोड़ों पर सवार होकर जंगल के रास्ते पर जा रहे थे, और अगर मुझे भ्रम नहीं हो रहा था, तो उनके कुछ घोड़ों के पंख भी थे।
बरामदे के आखिरी छोर पर, दो आदमी आमने-सामने एक ताश की मेज पर बैठे थे। सुनहरे बालों वाली वह लड़की, जिसने मुझे चम्मच से पॉपकॉर्न के स्वाद वाली पुडिंग खिलाई थी, उनके बगल में बरामदे की रेलिंग पर झुकी हुई थी।
मेरे सामने खड़ा आदमी कद में छोटा था, लेकिन मोटा था। उसकी नाक लाल थी, आँखें बड़ी-बड़ी और पानी से भरी थीं, और उसके बाल इतने काले और घुंघराले थे कि लगभग बैंगनी लग रहे थे। वह उन नन्हे फरिश्तों की तस्वीरों जैसा दिखता था - उन्हें क्या कहते हैं, हब्बब्स? नहीं, चेरुब्स। यही सही है। वह किसी ऐसे नन्हे फरिश्ते जैसा लग रहा था जो किसी रिहायशी इलाके में अधेड़ उम्र का हो गया हो। उसने बाघ के पैटर्न वाली हवाईयन कमीज़ पहनी हुई थी, और वह गेब की पोकर पार्टियों में बिल्कुल फिट बैठता, सिवाय इसके कि मुझे ऐसा लग रहा था कि यह आदमी मेरे सौतेले पिता को भी जुए में हरा सकता था।
‘वो मिस्टर डी हैं,’ ग्रोवर ने मुझसे धीरे से कहा। ‘वो कैंप के निदेशक हैं। शिष्टता से पेश आना। और ये लड़की, ये एनाबेथ चेज़ है। ये अभी कैंप में आई है, लेकिन लगभग सभी से ज़्यादा समय से यहाँ है। और तुम चिरोन को तो जानते ही हो…’
उसने उस आदमी की ओर इशारा किया जिसकी पीठ मेरी तरफ थी।

सबसे पहले, मुझे एहसास हुआ कि वह व्हीलचेयर पर बैठा है। फिर मैंने ट्वीड जैकेट, उसके झड़ते भूरे बाल और बिखरी हुई दाढ़ी को पहचाना।
‘श्री ब्रूनर!’ मैंने चिल्लाकर कहा।
लैटिन के शिक्षक ने मेरी ओर मुड़कर मुस्कुराया। उनकी आँखों में वही शरारती चमक थी जो कभी-कभी कक्षा में तब आ जाती थी जब वे अचानक से परीक्षा लेते थे और सभी बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर B होते थे।
‘अहा, अच्छा हुआ, पर्सी,’ उसने कहा। ‘अब हमारे पास पिनोकल खेलने के लिए चार खिलाड़ी हैं।’
उन्होंने मुझे मिस्टर डी के दाहिनी ओर एक कुर्सी दी, जिन्होंने लाल आँखों से मेरी ओर देखा और एक गहरी आह भरी। 'ओह, मुझे लगता है कि मुझे यह कहना ही पड़ेगा। कैंप हाफ-ब्लड में आपका स्वागत है। लीजिए। अब मुझसे आपको देखकर खुश होने की उम्मीद मत करना।'
‘अह, धन्यवाद।’ मैं उससे थोड़ा और दूर हट गई क्योंकि गेब के साथ रहते हुए मैंने एक बात सीखी थी, वो ये कि कैसे पता लगाया जाए कि कोई वयस्क शराब पी रहा है। अगर मिस्टर डी शराब से बिल्कुल अनजान थे, तो मैं तो बिल्कुल ही बेखबर थी।
‘एनाबेथ?’ श्री ब्रूनर ने गोरी लड़की को पुकारा।
वह आगे आई और श्री ब्रूनर ने हमारा परिचय कराया। ‘पर्सी, इस युवती ने तुम्हारी देखभाल करके तुम्हें स्वस्थ किया है। एनाबेथ, मेरी प्यारी, तुम जाकर पर्सी के बिस्तर की जाँच क्यों नहीं कर लेती? हम उसे अभी केबिन नंबर ग्यारह में रखेंगे।’
एनाबेथ ने कहा, 'ज़रूर, चिरोन।'
वह शायद मेरी ही उम्र की थी, मुझसे कुछ सेंटीमीटर लंबी और दिखने में कहीं ज़्यादा एथलेटिक थी। गहरे सांवले रंग और घुंघराले सुनहरे बालों के साथ, वह लगभग वैसी ही थी जैसा मैं एक आम कैलिफ़ोर्नियाई लड़की के बारे में सोचता था, सिवाय उसकी आँखों के। उसकी आँखें चटख भूरे रंग की थीं, तूफ़ानी बादलों जैसी; सुंदर तो थीं, लेकिन डरावनी भी, मानो वह लड़ाई में मुझे हराने का सबसे अच्छा तरीका सोच रही हो।
उसने मेरे हाथों में मौजूद मिनोटौर के सींग पर एक नज़र डाली, फिर मेरी तरफ देखा। मुझे लगा कि वह कहने वाली है, "तुमने मिनोटौर को मार डाला!" या "वाह, तुम तो कमाल हो!" या कुछ ऐसा ही।

इसके बजाय उसने कहा, 'तुम सोते समय लार टपकाते हो।'
फिर वह दौड़कर लॉन में चली गई, उसके सुनहरे बाल हवा में लहरा रहे थे।
‘तो,’ मैंने विषय बदलने की हड़बड़ी में कहा। ‘आप, अह, यहाँ काम करते हैं, श्री ब्रूनर?’
'मैं मिस्टर ब्रूनर नहीं हूं,' पूर्व मिस्टर ब्रूनर ने कहा। 'मुझे खेद है कि वह एक छद्म नाम था। आप मुझे चिरोन कह सकते हैं।'
‘ठीक है।’ पूरी तरह से असमंजस में पड़कर मैंने निर्देशक की ओर देखा। ‘और मिस्टर डी… क्या इसका कोई मतलब है?’
मिस्टर डी ने ताश के पत्ते फेंटना बंद कर दिया। उन्होंने मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे मैंने अभी-अभी ज़ोर से डकार ली हो। 'युवक, नाम बहुत शक्तिशाली होते हैं। तुम उन्हें यूं ही बिना किसी कारण के इस्तेमाल नहीं कर सकते।' ‘ओह। ठीक है। क्षमा करें।’
‘पर्सी, मुझे कहना पड़ेगा,’ चिरोन-ब्रूनर ने बीच में ही टोकते हुए कहा, ‘तुम्हें ज़िंदा देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। काफी समय हो गया है जब मैंने किसी संभावित कैंपर के घर जाकर उससे मुलाकात की है। मैं यह सोचना भी नहीं चाहता कि मैंने अपना समय व्यर्थ किया है।’
'घर पर आकर सेवा?'
‘यांसी अकादमी में मेरा एक साल, आपको पढ़ाने के लिए। ज़ाहिर है, ज़्यादातर स्कूलों में सैटायर (एक प्रकार का राक्षस) होते हैं, जो नज़र रखते हैं। लेकिन ग्रोवर ने आपसे मिलते ही मुझे सतर्क कर दिया। उसे लगा कि आप कुछ खास हैं, इसलिए मैंने ऊपर की ओर आने का फैसला किया। मैंने दूसरे लैटिन शिक्षक को… अह, छुट्टी लेने के लिए मना लिया।’
मैंने स्कूल वर्ष की शुरुआत को याद करने की कोशिश की। ऐसा लग रहा था जैसे बहुत समय बीत गया हो, लेकिन मुझे धुंधली सी याद थी कि यान्सी में मेरे पहले सप्ताह में एक और लैटिन शिक्षक थे। फिर, बिना किसी स्पष्टीकरण के, वे गायब हो गए और श्री ब्रूनर ने कक्षा ले ली।
मैंने पूछा, 'आप मुझे सिखाने के लिए ही यान्सी आए हैं?'
चिरोन ने सिर हिलाया। 'सच कहूँ तो, मुझे शुरू में तुम्हारे बारे में यकीन नहीं था। हमने तुम्हारी माँ से संपर्क किया, उन्हें बताया कि हम तुम पर नज़र रख रहे हैं, ताकि अगर तुम कैंप हाफ-ब्लड के लिए तैयार हो जाओ तो हमें

पता चल जाए। लेकिन तुम्हें अभी बहुत कुछ सीखना बाकी था। फिर भी, तुम यहाँ तक ज़िंदा पहुँच गए, और यही पहली परीक्षा होती है।'
श्री डी ने अधीरता से कहा, 'ग्रोवर, तुम खेल रहे हो या नहीं?'
'जी सर!' ग्रोवर कांपते हुए चौथी कुर्सी पर बैठ गया, हालांकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह बाघ के प्रिंट वाली हवाईयन शर्ट पहने एक मोटे-से छोटे आदमी से इतना क्यों डर रहा था।
‘क्या आपको पिनोकल खेलना आता है?’ श्री डी ने मुझे संदेह भरी नजरों से देखा।
मैंने कहा, 'मुझे डर है कि नहीं।'
‘मुझे खेद है कि नहीं, महोदय,’ उन्होंने कहा।
‘सर,’ मैंने दोहराया। मुझे कैंप निदेशक बिल्कुल भी पसंद नहीं आ रहे थे। ‘खैर,’ उसने मुझसे कहा, ‘यह ग्लेडिएटर फाइटिंग और पैकमैन के साथ-साथ, मानव द्वारा आविष्कार किए गए सबसे महान खेलों में से एक है। मुझे उम्मीद है कि सभी सभ्य युवा इसके नियम जानते होंगे।’
‘मुझे पूरा यकीन है कि लड़का सीख सकता है,’ चिरोन ने कहा।
मैंने कहा, 'कृपया बताएं, यह जगह क्या है? मैं यहाँ क्या कर रहा हूँ? श्री ब्रून - चिरोन - आप मुझे पढ़ाने के लिए यान्सी अकादमी क्यों गए?'
मिस्टर डी ने नाक सिकोड़ते हुए कहा, 'मैंने भी यही सवाल पूछा था।'
कैंप के निदेशक ने पत्ते बांटे। ग्रोवर हर बार पत्ते के ढेर में गिरने पर सहम जाता था।
चिरोन ने मेरी ओर सहानुभूति भरी मुस्कान के साथ देखा, ठीक वैसे ही जैसे वो लैटिन की कक्षा में किया करते थे, मानो मुझे यह जताना चाहते हों कि मेरे औसत अंक चाहे जो भी हों, मैं उनका सबसे होनहार छात्र हूँ। उन्हें मुझसे सही उत्तर की उम्मीद थी।
‘पर्सी,’ उसने कहा। ‘क्या तुम्हारी माँ ने तुम्हें कुछ नहीं बताया?’
‘उसने कहा…’ मुझे उसकी उदास आँखें याद आईं, जो समुद्र की ओर देख रही थीं। ‘उसने मुझसे कहा कि मुझे यहाँ भेजने से उसे डर लग रहा था, हालाँकि मेरे पिता चाहते थे कि वह मुझे यहाँ भेजे। उसने कहा कि एक बार मैं यहाँ आ गई, तो शायद मैं कभी वापस नहीं जा पाऊँगी। वह मुझे अपने करीब रखना चाहती थी।’ ‘आम बात है,’ श्री डी ने कहा। ‘आमतौर पर इसी तरह उनकी हत्या की जाती है। नौजवान, क्या तुम बोली लगा रहे हो या नहीं?’

मैंने पूछा, ‘क्या?’
उन्होंने अधीरता से समझाया कि पिनोकल में बोली कैसे लगाई जाती है, और मैंने वैसा ही किया।
‘मुझे डर है कि बताने के लिए बहुत कुछ है,’ चिरोन ने कहा। ‘मुझे डर है कि हमारी सामान्य ओरिएंटेशन फिल्म पर्याप्त नहीं होगी।’
‘क्या यह कोई मार्गदर्शक फिल्म है?’ मैंने पूछा।
‘नहीं,’ चिरोन ने फैसला किया। ‘अच्छा, पर्सी। तुम जानते हो कि तुम्हारा दोस्त ग्रोवर एक सैटायर है। तुम जानते हो –’ उसने जूते के डिब्बे में रखे सींग की ओर इशारा करते हुए कहा – ‘कि तुमने एक मिनोटौर को मार डाला है। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है, बेटा। लेकिन शायद तुम यह नहीं जानते कि तुम्हारे जीवन में महान शक्तियां काम कर रही हैं। देवता – जिन्हें तुम यूनानी देवता कहते हो – वास्तव में जीवित हैं।’
मैंने मेज के चारों ओर बैठे अन्य लोगों को घूर कर देखा।
मैंने किसी के चिल्लाने का इंतज़ार किया, 'नहीं!' लेकिन मुझे सिर्फ मिस्टर डी की चीख सुनाई दी, 'ओह, शाही शादी। चाल! चाल!' वो अपने अंक गिनते हुए खिलखिलाकर हंसे।
‘मिस्टर डी,’ ग्रोवर ने झिझकते हुए पूछा, ‘अगर आप इसे नहीं खाने वाले हैं, तो क्या मैं आपका डाइट कोक का कैन ले सकता हूँ?’
‘अह? ओह, ठीक है।’
ग्रोवर ने खाली एल्युमिनियम के डिब्बे से एक बड़ा टुकड़ा तोड़ लिया और उसे उदास भाव से चबाने लगा।
‘रुको,’ मैंने चिरोन से कहा। ‘तुम मुझे बता रहे हो कि भगवान जैसी कोई चीज होती है।’
‘अच्छा, अब,’ चिरोन ने कहा। ‘ईश्वर – बड़े अक्षरों में लिखा हुआ, ईश्वर। यह बिल्कुल अलग बात है। हम आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा नहीं करेंगे।’ ‘आध्यात्मिक? लेकिन आप तो अभी इसी बारे में बात कर रहे थे –’
‘अरे, देवता, बहुवचन, यानी वे महान प्राणी जो प्रकृति की शक्तियों और मानवीय प्रयासों को नियंत्रित करते हैं: ओलंपस के अमर देवता। यह तो एक छोटी सी बात है।’
‘छोटा!’

'हां, बिल्कुल। जिन देवताओं के बारे में हमने लैटिन की कक्षा में चर्चा की थी।'
मैंने कहा, 'ज़्यूस। हेरा। अपोलो। आपका मतलब उनसे है।'
और फिर वही आवाज सुनाई दी – साफ आसमान वाले दिन दूर से आती हुई गरज।
श्री डी ने कहा, 'युवक, अगर मैं तुम्हारी जगह होता तो उन नामों का इस्तेमाल इतनी लापरवाही से नहीं करता।'
‘लेकिन ये तो कहानियां हैं,’ मैंने कहा। ‘ये मिथक हैं, जो बिजली गिरने, ऋतुओं और ऐसी ही चीजों को समझाने के लिए गढ़े गए हैं। विज्ञान के आने से पहले लोग इन्हीं बातों पर विश्वास करते थे।’
‘विज्ञान!’ श्री डी ने उपहास उड़ाते हुए कहा। ‘और मुझे बताओ, पर्सियस जैक्सन –’
जब उसने मेरा असली नाम लिया, जो मैंने कभी किसी को नहीं बताया था, तो मैं चौंक गई।
‘दो हज़ार साल बाद लोग आपके “विज्ञान” के बारे में क्या सोचेंगे?’ श्री डी ने आगे कहा। ‘हम्म? वे इसे आदिम बकवास कहेंगे। बस यही। ओह, मुझे नश्वर लोग बहुत पसंद हैं – उनमें परिप्रेक्ष्य की बिल्कुल भी समझ नहीं होती। वे सोचते हैं कि वे बहुत आगे बढ़ चुके हैं। और क्या वे सच में आगे बढ़ चुके हैं, चिरोन? इस लड़के को देखो और मुझे बताओ।’
मुझे मिस्टर डी कुछ खास पसंद नहीं थे, लेकिन जिस तरह से उन्होंने मुझे नश्वर कहा, उसमें कुछ तो था, मानो… वे खुद नश्वर हों। यह मेरे गले में एक गांठ पैदा करने के लिए काफी था, और इसी से समझ में आया कि ग्रोवर क्यों चुपचाप अपने कार्ड संभाल रहा था, सोडा का कैन चबा रहा था और अपना मुंह बंद रखे हुए था।
‘पर्सी,’ चिरोन ने कहा, ‘तुम मानो या न मानो, लेकिन सच्चाई यही है कि अमर का अर्थ अमर ही होता है। क्या तुम एक पल के लिए भी कल्पना कर सकते हो कि कभी मृत्यु न हो? कभी मिटना न पड़े? तुम जैसे हो वैसे ही, हमेशा के लिए विद्यमान रहो?’
मैं तुरंत ही बिना सोचे-समझे जवाब देने ही वाला था कि यह काफी अच्छा सौदा लग रहा है, लेकिन चिरोन की आवाज का लहजा सुनकर मैं हिचकिचा गया।
मैंने कहा, 'तुम्हारा मतलब है कि लोग तुम पर विश्वास करते थे या नहीं?'

‘बिल्कुल सही,’ चिरोन ने सहमति जताई। ‘अगर तुम देवता होते, तो तुम्हें कैसा लगता जब तुम्हें एक मिथक, बिजली की व्याख्या करने वाली एक पुरानी कहानी कहा जाता? अगर मैं तुमसे कहूँ, पर्सियस जैक्सन, कि एक दिन लोग तुम्हें एक मिथक कहेंगे, जिसे सिर्फ़ यह समझाने के लिए बनाया गया है कि छोटे लड़के अपनी माँ को खोने के गम से कैसे उबर सकते हैं?’
मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था। वह किसी वजह से मुझे गुस्सा दिलाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मैं उसे ऐसा करने नहीं देने वाली थी। मैंने कहा, 'मुझे यह पसंद नहीं आएगा। लेकिन मैं भगवान में विश्वास नहीं करती।'
‘ओह, बेहतर होगा कि तुम ऐसा करो,’ मिस्टर डी ने धीरे से कहा। ‘इससे पहले कि उनमें से कोई तुम्हें जलाकर राख कर दे।’
ग्रोवर ने कहा, 'कृपा करके, महोदय। उन्होंने अभी-अभी अपनी माँ को खोया है। वे सदमे में हैं।'
‘यह तो सौभाग्य की बात है,’ श्री डी ने ताश खेलते हुए बुदबुदाया। ‘बुरा तो यह है कि मुझे इस दयनीय नौकरी में फंसा रहना पड़ रहा है, ऐसे लड़कों के साथ काम करना पड़ रहा है जो विश्वास ही नहीं करते!’
उसने हाथ हिलाया और मेज पर एक प्याला प्रकट हो गया, मानो सूर्य की रोशनी क्षण भर के लिए मुड़कर हवा को कांच में बदल गई हो। प्याला अपने आप लाल शराब से भर गया।
मेरा मुंह खुला का खुला रह गया, लेकिन चिरोन ने मुश्किल से ही ऊपर देखा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'श्रीमान डी, आपकी पाबंदियां।'
मिस्टर डी ने वाइन की तरफ देखा और आश्चर्य जताने का नाटक किया।
‘हे भगवान!’ उसने आकाश की ओर देखा और चिल्लाया, ‘पुरानी आदतें! क्षमा करें!’ और भी गड़गड़ाहट।
मिस्टर डी ने फिर से हाथ हिलाया, और वाइन ग्लास की जगह डाइट कोक का एक नया कैन आ गया। उन्होंने नाखुशी से आह भरी, सोडा की बोतल का ढक्कन खोला और वापस अपने ताश के खेल में लग गए।
चिरोन ने मेरी तरफ आँख मारी। 'श्री डी ने कुछ समय पहले अपने पिता को नाराज कर दिया था, उन्हें एक वन अप्सरा पसंद आ गई थी जिसे वर्जित घोषित कर दिया गया था।'
'एक वन अप्सरा,' मैंने दोहराया, और डाइट कोक के कैन को ऐसे घूर रहा था जैसे वह किसी दूसरे अंतरिक्ष से आया हो।

‘हाँ,’ श्री डी ने स्वीकार किया। ‘पिताजी मुझे सज़ा देना पसंद करते हैं। पहली बार, शराबबंदी। भयानक! दस साल बिलकुल डरावने थे! दूसरी बार – खैर, वो सच में बहुत सुंदर थी, और मैं उससे दूर नहीं रह सका – दूसरी बार, उन्होंने मुझे यहाँ भेज दिया। हाफ-ब्लड हिल। तुम्हारे जैसे बिगड़ैल बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर। “अच्छा प्रभाव डालो,” उन्होंने मुझसे कहा। “युवाओं को बर्बाद करने के बजाय उनके साथ काम करो।” हा! बिलकुल अन्याय।’
मिस्टर डी की आवाज़ लगभग छह साल के बच्चे जैसी लग रही थी, जैसे कोई रूठा हुआ छोटा बच्चा हो।
‘और…’ मैंने हकलाते हुए कहा, ‘आपके पिता…’
‘हे अमर ईश्वर, चिरोन,’ श्री डी ने कहा। ‘मुझे लगा था कि आपने इस लड़के को बुनियादी बातें सिखा दी हैं। मेरे पिता तो ज़्यूस हैं, ज़ाहिर है।’ मैंने ग्रीक पौराणिक कथाओं से 'D' नाम के कई उदाहरण देखे। शराब। बाघ की खाल। सैटायर (एक प्रकार का राक्षस) जो यहाँ काम करता हुआ प्रतीत होता था। ग्रोवर का सिकुड़ना, मानो मिस्टर डी उसका मालिक हो।
मैंने कहा, 'तुम डायोनिसस हो। शराब के देवता।'
मिस्टर डी ने आंखें घुमाईं। 'आजकल क्या कहते हैं, ग्रोवर? क्या बच्चे कहते हैं, "अरे, ये तो ज़ाहिर सी बात है!"?'
जी जी, श्रीमान डी।
‘फिर, “अरे हाँ!” पर्सी जैक्सन। क्या तुम्हें लगा कि मैं एफ्रोडाइट हूँ?’ ‘तुम भगवान हो।’
'हां, बच्चे।'
‘एक भगवान। तुम।’
वह मेरी ओर सीधा देखने के लिए मुड़ा, और मैंने उसकी आँखों में एक बैंगनी रंग की आग देखी, एक संकेत कि यह रोने वाला, मोटा-सा छोटा आदमी मुझे अपने असली स्वभाव का बस थोड़ा सा हिस्सा ही दिखा रहा था। मुझे अंगूर की बेलों के दृश्य दिखाई दिए जो अविश्वासियों का गला घोंटकर मार रही थीं, युद्ध की लालसा में पागल शराबी योद्धा, नाविक चीख रहे थे क्योंकि उनके हाथ पंखों में बदल रहे थे, उनके चेहरे डॉल्फ़िन की थूथन की तरह लंबे हो रहे थे। मैं जानता था कि अगर मैंने उसे और उकसाया, तो मिस्टर डी मुझे इससे भी बुरी चीजें दिखाएंगे। वह मेरे दिमाग में एक ऐसी बीमारी डाल देंगे जिससे मुझे बाकी जीवन भर एक रबर के कमरे में पागलखाने में बंद रहना पड़ेगा।

‘क्या तुम मेरी परीक्षा लेना चाहोगे, बच्चे?’ उसने धीमी आवाज़ में कहा। नहीं। नहीं, महोदय।
आग थोड़ी धीमी हो गई। वह वापस अपने ताश के खेल में लग गया। 'मुझे लगता है मैं जीत गया।'
‘बिल्कुल नहीं, मिस्टर डी,’ चिरोन ने कहा। उन्होंने एक सीधी लाइन खींची, अंक गिने और कहा, ‘यह गेम मेरी जीत है।’
मुझे लगा था कि मिस्टर डी काइरन को उसकी व्हीलचेयर से ही भाप बना देंगे, लेकिन उन्होंने बस नाक से आह भरी, मानो उन्हें लैटिन शिक्षक से मार खाने की आदत हो। वे उठे, और ग्रोवर भी उठ खड़ा हुआ।
श्री डी ने कहा, 'मैं थक गया हूँ। मुझे लगता है कि आज रात गाने से पहले मैं थोड़ी देर झपकी ले लूँगा। लेकिन पहले, ग्रोवर, हमें इस असाइनमेंट में तुम्हारे कमज़ोर प्रदर्शन के बारे में फिर से बात करनी है।'
ग्रोवर के चेहरे पर पसीना आ गया। 'जी-जी सर।'
मिस्टर डी ने मेरी ओर मुड़कर कहा, 'केबिन ग्यारह, पर्सी जैक्सन। और तमीज़ से पेश आओ।'
वह तेजी से फार्महाउस में घुस गया, ग्रोवर उसके पीछे-पीछे बुरी तरह से आ रहा था।
मैंने चिरोन से पूछा, 'क्या ग्रोवर ठीक हो जाएगा?'
चिरोन ने सिर हिलाया, हालाँकि वह थोड़ा परेशान लग रहा था। 'बूढ़ा डायोनिसस वास्तव में पागल नहीं है। उसे बस अपना काम पसंद नहीं है। उसे... अह, एक तरह से घर में बंद कर दिया गया है, और वह ओलंपस वापस जाने की अनुमति मिलने से पहले एक और सदी तक इंतजार नहीं कर सकता।'
मैंने कहा, 'माउंट ओलंपस। क्या आप सच में कह रहे हैं कि वहां एक महल है?' “अच्छा, तो ग्रीस में माउंट ओलंपस है। और फिर देवताओं का निवास स्थान है, उनकी शक्तियों का संगम स्थल, जो वास्तव में माउंट ओलंपस पर ही स्थित था। पुराने रीति-रिवाजों के सम्मान में इसे आज भी माउंट ओलंपस ही कहा जाता है, लेकिन महल तो चलता ही रहता है, पर्सी, ठीक वैसे ही जैसे देवता चलते हैं।” ‘तुम्हारा मतलब है कि यूनानी देवता यहाँ हैं? मतलब… अमेरिका में?’
'जी हां, बिलकुल। देवता पश्चिम के हृदय के साथ चलते हैं।'
'क्या?'

“अरे, पर्सी। जिसे तुम “पश्चिमी सभ्यता” कहते हो, क्या तुम्हें लगता है कि यह महज़ एक अमूर्त अवधारणा है? नहीं, यह एक जीवंत शक्ति है। एक सामूहिक चेतना जो हज़ारों वर्षों से प्रज्वलित है। देवता इसका हिस्सा हैं। तुम तो यह भी कह सकते हो कि वे इसके स्रोत हैं, या कम से कम, वे इससे इतने मज़बूती से जुड़े हुए हैं कि उनका लुप्त होना असंभव है, जब तक कि पूरी पश्चिमी सभ्यता का नाश न हो जाए। आग ग्रीस में लगी। फिर, जैसा कि तुम भली-भांति जानते हो – या जैसा कि मुझे आशा है कि तुम जानते हो, क्योंकि तुमने मेरा पाठ्यक्रम पूरा किया है – आग का केंद्र रोम चला गया, और देवता भी वहीं पहुँच गए। हाँ, शायद नाम बदल गए हों – ज़्यूस के लिए बृहस्पति, एफ़्रोडाइट के लिए शुक्र, इत्यादि – लेकिन शक्तियाँ वही हैं, देवता वही हैं।”
और फिर उनकी मृत्यु हो गई।
‘क्या पश्चिम मर गया? नहीं। क्या पश्चिम मर गया? देवता बस कुछ समय के लिए जर्मनी, फ्रांस, स्पेन चले गए। जहाँ भी लौ सबसे तेज़ थी, देवता वहीं थे। उन्होंने इंग्लैंड में कई सदियाँ बिताईं। आपको बस वास्तुकला को देखना है। लोग देवताओं को नहीं भूलते। पिछले तीन हज़ार वर्षों में, जहाँ भी उन्होंने शासन किया है, आप उन्हें चित्रों में, मूर्तियों में, सबसे महत्वपूर्ण इमारतों पर देख सकते हैं। और हाँ, पर्सी, बेशक वे अब आपके संयुक्त राज्य अमेरिका में हैं। अपने प्रतीक, ज़्यूस के ईगल को देखिए। रॉकफेलर सेंटर में प्रोमेथियस की मूर्ति को देखिए, वाशिंगटन में आपकी सरकारी इमारतों के ग्रीक स्वरूप को देखिए। मैं आपको चुनौती देता हूँ कि आप कोई भी अमेरिकी शहर ढूंढकर दिखाएँ जहाँ ओलंपियन देवताओं को कई स्थानों पर प्रमुखता से प्रदर्शित न किया गया हो। चाहे आप इसे पसंद करें या न करें - और मेरा विश्वास कीजिए, बहुत से लोग रोम को भी बहुत पसंद नहीं करते थे - अमेरिका अब लौ का केंद्र है। यह पश्चिम की महान शक्ति है। और इसलिए ओलंपस यहाँ है। और हम यहाँ हैं।’
यह सब कुछ हद से ज़्यादा था, खासकर यह तथ्य कि मुझे काइरन के 'हम' में शामिल किया गया था, मानो मैं किसी क्लब का हिस्सा हूँ।
‘तुम कौन हो, चिरोन? मैं…मैं कौन हूँ?’
चिरोन मुस्कुराया। उसने अपना वजन इस तरह हिलाया मानो वह अपनी व्हीलचेयर से उठने वाला हो, लेकिन मुझे पता था कि यह असंभव था। वह कमर के नीचे से लकवाग्रस्त था।

‘तुम कौन हो?’ उसने सोचा। ‘खैर, यही वो सवाल है जिसका जवाब हम सब जानना चाहते हैं, है ना? लेकिन अभी के लिए, हमें केबिन ग्यारह में तुम्हारे लिए एक बिस्तर का इंतजाम कर देना चाहिए। वहाँ तुम्हें नए दोस्त मिलेंगे। और कल पढ़ाई के लिए खूब समय होगा। इसके अलावा, आज रात अलाव पर भुने हुए मार्शमैलो होंगे, और मुझे वे बहुत पसंद हैं।’
और फिर वह अपनी व्हीलचेयर से उठ खड़ा हुआ। लेकिन उसके उठने का तरीका कुछ अजीब था। उसका कंबल उसके पैरों से हट गया, लेकिन पैर हिले नहीं। उसकी कमर लंबी होती जा रही थी, बेल्ट से ऊपर उठती जा रही थी। पहले तो मुझे लगा कि उसने बहुत लंबा, सफेद मखमली अंडरवियर पहना हुआ है, लेकिन जैसे-जैसे वह कुर्सी से ऊपर उठता गया, किसी भी आदमी से लंबा, मुझे एहसास हुआ कि वह मखमली अंडरवियर नहीं था; वह किसी जानवर का अगला हिस्सा था, खुरदुरे सफेद फर के नीचे मांसपेशियाँ और नसें। और व्हीलचेयर कुर्सी नहीं थी। वह किसी तरह का डिब्बा था, पहियों पर एक विशाल बक्सा, और यह जादू ही रहा होगा, क्योंकि उसमें उसका पूरा शरीर समा नहीं सकता था। एक पैर बाहर निकला, लंबा और गांठदार घुटने वाला, एक बड़े चिकने खुर के साथ। फिर दूसरा अगला पैर, फिर पिछला हिस्सा, और फिर बक्सा खाली था, बस एक धातु का खोल जिसमें नकली इंसानी पैरों का एक जोड़ा लगा हुआ था।
मैंने व्हीलचेयर से उछलकर निकले घोड़े को घूर कर देखा: एक विशाल सफेद घोड़ा। लेकिन जहाँ उसकी गर्दन होनी चाहिए थी, वहाँ मेरे लैटिन शिक्षक का ऊपरी शरीर घोड़े के धड़ से सहजता से जुड़ा हुआ था।
“कितनी राहत मिली!” सेंटॉर ने कहा। “मैं इतने लंबे समय से अंदर बंद था कि मेरे टखने सुन्न हो गए थे। अब आओ, पर्सी जैक्सन। चलो बाकी शिविरार्थियों से मिलते हैं।”

6. मैं स्नानघर का सर्वोच्च स्वामी बन जाता हूँ

एक बार जब मुझे यह बात समझ में आ गई कि मेरा लैटिन शिक्षक एक घोड़ा है, तो हमारा दौरा अच्छा रहा, हालाँकि मैंने उसके पीछे चलने से परहेज किया। मैंने मेसी की थैंक्सगिविंग डे परेड में कई बार घोड़ों की गंदगी साफ करने का काम किया था, और मुझे खेद है, मुझे चिरोन के पिछले हिस्से पर उतना भरोसा नहीं था जितना उसके अगले हिस्से पर था।
हम वॉलीबॉल के मैदान के पास से गुज़रे। शिविर में मौजूद कई लोगों ने एक-दूसरे को कोहनी मारी। एक ने मेरे हाथ में पकड़े मिनोटौर के सींग की ओर इशारा किया। दूसरे ने कहा, 'यही तो है।'
शिविर में आए ज़्यादातर बच्चे मुझसे बड़े थे। उनके कामुक दोस्त ग्रोवर से भी बड़े थे, सभी नारंगी रंग की 'कैंप हाफ-ब्लड' टी-शर्ट पहने इधर-उधर घूम रहे थे, और उनके नंगे, घने पिछले हिस्से को ढकने के लिए कुछ भी नहीं था। मैं वैसे तो शर्मीला नहीं था, लेकिन जिस तरह से वे मुझे घूर रहे थे, उससे मुझे असहज महसूस हो रहा था। मुझे लग रहा था जैसे वे मुझसे कोई कलाबाज़ी करने की उम्मीद कर रहे हों।
मैंने फार्महाउस की ओर पीछे मुड़कर देखा। यह मेरी कल्पना से कहीं अधिक विशाल था – चार मंजिला, आसमानी नीला रंग और सफेद किनारी, किसी आलीशान समुद्री रिसॉर्ट जैसा। मैं ऊपर लगे पीतल के चील के आकार के प्रकाशस्तंभ को देख रहा था कि तभी मेरी नज़र किसी चीज़ पर पड़ी, अटारी की सबसे ऊपरी खिड़की में एक परछाई। किसी चीज़ ने पर्दे को हिलाया था, बस एक पल के लिए, और मुझे स्पष्ट रूप से लगा कि कोई मुझे देख रहा है।
मैंने चिरोन से पूछा, 'ऊपर क्या है?'
उसने मेरी ओर इशारा करते हुए देखा और उसकी मुस्कान गायब हो गई। 'बस अटारी।' ‘क्या वहां कोई रहता है?’
‘नहीं,’ उसने दृढ़ता से कहा। ‘एक भी जीवित प्राणी नहीं।’
मुझे ऐसा लगा कि वह सच बोल रहा था। लेकिन मुझे यह भी यकीन था कि किसी चीज ने उस पर्दे को हिलाया था।

‘चलो, पर्सी,’ चिरोन ने कहा, उनका हंसमुख लहजा अब थोड़ा बनावटी लग रहा था। ‘देखने के लिए बहुत कुछ है।’
हम स्ट्रॉबेरी के खेतों से होकर गुजरे, जहां शिविर में रहने वाले लोग ढेर सारी स्ट्रॉबेरी तोड़ रहे थे, जबकि एक कामुक व्यक्ति बांसुरी पर धुन बजा रहा था।
चिरोन ने मुझे बताया कि शिविर में न्यूयॉर्क के रेस्तरां और माउंट ओलंपस को निर्यात के लिए अच्छी फसल उगाई जाती है। उन्होंने समझाया, 'इससे हमारे खर्चे पूरे हो जाते हैं। और स्ट्रॉबेरी उगाने में लगभग कोई मेहनत नहीं लगती।'
उन्होंने बताया कि श्री डी का फलदार पौधों पर यह प्रभाव होता था: उनके आसपास होने पर पौधे बेतहाशा बढ़ने लगते थे। यह तरीका अंगूर की खेती में सबसे कारगर साबित होता था, लेकिन श्री डी को अंगूर उगाने की अनुमति नहीं थी, इसलिए वे अंगूर की जगह स्ट्रॉबेरी उगाते थे।
मैंने उस कामुक प्राणी को बांसुरी बजाते देखा। उसके संगीत से कीड़े- मकोड़े स्ट्रॉबेरी के खेत से हर दिशा में ऐसे भागने लगे जैसे आग से भाग रहे शरणार्थी हों। मैंने सोचा कि क्या ग्रोवर भी संगीत से ऐसा जादू कर सकता है? मैंने सोचा कि क्या वह अभी भी फार्महाउस के अंदर है और मिस्टर डी उसे उपदेश दे रहे हैं।
‘ग्रोवर को ज्यादा परेशानी तो नहीं होगी, है ना?’ मैंने चिरोन से पूछा। ‘मेरा मतलब है… वो एक अच्छा रक्षक था। सचमुच।’
चिरोन ने आह भरी। उन्होंने अपनी ट्वीड जैकेट उतारकर घोड़े की पीठ पर काठी की तरह डाल दी। 'ग्रोवर के सपने बहुत बड़े हैं, पर्सी। शायद ज़रूरत से ज़्यादा बड़े। अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए, उसे पहले एक रक्षक के रूप में सफल होकर, एक नया शिविरार्थी ढूंढकर और उसे सुरक्षित रूप से हाफ-ब्लड हिल तक लाकर महान साहस का प्रदर्शन करना होगा।'
लेकिन उसने ऐसा किया!
‘मैं आपसे सहमत हो सकता हूँ,’ चिरोन ने कहा। ‘लेकिन फैसला करना मेरा काम नहीं है। डायोनिसस और क्लोवन एल्डर्स की परिषद को निर्णय लेना होगा। मुझे डर है कि वे इस कार्य को सफल नहीं मानेंगे। आखिर, ग्रोवर ने आपको न्यूयॉर्क में खो दिया था। फिर आपकी माँ का दुर्भाग्यपूर्ण… अह… अंत है। और यह भी कि जब आपने ग्रोवर को संपत्ति की सीमा रेखा के पार घसीटा था, तब वह बेहोश

था। परिषद इस बात पर सवाल उठा सकती है कि क्या इससे ग्रोवर का कोई साहस प्रदर्शित होता है।’
मैं विरोध करना चाहती थी। जो कुछ भी हुआ था, उसमें ग्रोवर की कोई गलती नहीं थी। मुझे बहुत ज़्यादा अपराधबोध भी हो रहा था। अगर मैंने बस स्टेशन पर ग्रोवर को चकमा न दिया होता, तो शायद वह मुसीबत में न पड़ता।
उसे दूसरा मौका मिलेगा, है ना?
चिरोन थोड़ा सहम गया। 'मुझे डर है कि ग्रोवर को यही दूसरा मौका मिला, पर्सी। पांच साल पहले पहली बार जो हुआ था, उसके बाद परिषद भी उसे दूसरा मौका देने के लिए उत्सुक नहीं थी। ओलंपस जानता है, मैंने उसे दोबारा कोशिश करने से पहले थोड़ा और इंतजार करने की सलाह दी थी। वह अभी भी अपनी उम्र के हिसाब से बहुत छोटा है...'
'उसकी क्या उम्र है?'
‘ओह, अट्ठाईस।’
‘क्या! और वो छठी कक्षा में पढ़ता है?’
‘पर्सी, सैटायर इंसानों की तुलना में आधी गति से परिपक्व होते हैं। ग्रोवर पिछले छह वर्षों से एक माध्यमिक विद्यालय के छात्र के समकक्ष रहा है।’ 'वह भयानक है।'
‘बिल्कुल,’ चिरोन ने सहमति जताई। ‘खैर, ग्रोवर तो सैटायर मानकों के हिसाब से भी देर से परिपक्व हुआ है, और अभी तक वन जादू में उतना निपुण नहीं है। अफसोस, वह अपने सपने को पूरा करने के लिए उत्सुक था। शायद अब वह कोई और पेशा अपना ले…’
मैंने कहा, 'यह ठीक नहीं है। पहली बार क्या हुआ था? क्या वाकई इतना बुरा हुआ था?'
चिरोन ने झट से नज़रें फेर लीं। 'चलिए आगे बढ़ते हैं, ठीक है?'
लेकिन मैं इस विषय को छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं था। जब चिरोन ने मेरी माँ के भाग्य के बारे में बात की, तो मेरे मन में कुछ विचार आया, मानो वह जानबूझकर मृत्यु शब्द से बच रहे हों। मेरे मन में एक विचार की शुरुआत हुई – एक छोटी सी, आशा की लौ – पनपने लगी।
मैंने कहा, 'चिरोन। अगर देवता, ओलंपस और ये सब सच में मौजूद हैं...'
‘जी हां, बच्चे?’
‘क्या इसका मतलब यह है कि पाताल लोक भी वास्तविक है?’

चिरोन के चेहरे पर उदासी छा गई।
'जी हां, बच्चे।' वह रुका, मानो सोच-समझकर शब्द चुन रहा हो। 'एक जगह है जहां मरने के बाद आत्माएं जाती हैं। लेकिन अभी के लिए... जब तक हमें और जानकारी नहीं मिल जाती... मैं तुमसे आग्रह करूंगा कि इस बात को अपने दिमाग से निकाल दो।'
“जब तक हमें और जानकारी नहीं मिल जाती” से आपका क्या मतलब है?
‘चलो, पर्सी। जंगल देखते हैं।’
जैसे-जैसे हम करीब आते गए, मुझे जंगल की विशालता का एहसास हुआ। यह घाटी के कम से कम एक चौथाई हिस्से में फैला हुआ था, जिसमें इतने ऊंचे और घने पेड़ थे कि देखकर ऐसा लगता था मानो मूल अमेरिकी लोगों के बाद से वहां कोई नहीं गया हो।
चिरोन ने कहा, 'जंगल में जानवरों की भरमार है, अगर आप अपनी किस्मत आजमाना चाहें तो आजमा सकते हैं, लेकिन हथियार लेकर जाएं।'
मैंने पूछा, ‘किस चीज़ से भरा हुआ?’ ‘किस चीज़ से लैस?’
‘देखते हैं। फ्लैग कैप्चर गेम शुक्रवार रात को है। क्या आपके पास अपनी तलवार और ढाल है?’
'अपने मन -'
‘नहीं,’ चिरोन ने कहा। ‘मुझे नहीं लगता कि आपको इसकी ज़रूरत होगी। मुझे लगता है कि पाँच नंबर का जूता ठीक रहेगा। मैं बाद में शस्त्रागार जाऊँगा।’ मैं पूछना चाहता था कि किस तरह के समर कैंप में शस्त्रागार होता है, लेकिन सोचने के लिए और भी बहुत कुछ था, इसलिए दौरा जारी रहा। हमने तीरंदाजी का मैदान, नौका विहार झील, अस्तबल (जो काइरन को ज़्यादा पसंद नहीं आया), भाला फेंक का मैदान, गायन-प्रवेश कक्ष और वह अखाड़ा देखा जहाँ काइरन ने बताया कि तलवार और भाले की लड़ाई होती है।
‘तलवार और भाले से लड़ाई?’ मैंने पूछा।
उन्होंने समझाया, 'केबिन में कुछ चुनौतियाँ होती हैं, लेकिन आमतौर पर जानलेवा नहीं होतीं। हाँ, और वहाँ मेस हॉल भी है।'
चिरोन ने समुद्र के किनारे स्थित एक पहाड़ी पर सफेद यूनानी स्तंभों से घिरे एक खुले मंडप की ओर इशारा किया। वहाँ पत्थर की बनी एक दर्जन पिकनिक टेबलें थीं। न छत थी, न दीवारें।
मैंने पूछा, 'बारिश होने पर आप क्या करते हैं?'

चिरोन ने मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे मैं थोड़ा अजीब हो गया हूँ। 'हमें खाना तो खाना ही है, है ना?' मैंने इस विषय को वहीं खत्म करने का फैसला किया।
अंत में, उसने मुझे वे झोपड़ियाँ दिखाईं। झील के किनारे जंगल में बारह झोपड़ियाँ थीं। वे एक 'U' आकार में बनी हुई थीं, जिनमें से दो नीचे और पाँच-पाँच दोनों ओर कतार में थीं। और निःसंदेह, वे इमारतों का सबसे विचित्र संग्रह थीं जो मैंने कभी देखी थीं।
दरवाजे के ऊपर पीतल के बड़े-बड़े नंबर लगे होने के अलावा (बाईं ओर विषम संख्याएँ, दाईं ओर सम संख्याएँ), वे दिखने में बिल्कुल अलग थे। नौवें नंबर के मकान में एक छोटी फैक्ट्री की तरह चिमनियाँ थीं। चौथे नंबर के मकान की दीवारों पर टमाटर की बेलें थीं और छत असली घास की बनी थी। सातवाँ मकान मानो ठोस सोने का बना था, जो धूप में इतना चमकता था कि उसे देखना लगभग नामुमकिन था। सभी मकान एक फुटबॉल मैदान जितने बड़े कॉमन एरिया की ओर खुलते थे, जिसमें यूनानी मूर्तियाँ, फव्वारे, फूलों की क्यारियाँ और बास्केटबॉल के कुछ घेरे लगे थे (जो मुझे ज़्यादा पसंद थे)।
मैदान के बीचोंबीच पत्थरों से बना एक विशाल अलाव था। दोपहर का मौसम गर्म होने के बावजूद, अलाव सुलग रहा था। लगभग नौ साल की एक लड़की आग की लपटों को संभाले हुए थी और एक छड़ी से कोयलों को कुरेद रही थी।
मैदान के अग्रभाग पर स्थित दो झोपड़ियाँ, संख्या एक और दो, किसी पति-पत्नी के मकबरे जैसी दिखती थीं, विशाल सफेद संगमरमर के बक्से जिनके सामने भारी स्तंभ थे। बारह झोपड़ियों में से पहली सबसे बड़ी और भारी थी। इसके पॉलिश किए हुए कांसे के दरवाजे किसी होलोग्राम की तरह चमकते थे, जिससे अलग-अलग कोणों से देखने पर ऐसा लगता था मानो उन पर बिजली की लकीरें पड़ रही हों। दूसरी झोपड़ी किसी तरह अधिक सुंदर थी, जिसमें अनार और फूलों से सजे पतले स्तंभ थे। दीवारों पर मोर की आकृतियाँ उकेरी गई थीं।
मैंने अनुमान लगाया, 'ज़्यूस और हेरा?'
‘सही है,’ चिरोन ने कहा।
उनकी कैबिन खाली लग रही हैं।
'कई केबिन ऐसे ही हैं। यह सच है। एक या दो केबिन में कोई नहीं रुकता।' ठीक है। तो हर केबिन का एक अलग देवता था, मानो कोई शुभंकर हो। बारह ओलंपियनों के लिए बारह केबिन। लेकिन कुछ केबिन खाली क्यों होंगे? मैं बाईं ओर स्थित पहले केबिन, यानी केबिन नंबर तीन के सामने रुक गया।

यह केबिन नंबर एक की तरह ऊंचा और भव्य नहीं था, बल्कि लंबा, नीचा और ठोस था। बाहरी दीवारें खुरदुरे भूरे पत्थरों की बनी थीं, जिन पर सीपियों और मूंगे के टुकड़े जड़े हुए थे, मानो ये शिलाएं सीधे समुद्र तल से तराशी गई हों। मैंने खुले दरवाजे से अंदर झांका और चिरोन ने कहा, 'अरे, मैं ऐसा नहीं करूंगा!'
इससे पहले कि वह मुझे वापस खींच पाता, मुझे अंदर की नमकीन गंध महसूस हुई, जैसे मोंटॉक के तट पर चलने वाली हवा। अंदर की दीवारें एबालोन की तरह चमक रही थीं। रेशमी चादरों से ढके छह खाली बंक बेड थे। लेकिन इस बात का कोई संकेत नहीं था कि कभी कोई वहां सोया हो। वह जगह इतनी उदास और अकेली लग रही थी कि जब चिरोन ने मेरे कंधे पर हाथ रखकर कहा, 'चलो, पर्सी,' तो मुझे बहुत खुशी हुई।
बाकी ज्यादातर केबिन कैंपरों से भरे हुए थे।
पांचवां कमरा चमकीले लाल रंग का था – रंग इतना घटिया था मानो बाल्टियों और मुट्ठियों से रंग उछाला गया हो। छत पर कांटेदार तार लगे थे। दरवाजे के ऊपर एक जंगली सूअर का भरा हुआ सिर लटका हुआ था, और ऐसा लग रहा था मानो उसकी आँखें मेरा पीछा कर रही हों। अंदर मैंने कुछ गुस्सैल दिखने वाले बच्चों को देखा, जिनमें लड़के और लड़कियाँ दोनों थे, जो तेज़ रॉक संगीत के बीच आपस में हाथापाई और बहस कर रहे थे। सबसे ज़्यादा शोर मचा रही थी तेरह या चौदह साल की एक लड़की। उसने छलावरण जैकेट के नीचे XXXL साइज़ की कैंप हाफ-ब्लड टी-शर्ट पहनी हुई थी। उसने मेरी तरफ घूरकर देखा और मुझे बुरी नज़र से देखा। वह मुझे नैन्सी बोबोफिट की याद दिला रही थी, हालाँकि वह लड़की उससे कहीं ज़्यादा बड़ी और मज़बूत दिख रही थी, और उसके बाल लंबे और पतले थे, और लाल की जगह भूरे थे।
मैं काइरन के खुरों से बचने की कोशिश करते हुए चलता रहा। मैंने कहा, 'हमने कोई और सेंटॉर नहीं देखा है।'
‘नहीं,’ चिरोन ने उदास स्वर में कहा। ‘मुझे डर है कि मेरे रिश्तेदार जंगली और बर्बर लोग हैं। हो सकता है कि आप उन्हें जंगल में या बड़े खेल आयोजनों में देखें। लेकिन आपको यहाँ उनमें से कोई नहीं दिखेगा।’
‘आपने कहा था कि आपका नाम चिरोन है। क्या आप सचमुच…’
उन्होंने मेरी ओर देखकर मुस्कुराते हुए कहा, 'कहानियों वाला चिरोन? हरक्यूलिस का प्रशिक्षक? हाँ, पर्सी, मैं ही हूँ।'

लेकिन, क्या तुम्हें मर नहीं जाना चाहिए था?
चिरोन कुछ देर रुका, मानो सवाल ने उसे उत्सुक कर दिया हो। 'सच कहूँ तो मुझे नहीं पता कि क्या होना चाहिए। असल बात तो यह है कि मैं मर नहीं सकता। देखिए, युगों पहले देवताओं ने मेरी इच्छा पूरी की थी। मैं अपना प्रिय कार्य जारी रख सका। जब तक मानवता को मेरी आवश्यकता रही, मैं नायकों का गुरु बना रहा। उस इच्छा से मुझे बहुत कुछ मिला... और बहुत कुछ त्याग भी दिया। लेकिन मैं अभी भी जीवित हूँ, इसलिए मैं यही मान सकता हूँ कि मेरी अभी भी आवश्यकता है।'
मैंने तीन हजार साल तक शिक्षक बनने के बारे में सोचा। यह मेरी दस सबसे बड़ी इच्छाओं की सूची में भी शामिल नहीं होता।
क्या यह कभी उबाऊ नहीं होता?
‘नहीं, नहीं,’ उसने कहा। ‘कभी-कभी बेहद निराशाजनक होता है, लेकिन कभी उबाऊ नहीं।’
‘निराशाजनक क्यों?’
काइरन की सुनने की क्षमता फिर से कमज़ोर हो गई प्रतीत हुई।
‘अरे, देखो,’ उसने कहा। ‘एनाबेथ हमारा इंतजार कर रही है।’

* * *

बिग हाउस में मेरी मुलाकात जिस गोरी लड़की से हुई थी, वह बाईं ओर की आखिरी केबिन, नंबर ग्यारह के सामने एक किताब पढ़ रही थी।
जब हम उसके पास पहुंचे, तो उसने मुझे आलोचनात्मक नजरों से देखा, मानो वह अभी भी इस बारे में सोच रही हो कि मेरे मुंह से कितनी लार टपक रही थी। मैंने यह देखने की कोशिश की कि वह क्या पढ़ रही थी, लेकिन मुझे शीर्षक समझ नहीं आया। मुझे लगा कि मेरी डिस्लेक्सिया की समस्या बढ़ गई है। फिर मुझे एहसास हुआ कि शीर्षक अंग्रेज़ी में भी नहीं था। अक्षर मुझे ग्रीक भाषा जैसे लग रहे थे। मतलब, बिल्कुल ग्रीक। उसमें मंदिरों, मूर्तियों और अलग-अलग तरह के स्तंभों की तस्वीरें थीं, जैसे किसी वास्तुकला की किताब में होती हैं।
‘एनाबेथ,’ चिरोन ने कहा, ‘दोपहर में मेरी तीरंदाजी की मास्टर्स क्लास है। क्या तुम पर्सी को यहाँ से ले जाओगी?’
'जी श्रीमान।'

‘केबिन ग्यारह,’ चिरोन ने दरवाजे की ओर इशारा करते हुए मुझसे कहा। ‘आराम से रहिए।’
सभी केबिनों में से ग्यारहवां केबिन किसी आम ग्रीष्मकालीन शिविर के केबिन जैसा दिखता था, और उसमें 'पुराना' शब्द सबसे ज़्यादा प्रचलित था। दहलीज घिसी हुई थी, और भूरा रंग उखड़ रहा था। दरवाज़े के ऊपर डॉक्टरों का एक चिन्ह बना हुआ था, एक पंखों वाला खंभा जिस पर दो सांप लिपटे हुए थे। उसे क्या कहते थे...? कैड्यूसियस।
अंदर, लड़के-लड़कियों से खचाखच भरा हुआ था, बिस्तरों की संख्या से कहीं ज़्यादा लोग थे। फर्श पर जगह-जगह स्लीपिंग बैग बिछे हुए थे। यह किसी जिम जैसा लग रहा था जहाँ रेड क्रॉस ने निकासी केंद्र स्थापित किया हो। चिरोन अंदर नहीं गया। दरवाजा उसके लिए बहुत नीचा था। लेकिन जब शिविरार्थियों ने उसे देखा तो वे सब खड़े हो गए और सम्मानपूर्वक सिर झुकाया।
‘अच्छा, तो फिर,’ चिरोन ने कहा। ‘शुभकामनाएं, पर्सी। रात के खाने पर मिलते हैं।’
वह घोड़े पर सवार होकर तीरंदाजी क्षेत्र की ओर चल पड़ा।
मैं दरवाजे पर खड़ा होकर बच्चों को देख रहा था। वे अब झुक नहीं रहे थे। वे मुझे घूर रहे थे, मुझे परख रहे थे। मैं इस दिनचर्या से परिचित था। मैंने कई स्कूलों में यह सब देखा था।
‘तो?’ एनाबेथ ने पूछा। ‘आगे बताओ।’
तो स्वाभाविक रूप से दरवाजे से अंदर आते समय मेरा पैर फिसल गया और मैं पूरी तरह से मूर्ख बन गया। कैंप में मौजूद कुछ लोगों ने हल्की हंसी हंसी, लेकिन किसी ने कुछ नहीं कहा।
एनाबेथ ने घोषणा की, 'पर्सी जैक्सन, केबिन ग्यारह से मिलो।'
किसी ने पूछा, 'नियमित या अनिश्चित?'
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूँ, लेकिन एनाबेथ ने कहा, 'अनिश्चित।' सबने आह भरी।
बाकी सबसे थोड़ा बड़ा एक लड़का आगे आया। ‘अरे, अरे, कैंप में आए बच्चों। हम इसीलिए तो यहाँ हैं। स्वागत है, पर्सी। तुम ज़मीन पर उस जगह पर बैठ सकते हो, बिल्कुल वहीं।’

वह लड़का लगभग उन्नीस साल का था और देखने में काफी आकर्षक लग रहा था। वह लंबा और गठीला था, उसके बाल छोटे-छोटे सुनहरे रंग के थे और उसके चेहरे पर दोस्ताना मुस्कान थी। उसने नारंगी रंग की टी-शर्ट, शॉर्ट्स, सैंडल और चमड़े का हार पहना हुआ था जिसमें पाँच अलग-अलग रंगों के मिट्टी के मोती थे। उसकी शक्ल में बस एक ही चीज़ थोड़ी अजीब थी, वह था उसकी दाहिनी आँख के ठीक नीचे से लेकर जबड़े तक फैला एक मोटा सफेद निशान, जो किसी पुराने चाकू के घाव जैसा लग रहा था।
‘ये ल्यूक हैं,’ एनाबेथ ने कहा, और उसकी आवाज़ कुछ अलग सी लग रही थी। मैंने उसकी तरफ देखा और मुझे लगा जैसे वो शरमा रही हो। उसने मुझे देखते हुए देखा और उसका चेहरा फिर से सख्त हो गया। ‘ये अभी आपके काउंसलर हैं।’
मैंने पूछा, ‘अभी के लिए?’
‘तुम्हारा स्थान अभी तय नहीं है,’ ल्यूक ने धैर्यपूर्वक समझाया। ‘उन्हें नहीं पता कि तुम्हें किस केबिन में रखा जाए, इसलिए तुम यहाँ हो। केबिन ग्यारह में सभी नए आने वालों, सभी आगंतुकों को रखा जाता है। स्वाभाविक रूप से, हम यही करेंगे। हमारे संरक्षक देवता, हर्मीस, यात्रियों के देवता हैं।’ मैंने ज़मीन के उस छोटे से टुकड़े को देखा जो मुझे दिया गया था। मेरे पास वहाँ रखने के लिए कुछ भी नहीं था जिससे यह पता चले कि यह मेरा है, न सामान, न कपड़े, न स्लीपिंग बैग। बस मिनोटौर का सींग था। मैंने उसे नीचे रखने के बारे में सोचा, लेकिन फिर मुझे याद आया कि हर्मीस चोरों का देवता भी है। मैंने शिविर में मौजूद लोगों के चेहरों पर नजर डाली, कुछ उदास और शंकालु थे, कुछ मूर्खतापूर्ण ढंग से मुस्कुरा रहे थे, कुछ मुझे ऐसे घूर रहे थे मानो वे मेरी जेब काटने का मौका ढूंढ रहे हों।
मैंने पूछा, 'मैं यहां कितने दिन रहूंगा?'
'अच्छा सवाल है,' ल्यूक ने कहा। 'जब तक आप दृढ़ निश्चय न कर लें।'
'इसमें कितना समय लगेगा?'
शिविर में आए सभी बच्चे हंस पड़े।
‘चलो,’ एनाबेथ ने मुझसे कहा। ‘मैं तुम्हें वॉलीबॉल कोर्ट दिखाती हूँ।’ मैंने इसे पहले ही देख लिया है।
'चलो भी।'
उसने मेरी कलाई पकड़ी और मुझे बाहर खींच लिया। मुझे पीछे केबिन नंबर ग्यारह के बच्चों के हंसने की आवाज़ सुनाई दे रही थी।

जब हम कुछ मीटर दूर थे, तब एनाबेथ ने कहा, 'जैक्सन, तुम्हें इससे बेहतर प्रदर्शन करना होगा।'
'क्या?'
उसने अपनी आँखें घुमाईं और धीमी आवाज़ में बुदबुदाई, 'मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मैंने कभी सोचा था कि तुम ही मेरे लिए सही हो।'
‘तुम्हारी क्या समस्या है?’ अब मुझे गुस्सा आ रहा था। ‘मुझे बस इतना पता है कि मैंने एक बैल को मार डाला –’
‘ऐसे बात मत करो!’ एनाबेथ ने मुझसे कहा। ‘तुम्हें पता है इस कैंप में कितने बच्चे चाहते हैं कि उन्हें भी तुम्हारा मौका मिला होता?’
‘क्या मारे जाने के लिए?’
‘मिनोटौर से लड़ने के लिए! आपको क्या लगता है हम किसलिए प्रशिक्षण लेते हैं?’
मैंने अपना सिर हिलाया। 'देखो, अगर जिससे मैंने लड़ाई की वह सचमुच मिनोटौर था, वही जो कहानियों में वर्णित है...'
'हाँ।'
‘तो फिर सिर्फ एक ही बचेगा।’
'हाँ।'
और उसकी मौत अरबों साल पहले हुई थी, है ना? थीसियस ने उसे भूलभुलैया में मार डाला था। तो...
‘राक्षस मरते नहीं, पर्सी। उन्हें मारा जा सकता है, लेकिन वे मरते नहीं।’ ‘ओह, धन्यवाद। इससे बात स्पष्ट हो गई।’
‘उनमें आपकी और मेरी तरह आत्मा नहीं होती। आप उन्हें कुछ समय के लिए, शायद भाग्यवश पूरे जीवन भर के लिए भी, दूर कर सकते हैं। लेकिन वे मौलिक शक्तियाँ हैं। चिरोन उन्हें मूलरूप कहते हैं। अंततः, वे पुनः निर्मित हो जाते हैं।’ मैंने मिसेज डॉड्स के बारे में सोचा। 'आपका मतलब है कि अगर मैंने गलती से तलवार से किसी एक को मार डाला तो...'
‘अरे यार… मेरा मतलब है, तुम्हारी गणित की टीचर। बिल्कुल सही। वो अभी भी कहीं बाहर है। तुमने उसे बहुत, बहुत गुस्सा दिला दिया है।’
‘आपको श्रीमती डॉड्स के बारे में कैसे पता चला?’
तुम नींद में बातें करते हो।

‘तुमने लगभग उसे कुछ नाम दे ही दिया था। फ्यूरी? वे हेड्स को यातना देने वाली होती हैं, है ना?’
एनाबेथ ने घबराकर ज़मीन की ओर देखा, मानो उसे लग रहा हो कि ज़मीन फट जाएगी और उसे निगल जाएगी। 'यहाँ भी, आपको उन्हें नाम से नहीं पुकारना चाहिए। अगर हमें उनके बारे में बात करनी ही पड़े, तो हम उन्हें दयालु कहते हैं।' ‘देखो, क्या हम बिना शोर मचाए कुछ कह सकते हैं?’ मेरी आवाज़ में शिकायत झलक रही थी, यहाँ तक कि मुझे खुद भी लग रहा था, लेकिन उस समय मुझे परवाह नहीं थी। ‘मुझे केबिन नंबर ग्यारह में ही क्यों रहना पड़ रहा है? सब लोग इतने ठसाठस क्यों भरे हुए हैं? वहाँ तो बहुत सारे खाली बिस्तर हैं।’
मैंने पहले कुछ केबिनों की ओर इशारा किया, और एनाबेथ का चेहरा पीला पड़ गया। 'पर्सी, तुम यूं ही केबिन नहीं चुन सकते। यह इस बात पर निर्भर करता है कि तुम्हारे माता-पिता कौन हैं। या... तुम्हारा असली माता-पिता कौन है।' वह मेरी ओर घूर रही थी, मानो मेरे समझने का इंतजार कर रही हो।
मैंने कहा, 'मेरी माँ का नाम सैली जैक्सन है। वह ग्रैंड सेंट्रल स्टेशन की मिठाई की दुकान में काम करती है। कम से कम, पहले करती थी।'
'पर्सी, तुम्हारी माँ के बारे में सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। लेकिन मेरा मतलब वो नहीं है। मैं तुम्हारे दूसरे अभिभावक की बात कर रहा हूँ। तुम्हारे पिता की।'
‘वह मर चुका है। मैं उसे कभी जानता ही नहीं था।’
एनाबेथ ने आह भरी। ज़ाहिर है, उसने पहले भी दूसरे बच्चों के साथ इस बारे में बात की थी। 'तुम्हारे पिता मरे नहीं हैं, पर्सी।'
‘आप ऐसा कैसे कह सकते हैं? आप उसे जानते हैं?’
'नही बिल्कुल नही।'
‘तो फिर आप यह कैसे कह सकते हैं –’
क्योंकि मैं तुम्हें जानता हूँ। अगर तुम हममें से एक नहीं होते तो तुम यहाँ नहीं होते।
आप मेरे बारे में कुछ नहीं जानते।
‘नहीं?’ उसने भौंहें चढ़ाते हुए कहा। ‘मुझे यकीन है कि तुम कई स्कूलों में पढ़े होगे। मुझे यकीन है कि तुम्हें उनमें से कई स्कूलों से निकाल दिया गया होगा।’
'कैसे -'

'डिस्लेक्सिया से ग्रसित पाया गया है। संभवतः एडीएचडी भी है।'
मैंने अपनी शर्मिंदगी को दबाने की कोशिश की। 'इसका किसी भी चीज़ से क्या लेना-देना है?'
कुल मिलाकर, यह लगभग एक पक्का संकेत है। पढ़ते समय अक्षर पन्ने से बाहर तैरते हुए से लगते हैं, है ना? ऐसा इसलिए है क्योंकि आपका दिमाग प्राचीन ग्रीक भाषा के लिए बना है। और एडीएचडी - आप आवेगशील हैं, कक्षा में एक जगह नहीं बैठ सकते। ये आपकी युद्धक्षेत्र की प्रतिक्रियाएँ हैं। किसी असली लड़ाई में, ये आपको ज़िंदा रखेंगी। जहाँ तक ध्यान केंद्रित करने में समस्या की बात है, यह इसलिए है क्योंकि आप बहुत कुछ देखते हैं, पर्सी, बहुत कम नहीं। आपकी इंद्रियाँ एक आम इंसान से कहीं बेहतर हैं। ज़ाहिर है शिक्षक चाहते हैं कि आपको दवाइयाँ दी जाएँ। उनमें से ज़्यादातर राक्षस हैं। वे नहीं चाहते कि आप उन्हें उनके असली रूप में देखें।
‘तुम्हारी बातों से ऐसा लगता है जैसे… तुम भी इसी दौर से गुज़रे हो?’ 'यहां के ज्यादातर बच्चों ने ऐसा ही किया। अगर आप हमारी तरह नहीं होते, तो आप मिनोटौर से बच नहीं पाते, अमृत और रस से तो बिल्कुल भी नहीं।'
‘अमृत और रस।’
“जो खाना-पीना हम तुम्हें ठीक करने के लिए दे रहे थे, वो किसी सामान्य बच्चे की जान ले लेता। वो तुम्हारे खून को आग में और हड्डियों को रेत में बदल देता और तुम मर जाते। इस बात को मान लो। तुम आधे इंसान हो।”
एक मिश्रित रक्त वाला व्यक्ति।
मेरे मन में इतने सारे सवाल उठ रहे थे कि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि कहां से शुरू करूं।
फिर एक कर्कश आवाज ने चिल्लाकर कहा, 'वाह! एक नवागंतुक!'
मैंने उधर देखा। बदसूरत लाल केबिन वाली मोटी लड़की हमारी तरफ इठलाती हुई आ रही थी। उसके पीछे तीन और लड़कियां थीं, सब उसी की तरह बड़ी, बदसूरत और गुस्सैल दिखने वाली, और सबने मिलिट्री प्रिंट वाली जैकेट पहनी हुई थी। ‘क्लेरिस,’ एनाबेथ ने आह भरी। ‘तुम जाकर अपने भाले को चमका लो या कुछ और कर लो?’
‘ज़रूर, राजकुमारी जी,’ उस बड़ी लड़की ने कहा। ‘तो मैं शुक्रवार रात को आपको इसके बारे में बता दूँगी।’

‘एरेटे एस कोराकस,’ एनाबेथ ने कहा, जिसका अर्थ मुझे किसी तरह ग्रीक भाषा में “कौवों के पास जाओ” समझ आया, हालाँकि मुझे आभास था कि यह सुनने में जितना लग रहा था उससे कहीं अधिक गंभीर अभिशाप था। ‘तुम्हारे बचने का कोई मौका नहीं है।’
‘हम तुम्हें चूर-चूर कर देंगे,’ क्लैरिस ने कहा, लेकिन उसकी आँख फड़क उठी। शायद उसे यकीन नहीं था कि वह अपनी धमकी को पूरा कर पाएगी। वह मेरी तरफ मुड़ी। ‘यह छोटा सा बदमाश कौन है?’
‘पर्सी जैक्सन,’ एनाबेथ ने कहा, ‘मिलो क्लैरिस से, एरेस की बेटी से।’ मैंने पलकें झपकाईं। 'जैसे... युद्ध का देवता?'
क्लैरिस ने ताना मारा। 'तुम्हें इससे कोई दिक्कत है?'
‘नहीं,’ मैंने होश में आते हुए कहा। ‘इसीलिए बदबू आ रही थी।’
क्लैरिस गुर्राई। 'नए लोगों के लिए दीक्षा समारोह होता है, प्रिसि।' ‘पर्सी।’
‘जो भी हो। चलो, मैं तुम्हें दिखाता हूँ।’
‘क्लेरिस –’ एनाबेथ ने कहने की कोशिश की।
‘इस मामले से दूर रहो, समझदार लड़की।’
एनाबेथ थोड़ी परेशान लग रही थी, लेकिन उसने दखल नहीं दिया, और मुझे उसकी मदद की ज़रूरत भी नहीं थी। मैं तो नई थी। मुझे अपनी पहचान खुद बनानी थी। मैंने एनाबेथ को अपना मिनोटौर सींग दिया और लड़ने के लिए तैयार हो गई, लेकिन इससे पहले कि मुझे कुछ पता चलता, क्लैरिस ने मेरी गर्दन पकड़ ली और मुझे एक ईंटों से बनी इमारत की ओर घसीट रही थी, जिसे देखकर मुझे तुरंत समझ आ गया कि वह बाथरूम था।
मैं लात-घूंसे मार रही थी। मैंने पहले भी कई लड़ाइयाँ लड़ी थीं, लेकिन इस बड़ी लड़की क्लैरिस के हाथ लोहे जैसे थे। वह मुझे घसीटकर लड़कियों के बाथरूम में ले गई। एक तरफ शौचालयों की कतार थी और दूसरी तरफ शावर स्टॉलों की कतार। उसमें आम सार्वजनिक बाथरूम जैसी ही बदबू आ रही थी, और मैं सोच रही थी - जितना मैं क्लैरिस के मेरे बाल नोचने के बावजूद सोच सकती थी - कि अगर यह जगह देवताओं की है, तो उन्हें इससे बेहतर शौचालय तो बनवाने चाहिए थे। क्लैरिस के सभी दोस्त हंस रहे थे, और मैं मिनोटौर से लड़ने के लिए इस्तेमाल की गई ताकत को खोजने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह ताकत मुझमें नहीं थी।

‘जैसे वो “बिग थ्री” में शामिल होने लायक हो,’ क्लैरिस ने मुझे शौचालय की ओर धकेलते हुए कहा। ‘हाँ, बिल्कुल। मिनोटौर शायद हँसते-हँसते गिर पड़ा होगा, वो इतना बेवकूफ दिख रहा था।’
उसकी सहेलियाँ हँस पड़ीं।
एनाबेथ कोने में खड़ी होकर अपनी उंगलियों के बीच से देख रही थी।
क्लैरिस ने मुझे घुटनों के बल झुकाया और मेरा सिर टॉयलेट बाउल की तरफ धकेलने लगी। उसमें जंग लगे पाइपों जैसी बदबू आ रही थी, और हाँ, टॉयलेट में जो गंदगी होती है, वैसी ही बदबू। मैंने अपना सिर ऊपर रखने के लिए बहुत ज़ोर लगाया। मैं उस गंदे पानी को देख रही थी और सोच रही थी, मैं उसमें नहीं जाऊंगी। बिलकुल नहीं।
फिर कुछ हुआ। मेरे पेट में एक अजीब सी हलचल हुई। मुझे नल की गड़गड़ाहट सुनाई दी, पाइप कांप उठे। क्लारिस की मेरे बालों पर पकड़ ढीली पड़ गई। टॉयलेट से पानी तेजी से निकला, मेरे सिर के ऊपर से एक चाप बनाते हुए, और अगली ही पल मैंने देखा कि मैं बाथरूम की टाइलों पर गिरी पड़ी थी और क्लारिस मेरे पीछे चीख रही थी।
जैसे ही मैं मुड़ा, शौचालय से पानी फिर से ज़ोर से निकला और क्लारिस के चेहरे पर इतनी ज़ोर से लगा कि वह अपने नितंबों के बल गिर पड़ी। पानी उस पर ऐसे लगा रहा जैसे आग बुझाने वाली नली से पानी की बौछार हो रही हो, और उसे पीछे धकेलते हुए शावर स्टॉल में ले गया।
वह हांफते हुए छटपटाने लगी और उसकी सहेलियाँ उसकी ओर आने लगीं। लेकिन तभी दूसरे शौचालय भी फट गए और शौचालय के पानी की छह और तेज़ धारें उन पर जा गिरीं। शावर भी खराब हो गए और सभी उपकरणों ने मिलकर छलावरण वाली लड़कियों को बाथरूम से बाहर फेंक दिया, उन्हें कचरे के टुकड़ों की तरह घुमाते हुए, जैसे वे बह रही हों।
जैसे ही वे दरवाजे से बाहर निकले, मुझे अपने पेट में हो रही बेचैनी कम होती महसूस हुई, और पानी उतनी ही तेजी से बंद हो गया जितनी तेजी से शुरू हुआ था। पूरा बाथरूम पानी से भर गया था। एनाबेथ भी इससे अछूती नहीं रही। वह पूरी तरह भीगी हुई थी, लेकिन उसे दरवाजे से बाहर नहीं धकेला गया था। वह ठीक उसी जगह खड़ी थी, सदमे से मेरी तरफ देख रही थी।

मैंने नीचे देखा और महसूस किया कि मैं पूरे कमरे में एकमात्र सूखी जगह पर बैठा था। मेरे चारों ओर सूखी ज़मीन का एक घेरा था। मेरे कपड़ों पर पानी की एक बूँद भी नहीं थी। कुछ भी नहीं।
मैं कांपते पैरों से खड़ा हुआ।
एनाबेथ ने कहा, 'तुमने यह कैसे किया...'
'मुझें नहीं पता।'
हम दरवाजे तक गए। बाहर, क्लैरिस और उसकी सहेलियाँ कीचड़ में पड़ी थीं, और कुछ अन्य कैंपर उन्हें तमाशा देखने के लिए जमा हो गए थे। क्लैरिस के बाल उसके चेहरे पर चिपके हुए थे। उसकी छलावरण जैकेट पूरी तरह भीगी हुई थी और उससे सीवेज जैसी बदबू आ रही थी। उसने मुझे घृणा भरी निगाहों से देखा। 'तुम गए काम से, नए लड़के। तुम पूरी तरह से मर चुके हो।'
मुझे शायद इसे जाने देना चाहिए था, लेकिन मैंने कहा, 'क्या तुम फिर से शौचालय के पानी से गरारे करना चाहती हो, क्लैरिस? अपना मुंह बंद करो।' उसके दोस्तों को उसे रोकना पड़ा। वे उसे घसीटते हुए केबिन नंबर पांच की ओर ले गए, जबकि बाकी शिविरार्थियों ने उसके छटपटाते पैरों से बचने के लिए रास्ता बना लिया।
एनाबेथ मुझे घूर रही थी। मैं समझ नहीं पा रही थी कि वह सिर्फ घृणा महसूस कर रही थी या मुझ पर पानी डालने के लिए गुस्सा थी।
‘क्या?’ मैंने पूछा। ‘तुम क्या सोच रहे हो?’
उसने कहा, 'मैं सोच रही हूं कि मैं तुम्हें 'कैप्चर द फ्लैग' गेम के लिए अपनी टीम में शामिल करना चाहती हूं।'

7 मेरा खाना धुएं में उड़ गया

बाथरूम वाली घटना की खबर तुरंत फैल गई। मैं जहाँ भी जाता, कैंप में रहने वाले लोग मेरी तरफ इशारा करते और टॉयलेट के पानी के बारे में कुछ बुदबुदाते। या शायद वे एनाबेथ को घूर रहे थे, जो अभी भी पूरी तरह भीगी हुई थी।
उसने मुझे कुछ और जगहें दिखाईं: धातु की दुकान (जहाँ बच्चे अपनी तलवारें खुद बना रहे थे), कला और शिल्प कक्ष (जहाँ सैटायर एक विशाल संगमरमर की बकरी- आदमी की मूर्ति पर सैंडब्लास्टिंग कर रहे थे), और चढ़ाई वाली दीवार, जिसमें वास्तव में दो आमने-सामने की दीवारें थीं जो हिंसक रूप से हिलती थीं, बड़े-बड़े पत्थर गिराती थीं, लावा उछालती थीं और अगर आप समय पर ऊपर नहीं पहुँचते तो आपस में टकराती थीं।
अंत में हम वापस डोंगी वाली झील पर लौट आए, जहाँ से पगडंडी वापस केबिनों की ओर जाती थी।
‘मुझे ट्रेनिंग करनी है,’ एनाबेथ ने सपाट लहजे में कहा। ‘रात का खाना साढ़े सात बजे है। बस अपने केबिन के पीछे-पीछे मेस हॉल तक आ जाओ।’
‘एनाबेथ, मुझे शौचालयों के लिए खेद है।’
'जो कुछ भी।'
‘यह मेरी गलती नहीं थी।’
उसने मुझे संदेह भरी नजरों से देखा, और मुझे एहसास हुआ कि यह मेरी गलती थी। मैंने बाथरूम के नलों से पानी की बौछार कर दी थी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि कैसे। लेकिन शौचालयों ने मेरी बात मान ली थी। मैं मानो पाइपलाइन के साथ एक हो गया था।
‘आपको ओरेकल से बात करनी होगी,’ एनाबेथ ने कहा।
'कौन?'
‘कौन नहीं। क्या। ओरेकल। मैं चिरोन से पूछूंगा।’
मैं झील की ओर देखता रहा, यह कामना करते हुए कि काश कोई मुझे एक बार तो सीधा जवाब दे दे।
मुझे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि नीचे से कोई मेरी तरफ देख रहा होगा, इसलिए जब मैंने देखा कि दो किशोर लड़कियाँ घाट के तल पर, लगभग पाँच मीटर नीचे,

पालथी मारकर बैठी हैं, तो मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। उन्होंने नीली जींस और चमकीली हरी टी-शर्ट पहनी हुई थी, और उनके भूरे बाल कंधों पर लहरा रहे थे, जबकि छोटी मछलियाँ अंदर-बाहर आ-जा रही थीं। उन्होंने मुस्कुराते हुए हाथ हिलाया, मानो मैं उनका कोई बिछड़ा हुआ दोस्त हूँ।
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। मैंने भी हाथ हिलाकर जवाब दिया। ‘उन्हें बढ़ावा मत दो,’ एनाबेथ ने चेतावनी दी। ‘नायडें बहुत ही नखरे वाली होती हैं।’
‘नायड्स,’ मैंने पूरी तरह से अभिभूत होकर दोहराया। ‘बस यही। मैं अब घर जाना चाहती हूँ।’
एनाबेथ ने भौंहें चढ़ा लीं। 'क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा, पर्सी? तुम घर पर हो। हम जैसे बच्चों के लिए धरती पर यही एक सुरक्षित जगह है।'
‘आपका मतलब मानसिक रूप से विक्षिप्त बच्चों से है?’
'मेरा मतलब है, इंसान नहीं। पूरी तरह से इंसान तो बिल्कुल नहीं। आधा इंसान।'
‘आधा इंसान और आधा क्या?’
मुझे लगता है कि आप जानते हैं।
मैं यह बात मानना नहीं चाहती थी, लेकिन मुझे डर था कि मैंने मान लिया है। मेरे अंगों में झुनझुनी सी महसूस हो रही थी, एक ऐसी अनुभूति जो मुझे कभी- कभी तब होती थी जब मेरी माँ मेरे पिताजी के बारे में बात करती थीं।
मैंने कहा, 'भगवान। आधा भगवान।'
एनाबेथ ने सिर हिलाया। 'तुम्हारे पिता मरे नहीं हैं, पर्सी। वह ओलंपियनों में से एक हैं।'
‘ये तो… पागलपन है।’
‘क्या सच में? पुरानी कहानियों में देवता सबसे आम तौर पर क्या करते थे? वे इंसानों से प्रेम करते और उनके साथ बच्चे पैदा करते थे। क्या आपको लगता है कि पिछले कुछ हज़ार सालों में उनकी आदतें बदल गई हैं?’
‘लेकिन ये तो बस –’ मैं लगभग फिर से मिथक कहने ही वाला था। तभी मुझे चिरोन की चेतावनी याद आई कि दो हज़ार साल में मुझे भी एक मिथक माना जा सकता है। ‘लेकिन अगर यहाँ के सारे बच्चे आधे-देवता हैं –’
‘डेमीगॉड्स,’ एनाबेथ ने कहा। ‘यही आधिकारिक शब्द है। या फिर हाफ-ब्लड।’
तो फिर तुम्हारे पिता कौन हैं?

उसने घाट की रेलिंग पर अपनी पकड़ और कस ली। मुझे लगा जैसे मैंने किसी संवेदनशील विषय पर अतिक्रमण कर लिया हो।
उन्होंने कहा, 'मेरे पिताजी वेस्ट प्वाइंट में प्रोफेसर हैं। मैंने उन्हें बहुत छोटी उम्र से नहीं देखा है। वे अमेरिकी इतिहास पढ़ाते हैं।' वह भी इंसान है।
‘क्या? आप यह मान लेते हैं कि किसी पुरुष देवता को ही कोई स्त्री आकर्षक लग सकती है? यह कितना लिंगभेदपूर्ण है?’
तो तुम्हारी मां कौन है?
‘केबिन छह।’
'अर्थ?'
एनाबेथ सीधी खड़ी हो गई। 'एथेना। ज्ञान और युद्ध की देवी।'
ठीक है, मैंने सोचा। क्यों नहीं?
और मेरे पिताजी?
‘अनिश्चित,’ एनाबेथ ने कहा, ‘जैसा कि मैंने तुम्हें पहले भी बताया था। किसी को नहीं पता।’
'मेरी मां को छोड़कर। उन्हें पता था।'
'शायद नहीं, पर्सी। देवता हमेशा अपनी पहचान प्रकट नहीं करते।'
मेरे पिताजी तो ऐसा ही करते। वे उससे बहुत प्यार करते थे।
एनाबेथ ने मुझे सावधानी भरी नज़रों से देखा। वह मेरी उम्मीदों पर पानी फेरना नहीं चाहती थी। 'शायद तुम सही हो। शायद वह कोई संकेत भेजेगा। यही एकमात्र तरीका है यह जानने का: तुम्हारे पिता को तुम्हें अपना बेटा होने का संकेत भेजना होगा। कभी-कभी ऐसा हो जाता है।'
‘आपका मतलब है कि कभी-कभी ऐसा नहीं होता?’
एनाबेथ ने रेलिंग पर अपना हाथ फेरा। 'देवता व्यस्त हैं। उनके बहुत सारे बच्चे हैं और वे हमेशा... खैर, कभी-कभी वे हमारी परवाह नहीं करते, पर्सी। वे हमें अनदेखा करते हैं।'
मैंने हर्मेस केबिन में देखे कुछ बच्चों के बारे में सोचा, किशोर जो उदास और निराश दिख रहे थे, मानो किसी ऐसे फोन का इंतज़ार कर रहे हों जो कभी नहीं आएगा। यान्सी अकादमी में मैंने ऐसे बच्चों को देखा था, जिन्हें अमीर माता- पिता ने बोर्डिंग स्कूल भेज दिया था क्योंकि उनके पास उनसे निपटने का समय नहीं था। लेकिन भगवानों को तो बेहतर व्यवहार करना चाहिए।

मैंने कहा, 'तो मैं यहीं फंस गया हूँ। बस इतना ही? पूरी जिंदगी के लिए?'
‘यह निर्भर करता है,’ एनाबेथ ने कहा। ‘कुछ शिविरार्थी केवल गर्मियों में ही रुकते हैं। यदि आप एफ़्रोडाइट या डेमेटर की संतान हैं, तो आप शायद कोई बहुत शक्तिशाली शक्ति नहीं हैं। राक्षस शायद आपको नज़रअंदाज़ कर दें, इसलिए आप कुछ महीनों के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण से काम चला सकते हैं और बाकी साल नश्वर दुनिया में रह सकते हैं। लेकिन हममें से कुछ के लिए, बाहर जाना बहुत खतरनाक है। हम साल भर यहीं रहते हैं। नश्वर दुनिया में, हम राक्षसों को आकर्षित करते हैं। वे हमें महसूस करते हैं। वे हमें चुनौती देने आते हैं। ज़्यादातर समय, वे हमें तब तक नज़रअंदाज़ करते हैं जब तक हम परेशानी पैदा करने लायक बड़े नहीं हो जाते - लगभग दस या ग्यारह साल की उम्र तक - लेकिन उसके बाद ज़्यादातर अर्धदेव या तो यहाँ आ जाते हैं, या मारे जाते हैं। कुछ बाहरी दुनिया में जीवित रहने में कामयाब होते हैं और प्रसिद्ध हो जाते हैं। मेरा विश्वास करो, अगर मैं तुम्हें उनके नाम बताऊँ, तो तुम उन्हें पहचान जाओगे। कुछ को तो यह भी एहसास नहीं होता कि वे अर्धदेव हैं। लेकिन ऐसे लोग बहुत ही कम हैं।’
तो क्या राक्षस यहाँ नहीं घुस सकते?
एनाबेथ ने सिर हिलाया। 'ऐसा तब तक नहीं हो सकता जब तक कि उन्हें जानबूझकर जंगल में न रखा गया हो या किसी अंदरूनी सूत्र द्वारा विशेष रूप से न बुलाया गया हो।'
‘कोई राक्षस को क्यों बुलाना चाहेगा?’
‘लड़ाई-मस्ती का अभ्यास। शरारतें।’
‘मज़ाकिया शरारतें?’
असल बात यह है कि इंसानों और राक्षसों को बाहर रखने के लिए सीमाएं सील कर दी गई हैं। बाहर से, इंसान घाटी में झांकते हैं और उन्हें कुछ भी असामान्य नहीं दिखता, बस एक स्ट्रॉबेरी का खेत।
तो… आप साल भर यहीं रहते हैं?
एनाबेथ ने सिर हिलाया। अपनी टी-शर्ट के कॉलर के नीचे से उसने चमड़े का एक हार निकाला जिसमें अलग-अलग रंगों के पाँच मिट्टी के मोती लगे थे। यह बिल्कुल ल्यूक के हार जैसा था, बस फर्क इतना था कि एनाबेथ के हार में एक बड़ी सोने की अंगूठी भी थी, जैसे कॉलेज की अंगूठी होती है।

उन्होंने कहा, 'मैं सात साल की उम्र से यहां हूं। हर साल अगस्त में, ग्रीष्मकालीन सत्र के आखिरी दिन, आपको एक और साल टिके रहने के लिए एक मनका मिलता है। मैं यहां ज्यादातर काउंसलरों से ज्यादा समय से हूं, और वे सभी कॉलेज में पढ़ रहे हैं।'
‘तुम इतनी कम उम्र में क्यों आए?’
उसने अपने गले में लटके हार की अंगूठी को घुमाया। 'यह तुम्हारा काम नहीं है।'
‘ओह।’ मैं एक मिनट तक असहज चुप्पी में वहीं खड़ा रहा। ‘तो… अगर मैं चाहूँ तो अभी यहाँ से जा सकता हूँ?’
‘यह आत्महत्या के समान होगा, लेकिन आप श्री डी या चिरोन की अनुमति से ऐसा कर सकते हैं। लेकिन वे ग्रीष्मकालीन सत्र के अंत तक अनुमति नहीं देंगे जब तक कि...’
'जब तक?'
‘तुम्हें एक मिशन सौंपा गया था। लेकिन ऐसा बहुत कम होता है। पिछली बार...’ उसकी आवाज़ धीमी पड़ गई। मैं उसके लहजे से समझ गया कि पिछली बार सब ठीक नहीं रहा था।
मैंने कहा, 'बीमारों के कमरे में, जब तुम मुझे वो सब खिला रहे थे -'
‘अमृत।’
'हां। आपने मुझसे ग्रीष्म संक्रांति के बारे में कुछ पूछा था।'
एनाबेथ के कंधे तन गए। 'तो तुम्हें कुछ पता है?'
‘अच्छा… नहीं। मेरे पुराने स्कूल में, मैंने ग्रोवर और चिरोन को इस बारे में बात करते हुए सुना था। ग्रोवर ने ग्रीष्म संक्रांति का जिक्र किया। उसने कुछ ऐसा कहा कि समय सीमा के कारण हमारे पास ज्यादा समय नहीं है। इसका क्या मतलब था?’
उसने अपनी मुट्ठियाँ भींच लीं। 'काश मुझे पता होता। चिरोन और सैटायर, उन्हें पता है, लेकिन वे मुझे नहीं बताएँगे। ओलंपस में कुछ गड़बड़ है, कुछ बहुत बड़ी गड़बड़। पिछली बार जब मैं वहाँ थी, सब कुछ इतना सामान्य लग रहा था।'
‘क्या आप ओलंपस गए हैं?’

'हममें से कुछ लोग जो पूरे साल यहीं रहते हैं - ल्यूक, क्लैरिस, मैं और कुछ अन्य - हमने शीतकालीन संक्रांति के दौरान एक फील्ड ट्रिप की। यही वह समय होता है जब देवता अपनी बड़ी वार्षिक सभा करते हैं।'
लेकिन… आप वहां कैसे पहुंचे?
‘लॉन्ग आइलैंड रेलरोड, बिल्कुल। पेन स्टेशन पर उतरना है। एम्पायर स्टेट बिल्डिंग, वहाँ से 600 वीं मंज़िल तक जाने के लिए एक विशेष लिफ्ट है।’ उसने मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे उसे पूरा यकीन हो कि मुझे यह पहले से ही पता होगा। ‘आप न्यूयॉर्क के रहने वाले हैं, है ना?’
'ओह, ज़रूर।' जहाँ तक मुझे पता था, एम्पायर स्टेट बिल्डिंग में केवल एक सौ दो मंजिलें थीं, लेकिन मैंने इस बात का ज़िक्र न करने का फैसला किया। ‘हमारे आने के तुरंत बाद,’ एनाबेथ ने आगे कहा, ‘मौसम अजीब हो गया, मानो देवताओं में लड़ाई शुरू हो गई हो। उसके बाद से मैंने कई बार सैटायरों को बात करते सुना है। मेरी समझ से कुछ महत्वपूर्ण चोरी हो गया है। और अगर ग्रीष्म संक्रांति तक वह वापस नहीं लौटाया गया, तो मुसीबत खड़ी हो जाएगी। जब आप आए थे, तो मुझे उम्मीद थी… मतलब – एथेना लगभग सभी के साथ अच्छे से रह सकती है, सिवाय एरेस के। और बेशक, पोसीडॉन के साथ उसकी दुश्मनी भी है। लेकिन, इन सब बातों को छोड़ दें तो, मुझे लगा कि हम साथ मिलकर काम कर सकते हैं। मुझे लगा कि शायद आपको कुछ पता हो।’
मैंने अपना सिर हिलाया। काश मैं उसकी मदद कर पाती, लेकिन मुझे इतनी भूख लगी थी, मैं इतनी थकी हुई थी और मेरा मानसिक संतुलन इतना बिगड़ा हुआ था कि मैं और सवाल नहीं पूछ सकती थी।
‘मुझे कोई मिशन तो चाहिए ही,’ एनाबेथ ने मन ही मन बुदबुदाया। ‘मैं इतनी छोटी भी नहीं हूँ। अगर वे मुझे समस्या बता दें तो…’
मुझे कहीं पास से बारबेक्यू के धुएँ की गंध आ रही थी। एनाबेथ ने शायद मेरे पेट की गुड़गुड़ाहट सुन ली थी। उसने मुझे जाने को कहा, वो बाद में मिल लेगी। मैंने उसे घाट पर छोड़ दिया, वह रेलिंग पर उंगली फेर रही थी मानो कोई युद्ध योजना बना रही हो।
केबिन नंबर ग्यारह में वापस आकर, सब लोग बातें कर रहे थे और मस्ती कर रहे थे, रात के खाने का इंतज़ार कर रहे थे। पहली बार मैंने गौर किया कि कई कैंपर्स के चेहरे-मोहरे एक जैसे थे: नुकीली नाक, उठी हुई भौहें, शरारती मुस्कान। ये उस तरह के बच्चे थे जिन्हें शिक्षक बदमाश समझते थे। शुक्र है,

किसी ने मेरी तरफ ज़्यादा ध्यान नहीं दिया जब मैं ज़मीन पर अपनी जगह पर गया और अपने मिनोटौर सींग के साथ बैठ गया।
परामर्शदाता, ल्यूक, पास आया। वह भी हर्मेस परिवार से मिलता-जुलता था। उसके दाहिने गाल पर मौजूद निशान ने उसकी शक्ल को थोड़ा धुंधला कर दिया था, लेकिन उसकी मुस्कान बरकरार थी।
‘मैंने तुम्हारे लिए एक स्लीपिंग बैग ढूंढ लिया है,’ उसने कहा। ‘और ये लो, मैंने कैंप की दुकान से तुम्हारे लिए कुछ टॉयलेटरीज़ चुरा ली हैं।’
मुझे समझ नहीं आया कि चोरी वाली बात पर वह मजाक कर रहा था या नहीं।
मैंने कहा, 'धन्यवाद।'
‘कोई बात नहीं।’ ल्यूक मेरे बगल में बैठ गया और अपनी पीठ दीवार से टिका ली। ‘पहला दिन मुश्किल था?’
मैंने कहा, 'मैं यहाँ का नहीं हूँ। मैं तो भगवानों में भी विश्वास नहीं करता।'
‘हां,’ उसने कहा। ‘हम सबने ऐसे ही शुरुआत की थी। एक बार जब आप उन पर विश्वास करने लगते हैं, तो फिर यह आसान नहीं रह जाता।’
उसकी आवाज़ में कड़वाहट सुनकर मुझे आश्चर्य हुआ, क्योंकि ल्यूक काफी सहज स्वभाव का लड़का लगता था। वह देखने में ऐसा लगता था कि वह लगभग हर चीज का सामना कर सकता है।
मैंने पूछा, 'तो आपके पिताजी हर्मेस हैं?'
उसने अपनी पिछली जेब से एक स्विचब्लेड निकाला, और एक पल के लिए मुझे लगा कि वह मेरा पेट फाड़ देगा, लेकिन उसने बस अपनी सैंडल के तलवे से कीचड़ साफ किया। 'हाँ। हर्मेस।'
‘पंखों की तरह फुर्तीला संदेशवाहक।’
‘ये वही है। संदेशवाहक। दवाइयाँ। यात्री, व्यापारी, चोर। सड़कों का इस्तेमाल करने वाला हर कोई। इसीलिए आप यहाँ हैं, केबिन ग्यारह की मेहमाननवाज़ी का आनंद ले रहे हैं। हर्मेस इस बात में भेदभाव नहीं करता कि वह किसे प्रायोजित करता है।’
मुझे लगा कि ल्यूक का मुझे तुच्छ कहने का कोई इरादा नहीं था। बस उसके मन में बहुत कुछ चल रहा था।
मैंने पूछा, 'क्या तुम कभी अपने पिता से मिली हो?'
'एक बार।'

मैंने इंतज़ार किया, यह सोचकर कि अगर वह मुझे कुछ बताना चाहता तो बता देता। लेकिन उसने नहीं बताया। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या इस कहानी का उसके निशान से कोई संबंध था।
ल्यूक ने ऊपर देखा और मुस्कुराने की कोशिश की। 'चिंता मत करो, पर्सी। यहाँ के शिविरार्थी ज्यादातर अच्छे लोग हैं। आखिर हम सब एक विस्तारित परिवार हैं, है ना? हम एक-दूसरे का ख्याल रखते हैं।'
ऐसा लग रहा था कि वो मेरी बेबसी को समझ रहा था, और मैं इसके लिए शुक्रगुजार थी, क्योंकि उसके जैसा उम्रदराज आदमी – भले ही वो काउंसलर हो – मुझ जैसे अनकूल मिडिल स्कूल के बच्चे से दूर ही रहना चाहिए था। लेकिन ल्यूक ने मुझे केबिन में स्वागत किया। उसने मेरे लिए कुछ टॉयलेट्रीज़ भी चुरा लीं, जो उस दिन किसी ने मेरे लिए सबसे अच्छा काम किया था।
मैंने उससे अपना आखिरी बड़ा सवाल पूछने का फैसला किया, वही सवाल जो मुझे पूरी दोपहर परेशान कर रहा था। 'एरेस की क्लैरिस मजाक में कह रही थी कि मैं "बिग थ्री" बनने लायक हूं। फिर एनाबेथ... उसने दो बार कहा कि मैं "वह एक" हो सकती हूं। उसने कहा कि मुझे ओरेकल से बात करनी चाहिए। आखिर ये सब क्या था?' ल्यूक ने अपना चाकू मोड़ लिया। 'मुझे भविष्यवाणियाँ पसंद नहीं हैं।' 'आपका क्या मतलब है?'
उसके चेहरे पर निशान के आसपास हल्की सी झनझनाहट हुई। 'बस इतना समझ लो कि मैंने सबके लिए सब कुछ गड़बड़ कर दिया। पिछले दो सालों से, जब से हेस्पेराइड्स के बगीचे की मेरी यात्रा खराब हुई है, चिरोन ने मुझे कोई और मिशन पर जाने की इजाज़त नहीं दी है। एनाबेथ दुनिया में निकलने के लिए बेताब है। उसने चिरोन को इतना परेशान किया कि आखिरकार उसने उसे बता दिया कि वह उसका भाग्य पहले से ही जानता है। उसे ओरेकल से एक भविष्यवाणी मिली थी। उसने उसे पूरी बात नहीं बताई, लेकिन उसने कहा कि एनाबेथ अभी मिशन पर जाने के लिए नियत नहीं है। उसे तब तक इंतजार करना होगा जब तक... कोई खास व्यक्ति शिविर में न आ जाए।'
‘कोई खास व्यक्ति।’
‘चिंता मत करो, बच्चे,’ ल्यूक ने कहा। ‘एनाबेथ को लगता है कि यहाँ आने वाला हर नया कैंपर उसके लिए शुभ संकेत है। चलो, अब खाने का समय हो गया है।’ जैसे ही उसने यह कहा, दूर से एक सींग की आवाज़ आई। किसी तरह, मुझे पता चल गया कि यह एक शंख था, हालाँकि मैंने इसे पहले कभी नहीं सुना था।

ल्यूक चिल्लाया, 'ग्यारह, लाइन में लगो!'
हम सभी लगभग बीस लोग, यानी पूरा केबिन, सार्वजनिक मैदान में आ गए। हम वरिष्ठता क्रम में खड़े हुए, इसलिए ज़ाहिर है कि मैं सबसे पीछे था। बाकी केबिनों से भी लोग आए, सिवाय अंत में मौजूद तीन खाली केबिनों और केबिन नंबर आठ के, जो दिन के समय तो सामान्य दिख रहा था, लेकिन सूरज ढलने के साथ ही चांदी की तरह चमकने लगा था।
हम पहाड़ी पर चढ़कर भोजन कक्ष के मंडप तक पहुँचे। घास के मैदान से सैटायर हमारे साथ आ गए। जलपरियाँ नौका विहार झील से निकलीं। कुछ और लड़कियाँ जंगल से बाहर आईं - और जब मैं जंगल से बाहर कहती हूँ, तो मेरा मतलब सचमुच जंगल से बाहर आना है। मैंने एक लड़की को देखा, लगभग नौ या दस साल की, जो एक मेपल के पेड़ की डाल से निकलकर पहाड़ी पर उछलती-कूदती हुई आई।
कुल मिलाकर, वहाँ शायद सौ शिविरवासी, कुछ दर्जन सैटायर और एक दर्जन विभिन्न वन अप्सराएँ और जलदेवियाँ थीं।
मंडप में संगमरमर के स्तंभों के चारों ओर मशालें जल रही थीं। बीच में एक बाथटब के आकार के पीतल के तख़्ते में आग धधक रही थी। हर केबिन में अपनी- अपनी मेज़ थी, जिस पर बैंगनी रंग की किनारी वाला सफ़ेद कपड़ा बिछा था। चार मेज़ें खाली थीं, लेकिन ग्यारहवें केबिन में बहुत ज़्यादा भीड़ थी। मुझे बेंच के किनारे पर इस तरह बैठना पड़ा कि मेरा आधा नितंब बाहर लटका हुआ था। मैंने ग्रोवर को मिस्टर डी, कुछ सैटायर और मिस्टर डी जैसे दिखने वाले दो मोटे-ताज़े गोरे लड़कों के साथ बारहवीं मेज पर बैठे देखा। चिरोन एक तरफ खड़ा था, क्योंकि पिकनिक टेबल एक सेंटॉर के लिए बहुत छोटी थी।
एनाबेथ छठी मेज पर कुछ गंभीर दिखने वाले एथलेटिक बच्चों के साथ बैठी थी, जिनकी आंखें और बाल एनाबेथ की तरह भूरे और सुनहरे थे।
क्लैरिस एरेस की मेज पर मेरे पीछे बैठी थी। ऐसा लग रहा था कि पानी से भीगने की घटना से वह उबर चुकी थी, क्योंकि वह अपने दोस्तों के साथ हंस रही थी और डकार ले रही थी।
अंत में, चिरोन ने मंडप के संगमरमरी फर्श पर अपना खुर पटका, और सब लोग शांत हो गए। उसने एक गिलास उठाया। 'देवताओं के लिए!'
बाकी सबने अपने गिलास उठाए। 'भगवान की जय हो!'

वन अप्सराएँ खाने से भरी थालियाँ लेकर आगे आईं: अंगूर, सेब, स्ट्रॉबेरी, पनीर, ताज़ी रोटी और हाँ, बारबेक्यू भी! मेरा गिलास खाली था, लेकिन ल्यूक ने कहा, 'इससे बात करो। जो चाहो - बेशक, शराब रहित।'
मैंने कहा, 'चेरी कोक।'
गिलास में चमकदार कारमेल का तरल पदार्थ भरा हुआ था।
फिर मुझे एक विचार आया। 'ब्लू चेरी कोक।'
सोडा का रंग चटख गहरे नीले रंग में बदल गया।
मैंने सावधानी से एक घूंट लिया। एकदम सही।
मैंने अपनी माँ के सम्मान में टोस्ट पिया।
मैंने खुद से कहा, वो गई नहीं है। कम से कम हमेशा के लिए तो नहीं। वो पाताल लोक में है। और अगर वो सचमुच कोई जगह है, तो किसी दिन...
'ये लो पर्सी,' ल्यूक ने मुझे स्मोक्ड ब्रिस्केट की एक प्लेट देते हुए कहा।
मैंने अपनी थाली भर ली और एक बड़ा निवाला लेने ही वाला था कि मैंने देखा कि सब लोग उठ रहे हैं और अपनी-अपनी थालियाँ लेकर मंडप के बीच में जल रही आग की ओर जा रहे हैं। मुझे लगा कि शायद वे मिठाई खाने जा रहे हैं या कुछ और। ‘चलो,’ ल्यूक ने मुझसे कहा।
जैसे ही मैं पास पहुंचा, मैंने देखा कि हर कोई अपने भोजन का एक हिस्सा लेकर आग में डाल रहा था, सबसे पका हुआ स्ट्रॉबेरी, बीफ़ का सबसे रसीला टुकड़ा, सबसे गर्म, मक्खन से लथपथ ब्रेड का टुकड़ा।
ल्यूक ने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा, 'देवताओं के लिए बलि चढ़ाई जाती है। उन्हें इसकी गंध पसंद आती है।'
'आप मजाक कर रहे हो।'
उसकी नज़र ने मुझे चेतावनी दी कि इसे हल्के में न लूं, लेकिन मैं यह सोचने से खुद को रोक नहीं सका कि एक अमर, सर्वशक्तिमान प्राणी को जलते हुए भोजन की गंध क्यों पसंद आएगी।
ल्यूक आग के पास पहुंचा, अपना सिर झुकाया और मोटे लाल अंगूरों का एक गुच्छा उसमें फेंक दिया। 'हर्मीस।'
मेरी बारी थी।
काश मुझे पता होता कि भगवान का कौन सा नाम लेना चाहिए।
अंत में, मैंने मन ही मन विनती की। आप जो भी हों, मुझे बता दीजिए। कृपया।
मैंने ब्रिस्केट का एक बड़ा टुकड़ा घिसकर आग में डाल दिया।

जब मुझे धुएं की हल्की सी गंध आई, तो मुझे उल्टी नहीं आई।
उसमें जलते हुए खाने की कोई गंध नहीं थी। उसमें गर्म चॉकलेट और ताज़े बेक किए हुए ब्राउनी, ग्रिल पर पक रहे हैमबर्गर और जंगली फूलों की खुशबू थी, और ऐसी ही सैकड़ों अच्छी चीज़ों की खुशबू थी जो एक साथ अच्छी नहीं लगनी चाहिए थीं, लेकिन लग रही थीं। मुझे लगभग यकीन हो रहा था कि देवता भी उस धुएं से अपना जीवन यापन कर सकते हैं।
जब सभी लोग अपनी-अपनी सीटों पर लौट आए और अपना भोजन समाप्त कर लिया, तो चिरोन ने हमारा ध्यान आकर्षित करने के लिए फिर से अपना खुर पटका।
श्री डी ने एक गहरी आह भरते हुए कहा, 'हाँ, मुझे लगता है कि मुझे तुम सभी शरारती बच्चों को नमस्कार कर लेना चाहिए। चलो, नमस्कार। हमारे गतिविधि निदेशक, चिरोन का कहना है कि अगला 'कैप्चर द फ्लैग' शुक्रवार को है। केबिन नंबर पाँच इस समय विजेता है।'
एरेस की मेज से भद्दी-भद्दी जयकार की आवाजें उठने लगीं।
श्री डी ने आगे कहा, 'व्यक्तिगत रूप से तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन बधाई हो। साथ ही, मैं आपको यह भी बताना चाहूंगा कि आज हमारे पास एक नया कैंपर आया है। पीटर जॉनसन।'
चिरोन ने कुछ बुदबुदाया।
‘अरे, पर्सी जैक्सन,’ श्री डी ने सुधार करते हुए कहा। ‘सही कहा। वाह, वाह! अब जाओ अपने उस बेवकूफी भरे अलाव की ओर। जाओ!’
सबने खुशी से तालियाँ बजाईं। हम सब एम्फीथिएटर की ओर चल पड़े, जहाँ अपोलो के केबिन में सबने मिलकर गाना गाया। हमने देवताओं के बारे में शिविर गीत गाए, भुने हुए मार्शमैलो खाए, खूब हँसी-मज़ाक किया, और सबसे मज़ेदार बात यह थी कि मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लग रहा था कि कोई मुझे घूर रहा है। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं अपने घर आ गया हूँ।
शाम ढलते-ढलते, जब अलाव की चिंगारियाँ तारों भरे आकाश में लहराने लगीं, तो शंख फिर बजा और हम सब अपने-अपने केबिनों में लौट गए। मुझे अपनी थकान का एहसास तब तक नहीं हुआ जब तक मैं उधार लिए हुए स्लीपिंग बैग पर गिर नहीं पड़ा।
मेरी उंगलियां मिनोटौर के सींग पर लिपट गईं। मैंने अपनी मां के बारे में सोचा, लेकिन मेरे मन में अच्छे विचार थे: उनकी मुस्कान, बचपन में सोने से

पहले सुनाई जाने वाली कहानियां, और जिस तरह से वह मुझे खटमलों से सावधान रहने के लिए कहती थीं।
जब मैंने अपनी आंखें बंद कीं, तो मुझे तुरंत नींद आ गई।
कैंप हाफ-ब्लड में वह मेरा पहला दिन था।
काश मुझे पता होता कि मुझे अपने नए घर का आनंद लेने का कितना कम समय मिलेगा।

8. हमने एक झंडा पकड़ा

अगले कुछ दिनों में मैं एक ऐसी दिनचर्या में ढल गया जो लगभग सामान्य सी लगती थी, सिवाय इस तथ्य के कि मुझे सैटायर, अप्सराओं और एक सेंटॉर से सबक मिल रहे थे।
हर सुबह मैं एनाबेथ से प्राचीन ग्रीक पढ़ता था, और हम देवी-देवताओं के बारे में वर्तमान काल में बात करते थे, जो थोड़ा अजीब था। मुझे पता चला कि एनाबेथ मेरे डिस्लेक्सिया के बारे में सही थी: प्राचीन ग्रीक मेरे लिए पढ़ना उतना मुश्किल नहीं था। कम से कम, अंग्रेजी से तो बिल्कुल नहीं। कुछ सुबहों के अभ्यास के बाद, मैं होमर की कुछ पंक्तियाँ बिना ज्यादा परेशानी के पढ़ पाता था।
दिन के बाकी समय में, मैं अलग-अलग बाहरी गतिविधियों में हिस्सा लेता रहा, यह जानने की कोशिश करता रहा कि मुझे किस चीज़ में महारत हासिल है। चिरोन ने मुझे तीरंदाजी सिखाने की कोशिश की, लेकिन हमें जल्दी ही पता चल गया कि मैं धनुष-बाण चलाने में बिल्कुल भी अच्छा नहीं था। उसने ज़रा भी शिकायत नहीं की, यहाँ तक कि जब उसे अपनी पूंछ में फंसा हुआ तीर निकालना पड़ा तब भी नहीं।
दौड़? वो भी बेकार। वन-परी प्रशिक्षकों ने मुझे पीछे छोड़ दिया। उन्होंने मुझसे कहा कि चिंता मत करो। उन्हें सदियों से प्रेम में डूबे देवताओं से भागने का अभ्यास था। लेकिन फिर भी, पेड़ से भी धीमा होना थोड़ा शर्मनाक था। और कुश्ती? उसे तो भूल ही जाइए। जब भी मैं मैट पर उतरता, क्लारिस मुझे बुरी तरह हरा देती।
'अभी तो और भी बहुत कुछ बाकी है, बदमाश,' वह मेरे कान में फुसफुसाती थी।
जिस एक चीज में मैं वास्तव में माहिर था, वह थी डोंगी चलाना, और यह उस तरह का वीरतापूर्ण कौशल नहीं था जिसकी लोग उस बच्चे से उम्मीद करते थे जिसने मिनोटौर को हराया था।
मुझे पता था कि सीनियर कैंपर्स और काउंसलर मुझे देख रहे थे, यह तय करने की कोशिश कर रहे थे कि मेरे पिता कौन हैं, लेकिन उनके लिए यह आसान नहीं था। मैं एरेस के बच्चों जितना ताकतवर नहीं था, न ही अपोलो के बच्चों जितना तीरंदाजी में माहिर। मेरे पास हेफेस्टस जैसा धातु का काम करने का कौशल

नहीं था, और न ही - भगवान न करे - डायोनिसस जैसी बेलों को संभालने की कला थी। ल्यूक ने मुझसे कहा कि मैं शायद हर्मेस का बच्चा हूँ, एक तरह का हरफनमौला, लेकिन किसी एक में माहिर नहीं। लेकिन मुझे लगा कि वह बस मुझे तसल्ली देने की कोशिश कर रहा था। असल में, उसे भी समझ नहीं आ रहा था कि मैं कौन हूँ।
इन सब के बावजूद, मुझे कैंप अच्छा लगता था। मुझे सुबह समुद्र तट पर छाने वाले कोहरे की, दोपहर में गर्म स्ट्रॉबेरी के खेतों की खुशबू की, यहाँ तक कि रात में जंगल में राक्षसों की अजीब आवाज़ों की भी आदत हो गई थी। मैं केबिन ग्यारह के साथ रात का खाना खाता, अपने खाने का कुछ हिस्सा आग में डालता और अपने असली पिता से कुछ जुड़ाव महसूस करने की कोशिश करता। कुछ नहीं हुआ। बस वही गर्मजोशी भरी भावना जो हमेशा मेरे अंदर रहती थी, जैसे उनकी मुस्कान की याद। मैंने अपनी माँ के बारे में ज़्यादा न सोचने की कोशिश की, लेकिन मैं सोचता रहता था: अगर देवी-देवता और राक्षस सच में मौजूद हैं, अगर यह सब जादुई चीज़ें संभव हैं, तो ज़रूर कोई न कोई तरीका होगा जिससे उन्हें बचाया जा सके, उन्हें वापस लाया जा सके...
मुझे ल्यूक की कड़वाहट और उसके पिता हर्मीस के प्रति उसकी नाराज़गी समझ में आने लगी। ठीक है, शायद देवताओं के पास करने के लिए ज़रूरी काम थे। लेकिन क्या वे कभी-कभार फ़ोन नहीं कर सकते थे, या बिजली नहीं कड़क सकते थे, या कुछ और? डायोनिसस तो हवा से डाइट कोक प्रकट कर सकता था। मेरे पिताजी, चाहे वे कोई भी हों, फ़ोन क्यों नहीं प्रकट कर सकते थे?
कैंप हाफ-ब्लड में आने के तीन दिन बाद, गुरुवार की दोपहर को, मेरी तलवारबाजी की पहली क्लास थी। केबिन ग्यारह के सभी लोग बड़े गोलाकार अखाड़े में इकट्ठा हुए, जहाँ ल्यूक हमारे प्रशिक्षक थे।
हमने कुछ भूसे से भरे पुतलों पर वार करने और काटने का बुनियादी अभ्यास शुरू किया, जो यूनानी कवच पहने हुए थे। मुझे लगता है मैंने ठीक-ठाक प्रदर्शन किया। कम से कम, मुझे समझ आ गया था कि मुझे क्या करना है और मेरी प्रतिक्रियाएँ अच्छी थीं।
समस्या यह थी कि मुझे कोई ऐसा ब्लेड नहीं मिल रहा था जो मेरे हाथों में ठीक लगे। या तो वे बहुत भारी थे, या बहुत हल्के, या बहुत लंबे। ल्यूक ने मेरी मदद करने की पूरी कोशिश की, लेकिन वह भी इस बात से सहमत था कि अभ्यास के लिए रखे गए किसी भी ब्लेड से मुझे संतुष्टि नहीं मिली।

फिर हमने जोड़ियों में द्वंद्वयुद्ध करना शुरू किया। ल्यूक ने घोषणा की कि वह मेरा साथी बनेगा, क्योंकि यह मेरा पहला अनुभव था।
शिविर में मौजूद एक व्यक्ति ने मुझसे कहा, 'शुभकामनाएं। ल्यूक पिछले तीन सौ वर्षों में सर्वश्रेष्ठ तलवारबाज है।'
मैंने कहा, 'शायद वह मुझ पर नरमी बरतेगा।'
शिविर में रहने वाले व्यक्ति ने जोर से नाक सिकोड़ी।
ल्यूक ने मुझे वार करना, बचाव करना और ढाल से वार रोकना बहुत सख्ती से सिखाया। हर वार के साथ, मैं थोड़ा और घायल और जख्मी होता गया। 'अपना बचाव बनाए रखो, पर्सी,' वह कहता, फिर अपनी तलवार के सपाट हिस्से से मेरी पसलियों पर वार करता। 'नहीं, इतनी ऊपर नहीं!' धड़ाक! 'झपटाओ!' धड़ाक! 'अब, पीछे हटो!' धड़ाक!
जब तक उसने ब्रेक का ऐलान किया, मैं पसीने से भीग चुका था। सब लोग ड्रिंक्स कूलर की तरफ टूट पड़े। ल्यूक ने अपने सिर पर बर्फ का पानी डाला, जो मुझे इतना अच्छा लगा कि मैंने भी वैसा ही किया।
तुरंत ही मुझे बेहतर महसूस होने लगा। मेरी बाहों में फिर से ताकत आ गई। तलवार चलाना अब उतना असहज नहीं लग रहा था।
‘ठीक है, सब लोग घेरा बना लो!’ ल्यूक ने आदेश दिया। ‘अगर पर्सी को कोई आपत्ति न हो, तो मैं आपको एक छोटा सा डेमो देना चाहता हूँ।’
बहुत बढ़िया, मैंने सोचा। चलो सब मिलकर पर्सी की पिटाई होते हुए देखते हैं।
हर्मेस के लोग मेरे आस-पास जमा हो गए। वे अपनी हंसी दबा रहे थे। मुझे लगा कि वे भी कभी मेरी जैसी स्थिति से गुज़रे होंगे और यह देखने के लिए बेताब थे कि ल्यूक मुझे कैसे मुक्के मारता है। उसने सबको बताया कि वह एक निहत्था करने की तकनीक दिखाने वाला है: अपनी तलवार के सपाट हिस्से से दुश्मन की तलवार को इस तरह मोड़ना कि उसके पास अपना हथियार छोड़ने के अलावा कोई चारा न रहे।
उन्होंने जोर देकर कहा, 'यह मुश्किल है। इसका इस्तेमाल मेरे खिलाफ किया जा चुका है। अब पर्सी पर हंसना मत। ज्यादातर तलवारबाजों को इस तकनीक में महारत हासिल करने के लिए सालों मेहनत करनी पड़ती है।'
उसने मुझे वह दांव धीमी गति से करके दिखाया। और सच में, तलवार मेरे हाथ से गिरकर बिखर गई।

जब मैंने अपना हथियार उठा लिया, तो उसने कहा, 'अब असल समय में। हम तब तक अभ्यास करते रहेंगे जब तक हममें से कोई एक जीत न जाए। तैयार हो, पर्सी?' मैंने सिर हिलाया, और ल्यूक मेरे पीछे आया। किसी तरह मैंने उसे अपनी तलवार की मूठ पर वार करने से रोक दिया। मेरी चेतना जागृत हो गई। मैंने उसके हमले आते हुए देख लिए। मैंने पलटवार किया। मैं आगे बढ़ा और अपना वार करने की कोशिश की। ल्यूक ने उसे आसानी से रोक दिया, लेकिन मैंने उसके चेहरे में बदलाव देखा। उसकी आँखें सिकुड़ गईं, और वह और अधिक बल से मुझ पर दबाव बनाने लगा।
मेरे हाथ में तलवार भारी लगने लगी। संतुलन बिगड़ गया था। मुझे पता था कि कुछ ही सेकंड में ल्यूक मुझे मार गिराएगा, इसलिए मैंने सोचा, चलो देखते हैं क्या होता है?
मैंने निहत्था करने की कोशिश की।
मेरी तलवार ल्यूक के निचले हिस्से से टकराई और मैं मुड़ा, अपना पूरा वजन नीचे की ओर वार करने में लगा दिया।
खनक।
ल्यूक की तलवार पत्थरों से टकराकर खड़खड़ाने लगी। मेरी तलवार की नोक उसकी निहत्थी छाती से कुछ सेंटीमीटर ही दूर थी।
बाकी शिविरवासी चुप थे।
मैंने अपनी तलवार नीचे कर ली। 'उम, क्षमा करें।'
एक पल के लिए, ल्यूक इतना स्तब्ध रह गया कि बोल नहीं पाया।
‘माफ़ी मांगनी है?’ उसके दागदार चेहरे पर एक मुस्कान खिल उठी। ‘भगवान की कसम, पर्सी, तुम्हें किस बात की माफ़ी मांगनी है? मुझे वह फिर से दिखाओ!’ मैं ऐसा नहीं करना चाहता था। मुझमें उमड़ी उन्मादी ऊर्जा पूरी तरह से खत्म हो चुकी थी। लेकिन ल्यूक ने ज़िद की।
इस बार तो कोई मुकाबला ही नहीं था। जैसे ही हमारी तलवारें टकराईं, ल्यूक ने मेरी तलवार के मूठ पर वार किया और मेरा हथियार ज़मीन पर घिसटता चला गया। काफी देर के विराम के बाद, दर्शकों में से किसी ने कहा, 'शुरुआती किस्मत?' ल्यूक ने अपने माथे से पसीना पोंछा। उसने मुझे बिल्कुल नए नजरिए से देखा। 'शायद,' उसने कहा। 'लेकिन मुझे आश्चर्य है कि पर्सी संतुलित तलवार से क्या कर सकता है...।'

शुक्रवार की दोपहर, मैं ग्रोवर के साथ झील किनारे बैठा था, चढ़ाई के दौरान मौत के मुंह से बाल-बाल बचने के बाद आराम कर रहा था। ग्रोवर तो पहाड़ी बकरी की तरह चोटी तक पहुँच गया था, लेकिन लावा ने मुझे लगभग अपनी चपेट में ले लिया था। मेरी कमीज़ में जगह-जगह छेद हो गए थे, जिनसे धुआँ निकल रहा था। मेरी बांहों के बाल जलकर राख हो गए थे।
हम घाट पर बैठे जलपरियों को पानी के अंदर टोकरी बुनते हुए देख रहे थे, तभी मैंने हिम्मत जुटाकर ग्रोवर से पूछा कि मिस्टर डी के साथ उसकी बातचीत कैसी रही।
उसका चेहरा पीला पड़ गया, मानो वह बीमारी का शिकार हो गया हो।
‘ठीक है,’ उसने कहा। ‘बहुत बढ़िया।’
तो क्या आपका करियर अभी भी सही रास्ते पर है?
उसने घबराकर मेरी तरफ देखा। 'चिरोन ने तुम्हें बताया था कि मुझे तलाशी लाइसेंस चाहिए?'
‘अच्छा… नहीं।’ मुझे पता नहीं था कि सर्च लाइसेंस क्या होता है, लेकिन पूछने का यह सही समय नहीं लग रहा था। ‘उन्होंने बस इतना कहा कि आपकी बड़ी योजनाएँ हैं… और आपको रखवाले का काम पूरा करने के लिए क्रेडिट की ज़रूरत है। तो क्या आपको वह मिल गया?’
ग्रोवर ने जलपरियों की ओर देखा। 'श्री डी ने अपना फैसला टाल दिया है। उन्होंने कहा कि अभी तक तुम्हारे साथ मेरी सफलता या असफलता तय नहीं हुई है, इसलिए हमारा भाग्य अभी भी एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। अगर तुम्हें कोई मिशन मिले और मैं तुम्हारी रक्षा के लिए तुम्हारे साथ जाऊं, और हम दोनों जिंदा वापस आ जाएं, तो शायद वह इस काम को पूरा मान लें।'
मेरा मनोबल बढ़ गया। 'अच्छा, यह इतना बुरा भी नहीं है, है ना?'
‘ब्ला-हा-हा! वह तो मुझे अस्तबल की सफाई के काम पर ही लगा देता तो बेहतर होता। तुम्हें कोई मिशन मिलने की संभावना कितनी कम है… और अगर मिल भी जाए, तो तुम मुझे अपने साथ क्यों ले जाना चाहोगे?’
‘बेशक मैं चाहूँगा कि तुम साथ आओ!’
ग्रोवर उदास होकर पानी की ओर देखने लगा। 'टोकरी बुनना... एक उपयोगी हुनर होना कितना अच्छा होता होगा।'
मैंने उसे यह कहकर दिलासा देने की कोशिश की कि उसमें बहुत सारी प्रतिभाएँ हैं, लेकिन इससे वह और भी उदास दिखने लगा। हमने कुछ देर तक नौका विहार और

तलवारबाजी के बारे में बात की, फिर विभिन्न देवताओं के गुण-दोषों पर चर्चा की। अंत में, मैंने उससे चार खाली केबिनों के बारे में पूछा।
‘आठ नंबर वाली, चांदी की कुटिया, आर्टेमिस की है,’ उसने कहा। ‘उसने हमेशा कुंवारी रहने की कसम खाई थी। इसलिए ज़ाहिर है, उसके कोई बच्चे नहीं हैं। यह कुटिया, तुम्हें पता है, मानद है। अगर उसके पास यह नहीं होती, तो वह पागल हो जाती।’
'हाँ, ठीक है। लेकिन बाकी तीन, जो अंत में हैं। क्या वे ही 'बिग थ्री' हैं?' ग्रोवर तनाव में आ गया। हम एक संवेदनशील विषय के करीब पहुँच रहे थे। 'नहीं। उनमें से एक, नंबर दो, हेरा का है,' उसने कहा। 'यह भी एक सम्मान की बात है। वह विवाह की देवी है, इसलिए ज़ाहिर है कि वह मनुष्यों के साथ संबंध नहीं रखेगी। यह उसके पति का काम है। जब हम 'बिग थ्री' कहते हैं, तो हमारा मतलब क्रोनोस के तीन शक्तिशाली पुत्रों से है।'
‘ज़्यूस, पोसीडॉन, हेड्स।’
'हाँ, ठीक है। तुम्हें पता है। टाइटन्स के साथ भीषण युद्ध के बाद, उन्होंने अपने पिता से दुनिया का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया और यह तय करने के लिए लॉटरी निकाली कि किसे क्या मिलेगा।'
मुझे याद आया, ‘ज़्यूस के पास आकाश है, पोसीडॉन के पास समुद्र और हेड्स के पास पाताल लोक।’
'अहां।'
लेकिन हेड्स की यहाँ कोई झोपड़ी नहीं है।
‘नहीं। ओलंपस पर भी उसका कोई सिंहासन नहीं है। वह तो पाताल लोक में अपनी ही मर्जी से रहता है। अगर यहाँ उसकी कोई झोपड़ी होती भी तो…’ ग्रोवर सिहर उठा। ‘खैर, यह सुखद नहीं होता। चलो इसे यहीं छोड़ देते हैं।’
लेकिन ज़्यूस और पोसीडॉन – पौराणिक कथाओं में तो उनके अनगिनत बच्चे थे। फिर उनकी झोपड़ियाँ खाली क्यों हैं?’
ग्रोवर बेचैनी से अपने खुर हिलाने लगा। 'लगभग साठ साल पहले, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, तीनों महान देवताओं ने यह तय किया कि वे अब और नायकों को जन्म नहीं देंगे। उनके बच्चे बहुत शक्तिशाली हो गए थे। वे मानव घटनाओं के क्रम को बहुत अधिक प्रभावित कर रहे थे, बहुत अधिक नरसंहार का कारण बन रहे थे। द्वितीय विश्व युद्ध, आप जानते हैं, वह मूल रूप से एक तरफ ज़्यूस और पोसीडॉन के पुत्रों और दूसरी तरफ हेड्स के पुत्रों के बीच की लड़ाई थी।

विजयी पक्ष, ज़्यूस और पोसीडॉन ने हेड्स से एक शपथ ली: नश्वर महिलाओं के साथ कोई संबंध नहीं। उन सभी ने स्टिक्स नदी पर शपथ ली।'
बिजली कड़की।
मैंने कहा, 'यह सबसे गंभीर शपथ है जो आप ले सकते हैं।'
ग्रोवर ने सिर हिलाया।
‘और भाइयों ने अपना वादा निभाया – कोई बच्चे नहीं?’
ग्रोवर का चेहरा उदास हो गया। 'सत्रह साल पहले, ज़्यूस ने शराब पीना छोड़ दिया था। एक टीवी स्टारलेट थी जिसके बाल अस्सी के दशक के स्टाइल में बड़े और घने थे - ज़्यूस खुद को रोक नहीं पाया। जब उनकी बच्ची का जन्म हुआ, थैलिया नाम की एक छोटी बच्ची... खैर, स्टिक्स नदी अपने वादे निभाने में बहुत पक्की है। ज़्यूस खुद तो बच गया क्योंकि वह अमर है, लेकिन उसने अपनी बेटी के लिए एक भयानक भाग्य को न्योता दिया।'
लेकिन यह तो उचित नहीं है! इसमें उस छोटी बच्ची की कोई गलती नहीं थी। ग्रोवर हिचकिचाया। 'पर्सी, बिग थ्री के बच्चों में अन्य हाफ-ब्लड की तुलना में कहीं अधिक शक्तियां होती हैं। उनके पास एक शक्तिशाली आभा होती है, एक ऐसी गंध जो राक्षसों को आकर्षित करती है। जब हेड्स को उस लड़की के बारे में पता चला, तो वह ज़्यूस द्वारा अपनी शपथ तोड़ने से बिल्कुल भी खुश नहीं था। हेड्स ने थालिया को सताने के लिए टार्टारस से सबसे भयानक राक्षसों को बाहर निकाल दिया। जब वह बारह साल की थी, तब एक सैटायर को उसका रक्षक नियुक्त किया गया था, लेकिन वह कुछ नहीं कर सका। उसने थालिया से दोस्ती करने वाले कुछ अन्य हाफ-ब्लड के साथ उसे यहाँ लाने की कोशिश की। वे लगभग पहुँच ही गए थे। वे उस पहाड़ी की चोटी तक पहुँच गए थे।'
उसने घाटी के उस पार, उस चीड़ के पेड़ की ओर इशारा किया जहाँ मैंने मिनोटौर से लड़ाई की थी। ‘तीनों दयालु देवता, नरक के कुत्तों के झुंड के साथ, उनके पीछे पड़े थे। वे लगभग घिर ही गए थे कि थैलिया ने अपने सैटिर को कहा कि वह बाकी दो अर्ध-रक्तों को सुरक्षित स्थान पर ले जाए, जबकि वह राक्षसों को रोके रखेगी। वह घायल और थकी हुई थी, और वह शिकार किए गए जानवर की तरह जीना नहीं चाहती थी। सैटिर उसे छोड़ना नहीं चाहता था, लेकिन वह उसका मन नहीं बदल सका, और उसे दूसरों की रक्षा करनी थी। इसलिए थैलिया ने उस पहाड़ी की चोटी पर अकेले ही अंतिम लड़ाई लड़ी। जब उसकी मृत्यु हुई, तो ज़्यूस को उस पर दया आ गई। उसने उसे उस चीड़ के पेड़ में बदल दिया। उसकी आत्मा आज भी घाटी की

सीमाओं की रक्षा करती है। इसीलिए इस पहाड़ी को अर्ध-रक्त पहाड़ी कहा जाता है।’
मैंने दूर स्थित चीड़ के पेड़ को घूर कर देखा।
कहानी ने मुझे खोखला और दोषी महसूस कराया। मेरी उम्र की एक लड़की ने अपने दोस्तों को बचाने के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। उसने राक्षसों की पूरी सेना का सामना किया था। इसके सामने मिनोटौर पर मेरी जीत कुछ भी नहीं थी। मैंने सोचा, अगर मैंने कुछ अलग किया होता, तो क्या मैं अपनी माँ को बचा सकती थी?
मैंने कहा, 'ग्रोवर, क्या सचमुच नायक पाताल लोक की यात्रा पर गए हैं?' उन्होंने कहा, 'कभी-कभी। ओर्फियस। हरक्यूलिस। हौदिनी।'
और क्या उन्होंने कभी किसी को मौत के मुंह से वापस लाया है?
नहीं। कभी नहीं। ओर्फियस करीब आ गया था... पर्सी, तुम सच में ऐसा सोच रहे हो

- '

‘नहीं,’ मैंने झूठ बोला। ‘मैं बस सोच रहा था। तो… किसी अर्धदेव की रक्षा के लिए हमेशा एक सैटायर को ही नियुक्त किया जाता है?’
ग्रोवर ने मुझे संदेह भरी निगाहों से देखा। मैं उसे यह यकीन दिलाने में कामयाब नहीं हो पाया था कि मैंने अंडरवर्ल्ड का विचार सचमुच छोड़ दिया है। 'हमेशा नहीं। हम कई स्कूलों में गुप्त रूप से जाते हैं। हम उन आधे-रक्त वाले लोगों को ढूंढने की कोशिश करते हैं जिनमें महान नायक बनने की क्षमता होती है। अगर हमें कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है जिसकी आभा बहुत प्रबल हो, जैसे कि बिग थ्री का कोई बच्चा, तो हम चिरोन को सूचित करते हैं। वह उन पर नज़र रखने की कोशिश करता है, क्योंकि वे बहुत बड़ी समस्याएँ खड़ी कर सकते हैं।' और तुमने मुझे ढूंढ लिया। चिरोन ने कहा कि तुम्हें लगा कि मैं कुछ खास हो सकता हूं।
ग्रोवर को देखकर ऐसा लगा जैसे मैंने उसे किसी जाल में फंसा दिया हो। 'मैंने... अरे, सुनो, ऐसा मत सोचो। अगर तुम होते तो – तुम्हें पता है – तुम्हें कभी भी मिशन पर जाने की इजाज़त नहीं मिलती, और मुझे कभी मेरा लाइसेंस नहीं मिलता। तुम शायद हर्मेस के बच्चे हो। या शायद नेमेसिस जैसे छोटे देवताओं में से एक, जो प्रतिशोध का देवता है। चिंता मत करो, ठीक है?' मुझे ऐसा लगा कि वह मुझे तसल्ली देने की बजाय खुद को तसल्ली दे रहा था। उस रात खाने के बाद, सामान्य से कहीं अधिक उत्साह था।

अंततः, फ्लैग कैप्चर गेम का समय आ गया था।
जब थालियाँ हटा दी गईं, तो शंख बजा और हम सभी अपनी-अपनी मेजों पर खड़े हो गए।
शिविरार्थियों ने खुशी से चिल्लाते और जयकारे लगाते हुए देखा कि एनाबेथ और उसके दो भाई-बहन रेशमी बैनर लेकर मंडप में दौड़ पड़े। यह बैनर लगभग तीन मीटर लंबा, चमकदार धूसर रंग का था, जिस पर जैतून के पेड़ के ऊपर एक उल्लू का चित्र बना हुआ था। मंडप के दूसरी ओर से, क्लारिस और उसके साथी एक और बैनर लेकर दौड़े, जो आकार में तो समान था, लेकिन चटख लाल रंग का था, जिस पर खून से सना भाला और सूअर का सिर बना हुआ था।
मैंने ल्यूक की ओर मुड़कर शोर के बीच चिल्लाकर पूछा, 'क्या ये झंडे हैं?' 'हाँ।'
‘क्या एरेस और एथेना हमेशा टीमों का नेतृत्व करते हैं?’
उन्होंने कहा, 'हमेशा नहीं। लेकिन अक्सर ऐसा होता है।'
‘तो, अगर कोई दूसरा केबिन किसी झंडे पर कब्जा कर लेता है, तो आप क्या करते हैं – झंडे को दोबारा रंगते हैं?’
वह मुस्कुराया। 'तुम्हें पता चल जाएगा। पहले हमें एक हासिल करना होगा।' हम किसके पक्ष में हैं?
उसने मुझे तिरछी नज़र से देखा, मानो उसे कुछ ऐसा पता हो जो मुझे नहीं पता। मशाल की रोशनी में उसके चेहरे पर मौजूद निशान उसे लगभग शैतानी रूप दे रहा था। 'हमने एथेना के साथ एक अस्थायी गठबंधन किया है। आज रात हम एरेस से झंडा छीन लेंगे। और तुम इसमें हमारी मदद करोगे।'
टीमों की घोषणा हो चुकी थी। एथेना ने अपोलो और हर्मीस के साथ गठबंधन किया था, जो दो सबसे बड़े केबिन थे। जाहिर तौर पर, समर्थन हासिल करने के लिए विशेषाधिकारों का सौदा किया गया था – नहाने का समय, कामों की समय सारिणी, गतिविधियों के लिए सबसे अच्छे स्लॉट।
एरेस ने डायोनिसस, डेमेटर, एफ़्रोडाइट और हेफ़ेस्टस सहित सभी के साथ गठबंधन कर लिया था। जहाँ तक मैंने देखा था, डायोनिसस के बच्चे वास्तव में अच्छे एथलीट थे, लेकिन वे केवल दो ही थे। डेमेटर के बच्चों में प्रकृति और बाहरी गतिविधियों का कौशल अधिक था, लेकिन वे ज़्यादा आक्रामक नहीं थे। एफ़्रोडाइट के बेटों और बेटियों के बारे में मुझे ज़्यादा चिंता नहीं थी। वे ज़्यादातर हर गतिविधि में भाग नहीं लेते थे, झील में अपनी परछाई देखते

थे, अपने बाल संवारते थे और गपशप करते थे। हेफ़ेस्टस के बच्चे सुंदर नहीं थे, और वे केवल चार ही थे, लेकिन धातु की दुकान में दिन भर काम करने के कारण वे बड़े और हट्टे-कट्टे थे। वे परेशानी खड़ी कर सकते थे। अब बात आती है एरेस की झोपड़ी की: लॉन्ग आइलैंड या दुनिया के किसी भी हिस्से के सबसे बड़े, सबसे बदसूरत और सबसे बदमाश बच्चों का एक दर्जन समूह।
चिरोन ने संगमरमर पर अपने खुर से जोरदार प्रहार किया।
‘वीरों!’ उसने घोषणा की। ‘आपको नियम पता हैं। नाला सीमा रेखा है। पूरा जंगल खुला मैदान है। सभी जादुई वस्तुएँ मान्य हैं। झंडा प्रमुखता से प्रदर्शित होना चाहिए और उस पर दो से अधिक रक्षक नहीं होने चाहिए। कैदियों के हथियार छीने जा सकते हैं, लेकिन उन्हें बांधा या मुंह बंद नहीं किया जा सकता। हत्या या अंगभंग करना मना है। मैं रेफरी और युद्धक्षेत्र चिकित्सक के रूप में कार्य करूंगा। हथियार उठाओ!’
उसने अपने हाथ फैलाए, और अचानक मेजें उपकरणों से भर गईं: हेलमेट, कांसे की तलवारें, भाले, धातु से लेपित बैल की खाल की ढालें।
‘अरे वाह,’ मैंने कहा। ‘क्या हमें सच में इनका इस्तेमाल करना है?’
ल्यूक ने मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे मैं पागल हो गया हूँ। 'नहीं तो केबिन नंबर पाँच में तुम्हारे दोस्त तुम्हें बुरी तरह पीटेंगे। ये लो - चिरोन को लगा कि ये ठीक रहेंगे। तुम सीमा गश्त पर जाओगे।'
मेरी ढाल एनबीए के बैकबोर्ड जितनी बड़ी थी, जिसके बीच में एक बड़ा कैड्यूसियस (तारा) बना हुआ था। इसका वज़न लगभग दस लाख पाउंड था। मैं इस पर आराम से स्नोबोर्डिंग कर सकता था, लेकिन मुझे उम्मीद थी कि कोई भी मुझसे तेज़ दौड़ने की उम्मीद नहीं करेगा। एथेना के पक्ष के सभी हेलमेटों की तरह, मेरे हेलमेट के ऊपर नीले घोड़े के बालों का एक पंख लगा हुआ था। एरेस और उनके सहयोगियों के हेलमेटों पर लाल पंख लगे हुए थे।
एनाबेथ चिल्लाई, 'नीली टीम, आगे बढ़ो!'
हमने जयकारे लगाए, अपनी तलवारें लहराईं और उसके पीछे-पीछे दक्षिण के जंगलों की ओर चल पड़े। लाल टीम के खिलाड़ी उत्तर की ओर जाते हुए हम पर ताने कसते रहे।
मैं अपने सामान से ठोकर खाए बिना एनाबेथ के पास पहुँचने में कामयाब रहा। 'हे।'
वह चलती रही।

मैंने पूछा, 'तो योजना क्या है? क्या आपके पास कोई जादुई वस्तु है जो आप मुझे उधार दे सकते हैं?'
उसका हाथ अपने आप उसकी जेब की ओर चला गया, मानो उसे डर हो कि मैंने कुछ चुरा लिया है।
‘क्लैरिस के भाले पर नज़र रखना,’ उसने कहा। ‘तुम्हारे हाथ वह नहीं लगना चाहिए। बाकी चिंता मत करो। हम एरेस से झंडा छीन लेंगे। क्या ल्यूक ने तुम्हें तुम्हारा काम सौंप दिया है?’
'सीमा गश्ती, इसका जो भी मतलब हो।'
‘यह आसान है। नाले के किनारे खड़े रहो, लाल मछलियों को दूर रखो। बाकी सब मुझ पर छोड़ दो। एथेना के पास हमेशा कोई न कोई योजना होती है।’
वह आगे बढ़ गई और मुझे पीछे छोड़ गई।
‘ठीक है,’ मैंने बुदबुदाते हुए कहा। ‘खुशी हुई कि आपने मुझे अपनी टीम में शामिल करना चाहा।’
वह एक गर्म, उमस भरी रात थी। जंगल में अंधेरा छाया हुआ था, और जुगनू कभी दिखते थे और कभी गायब हो जाते थे। एनाबेथ ने मुझे चट्टानों के ऊपर से बहती एक छोटी सी धारा के किनारे खड़ा कर दिया, फिर वह और बाकी टीम के सदस्य पेड़ों के बीच चले गए।
वहाँ अकेले खड़े होकर, अपने बड़े नीले पंखों वाले हेलमेट और विशाल ढाल के साथ, मैं खुद को मूर्ख महसूस कर रहा था। कांस्य की तलवार, अब तक आजमाई गई सभी तलवारों की तरह, असंतुलित लग रही थी। चमड़े की मूठ मेरे हाथ को ऐसे खींच रही थी जैसे कोई गेंद।
ऐसा हो ही नहीं सकता कि कोई मुझ पर हमला करे, है ना? मेरा मतलब है, ओलंपस के पास तो कानूनी जवाबदेही के मुद्दे होंगे ही, है ना?
दूर कहीं शंख की आवाज़ गूंजी। मुझे जंगल में चीख-पुकार, धातु के टकराने की आवाज़ और बच्चों के लड़ने की आवाज़ सुनाई दी। अपोलो का नीले पंखों वाला एक साथी हिरण की तरह मेरे पास से तेज़ी से भागा, नाले को पार किया और दुश्मन के इलाके में गायब हो गया।
बहुत खूब, मैंने सोचा। हमेशा की तरह, मुझे सारी मस्ती की कमी खलेगी।
तभी मुझे एक ऐसी आवाज सुनाई दी जिससे मेरी रीढ़ की हड्डी में सिहरन दौड़ गई, कहीं पास ही से एक कुत्ते की धीमी गुर्राहट की आवाज आई।

मैंने सहज ही अपनी ढाल उठा ली; मुझे ऐसा महसूस हुआ कि कोई मेरा पीछा कर रहा है।
फिर गुर्राहट बंद हो गई। मुझे लगा कि कोई उपस्थिति मुझसे दूर जा रही है।
नदी के दूसरी ओर, झाड़ियाँ अचानक हिल उठीं। अँधेरे से चीखते-चिल्लाते पाँच एरेस योद्धा बाहर आए।
'उस बदमाश को मारो!' क्लारिस चिल्लाई।
उसके हेलमेट की दरारों से उसकी बदसूरत सूअर जैसी आँखें झाँक रही थीं। उसने दो मीटर लंबा भाला लहराया, जिसका नुकीला धातु का सिरा लाल रोशनी से जगमगा रहा था। उसके भाई-बहनों के पास तो केवल आम कांस्य की तलवारें थीं – हालाँकि इससे मुझे कोई बेहतर महसूस नहीं हुआ।
वे नदी पार करके दौड़ पड़े। दूर-दूर तक कोई मदद नज़र नहीं आ रही थी। मैं भाग सकता था। या फिर मैं एरेस के आधे केबिन के लोगों से अपना बचाव कर सकता था।
मैं किसी तरह पहले बच्चे के वार से बच गया, लेकिन ये लोग मिनोटॉर जितने बेवकूफ नहीं थे। उन्होंने मुझे घेर लिया और क्लैरिस ने अपने भाले से मुझ पर वार किया। मेरी ढाल ने भाले की नोक को रोक दिया, लेकिन मेरे पूरे शरीर में तेज़ दर्द होने लगा। मेरे रोंगटे खड़े हो गए। मेरी ढाल वाली भुजा सुन्न पड़ गई और हवा भी गर्म लगने लगी।
बिजली। उसका बेवकूफी भरा भाला बिजली से चलता था। मैं पीछे गिर गया।
एक अन्य एरेस नामक व्यक्ति ने अपनी तलवार के पिछले हिस्से से मेरी छाती पर जोरदार प्रहार किया और मैं जमीन पर गिर गया।
वे मुझे पीट-पीटकर अधमरा कर सकते थे, लेकिन वे हंसने में इतने व्यस्त थे कि कुछ और नहीं कर पाए।
'उसके बाल काट दो,' क्लैरिस ने कहा। 'उसके बाल पकड़ो।'
मैं किसी तरह उठ खड़ा हुआ। मैंने अपनी तलवार उठाई, लेकिन क्लैरिस ने अपने भाले से उसे जोरदार झटका दिया और चिंगारियां उड़ने लगीं। अब मेरी दोनों भुजाएं सुन्न हो गई थीं।
‘ओह, वाह,’ क्लैरिस ने कहा। ‘मैं इस आदमी से डरती हूँ। सचमुच बहुत डरती हूँ।’ मैंने उससे कहा, 'झंडा उस तरफ है।' मैं गुस्से में बोलना चाहता था, लेकिन मुझे डर था कि मेरी आवाज़ वैसी नहीं निकली।

‘हाँ,’ उसके भाई-बहनों में से एक ने कहा। ‘लेकिन देखो, हमें झंडे की परवाह नहीं है। हमें उस आदमी की परवाह है जिसने हमारी झोपड़ी को बेवकूफी भरा बना दिया।’
मैंने उनसे कहा, 'तुम ये मेरे बिना ही कर लो।' शायद ये कहना समझदारी की बात नहीं थी।
उनमें से दो मुझ पर हमला करने आए। मैं नाले की तरफ पीछे हट गया, अपनी ढाल उठाने की कोशिश की, लेकिन क्लैरिस बहुत तेज़ थी। उसका भाला सीधे मेरी पसलियों में जा लगा। अगर मैंने कवच न पहना होता, तो मैं टुकड़े-टुकड़े हो जाता। वैसे भी, भाले की नोक से इतना झटका लगा कि मेरे दांत लगभग मुंह से बाहर निकल गए। उसके एक साथी ने अपनी तलवार से मेरी बांह पर वार किया, जिससे एक गहरा घाव हो गया।
अपना ही खून देखकर मुझे चक्कर आने लगा, साथ ही साथ गर्मी और ठंडक भी महसूस हुई।
मैंने किसी तरह कहा, 'कोई अंग-भंग नहीं होना चाहिए।'
‘ओह,’ उस आदमी ने कहा। ‘लगता है मुझे मिठाई खाने का अधिकार खोना पड़ा।’ उसने मुझे नाले में धक्का दे दिया और मैं छप-छप करते हुए गिरा। सब हंसने लगे। मुझे लगा कि जैसे ही उनका मज़ाक बंद होगा, मैं मर जाऊंगा। लेकिन फिर कुछ हुआ। पानी ने मानो मेरी इंद्रियों को जगा दिया, जैसे मैंने अभी-अभी अपनी माँ की डबल एस्प्रेसो जेली बीन्स का पूरा पैकेट खा लिया हो। क्लैरिस और उसके साथी मुझे लेने के लिए नाले में आए, लेकिन मैं उनका सामना करने के लिए वहीं खड़ा रहा। मुझे पता था कि क्या करना है। मैंने अपनी तलवार के सपाट हिस्से से पहले आदमी के सिर पर वार किया और उसका हेलमेट उतार फेंका। मैंने उसे इतनी ज़ोर से मारा कि पानी में गिरते समय उसकी आँखें काँपती हुई दिखाई दीं।
बदसूरत नंबर दो और बदसूरत नंबर तीन मेरी ओर दौड़े। मैंने एक के चेहरे पर अपनी ढाल से वार किया और दूसरे के सिर पर लगी घोड़े के बालों की कलगी को तलवार से काट डाला। दोनों तुरंत पीछे हट गए। बदसूरत नंबर चार हमला करने के लिए ज्यादा उत्सुक नहीं लग रहा था, लेकिन क्लारिस लगातार आगे बढ़ती रही, उसके भाले की नोक ऊर्जा से भरी हुई थी। जैसे ही उसने वार किया, मैंने भाले के डंडे को अपनी ढाल और तलवार के बीच फंसा लिया और उसे एक टहनी की तरह तोड़ दिया।

‘आह!’ वह चीखी। ‘तुम मूर्ख! तुम मुर्दा-सांस वाले कीड़े!’
वह शायद और भी बुरी बातें कहती, लेकिन मैंने अपनी तलवार के पिछले हिस्से से उसकी आंखों के बीचोंबीच जोरदार प्रहार किया और उसे नाले से बाहर धकेल दिया, जिससे वह पीछे की ओर लड़खड़ा गई।
फिर मैंने चीख-पुकार सुनी, खुशी से भरी चीखें, और मैंने देखा कि ल्यूक लाल टीम का झंडा ऊँचा उठाए सीमा रेखा की ओर दौड़ रहा है। उसके साथ कुछ हर्मेस के साथी उसकी वापसी में सुरक्षा दे रहे थे और उनके पीछे कुछ अपोलोस थे, जो हेफेस्टस के बच्चों से लड़ रहे थे। एरेस के लोग उठ खड़े हुए, और क्लारिस ने स्तब्ध होकर बड़बड़ाते हुए कुछ अपशब्द कहे।
‘एक चाल!’ वह चिल्लाई। ‘यह एक चाल थी।’
वे लड़खड़ाते हुए ल्यूक के पीछे भागे, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। जैसे ही ल्यूक दौड़कर सुरक्षित इलाके में पहुँचा, सब लोग नाले की ओर उमड़ पड़े। हमारी तरफ के लोग खुशी से झूम उठे। लाल झंडा चमक उठा और चाँदी जैसा हो गया।
सूअर और भाले की जगह केबिन ग्यारह का प्रतीक, एक विशाल कैडूसियस (एक प्रकार का मुकुट) आ गया। नीली टीम के सभी लोगों ने ल्यूक को उठाया और उसे अपने कंधों पर लेकर घूमने लगे। चिरोन जंगल से बाहर आया और शंख बजाया।
खेल खत्म हो गया था। हम जीत गए थे।
मैं जश्न में शामिल होने ही वाला था कि तभी मेरे ठीक बगल में नाले में एनाबेथ की आवाज आई, 'बुरा नहीं, हीरो।'
मैंने देखा, लेकिन वह वहां नहीं थी।
‘तुमने इस तरह लड़ना कहाँ से सीखा?’ उसने पूछा। हवा में एक झिलमिलाहट हुई और वह प्रकट हो उठी, मानो उसने अभी-अभी अपने सिर से एक यांकीज़ बेसबॉल कैप उतारी हो।
मुझे गुस्सा आने लगा। मुझे इस बात से ज़रा भी फ़र्क नहीं पड़ा कि वह कुछ देर के लिए गायब हो गई थी। मैंने कहा, 'तुमने मुझे फंसाया है। तुमने मुझे यहाँ इसलिए रखा क्योंकि तुम्हें पता था कि क्लैरिस मेरे पीछे आएगी, जबकि तुमने ल्यूक को किनारे से भेजा। तुमने सब कुछ सोच-समझकर किया था।' एनाबेथ ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'मैंने तुमसे कहा था। एथेना के पास हमेशा कोई न कोई योजना होती है।'
'मुझे चूर-चूर करने की योजना।'

‘मैं जितनी जल्दी हो सके आई। मैं कूदने ही वाली थी, लेकिन…’ उसने कंधे उचकाते हुए कहा। ‘तुम्हें मदद की ज़रूरत नहीं थी।’
फिर उसने मेरी घायल बांह देखी। 'यह कैसे हुआ?'
मैंने कहा, 'तलवार से कटा हुआ।' 'आप क्या सोचते हैं?'
नहीं। यह तलवार का घाव है। इसे देखो।
खून सूख चुका था। जहाँ गहरा घाव था, वहाँ एक लंबा सफेद निशान था, और वह भी धीरे-धीरे मिट रहा था। मेरी नज़रों के सामने, वह एक छोटे से निशान में बदल गया और गायब हो गया।
मैंने कहा, 'मुझे समझ नहीं आ रहा है।'
एनाबेथ गहरी सोच में डूबी हुई थी। मुझे लगभग उसके दिमाग में विचार चल रहे थे। उसने मेरे पैरों की तरफ देखा, फिर क्लैरिस के टूटे हुए भाले की तरफ, और बोली, 'पानी से बाहर निकलो, पर्सी।'
'क्या -'
'इसे कर ही डालो।'
नदी से बाहर निकलते ही मुझे तुरंत बहुत थकान महसूस हुई। मेरी बाहें फिर से सुन्न होने लगीं। मेरा एड्रेनालिन का स्तर गिर पड़ा। मैं लगभग गिर ही गया था, लेकिन एनाबेथ ने मुझे संभाल लिया।
‘ओह, स्टिक्स,’ उसने शाप दिया। ‘यह अच्छा नहीं है। मैं नहीं चाहती थी… मुझे लगा था कि यह ज़्यूस होगा…’
इससे पहले कि मैं उससे पूछ पाती कि उसका क्या मतलब है, मुझे फिर से उस कुत्ते की गुर्राहट सुनाई दी, लेकिन इस बार पहले से कहीं ज़्यादा नज़दीक। एक चीख जंगल में गूंज उठी।
शिविरार्थियों का जयकारा तुरंत थम गया। चिरोन ने प्राचीन यूनानी भाषा में कुछ कहा, जिसे बाद में मुझे एहसास हुआ कि मैं पूरी तरह समझ गया था: 'तैयार रहो! मेरा धनुष!'
एनाबेथ ने अपनी तलवार निकाली।
हमारे ठीक ऊपर चट्टानों पर एक गैंडे के आकार का काला शिकारी कुत्ता था, जिसकी आंखें लावा-लाल थीं और दांत खंजर जैसे नुकीले थे।
वह सीधे मेरी तरफ देख रहा था।
एनाबेथ के अलावा कोई नहीं हिला, एनाबेथ चिल्लाई, 'पर्सी, भागो!'

उसने मेरे आगे आने की कोशिश की, लेकिन कुत्ता बहुत तेज़ था। वह उसके ऊपर से छलांग लगाकर निकल गया – दाँतों वाली एक विशालकाय परछाई – और जैसे ही वह मुझ पर गिरा, मैं पीछे की ओर लड़खड़ा गया और उसके नुकीले पंजों को अपने कवच को चीरते हुए महसूस किया, तभी ज़ोरदार आवाज़ों की एक श्रृंखला सुनाई दी, मानो चालीस कागज़ के टुकड़े एक के बाद एक फट रहे हों। कुत्ते की गर्दन से तीरों का एक गुच्छा निकला। वह राक्षस मेरे पैरों के पास गिरकर मर गया।
किसी चमत्कार से मैं अभी भी ज़िंदा था। मैं अपने फटे-पुराने कवच के मलबे के नीचे नहीं देखना चाहता था। मेरी छाती गर्म और गीली महसूस हो रही थी, और मैं जानता था कि मुझे बुरी तरह चोट लगी है। एक और पल, और वह राक्षस मुझे पचास किलो के स्वादिष्ट मांस में बदल देता।
काइरन हमारे बगल में आकर खड़ा हो गया, उसके हाथ में धनुष था और उसका चेहरा गंभीर था।
‘डी इमोर्टल्स,’ एनाबेथ ने कहा। ‘यह दंड के मैदानों का एक नरक का कुत्ता है। वे ऐसा नहीं करते… उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए…’
‘किसी ने इसे बुलाया है,’ चिरोन ने कहा। ‘शिविर के अंदर किसी ने।’
ल्यूक आया, उसके हाथ में झंडा था जिसे वह भूल चुका था, उसके गौरव का क्षण बीत चुका था।
क्लैरिस चिल्लाई, 'यह सब पर्सी की गलती है! पर्सी ने ही इसे बुलाया था!' ‘चुप रहो, बच्ची,’ चिरोन ने उससे कहा।
हमने नरक के कुत्ते के शरीर को छाया में घुलते हुए देखा, वह धीरे-धीरे जमीन में समाता गया जब तक कि वह गायब नहीं हो गया।
‘तुम्हें चोट लगी है,’ एनाबेथ ने मुझसे कहा। ‘जल्दी करो, पर्सी, पानी में जाओ।’
मैं ठीक हूँ।
‘नहीं, तुम नहीं हो,’ उसने कहा। ‘चिरोन, यह देखो।’
मैं बहस करने के लिए बहुत थक गया था। मैं वापस नाले में उतर गया, और पूरा शिविर मेरे चारों ओर इकट्ठा हो गया।
तुरंत ही मुझे बेहतर महसूस होने लगा। मुझे अपनी छाती पर लगे घाव भरते हुए महसूस होने लगे। शिविर में मौजूद कुछ लोग चौंक गए।
‘देखो, मुझे नहीं पता क्यों,’ मैंने माफी मांगने की कोशिश करते हुए कहा।
‘मुझे खेद है…’

लेकिन वे मेरे घावों को ठीक होते हुए नहीं देख रहे थे। वे मेरे सिर के ऊपर किसी चीज़ को घूर रहे थे।
‘पर्सी,’ एनाबेथ ने इशारा करते हुए कहा। ‘उम…’
जब तक मैंने ऊपर देखा, तब तक चिन्ह धुंधला पड़ चुका था, लेकिन फिर भी मुझे हरे प्रकाश का घूमता और चमकता हुआ होलोग्राम दिखाई दे रहा था। एक तीन नोक वाला भाला: एक त्रिशूल।
‘तुम्हारे पिता,’ एनाबेथ ने धीरे से कहा। ‘यह वाकई अच्छा नहीं है।’
'यह तय हो चुका है,' चिरोन ने घोषणा की।
मेरे चारों ओर शिविर में रहने वाले लोग घुटने टेकने लगे, यहां तक कि एरेस केबिन में रहने वाले भी, हालांकि वे इससे खुश नहीं दिख रहे थे।
‘मेरे पिता?’ मैंने पूरी तरह से अचंभित होकर पूछा।
‘पोसाइडन,’ चिरोन ने कहा। ‘धरती को हिला देने वाले, तूफान लाने वाले, घोड़ों के पिता। जय हो, पर्सियस जैक्सन, समुद्र के देवता के पुत्र।’

9 मुझे एक खोज सौंपी गई है

अगली सुबह, चिरोन ने मुझे केबिन नंबर तीन में स्थानांतरित कर दिया। मुझे किसी के साथ कुछ भी साझा नहीं करना पड़ता था। मेरे पास अपने सारे सामान के लिए पर्याप्त जगह थी: मिनोटौर का सींग, एक जोड़ी अतिरिक्त कपड़े और एक टॉयलेट्री बैग। मुझे अपनी खुद की डाइनिंग टेबल पर बैठने, अपनी पसंद की गतिविधियाँ चुनने, जब मन करे तब 'लाइट बंद' करने और किसी की बात न सुनने का अधिकार था।
और मैं बेहद दुखी था।
जब मुझे यह महसूस होने लगा था कि मुझे स्वीकार कर लिया गया है, मुझे केबिन ग्यारह में अपना घर मिल गया है और मैं एक सामान्य बच्चा हो सकता हूँ - या जितना सामान्य कोई आधा-रक्त वाला व्यक्ति हो सकता है - तभी मुझे अलग कर दिया गया जैसे कि मुझे कोई दुर्लभ बीमारी हो।
किसी ने भी उस नरक के कुत्ते का ज़िक्र नहीं किया, लेकिन मुझे ऐसा लग रहा था कि सब मेरे पीठ पीछे उसी के बारे में बात कर रहे थे। उस हमले ने सबको डरा दिया था। इससे दो संदेश मिले: पहला, कि मैं समुद्र देवता का पुत्र हूँ; और दूसरा, कि राक्षस मुझे मारने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। वे उस शिविर पर भी हमला कर सकते हैं जिसे हमेशा सुरक्षित माना जाता था।
बाकी शिविरार्थी मुझसे यथासंभव दूर रहते थे। जंगल में मैंने एरेस के लोगों के साथ जो किया था, उसके बाद केबिन ग्यारह के सभी लोग मेरे साथ तलवारबाजी का अभ्यास करने से घबरा रहे थे, इसलिए ल्यूक के साथ मेरी कक्षाएं एक-एक करके होने लगीं। उसने मुझे पहले से कहीं अधिक कठिन प्रशिक्षण दिया और इस प्रक्रिया में मुझे चोट पहुँचाने से भी नहीं डरा। जब हम तलवारों और जलती हुई मशालों के साथ अभ्यास कर रहे थे, तब उन्होंने वादा किया, 'तुम्हें जितना हो सके उतना प्रशिक्षण लेना होगा। अब चलो उस सांप का सिर काटने वाले वार को फिर से आजमाते हैं। पचास बार और।'
एनाबेथ अब भी मुझे सुबह ग्रीक पढ़ाती थी, लेकिन वह कुछ खोई-खोई सी लगती थी। जब भी मैं कुछ कहता, वह मुझे ऐसे घूरती जैसे मैंने उसकी आँखों में उंगली डाल दी हो।

क्लास खत्म होने के बाद, वह खुद से बुदबुदाते हुए चली जाती: 'क्वेस्ट... पोसीडॉन?... गंदा सड़ा हुआ... कोई योजना बनानी होगी...'
क्लैरिस ने भी मुझसे दूरी बनाए रखी, हालाँकि उसकी गुस्से भरी निगाहों से साफ था कि वह मेरा जादुई भाला तोड़ने के लिए मुझे जान से मार देना चाहती थी। काश वह मुझ पर चिल्लाती या मुझे घूंसा मारती या कुछ और करती। मुझे नज़रअंदाज़ किए जाने से बेहतर तो हर दिन लड़ाई करना ही था।
मुझे पता था कि कैंप में कोई मुझसे नाराज़ है, क्योंकि एक रात जब मैं अपने केबिन में आया तो दरवाजे के अंदर एक अखबार पड़ा मिला, न्यूयॉर्क डेली न्यूज़, जो मेट्रो पेज पर खुला हुआ था। लेख पढ़ने में मुझे लगभग एक घंटा लग गया, क्योंकि जैसे-जैसे मेरा गुस्सा बढ़ता गया, पन्ने पर शब्द और भी ज़्यादा उड़ने लगे।
एलीन स्माइथ द्वारा लिखित: रहस्यमय कार दुर्घटना के बाद बेटा और मां अभी भी लापता हैं। सैली जैक्सन और उनके बेटे पर्सी के रहस्यमय ढंग से लापता होने के एक सप्ताह बाद भी वे लापता हैं। परिवार की बुरी तरह जली हुई 1978 मॉडल की कैमारो कार पिछले शनिवार को उत्तरी लॉन्ग आइलैंड की एक सड़क पर मिली, जिसकी छत उखड़ी हुई थी और आगे का एक्सल टूटा हुआ था। कार पलट गई थी और विस्फोट होने से पहले कई सौ मीटर तक फिसलती रही थी। मां और बेटा सप्ताहांत की छुट्टियां मनाने मोंटॉक गए थे, लेकिन रहस्यमय परिस्थितियों में जल्दबाजी में वहां से निकल गए। कार में और दुर्घटनास्थल के पास खून के कुछ निशान मिले, लेकिन लापता जैक्सन परिवार का कोई और सुराग नहीं मिला। ग्रामीण इलाके के निवासियों ने दुर्घटना के समय के आसपास कुछ भी असामान्य नहीं देखा। सुश्री जैक्सन के पति, गेब उग्लियानो का दावा है कि उनका सौतेला बेटा, पर्सी जैक्सन, एक परेशान बच्चा है जिसे कई बोर्डिंग स्कूलों से निकाल दिया गया है और उसने अतीत में हिंसक प्रवृत्ति दिखाई है। पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या बेटा पर्सी अपनी मां के लापता होने के मामले में संदिग्ध है, लेकिन उन्होंने किसी साजिश की संभावना से इनकार नहीं किया है। नीचे सैली जैक्सन और पर्सी की हाल की तस्वीरें हैं। पुलिस जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से निम्नलिखित टोल-फ्री क्राइम-स्टॉपर्स हॉटलाइन पर कॉल करने का आग्रह करती है।
फोन नंबर को काले मार्कर से घेरा गया था।

मैंने कागज को मोड़कर फेंक दिया, फिर अपने खाली केबिन के बीच में बने बंक बेड पर लेट गया।
मैंने दुखी मन से खुद से कहा, 'अब बत्ती बंद करो।'
उस रात मुझे अब तक का सबसे बुरा सपना आया।
मैं तूफ़ान में समुद्र तट पर दौड़ रहा था। इस बार मेरे पीछे एक शहर था। न्यूयॉर्क नहीं। उसका फैलाव अलग था: इमारतें दूर-दूर फैली हुई थीं, दूर-दूर तक ताड़ के पेड़ और छोटी पहाड़ियाँ दिखाई दे रही थीं।
समुद्र तट से लगभग सौ मीटर दूर, दो आदमी आपस में लड़ रहे थे। वे टीवी पर दिखने वाले पहलवानों जैसे लग रहे थे, तगड़े शरीर वाले, दाढ़ी वाले और लंबे बालों वाले। दोनों ने ढीले-ढाले ग्रीक वस्त्र पहने थे, एक पर नीली किनारी थी, दूसरे पर हरी। वे एक-दूसरे से भिड़ रहे थे, कुश्ती कर रहे थे, लात मार रहे थे और सिर से टक्कर मार रहे थे, और हर बार जब वे एक-दूसरे से टकराते, बिजली चमकती, आसमान गहरा होता जाता और हवा तेज़ हो जाती।
मुझे उन्हें रोकना ही था। मुझे पता नहीं क्यों। लेकिन मैं जितनी तेज़ी से दौड़ता, हवा मुझे उतना ही पीछे धकेलती, यहाँ तक कि मैं एक ही जगह पर दौड़ने लगा, मेरी एड़ियाँ रेत में बेकार ही धंसती रहीं।
तूफान की गर्जना के बीच, मैं नीले वस्त्रधारी को हरे वस्त्रधारी पर चिल्लाते हुए सुन सकता था, "इसे वापस दो! इसे वापस दो!" जैसे कोई छोटा बच्चा खिलौने के लिए लड़ रहा हो।
लहरें और बड़ी होती गईं, समुद्र तट से टकराती रहीं और मुझ पर नमक के छींटे मारती रहीं।
मैंने चिल्लाकर कहा, रुक जाओ! लड़ना बंद करो!
धरती कांप उठी। धरती के नीचे से कहीं से हंसी की आवाज आई, और एक ऐसी गहरी और भयावह आवाज जिसने मेरे खून को जमा दिया।
‘नीचे आओ, नन्हे हीरो,’ आवाज ने मधुर स्वर में कहा। ‘नीचे आओ!’
मेरे पैरों तले रेत फट गई और धरती के केंद्र तक सीधी एक दरार खुल गई। मेरे पैर फिसल गए और अंधेरा मुझे निगल गया।
मैं जाग गया, मुझे पूरा यकीन था कि मैं गिर रहा हूँ।
मैं अब भी केबिन नंबर तीन में बिस्तर पर थी। मेरा शरीर बता रहा था कि सुबह हो गई है, लेकिन बाहर अंधेरा था और पहाड़ियों पर गरज सुनाई दे रही थी।
तूफान आने वाला था। मैंने ऐसा सपना नहीं देखा था।

मुझे दरवाजे पर खटखटाहट की आवाज सुनाई दी, जैसे कोई खुर दहलीज पर दस्तक दे रहा हो।
'अंदर आएं।'
ग्रोवर चिंतित दिखते हुए अंदर भागा। 'मिस्टर डी आपसे मिलना चाहते हैं।' 'क्यों?'
‘वह मारना चाहता है… मेरा मतलब है, बेहतर होगा कि मैं उसे ही आपको बताने दूं।’
घबराते हुए मैंने कपड़े पहने और उनके पीछे-पीछे चल दिया, मुझे पूरा यकीन था कि मैं बहुत बड़ी मुसीबत में फंस गया हूँ।
कई दिनों से मुझे लगभग यही आशंका सता रही थी कि मुझे नरक में बुलाया जाएगा। अब जब मुझे पोसीडॉन का पुत्र घोषित कर दिया गया था, जो तीन महान देवताओं में से एक है और जिनके बच्चे नहीं होने चाहिए थे, तो मुझे लगा कि मेरा जीवित रहना ही एक अपराध है। बाकी देवता शायद मेरे अस्तित्व के लिए मुझे दंडित करने के सर्वोत्तम तरीके पर विचार कर रहे थे, और अब श्रीमान डी अपना फैसला सुनाने के लिए तैयार थे।
लॉन्ग आइलैंड साउंड के ऊपर, आसमान उबलते हुए स्याही के सूप जैसा लग रहा था। बारिश की एक धुंधली चादर हमारी ओर बढ़ रही थी। मैंने ग्रोवर से पूछा कि क्या हमें छाते की ज़रूरत है।
‘नहीं,’ उसने कहा। ‘यहाँ कभी बारिश नहीं होती जब तक हम न चाहें।’
मैंने तूफान की ओर इशारा करते हुए पूछा, 'आखिर ये है क्या?'
उसने बेचैनी से आसमान की ओर देखा। 'यह हमारे आसपास से गुजर जाएगा। खराब मौसम हमेशा गुजर जाता है।'
मुझे एहसास हुआ कि वह सही कह रहा था। यहाँ आए हुए एक सप्ताह में आसमान में एक बार भी बादल नहीं छाए थे। मैंने जो कुछ बारिश के बादल देखे थे, वे घाटी के किनारों से होकर गुजरे थे।
लेकिन यह तूफान… यह तो बहुत ही भयानक था।
वॉलीबॉल के मैदान में, अपोलो की कुटिया के बच्चे सैटायरों के खिलाफ सुबह का खेल खेल रहे थे। डायोनिसस के जुड़वां बच्चे स्ट्रॉबेरी के खेतों में घूम रहे थे और पौधों को उगा रहे थे। हर कोई अपने-अपने काम में लगा हुआ था, लेकिन वे तनावग्रस्त दिख रहे थे। उनकी निगाहें तूफान पर टिकी हुई थीं।

ग्रोवर और मैं बिग हाउस के सामने वाले बरामदे तक गए। डायोनिसस अपनी बाघ-धारीदार हवाईयन कमीज़ पहने, डाइट कोक के साथ पिनोकल टेबल पर बैठे थे, ठीक वैसे ही जैसे मेरे पहले दिन बैठे थे। काइरन टेबल के दूसरी ओर अपनी नकली व्हीलचेयर पर बैठे थे। वे अदृश्य विरोधियों के खिलाफ खेल रहे थे - हवा में तैरते ताश के पत्तों के दो सेट।
‘वाह वाह,’ श्री डी ने बिना ऊपर देखे कहा। ‘हमारी छोटी सी सेलिब्रिटी।’ मैंने इंतजार किया।
'पास आओ,' मिस्टर डी ने कहा। 'और यह उम्मीद मत करो कि मैं तुम्हारे सामने सिर झुकाऊँगा, हे नश्वर प्राणी, सिर्फ इसलिए कि बूढ़ा बार्नेकल-बियर्ड तुम्हारा पिता है।'
बादलों के बीच बिजली की एक लकीर कौंधी। गरज से घर की खिड़कियां हिल गईं। ‘ब्लाह, ब्लाह, ब्लाह,’ डायोनिसस ने कहा।
चिरोन ने पिनोकल कार्डों में दिलचस्पी दिखाने का नाटक किया। ग्रोवर रेलिंग के पास दुबका हुआ था, उसके खुर आगे-पीछे बज रहे थे।
‘अगर मेरा बस चलता,’ डायोनिसस ने कहा, ‘तो मैं तुम्हारे अणुओं को आग में झुलसा देता। हम राख को साफ कर देते और बहुत सारी मुसीबतों से छुटकारा पा लेते। लेकिन चिरोन को लगता है कि यह इस शापित शिविर में मेरे मिशन के खिलाफ होगा: तुम नन्हे शैतानों को नुकसान से बचाना।’
'स्वयंस्फूर्त दहन एक प्रकार का नुकसान है, श्रीमान डी,' चिरोन ने कहा। ‘बकवास,’ डायोनिसस ने कहा। ‘लड़के को कुछ भी महसूस नहीं होगा। फिर भी, मैंने खुद को संयमित रखने का फैसला किया है। मैं सोच रहा हूँ कि तुम्हें डॉल्फ़िन में बदल दूँ और तुम्हारे पिता के पास वापस भेज दूँ।’
‘श्रीमान डी –’ चिरोन ने चेतावनी दी।
‘अच्छा, ठीक है,’ डायोनिसस मान गया। ‘एक और विकल्प है। लेकिन यह सरासर मूर्खता है।’ डायोनिसस उठा, और अदृश्य खिलाड़ियों के पत्ते मेज पर गिर पड़े। ‘मैं आपातकालीन बैठक के लिए ओलंपस जा रहा हूँ। अगर मेरे लौटने पर वह लड़का अभी भी यहाँ है, तो मैं उसे अटलांटिक बॉटल नोज सांप में बदल दूँगा। समझे? और पर्सियस जैक्सन, अगर तुम थोड़े भी समझदार हो, तो तुम समझ जाओगे कि यह काइरन के कहने से कहीं ज़्यादा समझदारी भरा विकल्प है।’

डायोनिसस ने एक ताश का पत्ता उठाया, उसे घुमाया और वह एक प्लास्टिक का आयताकार टुकड़ा बन गया। क्या यह क्रेडिट कार्ड था? नहीं। यह एक सुरक्षा पास था।
उसने उंगलियां चटकाईं।
उसके चारों ओर हवा मानो सिमटकर मुड़ने लगी। वह एक होलोग्राम बन गया, फिर हवा में घुल गया, और फिर गायब हो गया, बस ताजे निचोड़े हुए अंगूरों की महक पीछे रह गई।
चिरोन ने मेरी तरफ मुस्कुराया, लेकिन वह थका हुआ और तनावग्रस्त लग रहा था।
'बैठो, पर्सी, कृपया। और ग्रोवर भी।'
हमने किया।
चिरोन ने अपने सारे पत्ते खोल दिए, एक ऐसा विजयी दांव जिसे वह इस्तेमाल नहीं कर पाया था।
‘मुझे बताओ, पर्सी,’ उसने कहा। ‘उस नरक के कुत्ते के बारे में तुम्हारा क्या विचार है?’
सिर्फ नाम सुनते ही मुझे कंपकंपी आ गई।
चिरोन शायद चाहता था कि मैं कहूँ, अरे, कुछ नहीं था। मैं तो नाश्ते में नरक के कुत्ते खाता हूँ। लेकिन मुझे झूठ बोलने का मन नहीं था।
मैंने कहा, 'मुझे डर लग गया था। अगर तुमने उसे गोली न मारी होती, तो मैं मर चुका होता।'
'पर्सी, तुम्हें इससे भी बुरी परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। बहुत बुरी परिस्थितियों का, तुम्हारे जीवन के अंत से पहले।'
‘क्या काम पूरा हो गया?’
'आपकी खोज, बिल्कुल। क्या आप इसे स्वीकार करेंगे?'
मैंने ग्रोवर की ओर देखा, जो अपनी उंगलियां क्रॉस करके बैठा था।
‘उम, महोदय,’ मैंने कहा, ‘आपने अभी तक मुझे यह नहीं बताया है कि यह क्या है।’ चिरोन ने मुंह बनाया। 'खैर, यही तो मुश्किल हिस्सा है, बारीकियां।'
घाटी में गरज की आवाज गूंज उठी। तूफानी बादल अब समुद्र तट तक पहुंच चुके थे। जहां तक मेरी नजर जा रही थी, आकाश और समुद्र एक साथ उबल रहे थे। मैंने कहा, 'पोसाइडन और ज़्यूस। वे किसी कीमती चीज़ के लिए लड़ रहे हैं... कोई ऐसी चीज़ जो चोरी हो गई है, है ना?'
चिरोन और ग्रोवर ने एक-दूसरे की ओर देखा।

चिरोन अपनी व्हीलचेयर में आगे की ओर झुक गया। 'तुम्हें यह कैसे पता चला?' मेरा चेहरा गर्म हो गया था। काश मैंने ये सब न बोला होता। 'क्रिसमस के बाद से मौसम अजीब सा हो गया है, जैसे समुद्र और आसमान आपस में लड़ रहे हों। फिर मैंने एनाबेथ से बात की, और उसने चोरी के बारे में कुछ सुना था। और... मुझे ये सपने भी आ रहे हैं।'
'मुझे पता था,' ग्रोवर ने कहा।
'चुप रहो, सैटिर,' चिरोन ने आदेश दिया।
‘लेकिन यह तो उसकी खोज है!’ ग्रोवर की आँखें उत्साह से चमक उठीं। ‘ज़रूर वही होगा!’
‘केवल ओरेकल ही बता सकता है।’ चिरोन ने अपनी घनी दाढ़ी सहलाई। ‘फिर भी, पर्सी, तुम सही हो। तुम्हारे पिता और ज़्यूस के बीच सदियों का सबसे भयंकर झगड़ा चल रहा है। वे किसी चोरी हुई कीमती चीज़ को लेकर लड़ रहे हैं। सटीक कहें तो: एक बिजली का बोल्ट।’
मैं घबराकर हँस पड़ा। 'क्या?'
‘इसे हल्के में मत लो,’ चिरोन ने चेतावनी दी। ‘मैं किसी दूसरी कक्षा के नाटक में दिखने वाले एल्युमीनियम फॉयल से ढके टेढ़े-मेढ़े दृश्य की बात नहीं कर रहा हूँ। मैं दो फुट लंबे, उच्च श्रेणी के दिव्य कांस्य से बने एक सिलेंडर की बात कर रहा हूँ, जिसके दोनों सिरों पर ईश्वर-स्तरीय विस्फोटक लगे हैं।’ 'ओह।'
‘ज़्यूस का महाशक्तिशाली वज्र,’ चिरोन ने उत्तेजित होते हुए कहा। ‘उसकी शक्ति का प्रतीक, जिससे अन्य सभी वज्रपात प्रेरित हैं। टाइटन्स के विरुद्ध युद्ध के लिए साइक्लोप्स द्वारा बनाया गया पहला हथियार, वह वज्रपात जिसने माउंट एटना की चोटी को चीर डाला और क्रोनोस को उसके सिंहासन से गिरा दिया; महाशक्तिशाली वज्रपात, जिसमें इतनी शक्ति है कि उसके सामने नश्वर हाइड्रोजन बम पटाखों जैसे लगते हैं।’
‘और यह गायब है?’
'चोरी हो गया,' चिरोन ने कहा।
‘किसके द्वारा?’
‘किसके द्वारा?’ चिरोन ने सुधार किया। एक बार शिक्षक, हमेशा शिक्षक। ‘आपके द्वारा।’
मेरा मुंह खुला रह गया।

‘कम से कम’ – चिरोन ने हाथ उठाते हुए कहा – ‘ज़्यूस तो यही सोचता है। शीतकालीन संक्रांति के दौरान, देवताओं की अंतिम सभा में, ज़्यूस और पोसीडॉन के बीच बहस हुई। वही घिसी-पिटी बातें: “माता रिया हमेशा तुम्हें सबसे ज़्यादा पसंद करती थीं,” “हवाई दुर्घटनाएँ समुद्री दुर्घटनाओं से ज़्यादा भयावह होती हैं,” इत्यादि। बाद में, ज़्यूस को एहसास हुआ कि उसका मुख्य वज्र गायब है, उसकी नाक के नीचे से सिंहासन कक्ष से चुरा लिया गया है। उसने तुरंत पोसीडॉन पर दोष लगाया। अब कोई भी देवता किसी दूसरे देवता के शक्ति प्रतीक पर सीधे कब्ज़ा नहीं कर सकता – यह सबसे प्राचीन दैवीय नियमों द्वारा वर्जित है। लेकिन ज़्यूस का मानना है कि तुम्हारे पिता ने किसी मानव नायक को इसे लेने के लिए मना लिया था।’
लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया –’
‘धैर्य रखो और सुनो, बालक,’ चिरोन ने कहा। ‘ज़्यूस के संदेह करने का ठोस कारण है। साइक्लोप्स की भट्ठियाँ समुद्र के नीचे हैं, जिससे पोसीडॉन को अपने भाई की बिजली बनाने वालों पर कुछ प्रभाव प्राप्त है। ज़्यूस का मानना है कि पोसीडॉन ने मुख्य वज्र चुरा लिया है, और अब वह चुपके से साइक्लोप्स से अवैध प्रतियों का जखीरा बनवा रहा है, जिनका उपयोग ज़्यूस को उसके सिंहासन से हटाने के लिए किया जा सकता है। ज़्यूस को केवल इस बात का यकीन नहीं था कि पोसीडॉन ने किस वीर का इस्तेमाल वज्र चुराने के लिए किया था। अब पोसीडॉन ने खुलेआम तुम्हें अपना पुत्र घोषित कर दिया है। तुम सर्दियों की छुट्टियों में न्यूयॉर्क में थे। तुम आसानी से ओलंपस में घुस सकते थे। ज़्यूस का मानना है कि उसे अपना चोर मिल गया है।’
लेकिन मैं तो कभी ओलंपस गया ही नहीं! ज़्यूस पागल है!
चिरोन और ग्रोवर ने घबराकर आसमान की ओर देखा। ग्रोवर के वादे के विपरीत, बादल हमारे चारों ओर से हटते हुए नहीं दिख रहे थे। वे सीधे हमारी घाटी के ऊपर से गुजर रहे थे, मानो हमें ताबूत के ढक्कन की तरह घेर रहे हों।
‘अरे, पर्सी…?’ ग्रोवर ने कहा। ‘हम आकाश के स्वामी के लिए उस अपशब्द का प्रयोग नहीं करते।’
‘शायद तुम कुछ ज़्यादा ही चिंतित हो,’ चिरोन ने सुझाव दिया। ‘वैसे भी, पोसीडॉन ने पहले भी ज़्यूस को गद्दी से हटाने की कोशिश की थी। मुझे लगता है कि यह तुम्हारी अंतिम परीक्षा का अड़तीसवाँ प्रश्न था…’ उसने मेरी तरफ ऐसे देखा मानो उसे सचमुच मुझसे अड़तीसवाँ प्रश्न याद होने की उम्मीद हो।

कोई मुझ पर भगवान का हथियार चुराने का आरोप कैसे लगा सकता है? मैं तो गेब की पोकर पार्टी से पिज्जा का एक टुकड़ा भी चुराए बिना पकड़ा नहीं जा सकता था। चिरोन जवाब का इंतजार कर रहा था।
‘सुनहरे जाल के बारे में कुछ?’ मैंने अनुमान लगाया। ‘पोसीडॉन और हेरा और कुछ अन्य देवता… उन्होंने ज़्यूस को फंसा लिया और तब तक उसे बाहर नहीं निकलने दिया जब तक उसने बेहतर शासक बनने का वादा नहीं किया, है ना?’ ‘बिल्कुल सही,’ चिरोन ने कहा। ‘और तब से ज़्यूस ने पोसीडॉन पर कभी भरोसा नहीं किया। बेशक, पोसीडॉन ने मास्टर बोल्ट चुराने से इनकार किया है। उसे इस आरोप से बहुत ठेस पहुंची। दोनों महीनों से एक-दूसरे से बहस कर रहे हैं और युद्ध की धमकी दे रहे हैं। और अब, तुम आ गए हो – मानो आखिरी तिनका।’ लेकिन मैं तो अभी बच्चा हूँ!
‘पर्सी,’ ग्रोवर ने बीच में ही टोकते हुए कहा, ‘अगर तुम ज़्यूस होते, और तुम्हें पहले से ही लगता कि तुम्हारा भाई तुम्हें गद्दी से हटाने की साज़िश रच रहा है, और फिर अचानक तुम्हारा भाई यह स्वीकार कर ले कि उसने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ली गई पवित्र शपथ तोड़ दी है, कि उसने एक नए नश्वर नायक को जन्म दिया है जिसका इस्तेमाल तुम्हारे खिलाफ हथियार के रूप में किया जा सकता है… तो क्या इससे तुम्हारी पोशाक में कोई हलचल नहीं मच जाती?’
लेकिन मैंने कुछ नहीं किया। पोसीडॉन - मेरे पिता - उन्होंने सचमुच यह मास्टर बोल्ट चोरी नहीं करवाया था, है ना?
चिरोन ने आह भरी। ‘अधिकांश समझदार पर्यवेक्षक इस बात से सहमत होंगे कि चोरी करना पोसीडॉन का स्वभाव नहीं है। लेकिन समुद्र के देवता इतने अभिमानी हैं कि वे ज़्यूस को यह समझाने की कोशिश भी नहीं करेंगे। ज़्यूस ने पोसीडॉन से ग्रीष्म संक्रांति तक वज्र लौटाने की मांग की है। यानी 21 जून, यानी आज से दस दिन बाद। पोसीडॉन उसी तारीख तक चोर कहे जाने के लिए माफी भी चाहते हैं। मुझे उम्मीद थी कि कूटनीति काम आएगी, कि हेरा या डेमेटर या हेस्टिया दोनों भाइयों को समझा देंगी। लेकिन तुम्हारे आने से ज़्यूस का क्रोध भड़क उठा है। अब कोई भी देवता पीछे नहीं हटेगा। जब तक कोई हस्तक्षेप नहीं करता, जब तक मुख्य वज्र मिल नहीं जाता और संक्रांति से पहले ज़्यूस को लौटा नहीं दिया जाता, तब तक युद्ध होगा। और क्या तुम जानते हो कि एक पूर्ण युद्ध कैसा दिखेगा, पर्सी?’

‘बुरा?’ मैंने अनुमान लगाया।
'कल्पना कीजिए कि दुनिया में अराजकता फैली हुई है। प्रकृति अपने ही साथ युद्ध कर रही है। ओलंपियन देवताओं को ज़्यूस और पोसीडॉन में से किसी एक का पक्ष चुनने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। विनाश। नरसंहार। लाखों लोग मारे गए। पश्चिमी सभ्यता एक ऐसे विशाल युद्धक्षेत्र में तब्दील हो गई है कि उसके सामने ट्रोजन युद्ध पानी के गुब्बारों की लड़ाई जैसा लगेगा।'
मैंने दोहराया, 'बुरा।'
और तुम, पर्सी जैक्सन, ज़्यूस के क्रोध का सबसे पहले शिकार बनोगे।
बारिश शुरू हो गई। वॉलीबॉल खिलाड़ियों ने अपना खेल रोक दिया और स्तब्ध होकर चुपचाप आसमान की ओर देखने लगे।
मैंने ही हाफ-ब्लड हिल पर यह तूफान खड़ा किया था। ज़्यूस मेरी वजह से पूरे शिविर को दंडित कर रहा था। मैं बहुत क्रोधित था।
मैंने कहा, 'तो मुझे वह बेवकूफ बोल्ट ढूंढना होगा और उसे ज़्यूस को लौटाना होगा।'
‘ज़्यूस की संपत्ति को पोसीडॉन के पुत्र द्वारा लौटाए जाने से बेहतर शांति प्रस्ताव और क्या हो सकता है,’ चिरोन ने कहा।
'अगर पोसीडॉन के पास यह नहीं है, तो यह चीज कहाँ है?'
‘मुझे लगता है कि मैं जानता हूँ।’ चिरोन का चेहरा गंभीर था। ‘कई साल पहले मुझे जो भविष्यवाणी मिली थी, उसका एक हिस्सा… खैर, अब मुझे उसकी कुछ पंक्तियाँ समझ में आ रही हैं। लेकिन इससे पहले कि मैं और कुछ कहूँ, आपको आधिकारिक तौर पर इस खोज को शुरू करना होगा। आपको ओरेकल से सलाह लेनी होगी।’ ‘आप मुझे पहले से यह क्यों नहीं बता सकते कि बोल्ट कहाँ है?’
क्योंकि अगर मैंने ऐसा किया, तो तुम चुनौती स्वीकार करने से बहुत डर जाओगे।
मैंने गहरी सांस ली। 'अच्छा कारण है।'
‘तो आप सहमत हैं?’
मैंने ग्रोवर की ओर देखा, जिसने उत्साहवर्धक ढंग से सिर हिलाया। उसके लिए तो यह आसान था। ज़्यूस तो मुझे मारना चाहता था।
‘ठीक है,’ मैंने कहा। ‘डॉल्फिन में बदल जाने से तो यह बेहतर है।’

‘तो अब समय आ गया है कि तुम ओरेकल से सलाह लो,’ चिरोन ने कहा। ‘ऊपर जाओ, पर्सी जैक्सन, अटारी में। जब तुम नीचे आओगे, अगर तुम अभी भी होश में हो, तो हम और बात करेंगे।’
चार मंजिल ऊपर जाने पर, सीढ़ियाँ एक हरे रंग के गुप्त दरवाजे के नीचे जाकर समाप्त होती थीं।
मैंने रस्सी खींची। दरवाजा नीचे की ओर खुल गया, और एक लकड़ी की सीढ़ी खटखट करते हुए अपनी जगह पर आ गिरी।
ऊपर से आती गर्म हवा में फफूंद और सड़ी हुई लकड़ी की गंध थी, और कुछ और भी... एक ऐसी गंध जो मुझे जीव विज्ञान की कक्षा में याद आई। सरीसृपों की गंध।
सांपों की गंध।
मैंने अपनी सांस रोक ली और चढ़ाई शुरू कर दी।
अटारी यूनानी नायकों के अवशेषों से भरी पड़ी थी: मकड़ी के जालों से ढके कवच स्टैंड; कभी चमकीली रही ढालें जंग से भर गई थीं; पुराने चमड़े के स्टीमर ट्रंक जिन पर इथाका, सिरसे का द्वीप और अमेज़न की भूमि जैसे स्टिकर चिपके थे। एक लंबी मेज पर अचार से भरे कांच के जार रखे थे - कटे हुए बालों वाले पंजे, बड़ी पीली आंखें, राक्षसों के कई अन्य अंग। दीवार पर टंगी एक धूल भरी ट्रॉफी एक विशाल सांप के सिर जैसी दिखती थी, लेकिन सींगों और शार्क के पूरे दांतों के साथ। पट्टिका पर लिखा था: हाइड्रा का सिर संख्या 1, वुडस्टॉक, न्यूयॉर्क, 1969।
खिड़की के पास, लकड़ी के तिपाई वाले स्टूल पर, सबसे भयानक निशानी रखी थी: एक ममी। कपड़े में लिपटी हुई ममी नहीं, बल्कि एक मानव स्त्री का मुरझाया हुआ कंकाल। उसने टाई-डाई की हुई गर्मियों की पोशाक, कई मोतियों के हार और लंबे काले बालों पर एक पट्टी पहन रखी थी। उसके चेहरे की त्वचा पतली और चमड़े जैसी थी, और उसकी आँखें कांच जैसी सफेद थीं, मानो असली आँखों की जगह कंचे लगा दिए गए हों; वह बहुत लंबे समय से मृत थी।
उसे देखकर मेरी रूह कांप उठी। और यह तब की बात है जब वह अपनी कुर्सी पर बैठी और अपना मुंह खोला। ममी के मुंह से हरी धुंध निकली, जो मोटी लताओं की तरह फर्श पर फैल गई, मानो बीस हज़ार सांप फुफकार रहे हों। मैं जाल के दरवाजे तक पहुंचने की कोशिश में लड़खड़ा गया, लेकिन वह ज़ोर से बंद हो गया। मेरे दिमाग में एक आवाज़ गूंजी, जो मेरे एक कान में घुसकर मेरे दिमाग में

लिपट गई: मैं डेल्फ़ी की आत्मा हूं, फोएबस अपोलो की भविष्यवाणियों का वक्ता, शक्तिशाली अजगर का वध करने वाला। हे जिज्ञासु, मेरे पास आओ और पूछो। मैं कहना चाहती थी, नहीं धन्यवाद, गलत दरवाजा है, मैं बस बाथरूम ढूंढ रही थी। लेकिन मैंने खुद को गहरी सांस लेने के लिए मजबूर किया।
ममी जीवित नहीं थी। वह किसी भयानक चीज़ का पात्र थी, एक ऐसी शक्ति जो अब हरे धुंध में मेरे चारों ओर मंडरा रही थी। लेकिन उसकी उपस्थिति बुरी नहीं लग रही थी, जैसे मेरी शैतानी गणित शिक्षिका श्रीमती डॉड्स या मिनोटौर। यह मुझे राजमार्ग के किनारे फल की दुकान के बाहर सूत बुनती हुई तीन देवियों की याद दिला रही थी: प्राचीन, शक्तिशाली और निश्चित रूप से अमानवीय। लेकिन मुझे मारने में भी उनकी कोई खास दिलचस्पी नहीं थी।
मैंने हिम्मत जुटाकर पूछा, 'मेरी नियति क्या है?'
धुंध और भी घनी हो गई, मेरे ठीक सामने और उस मेज के चारों ओर जमा हो गई जिस पर राक्षस के अंगों के अचार वाले जार रखे थे। अचानक मेज के चारों ओर चार आदमी बैठे ताश खेल रहे थे। उनके चेहरे साफ दिखने लगे। वे बदबूदार गेब और उसके दोस्त थे।
मेरी मुट्ठियाँ भींच गईं, हालाँकि मैं जानता था कि यह पोकर पार्टी असली नहीं हो सकती। यह धुंध से बना एक भ्रम था।
गेब मेरी ओर मुड़ा और भविष्यवक्ता की कर्कश आवाज में बोला: तुम पश्चिम की ओर जाओगे, और उस देवता का सामना करोगे जिसने अपना रूप बदल लिया है।
उसके दाहिनी ओर खड़े साथी ने ऊपर देखा और उसी स्वर में कहा: जो कुछ भी चोरी हुआ है, वह तुम्हें मिल जाएगा और तुम उसे सुरक्षित वापस आते हुए देखोगे।
बाईं ओर खड़े व्यक्ति ने दो पोकर चिप्स फेंके और फिर कहा: जो व्यक्ति तुम्हें मित्र कहता है, वही तुम्हें धोखा देगा।
अंत में, हमारे बिल्डिंग सुपरवाइजर एडी ने सबसे घटिया बात कही: और अंत में, तुम सबसे महत्वपूर्ण चीज को बचाने में असफल हो जाओगे।
आकृतियाँ धीरे-धीरे गायब होने लगीं। पहले तो मैं इतना स्तब्ध था कि कुछ बोल नहीं पाया, लेकिन जैसे ही धुंध छँटी और एक विशाल हरे साँप का रूप धारण करके ममी के मुँह में वापस चली गई, मैं चिल्ला उठा, 'रुको! तुम्हारा क्या मतलब है? कौन सा दोस्त? मैं किसे बचाने में असफल रहूँगा?'

धुंध भरे सांप की पूंछ ममी के मुंह में समा गई। वह दीवार के सहारे पीछे झुक गई। उसका मुंह कसकर बंद था, मानो सौ सालों से खुला ही न हो। अटारी फिर से शांत, वीरान हो गई, मानो स्मृतियों से भरा एक कमरा हो।
मुझे ऐसा महसूस हुआ कि मैं यहाँ तब तक खड़ा रह सकता हूँ जब तक कि मेरे शरीर पर भी जाले न लग जाएँ, और मैं कुछ भी नहीं सीख पाऊँगा।
ओरेकल के साथ मेरी मुलाकात समाप्त हो गई थी।
‘तो?’ चिरोन ने मुझसे पूछा।
मैं पिनोकल टेबल पर एक कुर्सी पर धंस गया। 'उसने कहा था कि मैं चोरी हुई चीज़ें वापस लाऊंगा।'
ग्रोवर आगे की ओर झुक गया और उत्साह से डाइट कोक के कैन के बचे हुए हिस्से को चबाने लगा। 'वाह, क्या बात है!'
‘ओरेकल ने वास्तव में क्या कहा?’ चिरोन ने जोर देकर पूछा। ‘यह महत्वपूर्ण है।’
उस घिनौनी आवाज से मेरे कान अभी भी झनझना रहे थे। 'उसने... उसने कहा कि मैं पश्चिम की ओर जाऊँगा और एक ऐसे देवता का सामना करूँगा जो बदल चुका है। मैं चुराई गई चीज़ को वापस लाऊँगा और उसे सुरक्षित लौटा दूँगा।'
'मुझे पता था,' ग्रोवर ने कहा।
चिरोन संतुष्ट नहीं दिखे। 'और कुछ?'
मैं उसे बताना नहीं चाहता था।
कौन सा दोस्त मुझे धोखा देगा? मेरे इतने ज्यादा दोस्त थे ही नहीं।
और आखिरी पंक्ति – मैं सबसे महत्वपूर्ण चीज़ को बचाने में असफल हो जाऊँगा।
कौन सा भविष्यवक्ता मुझे एक खोज पर भेजेगा और कहेगा, अरे हाँ, तुम असफल हो जाओगे।
मैं यह बात कैसे स्वीकार कर सकता था?
‘नहीं,’ मैंने कहा। ‘बस इतना ही।’
उन्होंने मेरे चेहरे को गौर से देखा। ‘बहुत खूब, पर्सी। लेकिन यह जान लो: ओरेकल के शब्दों में अक्सर दोहरे अर्थ होते हैं। उन पर ज्यादा ध्यान मत दो। सच्चाई हमेशा तब तक स्पष्ट नहीं होती जब तक कि घटनाएँ घटित न हो जाएँ।’ मुझे ऐसा लगा कि उसे पता था कि मैं कुछ बुरा छुपा रही हूँ, और वह मुझे बेहतर महसूस कराने की कोशिश कर रहा था।

‘ठीक है,’ मैंने विषय बदलने की उत्सुकता में कहा। ‘तो मुझे कहाँ जाना चाहिए? पश्चिम में यह भगवान कौन है?’
‘अरे, सोचो, पर्सी,’ चिरोन ने कहा। ‘अगर ज़्यूस और पोसीडॉन युद्ध में एक-दूसरे को कमजोर कर देते हैं, तो किसे फायदा होगा?’
मैंने अनुमान लगाया, 'कोई और है जो पदभार संभालना चाहता है?'
'हाँ, बिलकुल। एक ऐसा व्यक्ति जो द्वेष रखता है, जो सदियों पहले दुनिया के विभाजन के बाद से ही अपनी किस्मत से नाखुश है, जिसका राज्य लाखों लोगों की मृत्यु से शक्तिशाली हुआ। एक ऐसा व्यक्ति जो अपने भाइयों से नफरत करता है क्योंकि उन्होंने उसे संतान न पैदा करने की शपथ दिलाई थी, एक ऐसी शपथ जिसे अब उन दोनों ने तोड़ दिया है।'
मैंने अपने सपनों के बारे में सोचा, उस बुरी आवाज के बारे में जो जमीन के नीचे से आई थी। 'हेड्स।'
चिरोन ने सिर हिलाया। 'मृतकों का स्वामी ही एकमात्र संभावना है।'
ग्रोवर के मुंह से एल्युमिनियम का एक टुकड़ा टपक कर बाहर आ गया। 'अरे रुको। ये क्या?'
‘एक फ्यूरी पर्सी के पीछे आई थी,’ चिरोन ने उसे याद दिलाया। ‘उसने उस युवक को तब तक देखा जब तक उसे उसकी पहचान का यकीन नहीं हो गया, फिर उसने उसे मारने की कोशिश की। फ्यूरी केवल एक ही स्वामी की आज्ञा मानती हैं: हेड्स।’ ‘हाँ, लेकिन – लेकिन हेड्स सभी नायकों से नफरत करता है,’ ग्रोवर ने विरोध किया। ‘खासकर अगर उसे पता चल जाए कि पर्सी पोसीडॉन का पुत्र है…’
‘एक नरक का कुत्ता जंगल में घुस आया है,’ चिरोन ने आगे कहा। ‘इन्हें केवल दंड के मैदानों से ही बुलाया जा सकता है, और इसे शिविर के किसी व्यक्ति ने ही बुलाया होगा। हेड्स का यहाँ कोई जासूस ज़रूर होगा। उसे शक होगा कि पोसीडॉन अपना नाम साफ़ करने के लिए पर्सी का इस्तेमाल करने की कोशिश करेगा। हेड्स इस युवा आधे-खून वाले को इस खोज पर निकलने से पहले ही मारना चाहता है।’
‘बहुत खूब,’ मैंने बुदबुदाया। ‘दो प्रमुख देवता मुझे मारना चाहते हैं।’ ‘लेकिन एक खोज…’ ग्रोवर ने बात अटपटी सी कर ली। ‘मेरा मतलब है, क्या मास्टर बोल्ट मेन जैसी किसी जगह पर नहीं हो सकता? साल के इस समय मेन बहुत ही खूबसूरत होता है।’

‘हेड्स ने मुख्य वज्र चुराने के लिए एक चेले को भेजा,’ चिरोन ने जोर देकर कहा। ‘उसने इसे पाताल लोक में छिपा दिया, यह जानते हुए कि ज़्यूस इसका दोष पोसीडॉन पर डालेगा। मैं मृतकों के देवता के इरादों को पूरी तरह से समझने का दावा नहीं करता, न ही यह कि उसने युद्ध शुरू करने के लिए यही समय क्यों चुना, लेकिन एक बात निश्चित है। पर्सी को पाताल लोक जाना होगा, मुख्य वज्र ढूंढना होगा और सच्चाई का खुलासा करना होगा।’
मेरे पेट में एक अजीब सी आग जल रही थी। सबसे अजीब बात यह थी कि यह डर नहीं था। यह प्रत्याशा थी। बदला लेने की चाहत। हेड्स ने अब तक तीन बार मुझे मारने की कोशिश की थी, फ्यूरी, मिनोटौर और हेलहाउंड के साथ। मेरी माँ का पल भर में गायब हो जाना उसी की गलती थी। अब वह मुझे और मेरे पिता को उस चोरी के लिए फंसाने की कोशिश कर रहा था जो हमने की ही नहीं थी।
मैं उससे मुकाबला करने के लिए तैयार था।
इसके अलावा, अगर मेरी माँ पाताल लोक में होती…
अरे बाप रे! मेरे दिमाग के उस छोटे से हिस्से ने कहा जो अभी भी ठीक था। तुम अभी बच्चे हो। हेड्स एक देवता है।
ग्रोवर कांप रहा था। उसने पिनोकल कार्ड ऐसे खाना शुरू कर दिया था जैसे आलू के चिप्स।
उस बेचारे को मेरे साथ एक मिशन पूरा करना था ताकि उसे खोजकर्ता का लाइसेंस मिल सके, चाहे वो लाइसेंस कुछ भी हो, लेकिन मैं उससे यह मिशन करने के लिए कैसे कह सकता था, खासकर तब जब ओरेकल ने कहा था कि मेरी असफलता निश्चित है? यह तो आत्महत्या के समान था।
मैंने चिरोन से कहा, 'देखो, अगर हमें पता है कि यह हेड्स है, तो हम बाकी देवताओं को क्यों नहीं बता सकते? ज़्यूस या पोसीडॉन पाताल लोक में जाकर कुछ लोगों के सिर फोड़ सकते हैं।'
‘शक करना और जानना एक ही बात नहीं है,’ चिरोन ने कहा। ‘इसके अलावा, भले ही दूसरे देवता हेड्स पर शक करते हों – और मुझे लगता है कि पोसीडॉन करता होगा
– वे खुद बिजली का कड़कना नहीं ला सकते। देवता बिना आमंत्रण के एक-दूसरे के क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकते। यह एक प्राचीन नियम है। दूसरी ओर, नायकों को कुछ विशेष अधिकार प्राप्त होते हैं। वे कहीं भी जा सकते हैं, किसी को भी चुनौती दे सकते हैं, बशर्ते वे इतने साहसी और शक्तिशाली हों। किसी भी देवता को नायक के कार्यों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

आपको क्या लगता है कि देवता हमेशा मनुष्यों के माध्यम से ही कार्य क्यों करते हैं?’
‘आप कह रहे हैं कि मेरा इस्तेमाल किया जा रहा है।’
‘मैं कह रहा हूँ कि पोसीडॉन ने अब तुम्हें अपना बनाने का फैसला संयोगवश नहीं लिया है। यह एक बहुत जोखिम भरा दांव है, लेकिन वह बेहद मुश्किल स्थिति में है। उसे तुम्हारी ज़रूरत है।’
मेरे पिताजी को मेरी जरूरत है।
मेरे भीतर भावनाएँ बहुरंगी शीशे में कांच के टुकड़ों की तरह उमड़ रही थीं। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं नाराज़ होऊं, आभारी होऊं, खुश होऊं या गुस्सा होऊं। पोसीडॉन ने बारह साल तक मेरी उपेक्षा की थी। अब अचानक उसे मेरी ज़रूरत पड़ गई थी।
मैंने चिरोन की ओर देखा। 'तुम्हें तो हमेशा से पता था कि मैं पोसीडॉन का पुत्र हूँ, है ना?'
मुझे शक था। जैसा कि मैंने कहा... मैंने ओरेकल से भी बात की है।'
मुझे ऐसा लगा कि वह अपनी भविष्यवाणी के बारे में मुझसे बहुत कुछ छिपा रहा है, लेकिन मैंने फैसला किया कि अभी इस बारे में चिंता करना ठीक नहीं है। आखिर, मैं भी तो कुछ जानकारी छुपा रहा था।
‘तो मुझे यह बात स्पष्ट रूप से समझने दीजिए,’ मैंने कहा। ‘मुझे पाताल लोक में जाकर मृतकों के स्वामी का सामना करना है।’
‘जांच करो,’ चिरोन ने कहा।
‘ब्रह्मांड का सबसे शक्तिशाली हथियार खोजो।’
'जाँच करना।'
और इसे ग्रीष्म संक्रांति से पहले, दस दिनों में ओलंपस वापस ले आओ।
'यह लगभग सही है।'
मैंने ग्रोवर की ओर देखा, जिसने इक्का (हार्ट्स का इक्का) निगल लिया। ‘क्या मैंने आपको बताया था कि साल के इस समय मेन बहुत ही सुहावना होता है?’ उसने कमजोर आवाज में पूछा।
मैंने उससे कहा, 'तुम्हें जाने की ज़रूरत नहीं है। मैं तुमसे ऐसा करने के लिए नहीं कह सकता।'
‘ओह…’ उसने अपने खुर हिलाए। ‘नहीं… बात बस इतनी सी है कि सैटायर और भूमिगत स्थान… खैर…’

उसने गहरी सांस ली, फिर खड़ा हो गया और अपनी टी-शर्ट से फटे हुए कार्ड और एल्युमिनियम के टुकड़े झाड़ दिए। 'तुमने मेरी जान बचाई, पर्सी। अगर... अगर तुम सच में मुझे अपने साथ ले जाना चाहते हो, तो मैं तुम्हें निराश नहीं करूंगा।'
मुझे इतनी राहत मिली कि रोने का मन हुआ, हालाँकि मुझे नहीं लगता था कि ऐसा करना कोई बहादुरी का काम होगा। ग्रोवर ही एकमात्र ऐसा दोस्त था जिसके साथ मेरी दोस्ती कुछ महीनों से ज़्यादा समय तक रही थी। मुझे यकीन नहीं था कि एक सैटायर मृतकों की शक्तियों के सामने क्या कर सकता है, लेकिन यह जानकर मुझे अच्छा लगा कि वह मेरे साथ होगा।
‘जी-मैन, बिल्कुल।’ मैंने चिरोन की ओर मुड़कर पूछा, ‘तो अब हम कहाँ जाएँ? ओरेकल ने तो पश्चिम की ओर जाने को कहा है।’
‘पाताल लोक का प्रवेश द्वार हमेशा पश्चिम में होता है। यह युग-युग में ओलंपस की तरह ही गतिमान रहता है। फिलहाल, यह अमेरिका में है।’
'कहाँ?'
चिरोन आश्चर्यचकित दिखे। 'मुझे लगा था कि यह काफी स्पष्ट होगा। पाताल लोक का प्रवेश द्वार लॉस एंजिल्स में है।'
‘ओह,’ मैंने कहा। ‘बिल्कुल। तो हम सीधे विमान में बैठ जाते हैं –’
‘नहीं!’ ग्रोवर चीखा। ‘पर्सी, तुम क्या सोच रहे हो? क्या तुम कभी हवाई जहाज में बैठे हो?’
मुझे शर्मिंदगी महसूस हुई और मैंने सिर हिला दिया। मेरी माँ ने मुझे कभी हवाई जहाज़ से कहीं नहीं ले गई थीं। वह हमेशा कहती थीं कि हमारे पास पैसे नहीं हैं। इसके अलावा, उनके माता-पिता की भी एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।
‘पर्सी, सोचो,’ चिरोन ने कहा। ‘तुम समुद्र देवता के पुत्र हो। तुम्हारे पिता के सबसे बड़े शत्रु आकाश के स्वामी ज़्यूस हैं। तुम्हारी माँ जानती थी कि तुम्हें हवाई जहाज़ में भेजना ठीक नहीं है। तुम ज़्यूस के क्षेत्र में पहुँच जाओगे। और फिर कभी ज़िंदा वापस नहीं लौट पाओगे।’
ऊपर आसमान में बिजली कड़कने लगी। गरज सुनाई दी।
‘ठीक है,’ मैंने तूफान की ओर न देखने का दृढ़ निश्चय करते हुए कहा। ‘तो, मैं सड़क मार्ग से यात्रा करूँगा।’

‘जी हां,’ चिरोन ने कहा। ‘दो साथी आपके साथ आ सकते हैं। ग्रोवर उनमें से एक है। दूसरी ने स्वेच्छा से अपनी सहायता देने की पेशकश की है, यदि आप उसकी मदद स्वीकार करेंगे।’
‘अरे वाह!’ मैंने आश्चर्य जताते हुए कहा। ‘इस तरह के मिशन के लिए स्वेच्छा से आगे आने की मूर्खता और कौन कर सकता है?’
चिरोन के पीछे हवा झिलमिला रही थी।
एनाबेथ दिखाई दी, उसने अपनी यांकीज़ कैप को अपनी पिछली जेब में डाल लिया। ‘मैं लंबे समय से किसी मिशन का इंतजार कर रही थी, सीवीड ब्रेन,’ उसने कहा। ‘एथेना पोसीडॉन की प्रशंसक नहीं है, लेकिन अगर तुम दुनिया को बचाने जा रहे हो, तो मैं ही सबसे सही व्यक्ति हूं जो तुम्हें गड़बड़ करने से रोक सकती है।’
मैंने कहा, 'अगर तुम खुद ऐसा कह रही हो तो ठीक है।' 'मुझे लगता है कि तुम्हारे पास कोई योजना है, समझदार लड़की?'
उसके गाल लाल हो गए। 'क्या तुम्हें मेरी मदद चाहिए या नहीं?'
सच तो यह था कि मुझे वास्तव में मदद की जरूरत थी। मुझे हर संभव मदद की जरूरत थी।
मैंने कहा, 'तीन लोगों का समूह।' 'यह ठीक रहेगा।'
‘बहुत बढ़िया,’ चिरोन ने कहा। ‘आज दोपहर हम आपको मैनहट्टन के बस टर्मिनल तक ले जा सकते हैं। उसके बाद आपको खुद ही जाना होगा।’
बिजली कड़की। उन घास के मैदानों पर मूसलाधार बारिश हुई, जहाँ कभी भी हिंसक मौसम की उम्मीद नहीं की जाती थी।
‘समय बर्बाद करने का कोई समय नहीं है,’ चिरोन ने कहा। ‘मुझे लगता है कि आप सभी को अपना सामान पैक करना शुरू कर देना चाहिए।’

10. मैंने एक बिल्कुल सही बस को बर्बाद कर दिया

मुझे सामान पैक करने में ज्यादा समय नहीं लगा। मैंने मिनोटौर का सींग अपने केबिन में ही छोड़ने का फैसला किया, जिसके बाद मेरे पास सिर्फ एक जोड़ी कपड़े और एक टूथब्रश ही बचे, जिन्हें मैंने ग्रोवर द्वारा मेरे लिए ढूंढे गए एक बैग में भर लिया।
शिविर की दुकान ने मुझे सौ डॉलर (मनुष्य मुद्रा में) और बीस सोने के ड्रैक्मा दिए। ये सिक्के गर्ल स्काउट कुकीज़ जितने बड़े थे और इनके एक तरफ़ विभिन्न यूनानी देवताओं की छवियाँ और दूसरी तरफ़ एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की छवि छपी थी। चिरोन ने हमें बताया कि प्राचीन काल में मनुष्य ड्रैक्मा चाँदी के होते थे, लेकिन ओलंपियन देवता शुद्ध सोने से कम का उपयोग कभी नहीं करते थे। चिरोन ने कहा कि ये सिक्के गैर-मनुष्य लेन-देन में काम आ सकते हैं - चाहे इसका जो भी मतलब हो। उन्होंने एनाबेथ और मुझे अमृत से भरी एक-एक बोतल और अमृत के टुकड़ों से भरा एक वायुरोधी थैला दिया, जिसका उपयोग केवल आपात स्थिति में, गंभीर रूप से घायल होने पर ही किया जाना था। चिरोन ने हमें याद दिलाया कि यह देवताओं का भोजन है। यह हमें लगभग हर चोट से ठीक कर सकता है, लेकिन मनुष्यों के लिए यह घातक है। इसकी अधिक मात्रा से एक अर्ध-रक्त को बहुत तेज़ बुखार हो सकता है। अधिक मात्रा में लेने से हम सचमुच जलकर राख हो जाएँगे।
एनाबेथ अपनी जादुई यैंकीज़ टोपी ला रही थी, जिसके बारे में उसने मुझे बताया कि यह उसकी माँ ने उसे बारहवें जन्मदिन पर उपहार में दी थी। वह अपने साथ प्राचीन ग्रीक भाषा में लिखी हुई प्रसिद्ध शास्त्रीय वास्तुकला की एक किताब भी लाई थी, जिसे वह ऊबने पर पढ़ती थी, और अपनी कमीज़ की आस्तीन में एक लंबा कांस्य का चाकू छिपाए हुए थी। मुझे पूरा यकीन था कि मेटल डिटेक्टर से गुज़रते ही चाकू की वजह से हम पकड़े जाएँगे।
ग्रोवर ने नकली पैर और पैंट पहन रखी थी ताकि वह इंसान जैसा दिखे। उसने हरे रंग की रस्ता-शैली की टोपी पहन रखी थी, क्योंकि बारिश में उसके घुंघराले बाल दब जाते थे और उसके सींगों के सिरे दिखने लगते थे। उसके चमकीले नारंगी

रंग के बैग में कबाड़ और खाने के लिए सेब भरे हुए थे। उसकी जेब में बांसुरी थी जो उसके बकरे ने उसके लिए बनाई थी, हालांकि उसे सिर्फ दो गाने ही आते थे: मोजार्ट का पियानो कॉन्सर्टो नंबर 12 और हिलेरी डफ का 'सो यस्टरडे', और दोनों ही बांसुरी पर बहुत खराब लगते थे।
हमने बाकी शिविरार्थियों को अलविदा कहा, स्ट्रॉबेरी के खेतों, समुद्र और बिग हाउस पर आखिरी नजर डाली, फिर हाफ-ब्लड हिल पर चढ़कर उस ऊंचे देवदार के पेड़ तक पहुंचे जो कभी ज़्यूस की बेटी थैलिया हुआ करता था।
चिरोन अपनी व्हीलचेयर पर हमारा इंतज़ार कर रहा था। उसके बगल में वही सर्फर लड़का खड़ा था जिसे मैंने बीमार होने के दौरान देखा था। ग्रोवर के अनुसार, वह कैंप का सुरक्षा प्रमुख था। कहा जाता था कि उसके पूरे शरीर पर आँखें थीं, इसलिए उसे कभी चौंकाया नहीं जा सकता था। हालाँकि, आज उसने ड्राइवर की वर्दी पहनी हुई थी, इसलिए मुझे उसकी हथेलियों, चेहरे और गर्दन पर ही अतिरिक्त आँखें दिखाई दे रही थीं।
‘यह आर्गस है,’ चिरोन ने मुझसे कहा। ‘वह तुम्हें शहर तक ले जाएगा, और, खैर, चीजों पर नजर रखेगा।’
मुझे हमारे पीछे कदमों की आहट सुनाई दी।
ल्यूक बास्केटबॉल के जूतों की एक जोड़ी लेकर पहाड़ी पर दौड़ता हुआ आया। ‘अरे!’ वह हांफते हुए बोला। ‘अच्छा हुआ मैंने तुम्हें पकड़ लिया।’
एनाबेथ का चेहरा लाल हो गया, जैसा कि वह हमेशा ल्यूक के आसपास होने पर करती थी।
'बस आपको शुभकामनाएं देना चाहता था,' ल्यूक ने मुझसे कहा। 'और मैंने सोचा... शायद ये आपके काम आ जाएं।'
उसने मुझे स्नीकर्स पकड़ा दिए, जो देखने में काफी सामान्य लग रहे थे। उनकी गंध भी कुछ हद तक सामान्य ही थी।
ल्यूक ने कहा, 'माईया!'
जूतों की एड़ियों से सफेद चिड़िया के पंख निकल आए, जिससे मैं इतना चौंक गई कि मैंने जूते गिरा दिए। जूते ज़मीन पर तब तक फड़फड़ाते रहे जब तक कि पंख मुड़कर गायब नहीं हो गए।
‘शानदार!’ ग्रोवर ने कहा।

ल्यूक मुस्कुराया। ‘ये मेरे मिशन के दौरान बहुत काम आए। पिताजी का तोहफा। वैसे, आजकल मैं इनका ज्यादा इस्तेमाल नहीं करता…’ उसका चेहरा उदास हो गया।
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूँ। ल्यूक का अलविदा कहने आना ही अपने आप में काफी अच्छा था। मुझे डर था कि पिछले कुछ दिनों से मुझे इतना ध्यान मिलने की वजह से कहीं वो मुझसे नाराज़ न हो जाए। लेकिन यहाँ वो मुझे एक जादुई तोहफा दे रहा था... इससे मेरा चेहरा लगभग एनाबेथ जितना लाल हो गया। ‘अरे यार,’ मैंने कहा। ‘धन्यवाद।’
‘सुनो, पर्सी…’ ल्यूक असहज लग रहा था। ‘तुम पर बहुत उम्मीदें टिकी हैं। तो बस… मेरे लिए कुछ राक्षसों को मार डालो, ठीक है?’
हमने हाथ मिलाया। ल्यूक ने ग्रोवर के सींगों के बीच उसके सिर पर थपथपाया, फिर एनाबेथ को गले लगाकर अलविदा कहा, जो बेहोश होने वाली लग रही थी। ल्यूक के जाने के बाद, मैंने उससे कहा, 'तुम्हारी सांसें तेज चल रही हैं।' मैं नहीं हूँ।
‘तुमने उसे झंडा अपने ऊपर कब्जा करने दिया, है ना?’
‘अरे… मैं तुम्हारे साथ कहीं भी क्यों जाना चाहती हूँ, पर्सी?’
वह पहाड़ी के दूसरी ओर तेज़ी से उतरी, जहाँ सड़क के किनारे एक सफेद एसयूवी खड़ी थी। आर्गस अपनी कार की चाबियाँ खनकाते हुए उसके पीछे-पीछे गया। मैंने उड़ने वाले जूते उठाए और अचानक मुझे एक बुरा एहसास हुआ। मैंने चिरोन की तरफ देखा। 'मैं इनका इस्तेमाल नहीं कर पाऊँगा, है ना?'
उसने सिर हिलाया। 'ल्यूक का इरादा अच्छा था, पर्सी। लेकिन हवा में उड़ना... यह तुम्हारे लिए बुद्धिमानी नहीं होगी।'
मैंने निराशा से सिर हिलाया, लेकिन तभी मुझे एक विचार आया। 'हे ग्रोवर। क्या तुम्हें कोई जादुई वस्तु चाहिए?'
उसकी आँखें चमक उठीं। 'मैं?'
बहुत जल्द ही हमने उसके नकली पैरों पर स्नीकर्स के फीते बांध दिए, और दुनिया का पहला उड़ने वाला बकरी लड़का उड़ान भरने के लिए तैयार था। ‘माईया!’ उसने चिल्लाकर कहा।
वह ज़मीन से ठीक-ठाक उठ तो गया, लेकिन फिर एक तरफ गिर गया जिससे उसका बैग घास में घिसटता चला गया। उसके पंखों वाले जूते छोटे-छोटे घोड़ों की तरह ऊपर-नीचे उछलते रहे।

‘अभ्यास करो,’ चिरोन ने उसके पीछे से पुकारा। ‘तुम्हें बस अभ्यास की जरूरत है!’
‘आआआ!’ ग्रोवर एक पागल लॉन मोवर की तरह पहाड़ी से नीचे की ओर तिरछे उड़ता हुआ वैन की ओर बढ़ रहा था।
इससे पहले कि मैं कुछ समझ पाता, चिरोन ने मेरा हाथ पकड़ लिया। उन्होंने कहा, 'पर्सी, मुझे तुम्हें और बेहतर प्रशिक्षण देना चाहिए था। काश मेरे पास और समय होता। हरक्यूलिस, जेसन - उन सभी को ज़्यादा प्रशिक्षण मिला।'
कोई बात नहीं। मेरी बस यही इच्छा है कि...'
मैंने खुद को रोक लिया क्योंकि मैं एक नखरेबाज़ की तरह लग रही थी। मैं सोच रही थी कि काश मेरे पिताजी ने मुझे इस खोज में मदद करने के लिए कोई बढ़िया जादुई चीज़ दी होती, जैसे ल्यूक के उड़ने वाले जूते या एनाबेथ की अदृश्य टोपी।
‘मैं क्या सोच रहा हूँ?’ चिरोन चिल्लाया। ‘मैं तुम्हें इसके बिना जाने नहीं दे सकता।’
उसने अपनी कोट की जेब से एक पेन निकाला और मुझे दे दिया। यह एक साधारण डिस्पोजेबल बॉलपॉइंट पेन था, काली स्याही वाला, ढक्कन हटाने योग्य। शायद तीस सेंट का होगा।
‘वाह,’ मैंने कहा। ‘धन्यवाद।’
‘पर्सी, यह तुम्हारे पिता का उपहार है। मैंने इसे वर्षों तक संभाल कर रखा, यह जाने बिना कि मैं जिसका इंतजार कर रही थी, तुम ही थे। लेकिन अब भविष्यवाणी मेरे लिए स्पष्ट हो गई है। तुम ही हो वो।’
मुझे मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट की वो फील्ड ट्रिप याद आ गई, जब मैंने मिसेज डॉड्स को गायब कर दिया था। चिरोन ने मुझे एक पेन दिया था जो तलवार में बदल गया था। क्या ये वही हो सकता है...?
मैंने ढक्कन हटाया और कलम मेरे हाथ में लंबी और भारी लगने लगी। आधे पल में ही मेरे हाथ में एक चमकती हुई कांस्य की तलवार थी, जिसकी दोधारी धार, चमड़े से लिपटी मूठ और सोने के कीलों से जड़ी सपाट मूठ थी। यह पहला हथियार था जो मेरे हाथ में सचमुच संतुलित महसूस हुआ।
‘इस तलवार का एक लंबा और दुखद इतिहास है, जिसमें हमें जाने की जरूरत नहीं है,’ चिरोन ने मुझसे कहा। ‘इसका नाम अनाक्लुस्मोस है।’

मैंने अनुवाद किया, ‘“रिप्टाइड”,’ और मुझे आश्चर्य हुआ कि प्राचीन ग्रीक भाषा इतनी आसानी से समझ में आ गई।
‘इसका इस्तेमाल केवल आपात स्थिति में ही करें,’ चिरोन ने कहा, ‘और केवल राक्षसों के खिलाफ। किसी भी नायक को मनुष्यों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए जब तक कि यह बिल्कुल आवश्यक न हो, लेकिन यह तलवार किसी भी स्थिति में उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाएगी।’
मैंने उस बेहद धारदार ब्लेड को देखा। 'तुम्हारा क्या मतलब है कि यह इंसानों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा? यह कैसे नुकसान नहीं पहुंचा सकता?' ‘यह तलवार दिव्य कांस्य से बनी है। इसे साइक्लोप्स ने गढ़ा है, माउंट एटना के हृदय में तपाकर कठोर बनाया गया है और लेथे नदी में ठंडा किया गया है। यह राक्षसों के लिए, पाताल लोक के किसी भी प्राणी के लिए घातक है, बशर्ते वे तुम्हें पहले न मार डालें। लेकिन यह तलवार मनुष्यों के शरीर को एक भ्रम की तरह भेद देगी। वे इस तलवार के लिए इतने महत्वपूर्ण नहीं हैं कि उन्हें मार सकें। और मैं तुम्हें चेतावनी देता हूँ: एक अर्धदेव होने के नाते, तुम्हें दिव्य या सामान्य, किसी भी हथियार से मारा जा सकता है। तुम दुगने असुरक्षित हो।’
'जानकर अच्छा लगा।'
अब पेन का ढक्कन दोबारा लगाओ।
मैंने पेन की टोपी को तलवार की नोक से छुआ और पल भर में रिपटाइड फिर से बॉलपॉइंट पेन में बदल गया। मैंने उसे थोड़ा घबराते हुए अपनी जेब में रख लिया, क्योंकि स्कूल में पेन खोने के लिए मैं मशहूर था।
‘तुम ऐसा नहीं कर सकते,’ चिरोन ने कहा।
‘क्या नहीं कर सकते?’
‘कलम खो दो,’ उसने कहा। ‘इसमें जादू है। यह हमेशा तुम्हारी जेब में वापस आ जाएगी। कोशिश करके देखो।’
मुझे थोड़ा डर तो था, लेकिन मैंने कलम को पहाड़ी से नीचे जितनी दूर फेंक सकता था, फेंक दिया और उसे घास में गायब होते हुए देखा।
‘इसमें कुछ पल लग सकते हैं,’ चिरोन ने मुझसे कहा। ‘अब अपनी जेबें जाँच लो।’ बिल्कुल, कलम वहीं थी।
‘ठीक है, यह तो बहुत ही शानदार है,’ मैंने स्वीकार किया। ‘लेकिन अगर कोई इंसान मुझे तलवार निकालते हुए देख ले तो क्या होगा?’

चिरोन मुस्कुराया। 'पर्सी, धुंध एक शक्तिशाली चीज है।'
'कुहासा?'
हाँ। इलियड पढ़ो। उसमें इन चीज़ों के कई संदर्भ हैं। जब भी दैवीय या राक्षसी तत्व नश्वर दुनिया से मिलते हैं, तो वे धुंध पैदा करते हैं, जो मनुष्यों की दृष्टि को धुंधला कर देती है। एक अर्ध-मानव होने के नाते, तुम चीज़ों को वैसे ही देखोगे जैसी वे हैं, लेकिन मनुष्य उन्हें बिल्कुल अलग तरह से समझेंगे। वाकई, यह आश्चर्यजनक है कि मनुष्य अपनी वास्तविकता के अनुसार चीज़ों को ढालने के लिए किस हद तक जा सकते हैं।
मैंने रिपटाइड को वापस अपनी जेब में रख लिया।
पहली बार, यह यात्रा सचमुच वास्तविक लग रही थी। मैं सचमुच हाफ-ब्लड हिल छोड़ रहा था। मैं पश्चिम की ओर जा रहा था, बिना किसी वयस्क की देखरेख के, बिना किसी बैकअप प्लान के, यहाँ तक कि बिना मोबाइल फोन के भी। (चिरोन ने कहा था कि राक्षस मोबाइल फोन का पता लगा सकते हैं; अगर हमने इसका इस्तेमाल किया, तो यह फ्लेयर छोड़ने से भी बदतर होगा।) मेरे पास राक्षसों से लड़ने और मृतकों की भूमि तक पहुँचने के लिए तलवार से अधिक शक्तिशाली कोई हथियार नहीं था।
‘चिरोन…’ मैंने कहा। ‘जब तुम कहते हो कि देवता अमर हैं… मेरा मतलब है, उनसे पहले भी एक समय था, है ना?’
दरअसल, उनसे पहले चार युग थे। टाइटन्स का समय चौथा युग था, जिसे कभी-कभी स्वर्ण युग भी कहा जाता है, जो निश्चित रूप से एक गलत नाम है। यह, पश्चिमी सभ्यता का युग और ज़्यूस का शासनकाल, पाँचवाँ युग है।
‘तो देवताओं के आने से पहले जीवन कैसा था?’
चिरोन ने अपने होंठ सिकोड़े। ‘बच्चे, मैं इतना बूढ़ा नहीं हूँ कि मुझे वह सब याद हो, लेकिन मैं जानता हूँ कि वह मनुष्यों के लिए अंधकार और बर्बरता का समय था। टाइटनों के स्वामी क्रोनोस ने अपने शासनकाल को स्वर्ण युग कहा था क्योंकि मनुष्य भोले-भाले और ज्ञान से मुक्त जीवन जीते थे। लेकिन यह महज़ प्रचार था। टाइटन राजा को तुम्हारी जाति की कोई परवाह नहीं थी, सिवाय उन्हें भोजन या सस्ते मनोरंजन के साधन के रूप में इस्तेमाल करने के। केवल भगवान ज़्यूस के शासनकाल के आरंभ में, जब अच्छे टाइटन प्रोमेथियस ने मानव जाति को अग्नि दी, तब तुम्हारी प्रजाति ने प्रगति करना शुरू किया, और तब भी प्रोमेथियस को एक क्रांतिकारी विचारक करार दिया गया था। जैसा कि तुम्हें

याद होगा, ज़्यूस ने उसे कड़ी सजा दी थी। बेशक, अंततः देवताओं का मनुष्यों के प्रति स्नेह जागा, और पश्चिमी सभ्यता का जन्म हुआ।’
लेकिन देवता अब मर नहीं सकते, है ना? मेरा मतलब है, जब तक पश्चिमी सभ्यता जीवित है, वे भी जीवित हैं। तो... अगर मैं असफल भी हो जाऊं, तो ऐसा कुछ बुरा नहीं हो सकता जिससे सब कुछ गड़बड़ हो जाए, है ना?
चिरोन ने मुझे उदास मुस्कान दी। 'पर्सी, कोई नहीं जानता कि पश्चिम का युग कब तक चलेगा। देवता अमर हैं, हाँ। लेकिन टाइटन्स भी अमर थे। वे अभी भी मौजूद हैं, अपनी-अपनी जेलों में कैद, अंतहीन दर्द और सजा सहने के लिए मजबूर, शक्तिहीन, लेकिन फिर भी पूरी तरह जीवित। भाग्य की देवियाँ कभी भी देवताओं को ऐसी विपत्ति का सामना न करने दें, या हमें अतीत के अंधकार और अराजकता में वापस न लौटने दें। बच्चे, हम बस अपने भाग्य का अनुसरण कर सकते हैं।'
'हमारा भाग्य... बशर्ते कि हम जानते हों कि वह क्या है।'
‘शांत हो जाओ,’ चिरोन ने मुझसे कहा। ‘अपना दिमाग शांत रखो। और याद रखो, तुम शायद मानव इतिहास के सबसे बड़े युद्ध को रोकने वाले हो।’
मैंने कहा, 'आराम करो। मैं बहुत आराम से हूँ।'
जब मैं पहाड़ी की तलहटी पर पहुँचा, तो मैंने पीछे मुड़कर देखा। उस चीड़ के पेड़ के नीचे, जहाँ कभी ज़्यूस की पुत्री थैलिया हुआ करती थी, अब चिरोन अपने पूरे अश्व-पुरुष रूप में खड़ा था, अपने धनुष को ऊँचा उठाकर सलामी दे रहा था। बिल्कुल एक आम ग्रीष्मकालीन शिविर के सेंटॉर द्वारा दी जाने वाली विदाई।

* * *

आर्गस हमें ग्रामीण इलाके से निकालकर पश्चिमी लॉन्ग आइलैंड ले गया। दोबारा हाईवे पर होना अजीब लग रहा था, एनाबेथ और ग्रोवर मेरे बगल में ऐसे बैठे थे जैसे हम रोज़ की तरह कार में साथ सफर कर रहे हों। हाफ-ब्लड हिल में दो हफ्ते बिताने के बाद, असली दुनिया किसी सपने जैसी लग रही थी। मैं हर मैकडॉनल्ड्स, अपने माता-पिता की कार में बैठे हर बच्चे, हर बिलबोर्ड और शॉपिंग मॉल को घूर रहा था।
मैंने एनाबेथ से कहा, 'अभी तक तो सब ठीक है। दस मील का सफर तय कर लिया है और एक भी राक्षस नहीं दिखा।'
उसने मुझे चिढ़ भरी नज़र से देखा। 'इस तरह बात करना अशुभ होता है, मूर्ख।'

मुझे फिर से याद दिलाओ – तुम मुझसे इतनी नफरत क्यों करते हो?
मैं तुमसे नफरत नहीं करता।
मुझे तो बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था।
उसने अपनी अदृश्यता की टोपी मोड़ ली। 'देखो... हमारा आपस में कोई मेलजोल नहीं होना चाहिए, ठीक है? हमारे माता-पिता एक-दूसरे के दुश्मन हैं।' 'क्यों?'
उसने आह भरी। ‘तुम्हें और कितने कारण चाहिए? एक बार मेरी माँ ने पोसीडॉन को उसकी प्रेमिका के साथ एथेना के मंदिर में पकड़ लिया था, जो कि बहुत ही अपमानजनक बात थी। एक बार एथेना और पोसीडॉन एथेंस शहर के संरक्षक देवता बनने के लिए होड़ कर रहे थे। तुम्हारे पिताजी ने अपने उपहार के रूप में एक बेतुका खारे पानी का झरना बनाया। मेरी माँ ने जैतून का पेड़ बनाया। लोगों ने देखा कि उनका उपहार बेहतर था, इसलिए उन्होंने शहर का नाम उनके नाम पर रख दिया।’
'उन्हें जैतून बहुत पसंद होंगे।'
'ओह इसे भूल गया।'
'अगर उसने पिज्जा का आविष्कार किया होता तो मैं उसे समझ सकता था।'
मैंने कहा, इसे भूल जाओ!
आगे की सीट पर बैठे आर्गस ने मुस्कुराया। उसने कुछ नहीं कहा, लेकिन उसकी गर्दन के पीछे स्थित एक नीली आंख ने मेरी तरफ इशारा किया।
क्वींस में ट्रैफिक की वजह से हमारी गति धीमी हो गई। जब तक हम मैनहट्टन पहुंचे, तब तक सूर्यास्त हो चुका था और बारिश शुरू हो गई थी।
आर्गस ने हमें अपर ईस्ट साइड के ग्रेहाउंड स्टेशन पर छोड़ दिया, जो मेरी माँ और गेब के अपार्टमेंट से ज़्यादा दूर नहीं था। एक मेलबॉक्स पर एक भीगा हुआ पोस्टर चिपका हुआ था जिस पर मेरी तस्वीर थी: क्या आपने इस लड़के को देखा है?
मैंने एनाबेथ और ग्रोवर के देखने से पहले ही उसे फाड़ दिया।
आर्गस ने हमारे बैग उतारे, यह सुनिश्चित किया कि हमें बस टिकट मिल गए हैं, फिर गाड़ी चलाकर चला गया, पार्किंग से निकलते समय उसकी हथेली के पीछे बनी आंख हमें देखने के लिए खुल गई।

मैंने सोचा कि मैं अपने पुराने अपार्टमेंट के कितने करीब हूँ। आम दिनों में, मेरी माँ अब तक मिठाई की दुकान से घर आ चुकी होतीं। बदबूदार गेब शायद अभी ऊपर पोकर खेल रहा होगा, उसे माँ की याद भी नहीं आ रही होगी।
ग्रोवर ने अपना बैग कंधे पर रखा। उसने सड़क की ओर उस दिशा में देखा जिधर मैं देख रहा था। 'पर्सी, तुम जानना चाहते हो कि उसने उससे शादी क्यों की?' मैंने उसे घूर कर देखा। 'क्या तुम मेरे मन की बात पढ़ रहे थे?'
‘बस तुम्हारी भावनाएं।’ उसने कंधे उचकाते हुए कहा। ‘लगता है मैं तुम्हें बताना भूल गया था कि सैटायर ऐसा कर सकते हैं। तुम अपनी माँ और सौतेले पिता के बारे में सोच रहे थे, है ना?’
मैंने सिर हिलाया, यह सोचते हुए कि ग्रोवर मुझे और क्या बताना भूल गया होगा।
ग्रोवर ने मुझसे कहा, 'तुम्हारी माँ ने तुम्हारे लिए गेब से शादी की। तुम उसे "बदबूदार" कहती हो, पर तुम्हें इसका ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है। उस आदमी के आस-पास एक अजीब सी गंध रहती है... छी! मुझे उसकी गंध यहीं से आ रही है। मुझे तुम्हारे शरीर पर भी उसकी महक महसूस हो रही है, जबकि तुम पिछले दो हफ़्तों से उसके पास नहीं गई हो।'
मैंने कहा, 'धन्यवाद। सबसे नज़दीकी शावर कहाँ है?'
‘पर्सी, तुम्हें शुक्रगुजार होना चाहिए। तुम्हारे सौतेले पिता से इतनी घिनौनी इंसानी गंध आती है कि वो किसी भी अर्धदेवता की मौजूदगी को छुपा सकते हैं। जैसे ही मैंने उनकी कैमारो के अंदर एक हल्की सी गंध ली, मैं समझ गई: गेब सालों से तुम्हारी गंध छुपा रहा था। अगर तुम हर गर्मी में उसके साथ नहीं रहते, तो शायद तुम्हें बहुत पहले ही राक्षस ढूंढ लेते। तुम्हारी माँ तुम्हारी रक्षा के लिए उसके साथ रहती थी। वो बहुत समझदार औरत थी। उस आदमी को बर्दाश्त करने के लिए उसने तुम्हें बहुत प्यार किया होगा – अगर इससे तुम्हें कुछ तसल्ली मिलती है तो।’
ऐसा नहीं हुआ, लेकिन मैंने खुद को यह दिखाने से रोका। मैंने सोचा, मैं उससे फिर मिलूंगा। वह कहीं गई नहीं है।
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या ग्रोवर अब भी मेरी उलझी हुई भावनाओं को समझ सकता था। मुझे खुशी थी कि वह और एनाबेथ मेरे साथ थे, लेकिन मुझे इस बात का अपराधबोध भी था कि मैंने उनसे सच नहीं बताया था। मैंने उन्हें इस अजीबोगरीब मिशन के लिए हाँ कहने का असली कारण नहीं बताया था।

सच तो यह था कि मुझे ज़्यूस की बिजली वापस लाने, दुनिया को बचाने या अपने पिता को मुसीबत से निकालने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। जितना ज़्यादा मैं इसके बारे में सोचती, उतना ही मुझे पोसीडॉन से नफ़रत होती कि वह कभी मुझसे मिलने नहीं आया, कभी मेरी माँ की मदद नहीं की, यहाँ तक कि उसने मुझे एक मामूली सी बाल सहायता राशि भी नहीं भेजी। उसने मुझे सिर्फ़ इसलिए अपना माना था क्योंकि उसे अपना काम करवाना था।
मुझे सिर्फ अपनी माँ की फ़िक्र थी। हेड्स ने उसे अन्यायपूर्वक छीन लिया था, और हेड्स उसे वापस लौटाने वाला था।
मेरे मन में भविष्यवक्ता ने फुसफुसाते हुए कहा, "तुम्हें वही धोखा देगा जो तुम्हें मित्र कहता है। अंत में तुम सबसे महत्वपूर्ण चीज़ को बचाने में असफल रहोगे।"
चुप रहो, मैंने इसे बता दिया है।
बारिश लगातार होती रही।
बस का इंतज़ार करते-करते हम बेचैन हो गए और ग्रोवर के एक सेब से हैकी सैक खेलने का फैसला किया। एनाबेथ कमाल की खिलाड़ी थी। वह सेब को अपने घुटने, कोहनी, कंधे, कहीं से भी उछाल सकती थी। मैं भी कुछ बुरा नहीं खेल रहा था। खेल तब खत्म हुआ जब मैंने ग्रोवर की तरफ सेब उछाला और वह उसके मुंह के बहुत करीब पहुंच गया। एक ही झटके में, हमारे हैकी सैक (एक तरह का छोटा सेब) गायब हो गया - बीज, डंठल समेत।
ग्रोवर का चेहरा लाल हो गया। उसने माफी मांगने की कोशिश की, लेकिन एनाबेथ और मैं हंसने में इतने मशगूल थे कि कुछ बोल नहीं पा रहे थे।
आखिरकार बस आ गई। जैसे ही हम बस में चढ़ने के लिए लाइन में खड़े हुए, ग्रोवर इधर-उधर देखने लगा, हवा को ऐसे सूंघने लगा जैसे उसे अपने स्कूल के कैंटीन का पसंदीदा व्यंजन - एन्चिलाडा - की खुशबू आ रही हो।
मैंने पूछा, ‘यह क्या है?’
उन्होंने तनाव भरे स्वर में कहा, 'मुझे नहीं पता। शायद कुछ भी नहीं है।' लेकिन मुझे पता चल गया था कि यह मामूली बात नहीं है। मैंने भी पीछे मुड़कर देखना शुरू कर दिया।
जब हम आखिरकार बस में चढ़ गए और बस के पीछे एक साथ सीटें मिल गईं तो मुझे राहत मिली। हमने अपने बैग रख दिए। एनाबेथ घबराहट में अपनी यैंकीज़ कैप को बार-बार अपनी जांघ पर मार रही थी।

जैसे ही आखिरी यात्री चढ़े, एनाबेथ ने अपना हाथ मेरे घुटने पर कसकर पकड़ लिया। 'पर्सी।'
एक बूढ़ी औरत अभी-अभी बस में चढ़ी थी। उसने सिकुड़ी हुई मखमली पोशाक, लेस के दस्ताने और एक बेढंगी नारंगी रंग की बुनी हुई टोपी पहन रखी थी, जिससे उसका चेहरा ढका हुआ था, और उसके पास एक बड़ा पैस्ले प्रिंट वाला पर्स था। जब उसने अपना सिर ऊपर उठाया, तो उसकी काली आँखें चमक उठीं, और मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा।
यह मिसेज डॉड्स थीं। उम्रदराज, मुरझाई हुई, लेकिन चेहरा निश्चित रूप से वही भयावह था।
मैं अपनी सीट पर सिकुड़कर बैठ गया।
उसके पीछे दो और बूढ़ी औरतें आईं: एक ने हरी टोपी पहनी थी, दूसरी ने बैंगनी टोपी। बाकी सब कुछ बिल्कुल मिसेज डॉड्स जैसा दिखता था – एक जैसे झुर्रीदार हाथ, पैस्ली डिज़ाइन वाले हैंडबैग, सिलवटों वाली मखमली पोशाकें। जुड़वां शैतानी दादियों जैसी।
वे ड्राइवर के ठीक पीछे, पहली पंक्ति में बैठे थे। गलियारे में बैठे दोनों लोगों ने अपने पैर फुटपाथ पर रखकर X का आकार बना लिया। यह देखने में तो सामान्य लग रहा था, लेकिन इससे एक स्पष्ट संदेश मिल रहा था: कोई भी गाड़ी छोड़कर नहीं जा सकता।
बस स्टेशन से निकली और हम मैनहट्टन की चिकनी सड़कों पर चल पड़े। 'वह ज्यादा देर तक मृत नहीं रही,' मैंने कांपती हुई आवाज को रोकने की कोशिश करते हुए कहा। 'मुझे लगा था कि आपने कहा था कि उन्हें जीवन भर के लिए दूर किया जा सकता है।'
‘मैंने कहा था कि अगर तुम भाग्यशाली हो,’ एनाबेथ ने कहा। ‘तुम तो जाहिर तौर पर नहीं हो।’
‘वे तीनों,’ ग्रोवर ने सिसकते हुए कहा। ‘अमृतकों के!’
‘कोई बात नहीं,’ एनाबेथ ने गहरी सोच में डूबी हुई कहा। ‘फ्यूरीज़। पाताल लोक के तीन सबसे भयानक राक्षस। कोई दिक्कत नहीं। कोई दिक्कत नहीं। हम खिड़कियों से चुपके से निकल जाएंगे।’
‘ये खुलते ही नहीं,’ ग्रोवर ने कराहते हुए कहा।
‘पीछे का निकास?’ उसने सुझाव दिया।

वहाँ कोई नहीं था। अगर होता भी तो उससे कोई मदद नहीं मिलती। उस समय तक हम नाइंथ एवेन्यू पर थे और लिंकन टनल की ओर जा रहे थे।
मैंने कहा, 'गवाहों के सामने वे हम पर हमला नहीं करेंगे। क्या वे करेंगे?' ‘मनुष्यों की आंखें अच्छी नहीं होतीं,’ एनाबेथ ने मुझे याद दिलाया। ‘उनका मस्तिष्क केवल धुंध के माध्यम से देखी गई चीजों को ही समझ सकता है।’
‘वे तीन बूढ़ी महिलाओं को हमें मारते हुए देखेंगे, है ना?’
उसने इस बारे में सोचा। 'कहना मुश्किल है। लेकिन हम मदद के लिए इंसानों पर भरोसा नहीं कर सकते। शायद छत में कोई आपातकालीन निकास हो...?'
हम लिंकन टनल में पहुँचे और बस में अंधेरा छा गया, सिवाय गलियारे में जलती हुई लाइटों के। बारिश की आवाज़ न होने से चारों ओर अजीब सी शांति छाई हुई थी।
श्रीमती डॉड्स उठीं। सपाट स्वर में, मानो उन्होंने पहले से अभ्यास किया हो, उन्होंने पूरी बस में घोषणा की: 'मुझे शौचालय जाना है।'
दूसरी बहन ने कहा, 'मैं भी यही सोचती हूं।'
तीसरी बहन ने कहा, 'मैं भी यही सोचती हूं।'
वे सभी गलियारे से नीचे आने लगे।
‘मुझे मिल गया,’ एनाबेथ ने कहा। ‘पर्सी, मेरी टोपी ले लो।’
'क्या?'
‘वे तुम्हें ही चाहते हैं। अदृश्य हो जाओ और गलियारे में आगे बढ़ो। उन्हें तुम्हें पार करने दो। शायद तुम आगे पहुँचकर बच निकल सको।’
लेकिन तुम लोग –’
एनाबेथ ने कहा, 'हो सकता है कि वे हमें नोटिस ही न करें। तुम तीन सबसे बड़े देवताओं में से एक के बेटे हो। तुम्हारी गंध बहुत तेज़ हो सकती है।'
मैं तुम्हें यूं ही छोड़कर नहीं जा सकता।
‘हमारी चिंता मत करो,’ ग्रोवर ने कहा। ‘जाओ!’
मेरे हाथ कांप रहे थे। मुझे कायरता का एहसास हो रहा था, लेकिन मैंने यांकीज़ की टोपी उठाई और पहन ली।
जब मैंने नीचे देखा, तो मेरा शरीर वहां नहीं था।
मैं धीरे-धीरे गलियारे में आगे बढ़ने लगा। मैं किसी तरह दस पंक्तियाँ पार कर पाया, और फिर जैसे ही फ्यूरीज़ मेरे सामने से गुज़रीं, मैं एक खाली सीट पर बैठ गया।

श्रीमती डॉड्स रुक गईं, सूंघते हुए, और सीधे मेरी ओर देखने लगीं। मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था।
जाहिर तौर पर उसने कुछ नहीं देखा। वह और उसकी बहनें आगे बढ़ती रहीं।
मैं आज़ाद हो गया। मैं बस के आगे वाले हिस्से में पहुँच गया। हम लगभग लिंकन टनल पार कर चुके थे। मैं इमरजेंसी स्टॉप बटन दबाने ही वाला था कि मुझे पीछे वाली पंक्ति से भयानक चीखने की आवाज़ सुनाई दी।
वे बूढ़ी औरतें अब बूढ़ी औरतें नहीं रह गई थीं। उनके चेहरे तो पहले जैसे ही थे – शायद इससे ज़्यादा बदसूरत तो हो ही नहीं सकते थे – लेकिन उनके शरीर सिकुड़कर चमड़े जैसे भूरे रंग के, चमगादड़ के पंखों वाले और गार्गोयल के पंजों जैसे हाथों-पैरों वाले चुड़ैल के शरीर में बदल गए थे। उनके पर्स आग उगलने वाले चाबुकों में बदल गए थे।
फ्यूरीज ने ग्रोवर और एनाबेथ को घेर लिया, अपने कोड़े चलाते हुए फुफकारते हुए कहा: 'यह कहाँ है? कहाँ?'
बस में बैठे बाकी लोग चीख रहे थे, अपनी सीटों पर दुबके बैठे थे। उन्होंने कुछ देखा तो था, यह पक्का था।
‘वह यहाँ नहीं है!’ एनाबेथ चिल्लाई। ‘वह चला गया है!’
फ्यूरीज ने अपने कोड़े उठा लिए।
एनाबेथ ने अपना पीतल का चाकू निकाला। ग्रोवर ने अपने नाश्ते के थैले से एक टिन का डिब्बा निकाला और उसे फेंकने की तैयारी की।
इसके बाद मैंने जो किया वह इतना आवेगपूर्ण और खतरनाक था कि मुझे एडीएचडी का पोस्टर चाइल्ड ऑफ द ईयर घोषित कर देना चाहिए था।
बस चालक का ध्यान भटक गया था, वह अपने रियरव्यू मिरर में देख रहा था कि क्या हो रहा है।
अदृश्य रहते हुए, मैंने उससे स्टीयरिंग व्हील छीन लिया और उसे बाईं ओर झटका दिया। सब लोग चीखते हुए दाईं ओर जा गिरे, और मुझे तीन फ्यूरी के खिड़कियों से टकराने की आवाज़ सुनाई दी, और मुझे उम्मीद थी कि यह वही आवाज़ थी।
‘अरे!’ ड्राइवर चिल्लाया। ‘अरे – रुको!’
हम स्टीयरिंग व्हील के लिए जूझ रहे थे। बस सुरंग की दीवार से टकरा गई, धातु के घिसने की आवाज आई और चिंगारियां एक मील पीछे तक फैल गईं।

एनाबेथ और ग्रोवर सावधानीपूर्वक फ्यूरीज़ के पीछे की ओर बढ़े, और मौका तलाशने लगे।
मैंने अपनी जेब से बॉलपॉइंट पेन निकाला और उसका ढक्कन खोला। रिपटाइड एक चमकती हुई दोधारी तलवार की तरह फैल गई।
फ्यूरीज़ हिचकिचाईं।
श्रीमती डॉड्स ने पहले भी रिपटाइड के ब्लेड का वार झेला था। जाहिर है, वह इसे दोबारा देखना नहीं चाहती थीं।
‘अभी आत्मसमर्पण करो,’ उसने फुफकारते हुए कहा। ‘और तुम्हें अनंत यातना नहीं सहनी पड़ेगी।’
मैंने उससे कहा, 'अच्छा प्रयास था।'
‘पर्सी, सावधान रहो!’ एनाबेथ चिल्लाई।
श्रीमती डॉड्स ने मेरे तलवार वाले हाथ पर अपना चाबुक घुमाया, जबकि दोनों ओर की देवियाँ मुझ पर झपटीं।
मेरा हाथ पिघले हुए सीसे में लिपटा हुआ सा लग रहा था, लेकिन मैंने रिपटाइड को गिरने से बचा लिया। मैंने तलवार की मूठ से फ्यूरी के बाईं ओर वार किया, जिससे वह पीछे की ओर एक कुर्सी पर गिर पड़ी। मैं मुड़ा और फ्यूरी के दाईं ओर वार किया। जैसे ही तलवार उसकी गर्दन से टकराई, वह चीखी और धूल में बदल गई। एनाबेथ ने मिसेज डॉड्स को पहलवानों की तरह पकड़ लिया और पीछे की ओर खींच लिया, जबकि ग्रोवर ने उसके हाथों से चाबुक छीन ली।
‘आह!’ वह चिल्लाया। ‘आह! गर्म! गर्म!’
जिस फ्यूरी को मैंने मूठ से पटका था, वह फिर से मेरे ऊपर झपटी, अपने पंजे तैयार किए हुए आई, लेकिन मैंने रिपटाइड को घुमाया और वह पिनाटा की तरह चकनाचूर हो गई।
मिसेज़ डॉड्स एनाबेथ को अपनी पीठ से उतारने की कोशिश कर रही थीं। एनाबेथ ने लात मारी, नाखून मारे, फुफकारा और काटा, लेकिन एनाबेथ चिपकी रही जबकि ग्रोवर ने मिसेज़ डॉड्स के पैरों को उन्हीं के चाबुक से बांध दिया। आखिरकार दोनों ने मिलकर उन्हें पीछे की ओर धकेल कर गलियारे में गिरा दिया। मिसेज़ डॉड्स उठने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन उनके पास अपने चमगादड़ जैसे पंख फड़फड़ाने की जगह नहीं थी, इसलिए वह बार-बार गिरती रहीं।
‘ज़्यूस तुम्हें नष्ट कर देगा!’ उसने कसम खाई। ‘हेड्स तुम्हारी आत्मा ले जाएगा!’

मैंने चिल्लाकर कहा, ‘Braccas meas vescimini!’
मुझे पक्का नहीं पता कि यह लैटिन शब्द कहाँ से आया है। मुझे लगता है इसका मतलब था 'मेरी पैंट खाओ!'
बिजली कड़कने से बस हिल गई। मेरे रोंगटे खड़े हो गए।
‘निकल जाओ!’ एनाबेथ मुझ पर चिल्लाई। ‘अभी!’ मुझे किसी प्रोत्साहन की जरूरत नहीं थी।
हम जल्दी से बाहर निकले और देखा कि बाकी यात्री अचेत अवस्था में इधर-उधर भटक रहे थे, ड्राइवर से बहस कर रहे थे या 'हम मरने वाले हैं!' चिल्लाते हुए गोल-गोल भाग रहे थे। हवाईयन शर्ट पहने एक पर्यटक ने कैमरे से मेरी तस्वीर खींच ली, इससे पहले कि मैं अपनी तलवार को ठीक से संभाल पाता।
‘हमारे बैग!’ ग्रोवर को एहसास हुआ। ‘हम अपने बैग यहीं छोड़ आए थे –’
बूम!
यात्रियों के जान बचाने के लिए भागने पर बस की खिड़कियाँ टूट गईं। बिजली गिरने से छत में एक बड़ा गड्ढा हो गया, लेकिन अंदर से आती एक चीख ने मुझे बताया कि श्रीमती डॉड्स अभी मरी नहीं थीं।
‘भागो!’ एनाबेथ ने कहा। ‘वह मदद के लिए बुला रही है! हमें यहाँ से निकलना होगा!’
बारिश तेज हो रही थी और हम जंगल में घुस गए, हमारे पीछे बस आग की लपटों में घिरी हुई थी और आगे सिर्फ अंधेरा ही अंधेरा था।

11 हम गार्डन ग्नोम एम्पोरियम का दौरा करते हैं

एक तरह से, यह जानकर अच्छा लगता है कि ग्रीक देवता मौजूद हैं, क्योंकि जब कुछ गलत होता है तो दोष देने के लिए कोई तो होता है। उदाहरण के लिए, जब आप किसी ऐसी बस से दूर जा रहे हों जिस पर राक्षसी चुड़ैलों ने हमला किया हो और बिजली गिरने से वह फट गई हो, और ऊपर से बारिश भी हो रही हो, तो ज्यादातर लोग सोचेंगे कि यह सिर्फ बदकिस्मती है; लेकिन जब आप आधे-राक्षस होते हैं, तो आप समझते हैं कि कोई दैवीय शक्ति सचमुच आपका दिन खराब करने की कोशिश कर रही है।
तो हम वहाँ थे, एनाबेथ, ग्रोवर और मैं, न्यू जर्सी नदी के किनारे जंगल में टहल रहे थे, न्यूयॉर्क शहर की चमक से हमारे पीछे रात का आसमान पीला दिख रहा था और हडसन नदी की दुर्गंध हमारी नाक में घुस रही थी।
ग्रोवर कांप रहा था और जोर-जोर से चिल्ला रहा था, उसकी बड़ी-बड़ी बकरियों जैसी आंखें डर से सिकुड़ी हुई थीं। 'तीन दयालु लोग। तीनों एक साथ।'
मैं खुद भी सदमे में था। बस की खिड़कियों के टूटने की आवाज़ अभी भी मेरे कानों में गूंज रही थी। लेकिन एनाबेथ हमें खींचती हुई कहती रही: 'चलो! हम जितना दूर जाएंगे, उतना ही अच्छा होगा।'
मैंने उसे याद दिलाया, 'हमारा सारा पैसा वहीं था। हमारा खाना और कपड़े। सब कुछ।'
‘अच्छा, शायद अगर तुमने लड़ाई में कूदने का फैसला न किया होता तो –’
‘तुम मुझसे क्या करवाना चाहते थे? क्या मैं तुम्हें मरने दूं?’
'तुम्हें मेरी रक्षा करने की ज़रूरत नहीं थी, पर्सी। मैं ठीक रहती।' ग्रोवर ने कहा, 'सैंडविच की ब्रेड की तरह कटा हुआ है, लेकिन बढ़िया है।' ‘चुप रहो, बकरे के बच्चे,’ एनाबेथ ने कहा।
ग्रोवर ने उदास स्वर में कहा, 'टिन के डिब्बे... टिन के डिब्बों से भरा एक बिल्कुल सही थैला।'
हम कीचड़ भरी जमीन पर, उन बदसूरत, टेढ़े-मेढ़े पेड़ों के बीच से होकर गुजरे, जिनसे खट्टे कपड़ों जैसी बदबू आ रही थी।

कुछ मिनट बाद, एनाबेथ मेरे बगल में आकर खड़ी हो गई। ‘देखो, मैं…’ उसकी आवाज़ लड़खड़ा गई। ‘हमारे लिए वापस आने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, ठीक है? यह वाकई बहुत बहादुरी का काम था।’
‘हम एक टीम हैं, है ना?’
वह कुछ और कदम तक चुप रही। "बात बस इतनी सी है कि अगर तुम मर गए... तो तुम्हारे लिए यह बहुत बुरा होगा, और इसका मतलब होगा कि मेरी खोज खत्म हो गई। शायद यही एक मौका है मुझे असली दुनिया देखने का।"
तूफान आखिरकार थम गया था। शहर की रोशनी हमारे पीछे फीकी पड़ गई, और चारों ओर लगभग पूरा अंधेरा छा गया। मुझे एनाबेथ का कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, सिवाय उसके सुनहरे बालों की एक झलक के।
मैंने उससे पूछा, 'तुम सात साल की उम्र से कैंप हाफ-ब्लड से बाहर नहीं निकली हो?'
‘नहीं… केवल छोटी-छोटी फील्ड ट्रिप। मेरे पिताजी –’
इतिहास के प्रोफेसर।
‘हाँ। घर पर रहना मेरे लिए ठीक नहीं रहा। मतलब, कैंप हाफ-ब्लड ही मेरा घर है।’ अब वह जल्दी-जल्दी बोल रही थी, मानो उसे डर हो कि कोई उसे रोक न दे। ‘कैंप में खूब ट्रेनिंग होती है। और ये सब ठीक है, लेकिन असली दुनिया में तो राक्षस होते हैं। वहीं पता चलता है कि तुम काबिल हो या नहीं।’
अगर मुझे बेहतर जानकारी न होती, तो मैं कसम खाकर कह सकता था कि मैंने उसकी आवाज में संदेह सुना था।
मैंने कहा, 'तुम चाकू चलाने में काफी माहिर हो।'
'आपको ऐसा लगता है?'
'जो कोई भी फ्यूरी को अपनी पीठ पर लादकर चला सकता है, वह मुझे ठीक लगता है।' मैं ठीक से देख नहीं पाई, लेकिन मुझे लगा कि शायद वह मुस्कुराई होगी। ‘जानते हो,’ उसने कहा, ‘शायद मुझे तुम्हें कुछ बताना चाहिए… बस में कुछ मजेदार हुआ था…’
वह जो कुछ भी कहना चाहती थी, वह एक तीखी टूटू टूटू की आवाज से बाधित हो जाता था, मानो किसी उल्लू को यातना दी जा रही हो।
‘अरे, मेरी बांसुरी अभी भी बजती है!’ ग्रोवर चिल्लाया। ‘अगर मुझे कोई “रास्ता ढूंढने वाला” गाना याद आ जाए, तो हम इन जंगलों से बाहर निकल सकते हैं!’

उसने कुछ सुर निकाले, लेकिन धुन अभी भी काफी हद तक हिलेरी डफ की धुन जैसी लग रही थी।
रास्ता ढूंढने के बजाय, मैं तुरंत एक पेड़ से टकरा गया और मेरे सिर पर एक अच्छी खासी चोट लग गई।
मेरे पास मौजूद न होने वाली महाशक्तियों की सूची में एक और नाम जोड़ें: अवरक्त दृष्टि।
लगभग एक मील तक ठोकर खाते, कोसते और बुरी तरह परेशान होते रहने के बाद, मुझे आगे रोशनी दिखाई देने लगी: एक नियॉन साइन के रंग। मुझे खाने की खुशबू आ रही थी। तला हुआ, तेल से लथपथ, लाजवाब खाना। मुझे एहसास हुआ कि हाफ-ब्लड हिल आने के बाद से मैंने कुछ भी अनहेल्दी नहीं खाया था, जहाँ हम अंगूर, ब्रेड, पनीर और अप्सराओं द्वारा तैयार किए गए बेहद कम वसा वाले बारबेक्यू पर ही गुजारा करते थे। इस लड़के को एक डबल चीज़बर्गर चाहिए था।
हम चलते रहे जब तक कि मुझे पेड़ों के बीच से एक सुनसान दो लेन वाली सड़क दिखाई नहीं दी। दूसरी तरफ एक बंद पड़ा पेट्रोल पंप, 1990 के दशक की किसी फिल्म का फटा हुआ बिलबोर्ड और एक खुली दुकान थी, जहाँ से नियॉन लाइट और अच्छी खुशबू आ रही थी।
यह कोई फास्ट-फूड रेस्टोरेंट नहीं था जैसा मैंने सोचा था। यह सड़क किनारे की उन अजीबोगरीब दुकानों में से एक थी जहाँ लॉन फ्लेमिंगो, लकड़ी के भारतीय और सीमेंट के ग्रिजली भालू जैसी चीज़ें बिकती हैं। मुख्य इमारत एक लंबा, नीचा गोदाम था, जिसके चारों ओर कई एकड़ में मूर्तियाँ लगी थीं। गेट के ऊपर लगा नियॉन साइन मेरे लिए पढ़ना नामुमकिन था, क्योंकि अगर मेरी डिस्लेक्सिया के लिए सामान्य अंग्रेज़ी से भी बदतर कुछ है, तो वह लाल रंग के घुमावदार नियॉन साइन वाली अंग्रेज़ी है।
मुझे यह कुछ इस तरह लगा: ATNYU MES GDERAN GOMEN MEPROIUM. मैंने पूछा, 'इसका मतलब क्या है?'
‘मुझे नहीं पता,’ एनाबेथ ने कहा।
उसे पढ़ना इतना पसंद था कि मैं भूल ही गई थी कि उसे डिस्लेक्सिया भी है। ग्रोवर ने अनुवाद किया: 'आंटी एम का गार्डन ग्नोम एम्पोरियम।'
जैसा कि विज्ञापन में दिखाया गया था, प्रवेश द्वार के दोनों ओर सीमेंट से बने दो छोटे-छोटे बगीचे के बौने थे, बदसूरत दाढ़ी वाले छोटे-छोटे बौने, मुस्कुराते और हाथ हिलाते हुए, मानो वे अपनी तस्वीर खिंचवाने वाले हों।

मैं हैमबर्गर की खुशबू का पीछा करते हुए सड़क पार कर गया।
‘अरे…’ ग्रोवर ने चेतावनी दी।
‘अंदर बत्तियाँ जल रही हैं,’ एनाबेथ ने कहा। ‘शायद यह खुला है।’
मैंने उदास स्वर में कहा, 'स्नैक बार।'
'स्नैक बार,' उसने सहमति जताई।
‘क्या तुम दोनों पागल हो?’ ग्रोवर ने कहा। ‘यह जगह अजीब है।’
हमने उसे नजरअंदाज कर दिया।
सामने का बगीचा मूर्तियों का जंगल था: सीमेंट के जानवर, सीमेंट के बच्चे, यहाँ तक कि सीमेंट का एक कामुक व्यक्ति बांसुरी बजा रहा था, जिसे देखकर ग्रोवर को डर लगता था।
'ब्ला-हा-हा!' उसने मिमियाया। 'मेरे चाचा फर्डिनेंड जैसा दिखता है!'
हम गोदाम के दरवाजे पर रुक गए।
ग्रोवर ने विनती करते हुए कहा, 'दरवाजा मत खटखटाओ। मुझे राक्षसों की गंध आ रही है।'
‘फ्यूरीज़ की वजह से तुम्हारी नाक बंद हो गई है,’ एनाबेथ ने उससे कहा। ‘मुझे तो सिर्फ बर्गर की गंध आ रही है। क्या तुम्हें भूख नहीं लगी?’
‘मांस!’ उसने तिरस्कारपूर्वक कहा। ‘मैं शाकाहारी हूँ।’
मैंने उसे याद दिलाया, 'तुम चीज़ एनचिलाडा और एल्युमिनियम के डिब्बे खाते हो।'
‘ये तो सब्जियां हैं। चलो, चलते हैं। ये मूर्तियां… मुझे घूर रही हैं।’ फिर दरवाज़ा चरमराते हुए खुला, और हमारे सामने एक लंबी मध्य पूर्वी महिला खड़ी थी – कम से कम, मुझे लगा कि वह मध्य पूर्वी थी, क्योंकि उसने एक लंबा काला गाउन पहना हुआ था जिससे उसके हाथ छोड़कर बाकी सब कुछ ढका हुआ था, और उसका सिर पूरी तरह से घूंघट से ढका हुआ था। उसकी आँखें काले जालीदार कपड़े के पर्दे के पीछे चमक रही थीं, लेकिन मैं बस इतना ही देख पाया। उसके कॉफी रंग के हाथ उम्रदराज लग रहे थे, लेकिन अच्छी तरह से मैनीक्योर किए हुए और सुरुचिपूर्ण थे, इसलिए मैंने कल्पना की कि वह एक दादी होंगी जो कभी एक खूबसूरत महिला रही होंगी।
उसकी बोली में भी कुछ-कुछ मध्य पूर्वी लहजे की झलक थी। उसने कहा, 'बच्चों, अकेले बाहर रहने के लिए बहुत देर हो चुकी है। तुम्हारे माता-पिता कहाँ हैं?'

‘वे… उम…’ एनाबेथ ने कहना शुरू किया।
मैंने कहा, 'हम अनाथ हैं।'
‘अनाथ?’ महिला ने कहा। यह शब्द उसके मुंह से अजीब सा लग रहा था। ‘लेकिन, मेरे प्यारे बच्चों! बिलकुल नहीं!’
मैंने कहा, ‘हम अपने सर्कस के वैन से अलग हो गए हैं। रिंगमास्टर ने हमें रास्ता भटकने पर पेट्रोल पंप पर मिलने को कहा था, लेकिन शायद वह भूल गए हों, या हो सकता है उनका मतलब किसी दूसरे पेट्रोल पंप से हो। खैर, हम रास्ता भटक गए हैं। क्या मुझे खाने की खुशबू आ रही है?’
‘ओह, मेरे प्यारे बच्चों,’ महिला ने कहा। ‘तुम्हें अंदर आना होगा, बेचारे बच्चों। मैं आंटी एम हूँ। कृपया सीधे गोदाम के पीछे वाले हिस्से में चले जाइए। वहाँ भोजन कक्ष है।’
हमने उन्हें धन्यवाद दिया और अंदर चले गए।
एनाबेथ ने मुझसे धीरे से कहा, 'सर्कस का कारवां?'
‘हमेशा एक रणनीति होनी चाहिए, है ना?’
तुम्हारा दिमाग समुद्री शैवाल से भरा हुआ है।
गोदाम मूर्तियों से भरा हुआ था – अलग-अलग मुद्राओं में, अलग-अलग पोशाकों में और चेहरे पर अलग-अलग भावों के साथ लोगों की मूर्तियाँ। मैं सोच रही थी कि इनमें से एक मूर्ति को भी रखने के लिए बहुत बड़ा बगीचा चाहिए होगा, क्योंकि ये सभी आदमकद थीं। लेकिन ज़्यादातर मैं खाने के बारे में सोच रही थी।
ठीक है, मुझे बेवकूफ कह लो कि मैं भूख लगने पर एक अनजान औरत की दुकान में घुस गया, पर कभी-कभी मैं बिना सोचे-समझे काम कर लेता हूँ। और हाँ, तुमने आंटी एम के बर्गर की खुशबू कभी नहीं सूँघी। उसकी खुशबू ऐसी थी जैसे डेंटिस्ट की कुर्सी पर लाफिंग गैस का असर हो – सब कुछ गायब हो गया। मुझे ग्रोवर की घबराहट भरी सिसकियाँ, मूर्तियों की आँखों का मुझे घूरना, या आंटी एम का हमारे पीछे दरवाजा बंद करना, ये सब मुश्किल से ही सुनाई दिया। मुझे बस खाने की जगह ढूंढनी थी। और, वाकई, वह गोदाम के पीछे थी - एक फास्ट-फूड काउंटर, ग्रिल, सोडा फाउंटेन, प्रेट्ज़ेल हीटर और नाचो चीज़ डिस्पेंसर। आपकी हर ज़रूरत पूरी हो सकती थी, साथ ही सामने कुछ स्टील की पिकनिक टेबल भी थीं।
‘कृपया बैठ जाइए,’ आंटी एम ने कहा।

मैंने कहा, 'शानदार।'
‘उम,’ ग्रोवर ने अनिच्छा से कहा, ‘हमारे पास पैसे नहीं हैं, मैडम।’
इससे पहले कि मैं उसकी पसलियों में उंगली मार पाता, आंटी एम ने कहा, 'नहीं, नहीं, बच्चों। पैसे नहीं। यह एक विशेष मामला है, है ना? ऐसे प्यारे अनाथों के लिए यह मेरी तरफ से दावत है।'
‘धन्यवाद, मैडम,’ एनाबेथ ने कहा।
आंटी एम एकदम अकड़ गईं, मानो एनाबेथ ने कुछ गलत कर दिया हो, लेकिन फिर बूढ़ी औरत उतनी ही जल्दी सहज हो गईं, इसलिए मुझे लगा कि यह मेरी कल्पना ही रही होगी।
‘कोई बात नहीं, एनाबेथ,’ उसने कहा। ‘तुम्हारी भूरी आँखें कितनी खूबसूरत हैं, बच्ची।’ बाद में मुझे आश्चर्य हुआ कि उसे एनाबेथ का नाम कैसे पता था, जबकि हमने कभी एक-दूसरे का परिचय नहीं दिया था।
हमारी मेज़बान स्नैक काउंटर के पीछे गायब हो गई और खाना बनाना शुरू कर दिया। देखते ही देखते, वह हमारे लिए प्लास्टिक की ट्रे में डबल चीज़बर्गर, वैनिला शेक और बहुत बड़े आकार के फ्रेंच फ्राइज़ लेकर आ गई।
मैंने अपना आधा बर्गर खा लिया था, तब मुझे सांस लेने की याद आई।
एनाबेथ ने अपना शेक एक घूंट भरकर पिया।
ग्रोवर ने फ्रेंच फ्राइज़ को कुरेदकर खाया और ट्रे के मोम लगे कागज के लाइनर को ऐसे देखा जैसे वह उसे खाना चाहेगा, लेकिन वह अभी भी इतना घबराया हुआ लग रहा था कि खा नहीं पा रहा था।
‘यह कैसी फुफकारने की आवाज है?’ उसने पूछा।
मैंने सुना, लेकिन कुछ सुनाई नहीं दिया। एनाबेथ ने अपना सिर हिलाया। ‘फुफकार?’ आंटी एम ने पूछा। ‘शायद तुम्हें डीप-फ्रायर के तेल की आवाज़ सुनाई दे रही है। तुम्हारे कान तो बहुत तेज़ हैं, ग्रोवर।’
मैं विटामिन लेता हूँ। अपने कानों के लिए।
‘यह प्रशंसनीय है,’ उसने कहा। ‘लेकिन कृपया, शांत हो जाइए।’
आंटी एम ने कुछ नहीं खाया। उन्होंने खाना बनाते समय भी अपना सिर ढकने वाला कपड़ा नहीं उतारा था, और अब वह आगे झुककर अपनी उंगलियों को आपस में फंसाकर हमें खाते हुए देख रही थीं। यह थोड़ा अजीब लग रहा था कि कोई मुझे घूर रहा है जबकि मैं उनका चेहरा नहीं देख पा रही थी, लेकिन बर्गर खाने के बाद मुझे

संतुष्टि महसूस हो रही थी और थोड़ी नींद भी आ रही थी, इसलिए मैंने सोचा कि कम से कम मैं मेज़बान से थोड़ी बातचीत करने की कोशिश तो कर ही सकती हूँ। मैंने दिलचस्पी दिखाने की कोशिश करते हुए कहा, 'तो, आप बौने बेचते हैं?' ‘ओह, हाँ,’ आंटी एम ने कहा। ‘और जानवर। और लोग। बगीचे के लिए कुछ भी। कस्टम ऑर्डर। मूर्तियाँ बहुत लोकप्रिय हैं, आपको पता है।’
‘इस सड़क पर काफी कारोबार होता है?’
'ऐसा नहीं है, बिलकुल नहीं। जब से राजमार्ग बना है... ज्यादातर गाड़ियां अब इस रास्ते से नहीं जातीं। मुझे अपने हर ग्राहक की कद्र करनी चाहिए।'
मेरी गर्दन में झुनझुनी सी हुई, मानो कोई मुझे घूर रहा हो। मैंने मुड़कर देखा, तो वह ईस्टर की टोकरी पकड़े एक छोटी लड़की की मूर्ति थी। उसमें बारीकियां अद्भुत थीं, आम तौर पर बगीचों में रखी मूर्तियों से कहीं बेहतर। लेकिन उसके चेहरे में कुछ गड़बड़ थी। ऐसा लग रहा था मानो वह चौंक गई हो, या फिर डर गई हो।
‘आह,’ आंटी एम ने उदास होकर कहा। ‘आपने देखा होगा कि मेरी कुछ रचनाएँ अच्छी नहीं बनतीं। उनमें खामियाँ रह जाती हैं। वे बिकती नहीं हैं। चेहरा बनाना सबसे मुश्किल होता है। हमेशा चेहरा ही।’
मैंने पूछा, 'क्या आप ये मूर्तियां खुद बनाते हैं?'
“ओह, हाँ। एक ज़माने में, मेरे साथ व्यापार में मदद करने के लिए दो बहनें थीं, लेकिन वे अब इस दुनिया में नहीं हैं, और आंटी एम अकेली रह गई हैं। मेरे पास बस मेरी मूर्तियाँ ही हैं। इसीलिए तो मैं इन्हें बनाती हूँ, आप समझ रहे हैं ना? ये ही मेरा साथी हैं।” उनकी आवाज़ में उदासी इतनी गहरी और सच्ची थी कि मुझे उन पर तरस आ गया।
एनाबेथ ने खाना बंद कर दिया था। वह आगे की ओर झुकी और बोली, 'दो बहनें?'
‘यह एक भयानक कहानी है,’ आंटी एम ने कहा। ‘बच्चों के लिए बिल्कुल भी नहीं। देखो, एनाबेथ, बहुत समय पहले, जब मैं छोटी थी, एक बुरी औरत मुझसे ईर्ष्या करती थी। मेरा एक... एक प्रेमी था, और वह बुरी औरत हमें अलग करने पर तुली हुई थी। उसने एक भयानक दुर्घटना करवा दी। मेरी बहनें मेरे साथ रहीं। उन्होंने जितना हो सका, मेरे दुर्भाग्य को सहा, लेकिन अंततः वे भी इस दुनिया से चली गईं। वे दुनिया से विदा हो गईं। मैं अकेली बची हूँ, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ी है। बहुत बड़ी कीमत।’

मुझे समझ नहीं आया कि उसका क्या मतलब था, लेकिन मुझे उस पर तरस आया। मेरी पलकें भारी होती जा रही थीं, पेट भरा होने के कारण मुझे नींद आ रही थी। बेचारी बुढ़िया। भला कोई इतने अच्छे इंसान को क्यों दुख पहुंचाएगा? ‘पर्सी?’ एनाबेथ मेरा ध्यान खींचने के लिए मुझे हिला रही थी। ‘शायद हमें चलना चाहिए। मतलब, रिंगमास्टर इंतज़ार कर रहा होगा।’
उसकी आवाज़ में तनाव झलक रहा था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्यों। ग्रोवर अब ट्रे पर लगे मोम लगे कागज़ को खा रहा था, लेकिन अगर आंटी एम को यह अजीब लगा भी तो उन्होंने कुछ नहीं कहा।
‘कितनी खूबसूरत भूरी आँखें हैं!’ आंटी एम ने एनाबेथ से फिर कहा। ‘अरे हाँ, मैंने ऐसी भूरी आँखें बहुत समय से नहीं देखी हैं।’
उसने एनाबेथ के गाल को सहलाने के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन एनाबेथ अचानक खड़ी हो गई।
हमें सच में जाना चाहिए।
‘जी हाँ!’ ग्रोवर ने मोम का कागज़ निगल लिया और खड़ा हो गया। ‘अंगूठा इंतज़ार कर रहा है! ठीक है!’
मुझे वहां से जाने का मन नहीं था। मुझे बहुत संतुष्टि और खुशी महसूस हो रही थी। आंटी एम बहुत अच्छी थीं। मैं उनके साथ कुछ और समय बिताना चाहती थी। ‘प्यारे बच्चों, कृपया!’ आंटी एम ने विनती की। ‘मुझे बच्चों के साथ समय बिताने का बहुत कम मौका मिलता है। जाने से पहले, क्या तुम कम से कम एक तस्वीर खिंचवा लोगे?’
‘एक पोज?’ एनाबेथ ने सावधानी से पूछा।
‘एक तस्वीर। मैं इसका इस्तेमाल एक नए मूर्ति सेट का मॉडल बनाने के लिए करूंगा। बच्चे इतने लोकप्रिय होते हैं, आप जानते ही हैं। हर कोई बच्चों को पसंद करता है।’
एनाबेथ ने अपना वजन एक पैर से दूसरे पैर पर डाला। 'मुझे नहीं लगता कि हम कर सकते हैं, मैडम। चलो, पर्सी –'
‘ज़रूर कर सकते हैं,’ मैंने कहा। मैं एनाबेथ से चिढ़ गई थी क्योंकि वह इतनी दबंग और बदतमीज़ थी, उस बुढ़िया के साथ जिसने अभी-अभी हमें मुफ़्त में खाना खिलाया था। ‘यह सिर्फ़ एक फ़ोटो है, एनाबेथ। इसमें क्या हर्ज़ है?’
“जी हां, एनाबेथ,” महिला ने धीरे से कहा। “कोई नुकसान नहीं।”

मुझे पता चल गया था कि एनाबेथ को यह पसंद नहीं आया, लेकिन उसने आंटी एम को हमें वापस सामने के दरवाजे से बाहर, मूर्तियों के बगीचे में ले जाने की अनुमति दे दी।
आंटी एम ने हमें पत्थर की बनी व्यंग्यमूर्ति के बगल में एक पार्क बेंच की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'अब मैं आप सबको सही जगह पर बिठा देती हूँ। मुझे लगता है कि बीच में वो लड़की और दोनों तरफ दो युवक।'
मैंने कहा, 'फोटो खींचने के लिए पर्याप्त रोशनी नहीं है।'
‘ओह, बस करो,’ आंटी एम ने कहा। ‘इतना काफी है कि हम एक-दूसरे को देख सकें, है ना?’
‘तुम्हारा कैमरा कहाँ है?’ ग्रोवर ने पूछा।
आंटी एम पीछे हट गईं, मानो तस्वीर की तारीफ कर रही हों। 'अब, चेहरा सबसे मुश्किल है। क्या आप सब मेरे लिए मुस्कुरा सकते हैं? एक बड़ी सी मुस्कान?' ग्रोवर ने अपने बगल में बनी सीमेंट की मूर्ति पर एक नजर डाली और बुदबुदाया, 'यह तो बिल्कुल अंकल फर्डिनेंड जैसा दिखता है।'
‘ग्रोवर,’ आंटी एम ने डांटते हुए कहा, ‘प्यारे, इधर देखो।’
उसके हाथों में अभी भी कैमरा नहीं था।
‘पर्सी –’ एनाबेथ ने कहा।
मेरे भीतर की किसी अंतरात्मा ने मुझे एनाबेथ की बात सुनने की चेतावनी दी, लेकिन मैं नींद आने की भावना, भोजन और उस बूढ़ी औरत की आवाज से मिलने वाली आरामदायक शांति से लड़ रहा था।
‘मैं बस एक पल में आती हूँ,’ आंटी एम ने कहा। ‘आपको पता है, इस घूंघट में मैं आपको ठीक से देख नहीं पा रही हूँ…’
‘पर्सी, कुछ गड़बड़ है,’ एनाबेथ ने जोर देकर कहा।
‘गलत?’ आंटी एम ने अपने सिर पर लिपटी पट्टी खोलते हुए कहा। ‘बिल्कुल नहीं, प्यारी। आज रात मेरे साथ इतने नेक लोग हैं। भला क्या गलत हो सकता है?’
‘ये तो अंकल फर्डिनेंड हैं!’ ग्रोवर ने हांफते हुए कहा।
‘उससे नज़रें हटाओ!’ एनाबेथ चिल्लाई। उसने झट से अपनी यैंकीज़ कैप सिर पर पहनी और गायब हो गई। उसके अदृश्य हाथों ने ग्रोवर और मुझे दोनों को बेंच से धक्का दे दिया।
मैं जमीन पर बैठा था और आंटी एम के सैंडल पहने पैरों को देख रहा था।

मुझे ग्रोवर के एक तरफ भागने की आवाज़ सुनाई दी, एनाबेथ दूसरी तरफ। लेकिन मैं इतना अचंभित था कि हिल भी नहीं पा रहा था।
तभी मुझे अपने ऊपर एक अजीब सी कर्कश आवाज सुनाई दी। मेरी नजर आंटी एम के हाथों पर पड़ी, जो खुरदुरे और मस्सेदार हो गए थे, और उनकी उंगलियों के नाखून कांसे के नुकीले पंजों जैसे थे।
मैंने लगभग ऊपर की ओर देखा, लेकिन मेरे बाईं ओर कहीं से एनाबेथ चिल्लाई, 'नहीं! मत करो!'
और भी कर्कश आवाज - मेरे ठीक ऊपर से, नन्हे साँपों की आवाज, लगभग उसी जगह से जहाँ आंटी एम का सिर होता।
‘भागो!’ ग्रोवर मिमियाया। मैंने उसे बजरी पर दौड़ते हुए सुना, वह अपने तेज़ दौड़ते जूतों को चलाने के लिए ‘माईया!’ चिल्ला रहा था।
मैं हिल भी नहीं पा रहा था। मैं आंटी एम के टेढ़े-मेढ़े पंजों को घूरता रहा और उस बुढ़िया के बेहोशी जैसे प्रभाव से लड़ने की कोशिश करता रहा जिसमें उसने मुझे डाल दिया था।
‘इतने सुंदर युवा चेहरे को बर्बाद करना कितना दुखद है,’ उसने मुझे दिलासा देते हुए कहा। ‘मेरे साथ रहो, पर्सी। तुम्हें बस ऊपर देखना है।’
मैंने आज्ञा मानने की इच्छा को दबाया। इसके बजाय मैंने एक तरफ देखा और बगीचों में रखी जाने वाली कांच की एक गेंद देखी - एक दर्शन गेंद। मुझे नारंगी कांच में आंटी एम का धुंधला प्रतिबिंब दिखाई दिया; उनका सिर का आभूषण गायब था, जिससे उनका चेहरा एक झिलमिलाते हुए फीके गोले के रूप में दिखाई दे रहा था। उनके बाल सांपों की तरह लहरा रहे थे।
आंटी एम।
आंटी 'एम'।
मैं इतना बेवकूफ कैसे हो सकता था?
मैंने खुद से कहा, सोचो। पौराणिक कथा में मेडुसा की मृत्यु कैसे हुई थी? लेकिन मैं कुछ सोच नहीं पा रहा था। मुझे अंदर से महसूस हो रहा था कि पौराणिक कथा के अनुसार, जब मेरे हमनाम पर्सियस ने मेडुसा पर हमला किया था, तब वह सो रही थी। लेकिन अब वह बिल्कुल भी सोई हुई नहीं थी। अगर वह चाहे तो अभी अपने पंजों से मेरा चेहरा नोंच सकती है।
‘पर्सी, धूसर आँखों वाली ने मेरे साथ ऐसा किया,’ मेडुसा ने कहा, और उसकी आवाज़ किसी राक्षस जैसी नहीं लग रही थी। उसकी आवाज़ ने मुझे ऊपर देखने और

उस बेचारी बूढ़ी दादी के प्रति सहानुभूति जताने के लिए प्रेरित किया। ‘एनाबेथ की माँ, शापित एथेना ने मुझे एक खूबसूरत स्त्री से इस हालत में पहुँचा दिया।’
‘उसकी बात मत सुनो!’ एनाबेथ की आवाज मूर्तियों के बीच से कहीं से सुनाई दी। ‘भागो, पर्सी!’
‘चुप रहो!’ मेडुसा गुर्राई। फिर उसकी आवाज़ एक शांत, मधुर फुसफुसाहट में बदल गई। ‘पर्सी, तुम समझ गए हो कि मुझे उस लड़की को क्यों नष्ट करना होगा। वह मेरे शत्रु की बेटी है। मैं उसकी मूर्ति को चूर-चूर कर दूंगी। लेकिन प्यारे पर्सी, तुम्हें कष्ट सहने की ज़रूरत नहीं है।’
‘नहीं,’ मैंने धीरे से कहा। मैंने अपने पैरों को हिलाने की कोशिश की। ‘क्या तुम सचमुच देवताओं की मदद करना चाहते हो?’ मेडुसा ने पूछा। ‘क्या तुम समझते हो कि इस मूर्खतापूर्ण यात्रा में तुम्हारा क्या अंजाम होगा, पर्सी? अगर तुम पाताल लोक पहुँच गए तो क्या होगा? मेरे प्रिय, ओलंपियनों के हाथों की कठपुतली मत बनो। मूर्ति बन जाना ही तुम्हारे लिए बेहतर होगा। कम दर्द। कम दर्द।’
‘पर्सी!’ मेरे पीछे से एक भिनभिनाहट की आवाज़ आई, जैसे कोई नब्बे किलोग्राम का हमिंगबर्ड नीचे की ओर गोता लगा रहा हो। ग्रोवर चिल्लाया, ‘झुक जाओ!’ मैंने मुड़कर देखा, और वह रात के आकाश में बारह बजे की दिशा से उड़ता हुआ आ रहा था, उसके पंखों वाले जूते फड़फड़ा रहे थे - ग्रोवर, बेसबॉल बैट के आकार की एक पेड़ की शाखा पकड़े हुए। उसकी आँखें कसकर बंद थीं, उसका सिर इधर-उधर हिल रहा था। वह केवल अपने कानों और नाक के सहारे रास्ता खोज रहा था।
‘झुक जाओ!’ उसने फिर चिल्लाया। ‘मैं उसे पकड़ लूंगा!’
आखिरकार उस बात ने मुझे हरकत में ला दिया। ग्रोवर को जानते हुए, मुझे यकीन था कि वह मेडुसा को चूक जाएगा और मुझे पकड़ लेगा। मैं एक तरफ कूद गया। धड़ाम!
पहले तो मुझे लगा कि ग्रोवर ने किसी पेड़ पर प्रहार किया है। फिर मेडुसा क्रोध से दहाड़ उठी।
‘तुम नीच कामुक प्राणी,’ उसने गुस्से से कहा। ‘मैं तुम्हें अपने संग्रह में शामिल कर लूंगी!’
‘वो तो अंकल फर्डिनेंड के लिए था!’ ग्रोवर ने चिल्लाकर जवाब दिया।

मैं जल्दी से भागकर मूर्तियों के बीच छिप गया, जबकि ग्रोवर एक और चक्कर लगाने के लिए नीचे झपटा।
धड़ाम!
‘आह!’ मेडुसा चिल्लाई, उसके सांप जैसे बाल फुफकारते और थूकते हुए निकल रहे थे।
मेरे ठीक बगल में, एनाबेथ की आवाज आई, 'पर्सी!'
मैं इतनी ऊंची कूदी कि मेरे पैर लगभग एक बगीचे के बौने के ऊपर से निकल गए। 'अरे बाप रे! ऐसा मत करो!'
एनाबेथ ने अपनी यांकीज़ कैप उतार दी और वह दिखाई देने लगी। 'तुम्हें उसका सिर काटना होगा।'
‘क्या? क्या तुम पागल हो? चलो यहाँ से चलते हैं।’
‘मेडूसा एक खतरा है। वह दुष्ट है। मैं उसे खुद मार डालूँगी, लेकिन…’ एनाबेथ ने जैसे कोई मुश्किल बात स्वीकारने से पहले अटकते हुए कहा, ‘लेकिन तुम्हारे पास बेहतर हथियार है। इसके अलावा, मैं कभी उसके पास नहीं जाऊँगी। मेरी माँ की वजह से वह मुझे टुकड़े-टुकड़े कर देगी। तुम्हारे पास मौका है।’ ‘क्या? मैं नहीं कर सकता –’
‘देखो, क्या तुम चाहते हो कि वह और भी निर्दोष लोगों को मूर्तियों में बदल दे?’
उसने मूर्ति के रूप में सजे प्रेमियों के एक जोड़े की ओर इशारा किया, जिसमें एक पुरुष और एक महिला एक-दूसरे की बाहों में बांहें डाले खड़े थे, जिन्हें राक्षस ने पत्थर में बदल दिया था।
एनाबेथ ने पास के एक चबूतरे से एक हरी चमकती गेंद उठाई। 'एक पॉलिश की हुई ढाल बेहतर रहेगी।' उसने गेंद का बारीकी से अध्ययन किया। 'उत्तलता के कारण कुछ विकृति आएगी। परावर्तन का आकार लगभग इतना ही भिन्न होगा।'
क्या आप अंग्रेजी बोलेंगे?
‘मैं हूँ!’ उसने मुझे कांच की गेंद फेंक दी। ‘बस उसे कांच में देखो। कभी भी सीधे उसकी ओर मत देखो।’
‘अरे दोस्तों!’ ग्रोवर ने हमारे ऊपर कहीं से चिल्लाकर कहा। ‘मुझे लगता है कि वह बेहोश हो गई है!’
‘रोर्र!’

'शायद नहीं,' ग्रोवर ने बात सुधारते हुए कहा। वह पेड़ की शाखा से एक और बार कोशिश करने के लिए आगे बढ़ा।
‘जल्दी करो,’ एनाबेथ ने मुझसे कहा। ‘ग्रोवर की नाक तो बहुत अच्छी है, लेकिन आखिरकार वह दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगा।’
मैंने अपनी कलम निकाली और उसका ढक्कन खोला। रिपटाइड की कांस्य रंग की ब्लेड मेरे हाथ में लंबी हो गई।
मैंने मेडुसा के बालों से निकलने वाली फुफकार और थूकने जैसी आवाज़ों का पीछा किया।
मैंने अपनी निगाहें उस चमकते गोले पर टिकाए रखीं ताकि मुझे मेडुसा की सिर्फ परछाई ही दिखाई दे, असली मेडुसा नहीं। फिर, हरे रंग के शीशे में, मैंने उसे देखा।
ग्रोवर एक बार फिर बल्लेबाजी करने आ रहा था, लेकिन इस बार वह थोड़ा ज्यादा नीचे आ गया। मेडुसा ने उसका बल्ला पकड़कर उसे रास्ते से भटका दिया। वह हवा में लुढ़कता हुआ एक पत्थर के भालू की बाहों में जा गिरा और दर्द भरी 'उम्फ्ह्ह!' की आवाज निकाली।
मेडुसा उस पर झपटने ही वाली थी कि मैंने चिल्लाकर कहा, 'हे!'
मैंने तलवार और कांच की गेंद लेकर उसकी ओर बढ़ना शुरू किया, जो आसान नहीं था। अगर वह मुझ पर हमला करती, तो मेरे लिए अपना बचाव करना मुश्किल हो जाता। लेकिन उसने मुझे पास आने दिया – दस मीटर, पांच मीटर।
अब मुझे उसके चेहरे का प्रतिबिंब दिखाई दे रहा था। यकीनन वह इतना बदसूरत नहीं था। शायद प्रकाश की गेंद पर बने हरे रंग के घुमावों के कारण उसका चेहरा विकृत हो रहा था, जिससे वह और भी बदसूरत दिख रहा था।
‘तुम किसी बूढ़ी औरत को नुकसान नहीं पहुंचाओगे, पर्सी,’ उसने मधुर स्वर में कहा। ‘मुझे पता है तुम ऐसा नहीं करोगे।’
मैं हिचकिचाया, शीशे में प्रतिबिंबित हो रहे चेहरे को देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो गया - वे आंखें जो हरे रंग के प्रतिबिंब को चीरती हुई सीधी चमक रही थीं, जिससे मेरे हाथ कांपने लगे।
सीमेंट के खूंखार भालू से ग्रोवर कराहते हुए बोला, 'पर्सी, उसकी बात मत सुनो!'
मेडुसा खिलखिलाकर हंसी। 'बहुत देर हो चुकी है।'
उसने अपने पंजों से मुझ पर झपट्टा मारा।

मैंने अपनी तलवार से वार किया, एक भयानक सी आवाज सुनाई दी! फिर एक गुफा से हवा के तेजी से निकलने जैसी फुफकार सुनाई दी - एक राक्षस के बिखरने की आवाज।
मेरे पैर के पास ज़मीन पर कुछ गिरा। मैंने बड़ी मुश्किल से अपनी इच्छाशक्ति का इस्तेमाल किया ताकि मैं उसे न देखूँ। मुझे महसूस हो रहा था कि गर्म चिपचिपा पदार्थ मेरे मोज़े में रिस रहा है, और छोटे-छोटे मरते हुए साँपों के सिर मेरे जूतों के फीतों को खींच रहे हैं।
‘ओह, छी!’ ग्रोवर ने कहा। उसकी आँखें अभी भी कसकर बंद थीं, लेकिन मुझे लगता है कि वह उस चीज़ के गड़गड़ाने और भाप निकलने की आवाज़ सुन सकता था। ‘बहुत ही छी!’
एनाबेथ मेरे पास आकर खड़ी हो गई, उसकी निगाहें आसमान पर टिकी हुई थीं। उसने मेडुसा का काला घूंघट पकड़ रखा था। उसने कहा, 'हिलो मत।'
बहुत ही सावधानी से, नीचे देखे बिना, वह घुटनों के बल बैठी और राक्षस के सिर को काले कपड़े से ढक दिया, फिर उसे उठा लिया। उससे अभी भी हरा रस टपक रहा था।
‘क्या तुम ठीक हो?’ उसने कांपती हुई आवाज में मुझसे पूछा।
‘हाँ,’ मैंने तय किया, हालाँकि मुझे अपना डबल चीज़बर्गर उल्टी करने जैसा महसूस हो रहा था। ‘क्यों नहीं… क्यों सिर गायब नहीं हो गया?’
‘एक बार जब आप इसे अलग कर देते हैं, तो यह युद्ध की लूट बन जाता है,’ उसने कहा। ‘बिल्कुल आपके मिनोटौर के सींग की तरह। लेकिन सिर को मत खोलना। यह अभी भी आपको पत्थर बना सकता है।’
ग्रोवर दर्द से कराहते हुए उस खूंखार मूर्ति से नीचे उतरा। उसके माथे पर एक बड़ा सा निशान था। उसकी हरी रस्ता टोपी उसके छोटे से बकरी के सींगों में से एक पर लटक रही थी, और उसके नकली पैर उसके खुरों से अलग हो गए थे। जादुई स्नीकर्स उसके सिर के चारों ओर बेतरतीब ढंग से उड़ रहे थे।
मैंने कहा, 'रेड बैरन। बहुत बढ़िया काम किया, दोस्त।'
उसने शरमाते हुए मुस्कुराने की कोशिश की। 'सच में, यह बिल्कुल भी मजेदार नहीं था। खैर, उसे डंडे से मारना तो मजेदार था। लेकिन कंक्रीट के भालू से टकराना? बिल्कुल भी मजेदार नहीं था।'
उसने हवा में ही अपने जूते झट से उठा लिए। मैंने अपनी तलवार पर फिर से कवच कस लिया। हम तीनों लड़खड़ाते हुए गोदाम की ओर वापस चल दिए।

हमें स्नैक काउंटर के पीछे कुछ पुराने प्लास्टिक के थैले मिले और हमने मेडुसा के सिर को दोहरी परत में लपेट दिया। हमने उसे उस मेज पर रख दिया जहाँ हमने रात का खाना खाया था और उसके चारों ओर बैठ गए, इतनी थकान थी कि बोलने की भी हिम्मत नहीं थी।
अंत में मैंने कहा, 'तो इस राक्षस के लिए हमें एथेना को धन्यवाद देना चाहिए?'
एनाबेथ ने मुझे चिढ़ भरी नज़रों से देखा। 'दरअसल, तुम्हारे पिताजी। तुम्हें याद नहीं? मेडुसा पोसीडॉन की प्रेमिका थी। उन्होंने मेरी माँ के मंदिर में मिलने का फैसला किया था। इसीलिए एथेना ने उसे राक्षस बना दिया था। मेडुसा और उसकी दो बहनें, जिन्होंने उसे मंदिर में प्रवेश करने में मदद की थी, वे तीन गॉर्गन बन गईं। इसीलिए मेडुसा मुझे टुकड़े-टुकड़े करना चाहती थी, लेकिन तुम्हें एक सुंदर मूर्ति के रूप में सुरक्षित रखना चाहती थी। वह अब भी तुम्हारे पिताजी को पसंद करती है। शायद तुम उसे उनकी याद दिलाती हो।'
मेरा चेहरा जल रहा था। 'ओह, तो अब मेडुसा से हमारी मुलाकात मेरी गलती की वजह से हुई।'
एनाबेथ सीधी खड़ी हो गई। मेरी आवाज की खराब नकल करते हुए उसने कहा: “ये तो बस एक तस्वीर है, एनाबेथ। इसमें क्या हर्ज है?”
मैंने कहा, 'भूल जाओ। तुम तो नामुमकिन हो।'
तुम असहनीय हो।
‘तुम हो –’
‘अरे!’ ग्रोवर ने बीच में ही टोकते हुए कहा। ‘तुम दोनों मुझे सिरदर्द दे रहे हो, और सैटायर को तो सिरदर्द होता ही नहीं। अब हम इस सिर का क्या करेंगे?’ मैंने उस चीज़ को गौर से देखा। प्लास्टिक के एक छेद से एक छोटा सा सांप बाहर लटका हुआ था। बैग के किनारे पर छपे शब्दों में लिखा था: हम आपके व्यवसाय की सराहना करते हैं!
मुझे गुस्सा आ रहा था, सिर्फ़ एनाबेथ या उसकी माँ पर ही नहीं, बल्कि इस पूरी यात्रा के लिए सभी देवताओं पर, जिन्होंने हमें शिविर से निकलते ही पहले ही दिन रास्ते से भटका दिया और दो बड़े झगड़ों में उलझा दिया। इस रफ्तार से तो हम कभी भी लॉस एंजिल्स ज़िंदा नहीं पहुँच पाएँगे, ग्रीष्म संक्रांति से पहले तो बिल्कुल भी नहीं।

मेडुसा ने क्या कहा था?
मेरी प्रिय, ओलंपियनों की कठपुतली मत बनो। एक मूर्ति के रूप में रहना तुम्हारे लिए कहीं बेहतर होगा।
मैं उठ खड़ा हुआ। ‘मैं वापस आऊंगा।’
‘पर्सी,’ एनाबेथ ने मुझे पीछे से पुकारा। ‘तुम क्या कर रहे हो –’
मैंने गोदाम के पिछले हिस्से में खोजबीन की, तब जाकर मुझे मेडुसा का दफ्तर मिला। उसकी खाता-बही में उसकी छह सबसे हालिया बिक्री दर्ज थीं, जो सभी पाताल लोक में हेड्स और पर्सेफोन के बगीचे को सजाने के लिए भेजी गई थीं। एक माल भाड़े के बिल के अनुसार, पाताल लोक का बिलिंग पता डीओए रिकॉर्डिंग स्टूडियो, वेस्ट हॉलीवुड, कैलिफोर्निया था। मैंने बिल को मोड़कर अपनी जेब में रख लिया।
कैश रजिस्टर में मुझे बीस डॉलर, कुछ सोने के ड्रैक्मा और हर्मेस ओवरनाइट एक्सप्रेस के कुछ पैकिंग स्लिप मिले, जिनमें से प्रत्येक के साथ सिक्कों के लिए एक छोटा सा चमड़े का थैला लगा हुआ था। मैंने ऑफिस के बाकी हिस्सों में तब तक तलाशी ली जब तक मुझे सही आकार का डिब्बा नहीं मिल गया।
मैं वापस पिकनिक टेबल पर गया, मेडुसा का सिर पैक किया और एक डिलीवरी स्लिप भरी:
द गॉड्स
माउंट ओलंपस
600 वीं मंजिल,
एम्पायर स्टेट बिल्डिंग
न्यूयॉर्क, एनवाई
शुभकामनाओं सहित, पर्सी जैक्सन ग्रोवर ने चेतावनी देते हुए कहा, 'उन्हें यह पसंद नहीं आएगा। वे सोचेंगे कि तुम बदतमीजी कर रहे हो।'
मैंने थैली में कुछ सोने के ड्रैक्मा डाले। जैसे ही मैंने उसे बंद किया, कैश रजिस्टर जैसी आवाज़ आई। पैकेट मेज से उछलकर गायब हो गया!
मैंने कहा, 'मैं गुस्ताखी कर रहा हूँ।'
मैंने एनाबेथ की ओर देखा, मानो उसे आलोचना करने की चुनौती दे रही हो।

उसने ऐसा नहीं किया। ऐसा लग रहा था जैसे उसने यह मान लिया हो कि मुझे देवताओं को नाराज़ करने की बहुत अच्छी आदत है। 'चलो भी,' उसने बुदबुदाते हुए कहा। 'हमें एक नई योजना बनानी होगी।'

12 हमें एक पूडल से सलाह मिलती है

उस रात हम काफी दुखी थे।
हमने मुख्य सड़क से सौ मीटर दूर जंगल में, दलदली इलाके में डेरा डाला, जहाँ स्थानीय बच्चे स्पष्ट रूप से पार्टियाँ करते थे। ज़मीन पर चपटे सोडा के डिब्बे और फास्ट-फूड के रैपर बिखरे पड़े थे।
हमने आंटी एम के घर से कुछ खाना और कंबल ले लिए थे, लेकिन गीले कपड़ों को सुखाने के लिए आग जलाने की हिम्मत नहीं की। फ्यूरीज़ और मेडुसा ने आज के लिए काफी रोमांच दे दिया था। हम और कुछ नहीं चाहते थे।
हमने बारी-बारी से सोने का फैसला किया। मैंने पहली पहरेदारी करने की ज़िम्मेदारी ली।
एनाबेथ कंबल में सिमटकर लेट गई और सिर ज़मीन पर रखते ही खर्राटे लेने लगी। ग्रोवर अपने उड़ने वाले जूतों के सहारे एक पेड़ की सबसे निचली शाखा पर जा गिरा, पेड़ के तने से पीठ टिकाकर रात के आकाश को निहारने लगा।
मैंने उससे कहा, 'तुम सो जाओ। अगर कोई परेशानी होगी तो मैं तुम्हें जगा दूंगा।'
उसने सिर हिलाया, लेकिन फिर भी अपनी आँखें बंद नहीं कीं। 'इससे मुझे दुख होता है, पर्सी।'
‘क्या मतलब? क्या मतलब, तुमने इस बेवकूफी भरे मिशन के लिए साइन अप किया?’ ‘नहीं। यह देखकर मुझे दुख होता है।’ उसने ज़मीन पर पड़े कचरे की ओर इशारा करते हुए कहा, ‘और आसमान की ओर। तारे भी दिखाई नहीं दे रहे। उन्होंने आसमान को प्रदूषित कर दिया है। एक सैटायर होने के लिए यह बहुत बुरा समय है।’
'ओह, हाँ। मुझे लगता है कि आप एक पर्यावरणविद् होंगे।'
उसने मुझे घूरकर देखा। 'ऐसा सिर्फ एक इंसान ही नहीं सोचेगा। तुम्हारी प्रजाति दुनिया को इतनी तेजी से भर रही है... खैर छोड़ो। एक इंसान को उपदेश देना बेकार है। जिस रफ्तार से हालात चल रहे हैं, मुझे पैन कभी नहीं मिलेगा।'
‘पाम? जैसे कुकिंग स्प्रे?’
‘पैन!’ वह क्रोधित होकर चिल्लाया। ‘पैन! महान देवता पैन! आपको क्या लगता है कि मुझे खोजकर्ता का लाइसेंस क्यों चाहिए?’

खुले मैदान में एक अजीब सी हवा सरसराती हुई बह निकली, जिसने कुछ पल के लिए कूड़े-कचरे और गंदगी की दुर्गंध को दबा दिया। यह अपने साथ बेर, जंगली फूलों और साफ बारिश के पानी की खुशबू लेकर आई, ऐसी चीजें जो शायद कभी इन जंगलों में मौजूद रही होंगी। अचानक मुझे किसी ऐसी चीज की याद सताने लगी जिसे मैंने कभी जाना ही नहीं था।
मैंने कहा, 'मुझे खोज के बारे में बताओ।'
ग्रोवर ने मेरी ओर सावधानी से देखा, मानो उसे डर हो कि मैं सिर्फ मजाक कर रहा हूँ।
उन्होंने मुझसे कहा, ‘जंगली इलाकों के देवता दो हज़ार साल पहले गायब हो गए। एफ़ेसस के तट पर एक नाविक ने किनारे से आती एक रहस्यमयी आवाज़ सुनी, “उन्हें बताओ कि महान देवता पैन की मृत्यु हो गई है!” जब मनुष्यों ने यह खबर सुनी, तो उन्होंने इस पर विश्वास कर लिया। तब से वे पैन के राज्य को लूटते आ रहे हैं। लेकिन सैटायरों के लिए, पैन हमारे स्वामी और स्वामी थे। उन्होंने हमारी और पृथ्वी के जंगली इलाकों की रक्षा की। हम यह मानने से इनकार करते हैं कि उनकी मृत्यु हो गई। हर पीढ़ी में, सबसे बहादुर सैटायर पैन को खोजने के लिए अपना जीवन समर्पित कर देते हैं। वे पृथ्वी पर खोज करते हैं, सभी जंगली इलाकों की छानबीन करते हैं, इस उम्मीद में कि उन्हें पता चल जाए कि वह कहाँ छिपे हैं और उन्हें उनकी नींद से जगा दें।’
और आप एक खोजकर्ता बनना चाहते हैं।
उन्होंने कहा, 'यह मेरे जीवन का सपना है। मेरे पिता एक खोजकर्ता थे। और मेरे चाचा फर्डिनेंड... वह मूर्ति जो आपने पीछे देखी थी -'
‘ओह, ठीक है, क्षमा करें।’
ग्रोवर ने सिर हिलाया। 'चाचा फर्डिनेंड को जोखिमों का पता था। मेरे पिताजी को भी। लेकिन मैं सफल होऊंगा। मैं जीवित लौटने वाला पहला खोजकर्ता बनूंगा।'
‘ज़रा रुकिए – पहला?’
ग्रोवर ने अपनी बांसुरी जेब से निकाली। 'कोई भी खोजी कभी वापस नहीं लौटा। एक बार निकल पड़ने के बाद वे गायब हो जाते हैं। उन्हें फिर कभी जीवित नहीं देखा जाता।'
‘दो हजार वर्षों में एक बार भी नहीं?’
'नहीं।'

और तुम्हारे पिताजी? तुम्हें पता ही नहीं कि उनके साथ क्या हुआ?
'कोई नहीं।'
‘लेकिन फिर भी तुम जाना चाहते हो,’ मैंने हैरानी से कहा। ‘मेरा मतलब है, तुम्हें सच में लगता है कि तुम ही पैन को ढूंढ पाओगे?’
'मुझे इस बात पर विश्वास करना ही होगा, पर्सी। हर खोजकर्ता को करना ही पड़ता है। यही एक चीज है जो हमें निराशा से बचाती है जब हम देखते हैं कि इंसानों ने दुनिया के साथ क्या किया है। मुझे विश्वास करना होगा कि पैन को अभी भी जागृत किया जा सकता है।'
मैंने आसमान की नारंगी धुंध को घूरते हुए यह समझने की कोशिश की कि ग्रोवर ऐसे निराशाजनक सपने को कैसे पूरा करने की कोशिश कर सकता है। लेकिन फिर, क्या मैं उससे बेहतर था?
मैंने उससे पूछा, 'हम पाताल लोक में कैसे प्रवेश करेंगे? मेरा मतलब है, एक देवता के सामने हमारी क्या संभावना है?'
‘मुझे नहीं पता,’ उसने स्वीकार किया। ‘लेकिन मेडुसा के यहाँ, जब तुम उसके कार्यालय की तलाशी ले रहे थे? एनाबेथ मुझे बता रही थी –’
'ओह, मैं भूल ही गया था। एनाबेथ ने तो पूरी योजना बना रखी होगी।'
‘पर्सी, उस पर इतना कठोर मत बनो। उसने बहुत मुश्किलों का सामना किया है, लेकिन वह एक अच्छी इंसान है। आखिरकार, उसने मुझे माफ कर दिया…’ उसकी आवाज लड़खड़ा गई।
मैंने पूछा, ‘तुम्हारा क्या मतलब है?’ ‘तुम्हें किस बात के लिए माफ कर दूं?’ अचानक, ग्रोवर को अपनी बांसुरी पर धुन बजाने में बहुत दिलचस्पी दिखाई दी। ‘एक मिनट रुको,’ मैंने कहा। ‘तुम्हारी पहली कीपर की नौकरी पाँच साल पहले थी। एनाबेथ पाँच साल से कैंप में है। वो... मेरा मतलब है, तुम्हारा पहला असाइनमेंट जो गलत हुआ था –’
‘मैं इसके बारे में बात नहीं कर सकता,’ ग्रोवर ने कहा, और उसके कांपते हुए निचले होंठ से लग रहा था कि अगर मैंने उससे और पूछा तो वह रोने लगेगा। ‘लेकिन जैसा कि मैं कह रहा था, मेडुसा में, एनाबेथ और मैं इस बात पर सहमत हुए कि इस खोज में कुछ अजीब हो रहा है। कुछ तो गड़बड़ है।’
‘खैर, जाहिर सी बात है। मुझ पर हेड्स द्वारा चुराई गई वज्रपात को चुराने का आरोप लग रहा है।’

‘मेरा मतलब वो नहीं है,’ ग्रोवर ने कहा। ‘द फू – द काइंडली वन्स थोड़ा संयम बरत रहे थे। जैसे यान्सी अकादमी की मिसेज डॉड्स... उन्होंने तुम्हें जान से मारने की कोशिश करने में इतना समय क्यों लगाया? फिर बस में भी, वे उतने आक्रामक नहीं थे जितना वे हो सकते थे।’
मुझे तो वे काफी आक्रामक लगे।
ग्रोवर ने अपना सिर हिलाया। ‘वे हम पर चिल्ला रहे थे: “यह कहाँ है? कहाँ?”’ मैंने कहा, 'मेरे बारे में पूछ रहे हो?'
‘शायद… लेकिन एनाबेथ और मुझे, हम दोनों को ऐसा लगा कि वे किसी व्यक्ति के बारे में नहीं पूछ रहे थे। उन्होंने कहा, “यह कहाँ है?” ऐसा लग रहा था कि वे किसी वस्तु के बारे में पूछ रहे थे।’
'यह बात समझ में नहीं आती।'
‘मुझे पता है। लेकिन अगर हमने इस खोज के बारे में कुछ गलत समझा है, और हमारे पास मास्टर बोल्ट को खोजने के लिए केवल नौ दिन हैं…’ उसने मेरी ओर ऐसे देखा जैसे वह जवाब की उम्मीद कर रहा हो, लेकिन मेरे पास कोई जवाब नहीं था। मैंने मेडुसा की कही बातों पर गौर किया: देवता मेरा इस्तेमाल कर रहे थे। मेरे सामने जो आने वाला था, वह पत्थर बन जाने से भी बदतर था। 'मैंने तुमसे सच नहीं कहा,' मैंने ग्रोवर से कहा। 'मुझे मास्टर बोल्ट की परवाह नहीं है। मैं अपनी माँ को वापस लाने के लिए ही पाताल लोक जाने को तैयार हुई थी।' ग्रोवर ने अपने पाइप पर एक मधुर स्वर में फूंका। 'मुझे पता है, पर्सी। लेकिन क्या तुम्हें यकीन है कि यही एकमात्र कारण है?'
मैं यह अपने पिता की मदद करने के लिए नहीं कर रहा हूँ। उन्हें मेरी परवाह नहीं है। मुझे भी उनकी परवाह नहीं है।
ग्रोवर पेड़ की डाल से नीचे देख रहा था। 'देखो, पर्सी, मैं एनाबेथ जितना बुद्धिमान नहीं हूँ। मैं तुम्हारे जितना बहादुर भी नहीं हूँ। लेकिन मैं भावनाओं को समझने में काफी माहिर हूँ। तुम खुश हो कि तुम्हारे पिता जीवित हैं। तुम्हें अच्छा लग रहा है कि उन्होंने तुम्हें अपना बेटा मान लिया है, और तुम्हारा एक हिस्सा उन्हें गर्व महसूस कराना चाहता है। इसीलिए तुमने मेडुसा का सिर ओलंपस भेजा था। तुम चाहते थे कि ओलंपस तुम्हारे इस काम को देखे।'

'हाँ? अच्छा, शायद कामुक जीवों की भावनाएँ इंसानों की भावनाओं से अलग तरह से काम करती हैं। क्योंकि तुम गलत हो। मुझे परवाह नहीं कि वह क्या सोचता है।'
ग्रोवर ने अपने पैर शाखा पर खींच लिए। 'ठीक है, पर्सी। जो भी हो।'
इसके अलावा, मैंने ऐसा कुछ नहीं किया है जिस पर गर्व किया जा सके। हम बड़ी मुश्किल से न्यूयॉर्क से निकले हैं और यहाँ बिना पैसे और पश्चिम की ओर जाने के किसी रास्ते के फंसे हुए हैं।
ग्रोवर रात के आकाश की ओर देखने लगा, मानो वह उस समस्या के बारे में सोच रहा हो। 'क्यों न मैं पहली पहरेदारी कर लूँ? तुम थोड़ी नींद ले लो।'
मैं विरोध करना चाहता था, लेकिन उसने मधुर और कोमल स्वर में मोजार्ट का संगीत बजाना शुरू कर दिया, और मेरी आँखों में जलन होने लगी, इसलिए मैंने मुँह फेर लिया। पियानो कॉन्सर्टो नंबर 12 की कुछ धुनें सुनने के बाद ही मुझे नींद आ गई।
मेरे सपनों में, मैं एक गहरी खाई के सामने एक अंधेरी गुफा में खड़ा था। मेरे चारों ओर धूसर धुंध के जीव मंडरा रहे थे, धुएं के गुबार फुसफुसा रहे थे जिन्हें मैं किसी तरह जानता था कि वे मृतकों की आत्माएं थीं।
उन्होंने मेरे कपड़े खींचे, मुझे पीछे खींचने की कोशिश की, लेकिन मुझे खाई के बिल्कुल किनारे तक आगे बढ़ने की तीव्र इच्छा महसूस हुई।
नीचे देखने से मुझे चक्कर आने लगे।
वह गड्ढा इतना चौड़ा और इतना काला था कि मुझे पता था कि उसकी कोई तह नहीं है। फिर भी मुझे ऐसा महसूस हो रहा था कि उस अथाह गहराई से कुछ उभरने की कोशिश कर रहा है, कोई विशाल और दुष्ट शक्ति।
नन्हा हीरो, अंधेरे में दूर से एक हंसी भरी आवाज गूंजी। बहुत कमजोर, बहुत छोटा, लेकिन शायद तुम काम आ जाओगे।
वह आवाज़ बहुत पुरानी, ठंडी और भारी सी लग रही थी। वह मुझे सीसे की चादर की तरह जकड़ रही थी।
उन्होंने तुम्हें गुमराह किया है, लड़के, उसने कहा। मुझसे सौदेबाजी करो।
मैं तुम्हें वह दूंगा जो तुम चाहते हो।
शून्य में एक झिलमिलाती छवि मंडरा रही थी: मेरी माँ, उस क्षण में जम गई थी जब वह सोने की बौछार में विलीन हो गई थी। उसका चेहरा दर्द से विकृत था,

मानो मिनोटौर अभी भी उसकी गर्दन दबा रहा हो। उसकी आँखें सीधे मेरी ओर देख रही थीं, मानो विनती कर रही हों: जाओ!
मैंने चीखने की कोशिश की, लेकिन मेरी आवाज नहीं निकली।
खाई से ठंडी हंसी की गूंज सुनाई दी।
एक अदृश्य शक्ति मुझे आगे खींच रही थी। अगर मैं मजबूती से खड़ा नहीं रहा तो वह मुझे गड्ढे में खींच ले जाएगी।
मुझे उठने में मदद करो, लड़के। आवाज़ और भी तीव्र हो गई। मुझे बिजली का बोल्ट लाओ। विश्वासघाती देवताओं के विरुद्ध प्रहार करो!
मृतकों की आत्माएं मेरे चारों ओर फुसफुसा रही थीं, नहीं! जाग जाओ!
मेरी माँ की छवि धुंधली पड़ने लगी। गड्ढे में मौजूद उस अदृश्य चीज़ ने मुझ पर अपनी पकड़ और कस ली।
मुझे एहसास हुआ कि इसे मुझे अपनी ओर खींचने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। यह मेरा इस्तेमाल खुद को इससे बाहर निकालने के लिए कर रहा था।
अच्छा, उसने धीरे से कहा। अच्छा।
जाग जाओ! मृतकों ने फुसफुसाते हुए कहा। जाग जाओ!
कोई मुझे हिला रहा था।
मेरी आंखें खुलीं और दिन का उजाला हो गया था।
‘खैर,’ एनाबेथ ने कहा, ‘जॉम्बी अभी भी जीवित है।’
मैं सपने से कांप रहा था। मुझे अभी भी अपने सीने पर खाई के राक्षस की पकड़ महसूस हो रही थी। 'मैं कितनी देर सोया रहा?'
‘मुझे नाश्ता बनाने के लिए काफी समय मिल गया।’ एनाबेथ ने आंटी एम के स्नैक बार से नाचो फ्लेवर वाले कॉर्न चिप्स का एक पैकेट मेरी तरफ फेंक दिया। ‘और ग्रोवर घूमने चला गया। देखो, उसे एक दोस्त मिल गया।’
मेरी आंखों को फोकस करने में दिक्कत हो रही थी।
ग्रोवर एक कंबल पर पालथी मारकर बैठा था और उसकी गोद में कुछ मुलायम सी चीज थी, एक गंदा, असामान्य रूप से गुलाबी रंग का भरवां खिलौना।
नहीं। यह कोई खिलौना नहीं था। यह एक गुलाबी पूडल था।
पूडल ने संदेह भरी निगाहों से मेरी ओर भौंका। ग्रोवर ने कहा, 'नहीं, वह नहीं है।'
मैंने पलकें झपकाईं। 'क्या तुम... उस चीज़ से बात कर रहे हो?'
पूडल गुर्राया।

ग्रोवर ने चेतावनी देते हुए कहा, 'यही चीज़ हमें पश्चिम की ओर ले जाने का ज़रिया है। उसके साथ अच्छा व्यवहार करना।'
‘क्या आप जानवरों से बात कर सकते हैं?’
ग्रोवर ने सवाल को अनसुना कर दिया। 'पर्सी, ग्लैडियोला से मिलो। ग्लैडियोला, पर्सी।'
मैंने एनाबेथ को घूरकर देखा, मुझे लगा कि वो मेरे साथ किए जा रहे इस मज़ाक पर हंस पड़ेगी, लेकिन वो एकदम गंभीर दिख रही थी।
मैंने कहा, 'मैं किसी गुलाबी पूडल को नमस्कार नहीं करने वाला। भूल जाओ।' ‘पर्सी,’ एनाबेथ ने कहा। ‘मैंने पूडल को नमस्ते कहा। तुम भी पूडल को नमस्ते कहो।’
पूडल गुर्राया।
मैंने पूडल को नमस्कार कहा।
ग्रोवर ने बताया कि जंगल में उनकी मुलाकात ग्लैडियोला से हुई और दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। वह पूडल एक अमीर स्थानीय परिवार से भाग गया था, जिसने उसे वापस लाने पर 200 डॉलर का इनाम रखा था। ग्लैडियोला वास्तव में अपने परिवार के पास वापस नहीं जाना चाहता था, लेकिन अगर इससे ग्रोवर की मदद हो सकती थी, तो वह जाने को तैयार था।
मैंने पूछा, 'ग्लेडियोला को इनाम के बारे में कैसे पता चला?'
ग्रोवर ने कहा, 'उसने संकेतों को पढ़ लिया था। ज़ाहिर है।'
‘बिल्कुल,’ मैंने कहा। ‘मैं कितनी मूर्ख थी।’
‘तो हम ग्लैडियोला को सौंप देते हैं,’ एनाबेथ ने अपनी सबसे बेहतरीन रणनीति वाली आवाज़ में समझाया, ‘हमें पैसे मिलते हैं और हम लॉस एंजिल्स के लिए टिकट खरीद लेते हैं। बस इतना ही।’
मैंने अपने सपने के बारे में सोचा – मृतकों की फुसफुसाती आवाज़ें, खाई में छिपी कोई चीज़ और मेरी माँ का चेहरा, जो सोने में घुलते हुए झिलमिला रहा था। शायद पश्चिम में यही सब मेरा इंतज़ार कर रहा हो।
मैंने संशयपूर्वक कहा, 'एक और बस नहीं।'
‘नहीं,’ एनाबेथ ने सहमति जताई।
उसने ढलान की ओर इशारा किया, उन रेल पटरियों की ओर जिन्हें मैं कल रात अंधेरे में नहीं देख पाया था। 'वहाँ से आधा मील दूर एक एमट्रैक स्टेशन है।

□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□, □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ 12 □□□ □□□□□□ □□□'

13 मैं अपनी मृत्यु की ओर छलांग लगाता हूँ

हमने दो दिन एमट्रैक ट्रेन में बिताए, जो पहाड़ियों से होते हुए, नदियों को पार करते हुए, सुनहरे अनाज के खेतों के बीच से पश्चिम की ओर जा रही थी।
हम पर एक बार भी हमला नहीं हुआ, लेकिन मैं निश्चिंत नहीं हुआ। मुझे ऐसा लग रहा था कि हम किसी प्रदर्शनी कक्ष में घूम रहे हैं, ऊपर से और शायद नीचे से भी हम पर नज़र रखी जा रही है, और कोई सही अवसर की प्रतीक्षा कर रहा है। मैंने गुमनाम रहने की कोशिश की क्योंकि मेरा नाम और तस्वीर पूर्वी तट के कई अखबारों के पहले पन्नों पर छपी हुई थी। ट्रेंटन रजिस्टर-न्यूज़ ने मेरी एक तस्वीर छापी थी जो एक पर्यटक ने तब ली थी जब मैं ग्रेहाउंड बस से उतर रहा था। मेरी आँखों में एक अजीब सी चमक थी। मेरे हाथों में तलवार धातु की तरह धुंधली सी दिख रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे वह बेसबॉल का बल्ला हो या लैक्रोस की स्टिक।
तस्वीर के कैप्शन में लिखा था:
दो हफ्ते पहले लॉन्ग आइलैंड में अपनी मां के लापता होने के मामले में पूछताछ के लिए वांछित बारह वर्षीय पर्सी जैक्सन को यहां उस बस से भागते हुए दिखाया गया है, जहां उसने कई बुजुर्ग महिला यात्रियों को परेशान किया था। जैक्सन के घटनास्थल से भागने के कुछ ही समय बाद पूर्वी न्यू जर्सी के एक सड़क किनारे बस में विस्फोट हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर, पुलिस का मानना है कि लड़का दो किशोर साथियों के साथ यात्रा कर रहा हो सकता है। उसके सौतेले पिता, गेब उग्लियानो ने उसकी गिरफ्तारी में सहायक जानकारी देने वाले को नकद इनाम देने की घोषणा की है।
‘चिंता मत करो,’ एनाबेथ ने मुझसे कहा। ‘इंसानों की पुलिस हमें कभी नहीं ढूंढ पाएगी।’ लेकिन उसकी आवाज़ में इतना यकीन नहीं था।
दिन के बाकी समय में मैं बारी-बारी से ट्रेन की पूरी लंबाई में टहलती रही (क्योंकि मुझे एक जगह स्थिर बैठना बहुत मुश्किल लग रहा था), या खिड़कियों से बाहर देखती रही।
एक बार मैंने गेहूँ के खेत में सेंटॉर के एक परिवार को शिकार की तलाश में सरपट दौड़ते देखा। उनके धनुष तैयार थे और वे दोपहर के भोजन की तलाश में थे। एक छोटा सेंटॉर लड़का, जो टट्टू पर सवार दूसरी कक्षा के बच्चे जितना बड़ा

था, मेरी नज़र में आया और उसने हाथ हिलाया। मैंने यात्री डिब्बे में चारों ओर देखा, लेकिन किसी और ने ध्यान नहीं दिया था। सभी वयस्क सवार लैपटॉप कंप्यूटर या पत्रिकाओं में मग्न थे।
एक बार शाम ढलते समय, मैंने जंगल में किसी विशालकाय चीज़ को चलते हुए देखा। मुझे लगा मानो वह शेर ही हो, लेकिन अमेरिका में शेर खुले में नहीं रहते, और वह चीज़ तो किसी टैंक जितनी बड़ी थी। शाम की रोशनी में उसके बाल सुनहरे चमक रहे थे। फिर वह पेड़ों के बीच से छलांग लगाकर गायब हो गया।
ग्लैडियोला नाम के पूडल कुत्ते को वापस लाने पर हमें इनाम के तौर पर जो पैसे मिले थे, उनसे सिर्फ़ डेनवर तक की टिकट ही खरीदी जा सकी थी। स्लीपर कार में हमें बर्थ नहीं मिली, इसलिए हम अपनी सीटों पर ही ऊंघने लगे। मेरी गर्दन अकड़ गई। मैंने नींद में लार टपकाने से बचने की कोशिश की, क्योंकि एनाबेथ मेरे ठीक बगल में बैठी थी।
ग्रोवर लगातार खर्राटे ले रहा था और मिमिया रहा था, जिससे मेरी नींद खुल जाती थी। एक बार, वह करवट बदलते हुए हिला और उसका नकली पैर गिर गया। एनाबेथ और मुझे उसे वापस चिपकाना पड़ा, इससे पहले कि कोई और यात्री देख पाता। ग्रोवर के ट्रेनर को ठीक करने के बाद, एनाबेथ ने मुझसे पूछा, 'तो, किसे आपकी मदद चाहिए?'
'आपका क्या मतलब है?'
‘अभी जब तुम सो रहे थे, तो तुमने धीरे से कहा, “मैं तुम्हारी मदद नहीं करूँगा।” तुम किसके बारे में सपना देख रहे थे?’
मुझे कुछ भी कहने में हिचकिचाहट हो रही थी। यह दूसरी बार था जब मैंने उस भयानक आवाज का सपना देखा था। लेकिन यह बात मुझे इतनी परेशान कर रही थी कि आखिरकार मैंने उसे सब कुछ बता दिया।
एनाबेथ काफी देर तक चुप रही। 'यह हेड्स की आवाज़ नहीं लगती। वह हमेशा काले सिंहासन पर प्रकट होता है, और वह कभी हंसता नहीं है।'
‘उसने मेरी मां को सौदे में पेश किया। ऐसा और कौन कर सकता था?’
मुझे लगता है... अगर उसका मतलब था, "मुझे पाताल लोक से उठने में मदद करो।" अगर वह ओलंपियनों के साथ युद्ध चाहता है। लेकिन अगर उसके पास पहले से ही मास्टर बोल्ट है तो वह तुम्हें उसे लाने के लिए क्यों कह रहा है?
मैंने सिर हिलाया, काश मुझे जवाब पता होता। मैंने ग्रोवर की कही बात पर गौर किया, कि बस में बैठी फ्यूरीज़ कुछ खोज रही थीं।

यह कहाँ है? कहाँ?
शायद ग्रोवर ने मेरी भावनाओं को भांप लिया था। वह नींद में ही खर्राटे लेने लगा, सब्जियों के बारे में कुछ बुदबुदाया और अपना सिर घुमा लिया। एनाबेथ ने उसकी टोपी को ठीक से समेटते हुए उसके सींगों को ढक लिया। 'पर्सी, तुम हेड्स से सौदेबाजी नहीं कर सकते। तुम यह जानते हो ना? वह धोखेबाज, निर्दयी और लालची है। मुझे परवाह नहीं कि इस बार उसके दयालु लोग उतने आक्रामक नहीं थे -'
‘इस बार?’ मैंने पूछा। ‘मतलब तुम उनसे पहले भी मिल चुके हो?’
उसका हाथ धीरे से उसके हार तक पहुँचा। उसने चीड़ के पेड़ की आकृति से सजे एक चमकदार सफेद मनके को छुआ, जो उसके ग्रीष्म ऋतु के अंत में मिट्टी से बने उपहारों में से एक था। 'बस इतना समझ लो कि मुझे मृत्यु के देवता से कोई लगाव नहीं है। अपनी माँ के लिए सौदा करने का लालच नहीं करना चाहिए।'
अगर आपके पिता होते तो आप क्या करते?
‘यह तो आसान है,’ उसने कहा। ‘मैं उसे सड़ने के लिए छोड़ दूंगी।’
‘क्या आप मजाक कर रहे हैं?’
एनाबेथ की धूसर आँखें मुझ पर टिकी हुई थीं। उसके चेहरे पर वही भाव थे जो शिविर के जंगल में, उस क्षण थे जब उसने नरक के कुत्ते के विरुद्ध अपनी तलवार निकाली थी। 'मेरे पिता मुझसे जन्म से ही नाराज़ हैं, पर्सी,' उसने कहा। 'वह कभी बच्चा नहीं चाहते थे। जब मैं पैदा हुई, तो उन्होंने एथेना से मुझे वापस ले जाकर ओलंपस में पालने के लिए कहा क्योंकि वह अपने काम में बहुत व्यस्त थे। एथेना इससे खुश नहीं थीं। उन्होंने उनसे कहा कि नायकों का पालन-पोषण उनके नश्वर माता-पिता द्वारा ही किया जाना चाहिए।'
लेकिन कैसे… मेरा मतलब है, मुझे लगता है कि आपका जन्म अस्पताल में नहीं हुआ था…’
‘मैं अपने पिता के दरवाजे पर एक सुनहरे पालने में प्रकट हुई, जिसे पश्चिम की हवा ज़ेफिर ओलंपस से लेकर आई थी। आपको लगेगा कि मेरे पिताजी को इसे एक चमत्कार के रूप में याद रखना चाहिए था, है ना? जैसे, शायद उन्होंने कुछ डिजिटल तस्वीरें ली होंगी या कुछ और। लेकिन वे हमेशा मेरे आगमन के बारे में ऐसे बात करते थे जैसे यह उनके साथ घटी सबसे असुविधाजनक घटना हो। जब मैं पाँच साल की थी, तब उन्होंने शादी कर ली और एथेना को पूरी तरह से भूल गए।

उन्होंने एक “सामान्य” नश्वर पत्नी से शादी की, दो “सामान्य” नश्वर बच्चे हुए, और ऐसा दिखावा करने की कोशिश की जैसे मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं था।’ मैंने ट्रेन की खिड़की से बाहर देखा। सोते हुए शहर की रोशनी धीरे-धीरे गुजर रही थी। मैं एनाबेथ को अच्छा महसूस कराना चाहता था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि कैसे।
मैंने उससे कहा, 'मेरी माँ ने एक बहुत ही बुरे आदमी से शादी की थी। ग्रोवर ने कहा कि उसने मुझे बचाने के लिए, मुझे एक मानवीय परिवार की आड़ में छिपाने के लिए ऐसा किया था। शायद तुम्हारे पिताजी भी यही सोच रहे थे।' एनाबेथ बार-बार अपने हार को कुरेद रही थी। वह मोतियों के साथ लटकी सोने की कॉलेज की अंगूठी को चुटकी से दबा रही थी। मुझे लगा कि यह अंगूठी उसके पिता की होगी। मैंने सोचा कि अगर वह उनसे इतनी नफरत करती है तो इसे क्यों पहनती है?
उसने कहा, ‘उसे मेरी कोई परवाह नहीं है। उसकी पत्नी – मेरी सौतेली माँ – मेरे साथ एक अजनबी जैसा बर्ताव करती थी। वह मुझे अपने बच्चों के साथ खेलने नहीं देती थी। मेरे पिताजी भी उसका साथ देते थे। जब भी कोई खतरनाक घटना होती थी – जैसे कि राक्षसों से जुड़ी कोई घटना – वे दोनों मुझे घृणा से देखते थे, मानो कह रहे हों, “तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई हमारे परिवार को खतरे में डालने की!” आखिरकार, मुझे बात समझ आ गई। मुझे वहाँ कोई नहीं चाहता था। मैं भाग गई।’
'आप कितने साल के थे?'
‘मेरी उम्र उतनी ही है जितनी तब थी जब मैंने कैंप शुरू किया था। सात साल।’ लेकिन... तुम अकेले हाफ-ब्लड हिल तक नहीं पहुँच सकते थे।
'अकेले नहीं, बिल्कुल नहीं। एथेना ने मेरी रक्षा की, मुझे मदद की ओर मार्गदर्शन दिया। मुझे कुछ अनपेक्षित दोस्त मिले जिन्होंने थोड़े समय के लिए ही सही, मेरी देखभाल की।'
मैं पूछना चाहता था कि क्या हुआ, लेकिन एनाबेथ उदास यादों में खोई हुई लग रही थी। इसलिए मैंने ग्रोवर के खर्राटों की आवाज़ सुनी और ट्रेन की खिड़कियों से बाहर ओहायो के अंधेरे खेतों को तेज़ी से गुज़रते हुए देखता रहा।

ट्रेन में हमारे दूसरे दिन के अंत में, 13 जून को, ग्रीष्म संक्रांति से आठ दिन पहले, हम कुछ सुनहरी पहाड़ियों से गुजरे और मिसिसिपी नदी को पार करके सेंट लुइस पहुंचे।
एनाबेथ ने गेटवे आर्क को देखने के लिए अपनी गर्दन ऊपर उठाई, जो मुझे शहर पर चिपके हुए एक विशाल शॉपिंग बैग के हैंडल की तरह लग रहा था।
‘मैं ऐसा करना चाहती हूं,’ उसने आह भरी।
मैंने पूछा, ‘क्या?’
‘कुछ ऐसा ही बनाओ। क्या तुमने कभी पार्थेनन देखा है, पर्सी?’
‘सिर्फ तस्वीरों में।’
‘एक दिन मैं इसे स्वयं देखूंगा। मैं देवताओं के लिए अब तक का सबसे महान स्मारक बनाऊंगा। कुछ ऐसा जो हजार साल तक टिका रहेगा।’
मैं हंस पड़ा। 'आप? एक आर्किटेक्ट?'
मुझे पता नहीं क्यों, लेकिन मुझे यह मजेदार लगा। बस यह सोचकर ही हंसी आ गई कि एनाबेथ पूरे दिन चुपचाप बैठकर चित्र बनाने की कोशिश कर रही है।
उसके गाल लाल हो गए। 'हाँ, एक वास्तुकार। एथेना अपने बच्चों से अपेक्षा करती है कि वे चीज़ें बनाएँ, न कि उन्हें तोड़-फोड़ दें, जैसे कि भूकंप के एक देवता करते हैं, जिनका मैं ज़िक्र कर सकती हूँ।'
मैंने नीचे मिसिसिपी नदी के उफनते भूरे पानी को देखा।
‘माफ़ करना,’ एनाबेथ ने कहा। ‘यह बुरा था।’
‘क्या हम थोड़ा सहयोग नहीं कर सकते?’ मैंने विनती की। ‘मेरा मतलब है, क्या एथेना और पोसीडॉन ने कभी सहयोग नहीं किया?’
एनाबेथ को इस बारे में सोचना पड़ा। 'मुझे लगता है... रथ,' उसने हिचकिचाते हुए कहा। 'मेरी माँ ने इसका आविष्कार किया था, लेकिन पोसीडॉन ने लहरों के शिखरों से घोड़े बनाए थे। इसलिए इसे पूरा करने के लिए दोनों को मिलकर काम करना पड़ा होगा।'
‘तो फिर हम भी सहयोग कर सकते हैं। है ना?’
हम शहर में दाखिल हुए, एनाबेथ देखती रही कि आर्क एक होटल के पीछे गायब हो गया।
अंत में उसने कहा, 'शायद।'

हम शहर के बीचोंबीच स्थित एमट्रैक स्टेशन पर पहुँचे। इंटरकॉम ने हमें बताया कि डेनवर के लिए रवाना होने से पहले हमें तीन घंटे का ठहराव करना होगा।
ग्रोवर ने अंगड़ाई ली। पूरी तरह जागने से पहले ही उसने कहा, 'खाना।' ‘चलो, बकरी चराने वाले लड़के,’ एनाबेथ ने कहा। ‘घूमने चलते हैं।’ 'दर्शनीय स्थलों की यात्रा?'
‘गेटवे आर्च,’ उसने कहा। ‘शायद शिखर तक पहुँचने का यह मेरा एकमात्र मौका है। क्या तुम आ रहे हो या नहीं?’
ग्रोवर और मैंने एक-दूसरे को देखा।
मैं मना करना चाहता था, लेकिन मैंने सोचा कि अगर एनाबेथ जा रही है, तो हम उसे अकेले नहीं जाने दे सकते।
ग्रोवर ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'जब तक कोई ऐसा स्नैक बार हो जहां राक्षस न हों, तब तक ठीक है।'
आर्क ट्रेन स्टेशन से लगभग एक मील दूर था। दिन ढलने के समय अंदर जाने के लिए ज़्यादा भीड़ नहीं थी। हम भूमिगत संग्रहालय में घुसते हुए 1800 के दशक की ढकी हुई गाड़ियों और अन्य पुरानी चीज़ों को देखने लगे। यह उतना रोमांचक तो नहीं था, लेकिन एनाबेथ हमें आर्क के निर्माण के बारे में दिलचस्प बातें बताती रही और ग्रोवर मुझे जेली बीन्स देता रहा, इसलिए मुझे कोई परेशानी नहीं हुई।
मैं लाइन में खड़े बाकी लोगों को देखती रही। मैंने ग्रोवर से धीरे से पूछा, 'क्या तुम्हें कोई गंध आ रही है?'
उसने जेलीबीन के थैले से अपनी नाक बाहर निकाली और सूंघा। 'भूमिगत,' उसने अरुचि से कहा। 'भूमिगत हवा हमेशा राक्षसों जैसी गंध देती है। शायद इसका कोई मतलब नहीं है।'
लेकिन मुझे कुछ गड़बड़ लग रही थी। मुझे महसूस हो रहा था कि हमें यहां नहीं होना चाहिए।
मैंने कहा, 'दोस्तों, क्या आप देवताओं के शक्ति प्रतीकों के बारे में जानते हैं?'
एनाबेथ मेहराब के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले निर्माण उपकरणों के बारे में पढ़ रही थी, लेकिन उसने उधर देखा। 'हाँ?'
‘अच्छा, अगर –’

ग्रोवर ने गला साफ किया। 'हम एक सार्वजनिक स्थान पर हैं... तुम्हारा मतलब है, नीचे रहने वाला हमारा दोस्त?'
‘हम्म, ठीक है,’ मैंने कहा। ‘हमारा वो दोस्त जो नीचे रहता है। क्या उसके पास एनाबेथ जैसी टोपी नहीं है?’
‘तुम्हारा मतलब है अंधकार का हेलमेट,’ एनाबेथ ने कहा। ‘हाँ, वही उसकी शक्ति का प्रतीक है। मैंने उसे शीतकालीन संक्रांति परिषद की बैठक के दौरान उसकी सीट के बगल में देखा था।’
मैंने पूछा, ‘क्या वह वहाँ था?’
उसने सिर हिलाया। 'उसे ओलंपस जाने की अनुमति केवल एक ही बार मिलती है - साल के सबसे अंधेरे दिन। लेकिन अगर मैंने जो सुना है वह सच है, तो उसका हेलमेट मेरी अदृश्यता टोपी से कहीं अधिक शक्तिशाली है...'
ग्रोवर ने पुष्टि करते हुए कहा, 'यह उसे अंधकार में विलीन होने की शक्ति देता है। वह परछाई में विलीन हो सकता है या दीवारों के आर-पार जा सकता है। उसे छुआ नहीं जा सकता, देखा नहीं जा सकता, सुना नहीं जा सकता। और वह इतना तीव्र भय उत्पन्न कर सकता है कि आपको पागल कर दे या आपका दिल रोक दे। आपको क्या लगता है कि सभी समझदार प्राणी अंधेरे से क्यों डरते हैं?'
‘लेकिन फिर… हमें कैसे पता चलेगा कि वह अभी यहीं नहीं है, हमें देख नहीं रहा है?’ मैंने पूछा।
एनाबेथ और ग्रोवर ने एक-दूसरे की ओर देखा।
'हम ऐसा नहीं करते,' ग्रोवर ने कहा।
‘धन्यवाद, इससे मुझे बहुत अच्छा लग रहा है,’ उसने कहा। ‘क्या आपके पास नीली जेली बीन्स बची हैं?’
मैंने अपनी घबराहट पर लगभग काबू पा लिया था, तभी मैंने वह छोटी सी लिफ्ट देखी जिसमें बैठकर हम आर्क के शिखर पर जाने वाले थे, और मुझे एहसास हुआ कि मैं मुसीबत में हूँ। मुझे बंद जगहें बिल्कुल पसंद नहीं हैं। वे मुझे पागल कर देती हैं।
हमें एक मोटी-सी महिला और उसके कुत्ते, एक चिहुआहुआ (जिसके गले में हीरे जड़ा कॉलर था) के साथ कार में ठूंस-ठूंस कर बिठाया गया। मुझे लगा कि शायद वह कुत्ता किसी गाइड चिहुआहुआ का होगा, क्योंकि किसी भी गार्ड ने इस बारे में कुछ नहीं कहा।

हम आर्क के अंदर ऊपर की ओर जाने लगे। मैंने पहले कभी घुमावदार लिफ्ट में सफर नहीं किया था, और मेरा पेट इससे खुश नहीं था।
‘क्या आपके माता-पिता नहीं हैं?’ मोटी महिला ने हमसे पूछा।
उसकी आंखें छोटी-छोटी थीं; नुकीले, कॉफी से सने दांत थे; एक ढीली-ढाली डेनिम टोपी थी, और एक डेनिम ड्रेस थी जो इतनी फूली हुई थी कि वह नीली जींस के गुब्बारे जैसी लग रही थी।
‘वे नीचे हैं,’ एनाबेथ ने उसे बताया। ‘उन्हें ऊंचाई से डर लगता है।’
‘ओह, बेचारे प्यारे बच्चे।’
चिहुआहुआ गुर्राया। महिला ने कहा, 'अरे बेटा, तमीज़ से पेश आओ।' कुत्ते की आंखें उसकी मालकिन की तरह ही चमकीली और चालाक थीं।
मैंने कहा, 'सॉनी। क्या यही उसका नाम है?'
‘नहीं,’ उस महिला ने मुझे बताया।
वह मुस्कुराई, मानो इससे सब कुछ स्पष्ट हो गया हो।
आर्क के शिखर पर स्थित अवलोकन डेक मुझे कालीन से ढके एक टिन के डिब्बे की याद दिलाता था। छोटी-छोटी खिड़कियों की कतारें एक तरफ शहर और दूसरी तरफ नदी का नज़ारा पेश करती थीं। नज़ारा ठीक-ठाक था, लेकिन अगर मुझे किसी बंद जगह से ज़्यादा नापसंद कुछ है, तो वह है दो सौ मीटर की ऊंचाई पर स्थित बंद जगह। मैं वहाँ से जल्दी ही जाने के लिए तैयार था।
एनाबेथ संरचनात्मक सहारे के बारे में बात करती रही, और बताती रही कि वह खिड़कियों को और बड़ा कैसे बनाती और एक पारदर्शी फर्श कैसे डिज़ाइन करती। वह शायद घंटों तक वहीं रह सकती थी, लेकिन सौभाग्य से मेरे लिए पार्क रेंजर ने घोषणा की कि अवलोकन डेक कुछ ही मिनटों में बंद होने वाला है।
मैंने ग्रोवर और एनाबेथ को बाहर निकलने की ओर ले जाकर लिफ्ट में बिठाया और खुद भी अंदर जाने ही वाला था कि मुझे एहसास हुआ कि अंदर पहले से ही दो और पर्यटक मौजूद हैं। मेरे लिए कोई जगह नहीं थी।
पार्क रेंजर ने कहा, 'अगली कार, महोदय।'
‘हम निकल जाएंगे,’ एनाबेथ ने कहा। ‘हम तुम्हारे साथ ही रुकेंगे।’
लेकिन इससे सब लोग परेशान हो जाते और और भी ज्यादा समय लग जाता, इसलिए मैंने कहा, 'नहीं, कोई बात नहीं। मैं आप लोगों से नीचे मिलूंगा।' ग्रोवर और एनाबेथ दोनों घबराए हुए लग रहे थे, लेकिन उन्होंने लिफ्ट का दरवाजा बंद होने दिया। उनकी कार रैंप से नीचे गायब हो गई।

अब अवलोकन डेक पर केवल मैं, अपने माता-पिता के साथ एक छोटा लड़का, पार्क रेंजर और अपने चिहुआहुआ कुत्ते के साथ एक मोटी महिला ही बची थी।
मैंने उस मोटी महिला को देखकर असहज मुस्कान दी। उसने भी मुस्कुराते हुए जवाब दिया, उसकी दोमुँही जीभ उसके दाँतों के बीच फड़फड़ा रही थी।
ज़रा ठहरिये।
कांटेदार जीभ?
इससे पहले कि मैं यह तय कर पाती कि मैंने वास्तव में वह देखा था या नहीं, उसका चिहुआहुआ कुत्ता नीचे कूद गया और मुझ पर भौंकने लगा।
‘अरे वाह, बेटा,’ महिला ने कहा। ‘क्या यह अच्छा समय लग रहा है? यहाँ इतने अच्छे लोग मौजूद हैं।’
‘कुत्ता!’ छोटे लड़के ने कहा। ‘देखो, एक कुत्ता!’
उसके माता-पिता ने उसे वापस खींच लिया।
चिहुआहुआ कुत्ते ने मेरे सामने अपने दांत दिखाए, उसके काले होंठों से झाग टपक रहा था।
‘ठीक है बेटे,’ मोटी महिला ने आह भरी। ‘अगर तुम ज़िद करते हो।’
मेरे पेट में ठंडक सी महसूस होने लगी। 'उम, क्या तुमने उस चिहुआहुआ को अपना बेटा कह दिया?'
‘चिमेरा, प्रिय,’ मोटी महिला ने सुधार करते हुए कहा। ‘चिहुआहुआ नहीं। यह एक आम गलती है।’
उसने अपनी डेनिम की आस्तीनें ऊपर चढ़ा लीं, जिससे उसकी बांहों की खुरदरी और हरी त्वचा दिखाई दी। जब वह मुस्कुराई, तो मैंने देखा कि उसके दांत नुकीले थे। उसकी आंखों की पुतलियां सरीसृपों की तरह तिरछी थीं। चिहुआहुआ की भौंकने की आवाज़ तेज़ होती गई, और हर भौंक के साथ उसका आकार बढ़ता गया। पहले डोबरमैन के आकार का, फिर शेर के आकार का। भौंकना एक दहाड़ में बदल गया।
छोटा लड़का चीख उठा। उसके माता-पिता उसे खींचकर बाहर निकलने की ओर ले गए, सीधे पार्क रेंजर के पास, जो उस राक्षस को देखकर अवाक खड़ा था।
अब चिमेरा इतना लंबा हो गया था कि उसकी पीठ छत से रगड़ खा रही थी। उसका सिर शेर जैसा था, जिस पर खून से सना अयाल था, शरीर और खुर एक विशाल बकरी जैसे थे, और पूंछ एक सांप जैसी थी, जिसकी तीन मीटर लंबी डायमंडबैक सांप उसकी घनी पीठ से निकल रही थी। उसके गले में अभी भी हीरे जड़ा हुआ कुत्ते का पट्टा लटका

हुआ था, और प्लेट के आकार का डॉग टैग अब आसानी से पढ़ा जा सकता था: चिमेरा - पागल, आग उगलने वाला, जहरीला - अगर मिले, तो कृपया टार्टारस को कॉल करें - एक्सटेंशन 954।
मुझे एहसास हुआ कि मैंने अपनी तलवार की म्यान भी नहीं खोली थी। मेरे हाथ सुन्न हो गए थे। मैं काइमेरा के खूनी मुंह से तीन मीटर दूर था, और मुझे पता था कि जैसे ही मैं हिलूंगा, वह प्राणी मुझ पर झपट पड़ेगा।
नागों की देवी ने फुफकारते हुए ऐसी आवाज निकाली जो शायद हंसी थी। 'सम्मानित हो जाओ, पर्सी जैक्सन। भगवान ज़्यूस मुझे शायद ही कभी किसी नायक की परीक्षा अपने किसी वंशज से लेने की अनुमति देते हैं। क्योंकि मैं राक्षसों की माता, भयानक एकिडना हूँ!'
मैंने उसे घूर कर देखा। मेरे मन में बस यही सवाल आया: 'क्या यह चींटी खाने वाले जानवर की एक प्रजाति नहीं है?'
वह चीखी, क्रोध से उसका सरीसृप जैसा चेहरा भूरा और हरा हो गया। 'मुझे नफरत है जब लोग ऐसा कहते हैं! मुझे ऑस्ट्रेलिया से नफरत है! उस बेतुके जानवर का नाम मेरे नाम पर रखने के लिए। इसके लिए, पर्सी जैक्सन, मेरा बेटा तुम्हें नष्ट कर देगा!'
चिमेरा ने शेर जैसे दांत किटकिटाते हुए मुझ पर हमला किया। मैं किसी तरह एक तरफ कूदकर उसके काटने से बच गया।
मैं अंततः उस परिवार और पार्क रेंजर के बगल में जा पहुँचा, जो सभी अब चिल्ला रहे थे और आपातकालीन निकास द्वार खोलने की कोशिश कर रहे थे।
मैं उन्हें चोट नहीं लगने दे सकता था। मैंने अपनी तलवार की म्यान खोली, डेक के दूसरी तरफ भागा और चिल्लाया, 'हे, चिहुआहुआ!'
काइमेरा मेरी कल्पना से भी कहीं अधिक तेजी से मुड़ा।
इससे पहले कि मैं अपनी तलवार चला पाता, उसने अपना मुंह खोला, जिससे दुनिया के सबसे बड़े बारबेक्यू गड्ढे जैसी दुर्गंध निकली, और आग की एक लपट सीधे मेरी ओर फेंकी।
मैं धमाके के बीच से कूद गया। कालीन में आग लग गई; गर्मी इतनी तेज़ थी कि मेरी भौहें जल गईं।
जिस जगह मैं कुछ देर पहले खड़ा था, वहां मेहराब के किनारे एक फटा हुआ छेद था, जिसके किनारों से पिघली हुई धातु से भाप निकल रही थी।

वाह! मैंने सोचा। हमने एक राष्ट्रीय स्मारक को ब्लोटॉर्च से जलाकर राख कर दिया।
अब मेरे हाथों में रिपटाइड एक चमकती हुई कांस्य की तलवार थी, और जैसे ही चिमेरा मुड़ा, मैंने उसकी गर्दन पर वार किया।
यही मेरी सबसे बड़ी गलती थी। चाकू कुत्ते के पट्टे से टकराकर बेअसर ढंग से छिटक गया। मैंने अपना संतुलन बनाने की कोशिश की, लेकिन मैं उस भयंकर शेर के मुंह से खुद को बचाने की चिंता में इतना खो गया था कि सांप की पूंछ के बारे में पूरी तरह भूल गया, जब तक कि वह अचानक घूमी और अपने दांत मेरी पिंडली में गड़ा दिए।
मेरी पूरी टांग आग की तरह जल रही थी। मैंने रिपटाइड को चिमेरा के मुंह में घुसाने की कोशिश की, लेकिन सांप की पूंछ मेरे टखनों के चारों ओर लिपट गई और मेरा संतुलन बिगाड़ दिया, जिससे मेरी तलवार मेरे हाथ से छूटकर आर्क के छेद से बाहर निकलकर मिसिसिपी नदी की ओर लुढ़क गई।
मैं किसी तरह खड़ा हो पाया, लेकिन मुझे पता था कि मैं हार चुका हूँ। मेरे पास कोई हथियार नहीं था। मुझे महसूस हो रहा था कि जानलेवा ज़हर मेरे सीने तक दौड़ रहा है। मुझे याद आया कि चिरोन ने कहा था कि अनाक्लुस्मोस हमेशा मेरे पास लौट आएगा, लेकिन मेरी जेब में कलम नहीं थी। शायद वह बहुत दूर गिर गई थी। शायद वह केवल कलम के रूप में ही लौटती थी। मुझे नहीं पता था, और मैं इतना लंबा जीने वाला भी नहीं था कि इसका पता लगा सकूँ।
मैं दीवार में बने छेद में पीछे हट गया। चिमेरा गुर्राता हुआ आगे बढ़ा, उसके होठों से धुआँ निकल रहा था। नागों की देवी, एकिडना, खिलखिलाकर हंसी। 'अब पहले जैसे नायक नहीं बनते, है ना बेटे?'
राक्षस गुर्राया। अब जब मैं हार चुका था, तो ऐसा लग रहा था कि उसे मुझे खत्म करने की कोई जल्दी नहीं थी।
मैंने पार्क रेंजर और परिवार पर एक नज़र डाली। छोटा लड़का अपने पिता के पैरों के पीछे छिपा हुआ था। मुझे इन लोगों की रक्षा करनी थी। मैं यूँ ही मर नहीं सकता था। मैंने सोचने की कोशिश की, लेकिन मेरा पूरा शरीर आग की तरह जल रहा था। मेरा सिर चकरा रहा था। मेरे पास तलवार नहीं थी। मैं एक विशाल, आग उगलने वाले राक्षस और उसकी माँ का सामना कर रहा था। और मैं डरा हुआ था। मेरे पास जाने के लिए और कोई जगह नहीं थी, इसलिए मैं गड्ढे के किनारे पर चला गया। बहुत नीचे, नदी चमक रही थी।

अगर मैं मर जाऊं, तो क्या राक्षस चले जाएंगे? क्या वे इंसानों को अकेला छोड़ देंगे?
“अगर तुम पोसीडॉन के पुत्र हो,” एकिडना फुफकारते हुए बोली, “तो तुम्हें पानी से डर नहीं लगता। कूदो, पर्सी जैक्सन। मुझे दिखाओ कि पानी तुम्हें नुकसान नहीं पहुंचाएगा। कूदो और अपनी तलवार निकालो। अपने वंश को साबित करो।”
हां, बिल्कुल सही, मैंने सोचा। मैंने कहीं पढ़ा था कि दो मंजिल ऊपर से पानी में कूदना ठोस तारकोल पर कूदने जैसा होता है। यहां से, गिरते ही मैं बिखर जाऊंगा।
चिमेरा का मुंह लाल रंग से चमक रहा था, जो एक और विस्फोट के लिए तैयार हो रहा था।
“तुम्हें विश्वास नहीं है,” एचिडना ने मुझसे कहा। “तुम देवताओं पर भरोसा नहीं करते। मैं तुम्हें दोष नहीं दे सकती, छोटे कायर। बेहतर है कि तुम अभी मर जाओ। देवता विश्वासहीन हैं। ज़हर तुम्हारे दिल में है।”
वह सही थी: मैं मर रहा था। मुझे अपनी सांसें धीमी होती महसूस हो रही थीं। कोई मुझे बचा नहीं सकता था, देवता भी नहीं।
मैं पीछे हट गई और पानी की ओर देखने लगी। मुझे अपने पिता की मुस्कान की वो गर्माहट याद आ गई जब मैं बच्ची थी। उन्होंने मुझे ज़रूर देखा होगा। जब मैं पालने में थी, तब वे मुझसे मिलने ज़रूर आए होंगे।
मुझे वह घूमता हुआ हरा त्रिशूल याद आया जो उस रात मेरे सिर के ऊपर प्रकट हुआ था जब पोसीडॉन ने मुझे अपना पुत्र घोषित किया था।
लेकिन यह समुद्र नहीं था। यह मिसिसिपी नदी थी, जो अमेरिका के ठीक बीचोंबीच स्थित है। यहाँ कोई समुद्र देवता नहीं था।
'मर जा, विश्वासघाती,' एकिडना ने कर्कश स्वर में कहा, और चिमेरा ने मेरे चेहरे की ओर आग का एक स्तंभ भेजा।
मैंने प्रार्थना की, ‘हे पिता, मेरी मदद करो।’
मैं मुड़ा और कूद गया। मेरे कपड़े आग की लपटों में घिरे थे, जहर मेरी नसों में दौड़ रहा था, मैं नदी की ओर तेजी से गिर रहा था।

14 मैं एक कुख्यात भगोड़ा बन जाता हूँ

मुझे आपको यह बताना अच्छा लगेगा कि नीचे जाते समय मुझे कोई गहरा अहसास हुआ, कि मैंने अपनी नश्वरता को स्वीकार कर लिया, मौत का सामना करते हुए हँस दिया, इत्यादि।
सच कहूँ तो? मेरे मन में बस एक ही ख्याल आया: आआआआह्ह्ह्ह्ह!
नदी ट्रक की रफ्तार से मेरी ओर बह रही थी। हवा ने मेरी सांसें रोक दीं। चर्च के ऊंचे शिखर, गगनचुंबी इमारतें और पुल मेरी आंखों के सामने से आते- जाते रहे।
और फिर: फ्लैआआ-बूम!
चारों ओर बुलबुलों का सफेद घेरा छा गया। मैं धुंध में डूबता चला गया, मुझे पूरा यकीन था कि मैं पचास मीटर गहरे कीचड़ में धंसकर हमेशा के लिए खो जाऊंगा।
लेकिन पानी से टकराने पर मुझे कोई चोट नहीं आई। मैं अब धीरे-धीरे नीचे गिर रहा था, मेरी उंगलियों से बुलबुले निकल रहे थे। मैं चुपचाप नदी की तलहटी में जा गिरा। मेरे सौतेले पिता के आकार की एक मछली अंधेरे में गायब हो गई। मेरे चारों ओर गाद और घिनौने कचरे के बादल मंडरा रहे थे - बीयर की बोतलें, पुराने जूते, प्लास्टिक की थैलियाँ।
उस क्षण मुझे कुछ बातें समझ में आईं: पहली बात, मैं पूरी तरह से जलकर राख नहीं हो गया था। मुझे भूनकर भूना नहीं गया था। मुझे अब अपनी नसों में काइमेरा का जहर भी महसूस नहीं हो रहा था। मैं जीवित था, जो अच्छी बात थी।
दूसरी बात जो मुझे समझ आई: मैं गीला नहीं था। मतलब, मुझे पानी की ठंडक महसूस हो रही थी। मुझे दिख रहा था कि मेरे कपड़ों पर लगी आग बुझ गई थी।
लेकिन जब मैंने अपनी कमीज़ को छुआ, तो वह एकदम सूखी थी।
मैंने बहते हुए कचरे को देखा और एक पुराना सिगरेट लाइटर उठा लिया।
मैंने सोचा, बिलकुल नहीं।
मैंने लाइटर को झटका दिया। चिंगारी निकली। मिसिसिपी नदी की तलहटी में एक छोटी सी लौ दिखाई दी।

मैंने हवा में से एक गीला हैमबर्गर रैपर उठाया और देखते ही देखते वह सूख गया। मैंने उसे आसानी से जला लिया। जैसे ही मैंने उसे छोड़ा, आग बुझ गई। रैपर फिर से एक चिपचिपा कपड़ा बन गया। अजीब!
लेकिन सबसे अजीब विचार मेरे मन में बिल्कुल अंत में आया: मैं सांस ले रहा था। मैं पानी के अंदर था, और मैं सामान्य रूप से सांस ले रहा था।
मैं कीचड़ में घुटनों तक डूबा हुआ खड़ा हुआ। मेरे पैर कांप रहे थे। मेरे हाथ थरथरा रहे थे। मुझे तो मर जाना चाहिए था। लेकिन मैं ज़िंदा था, मानो किसी चमत्कार से कम नहीं। मुझे एक महिला की आवाज़ सुनाई दी, जो कुछ-कुछ मेरी माँ जैसी थी: पर्सी, तुम क्या कहते हो?
उम्म… धन्यवाद। पानी के अंदर मेरी आवाज़ रिकॉर्डिंग जैसी ही थी, एक बड़े बच्चे जैसी। धन्यवाद… पिताजी।
कोई प्रतिक्रिया नहीं। बस नदी में बहता हुआ कचरे का काला ढेर, पास से गुजरती विशालकाय कैटफ़िश, और ऊपर पानी की सतह पर सूर्यास्त की चमक, जो हर चीज़ को बटरस्कॉच रंग में रंग देती है।
पोसाइडन ने मुझे क्यों बचाया था? जितना ज़्यादा मैं इसके बारे में सोचता, उतना ही ज़्यादा मुझे शर्म आती। तो, पहले भी कई बार मेरी किस्मत अच्छी रही थी। चिमेरा जैसी चीज़ के सामने तो मेरा कोई चांस ही नहीं था। आर्क में रहने वाले वो बेचारे लोग शायद मारे ही गए होते। मैं उनकी रक्षा नहीं कर सकता था। मैं कोई हीरो नहीं था। शायद मुझे यहीं नीचे कैटफ़िश के साथ रहना चाहिए, उन तली में रहने वाले जीवों में शामिल हो जाना चाहिए।
फम्प-फम्प-फम्प। मेरे ऊपर एक नदी की नाव का चप्पू घूम रहा था, जिससे चारों ओर गाद उड़ रही थी।
वहाँ, मेरे ठीक सामने दो मीटर की दूरी पर, मेरी तलवार पड़ी थी, जिसका चमकीला कांसे का हैंडल कीचड़ में ऊपर की ओर निकला हुआ था।
मुझे उस महिला की आवाज़ फिर सुनाई दी: पर्सी, तलवार उठा लो। तुम्हारे पिता को तुम पर भरोसा है। इस बार, मुझे पता था कि आवाज़ मेरे दिमाग की उपज नहीं थी। मैं कल्पना नहीं कर रहा था। उसके शब्द मानो हर जगह से आ रहे थे, पानी में डॉल्फ़िन के सोनार की तरह लहरें पैदा कर रहे थे।
मैंने जोर से पुकारा, ‘तुम कहाँ हो?’

फिर, अंधकार में मैंने उसे देखा – पानी के रंग की एक स्त्री, धारा में तैरती हुई एक प्रेत जैसी, तलवार के ठीक ऊपर। उसके लंबे, लहराते बाल थे, और उसकी आँखें, जो मुश्किल से दिखाई दे रही थीं, मेरी आँखों की तरह हरी थीं।
मेरे गले में एक गांठ सी बन गई। मैंने कहा, 'माँ?'
नहीं, बेटा, मैं तो बस एक संदेशवाहक हूँ, हालाँकि तुम्हारी माँ का भाग्य उतना निराशाजनक नहीं है जितना तुम सोचते हो। सांता मोनिका के समुद्र तट पर जाओ।
'क्या?'
यह तुम्हारे पिता की इच्छा है। पाताल लोक में जाने से पहले तुम्हें सांता मोनिका जाना होगा। कृपया, पर्सी, मैं यहाँ ज्यादा देर नहीं रुक सकती। यहाँ की नदी इतनी गंदी है कि मेरा यहाँ रहना ठीक नहीं है।
‘लेकिन…’ मुझे यकीन था कि यह महिला मेरी माँ थी, या कम से कम उसकी कोई छवि तो थी ही। ‘कौन – आपने कैसे –’
मेरे मन में बहुत कुछ था, लेकिन शब्द मेरे गले में अटक गए।
"मैं यहाँ नहीं रुक सकती, बहादुर!" महिला ने कहा। उसने हाथ बढ़ाया और मुझे लगा जैसे कोई कोमल स्पर्श मेरे चेहरे को छू रहा हो। "तुम्हें सांता मोनिका जाना ही होगा! और पर्सी, उपहारों पर भरोसा मत करना..."
उसकी आवाज धीमी पड़ गई।
‘उपहार?’ मैंने पूछा। ‘कैसे उपहार? रुको!’
उसने बोलने की एक और कोशिश की, लेकिन आवाज़ गायब हो गई। उसकी छवि धुंधली पड़ गई। अगर वह मेरी माँ थी, तो मैंने उसे फिर से खो दिया था।
मुझे खुद को डुबो लेने का मन कर रहा था। लेकिन दिक्कत ये थी कि डूबने का मुझ पर कोई असर नहीं होता था।
उसने कहा था, "तुम्हारे पिता को तुम पर भरोसा है।"
उसने मुझे बहादुर भी कहा था... सिवाय इसके कि वह किसी कैटफ़िश से बात कर रही हो।
मैं रिपटाइड की ओर बढ़ा और उसकी मूठ पकड़ ली। काइमेरा शायद अभी भी अपनी मोटी, साँप जैसी माँ के साथ ऊपर ही हो, मेरा अंत करने के लिए इंतज़ार कर रही हो। कम से कम, नश्वर पुलिस तो आ ही रही होगी, यह पता लगाने की कोशिश में कि किसने मेहराब में छेद किया है। अगर वे मुझे ढूंढ लेते, तो उनके पास कुछ सवाल ज़रूर होते।

मैंने अपनी तलवार पर म्यान लगाई और बॉलपॉइंट पेन जेब में रख लिया।
'धन्यवाद, पिता जी,' मैंने फिर से उस अंधेरे पानी से कहा।
फिर मैंने कीचड़ में पैर मारते हुए खुद को ऊपर उठाया और सतह की ओर तैरने लगा।
मैं तैरते हुए मैकडॉनल्ड्स के बगल में किनारे पर पहुंचा।
एक ब्लॉक की दूरी पर, सेंट लुइस के सभी आपातकालीन वाहन आर्क के चारों ओर जमा थे। पुलिस के हेलीकॉप्टर ऊपर चक्कर लगा रहे थे। दर्शकों की भीड़ मुझे नए साल की पूर्व संध्या पर टाइम्स स्क्वायर की याद दिला रही थी।
एक छोटी बच्ची ने कहा, 'माँ! वह लड़का नदी से बाहर आ गया।'
'यह तो बहुत अच्छा है, बेटा,' उसकी माँ ने एम्बुलेंस को देखने के लिए अपनी गर्दन घुमाते हुए कहा।
लेकिन वह तो सूखा है!
'यह तो बहुत अच्छा है, प्रिय।'
एक महिला पत्रकार कैमरे के सामने बोल रही थी: 'हमें बताया गया है कि यह शायद आतंकवादी हमला नहीं था, लेकिन जांच अभी शुरुआती दौर में है। जैसा कि आप देख सकते हैं, नुकसान बहुत गंभीर है। हम कुछ बचे हुए लोगों से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि उनसे उन प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के बारे में पूछताछ कर सकें जिन्होंने बताया था कि कोई व्यक्ति मेहराब से गिर गया था।' बचे हुए लोग। मुझे राहत की लहर महसूस हुई। शायद पार्क रेंजर और वह परिवार सुरक्षित बाहर निकल गए होंगे। मुझे उम्मीद है कि एनाबेथ और ग्रोवर ठीक होंगे।
मैंने भीड़ को चीरते हुए अंदर घुसने की कोशिश की ताकि देख सकूं कि पुलिस घेरे के अंदर क्या हो रहा है।
“…एक किशोर लड़का,” एक अन्य रिपोर्टर कह रहा था। “चैनल फाइव को पता चला है कि निगरानी कैमरों में एक किशोर लड़का ऑब्जर्वेशन डेक पर बेकाबू होकर हंगामा कर रहा था, और किसी तरह इस भयानक विस्फोट का कारण बना। यकीन करना मुश्किल है, जॉन, लेकिन हमें यही सुनने को मिल रहा है। फिर से बता दें, किसी की मौत की पुष्टि नहीं हुई है…”
मैं अपना सिर नीचे रखने की कोशिश करते हुए पीछे हट गया। मुझे पुलिस के घेरे के चारों ओर काफी लंबा रास्ता तय करना था। वर्दीधारी पुलिस अधिकारी और पत्रकार हर जगह मौजूद थे।

एनाबेथ और ग्रोवर को ढूंढने की मेरी उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी, तभी एक जानी-पहचानी आवाज ने कहा, 'पर्सी!'
मैं मुड़ा और ग्रोवर ने मुझे कसकर गले लगा लिया - या यूं कहें कि बकरी की तरह गले लगाया। उसने कहा, 'हमें लगा था कि तुम नरक में चले गए हो!' एनाबेथ उसके पीछे खड़ी थी, गुस्से का दिखावा कर रही थी, लेकिन मुझे देखकर वह भी राहत महसूस कर रही थी। 'हम तुम्हें पाँच मिनट के लिए भी अकेला नहीं छोड़ सकते! क्या हुआ?'
मैं लगभग गिर गया।
‘पर्सी! दो सौ मीटर?’
हमारे पीछे, एक पुलिसकर्मी ने चिल्लाकर कहा, 'रास्ता दो!' भीड़ हट गई, और कुछ पैरामेडिक्स जल्दी से बाहर आए और एक महिला को स्ट्रेचर पर लिटा दिया। मैंने उसे तुरंत पहचान लिया, वह उस छोटे लड़के की माँ थी जो अवलोकन डेक पर था। वह कह रही थी, 'और फिर यह विशाल कुत्ता, यह आग उगलने वाला विशाल चिहुआहुआ -'
पैरामेडिक ने कहा, 'ठीक है मैडम। शांत हो जाइए। आपका परिवार सुरक्षित है। दवा का असर शुरू हो रहा है।'
‘मैं पागल नहीं हूँ! यह लड़का गड्ढे से बाहर कूद गया और राक्षस गायब हो गया।’ तभी उसने मुझे देखा। ‘देखो, वह रहा! यही है वो लड़का!’
मैं झट से मुड़ा और एनाबेथ और ग्रोवर को अपने पीछे खींच लिया। हम भीड़ में गायब हो गए।
‘क्या हो रहा है?’ एनाबेथ ने पूछा। ‘क्या वह लिफ्ट में मौजूद चिहुआहुआ कुत्ते के बारे में बात कर रही थी?’
मैंने उन्हें चिमेरा, इकिडना की पूरी कहानी, अपने हाई-डाइव एक्ट और पानी के अंदर मौजूद महिला के संदेश के बारे में बताया।
‘अरे वाह! हमें तुम्हें सांता मोनिका ले जाना होगा! तुम अपने पिता के बुलावे को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते।’
एनाबेथ के जवाब देने से पहले ही, हम एक और रिपोर्टर के पास से गुज़रे जो न्यूज़ ब्रेक दे रहा था, और मैं लगभग वहीं जम गया जब उसने कहा, 'पर्सी जैक्सन। जी हाँ, डैन। चैनल ट्वेल्व को पता चला है कि जिस लड़के ने यह धमाका किया होगा, वह तीन दिन पहले न्यू जर्सी में हुए एक गंभीर बस हादसे के सिलसिले में अधिकारियों द्वारा वांछित युवक के हुलिए से मिलता-जुलता है।

और माना जा रहा है कि वह लड़का पश्चिम की ओर जा रहा है। घर पर बैठे हमारे दर्शकों के लिए, यह पर्सी जैक्सन की तस्वीर है।'
हम न्यूज़ वैन के चारों ओर से बचते हुए एक गली में घुस गए।
मैंने ग्रोवर से कहा, 'सबसे पहले तो हमें शहर से निकलना होगा!'
किसी तरह हम बिना किसी की नज़र में आए एमट्रैक स्टेशन पहुँच गए। ट्रेन के डेनवर के लिए रवाना होने से ठीक पहले हम उसमें सवार हो गए। अंधेरा छाने लगा और ट्रेन पश्चिम की ओर धीरे-धीरे बढ़ने लगी, हमारे पीछे सेंट लुइस के आसमान पर पुलिस की बत्तियाँ अभी भी टिमटिमा रही थीं।

15 भगवान हमें चीज़बर्गर खरीदकर देते हैं

अगली दोपहर, 14 जून को, संक्रांति से सात दिन पहले, हमारी ट्रेन डेनवर पहुँची। हमने पिछली रात कंसास में कहीं डाइनिंग कार में खाना खाया था और तब से कुछ नहीं खाया था। हमने हाफ-ब्लड हिल के बाद से स्नान भी नहीं किया था, और मुझे यकीन था कि यह बात सबको पता थी।
‘चलो चिरोन से संपर्क करने की कोशिश करते हैं,’ एनाबेथ ने कहा। ‘मैं उसे नदी की आत्मा के साथ तुम्हारी बातचीत के बारे में बताना चाहती हूँ।’
‘हम फोन का इस्तेमाल नहीं कर सकते, है ना?’
मैं फोन की बात नहीं कर रहा हूँ।
हम लगभग आधे घंटे तक शहर के बीचोंबीच घूमते रहे, हालाँकि मुझे यह समझ नहीं आ रहा था कि एनाबेथ क्या ढूंढ रही थी। हवा शुष्क और गर्म थी, जो सेंट लुइस की उमस के बाद अजीब लग रही थी। जिधर भी मुड़ते, रॉकी पर्वतमाला मानो मुझे घूर रही हो, जैसे कोई प्रलयकारी लहर शहर से टकराने वाली हो।
आखिरकार हमें एक खाली सेल्फ-वॉशिंग बूथ मिल गया। हम सड़क से सबसे दूर वाले स्टॉल की ओर मुड़े, गश्ती गाड़ियों पर नज़र रखते हुए। हम तीन किशोर बिना कार के कार वॉश बूथ पर बैठे थे; कोई भी समझदार पुलिसवाला समझ जाता कि हम कुछ गड़बड़ कर रहे हैं।
‘हम आखिर कर क्या रहे हैं?’ मैंने पूछा, तभी ग्रोवर ने स्प्रे गन निकाल ली। ‘यह पचहत्तर सेंट है,’ उसने बड़बड़ाते हुए कहा। ‘मेरे पास सिर्फ दो चौथाई सिक्के बचे हैं। एनाबेथ?’
‘मेरी तरफ मत देखो,’ उसने कहा। ‘डाइनिंग कार ने मुझे कुचल दिया।’
मैंने अपने पास बचे हुए आखिरी सिक्के निकाले और ग्रोवर को एक चौथाई डॉलर दे दिए, जिससे मेरे पास मेडुसा की दुकान से दो निकल और एक ड्रैक्मा बच गए। 'बहुत बढ़िया,' ग्रोवर ने कहा। 'हम इसे स्प्रे बोतल से भी कर सकते थे, लेकिन कनेक्शन उतना अच्छा नहीं होता, और पंप करते-करते मेरा हाथ थक जाता है।' 'तुम किस बारे में बात कर रहे हो?'
उसने कमरे में खाना डाला और नॉब को बारीक फुहार के लिए सेट कर दिया। 'तात्कालिक संदेशन?'

‘आइरिस के ज़रिए संदेश पहुंचाना,’ एनाबेथ ने बात सुधारते हुए कहा। ‘इंद्रधनुष की देवी आइरिस देवताओं के लिए संदेश पहुंचाती हैं। अगर आपको उनसे पूछने का तरीका पता हो और वो ज़्यादा व्यस्त न हों, तो वो आधे-आधे इंसानों के लिए भी ऐसा ही करती हैं।’
‘क्या तुम स्प्रे गन से देवी को बुलाते हो?’
ग्रोवर ने नोजल को हवा में उठाया और पानी एक गाढ़ी सफेद धुंध के रूप में बाहर निकला। 'जब तक कि आपको इंद्रधनुष बनाने का कोई आसान तरीका न पता हो।' निश्चित रूप से, दोपहर बाद की हल्की रोशनी धुंध से छनकर आई और रंगों में बिखर गई।
एनाबेथ ने मेरी ओर हथेली बढ़ाई। 'ड्राचमा, कृपया।'
मैंने इसे सौंप दिया।
उसने सिक्का अपने सिर के ऊपर उठाया। 'हे देवी, हमारी भेंट स्वीकार करो।' उसने ड्रैक्मा को इंद्रधनुष में फेंक दिया। वह सुनहरी चमक के साथ गायब हो गया।
‘हाफ-ब्लड हिल,’ एनाबेथ ने अनुरोध किया।
एक पल के लिए कुछ नहीं हुआ।
फिर मैं धुंध में से स्ट्रॉबेरी के खेतों और दूर लॉन्ग आइलैंड साउंड को देख रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे हम बिग हाउस के बरामदे पर खड़े हों। रेलिंग के पास हमारी तरफ पीठ करके खड़ा एक सुनहरे बालों वाला आदमी शॉर्ट्स और नारंगी रंग की टी-शर्ट पहने हुए था। उसके हाथ में एक कांस्य की तलवार थी और वह घास के मैदान में किसी चीज को ध्यान से देख रहा था।
‘ल्यूक!’ मैंने पुकारा।
वह मुड़ा, आँखें चौड़ी हो गईं। मुझे ऐसा लगा जैसे वह धुंध के पर्दे के पीछे से मेरे ठीक सामने एक मीटर की दूरी पर खड़ा हो, सिवाय इसके कि मुझे उसका केवल वही हिस्सा दिखाई दे रहा था जो इंद्रधनुष में दिख रहा था।
‘पर्सी!’ उसके चोटिल चेहरे पर मुस्कान खिल उठी। ‘क्या ये एनाबेथ भी है? भगवान का शुक्र है! क्या तुम दोनों ठीक हो?’
‘हम… उह… ठीक हैं,’ एनाबेथ हकलाते हुए बोली। वह अपनी गंदी टी-शर्ट को तेज़ी से सीधा कर रही थी और चेहरे से बिखरे बालों को कंघी से हटाने की कोशिश कर रही थी। ‘हमने सोचा था – चिरोन – मेरा मतलब है –’

‘वो केबिन में है।’ ल्यूक की मुस्कान फीकी पड़ गई। ‘हमें कैंप में रहने वालों के साथ कुछ दिक्कतें आ रही हैं। सुनो, सब ठीक है? ग्रोवर ठीक है?’ ‘मैं यहीं हूँ,’ ग्रोवर ने पुकारा। उसने नोजल को एक तरफ बढ़ाया और ल्यूक की नज़र के सामने आ गया। ‘किस तरह की समस्याएँ हैं?’
तभी एक बड़ी सी लिंकन कॉन्टिनेंटल कार वॉश में आकर रुकी, जिसमें स्टीरियो पर तेज़ आवाज़ में हिप-हॉप संगीत बज रहा था। जैसे ही कार अगले स्टॉल में घुसी, सबवूफर से निकलने वाली बेस की आवाज़ इतनी तेज़ थी कि सड़क हिल उठी। ‘चिरोन को ऐसा करना पड़ा – ये कैसी आवाज है?’ ल्यूक चिल्लाया।
‘मैं संभाल लूंगी!’ एनाबेथ ने चिल्लाकर जवाब दिया, उसे नज़रों से ओझल होने का बहाना मिल जाने से बहुत राहत मिली थी। ‘ग्रोवर, जल्दी आओ!’
‘क्या?’ ग्रोवर ने कहा। ‘लेकिन –’
‘पर्सी को नोजल दो और चलो!’ उसने आदेश दिया।
ग्रोवर ने कुछ बुदबुदाते हुए कहा कि लड़कियों को समझना डेल्फी के ओरेकल से भी ज्यादा मुश्किल है, फिर उसने मुझे स्प्रे गन थमा दी और एनाबेथ के पीछे चला गया।
मैंने नली को इस तरह से समायोजित किया ताकि इंद्रधनुष दिखता रहे और मैं ल्यूक को भी देख सकूं।
संगीत की तेज़ आवाज़ के बीच ल्यूक ने चिल्लाकर मुझसे कहा, 'चिरोन को लड़ाई रोकनी पड़ी। यहाँ हालात काफ़ी तनावपूर्ण हैं, पर्सी। ज़्यूस और पोसाइडन के बीच टकराव की बात लीक हो गई है। हमें अभी तक पता नहीं चला है कि कैसे – शायद उसी बदमाश ने जिसने नरक के कुत्ते को बुलाया था। अब कैंप में रहने वाले लोग भी अलग-अलग गुट बनाने लगे हैं। ये सब कुछ फिर से ट्रोजन युद्ध जैसा होता जा रहा है। एफ़्रोडाइट, एरेस और अपोलो लगभग पोसाइडन का साथ दे रहे हैं। एथेना ज़्यूस का साथ दे रही है।'
यह सोचकर ही मुझे कंपकंपी छूट गई कि क्लैरिस का केबिन कभी भी किसी भी बात पर मेरे पिताजी का साथ देगा। बगल वाले केबिन में, मैंने एनाबेथ और किसी आदमी को आपस में बहस करते सुना, फिर संगीत की आवाज़ एकदम धीमी हो गई।
‘तो तुम्हारी क्या स्थिति है?’ ल्यूक ने मुझसे पूछा। ‘चिरोन को बहुत अफ़सोस होगा कि वह तुमसे नहीं मिल पाया।’
मैंने उसे लगभग सब कुछ बता दिया, यहाँ तक कि अपने सपने भी। उसे देखकर बहुत अच्छा लगा, ऐसा लगा जैसे मैं कुछ मिनटों के लिए ही सही, कैंप में वापस आ गई

हूँ। मुझे पता ही नहीं चला कि मैंने कितनी देर बात कर ली, जब तक कि स्प्रे मशीन का बीपर नहीं बज गया, और तब मुझे एहसास हुआ कि पानी बंद होने से पहले मेरे पास सिर्फ एक मिनट बचा है।
‘काश मैं वहाँ होता,’ ल्यूक ने मुझसे कहा। ‘मुझे खेद है कि हम यहाँ से मदद नहीं कर सकते, लेकिन सुनो… वह हेड्स ही था जिसने मुख्य वज्र लिया। वह शीतकालीन संक्रांति के समय ओलंपस में था। मैं एक फील्ड ट्रिप में बच्चों की देखरेख कर रहा था और हमने उसे देखा था।’
लेकिन चिरोन ने कहा कि देवता एक-दूसरे की जादुई वस्तुएं सीधे तौर पर नहीं ले सकते।
‘यह सच है,’ ल्यूक ने परेशान होकर कहा। ‘फिर भी… हेड्स के पास अंधकार का हेलमेट है। कोई और सिंहासन कक्ष में चुपके से घुसकर मुख्य वज्र कैसे चुरा सकता है? इसके लिए तो अदृश्य होना पड़ेगा।’
हम दोनों चुप रहे, जब तक कि ल्यूक को यह एहसास नहीं हुआ कि उसने क्या कहा है।
‘अरे, सुनो,’ उसने विरोध करते हुए कहा। ‘मेरा मतलब एनाबेथ से नहीं था। हम दोनों एक दूसरे को बहुत लंबे समय से जानते हैं। वह कभी ऐसा नहीं करेगी… मेरा मतलब है, वह मेरे लिए छोटी बहन जैसी है।’
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या एनाबेथ को यह वर्णन पसंद आएगा। हमारे बगल वाले स्टॉल में संगीत पूरी तरह बंद हो गया। एक आदमी डर से चीख उठा, कार के दरवाजे जोर से बंद हुए और लिंकन कार वॉश से तेजी से निकल गई।
'तुम्हें जाकर देखना चाहिए कि वह क्या था,' ल्यूक ने कहा। 'सुनो, क्या तुमने उड़ने वाले जूते पहने हैं? अगर मुझे पता चल जाए कि उनसे तुम्हें कुछ फायदा हुआ है तो मुझे अच्छा लगेगा।'
‘ओह… उह, हाँ!’ मैंने दोषी झूठे की तरह न लगने की कोशिश की। ‘हाँ, ये काम आए हैं।’
‘सच में?’ वह मुस्कुराया। ‘क्या ये ठीक से फिट हो रहे हैं?’
पानी बंद हो गया। धुंध धीरे-धीरे वाष्पित होने लगी।
“अच्छा, डेनवर में अपना ख्याल रखना,” ल्यूक ने धीमी होती आवाज़ में कहा। “और ग्रोवर को बता देना कि इस बार सब ठीक रहेगा! अगर वो बस…”
लेकिन धुंध छंट गई, और ल्यूक की छवि धीरे-धीरे गायब हो गई। मैं एक गीले, खाली कार-वॉश के स्टॉल में अकेला था।

एनाबेथ और ग्रोवर हंसते हुए कोने से आए, लेकिन मेरा चेहरा देखकर रुक गए। एनाबेथ की मुस्कान गायब हो गई। 'क्या हुआ, पर्सी? ल्यूक ने क्या कहा?' ‘कुछ खास नहीं,’ मैंने झूठ बोला, मेरा पेट किसी बड़े रेस्टोरेंट के केबिन की तरह खाली महसूस हो रहा था। ‘चलो, कुछ खाने का इंतजाम करते हैं।’
कुछ मिनट बाद, हम एक चमकदार क्रोम से सजे रेस्तरां में एक बूथ पर बैठे थे। हमारे चारों ओर परिवार बर्गर खा रहे थे और मिल्कशेक और सोडा पी रहे थे। आखिरकार वेट्रेस आई। उसने संदेह भरी निगाहों से अपनी भौंहें उठाईं। 'तो?' मैंने कहा, 'हम, उम, रात का खाना ऑर्डर करना चाहते हैं।'
‘क्या तुम्हारे बच्चों के पास इसके लिए पैसे हैं?’
ग्रोवर का निचला होंठ कांप रहा था। मुझे डर था कि वह मिमियाने लगेगा, या इससे भी बुरा, फर्श पर बिछी चादर को खाने लगेगा। एनाबेथ भूख से बेहोश होने वाली लग रही थी।
मैं वेट्रेस को सुनाने के लिए कोई दुख भरी कहानी सोचने की कोशिश कर रहा था कि तभी एक जोरदार आवाज से पूरी इमारत हिल गई; एक छोटी हाथी के आकार की मोटरसाइकिल फुटपाथ पर आकर रुक गई थी।
ढाबे में सारी बातचीत रुक गई। मोटरसाइकिल की हेडलाइट लाल रंग से चमक रही थी। उसके पेट्रोल टैंक पर आग की लपटें बनी हुई थीं, और दोनों तरफ शॉटगन के लिए होल्स्टर जड़े हुए थे, साथ में शॉटगन भी थीं। सीट चमड़े की थी – लेकिन ऐसा चमड़ा जो देखने में… खैर, किसी गोरे इंसान की चमड़ी जैसा लग रहा था। बाइक पर सवार उस आदमी को देखकर तो पेशेवर पहलवान भी अपनी माँ के पास भाग जाते। उसने लाल रंग की मस्कल शर्ट, काली जींस और काले चमड़े का डस्टर पहना हुआ था, और उसकी जांघ पर एक शिकार करने वाला चाकू बंधा हुआ था। उसने लाल रंग का चश्मा लगाया हुआ था, और उसका चेहरा इतना क्रूर और बेरहम था जितना मैंने पहले कभी नहीं देखा था - दिखने में सुंदर, लेकिन दुष्ट - उसके बाल काले और तेल लगे हुए थे और गालों पर कई लड़ाइयों के निशान थे। अजीब बात यह थी कि मुझे लगा जैसे मैंने उसका चेहरा पहले कहीं देखा हो।
जैसे ही वह भोजनालय में दाखिल हुआ, एक गर्म, सूखी हवा पूरे भोजनालय में बह गई। सभी लोग सम्मोहित होकर उठ खड़े हुए, लेकिन बाइकर ने हाथ हिलाकर उन्हें फिर से बैठने का इशारा किया। सब लोग अपनी-अपनी बातचीत में मग्न हो गए। वेट्रेस ने पलकें झपकाईं, मानो किसी ने उसके दिमाग में रिवाइंड बटन दबा

दिया हो। उसने हमसे फिर पूछा, 'क्या तुम बच्चों के पास इसका भुगतान करने के लिए पैसे हैं?'
बाइकर ने कहा, 'ये मेरी तरफ से है।' वह हमारे बूथ में घुस गया, जो उसके लिए बहुत छोटा था, और एनाबेथ को खिड़की से सटाकर खड़ा कर दिया।
उसने ऊपर वेट्रेस की ओर देखा, जो उसे घूर रही थी, और कहा, 'क्या आप अभी भी यहीं हैं?'
उसने उसकी ओर इशारा किया और वह एकदम सख्त हो गई। वह ऐसे घूमी जैसे उसे किसी ने घुमा दिया हो, फिर रसोई की ओर वापस चली गई।
बाइक सवार ने मेरी तरफ देखा। लाल चश्मे के पीछे उसकी आँखें ठीक से दिखाई नहीं दे रही थीं, लेकिन मेरे पेट में अजीब सी बेचैनी होने लगी। गुस्सा, नाराजगी, कड़वाहट। मेरा मन कर रहा था कि मैं दीवार पर मुक्का मारूँ। किसी से झगड़ा कर लूँ। ये आदमी खुद को क्या समझता है?
उसने मुझे एक शरारती मुस्कान दी। 'तो तुम बूढ़े सीवीड के बच्चे हो, है ना?' मुझे आश्चर्य या डर लगना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय मुझे ऐसा लगा जैसे मैं अपने सौतेले पिता गेब को देख रही हूँ। मेरा मन कर रहा था कि मैं इस आदमी का सिर धड़ से अलग कर दूँ। 'तुम्हें इससे क्या लेना-देना?'
एनाबेथ की आँखों में मुझे एक चेतावनी झलक रही थी। 'पर्सी, यह...'
बाइक सवार ने अपना हाथ उठाया।
‘कोई बात नहीं,’ उसने कहा। ‘मुझे थोड़ी अकड़ से कोई आपत्ति नहीं है। बस याद रखना कि बॉस कौन है। जानते हो मैं कौन हूँ, छोटे चचेरे भाई?’
फिर मुझे अचानक याद आया कि यह लड़का जाना-पहचाना क्यों लग रहा है। उसके चेहरे पर वही क्रूर घृणा का भाव था जो कैंप हाफ-ब्लड के कुछ बच्चों का होता था, खासकर केबिन नंबर पांच के बच्चों का।
मैंने कहा, 'आप क्लैरिस के पिता हैं। एरेस, युद्ध के देवता।'
एरेस मुस्कुराया और अपने चश्मे उतार दिए। जहाँ उसकी आँखें होनी चाहिए थीं, वहाँ केवल आग थी, खाली पुंज छोटे परमाणु विस्फोटों से चमक रहे थे। 'हाँ, बदमाश। मैंने सुना है कि तुमने क्लारिस का भाला तोड़ दिया।'
वह खुद ही ऐसा चाहती थी।
'शायद। यह बढ़िया है। मैं अपने बच्चों के झगड़े नहीं लड़ता, आप जानते हैं ना? मैं यहाँ इसलिए आया हूँ - मैंने सुना था कि आप शहर में हैं। मेरे पास आपके लिए एक छोटा सा प्रस्ताव है।'

वेट्रेस खाने से भरी ट्रे लेकर वापस आई - जिसमें चीज़बर्गर, फ्राइज़, प्याज के छल्ले और चॉकलेट शेक थे।
एरेस ने उसे कुछ सोने के ड्रैक्मा दिए।
उसने घबराकर सिक्कों की ओर देखा। 'लेकिन, ये तो...'
एरेस ने अपना बड़ा सा चाकू निकाला और अपने नाखूनों को साफ करने लगा। 'कोई समस्या है, प्रिये?'
वेट्रेस ने घबराकर सोना निगल लिया और फिर उसे लेकर चली गई।
मैंने एरेस से कहा, 'तुम ऐसा नहीं कर सकते। तुम यूं ही लोगों को चाकू से धमका नहीं सकते।'
एरेस हँसा। क्या मज़ाक कर रहे हो? मुझे यह देश बहुत पसंद है। स्पार्टा के बाद सबसे अच्छी जगह। क्या तुम हथियार नहीं रखते, बदमाश? रखना चाहिए। बाहर की दुनिया बहुत खतरनाक है। और इसी बात से मेरा प्रस्ताव शुरू होता है। मुझे तुमसे एक काम करवाना है।
मैं भगवान के लिए कौन सा उपकार कर सकता हूँ?
‘ऐसा काम जो भगवान के पास खुद करने का समय नहीं होता। ये कोई बड़ी बात नहीं है। मैंने अपनी ढाल शहर के एक सुनसान वाटर पार्क में छोड़ दी है। मैं अपनी प्रेमिका के साथ थोड़ी देर के लिए… डेट पर जा रहा था। बीच में ही किसी ने हमारी डेट रोक दी। मैं अपनी ढाल वहीं भूल गया। मैं चाहता हूँ कि तुम उसे मेरे लिए ले आओ।’
‘तुम वापस जाकर खुद ही क्यों नहीं ले आते?’
उसकी आंखों के सॉकेट में आग थोड़ी और तेज चमकने लगी।
‘क्यों न मैं तुम्हें प्रेरी डॉग बना दूं और अपनी हार्ले बाइक से कुचल दूं? क्योंकि मेरा मन नहीं है। एक देवता तुम्हें खुद को साबित करने का मौका दे रहा है, पर्सी जैक्सन। क्या तुम कायर साबित होगे?’ वह आगे झुका। ‘या शायद तुम तभी लड़ते हो जब कोई नदी हो जिसमें कूद सको, ताकि तुम्हारे पापा तुम्हारी रक्षा कर सकें।’
मुझे उस आदमी को घूंसा मारने का मन कर रहा था, लेकिन किसी तरह मुझे पता था कि वह इसी का इंतज़ार कर रहा है। एरेस की शक्ति मेरे गुस्से का कारण थी। अगर मैं उस पर हमला करता तो उसे बहुत खुशी होती। मैं उसे यह संतुष्टि नहीं देना चाहता था।

मैंने कहा, 'हमें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। हमारे पास पहले से ही एक मिशन है।'
एरेस की धधकती आँखों ने मुझे वो सब दिखा दिया जो मैं देखना नहीं चाहता था – युद्ध के मैदान में खून, धुआँ और लाशें। ‘मैं तुम्हारी खोज के बारे में सब जानता हूँ, बदमाश। जब वो चीज़ पहली बार चोरी हुई थी, ज़्यूस ने उसे खोजने के लिए अपने सबसे ताकतवर लोगों को भेजा था: अपोलो, एथेना, आर्टेमिस और मैं, ज़ाहिर है। अगर मैं इतने शक्तिशाली हथियार का पता नहीं लगा सका…’ उसने अपने होंठ चाटे, मानो उस शक्तिशाली वज्र के ख्याल से ही उसे भूख लग गई हो। ‘खैर… अगर मैं उसे नहीं ढूंढ सका, तो तुम्हारी कोई उम्मीद नहीं है। फिर भी, मैं तुम्हें शक का फायदा देने की कोशिश कर रहा हूँ। तुम्हारे पिताजी और मैं बहुत पुराने दोस्त हैं। आखिर, मैंने ही तो उन्हें उस लाश की साँस के बारे में अपने संदेह बताए थे।’
‘क्या तुमने उसे बताया कि हेड्स ने बोल्ट चुरा लिया?’
“ज़रूर। किसी को फंसाकर युद्ध शुरू करवाना। ये तो सबसे पुराना हथकंडा है। मैंने इसे तुरंत पहचान लिया। एक तरह से, आपके इस छोटे से मिशन के लिए आपको मुझे ही धन्यवाद देना चाहिए।”
‘धन्यवाद,’ मैंने बुदबुदाते हुए कहा।
‘अरे, मैं तो उदार व्यक्ति हूँ। बस मेरा छोटा-मोटा काम कर दो, और मैं तुम्हारी मदद कर दूँगा। मैं तुम्हारे और तुम्हारे दोस्तों के लिए पश्चिम की ओर जाने का इंतज़ाम कर दूँगा।’
हम अपने दम पर ठीक-ठाक काम कर रहे हैं।
'हाँ, बिल्कुल। न पैसे हैं, न गाड़ी। न ही तुम्हें पता है कि तुम्हें किन मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। मेरी मदद करो, और शायद मैं तुम्हें कुछ ऐसा बता दूँ जो तुम्हें जानना ज़रूरी हो। तुम्हारी माँ के बारे में कुछ।' ‘मेरी माँ?’
वह मुस्कुराया। 'इससे आपका ध्यान आकर्षित हुआ। वाटर पार्क डेलेंसी पर पश्चिम दिशा में एक मील दूर है। आप इसे आसानी से ढूंढ सकते हैं। टनल ऑफ लव राइड को ढूंढें।'
मैंने पूछा, 'तुम्हारी डेट में क्या रुकावट आई? क्या किसी बात ने तुम्हें डरा दिया?'

एरेस ने अपने दांत दिखाए, लेकिन मैंने क्लैरिस पर भी उसकी धमकी भरी नज़र पहले देखी थी। उसमें कुछ बनावटीपन था, मानो वह घबराया हुआ हो।
‘तुम खुशकिस्मत हो कि मुझसे मिले, बदमाश, न कि किसी और ओलंपियन से। वे मेरी तरह बदतमीज़ी बर्दाश्त नहीं करते। तुम्हारा काम खत्म होने पर मैं यहीं वापस मिलूंगा। मुझे निराश मत करना।’
उसके बाद मैं शायद बेहोश हो गई थी या किसी समाधि जैसी अवस्था में चली गई थी, क्योंकि जब मैंने दोबारा आंखें खोलीं तो एरेस वहां से जा चुका था। मुझे लगा होगा कि वह बातचीत एक सपना थी, लेकिन एनाबेथ और ग्रोवर के हाव-भाव ने मुझे कुछ और ही बताया।
‘यह अच्छा नहीं है,’ ग्रोवर ने कहा। ‘एरेस ने तुम्हें ढूंढा था, पर्सी। यह अच्छा संकेत नहीं है।’
मैंने खिड़की से बाहर देखा। मोटरसाइकिल गायब हो चुकी थी।
क्या एरेस सचमुच मेरी माँ के बारे में कुछ जानता था, या वह बस मेरे साथ खेल रहा था? अब जब वह चला गया था, तो मेरे अंदर का सारा गुस्सा शांत हो गया था। मुझे एहसास हुआ कि एरेस को लोगों की भावनाओं के साथ खेलना बहुत पसंद होगा। यही उसकी ताकत थी - भावनाओं को इतना भड़का देना कि सोचने-समझने की शक्ति ही खत्म हो जाए।
मैंने कहा, 'यह शायद कोई चाल है। एरेस को भूल जाओ। चलो चलते हैं।'
‘हम ऐसा नहीं कर सकते,’ एनाबेथ ने कहा। ‘देखो, मैं भी एरेस से उतनी ही नफरत करती हूँ जितनी कोई और, लेकिन देवताओं की अवहेलना करना ठीक नहीं है, वरना तुम्हारा बहुत बुरा हाल होगा। उसने तुम्हें चूहे में बदलने की बात मजाक में नहीं कही थी।’
मैंने अपने चीज़बर्गर पर नज़र डाली, जो अचानक मुझे उतना स्वादिष्ट नहीं लग रहा था। 'उसे हमारी ज़रूरत क्यों है?'
‘शायद यह एक ऐसी समस्या है जिसके लिए बुद्धि की आवश्यकता है,’ एनाबेथ ने कहा। ‘एरेस के पास ताकत है। बस यही उसके पास है। ताकत को भी कभी-कभी बुद्धिमत्ता के आगे झुकना पड़ता है।’
लेकिन इस वाटर पार्क में... वह लगभग डरा हुआ सा लग रहा था। आखिर किस बात से युद्ध का देवता इस तरह भाग जाएगा?
एनाबेथ और ग्रोवर ने घबराहट भरी नजरों से एक-दूसरे को देखा।
एनाबेथ ने कहा, 'मुझे डर है कि हमें इसका पता लगाना होगा।'

जब हम वाटर पार्क पहुँचे, तब तक सूरज पहाड़ों के पीछे डूब रहा था। बोर्ड को देखकर लग रहा था कि इसका नाम पहले वाटरलैंड था, लेकिन अब कुछ अक्षर टूट गए थे, इसलिए यह वाट आर ए डी पढ़ा जा रहा था।
मुख्य द्वार पर ताला लगा था और उसके ऊपर कांटेदार तार लगे थे। अंदर, बड़े- बड़े सूखे स्लाइड, ट्यूब और पाइप हर जगह फैले हुए थे, जो खाली पूलों की ओर जा रहे थे। पुराने टिकट और विज्ञापन सड़क पर इधर-उधर उड़ रहे थे। रात होते- होते वह जगह उदास और डरावनी लगने लगी।
मैंने कांटेदार तारों की ओर देखते हुए कहा, 'अगर एरेस अपनी प्रेमिका को यहाँ डेट पर लाता है, तो मैं यह देखना नहीं चाहूँगा कि वह कैसी दिखती होगी।' ‘पर्सी,’ एनाबेथ ने चेतावनी दी। ‘अधिक सम्मानजनक व्यवहार करो।’
‘क्यों? मुझे लगा कि तुम एरेस से नफरत करते हो।’
‘वह अब भी भगवान हैं। और उनकी प्रेमिका बहुत ही गुस्सैल स्वभाव की हैं।’ ग्रोवर ने आगे कहा, 'आप उसकी सुंदरता का अपमान नहीं करना चाहते।'
‘ये कौन है? इकिडना?’
‘नहीं, एफ़्रोडाइट,’ ग्रोवर ने थोड़ी स्वप्निलता से कहा। ‘प्रेम की देवी।’ मैंने कहा, 'मुझे लगा कि उसकी शादी किसी से हुई है। हेफेस्टस से।' ‘तुम्हारा मतलब क्या है?’ उसने पूछा।
‘ओह।’ मुझे अचानक विषय बदलने की जरूरत महसूस हुई। ‘तो हम अंदर कैसे जाएंगे?’ ‘माईया!’ ग्रोवर के जूतों में पंख उग आए।
वह बाड़ के ऊपर से कूदा, हवा में अनजाने में कलाबाजी मारी, फिर लड़खड़ाते हुए दूसरी तरफ जा गिरा। उसने अपनी जींस से धूल झाड़ी, मानो उसने यह सब पहले से प्लान किया हो। 'तुम लोग आ रहे हो?'
एनाबेथ और मुझे पुराने तरीके से चढ़ना पड़ा, एक-दूसरे के लिए कांटेदार तार को पकड़े हुए हम ऊपर की ओर रेंगते हुए आगे बढ़े।
जैसे-जैसे हम पार्क में घूमते हुए आकर्षणों को देखते गए, परछाइयाँ लंबी होती गईं। वहाँ एंकल बाइटर आइलैंड, हेड ओवर वेजी और ड्यूड, व्हेयर इज माई स्विमसूट? जैसे आकर्षण थे।
हमें पकड़ने के लिए कोई राक्षस नहीं आया। किसी ने भी जरा सी भी आवाज नहीं की।

हमें एक स्मृति चिन्ह की दुकान मिली जो खुली हुई थी। अलमारियों पर अभी भी सामान सजी हुई थी: स्नो ग्लोब, पेंसिल, पोस्टकार्ड और अन्य सामान रखने के रैक।
‘कपड़े,’ एनाबेथ ने कहा। ‘नए कपड़े।’
‘हां,’ मैंने कहा। ‘लेकिन आप यूं ही नहीं कर सकते –’
मुझे देखो।
उसने रैक से कपड़ों की पूरी एक पंक्ति उठाई और चेंजिंग रूम में गायब हो गई। कुछ मिनट बाद वह वाटरलैंड के फूलों के प्रिंट वाले शॉर्ट्स, एक बड़ी लाल वाटरलैंड टी-शर्ट और वाटरलैंड के यादगार सर्फ शूज़ पहनकर बाहर आई। उसके कंधे पर वाटरलैंड का एक बैग टंगा हुआ था, जो जाहिर तौर पर और भी सामान से भरा हुआ था।
‘ये क्या बकवास है।’ ग्रोवर ने कंधे उचका दिए। जल्द ही, हम तीनों उस बंद हो चुके थीम पार्क के चलते-फिरते विज्ञापन की तरह सज-धज कर तैयार हो गए।
हम प्रेम की सुरंग की तलाश जारी रखे रहे। मुझे ऐसा लगा मानो पूरा पार्क अपनी सांसें रोक रहा हो। 'तो एरेस और एफ़्रोडाइट,' मैंने बढ़ते अंधेरे से ध्यान हटाने के लिए कहा, 'क्या उनके बीच कुछ चल रहा है?'
‘ये तो पुरानी अफवाहें हैं, पर्सी,’ एनाबेथ ने मुझसे कहा। ‘तीन हजार साल पुरानी अफवाहें।’
‘एफ़्रोडाइट के पति का क्या हुआ?’
‘अच्छा, तुम्हें पता है ना,’ उसने कहा। ‘हेफेस्टस। लोहार। जब वो बच्चा था, तब ज़्यूस ने उसे माउंट ओलंपस से फेंक दिया था, जिससे वो अपाहिज हो गया था। इसलिए वो दिखने में सुंदर नहीं है। अपने हाथों से काम करने में माहिर तो है, लेकिन एफ़्रोडाइट को बुद्धि और प्रतिभा में कोई दिलचस्पी नहीं है, तुम्हें पता है ना?’
उसे बाइकर्स पसंद हैं।
'जो कुछ भी।'
‘हेफेस्टस को पता है?’
‘ओह, ज़रूर,’ एनाबेथ ने कहा। ‘उसने उन्हें एक बार एक साथ पकड़ लिया था। मेरा मतलब है, सचमुच उन्हें एक सुनहरे जाल में फंसा लिया था और सभी देवताओं को बुलाकर उन पर हँसने के लिए कहा था। हेफेस्टस हमेशा उन्हें शर्मिंदा करने की कोशिश करता रहता है। इसीलिए वे सुनसान जगहों पर मिलते हैं, जैसे…’

वह रुक गई और सीधे आगे देखने लगी। 'बिल्कुल ऐसे।'
हमारे सामने एक खाली स्विमिंग पूल था जो स्केटबोर्डिंग के लिए बहुत बढ़िया होता। यह कम से कम पचास मीटर चौड़ा था और कटोरे के आकार का था। किनारे पर, कामदेव की एक दर्जन कांस्य प्रतिमाएँ पंख फैलाए और तीर चलाने के लिए तैयार धनुष लिए पहरा दे रही थीं। हमारे विपरीत दिशा में एक सुरंग खुलती थी, संभवतः जहाँ से कुंड भरने पर पानी आता था। उसके ऊपर एक बोर्ड लगा था जिस पर लिखा था: प्यार की रोमांचक सवारी: यह आपके माता-पिता की प्यार की सुरंग नहीं है!
ग्रोवर किनारे की ओर रेंगता हुआ गया। 'दोस्तों, देखो।'
तालाब की तलहटी में गुलाबी और सफेद रंग की दो सीटों वाली एक नाव पड़ी थी, जिसके ऊपर चंदवा था और उस पर छोटे-छोटे दिल बने हुए थे। बाईं सीट पर, ढलते सूरज की रोशनी में चमकती हुई, एरेस की ढाल थी, जो कांसे का एक चमकीला गोलाकार टुकड़ा था।
मैंने कहा, 'यह तो बहुत आसान है। तो हम बस नीचे जाकर इसे ले आएंगे?' एनाबेथ ने अपनी उंगलियों को पास की ही कामदेव की मूर्ति के आधार पर फेरा। ‘यहाँ एक ग्रीक अक्षर खुदा हुआ है,’ उसने कहा। ‘ईटा। मुझे आश्चर्य हो रहा है…’
मैंने कहा, 'ग्रोवर, क्या तुम्हें किसी राक्षस की गंध आ रही है?'
उसने हवा को सूंघा। 'कुछ नहीं।'
'कुछ भी नहीं - मतलब, आर्क में होने के बावजूद आपको इकिडना की गंध नहीं आई, या सचमुच कुछ भी नहीं?'
ग्रोवर दुखी लग रहा था। 'मैंने तुमसे कहा था, वह भूमिगत था।'
‘ठीक है, मुझे माफ़ करना।’ मैंने गहरी सांस ली। ‘मैं नीचे जा रहा हूँ।’
'मैं तुम्हारे साथ चलूंगा।' ग्रोवर की आवाज़ में उत्साह तो नहीं था, लेकिन मुझे लगा कि वह सेंट लुइस में जो हुआ था उसकी भरपाई करने की कोशिश कर रहा था।
‘नहीं,’ मैंने उससे कहा। ‘मैं चाहता हूँ कि तुम उड़ने वाले जूतों के साथ ऊपर ही रहो। तुम रेड बैरन हो, याद है ना? अगर कुछ गड़बड़ हो जाए तो मैं बैकअप के लिए तुम पर भरोसा करूँगा।’
ग्रोवर ने थोड़ा सीना फुलाते हुए कहा, 'ज़रूर। लेकिन इसमें गलत क्या हो सकता है?'

‘मुझे नहीं पता। बस एक एहसास है। एनाबेथ, मेरे साथ आओ –’
‘क्या तुम मजाक कर रहे हो?’ उसने मुझे ऐसे देखा जैसे मैं चांद से उतरा हुआ हूँ। उसके गाल एकदम लाल हो गए थे।
मैंने पूछा, ‘अब समस्या क्या है?’
‘मैं तुम्हारे साथ… ‘प्यार के रोमांचकारी सफर’ पर चलूँ? कितना शर्मनाक होगा ये? अगर किसी ने मुझे देख लिया तो?’
‘तुम्हें कौन देखने आएगा?’ लेकिन अब मेरा चेहरा भी लाल हो रहा था। लड़कियों की तो आदत ही है हर बात को पेचीदा बना देती है। ‘ठीक है,’ मैंने उससे कहा। ‘मैं खुद ही कर लूंगी।’ लेकिन जब मैं पूल के किनारे से नीचे उतरने लगी, तो वह मेरे पीछे-पीछे आने लगी और बड़बड़ाने लगी कि लड़के हमेशा सब कुछ बिगाड़ देते हैं।
हम नाव तक पहुँच गए। ढाल एक सीट पर रखी थी, और उसके बगल में एक महिला का रेशमी स्कार्फ पड़ा था। मैंने कल्पना करने की कोशिश की कि यहाँ एरेस और एफ़्रोडाइट हैं, दो देवता किसी पुराने मनोरंजन पार्क के झूले पर मिल रहे हैं। क्यों? तभी मेरी नज़र एक ऐसी चीज़ पर पड़ी जो मैंने ऊपर से नहीं देखी थी: पूल के चारों ओर लगे शीशे, जो इसी जगह की ओर थे। हम जिस भी दिशा में देखते, खुद को देख सकते थे। ज़रूर यही बात होगी। जब एरेस और एफ़्रोडाइट एक-दूसरे को चूम रहे थे, तब वे अपने सबसे प्रिय व्यक्ति को देख सकते थे: खुद को।
मैंने स्कार्फ उठाया। वह गुलाबी रंग में चमक रहा था, और उसकी खुशबू अवर्णनीय थी - गुलाब या पहाड़ी लॉरेल जैसी। कुछ बहुत ही बढ़िया। मैं थोड़ा सपने में खोई हुई मुस्कुराई, और स्कार्फ को अपने गाल पर रगड़ने ही वाली थी कि एनाबेथ ने उसे मेरे हाथ से छीनकर अपनी जेब में रख लिया। 'अरे नहीं, ऐसा मत करो। उस प्रेम के जादू से दूर रहो।'
'क्या?'
‘बस ढाल ले आओ, सीवीड ब्रेन, और चलो यहाँ से चलते हैं।’
जैसे ही मैंने शील्ड को छुआ, मुझे पता चल गया कि हम मुसीबत में हैं। मेरा हाथ किसी ऐसी चीज़ से टकरा गया जो उसे डैशबोर्ड से जोड़ रही थी। मैंने सोचा, मकड़ी का जाला होगा, लेकिन फिर मैंने अपनी हथेली पर उसका एक धागा देखा और पाया कि वह किसी तरह का धातु का तंतु था, इतना महीन कि लगभग अदृश्य। एक ट्रिपवायर।

‘रुको,’ एनाबेथ ने कहा।
'बहुत देर हो गई।'
'नाव के किनारे पर एक और ग्रीक अक्षर है, एक और ईटा। यह एक जाल है।'
हमारे चारों ओर शोर मच गया, मानो लाखों गियर आपस में घिस रहे हों, मानो पूरा पूल एक विशाल मशीन में बदल गया हो।
ग्रोवर चिल्लाया, 'दोस्तों!'
तालाब के किनारे पर, कामदेव की मूर्तियाँ तीर चलाने की मुद्रा में धनुष खींच रही थीं। इससे पहले कि मैं छिपने का सुझाव दे पाता, उन्होंने तीर चला दिए, लेकिन हम पर नहीं। उन्होंने तालाब के किनारे एक-दूसरे पर तीर चलाए। तीरों से रेशमी तार निकले, जो तालाब के ऊपर चाप बनाते हुए गिरे और जहाँ गिरे वहाँ एक विशाल सुनहरा तारा बन गया। फिर छोटे-छोटे धातु के धागे जादुई ढंग से मुख्य धागों के बीच बुने जाने लगे और एक जाल बना दिया।
मैंने कहा, 'हमें यहां से निकलना होगा।'
‘अरे!’ एनाबेथ ने कहा।
मैंने ढाल पकड़ी और हम भागे, लेकिन पूल की ढलान पर ऊपर चढ़ना नीचे उतरने जितना आसान नहीं था।
‘चलो!’ ग्रोवर चिल्लाया।
वह हमारे लिए नेट का एक हिस्सा खोलकर रखने की कोशिश कर रहा था, लेकिन जहां भी वह उसे छूता, सुनहरे धागे उसके हाथों के चारों ओर लिपटने लगते थे। कामदेवों के सिर खुल गए। वीडियो कैमरे बाहर आ गए। पूल के चारों ओर स्पॉटलाइटें चमक उठीं, जिससे हमारी आंखें चौंधिया गईं, और लाउडस्पीकर पर एक आवाज़ गूंजी: 'एक मिनट में ओलंपस पर लाइव... उनसठ सेकंड, अट्ठावन...' ‘हेफेस्टस!’ एनाबेथ चिल्लाई। ‘मैं कितनी बेवकूफ हूँ! एटा का अक्षर “एच” है। उसने अपनी पत्नी को एरेस के साथ पकड़ने के लिए यह जाल बिछाया था। अब हमारा सीधा प्रसारण ओलंपस पर होगा और हम बिलकुल मूर्ख दिखेंगे!’
हम लगभग किनारे तक पहुँच ही गए थे कि तभी दर्पणों की कतार दरवाजों की तरह खुल गई और हजारों छोटी-छोटी धातु की चीजें बाहर निकलने लगीं।
एनाबेथ चीख पड़ी।
यह चाबी भर कर चलने वाले डरावने कीड़ों की एक सेना थी: कांस्य के गियर वाले शरीर, पतले पैर, छोटे चिमटे जैसे मुंह, सभी खड़खड़ाते, घूमते धातु की लहर में हमारी ओर रेंग रहे थे।

‘मकड़ियाँ!’ एनाबेथ ने कहा। ‘स्प – स्प – आआह!’
मैंने उसे पहले कभी इस हालत में नहीं देखा था। वह डर के मारे पीछे की ओर गिर पड़ी और मकड़ी जैसे रोबोटों के चंगुल में फंसने ही वाली थी कि मैंने उसे उठाया और घसीटकर नाव की ओर वापस ले आया।
अब किनारे से लाखों जीव बाहर निकल रहे थे, तालाब के केंद्र की ओर बाढ़ की तरह बढ़ते हुए, हमें पूरी तरह घेर रहे थे। मैंने मन ही मन सोचा कि शायद उन्हें मारने के लिए नहीं बनाया गया था, बस हमें घेरकर काटने और हमें मूर्ख बनाने के लिए। लेकिन फिर भी, यह तो देवताओं के लिए बना जाल था। और हम देवता नहीं थे।
एनाबेथ और मैं नाव में चढ़ गए। जैसे ही मकड़ियां नाव पर चढ़ने लगीं, मैंने उन्हें लात मारकर भगाना शुरू कर दिया। मैंने एनाबेथ से मदद के लिए पुकारा, लेकिन वह इतनी सुन्न थी कि चीखने के अलावा कुछ और नहीं कर पा रही थी।
‘तीस, उनतीस,’ लाउडस्पीकर ने पुकारा।
मकड़ियों ने धातु के धागे के टुकड़े थूकने शुरू कर दिए, मानो हमें बांधने की कोशिश कर रही हों। शुरू में तो धागे तोड़ना आसान था, लेकिन वे इतने ज़्यादा थे कि मकड़ियां आती ही रहीं। मैंने एक मकड़ी को एनाबेथ के पैर से दूर धकेल दिया और उसके पंजों ने मेरे नए सर्फ शू का एक टुकड़ा नोच लिया। ग्रोवर अपने उड़ने वाले जूतों में पूल के ऊपर मंडरा रहा था, जाल को खींचने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह टस से मस नहीं हो रहा था।
मैंने खुद से कहा, सोचो। सोचो।
प्रेम की सुरंग का प्रवेश द्वार जाल के नीचे था। हम इसे निकास द्वार के रूप में इस्तेमाल कर सकते थे, सिवाय इसके कि यह लाखों रोबोट मकड़ियों द्वारा अवरुद्ध था।
‘पंद्रह, चौदह,’ लाउडस्पीकर ने पुकारा।
मैंने सोचा, पानी। इस झूले में पानी कहाँ से आता है?
फिर मैंने उन्हें देखा: दर्पणों के पीछे विशाल पानी के पाइप, जहाँ से मकड़ियाँ निकली थीं। और जाल के ऊपर, कामदेव की एक मूर्ति के बगल में, कांच की खिड़कियों वाला एक बूथ था जो निश्चित रूप से नियंत्रक का स्टेशन होगा। ‘ग्रोवर!’ मैंने चिल्लाकर कहा। ‘उस बूथ में जाओ! “ऑन” स्विच ढूंढो!’ 'लेकिन -'

‘करो!’ यह एक बेतुकी उम्मीद थी, लेकिन यही हमारा एकमात्र मौका था। मकड़ियां अब नाव के अगले हिस्से पर हर जगह फैली हुई थीं। एनाबेथ ज़ोर-ज़ोर से चीख रही थी। मुझे हमें यहाँ से निकालना ही था।
ग्रोवर अब कंट्रोलर के बूथ में था और बटनों को जोर-जोर से दबा रहा था। 'पांच चार -'
ग्रोवर ने हताशा से मेरी ओर देखा और अपने हाथ ऊपर उठा लिए। वह मुझे यह जताना चाह रहा था कि उसने हर संभव कोशिश कर ली है, लेकिन फिर भी कुछ नहीं हो रहा है।
मैंने अपनी आँखें बंद कीं और लहरों, बहते पानी और मिसिसिपी नदी के बारे में सोचा। मुझे अपने भीतर एक जानी-पहचानी हलचल महसूस हुई। मैंने कल्पना करने की कोशिश की कि मैं समुद्र को घसीटते हुए डेनवर तक ले जा रहा हूँ।
‘दो, एक, शून्य!’
पाइपों से पानी तेज़ी से निकला। वह गर्जना करते हुए पूल में घुसा और मकड़ियों को बहा ले गया। मैंने एनाबेथ को अपने बगल वाली सीट पर खींच लिया और उसकी सीट बेल्ट बाँध दी, तभी ज्वार की लहर हमारी नाव से टकराई, ऊपर से गुज़री, मकड़ियों को बहा ले गई और हमें पूरी तरह से भिगो दिया, लेकिन नाव पलटी नहीं। नाव घूमी, बाढ़ में ऊपर उठी और भंवर में गोल-गोल घूमने लगी। पानी में जगह-जगह मकड़ियां भरी पड़ी थीं, जिनमें से कुछ इतनी जोर से पूल की कंक्रीट की दीवार से टकराईं कि वे फट गईं।
स्पॉटलाइटें हम पर चमक रही थीं। कामदेव के कैमरे चल रहे थे, ओलंपस को सीधा प्रसारण दिखाया जा रहा था।
लेकिन मेरा सारा ध्यान नाव को नियंत्रित करने पर केंद्रित था। मैंने उसे धारा के साथ बहने और दीवार से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। शायद यह मेरा वहम था, लेकिन नाव ने मानो प्रतिक्रिया दी। कम से कम, वह लाखों टुकड़ों में तो नहीं टूटी। हम आखिरी बार घूमे, पानी का स्तर अब इतना बढ़ चुका था कि धातु के जाल से टकराकर हमें चीर-फाड़ देता। फिर नाव का अगला हिस्सा सुरंग की ओर मुड़ा और हम अंधेरे में तेज़ी से आगे बढ़ गए।
एनाबेथ और मैं कसकर पकड़े रहे, हम दोनों चीख रहे थे क्योंकि नाव घुमावदार लहरें बना रही थी, कोनों को छू रही थी और रोमियो और जूलियट की तस्वीरों और वेलेंटाइन डे से जुड़ी अन्य कई चीजों के पास से गुजरते हुए पैंतालीस डिग्री के कोण पर गोता लगा रही थी।

फिर हम सुरंग से बाहर निकल आए, रात की हवा हमारे बालों से सीटी बजाती हुई गुजरी और नाव सीधे निकास की ओर बढ़ गई।
अगर सवारी ठीक से चल रही होती, तो हम प्रेम के सुनहरे द्वारों के बीच से रैंप से छलांग लगाते और सुरक्षित रूप से निकास पूल में उतर जाते। लेकिन एक समस्या थी। प्रेम के द्वार जंजीरों से बंधे हुए थे। हमसे पहले सुरंग से बहकर बाहर आई दो नावें अब बैरिकेड के सहारे ढेर हो गई थीं - एक डूबी हुई थी, दूसरी बीच से टूट गई थी।
मैंने एनाबेथ से चिल्लाकर कहा, 'अपनी सीट बेल्ट खोलो।'
क्या तुम पागल हो?
‘नहीं तो तुम कुचलकर मर जाओगे।’ मैंने एरेस की ढाल को अपनी बांह पर बांध लिया। ‘हमें कूदना ही पड़ेगा।’ मेरा विचार सरल और अटपटा था। जैसे ही नाव टकराएगी, हम उसकी ताकत का इस्तेमाल स्प्रिंगबोर्ड की तरह गेट के ऊपर से कूदने के लिए करेंगे। मैंने सुना था कि लोग इस तरह से कार दुर्घटनाओं में बच जाते हैं, दुर्घटनास्थल से दस या पंद्रह मीटर दूर जा गिरते हैं। किस्मत अच्छी रही तो हम पूल में उतरेंगे।
एनाबेथ को बात समझ आ गई थी। जैसे-जैसे द्वार नजदीक आते गए, उसने मेरा हाथ कसकर पकड़ लिया।
मैंने कहा, 'जब मैं जाने को कहूँ।'
नहीं! जब मैं कहूँ तभी जाओ!
'क्या?'
‘सरल भौतिकी!’ वह चिल्लाई। ‘बल गुणा प्रक्षेपवक्र कोण –’
‘ठीक है!’ मैंने चिल्लाकर कहा। ‘जब तुम कहो, तब शुरू!’
वह हिचकिचाई… हिचकिचाई… फिर चिल्लाई, ‘अभी!’
दरार!
एनाबेथ सही थी। अगर हमने तब छलांग लगाई होती जब मुझे लगा था कि हमें लगा था, तो हम गेट से टकरा जाते। उसने हमें अधिकतम लिफ्ट दिलवाई। दुर्भाग्यवश, यह हमारी ज़रूरत से थोड़ा ज़्यादा ही था। हमारी नाव मलबे से टकरा गई और हम हवा में उछल गए, सीधे गेट के ऊपर से, पूल के ऊपर से और फिर सीधे पक्की सड़क की ओर जा गिरे।
किसी ने मुझे पीछे से पकड़ लिया।
एनाबेथ चिल्लाई, 'आउच!'

ग्रोवर!
हवा में ही उसने मुझे कमीज से और एनाबेथ को बांह से पकड़ लिया था और हमें दुर्घटनाग्रस्त होने से बचाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन एनाबेथ और मेरे पास ही सारी गति थी।
‘तुम बहुत भारी हो!’ ग्रोवर ने कहा। ‘हम नीचे जा रहे हैं!’
हम जमीन की ओर तेजी से गिरने लगे, ग्रोवर गिरने की गति को धीमा करने की पूरी कोशिश कर रहा था।
हम एक फोटो-बोर्ड से टकरा गए, ग्रोवर का सिर सीधे उस छेद में चला गया जहाँ पर्यटक अपना चेहरा लगाकर दोस्ताना व्हेल नू-नू होने का नाटक करते थे। एनाबेथ और मैं ज़मीन पर गिर पड़े, चोटें तो आईं लेकिन हम ज़िंदा थे। एरेस की ढाल अभी भी मेरे हाथ पर थी।
जब हमारी सांसें थोड़ी संभलीं, तो मैंने और एनाबेथ ने ग्रोवर को फोटो- बोर्ड से बाहर निकाला और हमारी जान बचाने के लिए उसे धन्यवाद दिया। मैंने प्यार के उस रोमांचक सफर को याद किया। पानी कम हो रहा था। हमारी नाव फाटकों से टकराकर चकनाचूर हो गई थी।
सौ मीटर दूर, प्रवेश द्वार पर बने तालाब के पास, कामदेवों की मूर्तियाँ अभी भी शूटिंग कर रही थीं। मूर्तियों को इस तरह घुमाया गया था कि उनके कैमरे सीधे हम पर केंद्रित थे, और स्पॉटलाइट सीधे हमारे चेहरों पर पड़ रही थीं। ‘शो खत्म!’ मैंने चिल्लाकर कहा। ‘धन्यवाद! शुभ रात्रि!’
कामदेव अपनी मूल स्थिति में लौट आए। बत्तियाँ बुझ गईं। पार्क में फिर से सन्नाटा छा गया, सिवाय लव थ्रिल राइड के निकास पूल में पानी की हल्की-हल्की बूँदों के। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या ओलंपस में कोई विज्ञापन ब्रेक चल रहा था, या हमारी रेटिंग कैसी रही थी।
मुझे चिढ़ाया जाना बिल्कुल पसंद नहीं था। मुझे धोखा दिया जाना भी पसंद नहीं था। और मुझे ऐसे बदमाशों से निपटने का काफी अनुभव था जो मेरे साथ ऐसा ही करते थे। मैंने अपनी बांह पर रखी ढाल उठाई और अपने दोस्तों की ओर मुड़ा। 'हमें एरेस से थोड़ी बात करनी होगी।'

16 हम एक ज़ेबरा को वेगास ले जाते हैं

युद्ध का देवता भोजनालय के पार्किंग स्थल में हमारा इंतजार कर रहा था। ‘वाह, वाह,’ उसने कहा। ‘तुमने खुद को मरवा नहीं दिया।’
मैंने कहा, 'तुम्हें पता था कि यह एक जाल है।'
एरेस ने मुझे एक शरारती मुस्कान दी। 'पक्का उस अपाहिज लोहार को हैरानी हुई होगी जब उसने दो बेवकूफ बच्चों को अपने जाल में फंसा लिया। तुम टीवी पर अच्छे लग रहे थे।'
मैंने उसकी ढाल उसकी ओर धकेल दी। 'तुम एक बदतमीज़ हो।'
एनाबेथ और ग्रोवर ने राहत की सांस ली।
एरेस ने ढाल को पकड़ा और उसे पिज्जा के आटे की तरह हवा में घुमाया। ढाल का रूप बदल गया और वह पिघलकर बुलेटप्रूफ जैकेट में तब्दील हो गई। उसने उसे अपनी पीठ पर टांग लिया।
‘वो ट्रक देखो?’ उसने ढाबे के सामने सड़क के उस पार खड़ी अठारह पहियों वाली ट्रक की ओर इशारा करते हुए कहा। ‘वही तुम्हारी सवारी है। तुम्हें सीधे लॉस एंजिल्स ले जाएगी, बीच में वेगास में एक स्टॉप होगा।’
अठारह पहियों वाले ट्रक के पीछे एक बोर्ड लगा था, जिसे मैं मुश्किल से पढ़ पाया क्योंकि वह काले रंग पर सफेद रंग में उल्टा छपा था, जो डिस्लेक्सिया से पीड़ित लोगों के लिए एक अच्छा संयोजन था: काइंडनेस इंटरनेशनल: मानवीय चिड़ियाघर परिवहन। चेतावनी: जीवित जंगली जानवर।
मैंने कहा, 'तुम मजाक कर रहे हो।'
एरेस ने चुटकी बजाई। ट्रक का पिछला दरवाजा खुल गया। 'पश्चिम की ओर मुफ्त सवारी, बदमाश। शिकायत करना बंद करो। और ये लो काम करने के लिए थोड़ा सा इनाम।'
उसने नीले रंग का नायलॉन का बैकपैक अपने हैंडलबार से उतारा और मेरी तरफ फेंक दिया।
अंदर हम सबके लिए नए कपड़े, बीस डॉलर नकद, सोने के सिक्कों से भरी एक थैली और डबल स्टफ ओरियो बिस्कुट का एक पैकेट था।
मैंने कहा, 'मुझे तुम्हारा घटिया सामान नहीं चाहिए -'

‘धन्यवाद, भगवान एरेस,’ ग्रोवर ने मुझे अपनी सबसे खतरनाक चेतावनी भरी नज़र से देखते हुए बीच में ही टोक दिया। ‘बहुत-बहुत धन्यवाद।’
मैंने दांत पीस लिए। किसी देवता से कुछ भी ठुकराना शायद जानलेवा अपमान था, लेकिन मैं एरेस के स्पर्श से बनी कोई भी चीज़ नहीं लेना चाहती थी। अनिच्छा से मैंने अपना बैग कंधे पर टांग लिया। मुझे पता था कि मेरा गुस्सा युद्ध के देवता की उपस्थिति के कारण था, लेकिन फिर भी मेरा मन कर रहा था कि उसकी नाक पर एक घूंसा मार दूं। वह मुझे उन सभी बदमाशों की याद दिला रहा था जिनसे मैं कभी मिली थी: नैन्सी बोबोफिट, क्लैरिस, स्मेली गेब, व्यंग्य करने वाले शिक्षक - हर वो बदमाश जिसने मुझे स्कूल में बेवकूफ कहा था या जब मुझे स्कूल से निकाल दिया गया था तो मुझ पर हंसा था।
मैंने पीछे मुड़कर उस भोजनालय की ओर देखा, जहाँ अब केवल दो ही ग्राहक थे। हमें खाना परोसने वाली वेट्रेस खिड़की से घबराकर बाहर देख रही थी, मानो उसे डर हो कि एरेस हमें नुकसान पहुँचा सकता है। उसने रसोइए को रसोई से बाहर खींचकर देखने को कहा। उसने उससे कुछ कहा। उसने सिर हिलाया, एक छोटा सा डिस्पोजेबल कैमरा उठाया और हमारी एक तस्वीर खींच ली।
बहुत खूब, मैंने सोचा। कल फिर से अखबारों में हमारी खबर आएगी।
मैंने शीर्षक की कल्पना की: बारह वर्षीय अपराधी ने निहत्थे बाइकर की पिटाई की।
मैंने अपनी आवाज़ को शांत रखते हुए एरेस से कहा, 'तुम पर मेरा एक और एहसान है। तुमने मुझे मेरी माँ के बारे में जानकारी देने का वादा किया था।' ‘क्या तुम इस खबर को झेल पाओगे?’ उसने अपनी मोटरसाइकिल स्टार्ट की। ‘वह मरी नहीं है।’
मुझे लगा जैसे मेरे पैरों तले ज़मीन घूम रही हो। 'तुम्हारा क्या मतलब है?' ‘मेरा मतलब है कि मरने से पहले ही उसे मिनोटौर से बचा लिया गया था। उसे सोने की वर्षा में बदल दिया गया था, है ना? यह कायापलट है। मृत्यु नहीं। उसे रखा जा रहा है।’
‘रखा गया। क्यों?’
‘तुम्हें युद्ध का अध्ययन करना चाहिए, बदमाश। बंधकों का। किसी को बंदी बनाकर तुम दूसरे को नियंत्रित कर सकते हो।’
मुझे कोई नियंत्रित नहीं कर रहा है।
वह हँसा। 'अच्छा, हाँ? फिर मिलेंगे, बच्चे।'

मैंने अपनी मुट्ठियाँ भींच लीं। 'आप बड़े घमंडी हैं, लॉर्ड एरेस, उस आदमी के लिए जो कामदेव की मूर्तियों से भागता है।'
उसके चश्मे के पीछे आग की लपटें उठ रही थीं। मुझे अपने बालों में गर्म हवा का झोंका महसूस हुआ। 'हम फिर मिलेंगे, पर्सी जैक्सन। अगली बार जब तुम किसी लड़ाई में हो, तो सावधान रहना।'
उसने अपनी हार्ले बाइक को तेज रफ्तार से स्टार्ट किया और फिर डेलेंसी स्ट्रीट पर तेजी से निकल गया।
एनाबेथ ने कहा, 'पर्सी, यह समझदारी वाली बात नहीं थी।'
'मुझे परवाह नहीं है।'
‘आप किसी ईश्वर को अपना शत्रु नहीं बनाना चाहेंगे। खासकर उस ईश्वर को तो बिल्कुल नहीं।’
‘हे दोस्तों,’ ग्रोवर ने कहा। ‘मुझे दखल देने के लिए खेद है, लेकिन…’
उसने भोजनालय की ओर इशारा किया। कैश रजिस्टर पर, आखिरी दो ग्राहक अपना बिल चुका रहे थे, दोनों एक जैसे काले ओवरऑल पहने हुए थे, जिनकी पीठ पर सफेद लोगो बना हुआ था जो KINDNESS INTERNATIONAL के ट्रक पर बने लोगो से मेल खाता था।
ग्रोवर ने कहा, 'अगर हम चिड़ियाघर की एक्सप्रेस ट्रेन ले रहे हैं, तो हमें जल्दी करनी होगी।'
मुझे यह पसंद नहीं आया, लेकिन हमारे पास कोई बेहतर विकल्प नहीं था। वैसे भी, मैं डेनवर को काफी देख चुका था।
हम सड़क पार करके भागे और बड़े ट्रक के पीछे चढ़ गए, फिर हमने अपने पीछे दरवाजे बंद कर लिए।
सबसे पहले तो मुझे जो चीज महसूस हुई, वो थी बदबू। ऐसा लग रहा था जैसे दुनिया का सबसे बड़ा बिल्ली के कूड़े का ढेर हो।
ट्रेलर के अंदर अंधेरा था जब तक मैंने अनाक्लुस्मोस का ढक्कन नहीं खोला। ब्लेड ने एक बेहद दुखद दृश्य पर हल्की कांस्य रोशनी डाली। गंदे धातु के पिंजरों की एक कतार में तीन सबसे दयनीय चिड़ियाघर के जानवर बैठे थे जिन्हें मैंने कभी देखा था: एक ज़ेबरा, एक नर एल्बिनो शेर और एक अजीब सा हिरण जैसा जानवर जिसका नाम मुझे नहीं पता था।
किसी ने शेर पर शलजम की एक बोरी फेंक दी थी, जिसे वह ज़ाहिर तौर पर खाना नहीं चाहता था। ज़ेबरा और हिरण दोनों को बर्गर मीट से भरी पॉलीस्टाइन ट्रे

मिली थी। ज़ेबरा की गर्दन के बाल च्युइंग गम से चिपके हुए थे, मानो किसी ने अपने खाली समय में उन पर थूका हो। हिरण के एक सींग पर एक बेवकूफी भरा चांदी का जन्मदिन का गुब्बारा बंधा था जिस पर लिखा था "उम्रदय काल से बाहर!" ज़ाहिर तौर पर, किसी ने भी शेर के इतने करीब जाने की हिम्मत नहीं की थी कि उसे परेशान कर सके, लेकिन बेचारा शेर गंदी चादरों पर इधर-उधर घूम रहा था, एक ऐसी जगह में जो उसके लिए बहुत छोटी थी, और ट्रेलर की घुटन भरी गर्मी से हांफ रहा था। उसकी गुलाबी आँखों के आसपास मक्खियाँ भिनभिना रही थीं और उसकी सफेद खाल के नीचे से उसकी पसलियाँ दिखाई दे रही थीं।
‘क्या यह दयालुता है?’ ग्रोवर चिल्लाया। ‘क्या यह चिड़ियाघर में जानवरों को मानवीय तरीके से ले जाना है?’
वह शायद तुरंत बाहर जाकर अपनी बांसुरी से ट्रक ड्राइवरों की पिटाई करने लगता, और मैं भी उसकी मदद करता, लेकिन तभी ट्रक का इंजन ज़ोर से चालू हो गया, ट्रेलर हिलने लगा, और हमें मजबूरन बैठना पड़ा या गिरना पड़ा।
हम कोने में फफूंदी लगे चारे के बोरों पर दुबक गए, बदबू, गर्मी और मक्खियों को नज़रअंदाज़ करने की कोशिश कर रहे थे। ग्रोवर बकरियों की मिमियाहट में जानवरों से बात कर रहा था, लेकिन वे उसे उदास निगाहों से देखते रहे। एनाबेथ पिंजरे तोड़कर उन्हें वहीं आज़ाद करने के पक्ष में थी, लेकिन मैंने बताया कि जब तक ट्रक रुक नहीं जाता, तब तक इससे कोई खास फायदा नहीं होगा। वैसे भी, मुझे लग रहा था कि शेर को हम उन शलजमों से कहीं ज़्यादा अच्छे दिखेंगे। मुझे एक पानी का जग मिला और मैंने उनके कटोरे भर दिए, फिर अनाक्लुस्मोस की मदद से उनके पिंजरों से बेमेल खाना बाहर निकाला। मैंने शेर को मांस और ज़ेबरा व हिरण को शलजम दे दिए।
ग्रोवर ने हिरण को शांत किया, जबकि एनाबेथ ने अपने चाकू से उसके सींग से गुब्बारा काट दिया। वह ज़ेबरा के बालों से गोंद भी निकालना चाहती थी, लेकिन हमने सोचा कि ट्रक के हिलने-डुलने के कारण यह बहुत जोखिम भरा होगा। हमने ग्रोवर से कहा कि वह जानवरों से वादा करे कि हम सुबह उनकी और मदद करेंगे, फिर हम रात के लिए सो गए।
ग्रोवर शलजम की बोरी पर सिकुड़कर बैठ गया; एनाबेथ ने डबल स्टफ ओरियो बिस्कुट का पैकेट खोला और बेमन से एक बिस्कुट कुतरने लगी; मैंने इस बात पर ध्यान केंद्रित करके खुद को खुश करने की कोशिश की कि हम लॉस एंजिल्स के आधे

रास्ते पर थे। अपनी मंज़िल के आधे रास्ते पर। अभी तो सिर्फ चौदह जून ही था। संक्रांति तो इक्कीस तारीख को थी। हम आराम से पहुँच सकते थे।
दूसरी ओर, मुझे यह बिलकुल भी नहीं पता था कि आगे क्या होने वाला है। देवता मेरे साथ खिलवाड़ करते रहे। कम से कम हेफेस्टस में इतनी तो शालीनता थी कि वह इस बारे में ईमानदार था – उसने कैमरे लगवाए थे और मुझे मनोरंजन के साधन के रूप में प्रचारित किया था। लेकिन कैमरे बंद होने पर भी, मुझे यह आभास होता था कि मेरी खोज पर नज़र रखी जा रही है। मैं देवताओं के मनोरंजन का एक स्रोत था।
‘हे,’ एनाबेथ ने कहा, ‘पर्सी, वाटर पार्क में मेरे गुस्से वाले व्यवहार के लिए मुझे माफ कर दो।’
'वह ठीक है।'
‘बस…’ वह सिहर उठी। ‘मकड़ियाँ।’
‘अराक्ने की कहानी की वजह से,’ मैंने अनुमान लगाया। ‘तुम्हारी माँ को बुनाई प्रतियोगिता के लिए चुनौती देने पर वह मकड़ी में बदल गई थी, है ना?’ एनाबेथ ने सिर हिलाया। 'अराक्ने के बच्चे तब से ही एथेना के बच्चों से बदला ले रहे हैं। अगर मेरे एक मील के दायरे में कोई मकड़ी भी हो, तो वो मुझे ढूंढ लेगी। मुझे ये डरावने छोटे जीव बिल्कुल पसंद नहीं हैं। खैर, मैं आपकी एहसानमंद हूँ।'
‘हम एक टीम हैं, याद है ना?’ मैंने कहा। ‘इसके अलावा, वो शानदार उड़ान ग्रोवर ने भरी थी।’
मुझे लगा कि वह सो रहा है, लेकिन उसने कोने से बुदबुदाते हुए कहा, 'मैं काफी शानदार था, है ना?'
एनाबेथ और मैं हंस पड़े।
उसने एक ओरियो बिस्कुट तोड़ा और आधा मुझे पकड़ा दिया। 'आइरिस के संदेश में... क्या ल्यूक ने सचमुच कुछ नहीं कहा?'
मैंने अपनी कुकी चबाई और सोचने लगी कि क्या जवाब दूं। इंद्रधनुष के ज़रिए हुई बातचीत मुझे पूरी शाम परेशान कर रही थी। 'ल्यूक ने कहा कि तुम दोनों बहुत पुराने दोस्त हो। उसने यह भी कहा कि ग्रोवर इस बार नाकाम नहीं होगा। कोई भी चीड़ के पेड़ में नहीं बदलेगा।'
तलवार की धार की धुंधली कांस्य रोशनी में उनके भावों को पढ़ना मुश्किल था।
ग्रोवर ने एक दुख भरी आवाज में गुर्राया।

‘मुझे शुरू से ही तुम्हें सच बता देना चाहिए था।’ उसकी आवाज कांप रही थी। ‘मुझे लगा था कि अगर तुम्हें पता चल जाए कि मैं कितना नाकामयाब हूं, तो तुम मुझे अपने साथ नहीं रखना चाहोगी।’
‘तुम वही सैटायर थे जिसने ज़्यूस की पुत्री थैलिया को बचाने का प्रयास किया था।’
उसने उदास भाव से सिर हिलाया।
और थैलिया ने जिन दो अन्य आधे-खूनों से दोस्ती की थी, जो शिविर तक सुरक्षित पहुँच गए थे...’ मैंने एनाबेथ की ओर देखा। ‘वो तुम और ल्यूक थे, है ना?’ उसने अपना ओरियो बिस्कुट बिना खाए ही नीचे रख दिया। 'जैसा कि तुमने कहा था, पर्सी, सात साल की आधी-खून वाली बच्ची अकेले ज्यादा दूर नहीं जा सकती थी। एथेना ने मुझे मदद की तरफ रास्ता दिखाया। थैलिया बारह साल की थी। ल्यूक चौदह साल का था। वे दोनों मेरी तरह घर से भाग गए थे। वे मुझे अपने साथ ले जाने के लिए खुश थे। वे... बिना किसी प्रशिक्षण के भी अद्भुत राक्षस-योद्धा थे। हम वर्जीनिया से बिना किसी खास योजना के उत्तर की ओर चले गए, लगभग दो सप्ताह तक राक्षसों से लड़ते रहे, फिर ग्रोवर ने हमें ढूंढ लिया।'
‘मुझे थैलिया को शिविर तक ले जाना था,’ उसने सिसकते हुए कहा। ‘सिर्फ थैलिया को। मुझे चिरोन से सख्त आदेश मिले थे: ऐसा कुछ मत करना जिससे बचाव कार्य में देरी हो। हम जानते थे कि हेड्स उसके पीछे पड़ा है, लेकिन मैं ल्यूक और एनाबेथ को अकेला नहीं छोड़ सकता था। मैंने सोचा था… मैंने सोचा था कि मैं उन तीनों को सुरक्षित स्थान तक ले जा सकता हूँ। मेरी गलती थी कि दयालु लोग हम तक पहुँच गए। मैं जम गया। शिविर वापस आते समय मैं डर गया और कुछ गलत मोड़ ले लिए। अगर मैं थोड़ा तेज होता…’
‘बस करो,’ एनाबेथ ने कहा। ‘कोई तुम्हें दोष नहीं दे रहा है। थैलिया ने भी तुम्हें दोष नहीं दिया।’
‘उसने हमें बचाने के लिए खुद को कुर्बान कर दिया,’ उसने दुखी स्वर में कहा। ‘उसकी मौत मेरी गलती थी। क्लोवन एल्डर्स की परिषद ने भी यही कहा था।’ मैंने कहा, 'क्योंकि तुम दो अन्य आधे-रक्त वाले लोगों को पीछे नहीं छोड़ना चाहते?' 'यह उचित नहीं है।'
‘पर्सी सही कह रहा है,’ एनाबेथ ने कहा। ‘ग्रोवर, अगर तुम न होते तो मैं आज यहाँ न होती। ल्यूक भी नहीं होता। हमें इस बात की परवाह नहीं कि परिषद क्या कहती है।’

ग्रोवर अंधेरे में सिसकियाँ भरता रहा। 'मेरी किस्मत ही ऐसी है। मैं सबसे लंगड़ा सैटायर हूँ, और मुझे इस सदी के दो सबसे शक्तिशाली हाफ-ब्लड, थैलिया और पर्सी मिल गए।'
‘तुम लंगड़े नहीं हो,’ एनाबेथ ने जोर देकर कहा। ‘तुम्हारे पास मेरी अब तक की मुलाकातों में किसी भी सैटायर से कहीं अधिक साहस है। एक और का नाम बताओ जो पाताल लोक जाने की हिम्मत करे। मुझे यकीन है कि पर्सी इस समय तुम्हारे यहाँ होने से बहुत खुश होगा।’
उसने मेरी पिंडली पर लात मारी।
‘हाँ,’ मैंने कहा, जो मैं लात लगने के बिना भी कह देता। ‘ग्रोवर, थैलिया और मुझे ढूंढना तुम्हारा संयोग नहीं है। तुम्हारा दिल सभी सैटायरों में सबसे बड़ा है। तुम जन्मजात खोजी हो। इसीलिए पैन को तुम ही ढूंढोगे।’
मुझे एक गहरी, संतुष्टि भरी आह सुनाई दी। मैंने ग्रोवर के कुछ कहने का इंतज़ार किया, लेकिन उसकी साँसें और तेज़ होती गईं। जब आवाज़ खर्राटों में बदल गई, तब मुझे एहसास हुआ कि वह सो गया है।
मैंने आश्चर्य से पूछा, 'वह ऐसा कैसे करता है?'
‘मुझे नहीं पता,’ एनाबेथ ने कहा। ‘लेकिन तुमने उससे जो कहा वह वाकई बहुत अच्छी बात थी।’
'मेरा यह मतलब।'
हम कुछ मील तक चुपचाप चलते रहे, चारे की बोरियों पर उछलते-कूदते हुए। ज़ेबरा शलजम चबा रहा था। शेर ने अपने होठों से बर्गर का आखिरी टुकड़ा चाटा और आशा भरी निगाहों से मेरी ओर देखा।
एनाबेथ ने अपने गले के हार को ऐसे रगड़ा जैसे वह गहन, रणनीतिक विचार कर रही हो।
मैंने कहा, 'वह चीड़ के पेड़ का मनका। क्या वह तुम्हारे पहले साल का है?' उसने देखा। उसे एहसास ही नहीं था कि वह क्या कर रही है।
‘हाँ,’ उसने कहा। ‘हर अगस्त में, काउंसलर गर्मियों की सबसे महत्वपूर्ण घटना चुनते हैं और उसे उस वर्ष के मोतियों पर चित्रित करते हैं। मेरे पास थैलिया का चीड़ का पेड़ है, आग में जलता हुआ एक ग्रीक त्रिशूल है, और एक प्रोम ड्रेस में एक सेंटॉर है – वाकई वह एक अजीब गर्मी थी…’
और ये कॉलेज की अंगूठी तुम्हारे पिता की है?

‘इससे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है –’ उसने खुद को रोक लिया। ‘हाँ। हाँ, है।’
आपको मुझे बताने की जरूरत नहीं है।
‘नहीं… कोई बात नहीं।’ उसने कांपती हुई सांस ली। ‘मेरे पिताजी ने इसे दो साल पहले गर्मियों में एक पत्र में मोड़कर मुझे भेजा था। यह अंगूठी एथेना की सबसे खास निशानी थी। उसके बिना हार्वर्ड में उनका डॉक्टरेट कार्यक्रम पूरा नहीं हो पाता… यह एक लंबी कहानी है। खैर, उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि यह अंगूठी मेरे पास रहे। उन्होंने अपने बुरे बर्ताव के लिए माफी मांगी, कहा कि वह मुझसे प्यार करते हैं और मुझे याद करते हैं। वह चाहते थे कि मैं घर आकर उनके साथ रहूँ।’
'यह इतना बुरा नहीं लगता।'
हाँ, खैर… समस्या यह थी कि मैंने उस पर विश्वास कर लिया था। मैंने उस शैक्षणिक वर्ष के लिए घर जाने की कोशिश की, लेकिन मेरी सौतेली माँ पहले जैसी ही थीं। वह नहीं चाहती थीं कि उनके बच्चे एक सनकी के साथ रहकर खतरे में पड़ें। राक्षसों ने हमला किया। हमारी बहस हुई। राक्षसों ने हमला किया। हमारी बहस हुई। मैं तो सर्दियों की छुट्टियों तक भी नहीं टिक पाई। मैंने चिरोन को फोन किया और सीधे कैंप हाफ-ब्लड वापस आ गई।
'क्या तुम्हें लगता है कि तुम कभी अपने पिता के साथ दोबारा रहने की कोशिश करोगे?'
वह मेरी आंखों में आंखें नहीं मिला रही थी। 'कृपया। मुझे खुद को चोट पहुंचाना पसंद नहीं है।'
मैंने उससे कहा, 'तुम्हें हार नहीं माननी चाहिए। तुम्हें उसे एक पत्र या कुछ और लिखना चाहिए।'
उसने ठंडे स्वर में कहा, 'सलाह के लिए धन्यवाद, लेकिन मेरे पिता ने यह फैसला कर लिया है कि वह किसके साथ रहना चाहते हैं।'
हमने कुछ और मील तक सन्नाटा छाए रहने का अनुभव किया।
मैंने कहा, 'तो अगर देवता आपस में लड़ें, तो क्या चीजें उसी तरह होंगी जैसे ट्रोजन युद्ध में हुई थीं? क्या यह एथेना बनाम पोसीडॉन की लड़ाई होगी?' उसने अपना सिर एरेस द्वारा दिए गए बैग पर टिका दिया और अपनी आँखें बंद कर लीं। 'मुझे नहीं पता मेरी माँ क्या करेगी। मैं बस इतना जानती हूँ कि मैं तुम्हारे साथ लड़ूँगी।'

'क्यों?'
'क्योंकि तुम मेरे दोस्त हो, सीवीड ब्रेन। क्या तुम्हारे पास और कोई बेवकूफी भरे सवाल हैं?'
मुझे इसका कोई जवाब नहीं सूझा। सौभाग्य से मुझे जवाब देने की ज़रूरत ही नहीं पड़ी। एनाबेथ सो रही थी।
ग्रोवर के खर्राटे लेने और एक सफेद रंग के शेर के मुझे भूखी निगाहों से घूरने के कारण मुझे उसके उदाहरण का अनुसरण करने में परेशानी हो रही थी, लेकिन अंततः मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं।

* * *

मेरा बुरा सपना कुछ ऐसा था जो मैंने पहले भी लाखों बार देखा था: मुझे एक स्ट्रेटजैकेट पहनाकर एक मानक परीक्षा देने के लिए मजबूर किया जा रहा था। बाकी सभी बच्चे छुट्टी के लिए बाहर जा रहे थे, और शिक्षक बार-बार कह रही थी, "चलो, पर्सी। तुम बेवकूफ तो नहीं हो? अपनी पेंसिल उठाओ।"
फिर सपना सामान्य से हटकर एक अलग ही मोड़ ले लिया।
मैंने बगल वाली मेज की ओर देखा तो वहाँ एक लड़की बैठी थी, उसने भी एक स्ट्रेट जैकेट पहन रखी थी। वह मेरी ही उम्र की थी, उसके बाल काले और बिखरे हुए थे, पंक स्टाइल के। उसकी तूफानी हरी आँखों के चारों ओर गहरा आईलाइनर लगा था और नाक पर झाइयाँ थीं। किसी तरह, मैं जान गया कि वह कौन है। वह ज़्यूस की बेटी थैलिया थी।
वह स्ट्रेटजैकेट से जूझ रही थी, उसने हताशा से मेरी तरफ देखा और झल्लाकर बोली, "तो फिर, सीवीड ब्रेन? हममें से किसी एक को तो यहां से निकलना ही होगा।"
मेरे सपने वाले रूप ने सोचा, वो सही कह रही है। मैं उस गुफा में वापस जाऊंगी। मैं हेड्स को खरी-खोटी सुनाऊंगी।
मेरे ऊपर से जंजीर पिघल कर हट गई। मैं कक्षा के फर्श में धंस गया। शिक्षक की आवाज़ बदल गई, फिर ठंडी और भयावह हो गई, मानो किसी गहरी खाई की गहराई से गूंज रही हो।
उसमें लिखा था, पर्सी जैक्सन। जी हां, मुझे लगता है कि बातचीत अच्छी रही। मैं फिर से उस अंधेरी गुफा में था, मेरे चारों ओर मृतकों की आत्माएं मंडरा रही थीं। गड्ढे में अदृश्य रूप से मौजूद वह भयानक जीव बोल रहा था, लेकिन इस

बार वह मुझसे बात नहीं कर रहा था। उसकी आवाज की सुन्न कर देने वाली शक्ति कहीं और निर्देशित प्रतीत हो रही थी।
और उसे कुछ भी शक नहीं है? उसने पूछा।
एक और आवाज़, जिसे मैं लगभग पहचान ही गया था, मेरे कंधे के पास से सुनाई दी।
कुछ नहीं, महाराज। वह भी बाकियों की तरह ही अज्ञानी है।
मैंने उधर देखा, लेकिन वहाँ कोई नहीं था। स्पीकर अदृश्य था।
एक के बाद एक धोखे, गड्ढे में बैठी हुई वस्तु मन ही मन सोच रही थी। बहुत बढ़िया।
सचमुच, मेरे स्वामी, मेरे बगल से आई आवाज ने कहा, आपको 'टेढ़ा' नाम बिल्कुल सही दिया गया है। लेकिन क्या यह वास्तव में आवश्यक था? मैं जो चुराया था, वह सीधे आपके पास ला सकता था।
"तुम?" राक्षस ने तिरस्कार से कहा। "तुम अपनी हदें पहले ही दिखा चुके हो। अगर मैंने दखल न दिया होता तो तुम मुझे पूरी तरह से नाकाम कर देते।" लेकिन, मेरे स्वामी –
शांत रहो, मेरे नन्हे सेवक। हमारे छह महीनों ने हमें बहुत कुछ दिलाया है। ज़्यूस का क्रोध बढ़ गया है। पोसीडॉन ने अपना सबसे कड़ा दांव खेला है। अब हम उसी का इस्तेमाल उसके खिलाफ करेंगे। जल्द ही तुम्हें तुम्हारा मनचाहा इनाम और तुम्हारा बदला मिल जाएगा। जैसे ही ये दोनों चीज़ें मेरे हाथों में आ जाएंगी... लेकिन रुको। वह आ गया है।
क्या? अदृश्य सेवक की आवाज़ अचानक तनावपूर्ण हो गई। आपने उसे बुलाया है, स्वामी?
नहीं। उस राक्षस का पूरा ध्यान अब मुझ पर केंद्रित था, जिससे मैं वहीं जम गया था। धिक्कार है उसके बाप के खून पर – वह बहुत ही परिवर्तनशील और अप्रत्याशित है। लड़का खुद यहाँ आया था।
असंभव! नौकर चिल्लाया।
तुम्हारे जैसे कमज़ोर के लिए, शायद, आवाज़ गुर्राई। फिर उसकी ठंडी शक्ति मुझ पर ही पलट गई। तो... तुम अपने मिशन का सपना देखना चाहते हो, नौजवान आधे- खून? तो मैं तुम्हारी इच्छा पूरी करूँगा।
दृश्य बदल गया।
मैं काले संगमरमर की दीवारों और कांसे के फर्श वाले एक विशाल सिंहासन कक्ष में खड़ा था। खाली, भयानक सिंहासन मानव हड्डियों को जोड़कर बनाया गया था।

सिंहासन के चरणों में मेरी माँ खड़ी थीं, सुनहरी झिलमिलाती रोशनी में स्थिर, उनकी बाहें फैली हुई थीं।
मैंने उसकी ओर कदम बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन मेरे पैर हिल नहीं रहे थे। मैंने उसकी ओर हाथ बढ़ाया, तभी मुझे एहसास हुआ कि मेरे हाथ सूखकर हड्डियों के टुकड़े बन गए हैं। यूनानी कवच पहने मुस्कुराते हुए कंकाल मेरे चारों ओर जमा हो गए, मुझे रेशमी वस्त्रों से ढक दिया, और मेरे सिर पर काइमेरा विष से धुंआ छोड़ते लॉरेल के फूलों का मुकुट पहना दिया, जो मेरी खोपड़ी में जलन पैदा कर रहा था।
दुष्ट आवाज हंसने लगी। जय हो, विजयी नायक!
मैं अचानक चौंककर जाग गया।
ग्रोवर मेरा कंधा हिला रहा था। उसने कहा, 'ट्रक रुक गया है। हमें लगता है कि वे जानवरों की जाँच करने आए हैं।'
‘छिप जाओ!’ एनाबेथ फुफकारते हुए बोली।
उसका काम तो आसान था। वो बस अपनी जादुई टोपी पहनती और गायब हो जाती। ग्रोवर और मुझे चारे की बोरियों के पीछे छिपना पड़ता था और उम्मीद करनी पड़ती थी कि हम शलजम जैसे दिखें।
ट्रेलर के दरवाजे चरमराते हुए खुले। सूरज की रोशनी और गर्मी अंदर आ गई। ‘अरे!’ ट्रक ड्राइवरों में से एक ने अपनी बदसूरत नाक के सामने हाथ हिलाते हुए कहा। ‘काश मैं घरेलू उपकरण ढोने का काम करता!’ वह अंदर चढ़ा और एक जग से जानवरों के बर्तनों में थोड़ा पानी डाला।
‘क्या तुम्हें गर्मी लग रही है, बड़े लड़के?’ उसने शेर से पूछा, और फिर बाल्टी का बचा हुआ सारा पानी शेर के चेहरे पर छिड़क दिया।
शेर आक्रोश से दहाड़ा।
‘हां, हां, हां,’ उस आदमी ने कहा।
मेरे बगल में, शलजम की बोरियों के नीचे, ग्रोवर तनावग्रस्त हो गया। एक शांतिप्रिय शाकाहारी होने के बावजूद, वह एकदम हिंसक लग रहा था।
ट्रक ड्राइवर ने हिरण को पिचका हुआ सा दिखने वाला हैप्पी मील का पैकेट फेंक दिया। उसने ज़ेबरा की तरफ देखकर मुस्कुराते हुए कहा, 'कैसे हो, धारीदार? कम से कम इस स्टॉप पर तो तुमसे छुटकारा मिल रहा है। तुम्हें जादू के शो पसंद हैं? ये वाला तो तुम्हें बहुत पसंद आएगा। ये लोग तुम्हें बीच से काट देंगे!'

भय से आंखें फाड़कर देखता हुआ ज़ेबरा सीधे मेरी ओर देख रहा था।
कोई आवाज़ नहीं थी, लेकिन दिन के उजाले की तरह स्पष्ट रूप से मैंने उसे कहते सुना: मुझे मुक्त करो, प्रभु। कृपया।
मैं इतना स्तब्ध था कि प्रतिक्रिया देने की स्थिति में नहीं था।
ट्रेलर के किनारे पर जोर-जोर से खटखटाने की आवाज आई।
हमारे साथ अंदर बैठे ट्रक ड्राइवर ने चिल्लाकर कहा, 'एडी, तुम क्या चाहते हो?'
बाहर से एक आवाज आई—यह जरूर एडी की आवाज रही होगी—उसने चिल्लाकर जवाब दिया, 'मौरिस? तुमने क्या कहा?'
तुम किसलिए पीट रहे हो?
नॉक, नॉक, नॉक।
बाहर, एडी चिल्लाया, 'यह कैसी आवाज है?'
हमारा साथी मौरिस ने आंखें घुमाईं और बाहर चला गया, एडी को बेवकूफ कहते हुए उसे कोसने लगा।
एक पल बाद, एनाबेथ मेरे बगल में आ गई। उसने ही मॉरिस को ट्रेलर से बाहर निकालने के लिए जोर-जोर से खटखटाया होगा। उसने कहा, 'यह परिवहन का धंधा गैरकानूनी नहीं हो सकता।'
‘सच में,’ ग्रोवर ने कहा। वह रुका, मानो सुन रहा हो। ‘शेर का कहना है कि ये लोग जानवरों की तस्करी करते हैं!’
मेरे मन में ज़ेबरा की आवाज़ गूंजी, "हाँ, बिल्कुल सही।"
‘हमें उन्हें आज़ाद कराना होगा!’ ग्रोवर ने कहा। वह और एनाबेथ दोनों मेरी ओर देखने लगे, मेरे निर्देश का इंतज़ार कर रहे थे।
मैंने ज़ेबरा को बोलते सुना था, लेकिन शेर को नहीं। क्यों? शायद यह भी मेरी एक सीखने की अक्षमता थी... मैं सिर्फ ज़ेबरा की आवाज़ ही समझ पाती थी? फिर मुझे याद आया: घोड़े। एनाबेथ ने पोसीडॉन द्वारा घोड़ों की रचना के बारे में क्या कहा था? क्या ज़ेबरा घोड़े के काफी करीब होता है? क्या इसीलिए मैं उसकी आवाज़ समझ पाती थी?
ज़ेबरा ने कहा, "हे प्रभु, मेरा पिंजरा खोल दीजिए। कृपया। उसके बाद मैं ठीक हो जाऊँगा।"

बाहर एडी और मौरिस अभी भी एक-दूसरे पर चिल्ला रहे थे, लेकिन मुझे पता था कि वे किसी भी पल अंदर आकर जानवरों को फिर से परेशान करेंगे। मैंने रिपटाइड को पकड़ा और ज़ेबरा के पिंजरे का ताला तोड़ दिया।
ज़ेबरा अचानक चौंक उठा। उसने मेरी ओर मुड़कर प्रणाम किया। हे प्रभु, आपका धन्यवाद।
ग्रोवर ने अपने हाथ ऊपर उठाए और बकरियों की बोली में ज़ेबरा से कुछ कहा, मानो आशीर्वाद दे रहा हो।
जैसे ही मौरिस शोर की वजह जानने के लिए अंदर झाँकने ही वाला था कि ज़ेबरा उसके ऊपर से कूदकर सड़क पर आ गया। चारों ओर चीख-पुकार मच गई और गाड़ियाँ हॉर्न बजाने लगीं। हम समय रहते ट्रेलर के दरवाज़े पर पहुँच गए और देखा कि ज़ेबरा होटलों, कसीनो और जगमगाती इमारतों से सजी एक चौड़ी सड़क पर सरपट दौड़ रहा है। हमने लास वेगास में एक ज़ेबरा को आज़ाद कर दिया था।
मौरिस और एडी उसके पीछे भागे, और कुछ पुलिसकर्मी भी उनके पीछे दौड़ते हुए चिल्ला रहे थे, 'अरे! इसके लिए आपको परमिट चाहिए!'
‘अब जाने का अच्छा समय है,’ एनाबेथ ने कहा।
'पहले दूसरे जानवर,' ग्रोवर ने कहा।
मैंने अपनी तलवार से ताले काट दिए। ग्रोवर ने अपने हाथ ऊपर उठाए और वही बकरी-आशीर्वाद दोहराया जो उसने ज़ेबरा के लिए किया था।
मैंने जानवरों से कहा, 'शुभकामनाएं।' हिरण और शेर अपने पिंजरों से बाहर निकले और एक साथ सड़कों की ओर चल दिए।
कुछ पर्यटक चीखने लगे। अधिकतर लोग पीछे हट गए और तस्वीरें खींचने लगे, शायद यह सोचकर कि यह किसी कैसिनो का कोई स्टंट है।
मैंने ग्रोवर से पूछा, 'क्या जानवर ठीक रहेंगे? मेरा मतलब है, रेगिस्तान वगैरह में...'
‘चिंता मत करो,’ उसने कहा। ‘मैंने उन पर एक कामुक अभयारण्य स्थापित कर दिया है।’
'अर्थ?'
उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है कि वे सुरक्षित रूप से जंगल तक पहुंच जाएंगे। उन्हें पानी, भोजन, छाया, जो कुछ भी चाहिए होगा, वह सब मिल जाएगा जब तक कि उन्हें रहने के लिए एक सुरक्षित जगह नहीं मिल जाती।'
मैंने पूछा, 'आप हम पर ऐसा आशीर्वाद क्यों नहीं दे सकते?'

‘यह केवल जंगली जानवरों पर ही काम करता है।’
‘तो इसका असर सिर्फ पर्सी पर ही पड़ेगा,’ एनाबेथ ने तर्क दिया।
‘अरे!’ मैंने विरोध किया।
‘मजाक कर रही थी,’ उसने कहा। ‘चलो, इस गंदे ट्रक से बाहर निकलें।’
हम दोपहर के समय रेगिस्तान में निकल पड़े। तापमान चालीस डिग्री था, और हम शायद तले हुए आवारा लोगों की तरह दिख रहे थे, लेकिन हर कोई जंगली जानवरों में इतना मग्न था कि किसी ने हमारी तरफ ध्यान नहीं दिया।
हम मोंटे कार्लो और एमजीएम के पास से गुजरे। हम पिरामिड, एक समुद्री डाकू जहाज और स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के पास से गुजरे, जो एक छोटी सी प्रतिकृति थी, लेकिन फिर भी मुझे घर की याद दिला दी।
मुझे पक्का पता नहीं था कि हम क्या ढूंढ रहे थे। शायद बस कुछ मिनटों के लिए गर्मी से राहत पाने की जगह, एक सैंडविच और एक गिलास नींबू पानी मिल जाए, और पश्चिम की ओर जाने की नई योजना बना लें।
हम शायद गलत मोड़ पर आ गए थे, क्योंकि हम एक बंद गली में पहुँच गए थे, लोटस होटल और कैसीनो के सामने। प्रवेश द्वार एक विशाल नियॉन फूल जैसा था, जिसकी पंखुड़ियाँ जगमगा रही थीं और टिमटिमा रही थीं। कोई अंदर या बाहर नहीं जा रहा था, लेकिन चमकदार क्रोम के दरवाजे खुले थे, जिनसे हवा आ रही थी जिसकी खुशबू फूलों जैसी थी - शायद कमल के फूल जैसी। मैंने कभी कमल की खुशबू नहीं सूँघी थी, इसलिए मैं निश्चित नहीं था।
दरवाजे पर खड़े व्यक्ति ने हमारी ओर देखकर मुस्कुराया। 'अरे बच्चों! तुम थके हुए लग रहे हो। अंदर आकर बैठना चाहोगे?'
पिछले एक हफ्ते से मैं शक करने लगा था। मुझे लगता था कि कोई भी राक्षस या भगवान हो सकता है। कुछ कहा नहीं जा सकता। लेकिन यह आदमी तो बिल्कुल सामान्य था। उसे देखते ही मैं समझ गया। वैसे भी, किसी की सहानुभूति भरी बातें सुनकर मुझे बहुत राहत मिली, इसलिए मैंने सिर हिलाकर कहा कि हम अंदर आना चाहेंगे। अंदर जाकर हमने चारों ओर देखा और ग्रोवर ने कहा, 'वाह!'
पूरी लॉबी एक विशाल गेम रूम थी। और मैं यहाँ पुराने घिसे-पिटे पैकमैन गेम्स या स्लॉट मशीनों की बात नहीं कर रहा हूँ। वहाँ एक इनडोर वॉटर स्लाइड थी जो कांच की लिफ्ट के चारों ओर घूमती हुई कम से कम चालीस मंज़िल ऊपर जाती थी। एक इमारत के किनारे एक चढ़ाई वाली दीवार थी, और एक इनडोर बंजी जंपिंग ब्रिज था। वहाँ काम करने वाली लेज़र गन वाले वर्चुअल रियलिटी सूट थे। और

सैकड़ों वीडियो गेम थे, जिनमें से हर एक वाइडस्क्रीन टीवी के आकार का था।
कुल मिलाकर, आप जो भी सोच सकते हैं, वह सब यहाँ था। कुछ और बच्चे भी खेल रहे थे, लेकिन ज़्यादा नहीं। किसी भी गेम के लिए इंतज़ार नहीं करना पड़ता था। चारों ओर वेट्रेस और स्नैक बार थे, जहाँ हर तरह का खाना मिलता था।
‘हे!’ एक बेलहॉप ने कहा। कम से कम मुझे तो यही लगा कि वह बेलहॉप ही है। उसने कमल के डिज़ाइन वाली सफ़ेद और पीली हवाईयन शर्ट, शॉर्ट्स और फ्लिप-फ्लॉप पहन रखे थे। ‘लोटस कैसिनो में आपका स्वागत है। ये रही आपकी कमरे की चाबी।’ मैंने हकलाते हुए कहा, 'उम, लेकिन...'
‘नहीं, नहीं,’ उसने हंसते हुए कहा। ‘बिल का भुगतान हो चुका है। कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं, कोई टिप नहीं। बस ऊपर की मंजिल पर कमरा नंबर 4001 में चले जाइए। अगर आपको किसी चीज की जरूरत हो, जैसे हॉट टब के लिए अतिरिक्त बुलबुले, या शूटिंग रेंज के लिए स्कीट टारगेट, या कुछ भी, तो बस फ्रंट डेस्क पर कॉल कर दीजिए। ये रहे आपके लोटसकैश कार्ड। ये रेस्टोरेंट में और सभी गेम्स और राइड्स पर काम करते हैं।’
उसने हम दोनों को हरे रंग का प्लास्टिक का क्रेडिट कार्ड दिया।
मुझे पता था कि कोई न कोई गलती जरूर हुई है। जाहिर है उसने सोचा होगा कि हम किसी करोड़पति के बच्चे हैं। लेकिन मैंने कार्ड लिया और पूछा, 'इसमें कितने पैसे हैं?'
उसकी भौंहें तन गईं। 'तुम्हारा क्या मतलब है?'
मेरा मतलब है, इसमें पैसे कब खत्म होंगे?
वह हँस पड़ा। 'अरे, तुम मज़ाक कर रहे हो। अरे वाह, बढ़िया है। तुम्हारा प्रवास सुखद हो।'
हम लिफ्ट से ऊपर गए और अपना कमरा देखा। यह एक सुइट था जिसमें तीन अलग-अलग बेडरूम थे और एक बार था जिसमें कैंडी, सोडा और चिप्स रखे हुए थे। रूम सर्विस के लिए एक हॉटलाइन भी थी। मुलायम तौलिए और पंखों वाले तकियों से सजे वाटरबेड थे। सैटेलाइट और हाई-स्पीड इंटरनेट वाला एक बड़ा स्क्रीन वाला टेलीविजन भी था। बालकनी में अपना हॉट टब था और हाँ, वहाँ एक स्कीट शूटिंग मशीन और एक शॉटगन भी थी, जिससे आप क्ले पिजन को सीधे लास वेगास के आसमान में फेंककर अपनी बंदूक से उन्हें मार सकते थे। मुझे समझ नहीं आया कि यह कैसे कानूनी हो सकता है, लेकिन मुझे यह काफी मजेदार लगा। स्ट्रिप और

रेगिस्तान का नज़ारा अद्भुत था, हालाँकि मुझे शक था कि ऐसे कमरे में हमें नज़ारा देखने का समय मिलेगा।
‘हे भगवान!’ एनाबेथ ने कहा। ‘यह जगह तो…’
‘बहुत बढ़िया,’ ग्रोवर ने कहा। ‘बिल्कुल बढ़िया।’
अलमारी में कपड़े थे, और वे मुझे फिट आ रहे थे। मैंने भौंहें चढ़ा लीं, यह सोचकर कि यह थोड़ा अजीब है।
मैंने एरेस का बैग कूड़ेदान में फेंक दिया। अब उसकी ज़रूरत नहीं थी। जब हम निकलेंगे, तो मैं होटल के स्टोर से नया बैग खरीद लूंगा।
मैंने नहाया, जो पूरे हफ्ते की उमस भरी यात्रा के बाद बहुत अच्छा लगा। मैंने कपड़े बदले, चिप्स का एक पैकेट खाया, तीन कोक पी और बाहर आकर मुझे बहुत दिनों बाद इतना अच्छा महसूस हुआ। मेरे मन में कहीं न कहीं कोई छोटी सी समस्या खटक रही थी। शायद मैंने कोई सपना देखा था... मुझे अपने दोस्तों से बात करनी थी। लेकिन मुझे यकीन था कि यह बाद में भी हो सकता है।
मैं बेडरूम से बाहर आया तो देखा कि एनाबेथ और ग्रोवर भी नहा कर कपड़े बदल चुके थे। ग्रोवर जी भर कर चिप्स खा रहा था, जबकि एनाबेथ नेशनल ज्योग्राफिक चैनल चला रही थी।
मैंने उससे कहा, 'इतने सारे चैनल हैं, और तुम नेशनल ज्योग्राफिक लगा लेती हो। क्या तुम पागल हो?'
'यह रोचक है।'
ग्रोवर ने कहा, 'मुझे अच्छा लग रहा है। मुझे यह जगह बहुत पसंद है।'
उसे पता भी नहीं चला और उसके जूतों से पंख निकल आए और उसे जमीन से एक फुट ऊपर उठा लिया, फिर वापस नीचे ले आए।
‘तो अब क्या?’ एनाबेथ ने पूछा। ‘नींद?’
ग्रोवर और मैंने एक-दूसरे को देखा और मुस्कुराए। हम दोनों ने अपने हरे रंग के प्लास्टिक लोटसकैश कार्ड ऊपर उठाए।
मैंने कहा, 'खेलने का समय।'
मुझे याद नहीं आ रहा कि मैंने आखिरी बार इतना मज़ा कब किया था। मैं एक अपेक्षाकृत गरीब परिवार से आता हूँ। हमारे लिए मौज-मस्ती का मतलब बर्गर किंग में खाना खाना और वीडियो किराए पर लेना होता था। पाँच सितारा वेगास होटल? बिलकुल नहीं।

मैंने लॉबी से पांच-छह बार बंजी जंप की, वॉटरस्लाइड का मज़ा लिया, आर्टिफिशियल स्की स्लोप पर स्नोबोर्डिंग की और वर्चुअल रियलिटी लेज़र टैग और एफबीआई शार्पशूटर खेला। मैंने ग्रोवर को कई बार अलग-अलग गेम खेलते देखा। उसे रिवर्स हंटर वाला गेम बहुत पसंद आया – जिसमें हिरण बाहर जाकर देहाती लोगों को गोली मारते हैं। मैंने एनाबेथ को ट्रिविया गेम और दिमागी कसरत वाले दूसरे गेम खेलते देखा। उनके पास एक बहुत बड़ा 3 डी सिम्युलेशन गेम था जिसमें आप अपना खुद का शहर बनाते हैं और डिस्प्ले बोर्ड पर होलोग्राफिक इमारतें बनती हुई दिखती थीं। मुझे तो इसमें कुछ खास नहीं लगा, लेकिन एनाबेथ को यह बहुत पसंद आया।
मुझे ठीक से याद नहीं कि मुझे पहली बार कब एहसास हुआ कि कुछ गड़बड़ है। शायद, यह तब हुआ जब मैंने वीआर शार्पशूटर में अपने बगल में खड़े लड़के को देखा। वह लगभग तेरह साल का होगा, लेकिन उसके कपड़े अजीब थे। मुझे लगा कि वह किसी एल्विस की नकल करने वाले का बेटा है। उसने बेल-बॉटम पैंट और काली पाइपिंग वाली लाल टी-शर्ट पहनी थी, और उसके बाल न्यू जर्सी की किसी लड़की के होमकमिंग नाइट जैसे परम्ड और जेल से सेट किए हुए थे।
हमने साथ में निशानेबाजी का खेल खेला और उसने कहा, 'शानदार, यार। यहाँ आए हुए दो हफ्ते हो गए हैं, और खेल हर बार बेहतर होता जा रहा है।'
शानदार?
बाद में, जब हम बात कर रहे थे, मैंने कुछ ऐसा कहा जो "शानदार" था, और उसने मेरी तरफ कुछ हैरानी से देखा, मानो उसने पहले कभी उस शब्द का इस तरह से इस्तेमाल होते नहीं सुना हो।
उसने बताया कि उसका नाम डैरिन है, लेकिन जैसे ही मैंने उससे सवाल पूछना शुरू किया, वह मुझसे ऊब गया और कंप्यूटर स्क्रीन की ओर वापस देखने लगा। मैंने कहा, 'हे, डैरिन?'
'क्या?'
'यह कौंन सा वर्ष है?'
उसने मेरी तरफ भौंहें चढ़ाकर पूछा, 'खेल में?'
नहीं। असल जिंदगी में।
उन्हें इसके बारे में सोचना पड़ा। '1977।'
‘नहीं,’ मैंने थोड़ा डरते हुए कहा। ‘सचमुच।’
अरे यार। कुछ गड़बड़ लग रही है। मेरा एक मैच चल रहा है।'

उसके बाद उसने मुझे पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया।
मैंने लोगों से बात करना शुरू किया, और मुझे पता चला कि यह आसान नहीं था। वे टीवी स्क्रीन, वीडियो गेम, खाने या किसी और चीज़ में मग्न थे। मुझे एक आदमी मिला जिसने बताया कि यह 1985 की बात है। दूसरे ने बताया कि यह 1993 की बात है। उन सभी ने दावा किया कि वे यहाँ ज़्यादा समय से नहीं थे, कुछ दिन, ज़्यादा से ज़्यादा कुछ हफ़्ते। उन्हें सच में पता नहीं था और उन्हें परवाह भी नहीं थी।
फिर मुझे ख्याल आया: मैं यहां कितने समय से हूं? ऐसा लग रहा था जैसे सिर्फ कुछ ही घंटे हुए हों, लेकिन क्या सच में ऐसा था?
मैंने याद करने की कोशिश की कि हम यहाँ क्यों आए थे। हम लॉस एंजिल्स जा रहे थे। हमें पाताल लोक का प्रवेश द्वार खोजना था। मेरी माँ... एक पल के लिए मुझे उनका नाम याद करने में मुश्किल हुई। सैली। सैली जैक्सन। मुझे उन्हें ढूंढना था। मुझे हेड्स को तीसरा विश्व युद्ध शुरू करने से रोकना था। मैंने देखा कि एनाबेथ अभी भी अपना शहर बना रही थी।
मैंने उससे कहा, 'चलो, हमें यहाँ से निकलना होगा।'
कोई जबाव नहीं।
मैंने उसे हिलाकर पूछा, ‘एनाबेथ?’
उसने झुंझलाहट से ऊपर देखा। 'क्या?'
हमें यहां से निकलना होगा।
‘जाना? तुम क्या बात कर रहे हो? मुझे अभी-अभी टावर मिले हैं –’
‘यह जगह एक जाल है।’
जब तक मैंने उसे दोबारा नहीं हिलाया, उसने कोई जवाब नहीं दिया। 'क्या?' ‘सुनो। पाताल लोक। हमारी खोज!’
‘अरे, चलो भी, पर्सी। बस कुछ और मिनट।’
‘एनाबेथ, यहाँ 1977 से लोग हैं। ऐसे बच्चे जिनकी उम्र कभी नहीं बढ़ी। आप यहाँ चेक-इन करती हैं, और हमेशा के लिए यहीं रह जाती हैं।’
‘तो?’ उसने पूछा। ‘क्या आप इससे बेहतर जगह की कल्पना कर सकते हैं?’ मैंने उसकी कलाई पकड़ी और उसे खेल से दूर खींच लिया।
‘हे!’ वह चिल्लाई और उसने मुझे मारा, लेकिन किसी और ने हमारी तरफ देखा तक नहीं। वे सब बहुत व्यस्त थे।

मैंने उसे सीधे मेरी आँखों में देखने के लिए मजबूर किया। मैंने कहा, 'मकड़ियां। बड़ी-बड़ी, बालों वाली मकड़ियां।'
इससे वह चौंक गई। उसकी दृष्टि साफ हो गई। 'हे भगवान,' उसने कहा। 'हम कब से...' मुझे नहीं पता, लेकिन हमें ग्रोवर को ढूंढना होगा।
हमने उसकी तलाश की और पाया कि वह अभी भी वर्चुअल डियर हंटर खेल रहा था। ‘ग्रोवर!’ हम दोनों चिल्लाए।
उसने कहा, 'मर जा, इंसान! मर जा, मूर्ख, प्रदूषण फैलाने वाले, घिनौने इंसान!' ‘ग्रोवर!’
उसने प्लास्टिक की बंदूक मेरी ओर घुमाई और क्लिक करने लगा, मानो मैं स्क्रीन पर मौजूद एक और छवि मात्र हूँ।
मैंने एनाबेथ की तरफ देखा, और हम दोनों ने मिलकर ग्रोवर को बांहों से पकड़ा और उसे घसीटते हुए दूर ले गए। उसके उड़ने वाले जूते हरकत में आ गए और उसके पैरों को दूसरी दिशा में खींचने लगे, साथ ही वह चिल्लाया, 'नहीं! मैं अभी- अभी एक नए स्तर पर पहुंचा हूँ! नहीं!'
लोटस का कर्मचारी जल्दी से हमारे पास आया। 'अच्छा, तो अब, क्या आप अपने प्लैटिनम कार्ड के लिए तैयार हैं?'
मैंने उससे कहा, 'हम जा रहे हैं।'
‘कितनी अफ़सोस की बात है,’ उन्होंने कहा, और मुझे लगा कि वह सचमुच ऐसा कह रहे थे, कि अगर हम गए तो उनका दिल टूट जाएगा। ‘हमने अभी-अभी प्लैटिनम कार्ड सदस्यों के लिए खेलों से भरा एक पूरा नया फ्लोर जोड़ा है।’
उसने कार्ड आगे बढ़ाए, और मुझे एक कार्ड चाहिए था। मैं जानता था कि अगर मैंने एक कार्ड ले लिया, तो मैं कभी यहाँ से नहीं जा पाऊँगा। मैं यहीं रहूँगा, हमेशा खुश रहूँगा, हमेशा खेल खेलता रहूँगा, और जल्द ही मैं अपनी माँ को, अपने लक्ष्य को, और शायद अपना नाम भी भूल जाऊँगा। मैं हमेशा के लिए ग्रूवी डिस्को डैरिन के साथ वर्चुअल राइफलमैन खेलता रहूँगा।
ग्रोवर ने कार्ड लेने के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन एनाबेथ ने उसका हाथ पीछे खींच लिया और कहा, 'नहीं, धन्यवाद।'
हम दरवाजे की ओर बढ़े, और जैसे-जैसे हम आगे बढ़े, खाने की खुशबू और खेलों की आवाज़ें और भी लुभावनी लगने लगीं। मैंने ऊपर वाले कमरे के बारे में सोचा। हम रात वहीं बिता सकते थे, कम से कम एक बार तो असली बिस्तर पर सो सकते थे...

फिर हम लोटस कैसिनो के दरवाज़े तोड़कर अंदर घुसे और फुटपाथ पर दौड़ने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे दोपहर का समय हो, लगभग वही समय जब हम कैसिनो में गए थे, लेकिन कुछ गड़बड़ थी। मौसम पूरी तरह बदल गया था। तूफ़ान आ गया था और रेगिस्तान में बिजली कड़क रही थी।
एरेस का बैग मेरे कंधे पर टंगा हुआ था, जो अजीब था, क्योंकि मुझे यकीन था कि मैंने उसे कमरा नंबर 4001 के कूड़ेदान में फेंक दिया था, लेकिन इस समय मुझे अन्य समस्याओं की चिंता थी।
मैं दौड़कर पास के अखबार स्टैंड पर गया और सबसे पहले साल पढ़ा। भगवान का शुक्र है, वही साल था जब हम अंदर गए थे। फिर मैंने तारीख देखी: 20 जून।
हम लोटस कैसिनो में पांच दिन से थे।
ग्रीष्म संक्रांति आने में केवल एक दिन शेष था। हमारे लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक दिन।

17 हम वाटरबेड खरीदते हैं

यह एनाबेथ का विचार था।
उसने हमें वेगास की टैक्सी के पीछे इस तरह बिठाया जैसे हमारे पास सचमुच पैसे हों, और ड्राइवर से कहा, 'लॉस एंजिल्स, कृपया।'
टैक्सी ड्राइवर ने सिगार चबाते हुए हमें ऊपर से नीचे तक देखा। 'यह तीन सौ मील है। इसके लिए आपको पहले ही भुगतान करना होगा।'
‘क्या आप कैसीनो के डेबिट कार्ड स्वीकार करते हैं?’ एनाबेथ ने पूछा। उसने कंधे उचकाते हुए कहा, 'उनमें से कुछ। क्रेडिट कार्ड की तरह ही। मुझे पहले उन्हें स्वाइप करना होगा।'
एनाबेथ ने उसे अपना हरा लोटसकैश कार्ड दे दिया।
उसने इसे संदेह भरी नजरों से देखा।
‘इसे स्वाइप करो,’ एनाबेथ ने आमंत्रित किया।
उन्होंने किया।
उसकी मीटर मशीन खड़खड़ाने लगी। बत्तियाँ चमकने लगीं। अंत में डॉलर के चिन्ह के बगल में अनंत का प्रतीक दिखाई दिया।
ड्राइवर के मुंह से सिगार गिर गया। उसने हमारी तरफ देखा, उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। 'लॉस एंजिल्स में कहाँ जाना है... उह, महाराज?'
‘सांता मोनिका घाट।’ एनाबेथ थोड़ा और सीधी होकर बैठ गई। मैं समझ गई कि उसे ‘महामहिम’ कहना अच्छा लग रहा था। ‘हमें जल्दी से वहाँ पहुँचा दो, और बाकी पैसे तुम रख लो।’
शायद उसे उसे यह बात नहीं बतानी चाहिए थी।
मोजावे रेगिस्तान से गुजरते समय टैक्सी का स्पीडोमीटर कभी भी पचानवे से नीचे नहीं गिरा।
रास्ते में हमें बात करने का खूब समय मिला। मैंने एनाबेथ और ग्रोवर को अपने ताज़ा सपने के बारे में बताया, लेकिन जैसे-जैसे मैं उसे याद करने की कोशिश करता गया, विवरण अस्पष्ट होते गए। लोटस कैसीनो ने मानो मेरी याददाश्त को ठप कर दिया था। मुझे याद नहीं आ रहा था कि अदृश्य नौकर की आवाज़ कैसी थी, हालाँकि मुझे यकीन था कि वह कोई जाना-पहचाना व्यक्ति था।

नौकर ने गड्ढे में मौजूद राक्षस को 'माई लॉर्ड' के अलावा किसी और नाम से पुकारा था... कोई खास नाम या उपाधि...
‘शांत रहने वाला?’ एनाबेथ ने सुझाव दिया। ‘अमीर रहने वाला?’ ये दोनों ही हेड्स के उपनाम हैं।’
मैंने कहा, 'शायद...', हालांकि दोनों ही बातें पूरी तरह सही नहीं लग रही थीं। ग्रोवर ने कहा, 'वह सिंहासन कक्ष तो नरक के सिंहासन कक्ष जैसा लगता है। आमतौर पर उसका वर्णन इसी तरह किया जाता है।'
मैंने अपना सिर हिलाया। 'कुछ तो गड़बड़ है। सिंहासन कक्ष सपने का मुख्य हिस्सा नहीं था। और पाताल से आने वाली वह आवाज़... मुझे नहीं पता। वह किसी देवता की आवाज़ जैसी नहीं लग रही थी।'
एनाबेथ की आंखें चौड़ी हो गईं।
मैंने पूछा, ‘क्या?’
‘अरे… कुछ नहीं। मैं तो बस – नहीं, ये हेड्स ही होना चाहिए। शायद उसने ही इस चोर को, इस अदृश्य व्यक्ति को, मुख्य बोल्ट लाने के लिए भेजा हो, और कुछ गड़बड़ हो गई हो –’
'कैसा?'
‘मुझे – मुझे नहीं पता,’ उसने कहा। ‘लेकिन अगर उसने ओलंपस से ज़्यूस का शक्ति चिन्ह चुरा लिया था, और देवता उसका पीछा कर रहे थे, तो बहुत कुछ गड़बड़ हो सकता था। इसलिए इस चोर को बोल्ट छिपाना पड़ा होगा, या वह उसे कहीं खो बैठा होगा। खैर, वह उसे हेड्स तक नहीं ले जा पाया। यही तो तुम्हारे सपने में आवाज़ ने कहा था, है ना? वह आदमी नाकाम रहा। इससे यह बात समझ में आती है कि फ्यूरीज़ बस में हमारा पीछा करते समय क्या खोज रही थीं। शायद उन्हें लगा कि हमने बोल्ट वापस पा लिया है।’
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उसे क्या हुआ है। वह पीली पड़ गई थी।
मैंने कहा, 'लेकिन अगर मैंने बोल्ट पहले ही प्राप्त कर लिया होता, तो मैं पाताल लोक की यात्रा क्यों कर रहा होता?'
ग्रोवर ने सुझाव दिया, 'हेड्स को धमकाना। उसे रिश्वत देना या ब्लैकमेल करना ताकि वह तुम्हारी माँ को वापस ले आए।'
मैंने सीटी बजाई। 'बकरी के लिए तुम्हारे मन में बुरे विचार हैं।' 'क्यों धन्यवाद।'

मैंने कहा, 'लेकिन गड्ढे में पड़ी उस चीज़ ने कहा कि वह दो चीज़ों का इंतज़ार कर रही है। अगर मास्टर बोल्ट एक है, तो दूसरी क्या है?'
ग्रोवर ने अपना सिर हिलाया, स्पष्ट रूप से वह असमंजस में था।
एनाबेथ मुझे ऐसे देख रही थी मानो उसे मेरा अगला सवाल पता हो, और वह मन ही मन चाहती थी कि मैं वह सवाल न पूछूं।
मैंने उससे पूछा, 'तुम्हें अंदाज़ा तो होगा कि उस गड्ढे में क्या हो सकता है?' 'मेरा मतलब है, अगर वह पाताल लोक नहीं है तो?'
‘पर्सी… इसके बारे में बात न करें। क्योंकि अगर यह हेड्स नहीं है… नहीं। यह हेड्स ही होना चाहिए।’
बंजर भूमि पीछे छूटती चली गई। हमने एक बोर्ड देखा जिस पर लिखा था: कैलिफोर्निया राज्य की सीमा रेखा, 12 मील।
मुझे ऐसा लगा जैसे मुझसे कोई सरल, महत्वपूर्ण जानकारी छूट रही हो। यह ठीक वैसा ही था जैसे मैं किसी आम शब्द को देखता हूँ जिसे मुझे जानना चाहिए, लेकिन एक-दो अक्षर इधर-उधर होने के कारण मैं उसे समझ नहीं पा रहा था। जैसे- जैसे मैं अपनी खोज के बारे में सोचता गया, मुझे यकीन होता गया कि पाताल लोक का सामना करना ही असली समाधान नहीं है। कुछ और ही चल रहा था, कुछ और भी खतरनाक।
समस्या यह थी कि हम 95 मील प्रति घंटे की रफ्तार से पाताल लोक की ओर बढ़ रहे थे, इस उम्मीद में कि हेड्स के पास ही सर्वशक्तिशाली शक्ति है। अगर हम वहाँ पहुँचकर गलत साबित होते, तो हमारे पास सुधार करने का समय नहीं होता। संक्रांति की समय सीमा बीत जाती और युद्ध शुरू हो जाता।
‘इसका जवाब पाताल लोक में है,’ एनाबेथ ने मुझे आश्वस्त किया। ‘पर्सी, तुमने मृतकों की आत्माएं देखीं। केवल एक ही जगह हो सकती है। हम सही काम कर रहे हैं।’
उसने मृतकों की दुनिया में प्रवेश करने के लिए चतुर रणनीतियाँ सुझाकर हमारा मनोबल बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन मेरा मन नहीं लग रहा था। बहुत सारी अनिश्चितताएँ थीं। यह ऐसा था जैसे बिना विषय जाने परीक्षा की तैयारी करना। और यकीन मानिए, मैंने ऐसा कई बार किया था।
टैक्सी पश्चिम की ओर तेज़ी से बढ़ रही थी। डेथ वैली में हवा का हर झोंका किसी मृत आत्मा की आवाज़ जैसा लग रहा था। अठारह पहियों वाले ट्रक के ब्रेक की हर फुफकार मुझे इकिडना की सरीसृप जैसी आवाज़ की याद दिला रही थी।

सूर्यास्त के समय, टैक्सी ने हमें सांता मोनिका के समुद्र तट पर छोड़ दिया। यह बिल्कुल वैसा ही दिख रहा था जैसा फिल्मों में लॉस एंजिल्स के समुद्र तट दिखते हैं, बस यहाँ बदबू ज़्यादा थी। घाट पर झूले लगे थे, फुटपाथों पर ताड़ के पेड़ थे, रेत के टीलों में बेघर लोग सो रहे थे और सर्फर सही लहर का इंतज़ार कर रहे थे।
ग्रोवर, एनाबेथ और मैं लहरों के किनारे तक पैदल गए।
‘अब क्या?’ एनाबेथ ने पूछा।
ढलते सूरज की रोशनी में प्रशांत महासागर सुनहरा होता जा रहा था। मैंने सोचा कि कितने समय बाद मैं देश के दूसरे छोर पर स्थित मोंटॉक के समुद्र तट पर खड़ा होकर एक अलग ही समुद्र को देख रहा था।
ऐसा कौन सा ईश्वर हो सकता है जो इन सब पर नियंत्रण रख सके? मेरे विज्ञान शिक्षक क्या कहते थे – पृथ्वी की सतह का दो-तिहाई भाग पानी से ढका हुआ है? मैं इतने शक्तिशाली व्यक्ति का पुत्र कैसे हो सकता हूँ?
मैं लहरों में उतर गया।
‘पर्सी?’ एनाबेथ ने कहा। ‘तुम क्या कर रहे हो?’
मैं चलता रहा, कमर तक पानी में, फिर छाती तक।
उसने मुझे पीछे से पुकारा, 'तुम्हें पता है वह पानी कितना प्रदूषित है? उसमें हर तरह के जहरीले पदार्थ हैं -'
तभी मेरा सिर पानी में डूब गया।
पहले तो मैंने अपनी सांस रोक ली। जानबूझकर पानी अंदर लेना मुश्किल होता है। आखिरकार, मुझसे और बर्दाश्त नहीं हुआ। मैंने हांफते हुए सांस ली। और सच में, मैं सामान्य रूप से सांस ले पा रही थी।
मैं उथले पानी में उतर गया। मुझे धुंध के कारण कुछ भी दिखाई नहीं देना चाहिए था, लेकिन फिर भी मुझे हर चीज़ का पता चल रहा था। मैं तल की लहरदार बनावट को महसूस कर सकता था। मैं रेत के टीलों पर बिखरी हुई सैंड-डॉलर की कॉलोनियों को देख सकता था। मैं धाराओं को भी देख सकता था, गर्म और ठंडी धाराएँ आपस में मिल रही थीं।
मुझे अपने पैर पर कुछ रगड़ने का एहसास हुआ। मैंने नीचे देखा और मानो किसी मिसाइल की तरह पानी से बाहर उछल पड़ा। मेरे बगल में दो मीटर लंबी मैको शार्क तैर रही थी।

लेकिन वह मुझ पर हमला नहीं कर रहा था। वह मुझे सहला रहा था। कुत्ते की तरह मेरे पीछे-पीछे चल रहा था। मैंने धीरे से उसके पृष्ठीय पंख को छुआ। वह थोड़ा सा उछला, मानो मुझे और कसकर पकड़ने के लिए आमंत्रित कर रहा हो। मैंने दोनों हाथों से पंख को पकड़ लिया। वह मुझे खींचते हुए तेज़ी से भागा। शार्क मुझे अंधेरे में नीचे ले गया। उसने मुझे समुद्र के किनारे पर छोड़ दिया, जहाँ रेत का टीला एक विशाल खाई में गिरता था। यह आधी रात को ग्रैंड कैन्यन के किनारे पर खड़े होने जैसा था, जहाँ ज़्यादा कुछ दिखाई नहीं देता था, लेकिन यह एहसास था कि खाई बिल्कुल सामने है।
लगभग पचास मीटर ऊपर सतह झिलमिला रही थी। मुझे पता था कि इतने दबाव से मेरा दम घुट जाना चाहिए था। लेकिन फिर भी, मुझे सांस भी नहीं ले पानी चाहिए थी। मैं सोच रहा था कि क्या गहराई की कोई सीमा है, क्या मैं सीधे प्रशांत महासागर की तलहटी में डूब सकता हूँ।
फिर मैंने नीचे अंधेरे में कुछ चमकता हुआ देखा, जो मेरी ओर बढ़ते हुए बड़ा और चमकदार होता गया। एक महिला की आवाज़, मेरी माँ जैसी, ने पुकारा: 'पर्सी जैक्सन।'
जैसे-जैसे वह करीब आती गई, उसका आकार स्पष्ट होता गया। उसके लहराते हुए काले बाल थे और उसने हरे रेशम की पोशाक पहनी हुई थी। उसके चारों ओर रोशनी टिमटिमा रही थी और उसकी आँखें इतनी मनमोहक थीं कि मैंने उसके विशालकाय समुद्री घोड़े पर शायद ही ध्यान दिया जिस पर वह सवार थी।
वह घोड़े से उतरी। समुद्री घोड़ा और माको शार्क झट से निकल गए और टैग जैसा कोई खेल खेलने लगे। पानी के अंदर मौजूद महिला ने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए कहा, 'पर्सी जैक्सन, तुमने बहुत अच्छा सफर तय किया है। शाबाश!'
मुझे ठीक से समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं, इसलिए मैंने झुककर प्रणाम किया। 'आप वही महिला हैं जिन्होंने मिसिसिपी नदी में मुझसे बात की थी।' 'जी हां, बच्चे। मैं एक नेरीड हूं, समुद्र की आत्मा। इतनी दूर नदी के ऊपर प्रकट होना आसान नहीं था, लेकिन जलपरियों, मेरी मीठे पानी की चचेरी बहनों ने मेरी जीवन शक्ति को बनाए रखने में मदद की। वे भगवान पोसीडॉन का सम्मान करती हैं, हालांकि वे उनके दरबार में सेवा नहीं करतीं।'
और... आप पोसीडॉन के दरबार में सेवा करते हैं?
उसने सिर हिलाया। 'समुद्र देवता के बच्चे का जन्म हुए कई साल हो गए हैं। हमने आपको बड़ी दिलचस्पी से देखा है।'

अचानक मुझे बचपन में मोंटॉक बीच की लहरों में दिखने वाले चेहरे याद आ गए, मुस्कुराती हुई महिलाओं के प्रतिबिंब। मेरे जीवन की कई अजीबोगरीब घटनाओं की तरह, मैंने इस पर पहले कभी ज्यादा ध्यान नहीं दिया था।
मैंने कहा, 'अगर मेरे पिता को मुझमें इतनी दिलचस्पी है, तो वह यहां क्यों नहीं हैं? वह मुझसे बात क्यों नहीं करते?'
गहराई से ठंडी धारा उठने लगी।
‘समुद्र के देवता को इतनी कठोरता से मत आंकिए,’ नेरीड ने मुझसे कहा। ‘वह एक अवांछित युद्ध के कगार पर खड़े हैं। उनके पास बहुत काम है। इसके अलावा, उन्हें आपकी सीधे मदद करने की मनाही है। देवता शायद ऐसा पक्षपात न दिखाएं।’
‘क्या वे अपने बच्चों से भी ऐसा करते हैं?’
‘विशेषकर उनके लिए। देवता केवल अप्रत्यक्ष प्रभाव से ही कार्य कर सकते हैं। इसीलिए मैं तुम्हें चेतावनी और उपहार दोनों दे रहा हूँ।’
उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया। उसकी हथेली में तीन सफेद मोती चमक उठे।
‘मैं जानती हूँ कि तुम हेड्स के लोक की यात्रा करते हो,’ उसने कहा। ‘कुछ ही नश्वर प्राणी ऐसा कर पाए हैं और जीवित बचे हैं: ओर्फियस, जो संगीत में माहिर था; हरक्यूलिस, जो अत्यंत शक्तिशाली था; हुडिनी, जो टार्टारस की गहराइयों से भी बच निकला था। क्या तुममें ये प्रतिभाएँ हैं?’
'उम… नहीं, महोदया।'
“लेकिन पर्सी, तुम्हारे पास कुछ और भी है। तुम्हारे पास ऐसी शक्तियां हैं जिन्हें तुमने अभी-अभी जानना शुरू किया है। भविष्यवाणियों ने तुम्हारे लिए एक महान और भयानक भविष्य की भविष्यवाणी की है, यदि तुम वयस्कता तक जीवित रहते हो। पोसीडॉन तुम्हें समय से पहले मरने नहीं देगा। इसलिए इन्हें ले लो, और जब तुम्हें आवश्यकता हो, तो एक मोती अपने पैरों पर तोड़ दो।”
'क्या हो जाएगा?'
उन्होंने कहा, 'यह जरूरत पर निर्भर करता है। लेकिन याद रखना: जो समुद्र का है, वह हमेशा समुद्र में ही लौट जाएगा।'
‘चेतावनी का क्या हुआ?’
उसकी आँखों में हरी रोशनी चमक उठी। 'अपने दिल की सुनो, वरना सब कुछ खो दोगे। हेड्स संदेह और निराशा पर पलता है। अगर मौका मिला तो वो तुम्हें धोखा देगा,

तुम्हारे अपने विवेक पर शक पैदा करेगा। एक बार उसके दायरे में आ गए तो वो तुम्हें कभी भी स्वेच्छा से बाहर नहीं निकलने देगा। विश्वास बनाए रखो। शुभकामनाएँ, पर्सी जैक्सन।'
उसने अपने समुद्री घोड़े को बुलाया और शून्य की ओर चल पड़ी।
‘रुको!’ मैंने पुकारा। ‘नदी के पास तुमने कहा था कि उपहारों पर भरोसा मत करना। कौन से उपहार?’
“अलविदा, नौजवान नायक,” उसने धीमी आवाज़ में कहा, उसकी आवाज़ धीरे-धीरे गहरी होती चली गई। “तुम्हें अपने दिल की सुननी चाहिए।” वह चमकते हरे रंग के एक छोटे से बिंदु में बदल गई, और फिर गायब हो गई।
मैं उसके पीछे-पीछे अंधेरे में जाना चाहता था। मैं पोसीडॉन का दरबार देखना चाहता था। लेकिन मैंने ऊपर डूबते सूरज की ओर देखा जो सतह पर गहराता जा रहा था। मेरे दोस्त इंतज़ार कर रहे थे। हमारे पास बहुत कम समय था...
मैंने किनारे की ओर ऊपर की ओर लात मारी।
जब मैं समुद्र तट पर पहुंचा, तो मैंने ग्रोवर और एनाबेथ को सारी घटना बताई और उन्हें मोती दिखाए।
एनाबेथ ने मुंह बनाया। 'कोई भी उपहार बिना कीमत चुकाए नहीं मिलता।'
वे स्वतंत्र थे।
‘नहीं।’ उसने सिर हिलाया। ‘“मुफ्त में कुछ नहीं मिलता।” यह एक प्राचीन यूनानी कहावत है जिसका अमेरिकी अनुवाद काफी सटीक बैठता है। इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। तुम इंतज़ार करो।’
उस सुखद विचार के साथ, हमने समुद्र की ओर पीठ कर ली।
एरेस के बैग से मिले कुछ खुले पैसों से हमने वेस्ट हॉलीवुड के लिए बस पकड़ी। मैंने ड्राइवर को अंडरवर्ल्ड का पता दिखाया जो मैंने आंटी एम के गार्डन ग्नोम एम्पोरियम से लिया था, लेकिन उसने डीओए रिकॉर्डिंग स्टूडियो के बारे में कभी नहीं सुना था।
उन्होंने मुझसे कहा, 'तुम मुझे टीवी पर देखे किसी व्यक्ति की याद दिलाते हो। क्या तुम कोई बाल कलाकार हो?'
‘अह… मैं कई बाल कलाकारों के लिए स्टंट डबल का काम करता हूँ।’
‘ओह! अब समझ में आया।’
हमने उन्हें धन्यवाद दिया और अगले स्टॉप पर जल्दी से उतर गए।

हम मीलों पैदल भटकते रहे, मृत व्यक्ति की तलाश में। किसी को भी पता नहीं था कि वह कहाँ है। उसका नाम फोन बुक में भी नहीं था।
दो बार, पुलिस की गाड़ियों से बचने के लिए हम गलियों में छिप गए।
मैं एक घरेलू उपकरण की दुकान की खिड़की के सामने जम गया क्योंकि टेलीविजन पर एक ऐसे व्यक्ति का साक्षात्कार चल रहा था जो मुझे बहुत जाना-पहचाना लग रहा था - मेरे सौतेले पिता, स्मेली गेब। वह बारबरा वाल्टर्स से बात कर रहे थे - मतलब, मानो वह कोई बहुत बड़े सेलिब्रिटी हों। बारबरा हमारे अपार्टमेंट में पोकर के खेल के बीच में उनका साक्षात्कार ले रही थीं, और उनके बगल में एक युवा गोरी महिला बैठी थी जो उनके हाथ पर थपथपा रही थी। उसके गाल पर एक नकली आंसू चमक रहा था। वह कह रहा था, 'सच कहूँ तो, मिस वाल्टर्स, अगर यहाँ मेरी शोक परामर्शदाता, शुगर न होती, तो मैं पूरी तरह टूट चुका होता। मेरे सौतेले बेटे ने मुझसे वो सब कुछ छीन लिया जिसकी मुझे परवाह थी। मेरी पत्नी... मेरी कैमारो... मैं - मुझे माफ़ करना। मुझे इसके बारे में बात करने में मुश्किल होती है।'
‘ये लीजिए, अमेरिका।’ बारबरा वाल्टर्स कैमरे की ओर मुड़ीं। ‘एक टूटा हुआ इंसान। गंभीर समस्याओं से जूझ रहा एक किशोर लड़का। चलिए, मैं आपको फिर से इस परेशान युवा भगोड़े की आखिरी ज्ञात तस्वीर दिखाती हूँ, जो एक हफ्ते पहले डेनवर में ली गई थी।’
स्क्रीन पर अचानक मेरी, एनाबेथ और ग्रोवर की धुंधली सी तस्वीर दिखाई दी, जिसमें हम कोलोराडो के एक भोजनालय के बाहर खड़े होकर एरेस से बात कर रहे थे।
‘इस तस्वीर में बाकी बच्चे कौन हैं?’ बारबरा वाल्टर्स ने नाटकीय अंदाज़ में पूछा। ‘उनके साथ ये आदमी कौन है? क्या पर्सी जैक्सन कोई अपराधी है, आतंकवादी है, या शायद किसी भयानक नए पंथ का शिकार है जिसका दिमाग़ धो दिया गया है? वापस आने पर हम एक जाने-माने बाल मनोवैज्ञानिक से बात करेंगे। देखते रहिए, अमेरिका।’
‘चलो भी,’ ग्रोवर ने मुझसे कहा। इससे पहले कि मैं किसी घरेलू उपकरण की दुकान की खिड़की में छेद कर पाता, वह मुझे खींचकर ले गया।
अंधेरा हो गया, और भूखे-प्यासे से दिखने वाले लोग सड़कों पर खेलने के लिए निकलने लगे। अब, मुझे गलत मत समझिए। मैं न्यूयॉर्क का रहने वाला हूँ। मैं आसानी से डरता नहीं हूँ। लेकिन लॉस एंजिल्स का माहौल न्यूयॉर्क से

बिल्कुल अलग था। अपने घर पर, सब कुछ पास लगता था। शहर चाहे कितना भी बड़ा हो, आप बिना रास्ता भटके कहीं भी पहुँच सकते थे। सड़कों का जाल और मेट्रो सिस्टम समझ में आता था। हर चीज़ का एक तय सिस्टम था। अगर कोई बच्चा बेवकूफ न हो, तो वह सुरक्षित रह सकता था।
लॉस एंजिल्स ऐसा नहीं था। यह फैला हुआ, अव्यवस्थित और घूमने-फिरने में मुश्किल था। इसने मुझे एरेस की याद दिला दी। लॉस एंजिल्स का बड़ा होना ही काफी नहीं था; उसे शोरगुल, विचित्रता और दुर्गमता से भी अपनी विशालता साबित करनी थी। मुझे नहीं पता था कि हम कल, ग्रीष्म संक्रांति तक, पाताल लोक का प्रवेश द्वार कैसे खोज पाएंगे।
हम गुंडों, आवारा लोगों और सड़क विक्रेताओं के पास से गुजरे, जो हमें ऐसे देख रहे थे मानो वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हों कि क्या हम लूटपाट करने लायक हैं या नहीं।
जैसे ही हम एक गली के प्रवेश द्वार से तेजी से गुजरे, अंधेरे से एक आवाज आई, 'अरे, तुम।'
मैंने बेवकूफी से रुक गया।
इससे पहले कि मैं कुछ समझ पाता, हम घिर गए। बच्चों के एक गिरोह ने हमें घेर लिया था। कुल मिलाकर छह बच्चे थे - महंगे कपड़े पहने गोरे बच्चे, जिनके चेहरे पर एक अजीब सी मुस्कान थी। यान्सी अकादमी के बच्चों की तरह: अमीर बिगड़े हुए बच्चे जो बदमाश बनने का नाटक कर रहे थे।
सहज रूप से, मैंने रिपटाइड का ढक्कन खोल दिया।
जब अचानक तलवार प्रकट हुई, तो बच्चे पीछे हट गए, लेकिन उनका नेता या तो बहुत बेवकूफ था या बहुत बहादुर, क्योंकि वह एक स्विचब्लेड लेकर मेरी ओर बढ़ता रहा।
मैंने झूला झूलने की गलती की।
बच्चा चीख उठा। लेकिन वह पूरी तरह से मर चुका था, क्योंकि तलवार उसके सीने से आर-पार निकल गई। उसने नीचे देखा। 'यह क्या...'
मुझे लगा कि उसके सदमे के गुस्से में बदलने से पहले मेरे पास लगभग तीन सेकंड का समय है। 'भागो!' मैंने एनाबेथ और ग्रोवर पर चिल्लाया।
हमने दो बच्चों को रास्ते से हटाया और गली में तेजी से भागने लगे, हमें पता नहीं था कि हम कहाँ जा रहे हैं। फिर हम एक तीखे मोड़ पर मुड़ गए।
‘वहाँ!’ एनाबेथ चिल्लाई।

उस ब्लॉक में केवल एक ही दुकान खुली हुई दिखाई दी, जिसकी खिड़कियाँ नियॉन लाइटों से जगमगा रही थीं। दरवाजे के ऊपर लगे साइनबोर्ड पर कुछ इस तरह लिखा था: CRSTUY’S WATREBDE ALPACE।
‘क्रस्टी का वाटरबेड पैलेस?’ ग्रोवर ने अनुवाद किया।
यह ऐसी जगह नहीं लग रही थी जहाँ मैं आपात स्थिति को छोड़कर कभी जाऊँगा, लेकिन यह जगह निश्चित रूप से आपात स्थिति की श्रेणी में आती थी।
हम दरवाज़े तोड़कर अंदर घुसे, एक वॉटरबेड के पीछे भागे और छिप गए। पलक झपकते ही, गैंग के बच्चे बाहर से दौड़ते हुए निकल गए।
‘मुझे लगता है हमने उन्हें खो दिया,’ ग्रोवर हांफते हुए बोला।
हमारे पीछे से एक तेज़ आवाज़ आई, 'कौन खो गया?'
हम सब उछल पड़े।
हमारे पीछे एक आदमी खड़ा था जो देखने में किसी शिकारी पक्षी जैसा लग रहा था, मानो उसने कैजुअल सूट पहना हो। उसकी लंबाई कम से कम दो मीटर थी और उसके शरीर पर बिल्कुल बाल नहीं थे। उसकी त्वचा धूसर और चमड़े जैसी थी, आँखें मोटी पलकों वाली थीं और उसकी मुस्कान किसी सरीसृप जैसी ठंडी थी। वह धीरे- धीरे हमारी ओर बढ़ा, लेकिन मुझे लगा कि ज़रूरत पड़ने पर वह तेज़ी से भी आ सकता है।
उसका सूट शायद लोटस कैसिनो से आया होगा। वह सत्तर के दशक का लग रहा था, एकदम ज़बरदस्त। उसकी सिल्क की पैस्ले प्रिंट वाली कमीज़ उसके गंजे सीने पर आधी खुली हुई थी। उसकी मखमली जैकेट के कॉलर इतने चौड़े थे जैसे हवाई जहाज़ के किनारे हों। उसके गले में चांदी की चेनें थीं - मैं उन्हें गिन भी नहीं सकता था।
‘मैं क्रस्टी हूँ,’ उसने पीले रंग की मुस्कान के साथ कहा।
मैंने "हां, तुम हो" कहने की इच्छा को दबा लिया।
मैंने उससे कहा, 'अंदर आने के लिए क्षमा करें। हम बस, उम्म, देख रहे थे।' ‘तुम्हारा मतलब उन निकम्मे बच्चों से छिपना है,’ उसने बड़बड़ाते हुए कहा।
‘वे हर रात यहीं मंडराते रहते हैं। उन्हीं की वजह से मुझे यहाँ बहुत सारे लोग मिलते हैं। जैसे, क्या तुम वाटरबेड देखना चाहोगे?’
मैं 'नहीं, धन्यवाद' कहने ही वाला था कि उसने अपना एक बड़ा सा पंजा मेरे कंधे पर रखा और मुझे शोरूम के अंदर और गहराई तक ले गया।

वहाँ हर तरह के वाटरबेड मौजूद थे जिनकी आप कल्पना कर सकते हैं: अलग-अलग तरह की लकड़ी, अलग-अलग पैटर्न की चादरें; क्वीन-साइज़, किंग-साइज़, ब्रह्मांड के सम्राट के आकार का वाटरबेड।
‘यह मेरा सबसे लोकप्रिय मॉडल है।’ क्रस्टी ने काले साटन की चादरों से ढके बिस्तर पर गर्व से हाथ फैलाए, जिसके हेडबोर्ड पर लावा लैंप लगे हुए थे। गद्दा कंपन कर रहा था, जिससे वह तेल के स्वाद वाली जेली जैसा लग रहा था। क्रस्टी ने हमसे कहा, 'लाखों हाथों से मालिश। चलो, इसे आजमा कर देखो। अरे, झपकी ले लो। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। वैसे भी आज कोई काम नहीं है।'
‘उम,’ मैंने कहा, ‘मुझे नहीं लगता…’
‘लाखों हाथों से मसाज!’ ग्रोवर चिल्लाया और कूद पड़ा। ‘अरे वाह! ये तो कमाल है!’
‘हम्म,’ क्रस्टी ने अपनी चमड़ीदार ठुड्डी सहलाते हुए कहा। ‘लगभग, लगभग।’ मैंने पूछा, 'लगभग क्या?'
उसने एनाबेथ की तरफ देखा। 'मेरी एक मदद करो और इसे यहाँ आज़माकर देखो, जान। शायद फिट हो जाए।'
एनाबेथ ने कहा, 'लेकिन क्या –'
उसने उसे दिलासा देते हुए कंधे पर थपथपाया और उसे सफारी डीलक्स मॉडल के पास ले गया, जिसके फ्रेम पर सागौन की लकड़ी से बने शेरों की नक्काशी थी और तेंदुए के पैटर्न वाली चादर बिछी थी। जब एनाबेथ लेटना नहीं चाहती थी, तो क्रस्टी ने उसे धक्का दिया।
‘अरे!’ उसने विरोध जताया।
क्रस्टी ने उंगलियां चटकाईं। 'एर्गो!'
बिस्तर के किनारों से रस्सियाँ निकलीं और एनाबेथ के चारों ओर लिपट गईं, जिससे वह गद्दे से बंधी रह गई।
ग्रोवर ने उठने की कोशिश की, लेकिन उसके काले साटन के बिस्तर से भी रस्सियाँ निकलीं और उसे नीचे बांध दिया।
‘बिल्कुल भी अच्छा नहीं!’ वह चिल्लाया, लाखों हाथों से मालिश होने के कारण उसकी आवाज कांप रही थी। ‘बिल्कुल भी अच्छा नहीं!’
उस विशालकाय व्यक्ति ने एनाबेथ की ओर देखा, फिर मेरी ओर मुड़ा और मुस्कुराया। 'लगभग हो ही गया था, धिक्कार है।'

मैंने पीछे हटने की कोशिश की, लेकिन उसका हाथ तेजी से बढ़ा और मेरी गर्दन के पीछे जकड़ लिया। 'अरे, बच्चे। चिंता मत करो। हम अभी तुम्हारे लिए एक ढूंढ लेंगे।'
‘मेरे दोस्तों को जाने दो।’
'ओह, जरूर करूँगा। लेकिन पहले मुझे उन्हें फिट करना होगा।'
'आपका क्या मतलब है?'
‘सारे बिस्तर ठीक छह फीट के हैं, देखा? तुम्हारे दोस्त बहुत छोटे हैं। उन्हें फिट करना पड़ेगा।’
एनाबेथ और ग्रोवर संघर्ष करते रहे।
‘मुझे अपूर्ण माप बिल्कुल पसंद नहीं,’ क्रस्टी ने बुदबुदाते हुए कहा। ‘इसलिए!’
बिस्तर के ऊपर और नीचे से रस्सियों का एक नया गुच्छा निकला, जो ग्रोवर और एनाबेथ के टखनों और फिर उनकी बगलों के चारों ओर लिपट गया। रस्सियाँ कसने लगीं और मेरे दोस्तों को दोनों तरफ से खींचने लगीं।
‘चिंता मत करो,’ क्रस्टी ने मुझसे कहा। ‘ये तो बस खींचने वाले काम हैं। शायद इनकी रीढ़ की हड्डी में आठ सेंटीमीटर और बढ़ जाएँ। हो सकता है ये ज़िंदा भी रह जाएँ। अब चलो, तुम्हारे पसंद का बिस्तर ढूंढते हैं, ठीक है?’
‘पर्सी!’ ग्रोवर चिल्लाया।
मेरे दिमाग में तरह-तरह के विचार चल रहे थे। मुझे पता था कि मैं अकेले इस विशालकाय वॉटरबेड विक्रेता का सामना नहीं कर सकता। तलवार निकालने से पहले ही वह मेरी गर्दन तोड़ देगा।
मैंने पूछा, 'आपका असली नाम क्रस्टी तो नहीं है?'
उन्होंने स्वीकार किया, 'कानूनी तौर पर, यह प्रोक्रस्टेस है।'
मैंने कहा, 'स्ट्रेचर।' मुझे वह कहानी याद आ गई: वह दैत्य जिसने एथेंस जाते समय थीसियस को अत्यधिक आतिथ्य सत्कार के कारण मारने की कोशिश की थी। ‘हाँ,’ विक्रेता ने कहा। ‘लेकिन “प्रोक्रस्टेस” का उच्चारण कौन कर सकता है? व्यापार के लिए बुरा है। “क्रस्टी” तो कोई भी बोल सकता है।’
‘आप सही कह रहे हैं। यह सुनने में अच्छा लगता है।’
उसकी आँखें चमक उठीं। 'क्या तुम्हें ऐसा लगता है?'
‘ओह, बिलकुल,’ मैंने कहा। ‘और इन बिस्तरों की कारीगरी? लाजवाब!’

वह ज़ोर से मुस्कुराया, लेकिन मेरी गर्दन पर उसकी उंगलियां नहीं छूटीं। 'मैं अपने ग्राहकों से यही कहता हूं। हर बार। कोई भी कारीगरी पर ध्यान नहीं देता। आपने कितने बिल्ट-इन लावा लैंप हेडबोर्ड देखे हैं?'
‘बहुत ज्यादा नहीं।’
'यह सही है!'
‘पर्सी!’ एनाबेथ चिल्लाई। ‘तुम क्या कर रहे हो?’
मैंने प्रोक्रस्टेस से कहा, 'उसकी परवाह मत करो। वह नामुमकिन है।'
उस विशालकाय व्यक्ति ने हंसते हुए कहा, 'मेरे सभी ग्राहक ऐसे ही हैं। कभी भी ठीक छह फीट के नहीं होते। कितने लापरवाह हैं! और फिर वे कपड़ों की फिटिंग की शिकायत करते हैं।'
‘अगर वे छह फीट से अधिक लंबे हों तो आप क्या करेंगे?’
'अरे, ऐसा तो अक्सर होता रहता है। इसे ठीक करना बहुत आसान है।'
उसने मेरी गर्दन छोड़ दी, लेकिन इससे पहले कि मैं कुछ प्रतिक्रिया कर पाता, वह पास के एक बिक्री डेस्क के पीछे गया और एक विशाल दोधारी पीतल की कुल्हाड़ी निकाल लाया। उसने कहा, 'मैं जितना हो सके शिकार को बीच में रखता हूँ और दोनों तरफ लटके हुए हिस्से को काट देता हूँ।'
‘आह,’ मैंने मुश्किल से निगलते हुए कहा। ‘समझदारी वाली बात है।’
मुझे एक बुद्धिमान ग्राहक से मिलकर बहुत खुशी हुई!
मेरे दोस्तों, रस्सियाँ अब सचमुच बहुत खिंच रही थीं। एनाबेथ का चेहरा पीला पड़ रहा था। ग्रोवर गले में फँसे हंस की तरह अजीब-अजीब आवाजें निकाल रहा था।
‘तो, क्रस्टी…’ मैंने अपनी आवाज़ को हल्का रखने की कोशिश करते हुए कहा। मैंने वैलेंटाइन कार्ड के आकार वाले हनीमून स्पेशल पर लगे सेल्स टैग पर नज़र डाली। ‘क्या इसमें वाकई लहरों की गति को रोकने के लिए डायनामिक स्टेबिलाइज़र लगे हैं?’
'बिल्कुल। इसे आजमा कर देखें।'
'हां, शायद मैं कर लूँ। लेकिन क्या यह तुम्हारे जैसे बड़े आदमी के लिए भी काम करेगा? बिल्कुल भी लहरें नहीं?'
‘गारंटीशुदा।’
'बिलकुल नहीं।'
'रास्ता।'

'मुझे दिखाओ।'
वह उत्सुकता से बिस्तर पर बैठ गया और गद्दे को थपथपाते हुए बोला, 'कोई लहर नहीं है। देखा?'
मैंने उंगलियां चटकाईं। 'इसलिए।'
रस्सियों को क्रस्टी के चारों ओर कसकर बांध दिया गया और उसे गद्दे पर चपटा कर दिया गया।
‘अरे!’ उसने चिल्लाकर कहा।
मैंने कहा, 'उसे बिल्कुल बीच में रखो।'
मेरी आज्ञा पर रस्सियाँ अपने आप समायोजित हो गईं। क्रस्टी का पूरा सिर ऊपर से बाहर निकला हुआ था। उसके पैर नीचे से बाहर निकले हुए थे।
‘नहीं!’ उसने कहा। ‘रुको! यह तो सिर्फ एक डेमो है।’
मैंने रिपटाइड का ढक्कन खोला। ‘कुछ सरल समायोजन…’
मैं जो करने वाला था, उसमें मुझे कोई संकोच नहीं था। अगर क्रस्टी इंसान होता, तो मैं उसे वैसे भी नुकसान नहीं पहुंचा सकता था। अगर वह राक्षस होता, तो वह कुछ समय के लिए धूल में मिल जाने का हकदार था।
उन्होंने मुझसे कहा, 'आप मोलभाव करने में बहुत सख्त हैं। मैं आपको चुनिंदा फ्लोर मॉडल पर तीस प्रतिशत की छूट दूंगा!'
‘मुझे लगता है मैं सबसे ऊपर से शुरू करूंगा।’ मैंने अपनी तलवार उठाई। ‘बिना डाउन पेमेंट के! छह महीने तक कोई ब्याज नहीं!’
मैंने तलवार चलाई। क्रस्टी ने प्रस्ताव देना बंद कर दिया।
मैंने बाकी बिस्तरों की रस्सियाँ काट दीं। एनाबेथ और ग्रोवर दर्द से कराहते, सिकुड़ते और मुझे खूब कोसते हुए खड़े हो गए।
मैंने कहा, 'तुम पहले से लंबे लग रहे हो।'
‘बहुत मजेदार,’ एनाबेथ ने कहा। ‘अगली बार थोड़ा तेज करना।’
मैंने क्रस्टी के सेल्स डेस्क के पीछे लगे बुलेटिन बोर्ड पर नज़र डाली। वहाँ हर्मेस डिलीवरी सर्विस का एक विज्ञापन था, और दूसरा एल.ए. एरिया मॉन्स्टर्स के बिल्कुल नए संकलन का – ‘राक्षसी जीवों की एकमात्र येलो पेज बुक जिसकी आपको कभी ज़रूरत पड़ेगी!’ उसके नीचे, डीओए रिकॉर्डिंग स्टूडियो का एक चमकीले नारंगी रंग का पोस्टर था, जिसमें नायकों की आत्माओं के लिए कमीशन की पेशकश की गई थी। ‘हम हमेशा नई प्रतिभाओं की तलाश में रहते हैं!’ डीओए का पता और नक्शा ठीक उसके नीचे दिया गया था।

‘चलो,’ मैंने अपने दोस्तों से कहा।
‘हमें एक मिनट दीजिए,’ ग्रोवर ने शिकायत की। ‘हम लगभग मरते-मरते बचे!’
‘तो फिर तुम पाताल लोक के लिए तैयार हो,’ मैंने कहा। ‘यह यहाँ से बस एक ब्लॉक दूर है।’

18 एनाबेथ आज्ञापालन स्कूल जाती है

हम वैलेंसिया बुलेवार्ड की छाया में खड़े थे, और काले संगमरमर पर सुनहरे अक्षरों में खुदे हुए इस अक्षर को देख रहे थे: डीओए रिकॉर्डिंग स्टूडियो। नीचे, कांच के दरवाजों पर स्टेंसिल से लिखा हुआ था: विक्रेताओं का प्रवेश वर्जित। आवारागर्दी वर्जित। रहना वर्जित।
लगभग आधी रात हो चुकी थी, लेकिन लॉबी में खूब रोशनी थी और वह लोगों से भरी हुई थी। सुरक्षा डेस्क के पीछे धूप का चश्मा और कान में ईयरपीस लगाए एक सख्त दिखने वाला गार्ड बैठा था।
मैंने अपने दोस्तों की ओर मुड़कर कहा, 'ठीक है। तुम्हें योजना याद है?' ‘योजना!’ ग्रोवर ने घबराकर कहा। ‘हाँ। मुझे योजना बहुत पसंद है।’
एनाबेथ ने कहा, 'अगर योजना काम नहीं करती तो क्या होगा?'
नकारात्मक मत सोचो।
‘ठीक है,’ उसने कहा। ‘हम मृतकों की भूमि में प्रवेश कर रहे हैं, और मुझे नकारात्मक नहीं सोचना चाहिए।’
मैंने अपनी जेब से मोती निकाले, वे तीन दूधिया गोले जो नेरीड ने मुझे सांता मोनिका में दिए थे। किसी गड़बड़ी की स्थिति में ये कोई खास बैकअप नहीं लग रहे थे।
एनाबेथ ने अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा। 'मुझे माफ करना, पर्सी। तुम सही कह रहे हो, हम कामयाब हो जाएंगे। सब ठीक हो जाएगा।'
उसने ग्रोवर को हल्का सा धक्का दिया।
‘ओह, ठीक है!’ उसने बीच में कहा। ‘हम यहाँ तक पहुँच गए हैं। चलो मास्टर बोल्ट ढूंढो और अपनी माँ को बचाओ। कोई दिक्कत नहीं।’
मैंने उन दोनों को देखा और सचमुच कृतज्ञता महसूस की। कुछ ही मिनट पहले, मैंने उन्हें आलीशान वॉटरबेड पर इतना ज़्यादा खींच दिया था कि वे लगभग मर ही गए थे, और अब वे मेरे लिए बहादुरी दिखाने की कोशिश कर रहे थे, मुझे बेहतर महसूस कराने की कोशिश कर रहे थे।
मैंने मोतियों को वापस अपनी जेब में रख लिया। 'चलो अंडरवर्ल्ड के कुछ बदमाशों की धुलाई करते हैं।'
हम डीओए की लॉबी के अंदर चले गए।

छिपे हुए स्पीकरों पर धीमी आवाज़ में संगीत बज रहा था। कालीन और दीवारें स्टील ग्रे रंग की थीं। कोनों में पेंसिल कैक्टस कंकाल के हाथों की तरह उग रहे थे। फर्नीचर काले चमड़े का था और हर सीट भरी हुई थी। कुछ लोग सोफे पर बैठे थे, कुछ खड़े थे, कुछ खिड़कियों से बाहर देख रहे थे या लिफ्ट का इंतज़ार कर रहे थे। कोई हिल-डुल नहीं रहा था, न कोई बात कर रहा था, न ही कोई हलचल कर रहा था। मेरी नज़र के कोने से मैं उन सबको साफ़-साफ़ देख पा रहा था, लेकिन अगर मैं उनमें से किसी एक पर ध्यान केंद्रित करता, तो वे… पारदर्शी लगने लगते। मैं उनके शरीर के आर-पार देख सकता था।
सुरक्षा गार्ड की डेस्क एक ऊंचे चबूतरे जैसी थी, इसलिए हमें उसे देखने के लिए ऊपर की ओर देखना पड़ता था।
वह लंबा और आकर्षक था, उसकी त्वचा चॉकलेट रंग की थी और उसके बाल मिलिट्री स्टाइल में शेव किए हुए थे, जो ब्लीच किए हुए सुनहरे रंग के थे। उसने कछुए के खोल जैसे रंग का चश्मा और रेशमी इतालवी सूट पहना था जो उसके बालों से मेल खाता था। उसकी जैकेट के कॉलर पर एक चांदी के नाम टैग के नीचे एक काला गुलाब लगा हुआ था।
मैंने नेम टैग पढ़ा, फिर हैरानी से उसकी तरफ देखा। 'आपका नाम चिरोन है?' वह डेस्क के पार झुक गया। मुझे उसके चश्मे में अपनी परछाई के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन उसकी मुस्कान मीठी और ठंडी थी, बिल्कुल अजगर की तरह, जैसे वह आपको खाने से ठीक पहले मुस्कुराता है।
‘कितना प्यारा नौजवान है!’ उसका लहजा अजीब था – शायद ब्रिटिश लहजा, लेकिन ऐसा भी लग रहा था जैसे उसने अंग्रेज़ी दूसरी भाषा के तौर पर सीखी हो। ‘बताओ यार, क्या मैं सेंटॉर जैसा दिखता हूँ?’
‘नहीं।’
‘सर,’ उसने सहजता से कहा।
‘सर,’ मैंने कहा।
उसने नेम टैग को चुटकी से पकड़ा और अक्षरों के नीचे उंगली फेरते हुए कहा, 'क्या तुम इसे पढ़ सकते हो, दोस्त? इस पर लिखा है C-H-A-R-O-N। मेरे साथ बोलो: CARE-ON।'
‘चारोन।’
‘अद्भुत! अब: श्री चैरन।’
मैंने कहा, 'श्रीमान चारोन।'

‘शाबाश!’ वह पीछे झुक गया। ‘मुझे उस बूढ़े घुड़सवार से भ्रमित होना बिल्कुल पसंद नहीं है। और अब, मैं तुम नन्हे मृतकों की क्या मदद कर सकता हूँ?’ उसके सवाल ने मेरे पेट में तेज गेंद की तरह झटका दिया। मैंने समर्थन के लिए एनाबेथ की ओर देखा।
उसने कहा, 'हम पाताल लोक जाना चाहते हैं।'
चारोन के होंठ फड़कने लगे। 'वाह, यह तो ताज़गी देने वाला है।'
‘क्या सच में?’ उसने पूछा।
‘स्पष्ट और ईमानदार। कोई चीख-पुकार नहीं। कोई “ज़रूर कोई गलती हुई होगी, मिस्टर चैरन” नहीं।’ उन्होंने हमें ऊपर से नीचे तक देखा। ‘तो फिर आपकी मृत्यु कैसे हुई?’
मैंने ग्रोवर को कोहनी मारी।
‘ओह,’ उसने कहा। ‘उम… बाथटब में डूब गया…’
‘आप तीनों?’ चारोन ने पूछा।
हमने सिर हिलाया।
‘बड़ा सा बाथटब।’ चारोन थोड़ा प्रभावित हुआ। ‘मुझे नहीं लगता कि आपके पास यात्रा के लिए सिक्के होंगे। वैसे तो, वयस्कों के साथ, मैं आपके अमेरिकन एक्सप्रेस कार्ड से भुगतान ले सकता हूँ, या फेरी का किराया आपके पिछले केबल बिल में जोड़ सकता हूँ। लेकिन बच्चों के साथ... अफसोस, आप कभी भी पूरी तैयारी के साथ नहीं मरते। लगता है आपको कुछ सदियों तक बैठना पड़ेगा।’ ‘अरे, हमारे पास तो सिक्के हैं।’ मैंने काउंटर पर तीन सोने के ड्रैक्मा रखे, जो क्रस्टी के ऑफिस डेस्क में मिले सिक्कों के भंडार का हिस्सा थे। ‘अच्छा, अब…’ चारोन ने अपने होंठ गीले किए। ‘असली ड्रैक्मा। असली सोने के ड्रैक्मा। मैंने इन्हें तो बहुत समय से नहीं देखा…’
उसकी उंगलियां लालच से सिक्कों के ऊपर मंडरा रही थीं।
हम बहुत करीब थे।
फिर चैरन ने मेरी तरफ देखा। उसके चश्मे के पीछे से आती वो ठंडी निगाहें मानो मेरे सीने में छेद कर रही थीं। ‘सुनो,’ उसने कहा। ‘तुम मेरा नाम ठीक से नहीं पढ़ पाए। क्या तुम्हें डिस्लेक्सिया है, लड़के?’
‘नहीं,’ मैंने कहा। ‘मैं मर चुका हूँ।’
चारोन आगे झुका और सूंघा। 'तुम मरे नहीं हो। मुझे पता होना चाहिए था। तुम एक देवता के बच्चे हो।'

मैंने जोर देकर कहा, 'हमें पाताल लोक तक पहुंचना ही होगा।'
चारोन ने अपने गले से एक गुर्राहट भरी आवाज निकाली।
तुरंत ही प्रतीक्षालय में बैठे सभी लोग उठ खड़े हुए और बेचैनी से इधर-उधर घूमने लगे, सिगरेट जलाने लगे, अपने बालों में हाथ फेरने लगे या अपनी घड़ियाँ देखने लगे।
'जब तक मौका है, चले जाओ,' चारोन ने हमसे कहा। 'मैं बस इन्हें ले जाऊंगा और भूल जाऊंगा कि मैंने तुम्हें देखा था।'
उसने सिक्के लेने की कोशिश शुरू की, लेकिन मैंने उन्हें वापस छीन लिया।
‘कोई सेवा नहीं, कोई टिप नहीं।’ मैंने जितना महसूस किया, उससे कहीं अधिक साहसी दिखने की कोशिश की।
चारोन ने फिर से दहाड़ मारी - एक गहरी, रोंगटे खड़े कर देने वाली आवाज़।
मृतकों की आत्माएं लिफ्ट के दरवाजों पर ज़ोर-ज़ोर से दस्तक देने लगीं।
‘यह बहुत दुख की बात है,’ मैंने आह भरी। ‘हम और भी बहुत कुछ कर सकते थे।’ मैंने क्रस्टी के खजाने से पूरा थैला ऊपर उठाया। मैंने उसमें से मुट्ठी भर ड्रैक्मा निकाले और सिक्के मेरी उंगलियों से बिखर गए।
चारोन की दहाड़ शेर की गुर्राहट जैसी हो गई। 'क्या तुम्हें लगता है कि मुझे खरीदा जा सकता है, नन्हे देवता? उह... बस जिज्ञासावश पूछ रहा हूँ, तुम्हारे पास कितना पैसा है?'
मैंने कहा, 'बहुत ज्यादा। मुझे यकीन है कि इतनी मेहनत के लिए नरक तुम्हें पर्याप्त वेतन नहीं देता होगा।'
अरे, आपको तो आधी बात भी नहीं पता। इन आत्माओं की दिनभर देखभाल करना कैसा लगेगा? हमेशा "कृपया मुझे मरने मत देना" या "कृपया मुझे मुफ्त में पार करा दो"। मेरी तनख्वाह तीन हज़ार सालों से नहीं बढ़ी है। क्या आपको लगता है कि ऐसे सूट सस्ते मिलते होंगे?
मैंने सहमति जताते हुए कहा, 'आप इससे बेहतर के हकदार हैं। थोड़ी सराहना। सम्मान। अच्छा वेतन।'
हर शब्द के साथ, मैं काउंटर पर एक और सोने का सिक्का रखता गया।
चारोन ने अपनी रेशमी इतालवी जैकेट पर एक नज़र डाली, मानो वह खुद को इससे भी बेहतर किसी चीज़ में कल्पना कर रहा हो। 'मुझे कहना पड़ेगा, लड़के, अब तुम्हारी बात में कुछ तो समझदारी आ रही है। बस थोड़ी सी।'

मैंने कुछ और सिक्के जमा किए। 'हेड्स से बात करते समय मैं वेतन वृद्धि का जिक्र कर सकता हूँ।'
उसने आह भरी। 'नाव तो वैसे भी लगभग भर चुकी है। क्यों न मैं तुम तीनों को भी बिठा लूं और चल दूं।'
वह खड़ा हुआ, हमारे पैसे उठाए और बोला, 'चलो मेरे साथ।'
हम प्रतीक्षा कर रही आत्माओं की भीड़ को चीरते हुए आगे बढ़े, जो हवा की तरह हमारे कपड़ों को पकड़ने लगीं, उनकी फुसफुसाहटें कुछ ऐसी थीं जिन्हें मैं समझ नहीं पा रहा था। चारोन ने उन्हें रास्ते से हटाते हुए बड़बड़ाया, 'मुफ्तखोर।'
वह हमें लिफ्ट तक ले गया, जो पहले से ही मृतकों की आत्माओं से भरी हुई थी, जिनमें से प्रत्येक के पास हरा बोर्डिंग पास था। चारोन ने हमारे साथ लिफ्ट में चढ़ने की कोशिश कर रही दो आत्माओं को पकड़ा और उन्हें वापस लॉबी में धकेल दिया।
‘ठीक है। अब, मेरे जाने के बाद किसी को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए,’ उसने प्रतीक्षाकक्ष में घोषणा की। ‘और अगर किसी ने मेरे सुकून भरे संगीत वाले स्टेशन का डायल फिर से हटाया, तो मैं यह सुनिश्चित कर दूंगा कि तुम यहाँ एक हजार साल और रहो। समझे?’
उसने दरवाजे बंद कर दिए। उसने लिफ्ट के पैनल में बने स्लॉट में एक की कार्ड डाला और हम नीचे उतरने लगे।
‘लॉबी में इंतजार कर रही आत्माओं का क्या होता है?’ एनाबेथ ने पूछा।
'कुछ नहीं,' चारोन ने कहा।
'कितनी देर के लिए?'
'हमेशा के लिए, या जब तक मेरा मन उदार न हो।'
‘ओह,’ उसने कहा। ‘यह… उचित है।’
चारोन ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, 'किसने कहा था कि मृत्यु न्यायसंगत होती है, युवती? अपनी बारी आने का इंतज़ार करो। जहाँ तुम जा रही हो, वहाँ तुम्हारी मृत्यु भी जल्द ही हो जाएगी।'
मैंने कहा, 'हम जिंदा बच निकलेंगे।'
‘हा।’
मुझे अचानक चक्कर आने लगा। हम अब नीचे नहीं जा रहे थे, बल्कि आगे बढ़ रहे थे। हवा धुंधली हो गई। मेरे आस-पास की आत्माओं का रूप बदलने लगा। उनके

आधुनिक वस्त्र झिलमिलाते हुए भूरे रंग के हुड वाले चोगे में बदल गए। लिफ्ट का फर्श हिलने लगा।
मैंने पलकें झपकाईं। जब मैंने आँखें खोलीं, तो चारोन का मलाईदार इतालवी सूट एक लंबे काले चोगे से बदल गया था। उसके कछुए के खोल जैसे चश्मे गायब थे। जहाँ उसकी आँखें होनी चाहिए थीं, वहाँ खाली गड्ढे थे - एरेस की आँखों की तरह, सिवाय इसके कि चारोन की आँखें पूरी तरह से काली थीं, रात, मृत्यु और निराशा से भरी हुई थीं।
उसने मुझे देखते हुए पाया और कहा, 'तो?'
मैंने किसी तरह कहा, 'कुछ नहीं।'
मुझे लगा कि वह मुस्कुरा रहा है, लेकिन ऐसा नहीं था। उसके चेहरे की त्वचा पारदर्शी होती जा रही थी, जिससे मुझे उसकी खोपड़ी सीधे दिखाई दे रही थी। फर्श लगातार हिल रहा था।
ग्रोवर ने कहा, 'मुझे लगता है कि मुझे समुद्री बीमारी हो रही है।'
जब मैंने दोबारा पलकें झपकाईं, तो लिफ्ट अब लिफ्ट नहीं थी। हम एक लकड़ी के बजरे में खड़े थे। चारोन हमें एक अंधेरी, तैलीय नदी के पार ले जा रहा था, जो हड्डियों, मरी हुई मछलियों और अन्य अजीबोगरीब चीजों से भरी हुई थी - प्लास्टिक की गुड़िया, कुचले हुए कार्नेशन, सुनहरे किनारों वाले भीगे हुए डिप्लोमा।
‘स्टिक्स नदी,’ एनाबेथ ने धीरे से कहा। ‘यह तो बहुत ही…’
‘प्रदूषित,’ चारोन ने कहा। ‘हजारों वर्षों से तुम मनुष्य जो कुछ भी पाते हो, सब कुछ फेंकते आ रहे हो – आशाएं, सपने, इच्छाएं जो कभी पूरी नहीं हुईं। मेरे हिसाब से यह अपशिष्ट प्रबंधन की घोर लापरवाही है।’
गंदे पानी से धुंध उठ रही थी। हमारे ऊपर, लगभग अंधकार में खोई हुई, स्टैलेक्टाइट्स की एक छत थी। आगे, दूर का किनारा जहर के रंग जैसी हरी रोशनी से जगमगा रहा था।
घबराहट से मेरा गला सूख गया। मैं यहाँ क्या कर रहा था? मेरे आस-पास के ये लोग... वे तो मर चुके थे।
एनाबेथ ने मेरा हाथ पकड़ लिया। सामान्य परिस्थितियों में, इससे मुझे शर्मिंदगी होती, लेकिन मैं उसकी भावनाओं को समझती थी। वह यह आश्वासन चाहती थी कि इस नाव पर कोई और भी जीवित है।

मैं अपने आप से प्रार्थना बुदबुदाने लगा, हालाँकि मुझे ठीक से पता नहीं था कि मैं किससे प्रार्थना कर रहा था। यहाँ, केवल एक ही ईश्वर मायने रखता था, और वही वह था जिससे मुझे सामना करना था।
पाताल लोक का किनारा नज़र आने लगा। ऊबड़-खाबड़ चट्टानें और काली ज्वालामुखी रेत लगभग पचास मीटर अंदर की ओर एक ऊँची पत्थर की दीवार तक फैली हुई थीं, जो हमारी दृष्टि की हर दिशा में दूर तक फैली हुई थी। हरे-भरे अंधकार में कहीं से एक आवाज़ आई, जो पत्थरों से टकराकर गूंज उठी - किसी बड़े जानवर की दहाड़।
“बूढ़े तीन मुख वाले को भूख लगी है,” चारोन ने कहा। हरे रंग की रोशनी में उसकी मुस्कान कंकाल जैसी हो गई। “देवताओं, तुम्हारे लिए बुरी किस्मत।” हमारी नाव का निचला हिस्सा काली रेत पर फिसल गया। मृत लोग उतरने लगे। एक महिला एक छोटी बच्ची का हाथ पकड़े हुए थी। एक बूढ़ा आदमी और एक बूढ़ी औरत हाथ में हाथ डाले लड़खड़ाते हुए चल रहे थे। एक लड़का, जो मुझसे थोड़ा ही बड़ा था, अपनी धूसर पोशाक में चुपचाप धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था।
चारोन ने कहा, 'मैं तुम्हें शुभकामनाएँ देना चाहता था, दोस्त, लेकिन यहाँ कोई शुभकामनाएँ नहीं हैं। ध्यान रहे, मेरी वेतन वृद्धि का ज़िक्र करना मत भूलना।'
उसने हमारे सोने के सिक्के अपनी थैली में गिने, फिर अपना डंडा उठाया। नदी के उस पार खाली नाव को ले जाते हुए वह कुछ गुनगुना रहा था जो बैरी मैनिलो के गाने जैसा लग रहा था।
हमने आत्माओं का अनुसरण करते हुए एक सुप्रसिद्ध मार्ग पर चलना शुरू किया। मुझे ठीक से पता नहीं था कि मैं क्या उम्मीद कर रहा था - स्वर्ग का द्वार, या कोई बड़ा काला फाटक, या कुछ और। लेकिन पाताल लोक का प्रवेश द्वार हवाई अड्डे की सुरक्षा और जर्सी टर्नपाइक के मिश्रण जैसा लग रहा था।
एक विशाल काले मेहराब के नीचे तीन अलग-अलग प्रवेश द्वार थे, जिन पर लिखा था: आप अब एरेबस में प्रवेश कर रहे हैं। प्रत्येक प्रवेश द्वार पर सुरक्षा कैमरों के साथ एक मेटल डिटेक्टर लगा हुआ था। इसके आगे टोल बूथ थे, जिन पर चैरन जैसे काले वस्त्रधारी पिशाच तैनात थे।
भूखे जानवर की दहाड़ अब बहुत तेज़ थी, लेकिन मुझे पता नहीं चल रहा था कि आवाज़ कहाँ से आ रही है। तीन सिर वाला कुत्ता, सेर्बेरस, जिसे हेड्स के द्वार की रखवाली करनी थी, कहीं नज़र नहीं आ रहा था।

मृतकों को तीन पंक्तियों में कतारबद्ध किया गया था, जिनमें से दो पर लिखा था: ड्यूटी पर मौजूद सेवक, और एक पर लिखा था: आसान मौत। आसान मौत वाली पंक्ति तेजी से आगे बढ़ रही थी। बाकी दो पंक्तियाँ रेंगती हुई चल रही थीं। मैंने एनाबेथ से पूछा, 'तुम्हारा क्या विचार है?'
उन्होंने कहा, 'सीधी और त्वरित प्रक्रिया एस्फोडेल तक ही होनी चाहिए। कोई प्रतिस्पर्धा नहीं। वे अदालत के फैसले का जोखिम नहीं उठाना चाहते, क्योंकि यह उनके खिलाफ जा सकता है।'
‘क्या मृतकों के लिए भी कोई अदालत है?’
'हाँ। तीन न्यायाधीश होते हैं। वे बारी-बारी से न्यायाधीशों का चयन करते हैं। राजा मिनोस, थॉमस जेफरसन, शेक्सपियर - ऐसे ही लोग। कभी-कभी वे किसी के जीवन को देखते हैं और तय करते हैं कि उस व्यक्ति को एक विशेष पुरस्कार मिलना चाहिए - स्वर्ग का स्थान। कभी-कभी वे दंड का फैसला करते हैं। लेकिन ज्यादातर लोग, वे बस जीते हैं। कुछ खास नहीं, अच्छा या बुरा। इसलिए वे स्वर्ग के स्थान पर जाते हैं।'
और क्या करें?
ग्रोवर ने कहा, 'कल्पना कीजिए कि आप कंसास के एक गेहूं के खेत में खड़े हैं। हमेशा के लिए।'
मैंने कहा, 'हर्ष।'
‘इतना कठोर नहीं,’ ग्रोवर ने बुदबुदाते हुए कहा। ‘देखो।’
काले वस्त्र पहने दो पिशाचों ने एक आत्मा को एक तरफ खींच लिया था और सुरक्षा डेस्क पर उसकी तलाशी ले रहे थे। मृत व्यक्ति का चेहरा कुछ जाना- पहचाना सा लग रहा था।
'वह वही उपदेशक है जो खबरों में आया था, याद है?' ग्रोवर ने पूछा।
‘ओह, हाँ।’ मुझे अब याद आ गया। हमने उसे यान्सी अकादमी के छात्रावास में टीवी पर कुछ बार देखा था। वह न्यूयॉर्क के ऊपरी हिस्से से आया एक चिड़चिड़ा उपदेशक था, जिसने अनाथालयों के लिए लाखों डॉलर जुटाए थे और फिर अपने आलीशान घर के लिए सोने की परत चढ़ी टॉयलेट सीट और इनडोर पुट-पुट गोल्फ कोर्स जैसी चीज़ों पर पैसा खर्च करते हुए पकड़ा गया था। पुलिस पीछा करने के दौरान उसकी मौत हो गई थी जब उसकी "भगवान के लिए लेम्बोर्गिनी" एक चट्टान से नीचे गिर गई थी।
मैंने कहा, 'वे उसके साथ क्या कर रहे हैं?'

ग्रोवर ने अनुमान लगाया, 'हेड्स की ओर से विशेष दंड। जो लोग वास्तव में बुरे होते हैं, उन्हें आते ही हेड्स का विशेष ध्यान मिलता है। दयालु लोग उसके लिए शाश्वत यातना की व्यवस्था करेंगे।'
फ्यूरीज़ के ख्याल से ही मेरे रोंगटे खड़े हो गए। मुझे एहसास हुआ कि मैं अब उनके इलाके में आ गया हूँ। बूढ़ी श्रीमती डॉड्स बेसब्री से अपनी जीभ लपलपा रही होंगी।
लेकिन अगर वह उपदेशक है,’ मैंने कहा, ‘और वह किसी अलग तरह के नरक में विश्वास करता है…’
ग्रोवर ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'कौन कहता है कि वह इस जगह को वैसे ही देख रहा है जैसे हम देख रहे हैं? इंसान वही देखते हैं जो वे देखना चाहते हैं। वे बहुत जिद्दी होते हैं - मतलब, इस मामले में अड़े रहते हैं।'
हम फाटकों के और करीब पहुँच गए। अब चीख इतनी तेज़ थी कि मेरे पैरों के नीचे की ज़मीन काँप रही थी, लेकिन मुझे अभी भी समझ नहीं आ रहा था कि यह आवाज़ कहाँ से आ रही है।
फिर, हमारे ठीक पंद्रह मीटर आगे, हरी धुंध झिलमिला उठी। जहाँ से रास्ता तीन गलियों में बँटता था, वहीं एक विशालकाय, छायादार राक्षस खड़ा था।
मैंने इसे पहले नहीं देखा था क्योंकि यह आधा पारदर्शी था, जैसे कोई मृत वस्तु। जब तक यह हिलता नहीं, तब तक यह अपने पीछे की हर चीज़ में घुलमिल जाता था। केवल इसकी आँखें और दाँत ही ठोस दिखाई देते थे। और यह सीधे मेरी ओर घूर रहा था।
मेरा मुंह खुला का खुला रह गया। मेरे मुंह से बस इतना ही निकला, 'यह एक रॉटवीलर है।'
मैंने हमेशा सेर्बेरस को एक बड़े काले मास्टिफ़ कुत्ते के रूप में कल्पना की थी। लेकिन वह स्पष्ट रूप से एक शुद्ध नस्ल का रॉटवीलर था, सिवाय इसके कि वह ऊनी मैमथ से दोगुना बड़ा था, लगभग अदृश्य था और उसके तीन सिर थे।
मृत आत्माएं बिना किसी भय के सीधे उसके पास आ गईं। ड्यूटी पर तैनात परिचारक की रेखाएं उसके दोनों ओर खुल गईं। सहज मृत्यु की आत्माएं उसके अगले पंजों के बीच से और उसके पेट के नीचे से निकल गईं, जो वे बिना झुके भी कर सकती थीं।
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, 'मुझे वो अब बेहतर दिखने लगा है। ऐसा क्यों?'

‘मुझे लगता है…’ एनाबेथ ने अपने होंठ गीले किए। ‘मुझे डर है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि हम मौत के करीब पहुँच रहे हैं।’
कुत्ते का बीच वाला सिर हमारी ओर उठा। उसने हवा को सूंघा और गुर्राया। मैंने कहा, 'यह जीवित प्राणियों की गंध पहचान सकता है।'
‘लेकिन कोई बात नहीं,’ ग्रोवर ने मेरे बगल में कांपते हुए कहा। ‘क्योंकि हमारे पास एक योजना है।’
‘ठीक है,’ एनाबेथ ने कहा। मैंने उसकी आवाज़ इतनी धीमी पहले कभी नहीं सुनी थी। ‘एक योजना।’
हम उस राक्षस की ओर बढ़े।
बीच वाले सिर ने हम पर गुर्राया, फिर इतनी जोर से भौंका कि मेरी आंखें फटी रह गईं।
मैंने ग्रोवर से पूछा, 'क्या तुम इसे समझ सकते हो?'
‘ओह हां,’ उसने कहा। ‘मैं इसे समझ सकता हूं।’
‘यह क्या कह रहा है?’
मुझे नहीं लगता कि मनुष्यों के पास ऐसा कोई चार अक्षरों वाला शब्द है जो इसका सटीक अनुवाद कर सके।
मैंने अपने बैग से एक बड़ी सी छड़ी निकाली – क्रस्टी के सफारी डीलक्स फ्लोर मॉडल से तोड़ा हुआ एक बेड पोस्ट। मैंने उसे ऊपर उठाया और सेर्बेरस की ओर खुश कुत्ते वाले विचार लाने की कोशिश की – अल्पो के विज्ञापन, प्यारे छोटे पिल्ले, फायर हाइड्रेंट। मैंने मुस्कुराने की कोशिश की जैसे मैं मरने वाला नहीं हूँ।
‘हे बिग फेलो,’ मैंने फोन किया। ‘मुझे यकीन है कि वे तुम्हारे साथ ज्यादा नहीं खेलते होंगे।’
‘ग्रोव्व्व्व्व्व्व्व!’
मैंने कमजोर आवाज में कहा, 'अच्छा लड़का।'
मैंने छड़ी हिलाई। कुत्ते का बीच वाला सिर मेरे इशारे पर घूम गया। बाकी दोनों सिरों ने अपनी निगाहें मुझ पर टिका दीं, आत्माओं को पूरी तरह से अनदेखा करते हुए। सेर्बेरस का पूरा ध्यान मुझ पर था। मुझे यकीन नहीं था कि यह अच्छी बात थी।
‘लाओ!’ मैंने छड़ी को अंधेरे में फेंका, ज़ोरदार फेंका। मुझे नदी स्टिक्स में उसके गिरने की आवाज़ सुनाई दी।

सेर्बेरस ने मुझे घूरकर देखा, मानो उसमें कोई भाव ही न हो। उसकी आँखें भयावह और ठंडी थीं।
योजना का तो यही हाल हुआ।
अब सेर्बेरस एक नई तरह की गुर्राहट निकाल रहा था, जो उसके तीनों गले से और भी गहरी थी।
‘उम,’ ग्रोवर ने कहा। ‘पर्सी?’
'हाँ?'
मुझे लगा कि आपको यह जानना अच्छा लगेगा।
'हाँ?'
‘सेर्बेरस? वो कह रहा है कि हमारे पास अपनी पसंद के देवता से प्रार्थना करने के लिए दस सेकंड हैं। उसके बाद… खैर… उसे भूख लग जाएगी।’
‘रुको!’ एनाबेथ ने कहा। उसने अपने बैग में सामान खोजना शुरू कर दिया। ओह-ओह, मैंने सोचा।
‘पांच सेकंड,’ ग्रोवर ने कहा। ‘क्या हम अभी दौड़ें?’
एनाबेथ ने एक लाल रबर की गेंद निकाली जो एक अंगूर के आकार की थी। उस पर लिखा था: वाटरलैंड, डेनवर, कोलोराडो। इससे पहले कि मैं उसे रोक पाता, उसने गेंद उठाई और सीधे सेर्बेरस की ओर चल पड़ी।
वह चिल्लाई, 'गेंद देखी? क्या तुम्हें गेंद चाहिए, सेर्बेरस? बैठो!' सेर्बेरस भी हमारी तरह ही अचंभित दिख रहा था।
उसके तीनों सिर एक तरफ झुके हुए थे। छह नथुने फैले हुए थे।
‘बैठो!’ एनाबेथ ने फिर से पुकारा।
मुझे पूरा यकीन था कि किसी भी क्षण वह दुनिया की सबसे बड़ी मिल्कबोन डॉग बिस्किट बन जाएगी।
लेकिन इसके बजाय, सेर्बेरस ने अपने तीनों होंठों को चाटा, अपने पिछले पैरों पर थोड़ा खिसका और बैठ गया, और तुरंत ही अपने नीचे से गुजर रही एक दर्जन आत्माओं को कुचल डाला जो ईज़ी डेथ लाइन में थीं। आत्माएं टायरों से हवा निकलने जैसी दबी हुई फुफकार के साथ गायब हो गईं।
एनाबेथ ने कहा, 'शाबाश!'
उसने गेंद सेर्बेरस की ओर फेंकी।

उसने उसे अपने बीच वाले मुंह में पकड़ लिया। वह उसके चबाने के लिए मुश्किल से ही काफी बड़ा था, और बाकी मुंह बीच वाले हिस्से पर झपटने लगे, नए खिलौने को पाने की कोशिश में।
‘इसे छोड़ दो!’ एनाबेथ ने आदेश दिया।
सेर्बेरस के सिर आपस में लड़ना बंद करके उसकी ओर देखने लगे। गेंद उसके दो दांतों के बीच एक छोटे से च्युइंग गम की तरह फंसी हुई थी। उसने एक तेज़, डरावनी सी कराह निकाली, फिर उस गेंद को, जो अब चिपचिपी और लगभग आधी कटी हुई थी, एनाबेथ के पैरों में गिरा दिया।
'शाबाश!' उसने गेंद उठा ली, उस पर लगे भयानक थूक को नजरअंदाज करते हुए।
वह हमारी ओर मुड़ी। 'अभी जाओ। ईज़ी डेथ लाइन - यह तेज़ है।'
मैंने कहा, ‘लेकिन –’
‘अभी!’ उसने उसी लहजे में आदेश दिया, जिस लहजे में वह कुत्ते से बात कर रही थी।
ग्रोवर और मैं सावधानीपूर्वक धीरे-धीरे आगे बढ़े।
सेर्बेरस गुर्राने लगा।
‘रुको!’ एनाबेथ ने राक्षस को आदेश दिया। ‘अगर तुम्हें गेंद चाहिए, तो यहीं रुको!’
सेर्बेरस ने धीमी सी आवाज़ निकाली, लेकिन वह वहीं रुका रहा।
‘तुम्हारा क्या हाल है?’ मैंने एनाबेथ से पूछा जब हम उसके पास से गुज़रे। ‘मुझे पता है मैं क्या कर रही हूँ, पर्सी,’ उसने बुदबुदाते हुए कहा। कम से कम, मुझे पूरा यकीन है…’
ग्रोवर और मैं उस राक्षस के पैरों के बीच से होकर गुजरे।
मैंने प्रार्थना की, "प्लीज़, एनाबेथ। उसे दोबारा बैठने के लिए मत कहो।" हम बच गए। पीछे से भी सेर्बेरस उतना ही डरावना दिख रहा था।
एनाबेथ ने कहा, 'अच्छा कुत्ता!'
उसने फटी हुई लाल गेंद को ऊपर उठाया, और शायद उसी निष्कर्ष पर पहुंची जिस पर मैं पहुंचा था - अगर उसने सेर्बेरस को इनाम दिया, तो किसी और चाल के लिए कुछ भी नहीं बचेगा।
उसने फिर भी गेंद फेंक दी। राक्षस के बाएं मुंह ने तुरंत उसे पकड़ लिया, लेकिन तभी बीच वाले सिर ने उस पर हमला कर दिया, जबकि दाहिना सिर विरोध में कराह उठा।

जब राक्षस का ध्यान भटक गया, तो एनाबेथ तेजी से उसके पेट के नीचे से गुजरी और मेटल डिटेक्टर के पास हमारे साथ आ गई।
मैंने आश्चर्य से पूछा, 'तुमने यह कैसे किया?'
‘आज्ञापालन स्कूल,’ उसने हांफते हुए कहा, और मुझे उसकी आँखों में आंसू देखकर आश्चर्य हुआ। ‘जब मैं छोटी थी, मेरे पिताजी के घर में हमारे पास एक डोबरमैन कुत्ता था…’
‘छोड़ो ये सब,’ ग्रोवर ने मेरी कमीज़ खींचते हुए कहा। ‘चलो!’
हम ईज़ी डेथ लाइन से तेज़ी से निकलने ही वाले थे कि सेर्बेरस ने अपने तीनों मुँहों से दयनीय कराह निकाली। एनाबेथ रुक गई।
वह कुत्ते की ओर मुड़ी, जो हमारी ओर देखने के लिए पूरी तरह घूम गया था।
सेर्बेरस उम्मीद से हांफ रहा था, उसके पैरों के पास लार के पोखर में बिखरी हुई छोटी लाल गेंद के टुकड़े पड़े थे।
'अच्छा लड़का,' एनाबेथ ने कहा, लेकिन उसकी आवाज उदास और अनिश्चित लग रही थी।
राक्षस ने अपने सिर अगल-बगल घुमा लिए, मानो उसे उसकी चिंता हो रही हो।
‘मैं जल्द ही आपके लिए एक और गेंद लाऊंगी,’ एनाबेथ ने धीमी आवाज़ में वादा किया। ‘क्या आप इसे पसंद करेंगे?’
राक्षस धीमी आवाज़ में रोया। मुझे यह जानने के लिए कुत्ते की भाषा बोलने की ज़रूरत नहीं थी कि सेर्बेरस अभी भी गेंद का इंतज़ार कर रहा था।
‘अच्छा कुत्ता। मैं जल्द ही तुमसे मिलने आऊँगी। मैं वादा करती हूँ।’ एनाबेथ हमारी ओर मुड़ी। ‘चलो चलते हैं।’
ग्रोवर और मैं मेटल डिटेक्टर से जबरदस्ती गुज़रे, जिसने तुरंत ज़ोर से आवाज़ की और लाल बत्तियाँ चमकाने लगा। 'अवैध कब्ज़ा! जादू का पता चला!' सेर्बेरस भौंकने लगा।
हम ईज़ी डेथ गेट से जबरदस्ती घुस गए, जिससे और भी ज्यादा अलार्म बजने लगे, और हम सीधे पाताल लोक में पहुंच गए।
कुछ मिनट बाद, हम हांफते हुए, एक विशाल काले पेड़ के सड़े हुए तने में छिपे हुए थे, जबकि सुरक्षाकर्मी चीखते हुए फ्यूरीज़ से मदद मांगते हुए हमारे पास से भाग रहे थे।
ग्रोवर ने धीरे से कहा, 'अच्छा, पर्सी, आज हमने क्या सीखा?'
क्या तीन सिर वाले कुत्ते छड़ियों के बजाय लाल रबर की गेंदों को पसंद करते हैं?

‘नहीं,’ ग्रोवर ने मुझसे कहा। ‘हमें पता चला है कि तुम्हारी योजनाएँ सचमुच बहुत नुकसान पहुँचाती हैं!’
मुझे इस बात का यकीन नहीं था। मुझे लगा कि शायद एनाबेथ और मैं दोनों सही सोच रहे थे। पाताल लोक में भी, हर किसी को - यहाँ तक कि राक्षसों को भी - कभी- कभी थोड़ी देखभाल की ज़रूरत होती है।
जब हम उन पिशाचों के गुजरने का इंतजार कर रहे थे, तब मैं इस बारे में सोच रहा था। मैंने ऐसा दिखावा किया जैसे मैंने एनाबेथ को अपने गाल से आंसू पोंछते हुए नहीं देखा, क्योंकि वह दूर से आती हुई सेर्बेरस की दुख भरी विलाप की आवाज सुन रही थी, जो अपने नए दोस्त के लिए तड़प रहा था।

19 हमें सच्चाई का पता चलता है, कुछ हद तक।

अब तक आपने जितने भी संगीत समारोह देखे हैं, उनमें सबसे बड़ी भीड़ की कल्पना कीजिए, एक फुटबॉल मैदान जो दस लाख प्रशंसकों से खचाखच भरा हो।
अब कल्पना कीजिए कि एक मैदान इससे दस लाख गुना बड़ा है, लोगों से खचाखच भरा है, और कल्पना कीजिए कि बिजली चली गई है, और न कोई शोर है, न कोई रोशनी, न ही भीड़ के ऊपर कोई बीच बॉल उछल रही है। मंच के पीछे कुछ दुखद घटना घटित हुई है। फुसफुसाते हुए लोगों का समूह अंधेरे में इधर-उधर घूम रहा है, एक ऐसे संगीत कार्यक्रम का इंतजार कर रहा है जो कभी शुरू ही नहीं होगा।
अगर आप इसकी कल्पना कर सकते हैं, तो आपको एस्फोडेल के मैदानों की स्थिति का काफी हद तक अंदाजा हो जाएगा। सदियों से मरे हुए लोगों के पैरों से कुचली हुई काली घास। दलदल की सांस की तरह गर्म, नम हवा बह रही थी। काले पेड़ - ग्रोवर ने मुझे बताया कि वे चिनार के पेड़ थे - जगह-जगह झुंडों में उगे हुए थे।
गुफा की छत इतनी ऊंची थी कि मानो तूफ़ानी बादलों का समूह हो, सिवाय उन स्टैलेक्टाइट्स के जो हल्की भूरी चमक रही थीं और बेहद नुकीली लग रही थीं। मैंने यह कल्पना न करने की कोशिश की कि वे किसी भी क्षण हम पर गिर सकती हैं, लेकिन खेतों में बिखरी हुई कई स्टैलेक्टाइट्स गिरकर काली घास में धंस गई थीं। मुझे लगता है कि मृतकों को बूस्टर रॉकेट के आकार की स्टैलेक्टाइट्स से घायल होने जैसे छोटे-मोटे खतरों की चिंता नहीं करनी पड़ती।
एनाबेथ, ग्रोवर और मैंने भीड़ में घुलमिल जाने की कोशिश की, साथ ही सुरक्षाकर्मियों पर भी नज़र रखी। मैं एस्फोडेल की आत्माओं के बीच परिचित चेहरों को ढूंढने से खुद को रोक नहीं पा रही थी, लेकिन मृतकों को देखना मुश्किल था। उनके चेहरे झिलमिला रहे थे। वे सभी थोड़े गुस्से में या भ्रमित लग रहे थे। वे आपके पास आकर बात करेंगे, लेकिन उनकी आवाज़ें चमगादड़ों की चहचहाहट जैसी लग रही थीं। जैसे ही उन्हें एहसास होता कि आप उन्हें समझ नहीं पा रहे हैं, वे भौंहें चढ़ाकर दूर चले जाते हैं।
मरे हुए लोग डरावने नहीं होते। वे बस दुखी होते हैं।

हम दबे पांव आगे बढ़े, नए आने वालों की कतार का पीछा करते हुए जो मुख्य द्वार से एक काले तंबू वाले मंडप की ओर सांप की तरह फैली हुई थी, जिस पर एक बैनर लगा था जिस पर लिखा था:
एलिसियम और शाश्वत नरक के लिए निर्णय नवमृत आत्मा का स्वागत है!
तंबू के पीछे से दो बहुत छोटी रस्सियाँ निकलीं।
बाईं ओर, सुरक्षाकर्मियों से घिरे भूतों को पथरीले रास्ते से होते हुए दंड के मैदानों की ओर ले जाया जा रहा था, जो दूर से चमकते और धुएँ से भरे दिखाई दे रहे थे। एक विशाल, दरारों से भरा बंजर इलाका, जहाँ लावा की नदियाँ, बारूदी सुरंगें और मीलों लंबे कांटेदार तार अलग-अलग यातना क्षेत्रों को विभाजित कर रहे थे। दूर से भी, मैं लोगों को नरक के कुत्तों द्वारा पीछा करते, खंभों पर जलाते, कैक्टस के झुरमुटों से नग्न दौड़ने के लिए मजबूर करते या ओपेरा संगीत सुनते देख सकता था। मैं एक छोटी सी पहाड़ी को मुश्किल से देख पा रहा था, जिस पर चींटी के आकार का सिसिफस अपने पत्थर को चोटी तक ले जाने के लिए संघर्ष कर रहा था। और मैंने इससे भी भयानक यातनाएँ देखीं - ऐसी चीजें जिनका मैं वर्णन नहीं करना चाहता।
न्याय मंडप के दाहिनी ओर से आने वाला रास्ता कहीं बेहतर था। यह रास्ता दीवारों से घिरी एक छोटी घाटी की ओर जाता था – एक बंद बस्ती, जो पाताल लोक का एकमात्र सुखमय हिस्सा प्रतीत होती थी। सुरक्षा द्वार के पार इतिहास के हर कालखंड के सुंदर घरों, रोमन विलाओं, मध्ययुगीन किलों और विक्टोरियन हवेली की इमारतें थीं। लॉन में चांदी और सोने के फूल खिले थे। घास इंद्रधनुषी रंगों में लहरा रही थी। मुझे हंसी की आवाज सुनाई दे रही थी और बारबेक्यू पकने की खुशबू आ रही थी।
एलिसियम।
उस घाटी के बीचोंबीच एक चमकीली नीली झील थी, जिसके किनारे तीन छोटे-छोटे द्वीप थे, मानो बहामास का कोई पर्यटक स्थल हो। ये थे धन्य लोगों के द्वीप, उन लोगों के लिए जिन्होंने तीन बार पुनर्जन्म लेने का विकल्प चुना था और तीनों बार स्वर्ग की प्राप्ति की थी। देखते ही मुझे पता चल गया कि मरने के बाद मैं वहीं जाना चाहता हूँ।
‘बस यही तो सब कुछ है,’ एनाबेथ ने कहा, मानो वह मेरे मन की बात पढ़ रही हो। ‘यही तो नायकों की जगह है।’

लेकिन मैंने सोचा कि एलिसियम में कितने कम लोग थे, एस्फोडेल या पनिशमेंट की तुलना में यह कितना छोटा था। बहुत कम लोगों ने अपने जीवन में अच्छा काम किया था। यह निराशाजनक था।
हम न्याय मंडप से निकलकर एस्फोडेल के भीतर और गहराई में चले गए। अंधेरा गहराता गया। हमारे कपड़ों के रंग फीके पड़ते गए। बड़बड़ाती आत्माओं की भीड़ कम होने लगी।
कुछ मील चलने के बाद, हमें दूर से एक जानी-पहचानी चीख सुनाई देने लगी। क्षितिज पर चमकदार काले ओब्सीडियन से बना एक महल दिखाई दिया। प्राचीरों के ऊपर तीन काले चमगादड़ जैसे जीव मंडरा रहे थे: फ्यूरीज़। मुझे लगा कि वे हमारा इंतज़ार कर रहे थे।
'मुझे लगता है कि अब पीछे मुड़ने में बहुत देर हो चुकी है,' ग्रोवर ने उदास स्वर में कहा।
‘हम ठीक रहेंगे।’ मैंने आत्मविश्वास भरी आवाज में कहने की कोशिश की। ग्रोवर ने सुझाव दिया, 'शायद हमें पहले कुछ अन्य स्थानों की तलाशी लेनी चाहिए। जैसे, उदाहरण के लिए एलिसियम...'
‘चलो, बकरे के बच्चे।’ एनाबेथ ने उसका हाथ पकड़ लिया।
ग्रोवर चीख उठा। उसके जूतों में पंख लग गए और उसके पैर तेजी से आगे बढ़े, जिससे वह एनाबेथ से दूर खिंच गया। वह घास पर पीठ के बल गिर पड़ा। ‘ग्रोवर,’ एनाबेथ ने डांटते हुए कहा। ‘मस्ती करना बंद करो।’
लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया –’
वह फिर से चीख उठा। उसके जूते अब बेतहाशा फड़फड़ा रहे थे। वे ज़मीन से ऊपर उठ गए और उसे हमसे दूर खींचने लगे।
‘माईया!’ उसने चिल्लाया, लेकिन जादुई शब्द का कोई असर नहीं हुआ। ‘माईया, जल्दी करो! 911! मदद करो!’
मैं सदमे से उबरकर ग्रोवर का हाथ पकड़ने के लिए झपटा, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। वह तेजी से नीचे की ओर फिसल रहा था, जैसे कोई बॉबस्लेड हो।
हम उसके पीछे भागे।
एनाबेथ चिल्लाई, 'जूते खोलो!'
यह एक अच्छा विचार था, लेकिन मुझे लगता है कि जब आपके जूते आपको पूरी गति से पैरों के बल घसीट रहे हों तो यह इतना आसान नहीं होता। ग्रोवर ने उठने की कोशिश की, लेकिन वह जूतों के फीतों तक नहीं पहुँच सका।

हम उसका पीछा करते रहे, उसे अपनी नजरों में रखने की कोशिश करते रहे क्योंकि वह उन आत्माओं के पैरों के बीच से तेजी से निकल रहा था जो उससे चिढ़कर बड़बड़ा रही थीं।
मुझे पूरा यकीन था कि ग्रोवर सीधे हेड्स के महल के द्वार से होकर गुजरेगा, लेकिन उसके जूते अचानक दाईं ओर मुड़ गए और उसे विपरीत दिशा में खींच ले गए। ढलान और भी खड़ी होती गई। ग्रोवर ने अपनी गति बढ़ा दी। एनाबेथ और मुझे उसके साथ चलने के लिए दौड़ लगानी पड़ी। गुफा की दीवारें दोनों ओर संकरी होती गईं, और मुझे एहसास हुआ कि हम किसी सुरंग में प्रवेश कर चुके हैं। अब न तो काली घास थी और न ही पेड़, बस पैरों के नीचे चट्टानें थीं, और ऊपर स्टैलेक्टाइट्स की हल्की रोशनी थी।
‘ग्रोवर!’ मैंने गूंजती हुई आवाज में चिल्लाया। ‘किसी चीज को पकड़ लो!’ ‘क्या?’ उसने चिल्लाकर जवाब दिया।
वह कंकड़ पकड़ने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसे धीमा करने के लिए कुछ भी इतना बड़ा नहीं था।
सुरंग में अंधेरा और ठंड बढ़ती गई। मेरे हाथों के बाल खड़े हो गए। यहाँ नीचे बुरी गंध आ रही थी। इसने मुझे उन चीजों के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं होना चाहिए था - एक प्राचीन पत्थर की वेदी पर बहाया गया खून, एक हत्यारे की दुर्गंध।
फिर मैंने अपने सामने का नजारा देखा और मैं वहीं रुक गया।
सुरंग एक विशाल अंधेरी गुफा में बदल गई, और उसके बीच में एक खाई थी जो एक शहर के ब्लॉक जितनी बड़ी थी।
ग्रोवर सीधे किनारे की ओर फिसल रहा था।
‘चलो, पर्सी!’ एनाबेथ चिल्लाई और मेरी कलाई खींचने लगी।
'लेकिन है कि -'
‘मुझे पता है!’ वह चिल्लाई। ‘वही जगह जिसका तुमने अपने सपने में वर्णन किया था! लेकिन अगर हम ग्रोवर को नहीं पकड़ेंगे तो वह गिर जाएगा।’ वह बिल्कुल सही थी। ग्रोवर की इस दुर्दशा ने मुझे फिर से हरकत में ला दिया।
वह चिल्ला रहा था, जमीन पर अपने पंजे मार रहा था, लेकिन पंखों वाले जूते उसे गड्ढे की ओर घसीटते जा रहे थे, और ऐसा नहीं लग रहा था कि हम समय पर उसके पास पहुंच पाएंगे।
उसके खुरों ने ही उसे बचाया।

उड़ने वाले स्नीकर्स हमेशा से ही ग्रोवर पर ढीले थे, और आखिरकार एक बड़ी चट्टान से टकराने पर उसका बायां जूता निकलकर दूर जा गिरा। वह अंधेरे में, खाई में जा गिरा। दायां जूता उसे घसीटता रहा, लेकिन उतनी तेज़ी से नहीं। ग्रोवर ने उस बड़ी चट्टान को कसकर पकड़ लिया और उसे लंगर की तरह इस्तेमाल करके अपनी गति धीमी कर ली।
जब हमने उसे पकड़ा और ढलान पर वापस खींच लिया, तब वह गड्ढे के किनारे से तीन मीटर दूर था। दूसरा पंखों वाला जूता खुद को खींचकर अलग कर लिया, गुस्से से हमारे चारों ओर चक्कर लगाया और विरोध में हमारे सिर पर लात मारी, फिर खाई में उड़कर अपने जुड़वां जूते से मिल गया।
हम सब थककर चूर-चूर होकर काले पत्थरों पर गिर पड़े। मेरे हाथ-पैर भारी लग रहे थे। यहाँ तक कि मेरा बैग भी भारी लग रहा था, मानो किसी ने उसमें पत्थर भर दिए हों।
ग्रोवर बुरी तरह से घायल हो गया था। उसके हाथों से खून बह रहा था। उसकी आँखें बकरी की तरह सिकुड़ गई थीं, जैसे डर लगने पर होती हैं।
‘मुझे नहीं पता कैसे…’ वह हांफते हुए बोला। ‘मैंने नहीं किया…’
मैंने कहा, ‘रुको। सुनो।’
मैंने कुछ सुना – अंधेरे में एक गहरी फुसफुसाहट।
कुछ ही सेकंड बाद, एनाबेथ ने कहा, 'पर्सी, यह जगह -'
‘चुप रहो।’ मैं खड़ा हो गया।
आवाज तेज होती जा रही थी, बहुत नीचे से एक बुदबुदाती हुई, भयानक आवाज आ रही थी। गड्ढे से आ रही थी।
ग्रोवर उठ बैठा। 'ये कैसी आवाज़ है?'
अब एनाबेथ ने भी यह सुन लिया था। मैं उसकी आँखों में देख सकती थी। 'टार्टारस। टार्टारस का प्रवेश द्वार।'
मैंने अनाक्लुस्मोस को अनकैप किया।
कांसे की तलवार फैल गई, अंधेरे में चमक उठी, और दुष्ट आवाज एक पल के लिए लड़खड़ाती हुई प्रतीत हुई, फिर उसने अपना मंत्रोच्चार फिर से शुरू कर दिया।
अब मुझे कुछ शब्द लगभग समझ में आ रहे थे, प्राचीन शब्द, इतने प्राचीन कि ग्रीक से भी पुराने। मानो...
मैंने कहा, 'जादू।'

‘हमें यहां से निकलना होगा,’ एनाबेथ ने कहा।
हम दोनों ने मिलकर ग्रोवर को उसके खुरों पर खड़ा किया और सुरंग में वापस चलना शुरू किया। मेरे पैर इतनी तेज़ी से नहीं चल पा रहे थे। मेरे बैग का वज़न मुझे थका रहा था। हमारे पीछे से आवाज़ तेज़ और गुस्से भरी होती जा रही थी, और हम भागने लगे।
यह बिल्कुल सही समय है।
ठंडी हवा का एक झोंका हमारी पीठ पर लगा, मानो पूरा गड्ढा साँस ले रहा हो।
एक भयानक क्षण के लिए, मेरा संतुलन बिगड़ गया, मेरे पैर बजरी में फिसल गए।
अगर हम किनारे के और करीब होते, तो हम अंदर खिंच जाते।
हम संघर्ष करते हुए आगे बढ़ते रहे और अंततः सुरंग के शीर्ष पर पहुँच गए, जहाँ गुफा एस्फोडेल के खेतों में फैल गई। हवा थम गई। सुरंग की गहराई से आक्रोश भरी चीख गूंजी। कोई चीज़ हमारे बच निकलने से खुश नहीं थी।
‘यह क्या था?’ ग्रोवर हांफते हुए बोला, जब हम काले चिनार के पेड़ों के अपेक्षाकृत सुरक्षित झुरमुट में गिर पड़े। ‘हेड्स के पालतू जानवरों में से एक?’
एनाबेथ और मैंने एक-दूसरे को देखा। मैं समझ गई कि उसके मन में कोई विचार चल रहा था, शायद वही विचार जो उसे लॉस एंजिल्स की टैक्सी यात्रा के दौरान आया था, लेकिन वह उसे साझा करने से डर रही थी। यह बात मुझे डराने के लिए काफी थी।
मैंने अपनी तलवार को म्यान में रखा और कलम को वापस अपनी जेब में डाल लिया। 'चलो चलते हैं।' मैंने ग्रोवर की ओर देखा। 'क्या तुम चल सकते हो?'
उसने घबराकर कहा, 'हाँ, ज़रूर। मुझे वैसे भी वो जूते कभी पसंद नहीं आए।' उसने बहादुरी दिखाने की कोशिश की, लेकिन वह भी एनाबेथ और मेरी तरह बुरी तरह कांप रहा था। उस गड्ढे में जो भी था, वह किसी का पालतू नहीं था। वह बेहद पुराना और शक्तिशाली था। यहां तक कि एकिडना ने भी मुझे ऐसा एहसास नहीं कराया था। उस सुरंग को पीछे छोड़कर हेड्स के महल की ओर बढ़ते हुए मुझे लगभग राहत मिली।
लगभग।
अंधकार में ऊँची प्राचीरों के चारों ओर फ्यूरीज़ (क्रोधित देवियाँ) मंडरा रही थीं। किले की बाहरी दीवारें काली चमक रही थीं, और दो मंजिला ऊँचे कांसे के द्वार चौड़े खुले खड़े थे।

नज़दीक से देखने पर मैंने पाया कि दरवाजों पर उकेरी गई आकृतियाँ मृत्यु के दृश्यों को दर्शाती थीं। कुछ आधुनिक समय की थीं – एक शहर पर परमाणु बम का विस्फोट, गैस मास्क पहने सैनिकों से भरी खाई, खाली कटोरे लिए अफ़्रीकी अकाल पीड़ितों की कतार – लेकिन सभी ऐसी लग रही थीं मानो उन्हें हज़ारों साल पहले कांसे पर उकेरा गया हो। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या मैं उन भविष्यवाणियों को देख रहा था जो सच हो गई थीं।
आंगन के अंदर मैंने अब तक का सबसे विचित्र बगीचा देखा। रंग-बिरंगे मशरूम, जहरीली झाड़ियाँ और अजीबोगरीब चमकदार पौधे बिना सूरज की रोशनी के उग रहे थे। फूलों की कमी को कीमती रत्नों ने पूरा किया, मेरी मुट्ठी जितने बड़े माणिक के ढेर, कच्चे हीरों के गुच्छे। इधर-उधर जमे हुए मेहमानों की तरह मेडुसा के बगीचे की मूर्तियाँ, पत्थर बन चुके बच्चे, सैटायर और सेंटॉर खड़े थे, सभी विकृत मुस्कान लिए हुए थे।
बगीचे के बीचोंबीच अनार के पेड़ों का एक बाग था, जिनके नारंगी फूल अंधेरे में जगमगा रहे थे। 'पर्सिफोन का बगीचा,' एनाबेथ ने कहा। 'चलते रहो।'
मैं समझ गई कि वह आगे क्यों बढ़ना चाहती थी। उन अनारों की तीखी गंध लगभग असहनीय थी। मुझे उन्हें खाने की तीव्र इच्छा हुई, लेकिन तभी मुझे पर्सेफोन की कहानी याद आ गई। पाताल लोक के भोजन का एक निवाला भी खा लिया तो हम कभी वहां से निकल नहीं पाएंगे। मैंने ग्रोवर को दूर खींच लिया ताकि वह एक बड़ा रसीला अनार न तोड़ ले।
हम महल की सीढ़ियों पर चढ़े, काले खंभों के बीच से गुज़रे, काले संगमरमर के बरामदे से होते हुए देह के घर में पहुँचे। प्रवेश कक्ष में पॉलिश किया हुआ कांसे का फर्श था, जो मशाल की रोशनी में चमकता हुआ प्रतीत हो रहा था। वहाँ कोई छत नहीं थी, बस ऊपर गुफा की छत थी। मुझे लगता है कि यहाँ बारिश की चिंता कभी नहीं होती होगी।
हर तरफ के दरवाज़े पर सैन्य वर्दी पहने कंकाल पहरा दे रहे थे। कुछ ने यूनानी कवच पहना था, कुछ ने ब्रिटिश लाल कोट की वर्दी, कुछ ने छलावरण वाली वर्दी जिसके कंधों पर फटे हुए अमेरिकी झंडे लगे थे। उनके पास भाले, बंदूकें या एम-16 राइफलें थीं। उनमें से किसी ने हमें परेशान नहीं किया, लेकिन उनकी धंसी हुई आंखें हमारा पीछा करती रहीं जब हम गलियारे से होते हुए दूसरी तरफ के बड़े दरवाज़ों की ओर बढ़े।

दो अमेरिकी मरीन सैनिकों के कंकाल दरवाजों की रखवाली कर रहे थे। वे हमारी ओर देखकर मुस्कुरा रहे थे, उनके सीने पर रॉकेट से चलने वाले ग्रेनेड लॉन्चर रखे हुए थे।
‘तुम्हें पता है,’ ग्रोवर ने बुदबुदाते हुए कहा, ‘मुझे यकीन है कि हेड्स को घर-घर जाकर सामान बेचने वालों से कोई परेशानी नहीं होती होगी।’
मेरा बैग अब बहुत भारी हो गया था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि ऐसा क्यों हो रहा है। मैं उसे खोलकर देखना चाहता था कि कहीं गलती से कोई बॉलिंग बॉल तो उसमें नहीं फंस गई, लेकिन अभी समय नहीं था।
‘अच्छा, दोस्तों,’ मैंने कहा। ‘मुझे लगता है कि हमें… दरवाजा खटखटाना चाहिए?’
गलियारे में गर्म हवा चली और दरवाजे खुल गए। पहरेदार एक तरफ हट गए। ‘मुझे लगता है इसका मतलब “entrez” है,’ एनाबेथ ने कहा।
अंदर का कमरा बिल्कुल मेरे सपने जैसा दिख रहा था, बस इस बार पाताल लोक का सिंहासन किसी ने ग्रहण कर लिया था।
वह तीसरा देवता था जिससे मैं मिला था, लेकिन पहला ऐसा देवता था जिसने वास्तव में मुझे देवता जैसा महसूस कराया।
वह कम से कम तीन मीटर लंबा था और काले रेशमी वस्त्र और सुनहरे गुंथे हुए मुकुट पहने हुए था। उसकी त्वचा सफेद थी, बाल कंधे तक लंबे और काले थे। वह एरेस की तरह बल्टी नहीं था, लेकिन शक्ति का अनुभव कराता था। वह मानव हड्डियों से बने अपने सिंहासन पर बैठा था, फुर्तीला, आकर्षक और पैंथर की तरह खतरनाक लग रहा था।
मुझे तुरंत लगा कि आदेश तो उसे ही देने चाहिए। वह मुझसे ज़्यादा जानता था। उसे मेरा गुरु होना चाहिए था। फिर मैंने खुद को समझाया कि इस सोच से बाहर निकलो।
हेड्स का प्रभाव मुझ पर ठीक वैसे ही पड़ रहा था जैसे एरेस का। मृत्यु के देवता की छवि मुझे एडॉल्फ हिटलर, नेपोलियन या आत्मघाती हमलावरों को निर्देशित करने वाले आतंकवादी नेताओं की तस्वीरों जैसी लग रही थी। हेड्स की आँखें भी वैसी ही तीव्र थीं, उनमें भी वैसी ही सम्मोहक, दुष्ट आकर्षण था।

‘पोसीडॉन के पुत्र, यहाँ आने की हिम्मत तो देखो,’ उसने चिकनी आवाज़ में कहा। ‘तुमने मेरे साथ जो किया है, उसके बाद तो वाकई बहुत हिम्मत की बात है। या शायद तुम बस मूर्ख हो।’
मेरे जोड़ों में सुन्नपन छाने लगा, जिससे मेरा मन हुआ कि मैं लेट जाऊं और नरक के चरणों में थोड़ी देर के लिए झपकी ले लूं। यहीं सिकुड़कर हमेशा के लिए सो जाऊं।
मैंने उस भावना को दबाते हुए आगे कदम बढ़ाया। मुझे पता था कि मुझे क्या कहना है। 'प्रभु और चाचा, मैं दो निवेदन लेकर आया हूँ।'
हेड्स ने अपनी भौंहें उठाईं। जब वह अपने सिंहासन पर आगे की ओर झुका, तो उसके काले वस्त्रों की सिलवटों में धुंधले चेहरे दिखाई दिए, पीड़ा से भरे चेहरे, मानो ये वस्त्र दंड के मैदानों से फंसी आत्माओं से सिले हों, जो बाहर निकलने की कोशिश कर रही हों। मेरे अंदर के एडीएचडी वाले हिस्से ने, बिना सोचे-समझे, यह सवाल किया कि क्या उसके बाकी कपड़े भी इसी तरह बने थे? हेड्स के वस्त्रों में बुने जाने के लिए किसी को अपने जीवन में कौन से भयानक काम करने होंगे?
‘सिर्फ़ दो ही गुज़ारिशें?’ हेड्स ने कहा। ‘घमंडी बच्चे! मानो तुमने पहले ही काफ़ी कुछ नहीं ले लिया हो। तो बोलो। मुझे तुम्हें अभी जान से मारना नहीं चाहिए, इसमें मज़ा आ रहा है।’
मैंने घबराकर सांस ली। यह ठीक वैसा ही हो रहा था जैसा मुझे डर था।
मैंने हेड्स के बगल में खाली, छोटे सिंहासन पर एक नज़र डाली। यह सोने से जड़ा हुआ एक काले फूल के आकार का था। काश, रानी पर्सेफोन यहाँ होतीं। मुझे पौराणिक कथाओं में पढ़ी एक बात याद आई कि वह अपने पति के मिजाज को कैसे शांत करती थीं। लेकिन यह गर्मी का मौसम था। ज़ाहिर है, पर्सेफोन अपनी माता, कृषि की देवी डेमेटर के साथ प्रकाश के लोक में होंगी। पृथ्वी के झुकाव से नहीं, बल्कि उनके आगमन से ही ऋतुओं का निर्माण होता था।
एनाबेथ ने अपना गला साफ किया। उसने अपनी उंगली से मेरी पीठ पर हल्का सा धक्का दिया।
मैंने कहा, ‘हे भगवान, देखिए, देवताओं के बीच युद्ध नहीं हो सकता। यह... बुरा होगा।’
'बहुत बुरा,' ग्रोवर ने मदद करते हुए कहा।

मैंने कहा, 'ज़्यूस का मुख्य वज्र मुझे लौटा दीजिए। कृपया, महोदय। मुझे इसे ओलंपस तक ले जाने दीजिए।'
हेड्स की आँखें खतरनाक रूप से चमक उठीं। 'तुमने जो किया है उसके बाद भी तुम यह दिखावा करने की हिम्मत कैसे करते हो?'
मैंने अपने दोस्तों की तरफ एक नज़र डाली। वे भी मेरी ही तरह असमंजस में दिख रहे थे।
‘उम… अंकल,’ मैंने कहा। ‘आप बार-बार कह रहे हैं “मैंने जो किया है उसके बाद”। मैंने आखिर किया क्या है?’
सिंहासन कक्ष में इतना ज़ोरदार कंपन हुआ कि संभवतः लॉस एंजिल्स में भी इसका असर महसूस हुआ होगा। गुफा की छत से मलबा गिरने लगा। दीवारों के साथ लगे दरवाज़े अचानक खुल गए और कंकालनुमा योद्धा अंदर घुस आए, सैकड़ों की संख्या में, पश्चिमी सभ्यता के हर काल और राष्ट्र से। उन्होंने कमरे के चारों ओर घेरा बनाकर निकास द्वारों को अवरुद्ध कर दिया।
हेड्स दहाड़ते हुए बोला, 'क्या तुम्हें लगता है कि मैं युद्ध चाहता हूँ, हे देवता?'
मैं कहना चाहता था, "ये लोग शांति कार्यकर्ता नहीं लगते।" लेकिन मुझे लगा कि यह जवाब खतरनाक हो सकता है।
मैंने सावधानी से कहा, 'आप मृतकों के स्वामी हैं। युद्ध से आपका राज्य विस्तारित होगा, है ना?'
‘मेरे भाइयों के लिए यह तो आम बात है! क्या आपको लगता है कि मुझे और विषयों की ज़रूरत है? क्या आपने एस्फोडेल का फैलाव नहीं देखा?’
'कुंआ…'
क्या आपको अंदाजा है कि बीते एक सदी में ही मेरा साम्राज्य कितना बढ़ गया है, मुझे कितने उपविभाग खोलने पड़े हैं?
मैंने जवाब देने के लिए अपना मुंह खोला, लेकिन हेड्स अब पूरे जोश में था। ‘और भी सुरक्षाकर्मी!’ वह बड़बड़ाया। ‘न्याय मंडप में यातायात की समस्या। कर्मचारियों के लिए दुगना ओवरटाइम। मैं कभी एक अमीर देवता हुआ करता था, पर्सी जैक्सन। धरती के नीचे मौजूद सभी कीमती धातुओं पर मेरा नियंत्रण है।
लेकिन मेरे खर्चे!’
‘चारोन वेतन वृद्धि चाहता है,’ यह बात मुझे अचानक याद आ गई और मैंने झट से कह दी। जैसे ही मैंने यह कहा, मुझे लगा कि काश मैं अपना मुंह सिल लेती।

‘चारोन के बारे में तो बात ही मत करो!’ हेड्स चिल्लाया। ‘जब से उसने इटैलियन सूट पहनना शुरू किया है, तब से वो बिल्कुल ही बेकाबू हो गया है! हर तरफ मुसीबतें ही मुसीबतें हैं, और मुझे उन सबको खुद ही संभालना पड़ता है। महल से द्वार तक आने-जाने में ही मेरा दिमाग खराब हो जाता है! और मरे हुए लोग आते ही जा रहे हैं। नहीं, हे देवता! मुझे प्रजा जुटाने में किसी की मदद नहीं चाहिए! मैंने इस युद्ध की शुरुआत नहीं की थी।’
लेकिन तुमने ज़्यूस का सर्वोत्कृष्ट वज्र ले लिया।
‘झूठ!’ और गड़गड़ाहट हुई। हेड्स अपने सिंहासन से उठ खड़ा हुआ, फुटबॉल के गोलपोस्ट की ऊँचाई तक। ‘तुम्हारा पिता ज़्यूस को मूर्ख बना सकता है, बालक, लेकिन मैं इतना मूर्ख नहीं हूँ। मैं उसकी योजना जानता हूँ।’
‘उसकी योजना?’
‘शीतकालीन संक्रांति पर तुम ही चोर थे,’ उसने कहा। ‘तुम्हारे पिता ने तुम्हें अपना छोटा सा रहस्य बनाए रखने की सोची। उन्होंने तुम्हें ओलंपस के सिंहासन कक्ष में भेजा। तुमने मुख्य वज्र और मेरा हेलमेट चुरा लिया। अगर मैंने यान्सी अकादमी में तुम्हें खोजने के लिए अपनी क्रोधी सेना को न भेजा होता, तो पोसीडॉन युद्ध शुरू करने की अपनी योजना को छिपाने में सफल हो सकता था। लेकिन अब तुम सबके सामने आ गए हो। पोसीडॉन के चोर के रूप में तुम्हारा पर्दाफाश होगा, और मुझे मेरा हेलमेट वापस मिल जाएगा!’
‘लेकिन…’ एनाबेथ बोली। मैं समझ सकती थी कि उसका दिमाग बहुत तेज़ी से चल रहा था। ‘हे भगवान हेड्स, आपका अंधकार का हेलमेट भी गायब है?’
‘मेरे साथ मासूमियत का नाटक मत करो, लड़की। तुम और वो कामुक प्राणी इस नायक की मदद कर रहे हो – जो निस्संदेह पोसीडॉन के नाम पर मुझे धमकाने आया है – ताकि मुझे एक अल्टीमेटम दे सके। क्या पोसीडॉन को लगता है कि मैं ब्लैकमेल होकर उसका समर्थन हासिल कर लूंगी?’
‘नहीं!’ मैंने कहा। ‘पोसाइडन ने नहीं – मैंने नहीं –’
हेड्स गुर्राते हुए बोला, ‘मैंने हेलमेट के गायब होने के बारे में कुछ नहीं कहा, क्योंकि मुझे इस बात का कोई भ्रम नहीं था कि ओलंपस पर कोई भी मुझे ज़रा सा भी न्याय या मदद देगा। मैं यह बर्दाश्त नहीं कर सकता कि मेरे भय के सबसे शक्तिशाली हथियार के गायब होने की बात बाहर फैले। इसलिए मैंने खुद तुम्हारी तलाश की, और जब यह स्पष्ट हो गया कि तुम मुझे धमकी देने आ रहे हो, तो मैंने तुम्हें रोकने की कोशिश नहीं की।’

‘आपने हमें रोकने की कोशिश नहीं की? लेकिन –’
‘मेरा हेलमेट अभी लौटा दो, वरना मैं मौत रोक दूंगा,’ हेड्स ने धमकी दी। ‘यही मेरा जवाबी प्रस्ताव है। मैं धरती को फाड़ दूंगा और मरे हुओं को वापस दुनिया में भेज दूंगा। मैं तुम्हारी धरती को भयानक बना दूंगा। और तुम, पर्सी जैक्सन – तुम्हारा कंकाल हेड्स से मेरी सेना का नेतृत्व करेगा।’ कंकालनुमा सैनिकों ने अपने हथियार तैयार करते हुए एक-एक कदम आगे बढ़ाया। उस समय तो मुझे शायद बहुत डर जाना चाहिए था। अजीब बात यह थी कि मुझे बुरा लगा। मुझे किसी ऐसी बात पर सबसे ज्यादा गुस्सा आता है जब मुझ पर किसी ऐसी चीज का आरोप लगाया जाता है जो मैंने नहीं की हो। मुझे इसका काफी अनुभव है। मैंने कहा, 'तुम ज़्यूस जितने ही बुरे हो। तुम्हें लगता है मैंने तुमसे कुछ चुराया है? इसीलिए तुमने मेरे पीछे फ्यूरीज़ को भेजा?'
‘बिल्कुल,’ हेड्स ने कहा।
और दूसरे राक्षस?
हेड्स ने अपने होंठ सिकोड़े। 'मेरा उनसे कोई लेना-देना नहीं था। मैं तुम्हारी तुरंत मौत नहीं चाहता था - मैं चाहता था कि तुम्हें मेरे सामने ज़िंदा लाया जाए ताकि तुम दंड के मैदानों में हर तरह की यातना झेल सको। तुम्हें क्या लगता है कि मैंने तुम्हें इतनी आसानी से अपने राज्य में प्रवेश क्यों करने दिया?'
'आसानी से?'
‘मेरी संपत्ति लौटा दो!’
लेकिन मेरे पास तुम्हारा हेलमेट नहीं है। मैं मास्टर बोल्ट लेने आया हूँ। ‘जो तुम्हारे पास पहले से ही है!’ हेड्स चिल्लाया। ‘तुम इसे लेकर यहाँ आए हो, छोटे मूर्ख, यह सोचकर कि तुम मुझे धमका सकते हो!’
लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया!
‘तो फिर अपना पैकेट खोलो।’
मुझे अचानक एक भयानक एहसास हुआ। मेरे बैग का वजन, मानो कोई बॉलिंग बॉल हो। ऐसा हो ही नहीं सकता...
मैंने उसे अपने कंधे से उतारा और ज़िप खोली। अंदर साठ सेंटीमीटर लंबा एक धातु का सिलेंडर था, जिसके दोनों सिरे नुकीले थे और वह ऊर्जा से गूंज रहा था।
‘पर्सी,’ एनाबेथ ने कहा। ‘कैसे –’

‘मुझे नहीं पता। मुझे समझ नहीं आ रहा।’
हेड्स ने कहा, ‘तुम वीर तो हमेशा एक जैसे ही होते हो। तुम्हारा घमंड तुम्हें मूर्ख बना देता है, यह सोचकर कि तुम मेरे सामने ऐसा हथियार ला सकते हो। मैंने ज़्यूस का महाबल वज्र नहीं माँगा था, लेकिन चूंकि यह यहाँ है, इसलिए तुम इसे मुझे सौंप दोगे। मुझे यकीन है कि यह सौदेबाजी का एक बेहतरीन हथियार साबित होगा। और अब... मेरा हेलमेट। वह कहाँ है?’
मैं अवाक रह गया। मेरे पास हेलमेट नहीं था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मास्टर बोल्ट मेरे बैग में कैसे आ गया। मैं सोचना चाहता था कि हेड्स कोई चाल चल रहा है। हेड्स ही असली विलेन था। लेकिन अचानक दुनिया उलट गई। मुझे एहसास हुआ कि मेरे साथ खिलवाड़ किया गया है। ज़्यूस, पोसीडॉन और हेड्स को किसी और ने एक-दूसरे के दुश्मन बना दिया था। मास्टर बोल्ट बैग में था, और बैग मुझे...
‘हे भगवान, रुकिए,’ मैंने कहा। ‘यह सब एक गलती है।’
‘एक गलती?’ हेड्स दहाड़ा।
कंकालों ने अपने हथियार तान लिए। ऊपर आसमान से चमड़े के पंखों की फड़फड़ाहट सुनाई दी, और तीनों देवियाँ झपट्टा मारकर अपने स्वामी के सिंहासन के पीछे बैठ गईं। श्रीमती डॉड्स के चेहरे वाली देवी ने उत्सुकता से मेरी ओर देखकर मुस्कुराया और अपना चाबुक झटका दिया।
‘कोई गलती नहीं है,’ हेड्स ने कहा। ‘मैं जानता हूँ कि तुम क्यों आए हो – मैं उस असली वजह को जानता हूँ जिसके लिए तुम बिजली का बोल्ट लाए हो। तुम उसके लिए सौदेबाजी करने आए हो।’
हेड्स ने अपनी हथेली से सोने की आग का एक गोला छोड़ा। वह मेरे सामने सीढ़ियों पर फट गया, और वहाँ मेरी माँ सोने की बौछार में जमी हुई पड़ी थी, ठीक उसी क्षण जब मिनोटौर उसे मौत के घाट उतारने लगा था।
मैं बोल नहीं सका। मैंने उसे छूने के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन रोशनी इतनी तेज थी जैसे कोई आग का गोला हो।
‘हाँ,’ हेड्स ने संतुष्टि से कहा। ‘मैंने उसे पकड़ लिया। मुझे पता था, पर्सी जैक्सन, कि तुम आखिरकार मुझसे सौदेबाजी करने आओगे। मेरा हेलमेट लौटा दो, और शायद मैं उसे जाने दूँ। वह मरी नहीं है, तुम्हें पता है। अभी नहीं। लेकिन अगर तुमने मुझे नाराज़ किया, तो यह बदल जाएगा।’

मैंने अपनी जेब में रखे मोतियों के बारे में सोचा। शायद वे मुझे इस मुसीबत से निकाल सकें। अगर मैं अपनी माँ को भी छुड़ा सकूँ तो...
‘आह, मोती!’ हेड्स ने कहा, और मेरा खून जम गया। ‘हाँ, मेरे भाई और उसकी छोटी- मोटी शरारतें। उन्हें बाहर लाओ, पर्सी जैक्सन।’
मेरा हाथ अनजाने में ही आगे बढ़ा और उसने मोती निकाल लिए।
‘सिर्फ़ तीन,’ हेड्स ने कहा। ‘कितनी शर्म की बात है। तुम्हें पता है कि हर एक सिर्फ़ एक ही व्यक्ति की रक्षा करता है। तो फिर अपनी माँ को ले जाने की कोशिश करो, नन्हे देवता। और अपने दोस्तों में से किसे मेरे साथ अनंत काल बिताने के लिए छोड़ोगे? बताओ। या मुझे थैली दे दो और मेरी शर्तें मान लो।’ मैंने एनाबेथ और ग्रोवर की ओर देखा। उनके चेहरे गंभीर थे।
मैंने उनसे कहा, 'हमें धोखा दिया गया था। यह एक साजिश थी।'
‘हाँ, लेकिन क्यों?’ एनाबेथ ने पूछा। ‘और गड्ढे में से आने वाली आवाज़ –’ मैंने कहा, 'मुझे अभी पता नहीं है। लेकिन मैं पूछने का इरादा रखता हूं।' ‘फैसला करो, लड़के!’ हेड्स चिल्लाया।
‘पर्सी।’ ग्रोवर ने मेरे कंधे पर हाथ रखा। ‘तुम उसे बोल्ट नहीं दे सकते।’ 'मुझे पता है कि।'
‘मुझे यहीं छोड़ दो,’ उसने कहा। ‘तीसरे मोती का इस्तेमाल अपनी माँ पर करो।’ 'नहीं!'
ग्रोवर ने कहा, 'मैं एक सैटायर हूँ। हमारे पास मनुष्यों की तरह आत्मा नहीं होती। वह मुझे तब तक यातना दे सकता है जब तक मैं मर न जाऊँ, लेकिन वह मुझे हमेशा के लिए नहीं पा सकता। मैं बस एक फूल या किसी और रूप में पुनर्जन्म लूँगा। यही सबसे अच्छा तरीका है।'
‘नहीं।’ एनाबेथ ने अपना कांस्य का चाकू निकाला। ‘तुम दोनों जाओ। ग्रोवर, तुम्हें पर्सी की रक्षा करनी है। तुम्हें अपना खोजी लाइसेंस लेना होगा और पैन की खोज शुरू करनी होगी। उसकी माँ को यहाँ से निकालो। मैं तुम्हारी रक्षा करूँगी। मैं लड़ते हुए मरने की योजना बना रही हूँ।’
‘बिल्कुल नहीं,’ ग्रोवर ने कहा। ‘मैं यहीं रुकूंगा।’
‘फिर से सोचो, बकरे वाले लड़के,’ एनाबेथ ने कहा।
‘बस करो, तुम दोनों!’ मुझे ऐसा लगा जैसे मेरा दिल दो टुकड़ों में फट रहा हो। वे दोनों मेरे साथ इतने मुश्किल समय में खड़े रहे थे। मुझे याद है ग्रोवर ने स्टैच्यू गार्डन में मेडुसा पर हमला किया था, और एनाबेथ ने हमें

सेर्बेरस से बचाया था; हम हेफेस्टस के वाटरलैंड राइड, सेंट लुइस आर्क, लोटस कैसिनो से बच निकले थे। मैंने हजारों मील का सफर इस डर से तय किया था कि कहीं कोई दोस्त मुझे धोखा न दे दे, लेकिन ये दोस्त ऐसा कभी नहीं करेंगे। उन्होंने मुझे बार-बार बचाया था, और अब वे मेरी माँ के लिए अपनी जान कुर्बान करना चाहते थे।
मैंने कहा, 'मुझे पता है क्या करना है। इन्हें ले लो।'
मैंने उन सभी को एक-एक मोती दिया।
एनाबेथ ने कहा, 'लेकिन, पर्सी...'
मैं मुड़ी और अपनी माँ के सामने खड़ी हो गई। मैं बेताब थी कि खुद को कुर्बान कर दूँ और आखिरी मोती उन पर इस्तेमाल कर दूँ, लेकिन मुझे पता था कि वो क्या कहेंगी। वो कभी इसकी इजाज़त नहीं देंगी। मुझे वज्र को वापस ओलंपस ले जाना था और ज़्यूस को सच बताना था। मुझे युद्ध रोकना ही था। अगर मैंने उनकी जान बचाई तो वो मुझे कभी माफ़ नहीं करेंगी। मैंने हाफ-ब्लड हिल पर हुई उस भविष्यवाणी के बारे में सोचा जो मानो लाखों साल पहले हुई थी। अंत में तुम सबसे महत्वपूर्ण चीज़ को बचाने में नाकाम रहोगी।
मैंने उससे कहा, 'मुझे माफ कर दो। मैं वापस आऊंगा। मैं कोई न कोई रास्ता निकाल लूंगा।'
हेड्स के चेहरे से घमंडी भाव गायब हो गया। उसने कहा, 'देवता का बच्चा...?' मैंने उनसे कहा, 'चाचा जी, मैं आपका हेलमेट ढूंढ लूंगा। मैं उसे लौटा दूंगा। चारोन की तनख्वाह में हुई बढ़ोतरी के बारे में याद रखना।'
मेरी अवज्ञा मत करो –’
और कभी-कभार सेर्बेरस के साथ खेलने में कोई बुराई नहीं है। उसे लाल रबर की गेंदें पसंद हैं।'
‘पर्सी जैक्सन, तुम ऐसा नहीं करोगे –’
मैंने चिल्लाकर कहा, 'अब, दोस्तों!'
हमने मोतियों को अपने पैरों पर पटक दिया। एक पल के लिए, कुछ भी नहीं हुआ, जो डरावना सा लगा।
हेड्स चिल्लाया, 'इन्हें नष्ट कर दो!'
कंकालों की सेना तलवारें लहराते हुए, स्वचालित गति से चलती बंदूकों के साथ आगे बढ़ी। क्रोधी देवियाँ झपटीं और उनके कोड़े आग की लपटों में घिर गए।

जैसे ही कंकालों ने गोलीबारी शुरू की, मेरे पैरों के पास मोती हरे प्रकाश की एक तेज किरण और ताज़ी समुद्री हवा के झोंके के साथ फट गया। मैं एक दूधिया सफेद गोले में समा गया, जो ज़मीन से ऊपर उठने लगा था।
एनाबेथ और ग्रोवर मेरे ठीक पीछे थे। जैसे ही हम ऊपर तैरने लगे, भाले और गोलियां मोती के बुलबुलों से टकराकर बेअसर सी चिंगारियां बनकर निकल गईं। हेड्स इतनी क्रोध से दहाड़ा कि पूरा किला हिल गया और मुझे पता चल गया कि लॉस एंजिल्स में आज रात शांति नहीं रहने वाली है।
‘ऊपर देखो!’ ग्रोवर चिल्लाया। ‘हम दुर्घटनाग्रस्त होने वाले हैं!’ निश्चित रूप से, हम सीधे स्टैलेक्टाइट्स की ओर दौड़ रहे थे, जिनके बारे में मुझे लगा कि वे हमारे भ्रम को तोड़ देंगे और हमें छेद देंगे।
‘आप इन चीजों को कैसे नियंत्रित करते हैं?’ एनाबेथ चिल्लाई।
मैंने चिल्लाकर जवाब दिया, 'मुझे नहीं लगता कि तुम ऐसा करते हो!'
जैसे ही बुलबुले छत से टकराए, हम चीख पड़े और... अंधेरा छा गया।
क्या हम मर चुके थे?
नहीं, मुझे अब भी तेज़ गति का एहसास हो रहा था। हम ऊपर जा रहे थे, ठोस चट्टान के बीच से ऐसे आसानी से गुज़र रहे थे जैसे पानी में हवा का बुलबुला। मुझे एहसास हुआ कि यही मोतियों की शक्ति थी – जो समुद्र का है, वह हमेशा समुद्र में ही लौट जाएगा।
कुछ क्षणों के लिए, मैं अपने गोले की चिकनी दीवारों के बाहर कुछ भी नहीं देख पा रहा था, फिर मेरा मोती समुद्र तल पर टूट पड़ा। एनाबेथ और ग्रोवर, दो अन्य दूधिया गोले, मेरे साथ-साथ पानी में ऊपर की ओर बढ़ते गए। और धड़ाम! हम लॉस एंजिल्स खाड़ी के बीचोंबीच सतह पर धमाके के साथ उतरे, और एक सर्फर को उसके बोर्ड से गिरा दिया, और गुस्से में चिल्लाए, 'यार!'
मैंने ग्रोवर को पकड़ा और उसे खींचकर लाइफबॉय के पास ले गया। मैंने एनाबेथ को भी पकड़ा और उसे भी खींचकर ले गया। एक जिज्ञासु शार्क हमारे चारों ओर चक्कर लगा रही थी, लगभग तीन मीटर लंबी एक विशाल सफेद शार्क।
मैंने कहा, 'यहाँ से चले जाओ।'
शार्क मुड़ी और तेजी से भाग गई।
सर्फर ने कुछ खराब मशरूम के बारे में चिल्लाया और जितनी तेजी से हो सकता था, हमसे दूर पैडल मारता हुआ चला गया।

मुझे किसी तरह पता चल गया था कि समय क्या था: सुबह-सुबह, 21 जून, ग्रीष्म संक्रांति का दिन।
दूर से लॉस एंजिल्स आग की लपटों में घिरा हुआ था, शहर के हर मोहल्ले से धुएं के गुबार उठ रहे थे। भूकंप तो आया ही था, और ये सब नरक की वजह से था।
शायद अभी वो मेरे पीछे मृतकों की सेना भेज रहा होगा।
लेकिन फिलहाल, पाताल लोक मेरी सबसे बड़ी समस्या नहीं थी।
मुझे तट तक पहुंचना था। मुझे ज़्यूस का वज्र वापस ओलंपस ले जाना था। और सबसे ज़रूरी बात, मुझे उस देवता से गंभीरता से बात करनी थी जिसने मुझे धोखा दिया था।

20 मैं अपने बदतमीज़ रिश्तेदार से लड़ता हूँ

तटरक्षक बल की एक नाव ने हमें बचाया, लेकिन वे इतने व्यस्त थे कि हमें ज़्यादा देर तक रोक नहीं पाए, और न ही इस बात पर ध्यान दे पाए कि आम कपड़ों में तीन बच्चे खाड़ी के बीचोंबीच कैसे पहुँच गए। उन्हें एक भयानक आपदा से निपटना था। उनके रेडियो संकटकालीन कॉलों से भरे हुए थे।
उन्होंने हमें सांता मोनिका घाट पर कंधों पर तौलिए और पानी की बोतलों के साथ छोड़ दिया जिन पर लिखा था "मैं एक जूनियर कोस्ट गार्ड हूँ!" और अधिक लोगों को बचाने के लिए तेजी से रवाना हो गए।
हमारे कपड़े पूरी तरह भीग चुके थे, यहाँ तक कि मेरे भी। जब कोस्ट गार्ड की नाव आई, तो मैंने मन ही मन प्रार्थना की कि कहीं वे मुझे पानी से बाहर न निकालें और मुझे बिल्कुल सूखा न पाएँ, जिससे शायद कुछ लोगों को हैरानी हो सकती थी। इसलिए मैंने जानबूझकर खुद को भीगने दिया। और सच में, मेरी हमेशा की तरह पानी से बचाने वाली शक्ति ने मेरा साथ छोड़ दिया था। मैं नंगे पैर भी थी, क्योंकि मैंने अपने जूते ग्रोवर को दे दिए थे। कोस्ट गार्ड को यह जानकर हैरानी हो कि हममें से कोई एक नंगे पैर क्यों है, बजाय इसके कि उन्हें यह जानकर हैरानी हो कि हममें से किसी के खुर क्यों हैं।
सूखी ज़मीन पर पहुँचकर हम लड़खड़ाते हुए समुद्र तट पर चलने लगे, और खूबसूरत सूर्योदय के बीच शहर को जलते हुए देखने लगे। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं मौत के मुंह से वापस आया हूँ – और सच में आ ही गया था। मेरा बैग ज़्यूस के शक्तिशाली वज्र से लबालब भरा था। माँ को देखकर मेरा दिल और भी भारी हो गया था।
‘मुझे विश्वास नहीं हो रहा,’ एनाबेथ ने कहा। ‘हम इतनी दूर तक गए थे –’ मैंने कहा, 'यह एक चाल थी। एथेना के योग्य रणनीति।'
‘अरे,’ उसने चेतावनी दी।
‘तुम्हें समझ आ गया होगा, है ना?’
उसने अपनी निगाहें झुका लीं, उसका गुस्सा शांत हो गया। 'हाँ। मैं समझ गई।' ‘खैर, मुझे तो नहीं पता!’ ग्रोवर ने शिकायत की। ‘क्या कोई –’

‘पर्सी…’ एनाबेथ ने कहा। ‘तुम्हारी माँ के बारे में सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। मुझे बहुत अफ़सोस है…।’
मैंने उसकी बात अनसुनी करने का नाटक किया। अगर मैं अपनी माँ के बारे में बात करती, तो मैं छोटे बच्चे की तरह रोने लगती।
मैंने कहा, ‘भविष्यवाणी सही थी। ‘तुम्हें पश्चिम की ओर जाना होगा और उस देवता का सामना करना होगा जो पलट गया है।’ लेकिन वह हेड्स नहीं था। हेड्स तीनों देवताओं के बीच युद्ध नहीं चाहता था। किसी और ने चोरी की थी। किसी ने ज़्यूस का मुख्य वज्र और हेड्स का हेलमेट चुरा लिया और मुझे फंसा दिया क्योंकि मैं पोसीडॉन का बेटा हूँ। दोनों तरफ से पोसीडॉन पर दोष लगाया जाएगा। आज सूर्यास्त तक, तीन तरफा युद्ध छिड़ जाएगा। और इसका कारण मैं ही होऊंगा।’
ग्रोवर ने हैरानी से सिर हिलाया। 'लेकिन इतना धूर्त कौन होगा? युद्ध की इतनी तीव्र इच्छा किसकी होगी?'
मैं वहीं रुक गया और समुद्र तट की ओर देखने लगा। 'अरे, मुझे सोचने दो।'
वह वहीं हमारा इंतज़ार कर रहा था, काले चमड़े के डस्टर और धूप के चश्मे में, कंधे पर एल्युमिनियम का बेसबॉल बैट रखे हुए। उसकी मोटरसाइकिल उसके बगल में गड़गड़ा रही थी, जिसकी हेडलाइट से रेत लाल हो रही थी।
‘अरे, बच्चे,’ एरेस ने मुझे देखकर सचमुच प्रसन्न होते हुए कहा। ‘तुम्हें तो मरना था।’
मैंने कहा, 'तुमने मुझे धोखा दिया। तुमने हेलमेट और मास्टर बोल्ट चुरा लिए।'
एरेस मुस्कुराया। 'खैर, मैंने इन्हें खुद नहीं चुराया। देवताओं का एक-दूसरे के शक्ति प्रतीकों को लेना सरासर गलत है। लेकिन तुम दुनिया के इकलौते हीरो नहीं हो जो ये काम कर सकते हो।'
‘आपने किसका इस्तेमाल किया? क्लारिस का? वह शीतकालीन संक्रांति के समय वहां मौजूद थी।’
यह विचार उसे मनोरंजक लगा। ‘कोई बात नहीं। असल बात तो यह है कि, बच्चे, तुम युद्ध में बाधा डाल रहे हो। देखो, तुम्हें पाताल लोक में मरना होगा। फिर बूढ़ा समुद्री शैवाल तुम्हें मारने के लिए हेड्स पर क्रोधित होगा। लाश की सांस वाले के पास ज़्यूस का महाबल होगा, इसलिए ज़्यूस उस पर क्रोधित होगा। और हेड्स अभी भी इसकी तलाश में है…’

उसने अपनी जेब से एक स्की कैप निकाली - वैसी ही टोपी जैसी बैंक लुटेरे पहनते हैं - और उसे अपनी साइकिल के हैंडलबार के बीच रख दिया। पल भर में, वह टोपी एक शानदार कांस्य युद्ध हेलमेट में बदल गई।
‘अंधकार का हेलमेट,’ ग्रोवर हांफते हुए बोला।
‘बिल्कुल सही,’ एरेस ने कहा। ‘अब मैं कहाँ था? ओह हाँ, हेड्स ज़्यूस और पोसीडॉन दोनों पर नाराज़ होगा, क्योंकि उसे नहीं पता कि इसे किसने लिया है। देखते ही देखते, हमारे बीच एक ज़बरदस्त तीन-तरफ़ा लड़ाई शुरू हो जाएगी।’
‘लेकिन वे तो तुम्हारे परिवार वाले हैं!’ एनाबेथ ने विरोध जताया।
एरेस ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'सबसे बढ़िया तरह का युद्ध। हमेशा सबसे खूनी। अपने रिश्तेदारों को लड़ते हुए देखने जैसा कुछ नहीं, मैं हमेशा यही कहता हूं।'
मैंने कहा, 'डेनवर में तुमने ही मुझे वो बैग दिया था। मास्टर बोल्ट तो उसमें हर समय मौजूद था।'
‘हाँ और ना,’ एरेस ने कहा। ‘शायद तुम्हारे छोटे से नश्वर दिमाग के लिए इसे समझना बहुत मुश्किल होगा, लेकिन यह थैली असल में मास्टर बोल्ट का म्यान है, बस थोड़ा सा बदला हुआ। बोल्ट इससे जुड़ा हुआ है, ठीक उसी तलवार की तरह जो तुम्हारे पास है, बच्चे। यह हमेशा तुम्हारी जेब में वापस आ जाता है, है ना?’ मुझे यकीन नहीं था कि एरेस को इसके बारे में कैसे पता चला, लेकिन मुझे लगता है कि युद्ध के देवता को हथियारों के बारे में जानना अपना काम समझना ही होगा।
‘खैर,’ एरेस ने आगे कहा, ‘मैंने जादू में थोड़ा बदलाव किया है, ताकि तीर तभी म्यान में वापस आए जब आप पाताल लोक पहुँच जाएँ। आप हेड्स के करीब पहुँचते हैं… बस, आपको चिट्ठी मिल जाती है। अगर रास्ते में आपकी मृत्यु हो जाती है
– तो कोई नुकसान नहीं। हथियार तो मेरे पास ही रहता है।’
मैंने कहा, 'लेकिन मुख्य बोल्ट को अपने पास ही क्यों नहीं रख लेते? उसे नरक में क्यों भेजना?'
एरेस के जबड़े में एक झनझनाहट हुई। एक पल के लिए, ऐसा लगा मानो वह अपने दिमाग के भीतर किसी और की आवाज़ सुन रहा हो। 'मैंने ऐसा क्यों नहीं किया... हाँ... इतनी मारक क्षमता के साथ...'
उसने एक सेकंड के लिए… दो सेकंड के लिए… समाधि की अवस्था धारण की।

मैंने एनाबेथ के साथ घबराहट भरी नजरों का आदान-प्रदान किया।
एरेस का चेहरा साफ हो गया। 'मैं यह झंझट नहीं चाहता था। बेहतर यही था कि तुम इसे पकड़े हुए रंगे हाथों पकड़े जाओ।'
मैंने कहा, 'तुम झूठ बोल रहे हो। उस बोल्ट को पाताल लोक भेजना तुम्हारा विचार नहीं था, है ना?'
‘बेशक ऐसा ही था!’ उनकी धूप के चश्मे से धुआं उठ रहा था, मानो उनमें आग लगने ही वाली हो।
मैंने अनुमान लगाया, ‘तुमने चोरी का आदेश नहीं दिया था। किसी और ने एक नायक को उन दो वस्तुओं को चुराने के लिए भेजा था। फिर, जब ज़्यूस ने तुम्हें उसका पीछा करने के लिए भेजा, तो तुमने चोर को पकड़ लिया। लेकिन तुमने उसे ज़्यूस के हवाले नहीं किया। किसी चीज़ ने तुम्हें उसे जाने देने के लिए मना लिया। तुमने उन वस्तुओं को तब तक अपने पास रखा जब तक कि कोई दूसरा नायक आकर उन्हें पहुँचाने का काम पूरा नहीं कर देता। गड्ढे में बैठी वह चीज़ तुम्हें आदेश दे रही है।’
मैं युद्ध का देवता हूँ! मैं किसी से आदेश नहीं लेता! मुझे सपने नहीं आते! मैं हिचकिचाया। 'सपनों के बारे में किसने कुछ कहा?'
एरेस उत्तेजित लग रहा था, लेकिन उसने इसे एक शरारती मुस्कान से छिपाने की कोशिश की।
“चलो, मुद्दे पर वापस आते हैं, बच्चे। तुम ज़िंदा हो। मैं तुम्हें वो बिजली लेकर ओलंपस नहीं जाने दे सकता। कहीं ऐसा न हो कि तुम उन जिद्दी बेवकूफों को अपनी बात मनवा लो। इसलिए मुझे तुम्हें मारना होगा। इसमें कोई व्यक्तिगत बात नहीं है।”
उसने उंगलियां चटकाईं। उसके पैरों के पास रेत उड़ गई और एक जंगली सूअर बाहर निकला, जो कैंप हाफ-ब्लड के केबिन सात के दरवाजे के ऊपर लटके हुए सूअर से भी कहीं अधिक विशाल और बदसूरत था। वह जानवर रेत पर अपने पंजे मारते हुए, अपनी नुकीली आंखों से मुझे घूर रहा था, और अपने तेज धार वाले दांत नीचे करके मारने के आदेश का इंतजार कर रहा था।
मैं लहरों में उतर गया। 'एरेस, मुझसे खुद लड़ो।'
वह हँसा, लेकिन मुझे उसकी हँसी में थोड़ी सी बेचैनी महसूस हुई... एक झिझक। 'तुम्हारे पास बस एक ही हुनर है, बच्चे, भाग जाना। तुम चिमेरा से भागे। तुम पाताल लोक से भागे। तुममें वो बात नहीं है जो होनी चाहिए।'

'डरा हुआ?'
‘तुम्हारे किशोरावस्था के सपनों में ही सब कुछ।’ लेकिन उसकी आँखों की गर्मी से उसके चश्मे पिघलने लगे थे। ‘मेरा कोई सीधा संबंध नहीं है। माफ करना, बच्चे। तुम मेरे स्तर के नहीं हो।’
एनाबेथ ने कहा, 'पर्सी, भागो!'
विशालकाय सूअर ने हमला कर दिया।
लेकिन मैं राक्षसों से भागना बंद कर चुका था। न ही हेड्स से, न ही एरेस से, न ही किसी और से।
जैसे ही जंगली सूअर मेरी ओर दौड़ा, मैंने अपने पिंजरे का ढक्कन खोला और एक तरफ हट गया। मेरे हाथों में रिपटाइड आ गई। मैंने ऊपर की ओर वार किया। सूअर का कटा हुआ दाहिना दांत मेरे पैरों के पास गिर गया, जबकि वह जानवर घबराकर समुद्र में कूद गया।
मैंने चिल्लाकर कहा, 'हाथ हिलाओ!'
अचानक कहीं से एक लहर उठी और सूअर को अपनी चपेट में ले लिया, मानो उसे कंबल में लपेट लिया हो। जानवर डर के मारे एक बार चीखा। फिर वह गायब हो गया, समुद्र में समा गया।
मैंने एरेस की ओर मुड़कर पूछा, 'क्या अब तुम मुझसे लड़ोगे? या फिर किसी दूसरे पालतू सुअर के पीछे छिपोगे?'
एरेस का चेहरा गुस्से से बैंगनी हो गया था। 'सावधान रहो, बच्चे। मैं तुम्हें बदल सकता हूँ -'
मैंने कहा, 'एक तिलचट्टा।' 'या फिर एक टेपवर्म। हाँ, मुझे यकीन है। इससे तुम्हारी पिटाई से बच जाओगे, है ना?'
उसके चश्मे के ऊपर लपटें नाच रही थीं। 'अरे यार, तुम तो सचमुच खुद को एक चिकने धब्बे में कुचलने के लिए कह रहे हो।'
'अगर मैं हार गया, तो मुझे जो चाहो बना दो। बोल्ट ले लो। अगर मैं जीत गया, तो हेलमेट और बोल्ट मेरे होंगे और तुम्हें यहाँ से चले जाना होगा।'
एरेस ने उपहास किया।
उसने बेसबॉल बैट को अपने कंधे से झटकते हुए कहा, 'तुम्हें किस तरह से पिटना पसंद होगा: पारंपरिक तरीके से या आधुनिक तरीके से?'
मैंने उसे अपनी तलवार दिखाई।

‘वाह, शानदार!’ उसने कहा। ‘बिल्कुल क्लासिक।’ बेसबॉल का बल्ला एक विशाल, दोधारी तलवार में बदल गया। तलवार का हैंडल एक बड़ी चांदी की खोपड़ी थी जिसके मुंह में एक माणिक जड़ा हुआ था।
‘पर्सी,’ एनाबेथ ने कहा। ‘ऐसा मत करो। वह एक देवता है।’
मैंने उससे कहा, 'वह कायर है।'
उसने घबराकर कहा, 'कम से कम इसे तो पहन लो। सौभाग्य के लिए।'
उसने अपने गले का हार उतारा, जिसमें उसके पांच साल के शिविर के मोती और उसके पिता की दी हुई अंगूठी थी, और उसे मेरे गले में बांध दिया। ‘मेल-मिलाप,’ उसने कहा। ‘एथेना और पोसीडॉन एक साथ।’
मेरा चेहरा थोड़ा गर्म महसूस हुआ, लेकिन मैंने मुस्कुराने की कोशिश की। 'धन्यवाद।'
‘और ये लो,’ ग्रोवर ने कहा। उसने मुझे एक चपटा टिन का डिब्बा थमा दिया जिसे उसने शायद हज़ारों मील की यात्रा के दौरान अपनी जेब में संभाल कर रखा था। ‘सैटायर तुम्हारे पीछे खड़े हैं।’
‘ग्रोवर… मुझे नहीं पता कि क्या कहूँ।’
उसने मेरे कंधे पर थपथपाया। मैंने टिन का डिब्बा अपनी पिछली जेब में डाल लिया।
‘क्या तुम सब अलविदा कह चुके हो?’ एरेस मेरी ओर बढ़ा, उसका काला चमड़े का डस्टर उसके पीछे घिसट रहा था, उसकी तलवार सूर्योदय में आग की तरह चमक रही थी। ‘मैं अनंत काल से लड़ रहा हूँ, बच्चे। मेरी शक्ति असीमित है और मैं मर नहीं सकता। तुम्हारे पास क्या है?’
मैंने सोचा, थोड़ा अहंकार कम करो, लेकिन मैंने कुछ नहीं कहा। मैंने अपने पैर लहरों में ही रखे और टखनों तक पानी में पीछे की ओर धकेलती रही। मुझे डेनवर के उस ढाबे पर बहुत पहले कही गई एनाबेथ की बात याद आई: एरेस के पास ताकत है। बस यही उसके पास है। ताकत में भी कभी-कभी बुद्धिमत्ता होती है। उसने मेरे सिर पर नीचे की ओर वार किया, लेकिन मैं वहां मौजूद नहीं था। मेरे शरीर ने मेरे लिए सोचा। पानी ने मुझे हवा में धकेल दिया और मैं उसके ऊपर से उछल पड़ा, नीचे आते हुए वार करता रहा। लेकिन एरेस भी उतना ही फुर्तीला था। वह मुड़ा और जो वार सीधे उसकी रीढ़ की हड्डी पर लगना चाहिए था, वह उसकी तलवार के मूठ से टकराकर पलट गया।
वह मुस्कुराया। 'बुरा नहीं, बुरा नहीं।'

उसने फिर वार किया और मुझे मजबूर होकर सूखी ज़मीन पर कूदना पड़ा। मैंने किनारे हटकर पानी में वापस जाने की कोशिश की, लेकिन एरेस को पता था कि मैं क्या चाहता हूँ। उसने मुझे चकमा दिया और इतना ज़ोर लगाया कि मुझे अपनी सारी एकाग्रता खुद को टुकड़ों में कटने से बचाने पर लगानी पड़ी। मैं लहरों से पीछे हटता रहा। मुझे हमले का कोई मौका नहीं मिला। उसकी तलवार की मारक क्षमता अनाक्लुस्मोस से एक मीटर ज़्यादा थी।
तलवारबाजी की क्लास में एक बार ल्यूक ने मुझसे कहा था, "करीब जाओ। जब तुम्हारे पास छोटी तलवार हो, तो पास जाओ।"
मैंने पूरी ताकत से अंदर कदम रखा, लेकिन एरेस पहले से ही तैयार था। उसने मेरे हाथों से तलवार छीन ली और मेरी छाती पर लात मारी। मैं हवा में उछल गया
– पंद्रह-पंद्रह, शायद बीस मीटर। अगर मैं एक टीले की नरम रेत पर न गिरा होता तो मेरी कमर टूट जाती।
‘पर्सी!’ एनाबेथ चिल्लाई। ‘पुलिस!’
मुझे सब कुछ दो-दो दिखाई दे रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे किसी भारी चीज़ से सीने पर ज़ोरदार प्रहार हुआ हो, लेकिन फिर भी मैं किसी तरह खड़ा हो गया। मुझे डर था कि एरेस मुझे दो टुकड़ों में काट देगा, इसलिए मैं उससे नज़रें नहीं हटा पा रहा था, लेकिन मेरी नज़र के कोने से मुझे समुद्र तट के किनारे बने रास्ते पर लाल बत्तियाँ चमकती हुई दिखाई दीं। गाड़ियों के दरवाज़े ज़ोर से बंद हो रहे थे।
‘देखो, अधिकारी जी!’ किसी ने चिल्लाकर कहा। ‘देखा?’
एक कर्कश पुलिसवाले की आवाज: 'देखने में तो वो टीवी वाला बच्चा लग रहा है... ये क्या हो रहा है...'
दूसरे पुलिसकर्मी ने कहा, 'उस आदमी के पास हथियार है। मदद के लिए बुलाओ।' जैसे ही एरेस की तलवार ने रेत को चीरा, मैं एक तरफ लुढ़क गया।
मैं अपनी तलवार की ओर दौड़ा, उसे उठाया और एरेस के चेहरे पर वार किया, लेकिन मेरी तलवार फिर से पलट गई।
ऐसा लगता था कि एरेस को ठीक-ठीक पता था कि मैं क्या करने वाला हूँ, वो भी मेरे करने से ठीक पहले।
मैं लहरों की ओर पीछे हट गया, जिससे उसे भी मेरे पीछे आने के लिए मजबूर होना पड़ा।

‘मान लो, बच्चे,’ एरेस ने कहा। ‘तुम्हारी कोई उम्मीद नहीं है। मैं बस तुमसे खेल रहा हूँ।’
मेरी इंद्रियां पूरी तरह से सक्रिय थीं। अब मुझे समझ आ गया था कि एनाबेथ ने एडीएचडी के बारे में जो कहा था कि यह युद्ध में जान बचाए रखता है, वह कितना सही था। मैं पूरी तरह से जागृत था और हर छोटी से छोटी बात पर ध्यान दे रहा था।
मैं देख सकता था कि एरेस तनाव में था। मैं समझ गया था कि वह किस दिशा में प्रहार करेगा। उसी समय, मुझे अपने बाईं ओर दस मीटर की दूरी पर एनाबेथ और ग्रोवर की मौजूदगी का भी एहसास हुआ। मैंने एक दूसरी पुलिस कार को सायरन बजाते हुए आते देखा। भूकंप के कारण सड़कों पर भटक रहे दर्शक इकट्ठा होने लगे थे। भीड़ में, मुझे कुछ लोग ऐसे दिखाई दिए जो भेस बदले हुए सैटायरों की तरह अजीबोगरीब चाल से चल रहे थे। आत्माओं की झिलमिलाती आकृतियाँ भी थीं, मानो मरे हुए लोग युद्ध देखने के लिए पाताल लोक से उठ आए हों। मैंने ऊपर कहीं चमचमाते चमड़े के पंखों की फड़फड़ाहट सुनी।
और भी सायरन बजने लगे।
मैं पानी में और आगे बढ़ा, लेकिन एरेस बहुत तेज़ था। उसकी तलवार की नोक ने मेरी आस्तीन फाड़ दी और मेरी बांह को खरोंच दिया।
एक पुलिस वाले ने मेगाफोन पर कहा, 'बंदूकें नीचे रखो! उन्हें जमीन पर रख दो। अभी!'
बंदूकें?
मैंने एरेस के हथियार को देखा, और वह झिलमिलाता हुआ प्रतीत हुआ; कभी वह शॉटगन जैसा दिखता था, कभी दोधारी तलवार जैसा। मुझे नहीं पता था कि मनुष्य मेरे हाथों में क्या देख रहे थे, लेकिन मुझे पूरा यकीन था कि इससे वे मुझे पसंद नहीं करेंगे।
एरेस ने हमारे दर्शकों को घूरकर देखा, जिससे मुझे थोड़ी राहत मिली। अब वहाँ पाँच पुलिस कारें थीं, और उनके पीछे पुलिस अधिकारियों की एक पंक्ति दुबकी हुई थी, जिनकी पिस्तौलें हम पर तनी हुई थीं।
‘यह निजी मामला है!’ एरेस दहाड़ा। ‘चले जाओ!’
उसने हाथ घुमाया और लाल लपटों की एक दीवार गश्ती गाड़ियों पर फैल गई। पुलिसकर्मियों को छिपने का मुश्किल से ही समय मिला था कि उनकी गाड़ियां फट गईं। उनके पीछे मौजूद भीड़ चीखते-चिल्लाते हुए इधर-उधर भाग गई।

एरेस जोर से हँस पड़ा। 'अब, नन्हे हीरो, चलो तुम्हें बारबेक्यू में डाल देते हैं।'
उसने वार किया। मैंने उसके वार को रोक दिया। मैं वार करने के लिए काफी करीब पहुँच गया, उसे चकमा देने की कोशिश की, लेकिन मेरा वार नाकाम रहा। अब लहरें मेरी पीठ पर लग रही थीं। एरेस घुटनों तक पानी में था और मेरे पीछे-पीछे आ रहा था।
मैंने समुद्र की लय को महसूस किया, ज्वार के साथ लहरें बड़ी होती जा रही थीं, और अचानक मेरे मन में एक विचार आया। छोटी-छोटी लहरें, मैंने सोचा। और मेरे पीछे पानी पीछे हटता हुआ प्रतीत हुआ। मैं अपनी इच्छाशक्ति से ज्वार को रोक रहा था, लेकिन तनाव बढ़ता जा रहा था, जैसे किसी ढक्कन के अंदर कार्बन डाइऑक्साइड जम जाती है।
एरेस आत्मविश्वास भरी मुस्कान के साथ मेरी ओर बढ़ा। मैंने अपनी तलवार नीचे कर ली, मानो मैं आगे बढ़ने के लिए बहुत थक गया था। मैंने समुद्र से कहा, "इंतज़ार करो!" अब दबाव इतना बढ़ गया था कि मैं लगभग अपने पैरों से उठ खड़ा हुआ था। एरेस ने अपनी तलवार उठाई। मैंने लहरों को छोड़ा और छलांग लगाई, एक लहर पर सवार होकर सीधे एरेस के ऊपर से निकल गया।
दो मीटर ऊंची पानी की दीवार उसके चेहरे पर ज़ोर से टकराई, जिससे वह मुंह में शैवाल भर जाने के कारण बड़बड़ाने और खांसने लगा। मैं छप-छप करते हुए उसके पीछे उतरा और पहले की तरह ही उसके सिर की ओर वार करने का नाटक किया। उसने समय रहते अपनी तलवार उठाई, लेकिन इस बार वह भ्रमित था, उसने मेरी चाल का अनुमान नहीं लगाया था। मैंने दिशा बदली, एक तरफ छलांग लगाई और रिपटाइड को सीधे पानी में गाड़ दिया, जिससे तलवार की नोक देवता की एड़ी में घुस गई। इसके बाद जो गर्जना हुई, उसके सामने हेड्स का भूकंप एक मामूली घटना जैसा लग रहा था। समुद्र ही एरेस से पीछे हट गया, जिससे पंद्रह मीटर चौड़ा रेत का एक गीला घेरा बन गया।
युद्ध के देवता के जूते में लगे घाव से देवताओं का सुनहरा रक्त, इकोर, बह रहा था। उसके चेहरे पर घृणा से परे, दर्द, सदमा और इस बात पर पूर्ण अविश्वास के भाव थे कि वह घायल हो गया था।
वह लंगड़ाते हुए मेरी ओर बढ़ा और प्राचीन यूनानी गालियां बुदबुदाने लगा।
किसी चीज ने उसे रोक दिया।

ऐसा लग रहा था मानो किसी बादल ने सूरज को ढक लिया हो, लेकिन उससे भी बदतर।
रोशनी फीकी पड़ गई। आवाज़ और रंग गायब हो गए। समुद्र तट पर एक ठंडी, भारी सी अनुभूति छा गई, मानो समय धीमा हो गया हो, तापमान शून्य तक गिर गया हो और मुझे ऐसा महसूस होने लगा हो कि जीवन व्यर्थ है, संघर्ष करना बेकार है।
अंधेरा छंट गया।
एरेस स्तब्ध रह गया।
हमारे पीछे पुलिस की गाड़ियाँ जल रही थीं। दर्शकों की भीड़ भाग चुकी थी।
एनाबेथ और ग्रोवर सदमे में समुद्र तट पर खड़े थे, एरेस के पैरों के चारों ओर पानी को वापस आते हुए देख रहे थे, उसका चमकता हुआ सुनहरा रक्त ज्वार में घुल रहा था।
एरेस ने अपनी तलवार नीचे कर ली।
‘हे देवता, तूने एक शत्रु बना लिया है,’ उसने मुझसे कहा। ‘तूने अपना भाग्य स्वयं तय कर लिया है। युद्ध में जब भी तू अपनी तलवार उठाएगा, जब भी तू सफलता की आशा करेगा, तू पर मेरा श्राप पड़ेगा। सावधान रहो, पर्सीयस जैक्सन। सावधान रहो।’
उसका शरीर चमकने लगा।
‘पर्सी!’ एनाबेथ चिल्लाई। ‘मत देखो!’
जैसे ही देवता एरेस ने अपना असली अमर रूप प्रकट किया, मैंने मुंह फेर लिया। मुझे किसी तरह यह एहसास था कि अगर मैंने देखा तो मैं राख में बदल जाऊंगा।
बत्ती बुझ गई।
मैंने पीछे मुड़कर देखा। एरेस जा चुका था। लहरें पीछे हट गईं और हेड्स का कांस्य का अंधकारमय हेलमेट दिखाई दिया। मैंने उसे उठाया और अपने दोस्तों की ओर चल पड़ा।
लेकिन मेरे वहाँ पहुँचने से पहले ही, मुझे चमड़े के पंखों के फड़फड़ाने की आवाज़ सुनाई दी। लेस वाली टोपी और आग उगलने वाले चाबुक लिए तीन भयानक दिखने वाली दादियाँ आकाश से नीचे उतरीं और मेरे सामने आकर बैठ गईं।
बीच वाली फ्यूरी, जो पहले मिसेज डॉड्स थीं, आगे बढ़ीं। उनके नुकीले दांत बाहर निकले हुए थे, लेकिन इस बार वह डरावनी नहीं लग रही थीं। वह ज़्यादा निराश लग रही थीं, मानो उन्होंने मुझे रात के खाने में खाने की योजना बनाई हो, लेकिन सोचा हो कि कहीं मैं उन्हें बदहज़मी न दे दूं।

‘हमने सब कुछ देखा,’ उसने फुफकारते हुए कहा। ‘तो… वाकई में यह तुमने नहीं किया?’
मैंने उसकी तरफ हेलमेट उछाला, जिसे उसने हैरानी से पकड़ लिया।
मैंने कहा, 'इसे भगवान हेड्स को लौटा दो। उन्हें सच बताओ। उनसे कहो कि युद्ध रद्द कर दें।'
वह हिचकिचाई, फिर अपनी हरी, चमड़े जैसी होंठों पर अपनी जीभ फेरने लगी। 'अच्छी जिंदगी जियो, पर्सी जैक्सन। एक सच्चा हीरो बनो। क्योंकि अगर तुम ऐसा नहीं करोगे, अगर तुम कभी फिर से मेरे चंगुल में आओगे...'
वह खिलखिलाकर हंस पड़ी, इस विचार का आनंद लेते हुए। फिर वह और उसकी बहनें चमगादड़ के पंखों पर सवार होकर धुएं से भरे आकाश में उड़ गईं और गायब हो गईं।
मैं ग्रोवर और एनाबेथ के पास गया, जो मुझे हैरानी से देख रहे थे। ‘पर्सी…’ ग्रोवर ने कहा। ‘यह तो अविश्वसनीय था…’
'भयानक,' एनाबेथ ने कहा।
‘शानदार!’ ग्रोवर ने सुधार किया।
मुझे डर नहीं लगा। मुझे बिल्कुल भी अच्छा महसूस नहीं हुआ। मैं थका हुआ था, मेरे शरीर में दर्द था और मेरी सारी ऊर्जा खत्म हो चुकी थी।
मैंने पूछा, 'क्या आप लोगों को वो... जो भी था, महसूस हुआ?'
दोनों ने बेचैनी से सिर हिलाया।
ग्रोवर ने कहा, 'ऊपर फ्यूरीज जरूर रही होंगी।'
लेकिन मुझे इतना यकीन नहीं था। किसी चीज ने एरेस को मुझे मारने से रोक दिया था, और जो भी ऐसा कर सकता था वह फ्यूरीज़ से कहीं ज्यादा शक्तिशाली था। मैंने एनाबेथ की ओर देखा, और हमारे बीच एक समझ विकसित हो गई। अब मैं जान गया था कि उस गड्ढे में क्या था, टारटेरस के प्रवेश द्वार से क्या बोला था। मैंने ग्रोवर से अपना बैग वापस लिया और अंदर देखा। मास्टर बोल्ट अभी भी वहीं था। इतनी छोटी सी चीज लगभग तीसरे विश्व युद्ध का कारण बन सकती थी। मैंने कहा, 'हमें न्यूयॉर्क वापस जाना होगा। आज रात तक।'
‘यह असंभव है,’ एनाबेथ ने कहा, ‘जब तक हम –’
मैंने सहमति जताते हुए कहा, 'उड़ो।'
उसने मेरी तरफ घूरकर देखा। 'क्या तुम हवाई जहाज में उड़ोगे, जिसके बारे में तुम्हें चेतावनी दी गई थी कि ऐसा कभी मत करना, वरना ज़्यूस तुम्हें आसमान

□□ □□□□ □□□□, □□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□□
□□□□□□□□□ □□?'
‘□□□,’ □□□□□ □□□□ ‘□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□’

21 मैं अपना बिल चुकाता हूँ

यह अजीब बात है कि इंसान चीजों को अपने हिसाब से ढाल लेते हैं और उन्हें अपनी वास्तविकता के अनुरूप बना लेते हैं। काइरन ने मुझे यह बात बहुत पहले बताई थी। हमेशा की तरह, मुझे उनकी इस बुद्धिमत्ता का महत्व बहुत बाद में समझ आया।
लॉस एंजिल्स की खबरों के अनुसार, सांता मोनिका बीच पर हुए विस्फोट का कारण यह था कि एक सनकी अपहरणकर्ता ने पुलिस की गाड़ी पर शॉटगन से गोली चलाई। गलती से गोली उस गैस पाइपलाइन पर लग गई जो भूकंप के दौरान फट गई थी।
यह सनकी अपहरणकर्ता (उर्फ़ एरेस) वही व्यक्ति था जिसने न्यूयॉर्क में मेरा और दो अन्य किशोरों का अपहरण किया था और हमें दस दिनों की आतंक भरी यात्रा पर देश भर में ले गया था।
बेचारा नन्हा पर्सी जैक्सन आखिर कोई अंतरराष्ट्रीय अपराधी तो था नहीं। उसने न्यू जर्सी की उस ग्रेहाउंड बस में अपने अपहरणकर्ता से भागने की कोशिश में हंगामा मचा दिया था (और बाद में गवाहों ने कसम खाकर कहा कि उन्होंने चमड़े के कपड़े पहने उस आदमी को बस में देखा था – ‘मुझे पहले याद क्यों नहीं आया?’)। उस पागल आदमी ने सेंट लुइस आर्च में धमाका किया था। आखिर कोई बच्चा ऐसा तो कर ही नहीं सकता था। डेनवर की एक चिंतित वेट्रेस ने अपने भोजनालय के बाहर उस आदमी को अपने अपहरणकर्ताओं को धमकाते हुए देखा, अपने एक दोस्त से फोटो खिंचवाई और पुलिस को सूचना दी। अंत में, बहादुर पर्सी जैक्सन (मुझे यह बच्चा पसंद आने लगा था) ने लॉस एंजिल्स में अपने अपहरणकर्ता से बंदूक चुरा ली और समुद्र तट पर उससे राइफल से बंदूक लेकर लड़ाई की। पुलिस ठीक समय पर पहुंच गई थी। लेकिन उस भयानक धमाके में पांच पुलिस की गाड़ियां नष्ट हो गईं और अपहरणकर्ता भाग गया। कोई हताहत नहीं हुआ। पर्सी जैक्सन और उसके दो दोस्त सुरक्षित रूप से पुलिस हिरासत में थे। रिपोर्टरों ने हमें यह पूरी कहानी सुनाई। हमने बस सिर हिलाया और आंसू बहाने और थके होने का नाटक किया (जो मुश्किल नहीं था), और कैमरों के सामने पीड़ित बच्चों की तरह व्यवहार किया।
मैंने आँसू रोकते हुए कहा, ‘मैं बस इतना चाहती हूँ कि अपने प्यारे सौतेले पिता को फिर से देख सकूँ। जब भी मैं उन्हें टीवी पर मुझे बदमाश कहते हुए

देखती थी, मुझे पता होता था… किसी तरह… हम ठीक हो जाएँगे। और मुझे पता है कि वो लॉस एंजिल्स के इस खूबसूरत शहर के हर व्यक्ति को अपने स्टोर से एक बड़ा घरेलू उपकरण मुफ्त में देना चाहेंगे। ये रहा उनका फ़ोन नंबर।’ पुलिस और पत्रकार इतने भावुक हो गए कि उन्होंने चंदा इकट्ठा करके न्यूयॉर्क जाने वाली अगली फ्लाइट के तीन टिकट खरीद लिए।
मुझे पता था कि उड़ने के अलावा कोई चारा नहीं था। मुझे उम्मीद थी कि परिस्थितियों को देखते हुए ज़्यूस मुझ पर थोड़ी दया दिखाएगा। लेकिन फिर भी खुद को विमान में सवार होने के लिए मजबूर करना मुश्किल था।
उड़ान भरना किसी बुरे सपने से कम नहीं था। हर पल का टर्बुलेंस किसी ग्रीक राक्षस से भी ज़्यादा डरावना था। जब तक हम ला गार्डिया एयरपोर्ट पर सुरक्षित नहीं उतर गए, तब तक मैंने अपने हाथ आर्मरेस्ट से नहीं हटाए। स्थानीय प्रेस सुरक्षा जांच के बाहर हमारा इंतज़ार कर रही थी, लेकिन हम एनाबेथ की बदौलत उनसे बच निकले। एनाबेथ ने अपनी अदृश्य यांकीज़ कैप में उन्हें अपनी ओर आकर्षित करते हुए चिल्लाया, 'वे फ्रोजन योगर्ट के पास हैं! चलो!', और फिर बैगेज क्लेम पर हमसे दोबारा मिल गई।
हम टैक्सी स्टैंड पर अलग हो गए। मैंने एनाबेथ और ग्रोवर को हाफ-ब्लड हिल वापस जाकर चिरोन को सारी बात बताने को कहा। उन्होंने विरोध किया, और उन सब बातों के बाद उन्हें जाने देना मुश्किल था, लेकिन मुझे पता था कि इस खोज का आखिरी हिस्सा मुझे अकेले ही पूरा करना होगा। अगर कुछ गड़बड़ हुई, अगर देवताओं ने मेरी बात पर विश्वास नहीं किया... मैं चाहता था कि एनाबेथ और ग्रोवर ज़िंदा रहें ताकि वे चिरोन को सच बता सकें।
मैंने एक टैक्सी ली और मैनहट्टन की ओर चल पड़ा।
तीस मिनट बाद, मैं एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की लॉबी में दाखिल हुआ।
मैं फटे-पुराने कपड़ों और खरोंचों से भरे चेहरे के साथ किसी बेघर बच्चे जैसा दिख रहा था। मैं कम से कम चौबीस घंटे से सोया नहीं था।
मैं रिसेप्शन डेस्क पर मौजूद गार्ड के पास गया और कहा, 'छह सौवीं मंजिल।' वह एक बड़ी सी किताब पढ़ रहा था जिसके मुखपृष्ठ पर एक जादूगर का चित्र बना हुआ था। मुझे काल्पनिक कहानियों में ज़्यादा दिलचस्पी नहीं थी, लेकिन किताब ज़रूर अच्छी रही होगी, क्योंकि गार्ड को ऊपर देखने में काफ़ी समय लगा। 'यहाँ नीचे जाना मना है, बच्चे।'
मुझे ज़्यूस से मिलने की ज़रूरत है।

उसने मुझे एक भावहीन मुस्कान दी। 'माफ़ कीजिए?'
'आपने मुझे सुना।'
मैं लगभग यह तय करने ही वाला था कि यह आदमी बस एक आम इंसान है, और मुझे भाग जाना चाहिए इससे पहले कि वह मुझे पागलखाने में भर्ती कराने के लिए किसी को बुला ले, तभी उसने कहा, 'बिना अपॉइंटमेंट के कोई मुलाकात नहीं, बच्चे। भगवान ज़्यूस बिना सूचना के किसी से नहीं मिलते।'
'ओह, मुझे लगता है कि वह एक अपवाद मान लेगा।' मैंने अपना बैग उतारा और ऊपर की ज़िप खोल दी।
गार्ड ने अंदर रखे धातु के सिलेंडर को देखा, कुछ सेकंड तक उसे समझ नहीं आया कि यह क्या है। फिर उसका चेहरा पीला पड़ गया। 'यह तो...'
‘हां, यही है,’ मैंने वादा किया। ‘आप चाहते हैं कि मैं इसे निकाल दूं और –’ ‘नहीं! नहीं!’ वह झट से अपनी सीट से उठा, अपनी मेज पर चाबी का कार्ड ढूंढने लगा और फिर मुझे दे दिया। ‘इसे सुरक्षा स्लॉट में डालिए। सुनिश्चित कर लीजिए कि लिफ्ट में आपके साथ कोई और न हो।’
मैंने वैसा ही किया जैसा उसने मुझे बताया था। लिफ्ट के दरवाजे बंद होते ही मैंने चाबी को स्लॉट में डाल दिया। कार्ड गायब हो गया और कंसोल पर एक नया बटन दिखाई दिया, एक लाल बटन जिस पर 600 लिखा था।
मैंने उसे दबाया और इंतजार किया, और इंतजार किया।
संगीत बज रहा था। 'बारिश की बूँदें मेरे सिर पर गिरती रहती हैं...' आखिरकार, घंटी बजी। दरवाजे खुल गए। मैं बाहर निकला और लगभग दिल का दौरा पड़ने वाला था।
मैं हवा में एक संकरे पत्थर के रास्ते पर खड़ा था। मेरे नीचे हवाई जहाज की ऊँचाई से मैनहट्टन शहर दिखाई दे रहा था। मेरे सामने, सफेद संगमरमर की सीढ़ियाँ एक बादल की रीढ़ की हड्डी की तरह ऊपर आसमान की ओर बढ़ती जा रही थीं। मेरी नज़रें सीढ़ियों के अंत तक जाती रहीं, जहाँ पहुँचकर मेरा दिमाग उस दृश्य को स्वीकार नहीं कर पा रहा था।
मेरे दिमाग ने कहा, फिर से देखो।
हम देख रहे हैं, मेरी आँखों ने ज़ोर देकर कहा। यह सचमुच वहीं है।
बादलों के ऊपर से एक पहाड़ की कटी हुई चोटी उभरी, जिसका शिखर बर्फ से ढका हुआ था। पहाड़ की ढलान पर दर्जनों बहुमंजिला महल बने हुए थे – मानो महलों का एक शहर हो – सभी में सफेद खंभों वाले बरामदे, सोने से जड़ी छतें और

कमरा कहना तो उचित शब्द नहीं है। यह जगह इतनी विशाल थी कि इसके सामने ग्रैंड सेंट्रल स्टेशन झाड़ू रखने की कोठरी जैसा लगता था। विशाल स्तंभ गुंबदनुमा छत तक उठते थे, जो गतिशील नक्षत्रों से सजी सोने की परत से ढकी हुई थी।
हेड्स जैसे विशालकाय प्राणियों के लिए बने बारह सिंहासन उल्टे यू के आकार में व्यवस्थित थे, ठीक वैसे ही जैसे कैंप हाफ-ब्लड की झोपड़ियाँ थीं। बीच में बने चूल्हे में एक विशाल आग धधक रही थी। अंत में स्थित दो सिंहासनों को छोड़कर बाकी सभी खाली थे: दाईं ओर स्थित मुख्य सिंहासन और उसके ठीक बाईं ओर स्थित दूसरा सिंहासन। मुझे यह बताने की आवश्यकता नहीं थी कि वहाँ बैठे वे दो देवता कौन थे, जो मेरे आने की प्रतीक्षा कर रहे थे। मैं कांपते पैरों से उनकी ओर बढ़ा।
देवता विशाल मानव रूप में थे, जैसे हेड्स थे, लेकिन उन्हें देखते ही मुझे झनझनाहट होने लगी, मानो मेरा शरीर जलने लगा हो। देवताओं के स्वामी ज़्यूस ने गहरे नीले रंग का पिनस्ट्राइप्ड सूट पहना हुआ था। वे ठोस प्लैटिनम के एक साधारण सिंहासन पर बैठे थे। उनकी दाढ़ी करीने से कटी हुई थी, जो तूफानी बादल की तरह भूरे और काले रंग की थी। उनका चेहरा गर्वित, सुंदर और गंभीर था, उनकी आँखें बारिश जैसी धूसर थीं। जैसे ही मैं उनके पास पहुँचा, हवा में सरसराहट हुई और ओज़ोन की गंध आने लगी।
उसके बगल में बैठा देवता निस्संदेह उसका भाई था, लेकिन उसके कपड़े बहुत अलग थे। वह मुझे की वेस्ट के किसी समुद्री यात्री की याद दिलाता था। उसने चमड़े की सैंडल, खाकी बरमूडा शॉर्ट्स और नारियल व तोतों की डिज़ाइन वाली टॉमी बहामा शर्ट पहनी हुई थी। उसकी त्वचा गहरी टैन थी, उसके हाथ पुराने मछुआरों की तरह निशानों से भरे थे। उसके बाल मेरे जैसे काले थे। उसके चेहरे पर वही गंभीर भाव था जिसके कारण मुझे हमेशा विद्रोही कहा जाता था। लेकिन उसकी आँखें, मेरी तरह समुद्री हरे रंग की थीं, जिनके चारों ओर धूप की झुर्रियाँ थीं, जिनसे मुझे पता चलता था कि वह बहुत मुस्कुराता भी था। उसका सिंहासन गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाले मछुआरे की कुर्सी थी। यह एक साधारण घूमने वाली कुर्सी थी, जिसमें काले चमड़े की सीट और मछली पकड़ने के डंडे के लिए एक अंतर्निर्मित होल्स्टर था। डंडे के बजाय, होल्स्टर में एक कांस्य त्रिशूल रखा था, जिसके सिरे हरे रंग की रोशनी से जगमगा रहे थे।

देवता न तो हिल रहे थे और न ही बोल रहे थे, लेकिन हवा में तनाव व्याप्त था, मानो उन्होंने अभी-अभी कोई बहस समाप्त की हो।
मैं मछुआरे के सिंहासन के पास पहुँचा और उनके चरणों में घुटने टेक दिए। 'पिताजी।' मेरी हिम्मत नहीं हुई कि मैं ऊपर देखूँ। मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था। मैं दोनों देवताओं से निकलने वाली ऊर्जा को महसूस कर सकता था। अगर मैंने कुछ गलत कह दिया, तो मुझे पूरा यकीन था कि वे मुझे चूर-चूर कर देंगे। मेरे बाईं ओर, ज़्यूस ने कहा, 'क्या तुम्हें पहले इस घर के स्वामी से बात नहीं करनी चाहिए, लड़के?'
मैंने अपना सिर नीचे रखा और इंतजार किया।
‘शांति, भाई,’ पोसीडॉन ने अंततः कहा। उनकी आवाज़ ने मेरी सबसे पुरानी यादों को ताज़ा कर दिया: बचपन की वो गर्माहट, मेरे माथे पर उस देवता के हाथ का स्पर्श। ‘लड़का अपने पिता की बात मानता है। यही उचित है।’
‘तो क्या तुम अब भी उस पर अपना दावा जताते हो?’ ज़्यूस ने धमकी भरे लहजे में पूछा। ‘क्या तुम उस बच्चे पर अपना दावा जताते हो जिसे तुमने हमारी पवित्र शपथ के विरुद्ध जन्म दिया था?’
‘मैंने अपनी गलती मान ली है,’ पोसीडॉन ने कहा। ‘अब मैं उसे बोलते हुए सुनना चाहता हूँ।’
कुकर्म।
मेरे गले में एक गांठ सी आ गई। क्या मैं बस इतना ही था? एक पाप? ईश्वर की गलती का परिणाम?
‘मैंने उसे एक बार तो बख्श दिया था,’ ज़्यूस बड़बड़ाया। ‘मेरे राज्य में उड़ने की हिम्मत कैसे हुई… छी! उसकी इस गुस्ताखी के लिए मुझे उसे आकाश से ही उड़ा देना चाहिए था।’
‘और अपने ही मुख्य वज्र को नष्ट करने का जोखिम उठाओगे?’ पोसीडॉन ने शांत भाव से पूछा। ‘भाई, हमें उसकी बात सुन लेने दो।’
ज़्यूस कुछ और बड़बड़ाया। उसने निश्चय किया, 'मैं सुनूंगा। फिर मैं फैसला करूंगा कि इस लड़के को ओलंपस से नीचे गिराना है या नहीं।'
‘पर्सियस,’ पोसीडॉन ने कहा। ‘मेरी ओर देखो।’
मैंने देखा, और मुझे समझ नहीं आया कि मैंने उसके चेहरे पर क्या देखा। प्यार या स्वीकृति का कोई स्पष्ट संकेत नहीं था। मुझे प्रोत्साहित करने वाली

कोई बात नहीं थी। यह समुद्र को देखने जैसा था: कुछ दिन, आप बता सकते हैं कि उसका मिजाज कैसा है। लेकिन ज्यादातर दिन, वह समझ से परे, रहस्यमय होता था। मुझे ऐसा लगा जैसे पोसीडॉन को मेरे बारे में कुछ समझ ही नहीं आ रहा था। उन्हें यह भी नहीं पता था कि मुझे बेटे के रूप में पाकर वे खुश हैं या नहीं। अजीब तरह से, मुझे पोसीडॉन की इस दूरी से खुशी हो रही थी। अगर उन्होंने माफ़ी मांगने की कोशिश की होती, या मुझसे कहा होता कि वे मुझसे प्यार करते हैं, या मुस्कुराए भी होते, तो यह सब बनावटी लगता। जैसे कोई इंसान पिता आस-पास न होने का कोई बहाना बना रहा हो। मैं इसे बर्दाश्त कर सकता था। आख़िरकार, मैं भी उनके बारे में पूरी तरह आश्वस्त नहीं था।
‘हे बालक, भगवान ज़्यूस को संबोधित करो,’ पोसीडॉन ने मुझसे कहा। ‘उन्हें अपनी कहानी सुनाओ।’
तो मैंने ज़्यूस को सब कुछ, जैसा हुआ था, बता दिया। मैंने धातु का सिलेंडर निकाला, जो आकाश देवता की उपस्थिति में चिंगारियाँ छोड़ने लगा, और उसे उनके चरणों में रख दिया।
काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा, जिसे केवल चूल्हे की आग की चटकने की आवाज ही तोड़ रही थी।
ज़्यूस ने अपनी हथेली खोली। बिजली का बोल्ट उसमें समा गया। जैसे ही उसने अपनी मुट्ठी बंद की, धातु के नुकीले सिरे बिजली से चमक उठे, और अंत में उसके हाथ में एक ऐसी वस्तु आ गई जो देखने में किसी पारंपरिक वज्र की तरह लग रही थी - पाँच मीटर लंबा, ऊर्जा से भरा एक भाला, जो ऊर्जा की लपटें पैदा कर रहा था और जिसे देखकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए।
‘मुझे लगता है कि लड़का सच कह रहा है,’ ज़्यूस ने बुदबुदाते हुए कहा। ‘लेकिन एरेस ऐसा करेगा… यह उसके स्वभाव के बिल्कुल विपरीत है।’
पोसीडॉन ने कहा, 'वह घमंडी और जल्दबाज़ है। यह तो खानदानी बात है।' ‘प्रभु?’ मैंने पूछा।
दोनों ने कहा, 'हां?'
‘एरेस ने अकेले काम नहीं किया। किसी और ने – किसी और चीज ने – यह विचार दिया था।’
मैंने अपने सपनों का वर्णन किया, और समुद्र तट पर मुझे जो अनुभूति हुई थी, बुराई की वह क्षणिक साँस जिसने मानो दुनिया को रोक दिया था और एरेस को मुझे मारने से रोक दिया था।

मैंने कहा, ‘सपनों में एक आवाज ने मुझे बताया कि मुझे वज्र को पाताल लोक में ले जाना है। एरेस ने भी संकेत दिया कि उसे भी सपने आ रहे थे। मुझे लगता है कि मेरी तरह ही उसका भी इस्तेमाल युद्ध शुरू करने के लिए किया जा रहा था।’
‘आखिरकार तुम हेड्स पर आरोप लगा रहे हो?’ ज़्यूस ने पूछा।
‘नहीं,’ मैंने कहा। ‘मेरा मतलब है, हे भगवान ज़्यूस, मैं तो नरक के साक्षात अनुभव कर चुका हूँ। समुद्र तट पर यह अनुभूति बिल्कुल अलग थी। ठीक वैसा ही अनुभव मुझे उस गड्ढे के पास पहुँचने पर हुआ था। वह तो टारटेरस का प्रवेश द्वार था, है ना? वहाँ नीचे कुछ शक्तिशाली और दुष्ट शक्ति हलचल मचा रही है… कुछ ऐसा जो देवताओं से भी पुराना है।’
पोसीडॉन और ज़्यूस ने एक-दूसरे की ओर देखा। उन्होंने प्राचीन ग्रीक भाषा में संक्षिप्त और गहन चर्चा की। मुझे केवल एक शब्द समझ आया: पिता। पोसीडॉन ने कुछ सुझाव दिया, लेकिन ज़्यूस ने उसे बीच में ही रोक दिया। पोसीडॉन ने बहस करने की कोशिश की। ज़्यूस ने गुस्से से अपना हाथ उठाया। ज़्यूस ने कहा, 'हम इस बारे में अब और बात नहीं करेंगे। मुझे स्वयं लेम्नोस के जल में जाकर इस वज्र को शुद्ध करना होगा, ताकि इसके धातु से मानव दोष दूर हो जाए।'
वह उठा और मेरी तरफ देखा। उसके चेहरे पर थोड़ी सी नरमी आई। 'तुमने मेरी बहुत बड़ी मदद की है, बेटा। बहुत कम नायक इतना कुछ कर पाते।'
‘मुझे मदद मिली थी, महोदय,’ मैंने कहा। ‘ग्रोवर अंडरवुड और एनाबेथ चेज़ –’ 'धन्यवाद के तौर पर मैं तुम्हारी जान बख्श दूँगा। मुझे तुम पर भरोसा नहीं है, पर्सीयस जैक्सन। मुझे यह पसंद नहीं कि तुम्हारे आने से ओलंपस के भविष्य पर क्या असर पड़ेगा। लेकिन परिवार में शांति बनाए रखने के लिए मैं तुम्हें जीवित रहने दूँगा।'
‘उम… धन्यवाद, महोदय।’
'फिर से उड़ने की हिम्मत मत करना। जब मैं लौटूं तो मुझे तुम्हें यहां मत पाना। वरना तुम्हें इस बिजली के झटके का सामना करना पड़ेगा। और यह तुम्हारा आखिरी अनुभव होगा।'
महल गरज उठा। बिजली की एक तेज चमक के साथ, ज़्यूस गायब हो गया।
मैं सिंहासन कक्ष में अपने पिता के साथ अकेला था।

पोसीडॉन ने आह भरते हुए कहा, 'तुम्हारे चाचा को नाटकीय ढंग से विदा होने का हमेशा से ही शौक रहा है। मुझे लगता है कि वे रंगमंच के देवता के रूप में अच्छा प्रदर्शन करते।'
एक असहज सन्नाटा।
मैंने कहा, ‘महाराज, उस गड्ढे में क्या था?’
पोसीडॉन ने मेरी ओर देखा। 'क्या तुमने अनुमान नहीं लगाया?'
मैंने कहा, 'क्रोनोस। टाइटन्स का राजा।'
टार्टारस से बहुत दूर, ओलंपस के सिंहासन कक्ष में भी, क्रोनोस नाम ने कमरे को अंधकारमय कर दिया, जिससे मेरी पीठ पर चूल्हे की आग उतनी गर्म नहीं लग रही थी।
पोसीडॉन ने अपना त्रिशूल कसकर पकड़ लिया। ‘प्रथम युद्ध में, पर्सी, ज़्यूस ने हमारे पिता क्रोनोस को हज़ार टुकड़ों में काट डाला, ठीक वैसे ही जैसे क्रोनोस ने अपने पिता उरानोस के साथ किया था। ज़्यूस ने क्रोनोस के अवशेषों को टारटेरस के सबसे गहरे गड्ढे में फेंक दिया। टाइटन सेना तितर-बितर हो गई, एटना पर स्थित उनका पर्वतीय किला नष्ट हो गया, उनके राक्षसी सहयोगी पृथ्वी के सुदूर कोनों में खदेड़ दिए गए। फिर भी टाइटन मर नहीं सकते, ठीक वैसे ही जैसे हम देवता नहीं मर सकते। क्रोनोस का जो भी अवशेष बचा है, वह किसी भयानक रूप में अभी भी जीवित है, अपने शाश्वत दर्द में अभी भी सचेत है, अभी भी सत्ता की भूख से ग्रस्त है।’
मैंने कहा, 'वह ठीक हो रहा है। वह वापस आ रहा है।'
पोसीडॉन ने अपना सिर हिलाया। ‘युगों-युगों से, समय-समय पर, क्रोनोस जागृत होता रहा है। वह मनुष्यों के बुरे सपनों में प्रवेश करता है और बुरी भावनाएँ फैलाता है। वह गहराई से बेचैन राक्षसों को जगाता है। लेकिन यह कहना कि वह गड्ढे से उठ सकता है, एक अलग बात है।’
‘पिताजी, उसका यही इरादा है। उसने यही कहा है।’
पोसीडॉन काफी देर तक चुप रहे।
‘भगवान ज़्यूस ने इस मामले पर चर्चा बंद कर दी है। वह क्रोनोस के बारे में बात करने की अनुमति नहीं देंगे। तुमने अपना लक्ष्य पूरा कर लिया है, बच्चे। तुम्हें बस इतना ही करना था।’

‘लेकिन –’ मैंने खुद को रोक लिया। बहस करने से कोई फायदा नहीं होगा। इससे शायद मेरे एकमात्र साथी ईश्वर नाराज हो जाएंगे। ‘जैसा… जैसा आप चाहें, पिताजी।’
उसके होठों पर हल्की सी मुस्कान थी। 'आज्ञाकारिता तुम्हारे लिए स्वाभाविक नहीं है, है ना?'
‘नहीं… महोदय।’
‘शायद इसके लिए मुझे कुछ हद तक दोषी ठहराया जाना चाहिए। समुद्र को नियंत्रित करना पसंद नहीं होता।’ वह पूरी तरह से खड़ा हो गया और अपना त्रिशूल उठा लिया। फिर वह चमक उठा और एक सामान्य आदमी के आकार का हो गया, सीधे मेरे सामने खड़ा हो गया। ‘तुम्हें जाना होगा, बच्चे। लेकिन पहले यह जान लो कि तुम्हारी माँ लौट आई है।’
मैं पूरी तरह से स्तब्ध होकर उसे घूरता रहा। 'मेरी माँ?'
‘वह तुम्हें घर पर ही मिलेगी। जब तुमने हेड्स का हेलमेट बरामद किया था, तब हेड्स ने उसे भेजा था। मृत्यु का देवता भी अपना कर्ज चुकाता है।’
मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था। मुझे यकीन नहीं हो रहा था। 'क्या तुम... क्या तुम...'
मैं पोसीडॉन से पूछना चाहता था कि क्या वह मेरे साथ मेरी माँ से मिलने चलेगा, लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि यह बेतुका होगा। मैंने कल्पना की कि मैं समुद्र के देवता को टैक्सी में बिठाकर अपर ईस्ट साइड ले जा रहा हूँ। अगर वह इतने सालों से मेरी माँ से मिलना चाहता, तो ज़रूर मिलता। और साथ ही, बदबूदार गेब के बारे में भी सोचना था।
पोसीडॉन की आँखों में थोड़ी उदासी छा गई। 'पर्सी, जब तुम घर लौटोगे, तो तुम्हें एक महत्वपूर्ण निर्णय लेना होगा। तुम्हारे कमरे में एक उपहार तुम्हारा इंतजार कर रहा होगा।'
‘एक पैकेज?’
'जब तुम इसे देखोगे तो समझ जाओगे। पर्सी, तुम्हारा रास्ता कोई नहीं चुन सकता। तुम्हें खुद फैसला करना होगा।'
मैंने सिर हिलाया, हालांकि मुझे समझ नहीं आया कि उसका क्या मतलब था। ‘तेरी माँ स्त्रियों में रानी है,’ पोसीडॉन ने उदास स्वर में कहा। ‘हजार वर्षों में मैंने ऐसी नश्वर स्त्री नहीं देखी। फिर भी… मुझे खेद है कि

तेरा जन्म हुआ, बालक। मैंने तुझे एक वीर का भाग्य दिया है, और एक वीर का भाग्य कभी सुखद नहीं होता। यह हमेशा दुखद ही होता है।’
मैंने आहत न होने की कोशिश की। मेरे अपने पिता मुझसे कह रहे थे कि उन्हें मेरे जन्म का अफसोस है। 'मुझे कोई आपत्ति नहीं है, पिताजी।'
‘शायद अभी नहीं,’ उन्होंने कहा। ‘अभी नहीं। लेकिन यह मेरी तरफ से एक अक्षम्य गलती थी।’
‘तो मैं अब चलता हूँ।’ मैंने असहजता से सिर झुकाया। ‘मैं – मैं आपको फिर कभी परेशान नहीं करूँगा।’
मैं उससे पाँच कदम दूर ही था जब उसने पुकारा, 'पर्सियस।'
मेरा पलटना हुआ।
उनकी आँखों में एक अलग ही चमक थी, एक प्रचंड गर्व। 'तुमने अच्छा किया, पर्सियस। मुझे गलत मत समझना। तुम चाहे जो भी करो, यह जान लो कि तुम मेरे हो। तुम सागर देवता के सच्चे पुत्र हो।'
जब मैं देवताओं के शहर से वापस लौट रहा था, तो बातचीत रुक गई। देवियों का संगीत थम गया। लोग, सैटायर और जलपरियां सभी मेरी ओर मुड़ गए, उनके चेहरे सम्मान और कृतज्ञता से भरे हुए थे और जैसे ही मैं आगे बढ़ा, वे घुटने टेक दिए, मानो मैं कोई नायक हूँ।

* * *

पंद्रह मिनट बाद, अभी भी सम्मोहन की अवस्था में, मैं मैनहट्टन की सड़कों पर वापस आ गया था।
मैंने टैक्सी लेकर अपनी मां के अपार्टमेंट तक का सफर तय किया, दरवाजे की घंटी बजाई, और वहां मेरी प्यारी मां खड़ी थीं, जिनके शरीर से पुदीना और मुलेठी की खुशबू आ रही थी, और मुझे देखते ही उनके चेहरे से थकान और चिंता गायब हो गई।
‘पर्सी! ओह, शुक्र है भगवान का। ओह, मेरा बच्चा।’
उसने मेरा दम घोंट दिया। हम गलियारे में खड़े रहे, वह रोती रही और मेरे बालों में हाथ फेरती रही।
मैं मानती हूँ – मेरी आँखें भी थोड़ी नम हो गई थीं। मैं काँप रही थी, उसे देखकर मुझे इतनी राहत मिली थी।
उसने मुझे बताया कि वह उस सुबह अचानक अपार्टमेंट में आ गई थी, जिससे गेब बुरी तरह डर गया था। मिनोटौर वाली घटना के बाद से उसे कुछ याद नहीं था, और

जब गेब ने उसे बताया कि मैं एक वांछित अपराधी हूँ, जो पूरे देश में घूमकर राष्ट्रीय स्मारकों को उड़ा रहा है, तो उसे विश्वास ही नहीं हुआ। खबर न मिलने के कारण वह दिन भर चिंता से बेहाल थी। गेब ने उसे काम पर जाने के लिए मजबूर किया और कहा कि उसे एक महीने की तनख्वाह चुकानी है और उसे जल्दी काम शुरू कर देना चाहिए।
मैंने अपना गुस्सा काबू में किया और उसे अपनी कहानी सुनाई। मैंने इसे जितना डरावना था उससे कम डरावना बताने की कोशिश की, लेकिन यह आसान नहीं था। मैं अभी एरेस के साथ हुई लड़ाई के बारे में बता ही रही थी कि लिविंग रूम से गेब की आवाज़ आई। 'हे सैली! मीट लोफ बन गया या नहीं?'
उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। 'पर्सी, वह तुम्हें देखकर खुश नहीं होगा। आज लॉस एंजिल्स से स्टोर में पाँच लाख फोन आए... कुछ मुफ्त घरेलू उपकरणों के बारे में था।'
‘ओह, हाँ। उस बारे में…’
उसने मुश्किल से मुस्कुराने की कोशिश की। 'बस उसे और गुस्सा मत दिलाना, ठीक है? चलो।'
मेरे जाने के एक महीने में, अपार्टमेंट गैबेलैंड जैसा बन गया था। कालीन पर टखनों तक कूड़ा जमा था। सोफे को बीयर के डिब्बों से दोबारा कवर किया गया था। लैंपशेड पर गंदे मोजे और अंडरवियर लटके हुए थे।
गेब और उसके तीन बड़े-बड़े बदमाश दोस्त टेबल पर पोकर खेल रहे थे।
जब गेब ने मुझे देखा, तो उसके मुंह से सिगार गिर गया। उसका चेहरा लावा से भी ज्यादा लाल हो गया। 'यहाँ आने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई, छोटे बदमाश। मुझे लगा पुलिस...'
मेरी माँ ने बीच में टोकते हुए कहा, 'आखिरकार वो भगोड़ा नहीं है। है ना कमाल की बात, गेब?'
गेब हम दोनों को बारी-बारी से देखने लगा। उसे मेरा घर लौटना उतना अच्छा नहीं लगा।
‘सैली, मुझे तुम्हारी जीवन बीमा की रकम वापस करनी पड़ी, यह तो काफी बुरा हुआ,’ उसने गुस्से से कहा। ‘मुझे फोन दो। मैं पुलिस को फोन करूंगा।’
गेब, नहीं!

उसने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। 'क्या तुमने अभी-अभी "ना" कहा? तुम्हें क्या लगता है कि मैं इस बदमाश को फिर से बर्दाश्त करूँगा? मैं अब भी उस पर मेरी कैमारो कार को बर्बाद करने का मुकदमा कर सकता हूँ।'
'लेकिन -'
उसने अपना हाथ उठाया और मेरी माँ सहम गई।
पहली बार मुझे एक बात समझ में आई। गेब ने मेरी माँ को मारा था। मुझे नहीं पता कब और कितना मारा था। लेकिन मुझे यकीन था कि उसने ही मारा था। शायद यह सालों से चल रहा था, जब मैं आसपास नहीं थी।
मेरे सीने में गुस्से का गुब्बारा फूलने लगा। मैं सहज ही अपनी जेब से कलम निकालते हुए गेब की ओर बढ़ा।
वह बस हंस पड़ा। 'क्या, बदमाश? मेरे बारे में लिखोगे? अगर तुमने मुझे छुआ, तो तुम हमेशा के लिए जेल जाओगे, समझे?'
‘अरे गेब,’ उसके दोस्त एडी ने बीच में ही टोकते हुए कहा। ‘वह तो बस एक बच्चा है।’
गेब ने उसे घृणा से देखा और पतली आवाज में नकल करते हुए कहा: 'बस एक बच्चा!' उसके बाकी दोस्त पागलों की तरह हंसने लगे।
‘मैं तुम्हारे साथ नरमी से पेश आऊंगा, बदमाश।’ गेब ने मुझे अपने तंबाकू से सने दांत दिखाए। ‘मैं तुम्हें अपना सामान लेने और यहां से चले जाने के लिए पांच मिनट का समय देता हूं। उसके बाद, मैं पुलिस को बुला लूंगा।’
‘गेब!’ मेरी माँ ने विनती की।
गेब ने उससे कहा, 'वह भाग गया। उसे भागे रहने दो।'
मुझे रिपटाइड की म्यान खोलने की बहुत तीव्र इच्छा हो रही थी, लेकिन अगर मैं ऐसा करता भी, तो वह तलवार इंसानों को नुकसान नहीं पहुँचा सकती थी। और गेब, मोटे तौर पर कहें तो, एक इंसान ही था।
मेरी माँ ने मेरा हाथ पकड़ा। 'प्लीज़, पर्सी। चलो। हम तुम्हारे कमरे में चलते हैं।'
मैंने उसे मुझे खींचकर दूर ले जाने दिया, मेरे हाथ अभी भी गुस्से से कांप रहे थे।
मेरा कमरा पूरी तरह से गेब के कबाड़ से भरा हुआ था। वहाँ इस्तेमाल की हुई कार बैटरियों के ढेर लगे थे, शोक संवेदना वाले फूलों का एक सड़ा हुआ

गुलदस्ता था, जिस पर किसी ऐसे व्यक्ति का कार्ड था जिसने बारबरा वाल्टर्स के साथ उसका साक्षात्कार देखा था।
‘गेब बस थोड़ा परेशान है, बेटा,’ मेरी माँ ने मुझसे कहा। ‘मैं उससे बाद में बात करूँगी। मुझे यकीन है कि सब ठीक हो जाएगा।’
‘माँ, यह कभी नहीं हो पाएगा। जब तक गेब यहाँ है, तब तक तो बिल्कुल नहीं।’ उसने घबराकर अपने हाथ मलते हुए कहा, 'मैं कर सकती हूँ... मैं तुम्हें बाकी गर्मियों के लिए अपने साथ काम पर ले जाऊँगी। पतझड़ में, शायद कोई और बोर्डिंग स्कूल मिल जाए -'
'माँ।'
उसने अपनी नज़रें झुका लीं। 'मैं कोशिश कर रही हूँ, पर्सी। बस... मुझे कुछ समय चाहिए।'
मेरे बिस्तर पर एक पैकेट पड़ा हुआ था। कम से कम, मुझे पक्का यकीन था कि एक पल पहले तक वह वहां नहीं था।
यह एक जर्जर गत्ते का डिब्बा था, जिसका आकार बास्केटबॉल रखने के लिए लगभग उपयुक्त था। डाक पर्ची पर पता मेरी अपनी लिखावट में था:
द गॉड्स
माउंट ओलंपस
600 वीं मंजिल,
एम्पायर स्टेट बिल्डिंग
न्यूयॉर्क, एनवाई
शुभकामनाओं सहित, पर्सी जैक्सन सबसे ऊपर काले मार्कर से, एक आदमी की स्पष्ट और मोटे अक्षरों में, हमारे अपार्टमेंट का पता लिखा था, और साथ में ये शब्द भी थे: प्रेषक को वापस भेजें।
अचानक मुझे समझ में आ गया कि पोसीडॉन ने ओलंपस पर मुझसे क्या कहा था। एक पैकेज। एक निर्णय।
आप चाहे जो भी करें, यह जान लें कि आप मेरे हैं। आप सागर देवता के सच्चे पुत्र हैं।
मैंने अपनी मां की तरफ देखा। 'मां, क्या आप चाहती हैं कि गेब चला जाए?' ‘पर्सी, यह इतना आसान नहीं है। मैं –’

‘माँ, बस मुझे बता दो। वो बदमाश तुम्हें पीट रहा है। क्या तुम उसे हटाना चाहती हो या नहीं?’
वह हिचकिचाई, फिर लगभग न के बराबर सिर हिलाया। 'हाँ, पर्सी। मैं करती हूँ। और मैं उसे बताने की हिम्मत जुटाने की कोशिश कर रही हूँ। लेकिन तुम मेरे लिए यह नहीं कर सकते। तुम मेरी समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते।'
मैंने डिब्बे को देखा।
मैं उसकी समस्या हल कर सकता था। मैं उस पैकेट को चीरकर पोकर टेबल पर रखना चाहता था और उसके अंदर जो कुछ भी था, उसे निकालना चाहता था। मैं अपने लिविंग रूम में ही अपना खुद का एक मूर्ति उद्यान शुरू कर सकता था।
मैंने सोचा, कहानियों में एक यूनानी नायक ऐसा ही करता है। गेब इसी का हकदार है।
लेकिन एक नायक की कहानी का अंत हमेशा दुखद होता है। पोसीडॉन ने मुझे यही बताया था।
मुझे पाताल लोक याद आ गया। मैंने गेब की आत्मा के बारे में सोचा जो एस्फोडेल के मैदानों में हमेशा के लिए भटक रही होगी, या फिर दंड के मैदानों की कंटीली तारों के पीछे किसी भयानक यातना की शिकार होगी – एक अंतहीन पोकर का खेल, उबलते तेल में कमर तक डूबे हुए ओपेरा संगीत सुनते हुए। क्या मुझे किसी को वहाँ भेजने का अधिकार था? गेब को भी?
एक महीने पहले, मुझे ज़रा भी हिचकिचाहट नहीं होती। अब…
मैंने अपनी माँ से कहा, 'मैं यह कर सकती हूँ। इस डिब्बे के अंदर एक नज़र डालने से ही वह आपको फिर कभी परेशान नहीं करेगा।'
उसने पैकेट पर एक नज़र डाली और तुरंत समझ गई। 'नहीं, पर्सी,' उसने पीछे हटते हुए कहा। 'तुम ऐसा नहीं कर सकते।'
मैंने उससे कहा, 'पोसाइडन ने तुम्हें रानी कहा था। उसने कहा था कि उसने हज़ार वर्षों में तुम्हारे जैसी स्त्री नहीं देखी।'
उसके गाल लाल हो गए। 'पर्सी-'
‘माँ, आप इससे बेहतर की हकदार हैं। आपको कॉलेज जाना चाहिए, डिग्री हासिल करनी चाहिए। आप अपना उपन्यास लिख सकती हैं, शायद किसी अच्छे लड़के से मिल सकती हैं, एक अच्छे घर में रह सकती हैं। गेब के साथ रहकर अब आपको मेरी रक्षा करने की कोई ज़रूरत नहीं है। मुझे उससे छुटकारा पाने दीजिए।’

उसने अपने गाल से एक आंसू पोंछा। उसने कहा, 'तुम बिलकुल अपने पिता की तरह लगते हो। उन्होंने एक बार मेरे लिए ज्वार रोकने की पेशकश की थी। उन्होंने समुद्र की गहराई में मेरे लिए एक महल बनाने की पेशकश की थी। उन्हें लगता था कि वे हाथ के एक इशारे से मेरी सारी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।' 'उसमें गलत क्या है?'
उसकी रंग-बिरंगी आँखें मानो मेरे भीतर कुछ खोज रही थीं। 'मुझे लगता है तुम जानते हो, पर्सी। मुझे लगता है तुम मुझसे इतने मिलते-जुलते हो कि समझ सकते हो। अगर मेरी ज़िंदगी का कोई मतलब होना है, तो मुझे इसे खुद जीना होगा। मैं किसी देवता को अपनी या अपने बेटे की देखभाल करने नहीं दे सकती। मुझे खुद ही हिम्मत जुटानी होगी। तुम्हारी खोज ने मुझे यही याद दिलाया है।'
हमने लिविंग रूम के टेलीविजन से पोकर चिप्स की आवाज, गालियों की आवाज और ईएसपीएन की आवाज सुनी।
मैंने कहा, 'मैं डिब्बा यहीं छोड़ दूंगी। अगर वह तुम्हें धमकी देता है तो...' उसका चेहरा पीला पड़ गया था, लेकिन उसने सिर हिलाया। 'तुम कहाँ जाओगे, पर्सी?'
‘हाफ-ब्लड हिल।’
‘गर्मी के मौसम के लिए… या हमेशा के लिए?’
'मुझे लगता है कि यह इस पर निर्भर करता है।'
हमारी नज़रें मिलीं और मुझे लगा कि हम दोनों के बीच एक समझौता हो गया है। हम देखेंगे कि गर्मी के अंत तक हालात कैसे रहते हैं।
उसने मेरे माथे पर चुंबन किया। 'तुम हीरो बनोगे, पर्सी। तुम सबसे महान हीरो बनोगे।'
मैंने अपने बेडरूम पर आखिरी बार नजर डाली। मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं इसे फिर कभी नहीं देख पाऊंगी। फिर मैं अपनी मां के साथ सामने के दरवाजे तक चली गई।
‘इतनी जल्दी जा रहे हो, बदमाश?’ गेब ने मेरे पीछे से आवाज़ लगाई। ‘अच्छा हुआ तुम चले गए।’
मेरे मन में आखिरी बार थोड़ा सा संदेह था। मैं उससे बदला लेने के इस बेहतरीन मौके को कैसे ठुकरा सकता था? मैं अपनी माँ को बचाए बिना यहाँ से जा रहा था।
‘हे सैली,’ उसने चिल्लाकर कहा। ‘उस मीट लोफ का क्या हुआ, हाँ?’

मेरी माँ की आँखों में क्रोध की एक कठोर झलक दिखाई दी, और मैंने सोचा, शायद आखिरकार मैं उन्हें अच्छे हाथों में छोड़कर जा रही हूँ। उन्हीं के हाथों में।
‘मीट लोफ अभी आता है, प्यारे,’ उसने गेब से कहा। ‘मीट लोफ का सरप्राइज।’ उसने मेरी तरफ देखा और आँख मारी।
दरवाजा बंद होते ही मैंने आखिरी चीज जो देखी, वह थी मेरी मां का गेब को घूरना, मानो वह सोच रही हो कि बगीचे में मूर्ति के रूप में वह कैसा दिखेगा।

22 भविष्यवाणी सच हुई

ल्यूक के बाद हम हाफ-ब्लड हिल पर ज़िंदा लौटने वाले पहले हीरो थे, इसलिए ज़ाहिर है कि सभी ने हमारा ऐसे स्वागत किया जैसे हमने कोई रियलिटी टीवी प्रतियोगिता जीत ली हो। कैंप की परंपरा के अनुसार, हमारे सम्मान में आयोजित भव्य भोज में हम लॉरेल की माला पहनकर गए, फिर अलाव की ओर जुलूस निकाला, जहाँ हमने उन कफ़नों को जलाया जो हमारी अनुपस्थिति में हमारे केबिनों में हमारे लिए बनाए गए थे।
एनाबेथ का कफ़न इतना सुंदर था - धूसर रेशम का, जिस पर उल्लुओं की कढ़ाई थी - मैंने उससे कहा कि उसे इसमें दफ़नाना कितना अफ़सोस की बात होगी। उसने मुझे घूंसा मारा और चुप रहने को कहा।
पोसीडॉन का पुत्र होने के नाते, मेरे साथ कोई केबिन मेट नहीं था, इसलिए एरेस केबिन वालों ने मेरा कफ़न बनाने का ज़िम्मा उठाया। उन्होंने एक पुरानी चादर ली और उसके किनारों पर क्रॉस के निशान वाली मुस्कुराती हुई आकृतियाँ बनाईं, और बीच में बड़े अक्षरों में 'लूज़र' शब्द लिखा।
जलाने में मजा आया।
अपोलो के केबिन में सब मिलकर गाना गा रहे थे और भुने हुए मार्शमैलो बाँट रहे थे, तभी मैं अपने पुराने हर्मेस केबिन के साथियों, एथेना से एनाबेथ की सहेलियों और ग्रोवर के सैटायर दोस्तों से घिरी हुई थी, जो क्लोवन एल्डर्स की परिषद से मिले उसके नए खोजकर्ता लाइसेंस की प्रशंसा कर रहे थे। परिषद ने ग्रोवर के प्रदर्शन को 'बेहद साहसी, अपच की हद तक' बताया था। 'पहले हमने जो कुछ भी देखा है, उससे कहीं बढ़कर।'
केवल क्लैरिस और उसकी केबिनमेट्स ही पार्टी के मूड में नहीं थीं, जिनकी जहरीली निगाहों ने मुझे बता दिया कि वे अपने पिता को बदनाम करने के लिए मुझे कभी माफ नहीं करेंगी।
मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं थी।
डायोनिसस के स्वागत भाषण से भी मेरा उत्साह कम नहीं हुआ। 'हाँ, हाँ, तो उस छोटे बदमाश ने खुद को नहीं मारा और अब उसका सिर और भी बड़ा हो जाएगा। वाह, इसके लिए तो बहुत खुशी हुई। अन्य घोषणाओं में, इस शनिवार को कोई डोंगी दौड़ नहीं होगी...'

मैं वापस केबिन नंबर तीन में आ गया, लेकिन अब मुझे उतना अकेलापन महसूस नहीं होता था। दिन में मेरे दोस्त मेरे साथ अभ्यास करते थे। रात में मैं जागता रहता और समुद्र की आवाज़ सुनता रहता, यह जानते हुए कि मेरे पिता वहीं कहीं हैं। शायद उन्हें अभी तक मेरे बारे में पूरी तरह से यकीन नहीं था, शायद वे चाहते ही नहीं थे कि मेरा जन्म हो, लेकिन वे मुझे देख रहे थे। और अब तक, उन्हें मुझ पर गर्व था कि मैंने क्या किया था।
मेरी माँ को एक नई ज़िंदगी का मौका मिला। मेरे कैंप लौटने के एक हफ्ते बाद उनका पत्र आया। उन्होंने बताया कि गेब रहस्यमय तरीके से चला गया था – मानो धरती से गायब हो गया हो। उन्होंने पुलिस में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन उन्हें लग रहा था कि पुलिस उसे कभी नहीं ढूंढ पाएगी। एक बिलकुल अलग विषय पर बात करें तो, उन्होंने अपनी पहली आदमकद कंक्रीट की मूर्ति, जिसका शीर्षक 'द पोकर प्लेयर' था, सोहो की एक आर्ट गैलरी के माध्यम से एक संग्राहक को बेच दी थी। उन्हें इससे इतनी रकम मिली कि उन्होंने एक नए अपार्टमेंट के लिए डाउन पेमेंट कर दिया और एनवाईयू में अपने पहले सेमेस्टर की ट्यूशन फीस का भुगतान भी कर दिया। सोहो गैलरी उनके और भी कामों की मांग कर रही थी, जिसे वे 'बेहद बदसूरत नवयथार्थवाद में एक बड़ा कदम' बता रहे थे।
लेकिन चिंता मत करो, मेरी माँ ने लिखा। मैंने मूर्तिकला का काम छोड़ दिया है। तुमने जो औजारों का डिब्बा मुझे दिया था, मैंने उसे फेंक दिया है। अब मेरे लिए लेखन की ओर मुड़ने का समय आ गया है।
सबसे नीचे उसने एक नोट लिखा: पर्सी, मुझे शहर में एक अच्छा निजी स्कूल मिल गया है। मैंने तुम्हारे लिए एक सीट आरक्षित करने के लिए अग्रिम राशि जमा कर दी है, ताकि अगर तुम चाहो तो सातवीं कक्षा में दाखिला ले सको। तुम घर पर रह सकते हो। लेकिन अगर तुम पूरे साल हाफ-ब्लड हिल में पढ़ना चाहते हो, तो मैं समझ जाऊंगी।
मैंने उस नोट को ध्यान से मोड़कर अपने बिस्तर के पास वाली मेज पर रख दिया। हर रात सोने से पहले मैं उसे दोबारा पढ़ता और सोचता कि उसे क्या जवाब दूं। चार जुलाई को, पूरा कैंप केबिन नंबर नौ के पास समुद्र तट पर आतिशबाजी देखने के लिए इकट्ठा हुआ। हेफेस्टस के बच्चे होने के नाते, वे कुछ साधारण लाल-सफेद-नीले धमाकों से संतुष्ट नहीं होने वाले थे। उन्होंने तट से दूर एक नाव खड़ी की थी और उसमें पैट्रियट मिसाइलों के आकार के रॉकेट भर दिए थे।

एनाबेथ, जिसने पहले भी यह शो देखा था, के अनुसार, धमाके इतने सटीक क्रम में होंगे कि वे आकाश में एनिमेशन के फ्रेम की तरह दिखेंगे। समापन में तीस मीटर ऊंचे दो स्पार्टन योद्धा समुद्र के ऊपर अचानक प्रकट होंगे, एक लड़ाई लड़ेंगे और फिर लाखों रंगों में फट जाएंगे।
जब एनाबेथ और मैं पिकनिक के लिए कंबल बिछा रहे थे, तभी ग्रोवर हमें अलविदा कहने आ गया। उसने हमेशा की तरह जींस, टी-शर्ट और जूते पहने हुए थे, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में वह थोड़ा बड़ा दिखने लगा था, लगभग हाई स्कूल के छात्र जैसा। उसकी दाढ़ी घनी हो गई थी। उसका वजन भी बढ़ गया था। उसके सींग भी कुछ सेंटीमीटर बढ़ गए थे, इसलिए अब उसे इंसान जैसा दिखने के लिए हर समय अपनी रस्ता टोपी पहननी पड़ती थी।
उन्होंने कहा, 'मैं जा रहा हूँ। मैं बस इतना कहने आया था... खैर, आप जानते ही हैं।'
मैंने उसके लिए खुश होने की कोशिश की। आखिर, ऐसा तो हर दिन नहीं होता कि किसी सैटायर को महान देवता पैन को खोजने जाने की अनुमति मिल जाए। लेकिन अलविदा कहना मुश्किल था। मैं ग्रोवर को सिर्फ एक साल से जानता था, फिर भी वह मेरा सबसे पुराना दोस्त था।
एनाबेथ ने उसे गले लगाया। उसने उससे कहा कि वह अपने नकली पैर पहने रहे। मैंने उससे पूछा कि वह सबसे पहले कहां खोजबीन करने जा रहा है।
'एक तरह का राज़,' उसने शर्मिंदा होते हुए कहा। 'काश तुम लोग मेरे साथ आ पाते, लेकिन इंसान और पैन...'
‘हम समझते हैं,’ एनाबेथ ने कहा। ‘क्या आपके पास यात्रा के लिए पर्याप्त टिन के डिब्बे हैं?’
'हाँ।'
और तुम्हें अपनी बांसुरी याद थी?
‘अरे यार, एनाबेथ,’ उसने बड़बड़ाते हुए कहा। ‘तुम तो बिल्कुल बूढ़ी बकरी जैसी हो।’
लेकिन उनकी आवाज़ में नाराज़गी नहीं झलक रही थी।
उसने अपनी छड़ी कसकर पकड़ी और कंधे पर एक बैग टांग लिया। वह किसी भी अमेरिकी राजमार्ग पर दिखने वाले लिफ्ट मांगने वाले व्यक्ति जैसा लग रहा था - उस दुबले-पतले लड़के से बिलकुल अलग, जिसे मैं यान्सी अकादमी में गुंडों से बचाया करता था।

‘ठीक है,’ उसने कहा, ‘मुझे शुभकामनाएँ दो।’
उसने एनाबेथ को एक बार फिर गले लगाया। उसने मेरे कंधे पर थपथपाया और फिर रेत के टीलों से होते हुए वापस चला गया।
आसमान में आतिशबाजी शुरू हो गई: हरक्यूलिस ने नेमेनियन शेर को मार गिराया, आर्टेमिस ने सूअर का पीछा किया, जॉर्ज वाशिंगटन (जो संयोगवश एथेना के पुत्र थे) ने डेलावेयर नदी को पार किया।
‘हे ग्रोवर,’ मैंने पुकारा।
वह जंगल के किनारे पर मुड़ गया।
'आप जहां भी जा रहे हों - मुझे उम्मीद है कि वहां अच्छे एन्चिलाडा मिलते होंगे।'
ग्रोवर मुस्कुराया, और फिर वह गायब हो गया, पेड़ उसे घेरते हुए उसके चारों ओर घिर गए।
‘हम उससे फिर मिलेंगे,’ एनाबेथ ने कहा।
मैंने इस बात पर यकीन करने की कोशिश की। ये तथ्य कि दो हज़ार सालों में कोई भी खोजकर्ता वापस नहीं लौटा... खैर, मैंने इसके बारे में न सोचने का फैसला किया। ग्रोवर ही पहला होगा। उसे ही होना था।
जुलाई बीत गया।
मैंने अपने दिन कैप्चर-द-फ्लैग के लिए नई रणनीतियाँ बनाने और एरेस के हाथों में झंडा न जाने देने के लिए अन्य केबिनों के साथ गठबंधन करने में बिताए। मैं पहली बार लावा से झुलसे बिना चढ़ाई वाली दीवार के शिखर तक पहुँचने में सफल रहा।
मैं समय-समय पर उस बड़े घर के पास से गुजरता, अटारी की खिड़कियों की ओर देखता और उस भविष्यवक्ता के बारे में सोचता। मैं खुद को यह समझाने की कोशिश करता कि उसकी भविष्यवाणी पूरी हो चुकी है।
तुम पश्चिम की ओर जाओगे और उस देवता का सामना करोगे जिसने अपना रुख बदल लिया है।
मैं वहां जा चुका हूं, वह सब कर चुका हूं - भले ही गद्दार देवता हेड्स के बजाय एरेस निकला हो।
आपको चोरी हुई वस्तु मिल जाएगी और वह सुरक्षित वापस मिल जाएगी।
ठीक है। एक शक्तिशाली प्रहार हो गया। हेड्स के चिकने सिर पर अंधकार का एक और हेलमेट वापस आ गया।

जो व्यक्ति तुम्हें मित्र कहता है, वही तुम्हें धोखा देगा।
यह बात मुझे अब भी परेशान करती है। एरेस ने पहले मेरे दोस्त होने का नाटक किया, फिर मुझे धोखा दिया। शायद ओरेकल का यही मतलब था...
और अंत में आप सबसे महत्वपूर्ण चीज को बचाने में असफल हो जाएंगे।
मैं अपनी मां को बचाने में असफल रहा, लेकिन केवल इसलिए क्योंकि मैंने उन्हें खुद को बचाने दिया, और मैं जानता था कि यही सही था।
तो फिर भी मुझे बेचैनी क्यों हो रही थी?
ग्रीष्मकालीन सत्र की आखिरी रात बहुत जल्दी बीत गई।
शिविरार्थियों ने एक साथ अंतिम भोजन किया। हमने देवताओं के लिए अपने भोजन का कुछ हिस्सा जला दिया। अलाव के पास, वरिष्ठ परामर्शदाताओं ने ग्रीष्म ऋतु के अंत के प्रतीक के रूप में मालाएँ प्रदान कीं।
मुझे अपना खुद का चमड़े का हार मिला, और जब मैंने अपनी पहली गर्मियों में उस मनके को देखा, तो मुझे खुशी हुई कि आग की रोशनी ने मेरे चेहरे की लाली को छुपा दिया था। डिज़ाइन एकदम काला था, जिसके केंद्र में समुद्री हरे रंग का त्रिशूल झिलमिला रहा था।
‘यह चुनाव सर्वसम्मति से हुआ,’ ल्यूक ने घोषणा की। ‘यह मनका इस शिविर में समुद्र देवता के पहले पुत्र की याद में बनाया गया है, और उस अभियान की याद में है जो उसने युद्ध को रोकने के लिए पाताल लोक के सबसे अंधेरे हिस्से में किया था!’
पूरा शिविर उठ खड़ा हुआ और जयकारे लगाने लगा। यहां तक कि एरेस के केबिन में बैठे लोग भी खड़े होने के लिए बाध्य महसूस कर रहे थे। एथेना के केबिन में बैठे लोगों ने एनाबेथ को आगे बुलाया ताकि वह भी तालियों में शामिल हो सके। मुझे यकीन नहीं है कि मैंने उस पल जितनी खुशी या उदासी कभी महसूस की थी। आखिरकार मुझे एक परिवार मिल गया था, ऐसे लोग जो मेरी परवाह करते थे और सोचते थे कि मैंने कुछ सही किया है। और सुबह, उनमें से ज्यादातर लोग साल के लिए चले जाएंगे।

* * *

अगली सुबह, मुझे अपने बिस्तर के पास वाली मेज पर एक फॉर्म लेटर मिला। मुझे पता था कि इसे डायोनिसस ने ही भरा होगा, क्योंकि उसने हठपूर्वक मेरा नाम गलत लिखने पर जोर दिया था:

प्रिय पीटर जॉनसन, यदि आप कैंप हाफ-ब्लड में पूरे वर्ष रहने का इरादा रखते हैं, तो आपको आज दोपहर तक बिग हाउस को सूचित करना होगा। यदि आप अपने इरादे की घोषणा नहीं करते हैं, तो हम मान लेंगे कि आपने अपना केबिन खाली कर दिया है या आपकी भयानक मृत्यु हो गई है। सफाई करने वाली हार्पी सूर्यास्त के समय काम शुरू कर देंगी। उन्हें किसी भी अपंजीकृत शिविरवासी को खाने का अधिकार होगा। पीछे छूटी हुई सभी व्यक्तिगत वस्तुओं को लावा के गड्ढे में जला दिया जाएगा।
आपका दिन शुभ हो! श्री डी (डायोनिसस) शिविर निदेशक, ओलंपियन परिषद संख्या 12
एडीएचडी की एक और खासियत यही है। जब तक डेडलाइन मेरे सामने न आ जाए, तब तक मुझे उसका कोई महत्व समझ नहीं आता। गर्मी का मौसम खत्म हो चुका था, और मैंने अभी तक अपनी माँ या कैंप को यह नहीं बताया था कि मैं वहाँ रहूँगी या नहीं। अब मेरे पास फैसला करने के लिए बस कुछ ही घंटे बचे थे।
यह फैसला आसान होना चाहिए था। मेरा मतलब है, नौ महीने की हीरो ट्रेनिंग या नौ महीने क्लासरूम में बैठना – ज़ाहिर सी बात है।
लेकिन मुझे अपनी माँ के बारे में भी सोचना था। पहली बार मुझे गेब के बिना पूरे एक साल उनके साथ रहने का मौका मिला था। मुझे घर पर रहने और खाली समय में शहर घूमने का मौका मिला था। मुझे याद आया कि एनाबेथ ने हमारी यात्रा के दौरान बहुत पहले क्या कहा था: असली दुनिया में ही राक्षस होते हैं। वहीं पता चलता है कि तुम अच्छे हो या नहीं।
मैंने ज़्यूस की बेटी थैलिया के भाग्य के बारे में सोचा। मैंने सोचा कि अगर मैं हाफ-ब्लड हिल छोड़ दूं तो कितने राक्षस मुझ पर हमला करेंगे। अगर मैं पूरे स्कूल वर्ष एक ही जगह पर रहूँ, बिना चिरोन या मेरे दोस्तों की मदद के, तो क्या मैं और मेरी माँ अगली गर्मियों तक जीवित रह पाएँगे? यह तब था जब वर्तनी की परीक्षाएँ और पाँच पैराग्राफ के निबंध मुझे मार न डालें। मैंने फैसला किया कि मैं अखाड़े में जाकर तलवारबाजी का अभ्यास करूँगी। शायद इससे मेरा दिमाग शांत हो जाए।
शिविरस्थल लगभग सुनसान था, अगस्त की भीषण गर्मी में चमक रहा था। सभी शिविरवासी अपने केबिनों में सामान समेट रहे थे, या झाड़ू-पोछा लेकर अंतिम निरीक्षण की तैयारी में लगे हुए थे। आर्गस एफ़्रोडाइट के कुछ बच्चों को उनके गुच्ची सूटकेस और मेकअप किट पहाड़ी के उस पार ले जाने में मदद कर रहा

था जहाँ शिविर की शटल बस उन्हें हवाई अड्डे तक ले जाने के लिए इंतज़ार कर रही थी।
मैंने खुद से कहा, अभी जाने के बारे में मत सोचो। बस अभ्यास करते रहो।
मैं तलवारबाज़ों के अखाड़े में पहुँचा और पाया कि ल्यूक के मन में भी यही विचार था। उसका जिम बैग मंच के किनारे पड़ा था। वह अकेले ही अभ्यास कर रहा था, एक ऐसी तलवार से युद्ध के पुतलों पर वार कर रहा था जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था। वह एक साधारण स्टील की तलवार रही होगी, क्योंकि वह पुतलों के सिर धड़ से अलग कर रहा था, उनके भूसे से भरे पेट को चीर रहा था। उसकी नारंगी रंग की काउंसलर की कमीज़ पसीने से तर थी। उसके चेहरे पर इतना तनाव था कि मानो उसकी जान सचमुच खतरे में हो। मैं मंत्रमुग्ध होकर देखता रहा, जैसे- जैसे वह पुतलों की पूरी पंक्ति के पेट चीरता गया, उनके अंग काटता गया और उन्हें भूसे और कवच के ढेर में बदल दिया।
वे तो सिर्फ डमी थे, लेकिन फिर भी मैं ल्यूक के कौशल से दंग रह गया। वह एक अविश्वसनीय योद्धा था। इससे मुझे फिर से यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि आखिर वह अपने लक्ष्य में कैसे असफल हो सकता था।
आखिरकार, उसने मुझे देखा और झूलना बीच में ही रोक दिया। 'पर्सी।'
‘उम, माफ़ कीजिए,’ मैंने शर्मिंदा होकर कहा। ‘मैं बस –’
‘कोई बात नहीं,’ उसने अपनी तलवार नीचे करते हुए कहा। ‘बस आखिरी समय की थोड़ी-बहुत प्रैक्टिस कर रहा हूँ।’
‘वे बेवकूफ अब किसी को परेशान नहीं करेंगे।’
ल्यूक ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'हम हर गर्मियों में नए बनाते हैं।'
अब जबकि उसकी तलवार घूम नहीं रही थी, मुझे उसमें कुछ अजीब सा दिखाई दिया। तलवार का ब्लेड दो अलग-अलग धातुओं से बना था - एक किनारा कांस्य का, दूसरा स्टील का।
ल्यूक ने मुझे उसे देखते हुए देखा। 'अरे, यह? नया खिलौना। यह बैकबाइटर है।' ‘चुगली करने वाला?’
ल्यूक ने तलवार को प्रकाश में घुमाया जिससे वह दुष्टतापूर्ण ढंग से चमक उठी। 'एक तरफ दिव्य कांस्य है। दूसरी तरफ तपा हुआ इस्पात है। यह नश्वर और अमर दोनों पर काम करता है।'

मैंने उस बात के बारे में सोचा जो चिरोन ने मुझे मेरी खोज शुरू करते समय कही थी - कि एक नायक को तब तक मनुष्यों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए जब तक कि यह बिल्कुल आवश्यक न हो।
मुझे नहीं पता था कि वे इस तरह के हथियार बना सकते हैं।
'शायद वे ऐसा नहीं कर सकते,' ल्यूक ने सहमति जताते हुए कहा। 'यह अपने आप में अनोखा है।'
उसने मुझे हल्की सी मुस्कान दी, फिर तलवार को म्यान में रख दिया। 'सुनो, मैं तुम्हें ढूंढने ही आ रहा था। क्या कहते हो, हम आखिरी बार जंगल में चलें, लड़ने के लिए कुछ ढूंढें?'
मुझे नहीं पता कि मैं क्यों हिचकिचाई। मुझे राहत महसूस करनी चाहिए थी कि ल्यूक इतना दोस्ताना व्यवहार कर रहा था। जब से मैं खोज से लौटी थी, वह थोड़ा अलग-थलग सा व्यवहार कर रहा था। मुझे डर था कि कहीं वह मुझे मिली सारी तवज्जो से नाराज़ न हो जाए।
मैंने पूछा, ‘तुम्हें लगता है यह अच्छा विचार है?’ ‘मेरा मतलब है –’
अरे, छोड़ो भी।’ उसने अपने जिम बैग में हाथ डाला और कोक की छह बोतलों का पैक निकाला। ‘पीने का बिल मैं दूंगा।’
मैंने कोक की बोतलों को घूरते हुए सोचा कि आखिर उसे ये कहाँ से मिलीं। कैंप की दुकान पर आम सोडा नहीं मिलते थे। उन्हें अंदर लाने का कोई तरीका नहीं था, शायद किसी सैटायर से बात करके ही लाया जा सकता था।
बेशक, जादुई डिनर ग्लास आपकी मनचाही किसी भी चीज से भर जाते थे, लेकिन उसका स्वाद असली कोक जैसा नहीं होता था, जो सीधे कैन से निकाला जाता है।
चीनी और कैफीन। मेरी इच्छाशक्ति चकनाचूर हो गई।
मैंने फैसला किया, 'ज़रूर। क्यों नहीं?'
हम जंगल की ओर चले गए और लड़ने के लिए किसी राक्षस की तलाश में इधर-उधर भटकते रहे, लेकिन बहुत गर्मी थी। शायद सारे समझदार राक्षस अपनी ठंडी गुफाओं में आराम कर रहे होंगे।
हमने नाले के किनारे एक छायादार जगह ढूंढी, जहाँ मैंने अपने पहले 'कैप्चर द फ्लैग' खेल के दौरान क्लैरिस का भाला तोड़ दिया था। हम एक बड़ी चट्टान पर बैठ गए, कोक पी और जंगल में सूरज की रोशनी का आनंद लिया।
कुछ देर बाद ल्यूक ने कहा, 'क्या तुम्हें किसी मिशन पर जाने की याद आती है?' 'हर कदम पर राक्षस मुझ पर हमला कर रहे हैं? क्या तुम मजाक कर रहे हो?'

ल्यूक ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं।
‘हाँ। मुझे उसकी याद आती है,’ मैंने स्वीकार किया। ‘तुम्हें?’
उसके चेहरे पर एक उदासी छा गई।
लड़कियों से मुझे ल्यूक की खूबसूरती के बारे में सुनने की आदत थी, लेकिन इस समय वह थका हुआ, गुस्से में और बिलकुल भी आकर्षक नहीं लग रहा था। धूप में उसके सुनहरे बाल भूरे दिख रहे थे। उसके चेहरे का निशान पहले से ज़्यादा गहरा लग रहा था। मैं उसे एक बूढ़े आदमी के रूप में कल्पना कर सकती थी। उन्होंने मुझसे कहा, “मैं चौदह साल की उम्र से ही पूरे साल हाफ-ब्लड हिल में रहता आया हूँ। थैलिया के बाद से... खैर, आप जानते ही हैं। मैंने खूब अभ्यास किया, खूब अभ्यास किया। मुझे कभी भी आम किशोरों की तरह असली दुनिया में जीने का मौका नहीं मिला। फिर उन्होंने मुझे एक मिशन दिया, और जब मैं वापस आया, तो ऐसा लगा जैसे, ‘ठीक है, सफर खत्म। अब आपकी जिंदगी अच्छी हो।’” उसने कोक का कैन मसलकर नाले में फेंक दिया, जिससे मुझे बहुत हैरानी हुई। कैंप हाफ-ब्लड में आपको जो पहली चीज़ सिखाई जाती है, वह है: कूड़ा मत फैलाओ। वरना अप्सराएँ और जलपरियाँ आपसे बदला लेंगी। एक रात आप बिस्तर पर लेटेंगे और पाएंगे कि आपकी चादरें कनखियों और कीचड़ से भरी हुई हैं। ‘लॉरेल की मालाओं को भाड़ में जाने दो,’ ल्यूक ने कहा। ‘मैं उन धूल भरी ट्राफियों की तरह जेल की अटारी में नहीं पहुंचना चाहता।’
‘तुम्हारी बातों से ऐसा लग रहा है जैसे तुम जा रहे हो।’
ल्यूक ने मुझे एक टेढ़ी मुस्कान दी। 'ओह, मैं जा रहा हूँ, ठीक है, पर्सी। मैं तुम्हें यहाँ अलविदा कहने के लिए लाया था।'
उसने उंगलियां चटकाईं। मेरे पैरों के पास ज़मीन में एक छोटा सा छेद हो गया। उसमें से एक चमकदार काली चीज़ बाहर निकली, जो मेरे हाथ के आकार की थी। एक बिच्छू।
मैंने अपना पेन निकालने की कोशिश शुरू की।
‘मैं ऐसा नहीं करूंगा,’ ल्यूक ने चेतावनी दी। ‘गड्ढे वाले बिच्छू पाँच मीटर तक कूद सकते हैं। उनका डंक आपके कपड़ों को भेद सकता है। आप साठ सेकंड में मर जाएंगे।’
‘ल्यूक, क्या –’
फिर मुझे यह बात समझ में आई।
जो व्यक्ति आपको मित्र कहता है, वही आपको धोखा देगा।

मैंने कहा, 'तुम।'
वह शांत भाव से खड़ा रहा और अपनी जींस से धूल झाड़ी।
बिच्छू ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया। उसने अपनी चमकीली काली आँखें मुझ पर टिकाए रखीं और अपने पंजों को कसकर पकड़ते हुए मेरे जूते पर रेंगने लगा। ‘पर्सी, मैंने दुनिया में बहुत कुछ देखा,’ ल्यूक ने कहा। ‘क्या तुमने इसे महसूस नहीं किया – अंधेरा छा रहा है, राक्षस ताकतवर होते जा रहे हैं? क्या तुम्हें एहसास नहीं हुआ कि यह सब कितना बेकार है? सारी वीरता – देवताओं के हाथों की कठपुतली बनकर रह जाना। उन्हें हज़ारों साल पहले ही उखाड़ फेंकना चाहिए था, लेकिन हम जैसे आधे-खून वाले लोगों की वजह से वे अब तक टिके हुए हैं।’
मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि ऐसा हो रहा है।
‘ल्यूक… तुम हमारे माता-पिता के बारे में बात कर रहे हो,’ मैंने कहा।
वह हँसा। ‘क्या इससे मुझे उनसे प्यार हो जाएगा? उनकी ये कीमती “पश्चिमी सभ्यता” एक बीमारी है, पर्सी। यह दुनिया को खत्म कर रही है। इसे रोकने का एकमात्र तरीका है इसे पूरी तरह जलाकर राख कर देना और कुछ अधिक ईमानदार चीज़ से शुरुआत करना।’
तुम तो एरेस की तरह ही पागल हो।
उसकी आँखें गुस्से से लाल हो उठीं। 'एरेस मूर्ख है। उसे कभी इस बात का एहसास नहीं हुआ कि वह असल में किसकी सेवा कर रहा है। अगर मेरे पास समय होता, पर्सी, तो मैं समझा सकता था। लेकिन मुझे डर है कि तुम इतने लंबे समय तक जीवित नहीं रहोगे।'
बिच्छू मेरे पतलून के एक पैर पर रेंगकर चढ़ गया।
इससे निकलने का कोई न कोई रास्ता तो होना ही चाहिए। मुझे सोचने के लिए समय चाहिए था।
मैंने कहा, 'क्रोनोस। तुम उसी की सेवा करते हो।'
हवा ठंडी हो गई।
'नामों के मामले में आपको सावधान रहना चाहिए,' ल्यूक ने चेतावनी दी। 'क्रोनोस ने तुम्हें मास्टर बोल्ट और हेलमेट चुराने के लिए उकसाया। उसने तुम्हारे सपनों में तुमसे बात की।'
ल्यूक की आंख फड़क उठी। 'उसने तुमसे भी बात की थी, पर्सी। तुम्हें उसकी बात सुननी चाहिए थी।'

'वह तुम्हारा ब्रेनवाश कर रहा है, ल्यूक।'
‘तुम गलत हो। उसने मुझे दिखाया कि मेरी प्रतिभा व्यर्थ जा रही है। तुम्हें पता है दो साल पहले मेरा मिशन क्या था, पर्सी? मेरे पिता, हर्मीस, चाहते थे कि मैं हेस्पेराइड्स के बगीचे से एक सुनहरा सेब चुराकर ओलंपस वापस लाऊं। मेरे सारे प्रशिक्षण के बाद, यही सबसे अच्छा विकल्प था जो उन्हें सूझा।’ मैंने कहा, 'यह आसान काम नहीं है। हरक्यूलिस ने भी यह कर दिखाया था।' ‘बिल्कुल सही,’ ल्यूक ने कहा। ‘दूसरों के किए को दोहराने में क्या गौरव है? सभी देवता तो बस अपने अतीत को दोहराना जानते हैं। मेरा मन इसमें नहीं था। बगीचे में मौजूद अजगर ने मुझे यह दिया –’ उसने गुस्से से अपने निशान की ओर इशारा करते हुए कहा – ‘और जब मैं वापस आया, तो मुझे केवल दया मिली। मैं उसी क्षण ओलंपस को पत्थर-पत्थर करके गिरा देना चाहता था, लेकिन मैंने सही समय का इंतज़ार किया। मुझे क्रोनोस के सपने आने लगे। उसने मुझे कुछ कीमती चीज़ चुराने के लिए प्रेरित किया, ऐसी चीज़ जिसे लेने का साहस किसी भी नायक ने कभी नहीं किया था। जब हम शीतकालीन संक्रांति के दिन घूमने गए, तो जब बाकी शिविरार्थी सो रहे थे, मैं चुपके से सिंहासन कक्ष में घुस गया और ज़्यूस का मुख्य वज्र उसकी कुर्सी से उठा लिया। हेड्स का अंधकार का हेलमेट भी। आप विश्वास नहीं करेंगे कि यह कितना आसान था। ओलंपियन इतने घमंडी हैं; उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि कोई उनसे चोरी करने की हिम्मत करेगा। उनकी सुरक्षा भयानक है। मैं न्यू जर्सी के आधे रास्ते तक पहुँच चुका था जब मुझे तूफ़ान की गड़गड़ाहट सुनाई दी, और मैं समझ गया कि उन्हें मेरी चोरी का पता चल गया है।’
बिच्छू अब मेरी गोद में बैठा था और अपनी चमकीली आँखों से मुझे घूर रहा था। मैंने अपनी आवाज़ को शांत रखने की कोशिश की। 'तो तुमने वो सामान क्रोनोस को क्यों नहीं दिया?'
ल्यूक की मुस्कान फीकी पड़ गई। ‘मैं… मैं अति आत्मविश्वास में डूब गया था। ज़्यूस ने चोरी हुए वज्र को खोजने के लिए अपने पुत्रों और पुत्रियों को भेजा – आर्टेमिस, अपोलो, मेरे पिता, हर्मीस। लेकिन एरेस ने मुझे पकड़ लिया। मैं उसे हरा सकता था, लेकिन मैं पर्याप्त सावधान नहीं था। उसने मेरे हथियार छीन लिए, शक्ति की वस्तुएँ ले लीं, उन्हें ओलंपस लौटाने और मुझे ज़िंदा जलाने की धमकी दी। तभी क्रोनोस की आवाज़ मेरे पास आई और उसने मुझे बताया कि क्या कहना है। मैंने एरेस के दिमाग में देवताओं के बीच एक बड़े

युद्ध का विचार डाल दिया। मैंने कहा कि उसे बस कुछ समय के लिए उन वस्तुओं को छिपा देना है और दूसरों को लड़ते हुए देखना है। एरेस की आँखों में एक दुष्ट चमक आ गई। मैं समझ गया कि वह फंस गया है। उसने मुझे जाने दिया, और मैं किसी के ध्यान देने से पहले ही ओलंपस लौट आया।’ ल्यूक ने अपनी नई तलवार निकाली। उसने अपने अंगूठे को ब्लेड के सपाट हिस्से पर फेरा, मानो वह उसकी सुंदरता से सम्मोहित हो गया हो। ‘उसके बाद, टाइटन्स के स्वामी… उसने मुझे बुरे सपनों से दंडित किया। मैंने कसम खाई कि मैं फिर कभी असफल नहीं होऊंगा।’ कैंप हाफ-ब्लड में वापस आकर, मेरे सपनों में मुझे बताया गया कि एक दूसरा नायक आएगा, जिसे छल से मनाकर वज्र और हेलमेट को बाकी रास्ते - एरेस से लेकर टार्टारस तक - ले जाया जा सकता है।
‘उस रात जंगल में तुमने नरक के कुत्ते को बुलाया था।’
‘हमें चिरोन को यह विश्वास दिलाना था कि शिविर तुम्हारे लिए सुरक्षित नहीं है, ताकि वह तुम्हें तुम्हारी खोज पर भेज दे। हमें उसके इस डर की पुष्टि करनी थी कि हेड्स तुम्हारे पीछे पड़ा है। और यह कारगर साबित हुआ।’
मैंने कहा, 'उड़ने वाले जूते शापित थे। उन्हें मुझे और मेरे बैग को टारटेरस में घसीटकर ले जाना था।'
और अगर तुमने उन्हें पहना होता, तो वे ऐसा कर देते। लेकिन तुमने उन्हें सैटायर को दे दिया, जो योजना का हिस्सा नहीं था। ग्रोवर जिस भी चीज़ को छूता है, उसे बिगाड़ देता है। उसने तो श्राप को भी गलत समझ लिया।
ल्यूक ने बिच्छू की ओर देखा, जो अब मेरी जांघ पर बैठा था। 'तुम्हें तो टार्टारस में मर जाना चाहिए था, पर्सी। लेकिन चिंता मत करो, मैं तुम्हें अपने छोटे दोस्त के साथ छोड़ रहा हूँ, वह सब ठीक कर देगा।'
मैंने दांत पीसते हुए कहा, 'थालिया ने तुम्हारी जान बचाने के लिए अपनी जान दे दी। और तुम उसे इस तरह चुकाते हो?'
‘थालिया का नाम मत लो!’ वह चिल्लाया। ‘देवताओं ने उसे मरने दिया! यह उन अनेक चीजों में से एक है जिनका उन्हें प्रायश्चित करना पड़ेगा।’
'ल्यूक, तुम्हारा इस्तेमाल किया जा रहा है। तुम्हारा और एरेस दोनों का। क्रोनोस की बात मत सुनो।'
‘मेरा इस्तेमाल किया गया है?’ ल्यूक की आवाज़ तीखी हो गई। ‘खुद को देखो। तुम्हारे पिता ने तुम्हारे लिए कभी क्या किया है? क्रोनोस उठेगा। तुमने बस उसकी योजनाओं में देरी की है। वह ओलंपियनों को टारटेरस में डाल देगा और

मानवता को उनकी गुफाओं में वापस भेज देगा। सिवाय सबसे ताकतवर लोगों के – जो उसकी सेवा करते हैं।’
मैंने कहा, 'यह सब रद्द करो। अगर तुम इतने ही ताकतवर हो, तो खुद मुझसे लड़ो।' ल्यूक मुस्कुराया। 'अच्छा प्रयास, पर्सी। लेकिन मैं एरेस नहीं हूँ। तुम मुझे उकसा नहीं सकते। मेरे स्वामी प्रतीक्षा कर रहे हैं, और उन्होंने मुझे करने के लिए बहुत सारे कार्य सौंपे हैं।'
‘ल्यूक –’
'अलविदा, पर्सी। एक नया स्वर्णिम युग आ रहा है। तुम उसका हिस्सा नहीं बनोगे।'
उसने अपनी तलवार को एक चाप में घुमाया और अंधेरे की लहर में गायब हो गया। बिच्छू झपटा।
मैंने उसे हाथ से झटक कर दूर कर दिया और अपनी तलवार की म्यान खोली। वह चीज़ मुझ पर झपटी और मैंने उसे हवा में ही दो टुकड़ों में काट दिया।
मैं खुद को बधाई देने ही वाला था कि तभी मेरी नज़र अपने हाथ पर पड़ी। मेरी हथेली पर एक बड़ा सा लाल निशान पड़ गया था, जिसमें से पीला चिपचिपा पदार्थ रिस रहा था और धुआँ निकल रहा था। आखिरकार उस चीज़ ने मुझे पकड़ ही लिया था। मेरे कान बजने लगे। मेरी नज़र धुंधली हो गई। मैंने सोचा, पानी की वजह से।
इसने मुझे पहले भी ठीक किया था।
मैं लड़खड़ाते हुए नाले तक पहुँचा और अपना हाथ उसमें डुबोया, लेकिन कुछ भी नहीं हुआ। ज़हर बहुत तेज़ था। मेरी नज़र धुंधली होती जा रही थी। मैं मुश्किल से खड़ा हो पा रहा था।
ल्यूक ने मुझे बताया था, "साठ सेकंड।"
मुझे शिविर वापस जाना था। अगर मैं यहाँ बेहोश हो गया, तो मेरा शरीर किसी राक्षस का भोजन बन जाएगा। किसी को कभी पता नहीं चलेगा कि क्या हुआ था। मेरे पैर भारी लग रहे थे। मेरा माथा जल रहा था। मैं लड़खड़ाते हुए शिविर की ओर बढ़ा, और अप्सराएँ अपने वृक्षों से हिल उठीं।
मैंने लड़खड़ाती आवाज़ में कहा, 'मदद करो। कृपया...'
उनमें से दो ने मेरी बांहें पकड़ लीं और मुझे खींचते हुए ले गए। मुझे याद है कि मैं खुले मैदान में पहुंचा, एक परामर्शदाता मदद के लिए चिल्ला रहा था और एक सेंटॉर शंख बजा रहा था।
फिर सब कुछ अंधेरा हो गया।

* * *

मैं मुंह में एक पीने का स्ट्रॉ लिए हुए जागा। मैं कुछ ऐसा पी रहा था जिसका स्वाद लिक्विड चॉकलेट-चिप कुकीज़ जैसा था।
अमृत।
मैंने अपनी आंखें खोलीं।
मैं बड़े घर के बीमारों के कमरे में बिस्तर पर लेटा हुआ था, मेरा दाहिना हाथ लाठी की तरह पट्टी से बंधा हुआ था। आर्गस कोने में पहरा दे रहा था।
एनाबेथ मेरे बगल में बैठी थी, मेरा अमृत का गिलास पकड़े हुए और मेरे माथे पर गीले कपड़े से पोंछ रही थी।
मैंने कहा, 'हम फिर से यहीं आ गए हैं।'
‘तुम बेवकूफ हो,’ एनाबेथ ने कहा, और इसी से मुझे पता चला कि मुझे होश में देखकर वह बहुत खुश थी। ‘जब हमने तुम्हें पाया था, तब तुम्हारा रंग हरा था और धीरे-धीरे भूरा पड़ रहा था। अगर चिरोन ने तुम्हें ठीक न किया होता तो…’ ‘अब बस करो,’ चिरोन की आवाज ने कहा। ‘इसका कुछ श्रेय पर्सी के अच्छे स्वास्थ्य को भी जाता है।’
वह मेरे बिस्तर के पास मानव रूप में बैठा था, इसीलिए मैंने उसे अभी तक नहीं देखा था। उसका निचला हिस्सा जादुई रूप से व्हीलचेयर में सिमट गया था, और ऊपरी हिस्सा कोट और टाई से ढका हुआ था। वह मुस्कुराया, लेकिन उसका चेहरा थका हुआ और पीला लग रहा था, ठीक वैसे ही जैसे रात भर लैटिन के प्रश्नपत्र जाँचने के बाद होता है।
उन्होंने पूछा, 'आप कैसा महसूस कर रहे हैं?'
'ऐसा लग रहा है जैसे मेरे अंदरूनी अंगों को पहले जमा दिया गया हो, फिर माइक्रोवेव में गर्म किया गया हो।'
'बिल्कुल सही, क्योंकि वह बिच्छू का जहर था। अब आपको मुझे बताना होगा, अगर आप बता सकते हैं, कि वास्तव में क्या हुआ था।'
अमृत की चुस्कियों के बीच, मैंने उन्हें कहानी सुनाई।
कमरा काफी देर तक शांत रहा।
‘मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि ल्यूक…’ एनाबेथ की आवाज़ लड़खड़ा गई। उसके चेहरे पर गुस्सा और उदासी छा गई। ‘हाँ। हाँ, मुझे विश्वास हो रहा है। भगवान उसे श्राप दें… उस खोज के बाद वह कभी पहले जैसा नहीं रहा।’

‘इसकी सूचना ओलंपस को देनी होगी,’ चिरोन ने धीरे से कहा। ‘मैं तुरंत जाता हूँ।’
मैंने कहा, 'ल्यूक अभी वहीं है। मुझे उसके पीछे जाना होगा।'
चिरोन ने अपना सिर हिलाया। 'नहीं, पर्सी। देवता –'
मैंने झल्लाकर कहा, 'क्रोनोस के बारे में तो बात ही नहीं होगी। ज़्यूस ने तो इस मामले को खत्म घोषित कर दिया है!'
‘पर्सी, मुझे पता है यह मुश्किल है। लेकिन तुम्हें बदला लेने के लिए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। तुम अभी तैयार नहीं हो।’
मुझे यह पसंद नहीं आया, लेकिन मेरे मन में कहीं न कहीं यह शक था कि चिरोन सही कह रहा था। अपने हाथ को देखते ही मैं समझ गया कि मैं जल्द ही तलवारबाजी नहीं करने वाला। 'चिरोन... ओरेकल से मिली तुम्हारी भविष्यवाणी... वह क्रोनोस के बारे में थी, है ना? क्या उसमें मेरा ज़िक्र था? और एनाबेथ का?'
चिरोन ने घबराकर छत की ओर देखा। 'पर्सी, यह मेरा काम नहीं है -'
‘आपको मुझसे इस बारे में बात न करने का आदेश दिया गया है, है ना?’
उनकी आँखों में सहानुभूति थी, लेकिन उदासी भी थी। 'तुम एक महान नायक बनोगे, बच्चे। मैं तुम्हें तैयार करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करूंगा। लेकिन अगर तुम्हारे आगे के रास्ते के बारे में मेरा अनुमान सही निकला तो...'
ऊपर आसमान में गरज की आवाज गूंजी, जिससे खिड़कियां हिल उठीं।
‘ठीक है!’ चिरोन चिल्लाया। ‘बहुत बढ़िया!’
उसने हताशा में आह भरी। 'देवताओं के अपने कारण होते हैं, पर्सी। अपने भविष्य के बारे में बहुत ज्यादा जानना कभी भी अच्छी बात नहीं होती।' मैंने कहा, 'हम यूं ही हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठ सकते।'
‘हम चुप नहीं बैठेंगे,’ चिरोन ने वादा किया। ‘लेकिन तुम्हें सावधान रहना होगा। क्रोनोस चाहता है कि तुम बिखर जाओ। वह तुम्हारा जीवन अस्त-व्यस्त करना चाहता है, तुम्हारे विचार भय और क्रोध से भर देना चाहता है। उसे वह मत दो जो वह चाहता है। धैर्यपूर्वक अभ्यास करो। तुम्हारा समय अवश्य आएगा।’ 'अगर मैं तब तक जीवित रहूँ तो।'
चिरोन ने मेरे टखने पर हाथ रखा। ‘पर्सी, तुम्हें मुझ पर भरोसा करना होगा। तुम ज़िंदा रहोगे। लेकिन पहले तुम्हें आने वाले साल के लिए अपना रास्ता तय करना होगा। मैं तुम्हें सही विकल्प नहीं बता सकता…’ मुझे लगा कि उनका इस बारे में एक बहुत ही स्पष्ट मत था, और मुझे सलाह न देने के लिए उन्हें अपनी

पूरी इच्छाशक्ति लगानी पड़ रही थी। ‘…लेकिन तुम्हें यह तय करना होगा कि तुम पूरे साल कैंप हाफ-ब्लड में रहोगे या सातवीं कक्षा के लिए नश्वर दुनिया में लौटकर ग्रीष्मकालीन शिविर में जाओगे। इस बारे में सोचो। जब मैं ओलंपस से वापस आऊँगा, तो तुम्हें मुझे अपना फैसला बताना होगा।’
मैं विरोध करना चाहता था। मैं उनसे और सवाल पूछना चाहता था। लेकिन उनके चेहरे के भाव ने मुझे बता दिया कि अब और कोई चर्चा संभव नहीं है; उन्होंने जितना कह सकते थे कह दिया था।
‘मैं जितनी जल्दी हो सकेगा वापस आऊंगा,’ चिरोन ने वादा किया। ‘आर्गस तुम्हारी रक्षा करेगा।’
उसने एनाबेथ की ओर देखा। 'ओह, और मेरी प्यारी... जब भी तुम तैयार हो जाओ, वे यहाँ हैं।'
मैंने पूछा, ‘यहां कौन-कौन है?’
किसी ने जवाब नहीं दिया।
चिरोन कमरे से बाहर निकल गया। मैंने उसकी कुर्सी के पहियों की धीमी आवाज़ सुनी, जो धीरे-धीरे दो-दो करके सामने की सीढ़ियों से नीचे जा रहे थे। एनाबेथ ने मेरे पेय में जमी बर्फ को गौर से देखा।
मैंने उससे पूछा, 'क्या हुआ?'
‘कुछ नहीं।’ उसने गिलास मेज पर रख दिया। ‘मैंने… बस किसी बात पर आपकी सलाह मानी। आपको… उम… कुछ चाहिए?’
'हां। मुझे उठने में मदद करो। मैं बाहर जाना चाहता हूँ।'
‘पर्सी, यह अच्छा विचार नहीं है।’
मैंने अपने पैर बिस्तर से नीचे सरकाए। इससे पहले कि मैं फर्श पर गिर पड़ती, एनाबेथ ने मुझे पकड़ लिया। मुझे मतली की एक लहर सी दौड़ गई।
एनाबेथ ने कहा, 'मैंने तुमसे कहा था...'
मैंने जोर देकर कहा, 'मैं ठीक हूँ।' मैं बीमार की तरह बिस्तर पर नहीं पड़ना चाहती थी, जबकि ल्यूक बाहर पश्चिमी दुनिया को नष्ट करने की योजना बना रहा था।
मैं किसी तरह एक कदम आगे बढ़ा। फिर एक और कदम, अब भी एनाबेथ का सहारा लिए हुए। आर्गस हमारे पीछे बाहर आया, लेकिन उसने दूरी बनाए रखी।

जब तक हम बरामदे तक पहुँचे, मेरा चेहरा पसीने से भीग चुका था। मेरा पेट बुरी तरह से मरोड़ रहा था। लेकिन फिर भी मैं किसी तरह रेलिंग तक पहुँचने में कामयाब हो गया था।
शाम ढल रही थी। शिविर बिल्कुल सुनसान लग रहा था। केबिन अंधेरे में डूबे थे और वॉलीबॉल का मैदान शांत था। झील की सतह पर कोई डोंगी नहीं दिख रही थी। जंगल और स्ट्रॉबेरी के खेतों के पार, लॉन्ग आइलैंड साउंड सूरज की आखिरी रोशनी में जगमगा रहा था।
‘तुम क्या करने वाले हो?’ एनाबेथ ने मुझसे पूछा।
'मुझें नहीं पता।'
मैंने उससे कहा कि मुझे ऐसा लग रहा है कि चिरोन चाहता है कि मैं पूरे साल यहीं रहूँ, और ज़्यादा व्यक्तिगत प्रशिक्षण दूँ, लेकिन मुझे पक्का नहीं पता कि मैं यही चाहती हूँ या नहीं। मैंने यह भी माना कि उसे अकेले छोड़कर जाने में मुझे बुरा लगेगा, क्योंकि उसके साथ सिर्फ़ क्लारिस ही होगी... एनाबेथ ने अपने होंठ सिकोड़े, फिर धीरे से कहा, 'मैं इस साल के लिए घर जा रही हूँ, पर्सी।'
मैंने उसे घूर कर देखा। 'तुम्हारा मतलब है, तुम्हारे पापा के घर?'
उसने हाफ-ब्लड हिल की चोटी की ओर इशारा किया। थैलिया के चीड़ के पेड़ के पास, शिविर की जादुई सीमाओं के बिल्कुल किनारे पर, एक परिवार परछाई की तरह खड़ा था - दो छोटे बच्चे, एक महिला और सुनहरे बालों वाला एक लंबा आदमी। वे इंतज़ार करते हुए लग रहे थे। उस आदमी के हाथ में एक बैग था जो देखने में बिल्कुल वैसा ही था जैसा एनाबेथ को डेनवर के वाटरलैंड से मिला था।
‘वापस आने पर मैंने उसे एक पत्र लिखा,’ एनाबेथ ने कहा। ‘बिल्कुल वैसे ही जैसे आपने सुझाव दिया था। मैंने उससे कहा… मुझे खेद है। अगर वह अब भी मुझे चाहता है तो मैं स्कूल के अगले साल के लिए घर वापस आ जाऊंगी। उसने तुरंत जवाब दिया। हमने तय किया… कि हम एक और कोशिश करेंगे।’
‘इसके लिए हिम्मत चाहिए थी।’
उसने अपने होंठ सिकोड़ लिए। 'स्कूल के दौरान तुम कोई बेवकूफी भरी हरकत तो नहीं करोगे, है ना? कम से कम... मुझे आइरिस मैसेज भेजे बिना तो नहीं?' मैंने मुस्कुराने की कोशिश की। 'मैं जानबूझकर मुसीबत मोल नहीं लेता। मुझे आमतौर पर ऐसा करने की जरूरत नहीं पड़ती।'

‘जब मैं अगली गर्मियों में वापस आऊंगी,’ उसने कहा, ‘हम ल्यूक को ढूंढ निकालेंगे। हम उससे एक मिशन मांगेंगे, लेकिन अगर हमें मंजूरी नहीं मिली, तो हम चुपके से निकल जाएंगे और फिर भी उसे पूरा करेंगे। सहमत हो?’
'यह योजना एथेना के योग्य लगती है।'
उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया। मैंने उससे हाथ मिलाया।
‘अपना ख्याल रखना, सीवीड ब्रेन,’ एनाबेथ ने मुझसे कहा। ‘अपनी आँखें खुली रखना।’
‘तुम भी, बुद्धिमान लड़की।’
मैंने उसे पहाड़ी पर चढ़ते और अपने परिवार से मिलते हुए देखा। उसने अपने पिता को बेमन से गले लगाया और आखिरी बार घाटी की ओर देखा। उसने थैलिया के चीड़ के पेड़ को छुआ, फिर खुद को चोटी से नीचे उतरकर नश्वर दुनिया में जाने दिया।
शिविर में पहली बार मुझे सचमुच अकेलापन महसूस हुआ। मैंने लॉन्ग आइलैंड साउंड की ओर देखा और मुझे अपने पिता की कही बात याद आ गई, "समुद्र को बांधकर रखना पसंद नहीं होता।"
मैंने अपना फैसला कर लिया है।
मैंने सोचा, अगर पोसीडॉन देख रहे होते, तो क्या वे मेरे इस चुनाव को स्वीकार करते?
मैंने उससे वादा किया, ‘मैं अगली गर्मियों में वापस आऊंगा। तब तक मैं किसी तरह गुजारा कर लूंगा। आखिर मैं तुम्हारा बेटा हूं।’ मैंने आर्गस से मुझे केबिन नंबर तीन में ले जाने को कहा, ताकि मैं घर लौटने के लिए अपना सामान पैक कर सकूं।

□□□□□□□□□□

□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□, □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□, □□□□ □□□□□, □□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□, □□□□ □□□□□□□; □□□□ □□□□ □□□□, □□□□□□□ □□□, □□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□, □□□□ □□□□□□□; □□ □□□□ □□□□□, □□□□, □□ □□□□ □□□-□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□, □□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□-□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□: □□□□□□□ □□□□□, □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□; □□. □□. □□□□□, □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□; □□□□□ □□□□, □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□; □□ □□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□, □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□. □□□□□, □□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□; □□□□□□ □□□□□, □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□; □□□□□□ □□□□□□□, □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□, □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□

Find out what happens next!

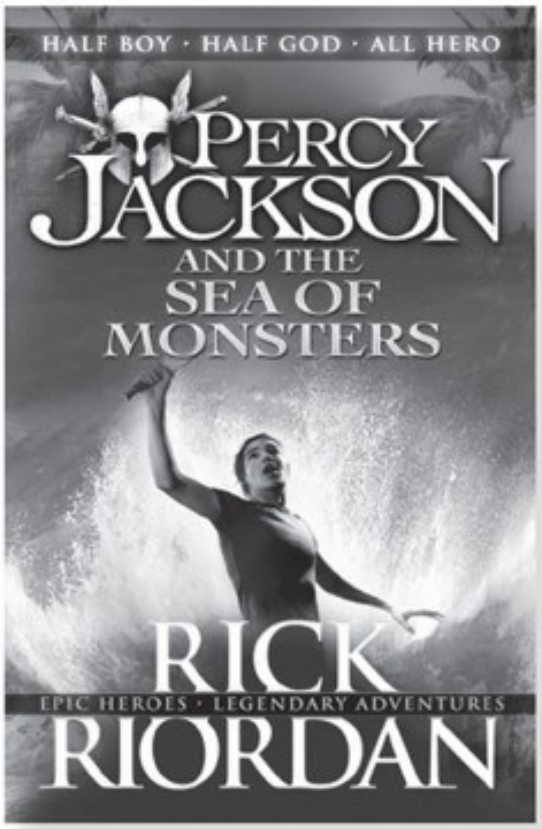

Turn over to read the thrilling opening of

PERCY JACKSON
AND THE
SEA OF
MONSTERS

1. मेरी सबसे अच्छी दोस्त शादी की पोशाक खरीदने जाती है

मेरा बुरा सपना कुछ इस तरह शुरू हुआ।
मैं किसी छोटे से समुद्रतटीय कस्बे की सुनसान सड़क पर खड़ा था। आधी रात का समय था। तेज़ तूफ़ान चल रहा था। हवा और बारिश फुटपाथ के किनारे लगे ताड़ के पेड़ों को चीर रही थी। गुलाबी और पीले रंग की प्लास्टर वाली इमारतें सड़क के किनारे कतार में खड़ी थीं, जिनकी खिड़कियाँ बंद थीं। एक ब्लॉक दूर, हिबिस्कस की झाड़ियों की एक कतार के पार, समुद्र में हलचल मची हुई थी। मैंने सोचा, फ्लोरिडा। हालांकि मुझे यकीन नहीं था कि मुझे यह कैसे पता चला। मैं कभी फ्लोरिडा नहीं गया था।
तभी मुझे फुटपाथ पर घोड़ों के खुरों की आवाज सुनाई दी। मैंने मुड़कर देखा तो मेरा दोस्त ग्रोवर अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा था।
हां, मैंने खुर कहा था।
ग्रोवर एक सैटायर है। कमर से ऊपर, वह एक दुबले-पतले किशोर जैसा दिखता है, जिसकी दाढ़ी पर हल्के बाल हैं और चेहरे पर मुहांसों की समस्या है। वह अजीब तरह से लंगड़ाकर चलता है, लेकिन जब तक आप उसे बिना पैंट के न देख लें (जो मैं करने की सलाह नहीं दूंगा), तब तक आपको पता ही नहीं चलेगा कि उसमें कुछ भी अमानवीय है। ढीली जींस और नकली पैर इस बात को छुपाते हैं कि उसके पिछले हिस्से और खुरों पर घने बाल हैं।
ग्रोवर छठी कक्षा में मेरा सबसे अच्छा दोस्त था। वह मेरे और एनाबेथ नाम की एक लड़की के साथ दुनिया को बचाने के लिए एक साहसिक यात्रा पर गया था, लेकिन मैंने उसे पिछले जुलाई के बाद से नहीं देखा था, जब वह अकेले एक खतरनाक मिशन पर निकल गया था - एक ऐसा मिशन जिससे कोई भी सैटायर कभी वापस नहीं लौटा था। खैर, मेरे सपने में ग्रोवर बकरियों की पूंछ ढो रहा था, अपने इंसानी जूतों को हाथों में पकड़े हुए, ठीक वैसे ही जैसे वह तेज़ी से चलने के लिए करता

है। वह छोटी-छोटी पर्यटक दुकानों और सर्फ़बोर्ड किराए पर देने वाली जगहों के पास से खुरों की आवाज़ करते हुए गुज़रा। हवा ने ताड़ के पेड़ों को लगभग ज़मीन तक झुका दिया था।
ग्रोवर अपने पीछे किसी चीज़ से बहुत डरा हुआ था। वह ज़रूर समुद्र तट से आया होगा। उसके फर पर गीली रेत जमी हुई थी। वह कहीं से भाग निकला था। वह किसी चीज़ से दूर भागने की कोशिश कर रहा था...
तूफ़ान के बीच एक भयानक गर्जना सुनाई दी। ग्रोवर के पीछे, गली के दूसरे छोर पर, एक धुंधली आकृति मंडरा रही थी। उसने एक स्ट्रीट लैंप को धक्का दिया, जो चिंगारियों की बौछार के साथ फट गया।
ग्रोवर डर के मारे कांपते हुए लड़खड़ाया। वह मन ही मन बुदबुदाया, "मुझे यहाँ से भागना होगा। मुझे उन्हें चेतावनी देनी होगी!"
मुझे यह दिखाई नहीं दे रहा था कि उसका पीछा कौन कर रहा है, लेकिन मैं उसे बड़बड़ाते और गालियां देते हुए सुन सकता था। जैसे-जैसे वह करीब आता गया, ज़मीन कांपने लगी। ग्रोवर एक गली के कोने की ओर भागा और लड़खड़ा गया। वह दुकानों से भरे एक बंद आंगन में जा घुसा। पीछे हटने का समय नहीं था। तूफान से पास का दरवाज़ा खुल गया था। अंधेरी खिड़की के ऊपर लगे बोर्ड पर लिखा था: सेंट ऑगस्टीन ब्राइडल बुटीक।
ग्रोवर अंदर की ओर भागा। वह शादी के कपड़ों के रैक के पीछे छिप गया।
उस राक्षस की परछाई दुकान के सामने से गुजरी। मुझे उसकी गंध आ रही थी - गीली भेड़ की ऊन और सड़े हुए मांस का घिनौना मिश्रण, और वह अजीब सी खट्टी गंध जो केवल राक्षसों में होती है, जैसे कोई बदबूदार जानवर जो मैक्सिकन खाना खाकर जी रहा हो।
ग्रोवर शादी के कपड़ों के पीछे कांप रहा था। राक्षस की परछाई आगे बढ़ गई। बारिश की आवाज़ के अलावा सन्नाटा छाया हुआ था। ग्रोवर ने गहरी सांस ली।
शायद वह चीज़ चली गई थी।
फिर बिजली चमकी। दुकान का पूरा अगला हिस्सा धमाके से उड़ गया, और एक भयानक आवाज दहाड़ उठी, 'मेरा!'
मैं कांपते हुए बिस्तर पर एकदम सीधा बैठ गया।
कोई तूफान नहीं था। कोई राक्षस नहीं था।
सुबह की धूप मेरे बेडरूम की खिड़की से छनकर अंदर आ रही थी।

मुझे लगा जैसे मैंने शीशे पर एक परछाई को झिलमिलाते हुए देखा – एक इंसान जैसी आकृति। लेकिन तभी मेरे बेडरूम के दरवाजे पर दस्तक हुई – मेरी माँ ने पुकारा, ‘पर्सी, तुम्हें देर हो जाएगी’ – और खिड़की पर दिख रही परछाई गायब हो गई।
यह शायद मेरी कल्पना ही थी। पांचवीं मंजिल की खिड़की, जिस पर एक जर्जर पुरानी सीढ़ी लगी थी... वहां बाहर कोई हो ही नहीं सकता था।
‘चलो बेटा,’ मेरी माँ ने फिर पुकारा। ‘स्कूल का आखिरी दिन है। तुम्हें खुश होना चाहिए! तुम लगभग पहुँच ही गए हो!’
मैंने किसी तरह कहा, 'आ रहा हूँ।'
मैंने तकिए के नीचे हाथ डाला। मेरी उंगलियाँ उस बॉलपॉइंट पेन पर आराम से टिक गईं जिसे मैं हमेशा अपने साथ लेकर सोती थी। मैंने उसे बाहर निकाला और उस पर खुदे हुए प्राचीन यूनानी शब्दों को ध्यान से पढ़ा: अनाक्लुस्मोस। यानी लहरों का सैलाब।
मैंने ढक्कन खोलने के बारे में सोचा, लेकिन किसी चीज़ ने मुझे रोक लिया। मैंने रिपटाइड का इस्तेमाल इतने लंबे समय से नहीं किया था...
इसके अलावा, मेरी माँ ने मुझसे वादा करवाया था कि मैं अपार्टमेंट में घातक हथियारों का इस्तेमाल नहीं करूँगा, क्योंकि मैंने एक बार गलत दिशा में भाला चलाकर उनकी चीनी मिट्टी के बर्तनों की अलमारी तोड़ दी थी। मैंने अनाक्लुस्मोस को अपने नाइटस्टैंड पर रखा और खुद को घसीटते हुए बिस्तर से उठा।
मैंने जितनी जल्दी हो सके कपड़े पहने। मैंने अपने बुरे सपने, राक्षसों या खिड़की पर मंडराती परछाई के बारे में न सोचने की कोशिश की।
मुझे यहाँ से निकलना होगा। मुझे उन्हें चेतावनी देनी होगी!
ग्रोवर का क्या मतलब था?
मैंने अपने दिल के ऊपर तीन उंगलियों से पंजे का आकार बनाया और बाहर की ओर धकेला - यह एक प्राचीन इशारा था जो ग्रोवर ने मुझे एक बार बुराई को दूर भगाने के लिए सिखाया था।
यह सपना सच नहीं हो सकता था।
स्कूल का आखिरी दिन। मेरी माँ सही कह रही थीं, मुझे खुश होना चाहिए था। ज़िंदगी में पहली बार, मैं लगभग पूरा साल बिना स्कूल से निकाले गए गुज़ारने में कामयाब रहा था। कोई अजीब दुर्घटना नहीं हुई। क्लासरूम में

कोई लड़ाई नहीं हुई। न ही कोई टीचर राक्षस बनकर मुझे ज़हर मिला खाना खिलाकर मारने की कोशिश कर रहा था या कोई होमवर्क धमाका कर रहा था। कल, मैं दुनिया की अपनी सबसे पसंदीदा जगह - कैंप हाफ-ब्लड - के लिए रवाना हो रहा था। बस एक दिन और बाकी है। यकीनन मैं इसे भी खराब नहीं कर सकता।
हमेशा की तरह, मुझे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि मैं कितना गलत था। मेरी माँ ने नाश्ते में नीले रंग के वफ़ल और नीले अंडे बनाए। उनका यह तरीका बहुत ही मज़ेदार है, खास मौकों पर नीले रंग का खाना बनाकर जश्न मनाना। मुझे लगता है कि यह उनका यह कहने का तरीका है कि कुछ भी संभव है। पर्सी सातवीं कक्षा पास कर सकता है। वफ़ल नीले हो सकते हैं। ऐसे छोटे-छोटे चमत्कार। मैं रसोई की मेज पर खाना खा रही थी जबकि मेरी माँ बर्तन धो रही थीं। उन्होंने अपनी काम की वर्दी पहनी हुई थी - एक नीली रंग की स्कर्ट और लाल-सफेद धारीदार ब्लाउज, जिसे वह स्वीट ऑन अमेरिका में मिठाई बेचते समय पहनती थीं। उनके लंबे भूरे बाल पोनीटेल में बंधे हुए थे।
वैफल्स का स्वाद तो लाजवाब था, लेकिन शायद मैं उन्हें उतने चाव से नहीं खा रहा था जितना मैं आमतौर पर खाता हूँ। मेरी माँ ने मेरी तरफ देखा और भौंहें चढ़ा लीं। 'पर्सी, क्या तुम ठीक हो?'
'हां ठीक है।'
लेकिन जब भी मुझे कोई बात परेशान करती थी, वह समझ जाती थी। उसने अपने हाथ सुखाए और मेरे सामने बैठ गई। 'स्कूल, या...'
उसे अपनी बात पूरी करने की ज़रूरत नहीं थी। मैं समझ गया था कि वह क्या पूछ रही है।
मैंने कहा, 'मुझे लगता है ग्रोवर मुसीबत में है,' और मैंने उसे अपने सपने के बारे में बताया।
उसने अपने होंठ सिकोड़ लिए। हमने मेरी ज़िंदगी के दूसरे पहलू के बारे में ज़्यादा बात नहीं की। हमने यथासंभव सामान्य जीवन जीने की कोशिश की, लेकिन मेरी माँ ग्रोवर के बारे में सब कुछ जानती थी।
‘चिंता मत करो, प्रिय,’ उसने कहा। ‘ग्रोवर अब एक बड़ा कामुक जीव बन गया है।
अगर कोई समस्या होती, तो मुझे यकीन है कि हमें… शिविर से खबर मिल जाती…’ शिविर शब्द कहते ही उसके कंधे तन गए।
मैंने पूछा, ‘यह क्या है?’

‘कुछ नहीं,’ उसने कहा। ‘मैं तुम्हें एक बात बताती हूँ। आज दोपहर हम स्कूल खत्म होने का जश्न मनाएंगे। मैं तुम्हें और टायसन को रॉकफेलर सेंटर ले जाऊंगी – उस स्केटबोर्ड की दुकान पर जो तुम्हें पसंद है।’
अरे यार, ये तो बहुत लुभावना था। हम हमेशा पैसों की तंगी से जूझते रहते थे। मेरी माँ की नाइट क्लास और मेरे प्राइवेट स्कूल की फीस के बीच, हम कभी स्केटबोर्ड जैसी खास चीजें खरीदने का खर्च नहीं उठा पाते थे। लेकिन उसकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जो मुझे परेशान कर रहा था।
‘एक मिनट रुको,’ मैंने कहा। ‘मुझे लगा कि आज रात मुझे शिविर के लिए पैक किया जा रहा है।’
उसने अपना डिशक्लॉथ मरोड़ा। 'अरे, प्रिय, उस बारे में... मुझे कल रात चिरोन से एक संदेश मिला।'
मेरा दिल बैठ गया। चिरोन कैंप हाफ-ब्लड में गतिविधियों का निदेशक था। वह हमसे तभी संपर्क करता था जब कोई गंभीर बात होती थी। 'उसने क्या कहा?' उन्हें लगता है... अभी आपके लिए कैंप में आना सुरक्षित नहीं हो सकता है। हमें इसे स्थगित करना पड़ सकता है।'
‘स्थगित? माँ, यह असुरक्षित कैसे हो सकता है? मैं आधा इंसान हूँ! यह मेरे लिए धरती पर एकमात्र सुरक्षित जगह है!’
‘आमतौर पर तो ऐसा ही होता है, प्रिय। लेकिन उनकी मौजूदा समस्याओं को देखते हुए –’
'जो समस्याएं हैं?'
‘पर्सी… मुझे बहुत-बहुत खेद है। मैं आज दोपहर इस बारे में तुमसे बात करना चाहती थी। मैं अभी सब कुछ समझा नहीं सकती। मुझे यकीन नहीं है कि चिरोन भी समझा पाएगा। सब कुछ इतनी अचानक हुआ।’
मेरा दिमाग चकरा रहा था। मैं कैंप में कैसे नहीं जा सकती थी? मैं लाखों सवाल पूछना चाहती थी, लेकिन तभी रसोई की घड़ी में आधा घंटा बज गया।
मेरी माँ को लगभग राहत मिली। 'साढ़े सात बज गए हैं, बेटा। तुम्हें जाना चाहिए। टायसन तुम्हारा इंतज़ार कर रहा होगा।'
'लेकिन -'
‘पर्सी, हम आज दोपहर बात करेंगे। तुम स्कूल जाओ।’
मैं ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहती थी, लेकिन मेरी माँ की आँखों में एक नाजुक सी उदासी थी – मानो चेतावनी दे रही हो, जैसे अगर मैंने उन पर ज़्यादा दबाव

[illegible]

***** [illegible] *****

sjeet

PERCY JACKSON

HORROR SHOWS, BLOODBATHS AND BACKSTABBING . . .

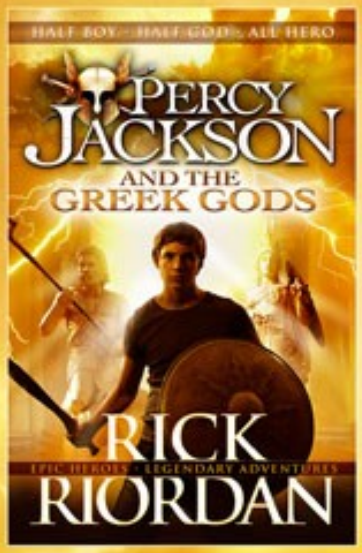

PERCY JACKSON TELLS THE TRUE STORIES OF THE GREEK GODS AND HEROES

RICK RIORDAN

EPIC HEROES · LEGENDARY ADVENTURES

www.rickriordan.co.uk

ebook and audio available

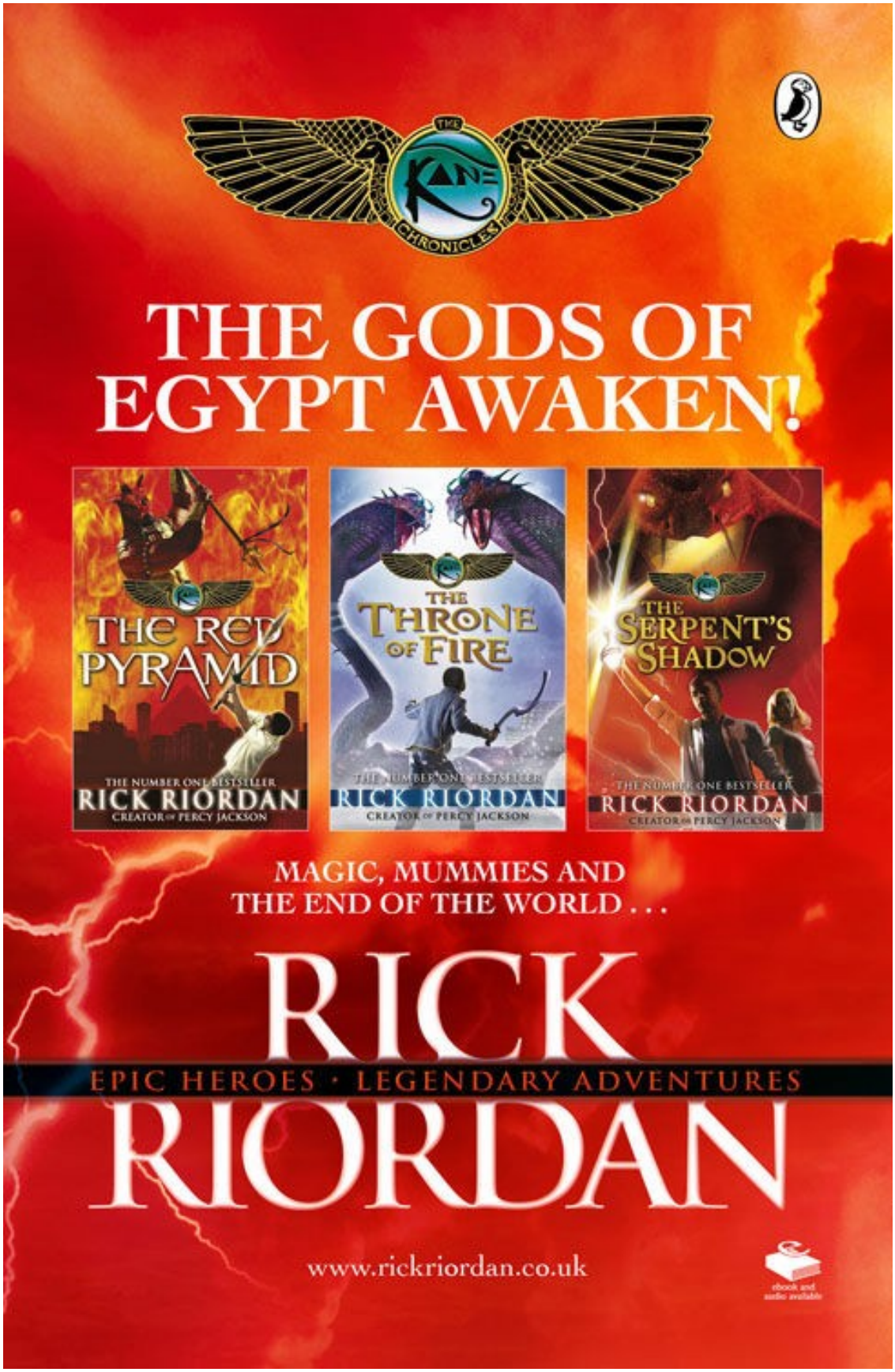
THE KANE CHRONICLES
THE GODS OF EGYPT AWAKEN!
THE RED PYRAMID
THE NUMBER ONE BESTSELLER
RICK RIORDAN
CREATOR OF PERCY JACKSON
THE THRONE OF FIRE
THE NUMBER ONE BESTSELLER
RICK RIORDAN
CREATOR OF PERCY JACKSON
THE SERPENT'S SHADOW
THE NUMBER ONE BESTSELLER
RICK RIORDAN
CREATOR OF PERCY JACKSON
MAGIC, MUMMIES AND
THE END OF THE WORLD . . .
RICK
EPIC HEROES · LEGENDARY ADVENTURES
RIORDAN
www.rickriordan.co.uk
ebook and audio available

GET YOUR HANDS ON THE STUNNING GRAPHIC NOVELS

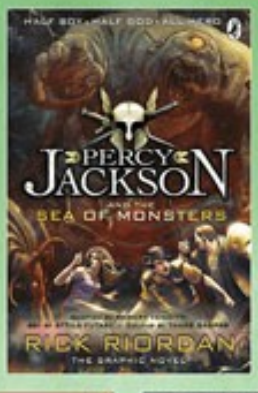

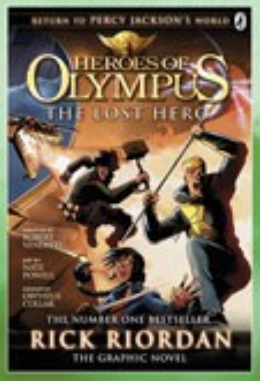

RICK RIORDAN

EPIC HEROES · LEGENDARY ADVENTURES

www.rickriordan.co.uk

ebook and audio available

PERCY JACKSON

WHEN PERCY MET CARTER . . .

A THRILLING SHORT-STORIES SERIES, BRINGING TOGETHER
THE WORLDS OF PERCY JACKSON AND THE KANE CHRONICLES

AVAILABLE EXCLUSIVELY IN EBOOK

RICK

EPIC HEROES · LEGENDARY ADVENTURES

RIORDAN

www.rickriordan.co.uk

PERCY JACKSON

HOMEWORK OR FIGHTING MONSTERS?

TOUGH CHOICE . . .

THE GREEK GODS ARE ALIVE AND KICKING

RICK RIORDAN

EPIC HEROES · LEGENDARY ADVENTURES

www.rickriordan.co.uk

ebook and audio available

रोमांच कभी रुकता नहीं…

प्राचीन ग्रीस के देवता 21 वीं सदी में भी जीवित और सक्रिय हैं। वे आज भी मनुष्यों से प्रेम करते हैं और अमर रक्त से सजे बच्चे पैदा करते हैं। जो बच्चे अपने माता-पिता के बारे में सच्चाई जान लेते हैं, वे कैंप हाफ-ब्लड की यात्रा करते हैं - जो अर्धदेवताओं के प्रशिक्षण के लिए समर्पित एक गुप्त केंद्र है। वहीं से, पोसीडॉन के पुत्र पर्सी जैक्सन जैसे युवा नायक अपनी बहादुरी साबित करने के लिए खतरनाक अभियानों पर निकल पड़ते हैं। पर्सी जैक्सन श्रृंखला:
पर्सी जैक्सन और बिजली चोर
पर्सी जैक्सन और राक्षसों का सागर पर्सी जैक्सन और टाइटन का अभिशाप पर्सी जैक्सन और भूलभुलैया की लड़ाई पर्सी जैक्सन और आखिरी ओलंपियन

द डेमीगॉड फाइल्स

पर्सी जैक्सन और ग्रीक देवता
पर्सी जैक्सन और ग्रीक नायक

जब एक विस्फोट से प्राचीन रोसेटा स्टोन चकनाचूर हो जाता है और मिस्र के अराजकता के देवता सेट का प्रकोप प्रकट होता है, तो केवल कार्टर और सैडी केन ही उन्हें बचा सकते हैं। उनकी भयावह खोज उन्हें प्राचीन मिस्र के देवताओं से उनके परिवार के जादुई संबंध के बारे में सच्चाई की तलाश में दुनिया भर में ले जाती है।
केन क्रॉनिकल्स श्रृंखला: लाल पिरामिड
अग्नि का सिंहासन
सर्प की छाया

HEROES OF
OLYMPUS

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]: [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

मैग्नस चेज़ हमेशा मुसीबतों से भागता रहा है, लेकिन मुसीबतें उसका पीछा नहीं छोड़तीं। एक अग्नि दानव के साथ युद्ध में मारे जाने के बाद, मैग्नस खुद को वलहल्ला में नॉर्स देवता ओडिन के चुने हुए योद्धाओं में से एक के रूप में पुनर्जीवित पाता है। लेकिन अब ओडिन की सेना में शामिल होने का सही समय नहीं है। असगार्ड के देवता दुनिया के अंत की तैयारी कर रहे हैं - और मैग्नस की इसमें अहम भूमिका है… मैग्नस चेस श्रृंखला:
ग्रीष्म ऋतु की तलवार

Bright and shiny and sizzling with fun stuff...

puffin.co.uk

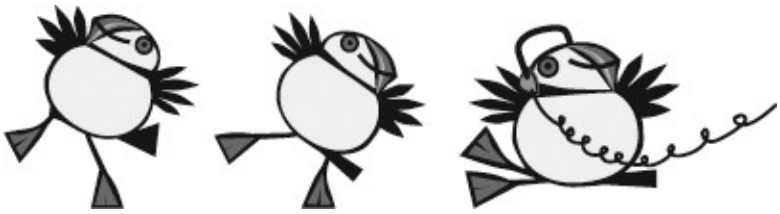

वेब मनोरंजन

अद्वितीय और विशेष डिजिटल सामग्री! पॉडकास्ट, तस्वीरें, प्रश्नोत्तर, एक दिन की जीवनशैली, साक्षात्कार और भी बहुत कुछ, इओइन कोल्फर, कैथी कैसिडी, एलन अहलबर्ग और मेग रोसॉफ से लेकर लिनली डोड तक!

वेब समाचार

पफिन ब्लॉग में पफिन मुख्यालय और विशेष अतिथि ब्लॉगरों के लेख और तस्वीरें भरपूर मात्रा में उपलब्ध हैं। आप हमारे मासिक न्यूज़लेटर 'पफिन बीक स्पीक' की सदस्यता भी ले सकते हैं।

वेब चैट

हर महीने कुछ नया खोजें – किताबें, प्रतियोगिताएं और ढेर सारे उपहार।

झिल्लीदार पैर

(पफिन पक्षियों के छोटे-छोटे मज़ेदार पैर और चमकीले रंग की चोंच होती है।)

Point your mouse our way today!

पफिन सत्तर साल से भी अधिक पुराना है। सुनने में बहुत पुराना लगता है, है ना? लेकिन पफिन इतना जीवंत कभी नहीं रहा। हम हमेशा नए-नए विचारों की तलाश में रहते हैं, और इसी से तो इतने साल पहले इसकी शुरुआत हुई थी।

पेंगुइन बुक्स एलन लेन नामक व्यक्ति के दिमाग की उपज एक विशाल विचार था, जिन्होंने 1935 में उच्च गुणवत्ता वाली पेपरबैक किताबों का आविष्कार किया और दुनिया को बदल दिया। और महान पेंगुइन्स से महान पफिन्स का जन्म हुआ, जिन्होंने बच्चों की किताबों का चेहरा हमेशा के लिए बदल दिया।

पफिन पिक्चर बुक्स की पहली चार पुस्तकें 1940 में प्रकाशित हुईं और पहली पफिन कहानी की किताब में वर्ज़ेल गमिज नाम के एक ऐसे व्यक्ति का किरदार था जिसके हाथ झाड़ू की डंडियों जैसे थे। 1967 में पफिन की संपादक काय वेब ने पफिन क्लब की शुरुआत की और बच्चों को पाठक बनाने का वादा किया। उन्होंने अपना वादा निभाया और पफिन पोस्ट की त्रैमासिक किस्तों के माध्यम से 2 लाख से अधिक बच्चे पफिन क्लब के प्रशंसक बन गए।

हमें उम्मीद है कि कई वर्षों बाद, आप पीछे मुड़कर देखेंगे और पफिन को मुस्कुराते हुए याद करेंगे। आपकी उम्र चाहे जो भी हो या आपकी रुचियां कुछ भी हों, हर किसी के लिए एक पफिन मौजूद है। संभावनाएं अनंत हैं, लेकिन एक बात निश्चित है: चाहे वह चित्र पुस्तक हो या पेपरबैक, स्टिकर बुक हो या हार्डकवर, अगर उस पर नन्हा पफिन बना है - तो वह निश्चित रूप से अच्छा होगा।

www.puffin.co.uk

पफिन बुक्स
यूके | कनाडा | आयरलैंड | ऑस्ट्रेलिया | न्यूजीलैंड | भारत | दक्षिण अफ्रीका
पफिन बुक्स, पेंगुइन रैंडम हाउस समूह की कंपनियों का हिस्सा है, जिनके पते global.penguinrandomhouse.com पर देखे जा सकते हैं।
puffinbooks.com

पहली बार संयुक्त राज्य अमेरिका में हाइपरियन बुक्स फॉर चिल्ड्रन द्वारा 2005 में प्रकाशित। ग्रेट ब्रिटेन में पफिन बुक्स द्वारा 2005 में प्रकाशित। यह संस्करण 2013 में प्रकाशित हुआ।
पर्सी जैक्सन एंड द सी ऑफ मॉन्स्टर्स: पहली बार संयुक्त राज्य अमेरिका में हाइपेरियन बुक्स फॉर चिल्ड्रन और ग्रेट ब्रिटेन में पफिन बुक्स द्वारा 2006 में प्रकाशित।
पाठ का कॉपीराइट © रिक रिओर्डन, 2005, 2006
लेखक के नैतिक अधिकार का दावा किया गया है।
कवर का चित्र ओवेन रिचर्डसन द्वारा बनाया गया है।
एंड्रयू स्मिथ द्वारा डिजाइन किया गया www.asmithcompany.co.uk
सर्वाधिकार सुरक्षित
ISBN: 978-0-141-92440-3